ग्रम्थ संस्था १९ वित्रीय तस्करण १९६२

#### भवेव पुश्वर

सावार.

बाँ० माताप्रसाद गुप्त



## अवतरिगुका (प्रथम सस्करगा की मृमिका)

सापा संबंधी केखीं और पुस्तकों के किखने के सिकारिक्ष में स्वमावता मेरा ध्यान स्वमी की बोर पाना और नमी से मैंने पानीयों को इक्ट्रा करता मार्रम दिया । बार्रम में ने पानीय केसक स्वमी के बम्मपन की पुष्टि से एका कियो गए वे ना वा में एक बमोनूड सकता के बादेशानुसार में सपती सामग्री को एक पानिय कोस का क्या देने के प्रवास में स्वम पाना पान, काम इतना विकार और अधिक का और कुछ परिस्थितियों-वा में उत्तर स्वाना कम समय वे सका कि निवारिता से कुने समय में भी काम समायत न ही सका। बता स्वमायता पत्रत संवाद का विवार निवार कार्य हो पाना और दिस मुझि पर्नाम कोश का कार्य सुन हो चुका या मैंने बीरे-बीर देसे पूरा किया। संतीय और मदसता है कि सब सह स्वपन्ट हियो पाटकों के सामने वा खाई है।

यह कार्य हर वृष्टियों से पूर्व हो। ऐसी बात नहीं है। हिंदी में इसके पूर्व उत्केक्य पर्वाय कोश केवल एक ही प्रकाधित हुना है और वह भी अविकासता संस्त सकतें का। संस्कृत पर्यामी के साथ दिसी सकतें को भी यवासम्बद्ध स्थेत का इस पुस्तक में प्रवम प्रवास है। साथ ही इसमें पर्याय के अधिरित्त विकास भी प्रायः कार्यः सकतें स्थेत पर्या है। साथ ही इसमें पर्याय के अधिरित्त विकास भी प्रायः कार्यः सकतें हिंदी का सह सम्बद्ध से साथ है। ऐसी दसा में पूर्व और बैक्सिन बनना तो हुए एस अधिकास केवल में सुक्त सिंक स्थाय का भी काम कर सका तो सो पूर्व सीती होता हो।

पुस्तक के विषय जीर प्रयोग करने के नियमों के लिए आगे के 'यह पुस्तक' सीर्पक को सामग्री वैजिए।

पयाँमों के एकत करने श्रेष्ठ कारी तैयार करने बनुकमती बनाने तथा गुरु देवने में माई मुक्तेकर एवं एम ए साहित्यरन क्या भीमकार में बड़ी बहुमता की है। भीविकास भीविवास हुनुमान प्रयाद तथा महाभीर प्रयाद बीतम बादि से भी कम हाम नहीं बेटमा है।

पुरतक में विधेपतः बनुकाणी मान में मुक्त शंक्षी सपुदियों रह गई है तथा कहीं-बहीं कुछ एक भी पूट गए हैं जिनके बिए केकड समाप्राणी है। पृदिन्तन इस-विध्य नहीं दिया जा रहा है कि कुछ जयकारों को छोड़कर प्रायः कोग उसका सप्योग नहीं करते सब देनान देना करावद हो नहा है।

पुस्तक के किसने में संस्कृत के प्रशिक्ष कोण समर, इकापुण शिरंगी तथा हिंदी के नाम-सामा विश्वकोण हिंदी-साध्य-सावर एवं पर्याय-कोण साथि से बड़ी सहावता

	•	
माबार पर ही एक्टम करना	प्रचक्कित हिंदी पर्वांदों की कोच-स पड़ा है। मैं के किए अनुबृहीत हूँगा।	ग्रेण कर अपने स्मरण के
२ जनवरी १९५४ हिन्दुस्तानी एकेडेमी इकाह्यमाद	}	संपादक
and the second	यह संस्करण	à .
वह वरकरन अनन -	भ एंडोबित बीर कुछ परिवर्डित ।	e-1 € 1
किरोड़ीमल काष्टिक	]	
रिक्की	}	संपादक

#### यह पुस्तक

बायकक प्राय कोची में धन्य प्यति या सवार-कन से रुखे रहते हैं। ऐसे कोचों में बनों को लोको में स्वाधनी एडती हैं। पर खाव ही ऐसे कोचों की भी उपनोधिता कन महीं है दिवामें सक्षर कम से बच्च न रखते बाकर वनों में पर्याय कम में रन्तके वाले हैं। संस्कृत के पूराने कोचों में मही परंपरा मिछती है। अंग्रेजी में इस प्रकार के कोच नेसार कहें बाते हैं। चेसारखों में पर्याय के अधिरिक्त विकोग सब्य नी दिये एते हैं।

धानात्य कोशों और पेशारण या पर्याय कोशों के प्रयोग में बहुत अंतर है। वब इमारे धानने कोई ऐसा धम्द का चाता है जिएका वर्ष इम महीं चानते का विश्वके वर्ष के श्रंबंक में हुमें निरुष्य नहीं पहता तो इस धानात्य कोशों की सहायता केते हैं पर इस्ती और बज इसारे हुष्य में कोई माद करता है और स्वकी विभाग्यनित के किए हुमें शिंदत कोर स्वतिक स्वक्ष की वाक्स्यकता पढ़ती है तो इस वेशारण या पर्याय कोश की सहायता केते हैं। इस प्रकार किया और सेक्सों के किए वेशारण या पर्याय कोश प्राय करादियाँ नहीं है। दिशार्षियों के थिए भी केवन कार्य की वृद्धि से इस्के महरूव को बस्सी कर नहीं किया था सकता।

अस्तुत को प्रश्निक पर्याय को को से इस कात में भिन्न और कामे है कि इसमें यका सन्तुत को प्रश्निक पर्याय के को से जवात है। विकोश को बंध से दिये गए हैं। कहीं-कहीं तो एक के बास-पास ही को-बार कंक काने या पीछे दे दिये गए हैं और कही सक्तों के पर्याय के के बाव कि या विकोश किककर विकोश सक्त दे दिया गया है। ऐसी सिन्ति में विकोश सक्त की अनुकश्मी के आवार पर मूक पुस्तक में अन्यत्र सक्त पर्यायों के साथ कोता वा सक्त ही

में उसके पर्याय वा किलोन बूंढ़ेगा । जठा ऐसी अवस्था में प्रायः प्रचलित सम्ब ही बर् कमणी में सोग देहींये । उदाहरण के किए 'बोड़ा' सब्द सीमिए । प्रस्तुत कोय में 'बोड़ें' के ६ से उत्पर पर्मीय दिये हैं जिनमें बौड़ा अस्त बोटक तुरंत बाजी सेवब तमा हन कादि प्रचक्ति सन्दों के विदिन्त प्रायं ५ सन्द ऐसे हैं जिन्हें सामान्यतमा कीव नहीं भानते । ऐसी स्थिति में जन ५ ग्रन्थों को अनुक्रमणी में स्थान देना निरर्थक वा । विसे बोड़े के पर्याय की बावस्तकता होवी वह अनुकमकी में बोड़ा अस्व कोटक, तुरंग बाबी सैमन सा इब जादि प्रचक्ति सन्दों को देखेगा और उसी के आभार पर पर्यास सन्द कोबेगा । बोबे के अप्रवस्तित पर्यामीं—'कोकाह' विवाह' प्रीवीं 'वालायन' या है वादि-को बतुक्यणी में कोई मी नहीं चोबेना। इसकिए इस प्रकार के बप्रवस्थि शब्दों को अनुकरणी में देना बनावस्मक विस्तार वा अतः बात-वृक्त कर सन्हें कीत दिया गमा 🕻 ।

पुस्तक का तीसरा बाय परिविष्ट के हैं। इसमें मूक पुस्तक के कृटे सन्मों के पर्मीन तथा यथानस्थक विकोम दिये गए 🕻 ।

# मूस पुस्तक की विस्तृत कम रेका

वर्ष क. वर्ग पुरुठ १---४ धर्म प्रवास वर्ग वर्ग-संप्रदाय (पृ १) वर्शावरच (पृ २-५) तीर्न (पृ

शोद्वार (पृ४) मक्ति (पृ४-५) यज्ञ (पृ४-५) सस्कार-मामन (प ५-६) देश्वर, देश्वरवादिता-निर्धेश्वरवादिता देवी-वेक्ता बक्तार तवा पीरा-विक व्यक्ति और उनसे संबंधित वार्ते (पृ ५-३५) ऋषि बीद, बैन ईसाई तवा मुसकमान वर्ग (पृ ३५-३७) वर्ग-संव (पृ ३८-४२)

वर्षे के करा धारव और विद्यान पुष्ठ ४२–६८

कला (पू ४२-४४) विक बीर एंस (पू ४४-४५) संतीत (पू ४५-४८) साहित्य (पृ४८-५२) मापा-क्रिपि (पृ५२) विका (9 48-५६) राजनीति और राजा (पृ ५६-५९) अर्जनास्त्र (पृ ५९-६१) धारत्र (पृ ६१-६५) विशत (पृ ६५-६८) ब्योतिय (पृ ६८)

वर्ष म भीव पुष्ठ ६८-१९ प्रामी---मनुष्य (पृ ६८-६९) अंत्र और शत्यंत्रीक्षत अन्य वस्तूएँ और नार्ते

(१ ६९-७४) संस्कार (१ ७४-७६) संबंधी (१ ७६-८१) वर्ष वासियाँ कौर क्पनातियाँ (पृ८१~८४) अविकार और कार्यके बाबार पर वने कुछ वर्षों के नान (पू ८४-८७) बानवर, कीड़े पक्षियों और उनसे संबंधित सक्य (पू C=-99)

वर्षेत्र वनस्पति वानु तका राज वृष्ठ ९९-१११

मनस्पति (पृ ९९) पेड्-पीने जड़ियाँ और इनके अंग तथा उनसे संबंधित

स्वात शस्तुरं तमा वार्ते (पृ ९९-११४) अस (पृ ११४-११६) तरकारी

(पृ ११७-१२) फल (पृ १२०-१२२) फुल (पृ १२२-१२६) बाहु (पृ १२६-१२९) राज (पृ १३०-१३१) बर्गक करकम बस्तर्ये पठ १११-१५४

वर्त क फुटकस वस्तुएँ चिकित्सा की वस्तुएँ और औपवियाँ (पृ १३१–१३३) जान-यान संविध्य

बस्तुर (पुरुवान मिळावर्गी तमा पेस वार्ति सीर वार्ति) (पु १३४–१३९) नसे की की दें (पु १३९–१४) पशुक्रों के कास (पु १४) वस्त्र (पु १४०–१४३)

र्श्वपार को बस्तुर्पे (पृ १४६-१४५) बायूपण (पृ १४५-१४७) श्रीका जीर स्थायाम की बस्तुर्पे झीर ठासवंबी बाउँ (पृ १४७-१४८) यान (पृ १४८) इति सार (पृ १४८-१४९) वरेलू सामान (पृ १४९-१५४)

वर्ष च स्वान पुन्न १६८ स्थान (पृ १६४) बाकाय घडु-जबन और राधियाँ (पृ १६४) रूपि प्राप्त प्रदानबन और राधियाँ (पृ १५४–१६७) रिग्नाएँ (पृ १५७) पृथ्वी समुद्र और उद्य पर के विधिन्न प्रकार के स्थान द्वारा उनसे

र्षवड बार्चे (पु १५७—१६८)

वर्ष छ समय पृष्ठ १६८—१७९ समम (पृ १६८) युग वर्ष महीना चानु, तिथि दिन एत (पृ १६८) समम संबंधी नन्य वार्ते (पृ १७२-१७६) त्योहार (पृ १७५-१७६) वर्षी जाहा

नीर गर्नी संबंधी काम बार्षे (पु. १७०—१७९) वर्षे में स्वमान मन-बुवय-मरिजन्क बारि की वृत्तिमां दशाएँ तवा प्रनप्त संबंधित नाम बार्षे पूर्वे पुम या भाववाचक संवार्षे, निर्धेषण तवा प्रनप्ते सम्बद्ध निमार्थे एवं क्रम्य

मिसित बार्ते पुष्ट १७ -२३४ वर्त स सूटे राम्दों का मिसवर्ते पुष्ट २३४--२५३

### पुस्तक में पर्याय या विस्तोम कसे देखें ?

स. वर्षाय देखने के सम्बन्ध में—विश्व शहर का पर्वाय देखना हो वसे पहले बनुष्यानों में देखें । बनुक्यानों में साम सामान्य कोशी को मोड़ि बसर कम से राने यह हैं। साम क मार्ग 'क' से मां उपने कमारों में कोई बसर और दिए उसने मार्ग केरिये कंप मिना। असर सेना कि असर दिम्मुत करनेत्या में राम्य दिया है दाते के मार्ग के सामें प्रकृष्ट । जो असर हो मून पुस्तक में बहु मां निवास में और दिए उस का में में बसर के मार्ग निक्ता कोट निवास । उसी बांच पर उस साम के पर्यायनाची शास मिनेंसे। बनुक्यानी में पुष्त पत्नों के सामें कर पर उस साम के पर्यायनाची शास मिनेंसे। इनकृत आर्थ सहूर्ष है कहा पार कहा पार्यों का वर्षाय है और तेनी रिचान से प्रमान मार्ग समानेंसर शिकान पर्यायों के सामें के निए कोस जकरमा होगा। बनुक्यानों में बार दिना तथा है आपे दें (देखिए) और कोई सम्य किसा है तो नह सम्य अनुक्रमणी में निकासना होना और उस आसार पर फिर मुख पुत्तक में देखना होगा। असि किसी पान के किस अगयो जीवत सम्य देखना हो तो उसके किस्

वहि किसी पात के किए बाएको उचित सम्ब देवना हो तो उसके किए कोई मी स्वय को बाए के दियान में इस मान ही मिस्ता-जुकता को अनुकारों में दैविए कीर किर उसे मुख्य इसका में देविए। मुख्य इसका में उस स्वय के नर्ममों में या उसके हो-कार अंक लीच मा स्वया बाएके किस समित स्वया मिक बाएका।

कमो-कमो किको समय देखा तो होता है कि बचने किसी मात्र के किए कर्य गृहीं मिनता और साथ ही वस मात्र के किए उस भाव के समीप का तो कोई सब्द नहीं निक्या । ऐसी करूपा में तस मात्र के निरोधी मात्र के किए आपके पास मित्र की स्वाप्त के सिंह कर किसी मात्र की में निकाल कर बाद करना स्वित सम्बंध सब्दे हैं।

पुस्तक में प्रयक्त सक्षेप

रै ज्योंकिए। कि के बाद गरि कोई घम्म है तो उत्तरत सर्व गर्ह है कि छव घम्प को सनुकानी में देखिए या सनुकानों के सावार पर मक्त पुस्तक में देखिए। किंदु विदे वहीं परिधिष्ट का उत्तरेख है तो परिश्विष्ट देखिए।

वि-विलोम

पर्यायकाची झख और जनके चयन भी कसीटी

वर्षांव या वर्षाववाची कारों को प्रायः तीय विकक्त एक कर्ष वाले प्रायः सामार्थे हैं पर प्रवापेन पर्वाव मिलके जुनके वाले मोले पार्थों को कहते हैं। 'पारा एक्ट' और कर्मनिकेटन कोरी एक पुत्रते के वर्षाय हैं पर इतका वर्ष विवक्त कर नहीं हैं। स्पेत को इंग्टि से दोनों का एक स्वान पर प्रयोग नहीं हो सकता। बसाहएक के लिए हि पार्या रमथ ! उस दुष्ट से मेरी रक्षा करों कहने की बपेका है कंशनिकंदन उस दुष्ट से मेरी रक्षा करों बहना अधिक उपनुष्त होगा ! रक्षा करने के प्रशंग में 'रमथ करने वाके इप्प' की बपेशा 'कस के मारने वाके हुष्य' को पुकारणा अधिक समीधीन हैं ! इसी प्रकार बन्द सकों के संबंध में भी देशा बा सकता हैं !

यहाँ खरू के यथार्थ वर्ष पर ध्यान देने से बंदर माधूम हुआ। कुछ नयांच ऐसे भी होंगे हैं जिनमें बंदर इस मकार नहीं बात किया था सकता। वसाहरण के किए 'जसव' भीर 'गैरव' दो सक्त से ! बोलों का ही जर्म पानी से बस्पने बाका अवित कमार्थ है पर रूप दोगों में भी इनडो क्यान को देवते हुए बंदर किया सा सकता है। 'बावज' मरेता कर विषक घोनक पारवर्धी और पिय बात होता है। गीर में 'मं 'अकार ने सकते कीमका बार पारवर्धी कीर पिय बात होता है। भी मुस्तिवानका पंत ने पत्कव की मूमिका में कुछ सभी के प्राप्ती की संकर इस बुद्धि से बड़ा सुंदर विवेचन किया है। यहाँ परी देव केना अध्यक्षा न होया---

"मिस-मिस पूर्वामवाची सन्य प्रायः संगीत मेद के कारण एक ही पदार्च के मिल-मिछ त्यक्यों को प्रकट करते हैं। बैसे 'सुं से कीव की बकता 'मुकूटि' से कटाडा की चंचकता 'बीड़ों' से स्वामायिक प्रसमता ऋज्ता का इबय में जन्मय होता है। ऐसे ही हिकोर में बठान 'कहर में धतिक के वसास्वत की कोमल-कम्पन 'तरंग' में सङ्दों के समृह का एक दूसरे की अकेसना छठ कर निर पढ़ना 'बढ़ी-बढ़ों नहरे का प्रका मिकता है 'शीच' से बैसे किरमों में चमकती हवा के प्रक्रों में ड्रॉके-ड्रॉके भूक्यों हुई हुँसमझ सहरियों का 'दर्मिम' से मधुर-मुखरित हिकोदों का हिल्लोक-इस्तीक से अंबी बाहें स्वादी हुई जलात-पूर्व दर्श्यों का बाबात मिसता है। 'पंच' बाब में केवल फाक की मिलती है चढ़ान के लिए जारी सपता है जैसे किसी ने पत्नी के पैंकों में सीसे का टकड़ा बॉब दिया हो। वह कटपटा कर बार-बार नीने पिर परता हो। मेंनरेबी का wing वैसे उड़ान का जीता-जागता विश्व है। उसी तरह 'touch में जो दुने की कोशकता है वह "स्पर्ध" में नहीं शिकती । "स्पर्ध" और प्रेमिका के अंगों का अवानक स्वर्ध वाकर ब्रह्म में जो रोगांच ही प्रक्रा है प्रथका विव है। इज-माया के 'परस' में सुने की कीमलता मचिक विश्वनात है 'Soy' से जिस प्रकार मुँह भर भारत है 'हर्ष' हे उसी प्रकार मानन्द का विशुव-कुरम प्रकट होता है। अँगरेकी के air' में एक प्रकार की transparency निकती है जाती इनके हारा दूसरी और भी परतु दिलाई पहती हो। 'जनिल' से एक प्रकार की कीमल बीतकता का अनुसब होता ै पैरे सम की इट्टी के छन कर जा पही हो 'बाई' मैं निर्मेक्ता तो है हो सबीकापन भी है, यह गन्द रनर के कीते की तरह खिच कर किर जपने ही स्वान पर जा बादा है प्रजंबन wind की तरह यहर करता बाजू के कम और पत्नों को बढ़ाता हवा बढ़ता है 'दबसन' की सनमनाहट छिद नहीं सबती 'पबन' सम्ब मुझे ऐंता कमना है जैसे हवा दक गई

हो । 'प' मोर 'न' को बीबारों से निरुक्षा जाता है, 'समीर' सहराता हुमा बहुता है ।" मही संमीत से पंत्र जो का जाराज मही सन्द-कर्मात है । करिया के लिए इस स्मीन या संगीत को जानकरकता के विश्वय में आगे पंत्र जी निरुद्ध है—

"कृषिका के किए विज-भाषा की सावस्वकता पहती है उसके सन्य सम्बद्धिय "कृषिका के किए विज-भाषा की सावस्वकता पहती है उसके सन्य सम्बद्धिय चाहिए, यो बोकते ही जेब की तरह जिनके रस की समुस्कालिया औतर क समा सकते

पर्यांनों की कारमा और व्यनि की परस के छिए वहां अंगुक्ति-निर्देश कर सकता है---"पंजाब से विकास तक कार हाब की किसी के गांक पर मारा जाम मा नाम किती के हान पर मारा बाय तो कहा नाता है कि 'जीटा मारा' या 'जीटा पड़ा' ! 'चरि' का सन्य बहुत प्रथमित हैं । 'यानव्' भी प्रथमित है केकिन इस सन्यों के पर्यासवाची नितने भी सन्द युक्तप्रांत या बूतरे प्रान्तों में बोले और इस्तेमाल किने वाते हैं जनके प्रकारम की सहकाकोजी (मनोवृत्ति) पर बीर करने से पता कबता है कि वाँटे के मर्गानत नेद हो सकते हैं। कोगों ने सागाब के मुताबिक सलन-सलय नाम भी रख फिके है। 'बाँदा' वह है जो मुस्से में किसी के बाज पर रसीब किया बाता है। इसके सम्बन्ध रम से ही इसकी ध्वनि-मान्यना प्रकट हो वाती है। धानी यह चकरी है कि चौटा बानाव के चान उठरे । इस जावाय में एक नटायों की जावाय भी किमी हुई है । बप्पड़ कभी भाँटे की बरावरी वा भाँटे के सबस अर्थवाची नहीं हो सकता क्योंकि मध्यह से भागे की नाबाय-कड मानाव विश्वका सारतक शिर्फ जैपलियों से ही है--नहीं निकक्ती । बप्पड़ में बनामे थाल पर हाच की वेंबक्तिमें के अखावा हचेली का भी कुछ हिस्सा पड़ माठा है भी मानाथ की कमनीयवा को को देता है से किन चौट सबस्य ही कराये स्नाठी है। नाल पर एक बपन्द में संपक्षियों के निवाल पहला मुमक्षित नहीं है, अस' प्रकट है कि क्याब और बीटे में बमीत-जासमान का फर्क है। बीटे के बोब का सन्य रंगीया है। मनर प्रसर्ने भी वह देवी नहीं जो बाँटे में है। इसके बकावा तमीया वरावर बाकों में इस्तेमाल नहीं होता। बाग तीर से यह वहां की और हैं। कोठों के किय ही 'रिवर्ष' रका बाता है। बच्चड़ की कहीं-कही कच्चड़ भी कहते हैं। परन्त वह शास प्रवाहमूका

रे पु में पेत मध्यम १९५३ प्रयाग पुष्क १७--१८

र पण्याची में कप्पड़ को 'कप्पड़' कहते हैं और पंचावी वपाड को कप्पड़ समस्ता विकक्त ही ठीक हैं।

नहीं है मनर क्या किया बाय बाही पर गववरी यह हो कि एक तरफ दो गाक किसी मोटे बादमी का हो तो इसरी बोर हाब भी मौकाना चीकत बसी का जिसमें बरबी को अधिकता ने सुस्ती पैदा कर दी हो । मतकब यह कि इसी फिस्म के और भी कितने सक्त हैं। इन्हीं शब्दों में से एक बहत ही मीर्च और चकता हवा सबद है 'सपाटा'। मन्त्रमांत से उत्तर साथर भुपाल की तरफ बोला जाता है। इस मुपाली जपाटे में विजली की-सी गृति और हर दर्जे की तेवी मीजब है। इसकी प्रचंडता वर्णन से बाहर है। असल में यह चौटा ही है मगर बेहद तेव किस्म का । वपनी तेवी और प्रचंडता के कारण चीटे और क्ष्मीचे की चटांचेदार कामाज निर्देशकर 'सपाटे' का अग्राटा अपना अक्षक जन्मच कर देता है। इसकिए 'बपाटा' वह चौटा है जिसमें चौटे की सारी बतरगांक बारीकियाँ

और सम्बंधियों मौजब हों और उनके सकावा विश्वणी की-सी तेडी भी हो।" 1 इस प्रकार पर्यावकाणी पत्नों में नवें और म्वति का इन की जावारों को केकर श्रेड किया का सकता है। और यह निश्चय किया का सकता है कि कई पर्यायों में कोई एक ही किसी निवेच स्वल पर प्रवोच के योष्य है।

यडौ एक कवि मीर एक गधकार ने को पुछ कहा है उसे बपनी पृष्टि के सामने रखंदे हुए यह कहना अन्यया न होया कि किसने के पूर्व अपनी यावना को व्यक्त करने वाले प्रवान सन्दों के पर्यायों पर यदि एक बार विट डाक की बास हो हम अपने भावों के प्रति अधिक स्वाय कर सकते हैं। पर इसका यह वर्ष कशांप नहीं कि इस पर्याय कोय कारे फिरें और हर बाक्य के हर सब्ब के किय पूरी उक्टें। इस प्रकार का प्यान शास

रखने से बार कमी-कमी कुछ सोच केने से पचित सम्ब के चयन का हम सम्यास बढ़ा सकते हैं और इससे अपनी अधिकांत्रना में सक्ति और सौंदर्य का सकते हैं।

हो, । 'प' बोर 'त' को बीनारों से किर-सा जाता है, 'समीर' कहराता हुमा बहरा है। यहाँ संगैत से भंत को का बाबाय नहीं सब्द-कानि है। कविता के किए हस स्पति

मा धंगीत की बालस्वकता के नियम में बाने पंत की किसते हूँ—
"कविता के किए विजन्माया की जानस्वकृता पृत्ती है, उसके सन्य सस्वर होने

भागता का लए। स्वन-भाषा का नावस्थकता पहता हु, उसके धन्य उत्तर इत्त भाहिए, यो बोक्ते हों सैन की तरह जिनके रस की सनुर-कालिमा शीतर म समा चन्ते के कारण बाहर हाकक पढ़े।

पंठ की में यह विकार कविता की वृद्धि से किया है। पर शह बात देवक किया तक ही नहीं सीमिस होगी काहिए। १ तकार भी यदि इस प्रकार खब्दों को परवाने का स्थान रखें पो उपका क्या विकाद चूंदर हो एकता है। उन्हें के हास्परसावतार कास्पर सी बदी मार्च करवाई में 'पप्पड़' के एक दायों को बताने एक कहानी में प्रकृत करते के पूर्व करके प्रयोगी की स्थान का विकोध्यक किया है। यह मनोरंकक दिखेया सी पर्यामों की जास्सा बीट स्वान की परवा के किए यहां बंजुकि-निर्देश कर सकता है—

"पंजाब से बल्बिन तक अयर हाथ को किसी के गांक पर मारा जान वा पाच किसी के हान पर मारा बाव तो कहा जाता है कि जीटा मारा' वा 'वटिंग पढ़ा'। 'वटिं का राम्य बहुत प्रचक्ति हैं । 'बागड़' भी प्रचक्तित हैं कैकिन इन सक्तों के पर्वायगाणी निवर्त मी सब्द मुक्तप्रांत या बुसरे प्रान्तों में बोले और इस्तेमान किने बाते हैं, बतके चन्दारम की साहकाकोगी (मनीपृथ्ति) यह सीर करने से पता बसता है कि बाँडे के वदमित भेर हो बकते हैं। कोनों ने जावाज के मुताबिक अक्रम-अक्रम नाम भी रख किसे है। 'वाटा' यह है जो मुस्ते में किसी के माल पर रतीव किया बाता है। इतके उपना-रम से ही इसकी व्यक्ति-सम्बन्धा प्रकट हो जाती है। यानी यह जकरी है कि चौटा बाबाच के साथ करते । इस बावाब में एक चटानों की शावाब भी कियी हुई है । चयाह कमी चाँटे की बराबरी वा चाँटे के सबस अर्थवाणी नहीं हो सकता क्योंकि बप्पड़ हैं बटाबे की मानाव--वह बाबाव- निज्ञका शास्त्रक शिर्क वेगिकियों से ही है--नहीं निक्रकती। बचाइ में समार्ग ग्राक पर हाब की संगतियों के सकावा हचेती का भी कुछ हिस्सा पड़ वाता है भी मानाब की कमगीमता को भी बेता है. सेविन चोट समस्य ही करारी समग्री है। यांक पर एक सपन्तु में जंगतियों के निसान पहना सुमक्तिन नहीं है असा प्रकर है कि बच्चड़ और चोटे में क्योग-बासमान का फर्क है। चोटे के जोड़ का सम्ब तमीचा है। सनर प्रश्नमें भी नह तेजी नहीं भी चटि में है। इसके अकाना तमीचा बरावर वार्तों में इस्तेमाल नहीं होता । बाम तौर ते वह वहीं की ओर तैं कोटों के लिए ही 'रिपर्व एका भारत है। यपड़ को कहीं कही कपड़ भी कहते हैं परलू यह सबद प्रवाहपुक्त

र मु मं पंत नयपुर १९५३ प्रधान पुष्ट १७---१८

प्रण्याची में बणक को सम्पन्न कहते हैं और पंत्राची बणड की सम्पन्न मधसना विकास ही ठीफ है।

नहीं है मनर बना किया बाय बहाँ पर यनवृत्ये यह हो कि एक तरफ तो याथ कियों मीटे बासमी का हो तो दुवारी जोर हाथ गरी मीधनाय बीधन बनी का मिसमें करती की मिसमों में सुद्धी पैदा कर दो हो। यायक यह कि सभी किसम के की मिसमें करती है। एस्टी सम्बों में से एक बहुत हो मीन् बीर चलता हुना वायद हैं बचादां। मुक्तमंत्र से उत्तर खायर मूनाक की तरफ बोला वाता है। इस मूनाबी जगाटे में दिवसी की-सी मीत बीर हुव बनें की तेवी मीनूब है। इसकी प्रचादा वर्णन से बाहर है। बसस में मह बीटा हो है मनर बेहर देवा किस्स का। बचनी तेवी और प्रचंदात के कारक बराम कर देता है। इससिय व्यादां कावाब निवोचन पार्टी की बाहर करना सार्टक बराम कर देता है। इससिय व्यादां वह बोलस है। विसमें बटि की सारी करनाक हो स्वीतिक

बीर छन्दिंगियाँ बीजूब हूँ। बीर उनके बकाया विवकी की-धी देवी थी हो। "" इस प्रकार पर्यायाची गयों में बर्च और प्लिंग का इन दो बामार्टे को केकर भेद हिमा का छन्दा है। और यह निक्चय किया का छक्दा है कि कई पर्यामों में कोई एक ही किसी स्वेश्व स्वक्त पर प्रवेश के बीम्य है।

यहाँ एक जीव और एक गयकार ने जो कुछ कहा है बसे अपनी वृद्धि के हामने रखते हुए यह कहना अध्यमा न होगा कि जिसमें के पूर्व अपनी जावना को व्यक्त करने मोले प्रमान छन्दों के पत्नीमों पर यदि एक बार विटि बाल भी जान दो हम अपने प्राचों के प्रति अधिक स्वाय कर उच्छते हैं। पर इंडकर यह जाँ कशाय नहीं कि हम पत्नीम कोय जादे जिर्दे और हर बायन के हर छन्दर के किए वर्ष उन्हरें। इस प्रकार का स्थान मान रखने से और क्यी-क्यी कुछ सोच लेने से सचित और बंधन का हम अध्यास बढ़ा सम्बोद कि रास्त्र अपनी अध्यासना में सांत्र और सीवर्ष का स्वस्त्र के स्वायन का हम अध्यास बढ़ा सम्बोद की सांत्र स्वायन अपनी अध्यासना में सांत्र और सीवर्ष का स्वस्त्र है।

१ नि व चग्रनाई चग्रताईकी रहानियाँ १९४३ ग्रमास करा 🏎 🗸



पर्मां चारी

सामदायिक

मरुव ।

**\*** t

वर्गानुवामी सङ्ख्या

मिली ।

🖣 🦹 छ प्रयान धर्म—ईनाई जैन पारगी

४ हिम्द--आर्थ बैदिक हिब्स्वानी।

धंव ।

वर्गनमात्र । चार्वाच—जनीरवरवाणी

निधेश्वरमाद्ये ।

**७. वॅश्यद-न्या**ग्यन

स्थार्ग । ८ बेप्पर धर्म की हो हालाएँ-यान

रागरा कृतस्य सन्देशसम्बद्धाः

बीद मनुस्त्रात यहती निक्य हिन्दू।

५. हिंदू वर्ष के प्रयान श्रेप्रशय—मार्थ

समाज बार्योक माथ गैप्सन, सामत

५ ६. आयतमाङ--वैदिक यम दयानदी

% द्वारत--यक्तिपुरक भावतः। रे सैब---दिक्यूपक शिवानकी ।

पानामस पानुसा होता।

११ संबर्धको ४ सामार्थे -- वरराजिक ११ स. वर्ष (शुभवर्म)---पारपुष्प

बास रिएम सब नेदपान पुष्ट पुत्र

विञ्जानर

मीमान् भीर इस बूर्ग सर्नानी देवची विषयन दिए रिएम

इन्ते-म हुन्त्री होस्ट म<sup>र्म</sup>स सर् स्टब्स स्ट सुर्यः, स्टा

Wifer .

₹ to

पुग्य सत्वर्षे सदाचार, सवाब स्वयं

विधेव-ईमान, मजहब और यह सम्बा

हिंदू बम या हिंदू भवहन ।

नदाचारी नूरसी शुःगाः। १४ अमें गित (पालडी)--अंपनिरवारी

विलोध-देश पार्र १

रम इ वर्ष के लिए प्रयुक्त होते हैं बैधे

१२ धर्मार्डकर--अंपनिस्ताम आहंबर,

🛤 पर्नेजील (यथार्थ)---परमी यर्थ प्रकृति पर्वतिष पर्वमात्र धर्मात्मा

मर्भपुरीय वर्गी पानिक पुष्पालाक

मार्थकी कामी धर्मेष्ट्या, पोरप्रमी।

१५ समें करना-आवरण से स्टूना

र्दमान बग्नना राग्ने गर बनना । धर्में

के पर्यायां में कामा बोह कर और

१७. वरिय-जन्त भाषाये परिधार वर्षाम

भी पर्योग बनाय जा सफ्डे है ।

१६. बर्माध्यस-सरसारकः।

कींय शानंड पीराशिक्त पीराची ।

क १८

१८ पम के १० सनग्र-- जनाम असीय इंद्रियनियद समा दम पृष्टि चुळि विद्या गुणि सस्य (शत्रु के अनुसार) । १९. सन्दिर-- जायसन अनक चौर,

ą

र्रे सान्दर-सायतन धनक पात् ठारुकारा ठारुकाहो देवगृह देवगृत देशकिट देवन देवमाना वेदालय पान देहरा प्रागाए, श्रद्धास्तान पूर्व व्यक्ति विगाउद, विग्वदंह विमुधानास विवास सर्व गिवामा स्वतिवह सुर्थानास विवास

सय स्थान। १ परिक्रमा---पृताई, वरकर चक फेटी भांबर। ११ परिक्रमा करना----वरकर कोटना

परनवा देना केंग्रे देना जीवर डालना भाँवर घेरता । २२ भूति--आसार, बाहति प्रतिवा प्रतिभूति वतिबंद प्रतिकत्त कुन मुस्त

प्रांत्मातं प्रशासन्व प्रांतम् बृतं भूततः सूर्ताः विष्ठदः भूततः । २३ भूति स्वादनाः—द्वित्यः प्रतित्यानः प्रशित्यानां स्थारतः । २४ भूतिद्वाः—द्वित्यानुसनः प्रार्टिया

६४ मृतिक्रा---विधानुकर प्रतिमा पूरा केरारण्डी गण्य कृता । ६५ मिनुकर--बृत्तारण पुराधे । ६६ पूरा---राचना साहता अन्ययन सर्वेत स्थाना सर्वी, स्रोत प्रतिम सरायत सर्वी प्राचयन स्राप्त सरायत सर्वी स्राप्ति ।

सागरम सागी सागपना देशाय देशा जागना वरिवादी परिवेशन मुक्त वरिदाना धामा दुव्या नेवना

पूजन विश्वना धाना गूजना नेवना नैयाः १७ पूजा वश्ना-व्याचे देशा अर्थन क्षामा अर्थना वश्ना वाराधना धाना

हेबारित करना, बूलक्षेत्र करनार नहि

सेवना पुत्रीया करना पुत्रन करना,

२८. पूजा हुआ—अचित आरावित

नीय इज्य हिन्य क्यासनीय छपास्य परश्चपुरुष परसेज्य पुत्रनीय पुत्राहै

पूज्य जाननीय मान्य बंदनीय सम्मान

३ पुत्रा के शामान---वरात पूर्व

चंदन नैवेच फुछ पन बूप दीप रोती।

पुजना सेवना ।

देशित पूरित गेरित । १९. पुरस--धर्मनीय आराम्य आरर

भीव सम्बाग्व।

इरे अस<del>ात अ</del>च्छत्।

३५. आरसी-जीर वीया कुण्डणी गीरोक्य गीराजर वीराजना । इं६. आरसी जतारना-आयी करना, वीर वात करना गीरोजन वरना गीय कद करना गीराजना करना विनर्जेत करना । ३५. जूनारी-जवरायक अवस्थि, अर्थेत जारायक जानक प्राणी,

पूरक । १८. शुंबरम---वर ध्याम बाद, घरम रपरम । ३९. शुंबरमा---(१रवर के माथ मारि)

६ गुण्यसा—६६वार के नाम माण्य माणा च्यान बरना च्याना नामे तेनाः नान रेमरण बरना अनना अन्तर परना नामा पेरना थार करना नुमरना गुरि रेन बरना पीरमा स्परम करना रसस्ता।

तनकीर

४ भृतिरमी—अपनाता

क ५९ ₩ ¥₹ मनका मनिया माका रहास स्मरणी। ५१ **वल-**-उपबास उपास । ४१ सुमिरती का बावा-पृरिया मनका ५३ वतरहवा--उपवासकामा निराहार मनिया स्त्राक्ष स्मेक। फनाम्बनावसासना वर्तीसना। ५४ शीय-तीरव तीर्यस्यत दीर्वस्थान ४२ कडी-कंडी कंडका कंडका वेनवाम देवस्थान नाम पुष्पस्तक मनिया मामा। ¥३- कीर्तन--कीर्तिस्तवन कीर्तियान पश्चित्र स्थान । विदोव---वै॰ 'प्रयाग' तथा असके बास नन-कवन यन-कीर्तन भूण-स्तवन धूगानुबाद, सबन स्तव स्तुति स्तवन पास की सामग्री । सीवं रूप पवित्र महियों के किए वे 'र्गना' तथा उसके कासपास स्त्रतिबाद । ४४ डोर्टन करना---उपर के सम्बो की सामग्री। में करना' जादि औडकर इसके पर्याय ५५ शीर्थ करना--दीर्वाटन करना जाम बनावे का सकते हैं। बाना तीर्बयात्रा करना । ४४ रू. मजनीरू-कीर्तिनमा मजनिहाँ ५६- ४ वास-वनप्रावपुरी हारिकापुरी भवती। वदरिकायम समेदनरम्। ४५ स्<del>तुति अ</del>न्यर्थना अस्तुति ईखित ५७. ७ मोसदायक तीर्व-समोद्या इस्तवा नृति पथाबित प्रयोक्षा प्रस्तृति मयन्तिका काँची काम्री वयन्नायपुरी प्रार्थना व्यक्ति धस्त स्तव स्तोव । धारिकापुरी मधुरा। विकोस-दे "निया" वाली । विश्लेष-चप्तपूर में भी मे ही स्मल हैं। ¥६ स्तुति करना—ऊपर के सर्वों में केवल जमशामपूरी के स्थान पर हुखार 'करना'चोड़कर पर्याय बनाये का सकते है। का नाम मिकता है। पर्याय के किए, ¥% मदौरी---मग्रत मानवा देखिए प्रयाग समोध्या मपुरा मनीती मिप्रत । 'कावी' 'वगसानपुढें 'हारिका'। ¥८ **क्रय**—अपन खाप ५८ हिंदुओं के कुछ प्रसिद्ध शीर्थ---नामस्भरच भजन प्रज-स्मरण मधीज्यास्य मंत्री-समोध्या कामी केदारनाम कैसाग इरम । तीन प्रचार के जय वाचिक र्वजोत्री पंपासायण, नमा चित्रकट, षपांत्र, मानस (उत्तरीत्तर बेफ)। भम्नोची अमधानपूरी हारिका पद्मपदि ४९. क्वाना--नाम छेना सबन करना। शाब पुष्कर, प्रवाग बढीनाच बन्दाबन

'बप' के पर्यांचें में 'करना' लगाकर और मबुख विस्थाचक धेतू-बौय-समेरबर, भी पर्वाय बनाये का सकते हैं। हरिहार । ५ जापक--अपनेवासा जगा, जागी ५९ वान-धीरात विदुरी मजनीय । शान-पुष्प सिद्धा । ५१ चपनाना---जपनी जार । विद्येष-इस सम्बन्ध में विद्येप के लिए विगेष---दे 'नृमिरती'। वे परधा

प्रकार

e t मनति भगती भाषभस्ति । १ स्पोद्धार--विहमार, पर्व । क्टिके-दे 'पर्या । क्सिय-के विशेष के किये होती तथा ७२ अस्ति करना-'मस्ति' के परायों में 'विकासी' सावि के सासपास की 'करमा' भोड़िए । सामग्री। विशेष-के पूजा करता । ६१ स्पोद्वार के दिन विया जाने वासा ७३ शबधाननित-अर्थन आस्मिनियम दान आदि-त्योहारी तिहवारी। कीतेंत बास्य पादसेवा बंदन शदन ६२ सपस्या---मनप्टान तप शपस्यर्वा ध्यानीपासमा योग श्रीमासन सक्य स्मरण [भागवत के बनुसार ]। ७३ वर, वस्ति के ११ भेद निरस मन्तिपूर

बोपास्यास बोगसाचन सावना हरुवीय। के बनुसार । नारद ने इन्हें बासकियाँ £1 तपस्था करमा---तपं करना तप कता है। बाल्मनिवेदमास्तिन गाँठा-साबना थीव साबना साबना करमा । ६४ तपकरने बाका--जती जोगी तपसी सक्ति युष्पसहारमासनित तमयासन्ति दास्यासकि परमविरहासकि पूर्वी रुपस्ती दापस रापसी परिकासी मनि सक्ति रूपासक्ति बारसस्यासक्ति स्वया-मती योगास्थाची योगी चन्त्राची सामक. साकु साबु सिखा स्रील स्वरणामितः । ६५ तपोषन---तपमिन तपस्यक तप-धर्म ग्रहासाम---साल सरवहान । स्वसी तपासम द्योगिम सावगास्वस। ७५, इक्काबाबी--बारमज वारमजानी ६६ संन्याद---वर्षायम जोन त्याव जानी तथ तरबंज तरबजानी तत्ववर्षी

नैराध्य धावता । sw. संस्थास केमा--'सल्यास' के पर्वाची में सेना भारत करना प्रद्रम करना आहि मगाकर, 'सन्यास देना' के पर्याय बनाये का सन्दे है। ६८ संभ्यासी—दे क ६४ क ११ ।

फकी से परिवर्ग बैस्ट विद्यान कीय

६९ मक्त-स्पातक भगत भगवतीय। विश्लेष---वे 'मत्तिप्रजक' संस्थासी १

1 555

'पुत्राध' मरितन—साराणिका खपासिका वैवदासी पूजारित भगतनी भगतिल मनतियां समुनी समुनादयः। दे आह

मन्ति— मन्ताई मन्तिमाव मन्ती

तस्वविषु, तस्ववेता । **७६. क्या--वास्तान क्यावार्टा कहा**गी गाचा पुराय बात समक्त-सवा ब्लाम्ट। ७७ कवा बीवलः—कवा सहना । **७८. कपा बोचने वासा--क्वाबादक** पंडित पीराणिक रामायणी बन्धी SECTION 1

w 48

**७९ वह<del>ाँच - जध्</del>यस मुक्रपति पीठा**पीम भठाचीचा गार्वतः ८ चठ-- बकाश पीठ बमात बमायत मठिया मठी मही । ८१ का नामार बरियम अस्तिम बहुत बाहब बाहुत इत्या जम्द देवपुर्वा इप्टि, बात कत्, दिविष्टि नम नमब् पसु, पशुशक प्राज्ञापस्य सक्ष मन्त्र, मेव

₩ t•\$ **5** 43 ९६- वेसम्बनि-बहायोप । वाम मध्य यज्ञति यज्ञक यपञ्चन वही बाब विद्यान सप्ततंत्र, सब हरिकर्म । ९७- सरकार-कृत्य सवाद परिकाद ८२ सब करना—बाहति करना हनन धवि । करता। 'सम्र' के पर्यासों में 'करता जोडकर ९८ १६ शस्कार--गर्भागतः पुंसदन शीमंत कातकर्म नामकस्य निष्क्रमण और भी धरत बनाये जा सकते हैं। मध्यादान चुडाकरण कर्णनेव उपनयन ८३ कुछ प्रवान यह अस्त्रीवयत चालू बेदार्थ समावर्त्तन विवाह, महस्वादाम मस्यियज्ञ नरनेभयज्ञ विक्रियत्वज्ञ पुत्रेप्टि बानमस्वासम् संन्यासासम् । यज राजसम्बद्ध काळ्पेययल सर्वभेगयल सोसम्बद्धाः । ९९- बाधन-अवस्या । १ ४ आसम— इक्समर्थ ८४ पंचमहायस-अम्मिहोत्र सारिप्य गाईस्य वानप्रस्य सन्यास । पित्रवपम बसिबैरक स्वाच्याय । ८५ मत के ४ ऋरियत - अध्वर्य, उदयाता १ १ बद्धाचारी-अनभागमी वट.श्रदी महा होता । यमी वर्णी बेबपाठी संबगी। १ २ बडाचारी का वंद--वंद रास्त ८६. धतकर्ता---भावक गातिक । ८७. यजमल-ऋत्विक जजमान यजपति बैगय बैमुर्वड । १ व बहाचारी का पात-कमंडछ याज्ञचः, याज्ञिकः। ८८. पुरोक्कि-पंडा पामा पुरोबा पीमा कर्मबन्धी कमबस्त, कुश्ची पंचपान वैचवातर । पौरोहित मोडित स**स्**याबान । १.४ कौपील—कक्षाकच्छा कछनी ८९. यतमंडय-भैरयदान बन्धमंडप करनी दावा कोशिंद कीशींट बीट. सक्दाक्षा यजनायसम् स्वातेत्र यज वटी भगई भगवा रुपोट, रुपोटी। स्पत्ती मञ्जभूमि यञ्जचाटा यञ्जस्यक १ ५ वेडी—क्रुधमुद्रिका कुछपेटी पवित्री यकस्थान हेडी । पाविची । ९ हर्नि—वसि स्वृतीक इविष्य। १०६ यज्ञोत्रवीत--- उपनयन - उपवीत ९१ हम्मीय -हिन्द्य । वरेंक, वर्गव निर्वात प्राचीनावीत ९२ सत्र---भाषा गायतीयंत्र संतरः कतर्बय यञ्जनूष । बेदमंत्र स्लोध स्तोत्र। ९६ यापमी---महाबीज बाह्यी देवमाता १ ७. बासन-बार्सरी बासमी पीटिया । सरस्वती शाबिकी । ९४ स्तप-अध्या नव प्रार्थना, स्तवक, १८-पृहस्य-नुदुस्त्री गृहपति गृह स्तबक स्तुधि स्त्रीव स्त्रीय। मेनी मृह्याय गृहस्यी गृहापित गृहा-९५. स्तृतिपानक—यर्गतक स्तृतिका यनिक यूही गही व्योग्टाभमी सत्री स्तामक, स्तुतिमाचक श्तृतिमाधक स्तृति स्वातकः । वय स्तुवय स्तोता स्तोत्रगायक । १ % वानशस्त्री—वैद्यानसः वैद्यानसः।

¥ 22. E 113 शंक्यासी—क्रोंकी चनुर्याधनी मावि बारिएका इत्तर, रंप क्यन नदी कोमी तपसाली वपसी वपस्त्री इमोक करना करीय करन स्त्री वेपा वपार्वत वसी वसायम वस्पत कसाँद, कस् नामद, शासपंड ब्राइ वापको स्थानी परिकायक परिवाद शतकारी केरान शांतरमी सकत कुन भाषात्रचे फनीर विसानी वैशानी गुपाबंद बुबाठीत दुवे बर, बीतारै विता, मन्त्रारी मृति यति यती चतुरासा चनुर्यति चनुर्यट, मनुर्वि योगामा बोगाम्यासी योगिराज योगी चतुर्वेद चतुर्वेत विज्ञासीय विकास बोमीस्य बोमीह बोमीख बोमड वितन पीतन्य सम्बुधिता सम्बेर् नांचरम विरागी बीतरानी संव साम् जगवादि जगवाबर, जगवानंड जनशैर्य साप, सिद्ध । जमदौरवर, जगवृत्रुद, श्ववर्गीन <sup>वर्ग</sup> क्कीर--(पुल्लम) मौक्रिया पाच **अवधिवंता अय**धिवास वर्गन वेश नदी । नाव जनन क्षमाविनाय स्पट्ट, स्ट्राप्ट १११ संग्<u>यान्त्रनी</u>---जविनी बाकोर, तत् तस्य तस्यविष् सम्बदारे भौषित भौतिनी वपसासिनी वपसिनी वलुक्य क्योमय क्योमृति वर्षोस्थ्य चपरिवनी विभिनी वापसी अकिरिनी नवीयय विपाद निमुत्तनताम निर्देशी क्रकीरित वैरागती सबूती समुबाइत नाच विक्रोकेश विश्वनितपूर्य निराम धावनी । विक्रेप--वर्ष के किए देखिए वर्ष छन्। त्रिसीयणं जिल्लान स्वंगट रह*र,* र्यः चाति के किए 'जाति'। दवानिधि दवासय बहुरामाध बीनवर्त्र ११२ देखर--चंत्रक संतरमानी संत-बीमानाथ वेबधूत देवेस देवेसम गर्फ पत्र बंतरपुक्त बंतन्योति बंतर्वाती चम निरंजन निराकार निर्मुग सिर्द भक्तप नकती सक्तुंक अकल अकाव चैय पति पतित-सम्राग्न परिण जनारच बकारम बकाकमृति सङ्घ पायम परवाम परवद्धा परवस्ता पर्स बसय नसर, क्षीम वयाव वक्ष निता परमपुष्प परमब्ह्य परमहंत बनीचर, बॉबस्थारमा बच्चूत बच्चूता परमात्मा परवेश परवेश्वर, वरवर मेर जब बजर क्यारा स्वार अक्षेप विवार, वरात्वर, परात्मा লবীত সৰ্থন লাইত সাধিৎসাতা पुरुषोत्तम प्रवर्णिक प्रवत प्रमु प्रमू मध्यारमा सर्वती भनेतः सनाहिः बहा भगवंत भगवत भगवान्, भगवानं, वर्गीत सप्राय अपूर्व अमृतिनमें अनृति मन्यु भवर्यक्षम भासनी बृतास्मर् मन्तिमान वजीन समीनिक जक्य मुतापि भृतावन पृतेश भूमा संपत्री वर्षमध्य वृद्धं वर्ष् वसमा वसमा क्य सहाधुक्त सहामम्, महेदा बहेरवर

महेस मामापवि मावानी मानिक

नावन रच रमेवा रहीम राम कार्य बार्यु, विश्व, विशाद्युक्य विस्तंभर, विस्न-

मध्यकः सम्पद्धस्य सम्पत्र सामग्राजी

मायनबानी मारभम् मारभसमृब्धक

कर्षा विद्युक्तमम् विद्युकास विद्यु अविति सम्बयोगि सर्गवस्थीन सारमम् कृत विद्युक्तमु विद्युक्तम् विद्युक्तम् आस्त्रसमृत्युव उ को कृत कृतसम्ब विद्युक्ति विद्युत्त विद्युक्तम् विद्युक्तम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम्

शहर सिरवनहार, शबान सप्टिक्तां स्वय-श्योति स्वराट स्वर्ग स्वामी इंछ। ११६ दिवर के दो क्य--निर्मण समन। ११४ निर्मेश-सदेह निरंकार, निराकार, निरदेह । ११५ सपुच-सबेह सरपुन साकार। ११६ स्वर्धम<del>् ज</del>नगरच बङ्गा अवन स्वत्य अवस्या अवोतित कृतकर्मा । ११७- दिवयम-बुटाई, ठडुराई, प्रमु-दाई, परब्रहात्व ब्रहात्व मिकाई, यमृत्य । ११८- इंस्वरवादी-वास्तिकः सत्तावादी । ११९- निरोध्यरवादी-सनीस्वरवादी चार्बाङ मास्तिक। १२ ईप्रवरवास्तिः नारित्रपता ।

रे२१ निरीप्तर वाविता-अनिवार

मारिता भार्माकमत गारितकता।

विष्यु, महेदा है।]

१२२ जिरेब—वेबजन (तीन देव बहुत

१९६ बद्धाः—अंगति अंडय अंबय

भेषुत्रासन स सदयनमा सध्य अज

मर्चा विश्वमान विश्वमानन विश्व सन विश्वराज विश्वविद विश्वम्यापी

विश्वसंत्रथ विश्वसाधी विश्वस् विश्वास विश्वसीत विश्वासार विश्वा-

षिप विश्वेश्वर. विशेसर. व्यापक

चंकर, सर्वे चित्र सम्य सेव कीपति

छन्त्रिदानंद एरक्पूरक सदानद धर्वेक

सर्वेस्टर, सीवरिया सीई, सीई, सारंग

# ? ? ?

कमसमय कमसम् कमसाधन कमसी कमसोदमब कत्तरि कवि कपकेत, सं गिरेख चतुरमीक चतुरानन चतुर्वस्त चितामचि चपवयोगि जगवादि जग-श्राता बन्य, बस्तवासन अनि सत्व तेनोक्य देवपंग इतथा इतिण वा बाता विषय मसनीव्ह, मसिनेधव नामिकन्य निवन निप्कस पंकसासन व्यवमं प्राव प्रापाणि प्राप्त, प्रा वौति पद्य-**क्षांक**न पद्मासम् पद्मासन पदमोवभव पर, परमतत्व परमेष्ठ परमेप्डी पराम्, परेख पितामह पित् पितु, पूराचय पूर्व प्रवाकार प्रवाचिप মৰাবাৰ মৰাবৃত্তি মণিতানত মাল बहुदम बहुरेहस विच विचना विदेखि **बहुत बहुत्व भाववद्य भीपण भृद्धि** म रजोगींत सोकपितामड सोकनाम डोकप कोकपति कोकपाठ मोकेस वस **गीत वानीस वागीस्वर, विम विवादा** विकि विक्, विभू, विमुख्यपित विर्देश विरीच विरिचन विश्वकारमा विश्व करमां विश्वकात विश्वमा विश्वयोगि विस्तर्य विस्तर्य विस्तायन वेचा शतानव, शब्द संज संजय संस्थानाम सत्यत सरपद सदानंद सनातन चरोजी सङ्ग्रसारमा साल्यक सामगौति मुनावर्षी सुपायवा शुरत्रेठी सुरस्येष्ठ भूरवत्रश्यक मूद्यस्यस सुष्टिकर्ता स्पविद, सप्टा स्वमावरूपम स्वम स्वर्णम्, स्वराट् हंसरच हंमबाइन इंवास्त्र इंवास्त्रा हिरम्यपर्भ द्वेमांच ।

**™** 7 ≺ 3

च ११

सेंब क्यी ।

१११ संस्थालिनी---पशिनी **प्रोमाम** बोधित जोतिनी शपताकिमा तपशिनी वपरिवामी दापिती सामसी प्राविहरिकी क्रकीरिम वैद्यनगी संगुमी संगुमाइन धावनी । विशेष-वर्ग के किए देखिए वर्ग समा भाति के किए भारि । ११२ क्रिकर-अंतक संतरकामी संत प्ता महरपूर्व बंदर्जीति बंदर्जीते मकरण अकती सक्त्रीत सक्क सकाय मकारण सकारन अकासमृति सक्त बसन बचार, बसीम बगाब अनुस बरोबर, बॉक्खामा बन्तुत मन्त्रुता गेर, मन सपन बनाग सन्दर, वर्तन मतीत अवस्य वर्डेस अभिन्द्राता मध्यात्मा वतवी धर्मत क्रांतिः बनीइ, बपाब अमृते अपूर्विगर्वे असृति वमृतिमान समोनि समोनिस अक्प मर्कनवन अर्थ्य अहे, अस्त्रा असम

मन्त्रका क्षम्पप्रेस्प, कृत्या काग्यकारी

मार्गमञ्जानी सारवम् शास्त्रसम्बन्धन

भागि भागिपुरुप इस्तर, हैए रहरू श्लोक करता करीन करन रही, कर्रार कर्ण कामच कामचा कराई, कृतकर्मा कैयन कांत्रपति सेवड कृत भूवार्वय गुमाठीय श्रदेशक बीसार्ट बत्रातमा बतुर्वीत बतुरेट, क्यूवृद्ध चतुर्वेद, चतुर्होंन चितामनि चिन्न बेशन चेरामा धमहरिता संबंदि भगवादि, वयदासर, भवदानंत्र चन्दी<sup>स</sup>. बनवीयबर, वनवृत्तुव बनवृत्तीन वर्षः धाप वयमियंता वमित्रवात वर्ग माच, वनम बनाविनाम आंठ, ठाउँ अल्डोट, क्यू, ताब ताबिबर दल्डा त्रस्पुच्य वर्षामम त्रपोमृति त्रोहर्न नगीपय त्रिपाय जिल्लामान विकेती नाय विस्तेतिस विश्वनित्त्त्, विस्ति विसीपर्व विस्थान म्यांगड, इत्तव की क्यानिथि ध्यायय स्कृतकाच वीनवर्षः बीनलाव देवबृत देवेश देवसम बरी-सम मिरंबन तियकाद निर्मुण निनि-धेव परि परिक-स्माप्त परिक पावन परचाम परवडा परतरम पर पिता परमपूरम परमहरू परमहरू परमात्मा परमेश परमस्य प्रतस् विशाद, परात्पद, परात्मा पुष्तीसम पूर्णानंब, प्रजब अमु, <sup>अमु</sup>, बह्म, मगर्नत सम्बद्ध अपवान्, सम्बद्ध

षम्भुः सबर्थयन मामनी भूतर<sup>म्</sup>

मृतापि मृतायम भूतेश मृता मेननी

काम महायुक्त पहालम् महेचा अहेचार

मोहर भागापति भागानी या<sup>हिन्</sup>

नामन रथ रमेशा रहीम राम का<sup>ई</sup>

भागु, विश्व विराष्ट्र<del>पुरतः विश्व</del>यर, विश्व

कर्या विरवकत्ममां विश्वकास विश्व-इटा विरववर्स, विश्वकास विश्वमाम विश्वपाद विश्वमास विश्वमास

संकर, दर्व सिक सूच्य सेप शीपति सिक्तवार्गंत सरसपुरुप सदानद, सर्वेश सर्वेस्सर, सीविरता सीर्ट, सार्थ्य साइक सिरवनहार, सुवान स्टिक्त स्वयं-व्यक्ति स्वयुः कर्गा स्वामी स्वयं-रूप स्वयं-व्यक्ति स्वयुः स्वर्ण स्वामी स्वयं-स्वर्ण-व्यक्ति स्वयुः स्वरंगंत्र सार्थ्य स्वरंग्यानित स्वयुः स्वरंगंत्र स्वरंगं

विश्वसंत्रक विश्वसाधी विश्वस

विश्वास विद्यातीत विश्वामार, विश्वा-

बिप विस्तेस्वर, विशेसर, व्यापक

क ११२

निरदेश ।

ताई, परबहारक बद्धारक मिककाई, प्रमुख। १९८ इंस्वरवादी---वारिशक, ईमबर सत्तावादी। ११९ क्रिक्टवादी---वर्गास्वरवादी

भार्यक मास्तिक।
१२ ईश्वरवादिता—वास्तिकता।
१२१ निरोश्वर वादिता—वनिवयर
वादिता वादिकता।

१२९ ( गराध्यर चावताः — जानवयः वादितः चार्वाकमा नारितन्ताः । १२२ विदेष — वैषणमा [तीन वेच ब्रह्मा दिन्युः , महेस हैं।] १२३ वहाः — वैपति वेडन अंपून अंपूनसान अ ज्यानमा अस्य अस

मिरेस चतुरलीक चतुरानन **चतुर्गस्त** चितामणि जगवुमोनि जमदावि जय क्षाता अस्य जलमासन वृणि तत तेजोरूप देवदंव हुहुण हुहिन भा बाता वियम नक्तीबह, नमिनेशब लाधिकार निवास निवास पंकाससा पथार्थ पद्मन पद्मपाणि पद्मन पद्म योगि पच-अंकन पचासन पदासन पदमोदमब पर, परमदत्ब परमेप्ट, परमेच्ठी परायु, परेख पितामह पित् पित्, पुरावन पूर्व प्रवाकार, प्रवामिप प्रवानाय प्रवापित प्रपितामह प्राच वहरूप वहरेतस विश्व विषया विरोध बद्धा बद्धान मानवृत भीषण मृद्धि म रजीमति कोकपितामह, कोकमान क्षोकप कोकपति कोकपास क्षोकेश वस-नीत नागीच नापीयबर, विश्व विवास विकि विकु विज्, विजनापति विरंत ferfür fefene fermanner feren कम्मी विश्वकार, विश्वय विश्वयोगि विश्वस्था विश्वस्थाः विश्वासन वेमा धतानव, श्रक्त शंज संजय संध्याराम सत्यत सत्यक सदार्वेड भनातन

सरोजी सहसारमा सारिषक सामग्रीनि

भूगावर्षी भूगाभवा सर्वद्री सरक्षेष्ठ

मुरसवजनक सूराध्यस सुध्टिकत्ती

स्थविष, सप्टा स्वमाबरूपण स्वम्

स्वयंभू स्वराह, हंसरव हुमबाहुन

इंताबक इंवाबका हिरम्पयमें हैमान।

**■ 193** 

c

निर्माण करना निमित्त करना संबिध करमा । वे 'बसामा' ।

विकोध-नी 'संहारना'। १२६ भृष्टि---रचना धिरजन सुबन।

# \$5K

दे 'दीसार'।

विकोस-चे पंहार। १२७. स्कित-निर्माणित निर्मित

मानित मधीत चीवत विचीवत सिर वित स्था विसीस-वे 'तब्दिश ।

१९८ बद्धाका बद्धन—कनकंट गक्त भक्तग पुरुषेक मध्य मानशास्त्र

मानसीक्य मुक्तमुक, सरकाक सित 🕶र, सितपक्ष ।

१२९ वहां का सालन-कमछ । दे 'क्सक'।

१३ चरल्करी—(ब्रह्माकी पुत्री सीर হৰী হৰ বিজ্ঞান কৰা স্নান কী প্ৰসিক্ষাৰী

देनी) । व इस इस इस इस ईस्मरी कर्ज विद्य गी गीर्वेती की अवदात्री

च् देवपुरी 😻 पद्मक्राक्टना पानका पूरकारी प्रज्ञा काक बावेस्वरी बागेसरी वाचा काली कहाचारणी बहापूत्री बाह्यभी बाह्यी भवती भवती मारती भाषा महास्त्रेवा श्वाणिती वर्णमातृका वानमेश्वरी वामीक वागीका वागीस्वरी मान्येनता मान्येची मान्यादिती वाचा बाइमबी काणी जारि, विकारीकी विविदानी विषयम् विशाली विमला बीनापानि बीनापानी बीजावती नीमाबादिती घारवा मूलका की संबंधे-

श्वरी सत्या साठा सारमुती सूरसंत स्रसती हंसवाहृगी हंसवाहिनी। १६१ सरस्वतीका वाह<del>ण - ह</del>ुंस । दे ਬੱਚ ।

१६२ सरस्यतीका बासम---कमसः। दे 'कमल'। १६६ सरस्वती का बाह्मपंत्र-शीमा ।

दे वीचा। १३४ विष्य-जेंगति श्रेवरीय मेंब्

थाश अधित अच्युत जन जनित शतिषेय अर्गत अयोक्षण ममुक्तप बर्राववनयन बर्राववनाम बर्क मारम-योनि श्रेषर्ण इन्हाबर्ण एवं उपेंद्र कर्षादेव कसाराति कमकनयन कमक-नाम कमकाकांत कमसापति कमकेष कांत कामी कारण कुशको कुन्द, कुमुर, कुरतूत्र इति इत्या हैच, अस्ट केम्ब कैटमजित् कैटमारि, कोक कन्, साय संबंधरम्, सरादि सरादी गदामद नव्ह यामी गरहण्यक वसुहासन सबीस

चनेस विरेस विरेस गृह गृह, मौपति गोर्पेह मोजिय गौरांन ग्रामधी जन्मर चकवारी चक्रमाचि चक्रमृत् चक्रमृष चित्रक चली चतुरारमा चतुर्वति चतु महि चतुर्ग्य चतुर्ग्य चतुर्ग्य चतुर्ग्य चतुष्पाणि चतुरसन वत विरवीको भंभादि व जपनीस भगवृत्राता जनव् यौति जनजान जनजिनास जमन्मम चनार्वन जलायम जलसमन जलसामी वकेषाय जहनू, जिम जिल्हु, बीब घेता च्योति डाकोर, तपस्तति तमोदन **ता**रव

विक्रीकर्शतः सीर्वकार, तीर्मपाय, दूषिन

দিকতুৰ দিবদানন দিবদাননত

त्रिकाम त्रिलास त्रियुग त्रिकोकलार्व जिटोकपरि जिटोकीमाण जैविकम ज्या विपति येड इस दम दमन दानवारि, बामोदर, बाब्ज दावजारि, बारुन विव स्पृष् कृरावर्षे दुर्गम दुर्जम देवकीनंदन बैनरेन बैनकृत बेनातिबेन बेनेस वेनेसम बैत्यारि, इरप द्विजनातुम धनेजय घरेदा नन्ती बर, बरबीबर, बराबर, बराबरन **व**र्मनाम धर्मी वाता प्राप्त विषय भूमें भूमें भूतात्मा धाव मंद नंदकी नन्दन नन्दी नर, नरकांतक नारायण निगमनिवासी नियह, नियम निवृत्तामा नैता स्मधेभ पत्रत्रिकेतन पर्मनास पद्मबास पद्माख पद्माबीश पद्मेशय मध्मी परवाम परपुक्य वरम परमाउँत परमेक्टर, परमेप्डी पचलार पराहि परिमोक्स परेख पर्केय प्रका पापनासन पावन पीठांबर पुष्करीकास पुष्पक पुष्पस्कोकः पुत्रबंसु, धुरंदर, पुरावपुर्य प्रपतन पुरुषित पुरुषपुरातन पुरवाच पुरपोत्तम पुरुष्ट्रति पुष्कर, पुष्पहास भूपियता पुर्याजत पूर्व पृष्, पेशक मकासन प्रवह, प्रजायर, प्रतर्वन फवि वस्पम वनमाली बस्रमुदन वलाराति वरिष्य बक्तिम्लंही बहुमूर्ति बहुक्त बहुसिर, बहुश्रीय बाहुश्रेशी विद्ठस बहुर नाम बाह्यच भगवत् सववान् भग वान भयनासन भव भक्ती सवद्राध मानु, भार, भीय मूचमें भूतपाल भूत चन्य मूत्रबावन जूनजूत जूनवास मृतारमा भृति भूबर, शृरि, भूधय मृत्रच मन्तिपु, मधुनूदन सनुवादनिकदन मनोजब महेन्द्र मार्जनाथय मुख्यस्,

मुनीस भुनीस्वर, भुरमर्थन सनप्पति यञ्चन्त्य यज्ञकतु, मसमाता यज्ञमर, यज पुरुष यज्ञमोनता यज्ञमय यज्ञवराह यज्ञ बाइन यज्ञबीयं यज्ञसाधन यज्ञसेन यज्ञ **ब्**वय यज्ञीन मज्ञारमा य**ज्ञेस्वर,** यम याम्य योगनिहास्कु, योगपति **रम**प्रिय रजेचर, राजनाम राजनिवि राजनाह रवांगपाणि रमाकान्त रमाधाव रमा मरेच रमानिवास रमापति रमारमय रमेश रमेश्वर, रम्बची रविकोचन राज स्वामी कक्ष्मीपवि कक्ष्मीबल्कम कक्मीच सन्दर्गीवर, कन्द्रिनाव कन्द्रिनिवास कतापर्ण बंध वनमाकी वरांग वराह बसु, बसुब, बसुबामार, बाकपति बाजि यान बामन बारिस बासु, बासुनेब विकम विकु विमु विरन विरोक्त विश्वाकाद्य विश्वतारमा विश्वमद विषय विषयकाय विश्वतन्, विषयत्पत विश्वधर, विश्वताम विश्वमनीय विश्व-बाहु विस्वपूर्ति विश्वस्थ विश्वयुक्त निस्बहेत्, विस्वात्मा निस्वावस्, निस्वेश विष्यक्षेत्र विष्टरभवस् वीरचन्नेसवर्, नीरबाहु बीरहा वेवा नैकुछ स्थास र्यक्येंन संप्रमृत रोची संक्रमर शंक पाणि चतानन्द यांगी विश्वकी खूर, धेयचारी धीरी श्रीकृति मीवर, श्रीतिनास भीपवि भीरंग भीरमण भीवत्व योवत्त्वकांचन भीवायक भीवा पडंगजित् संपरकुमार, सक्केरवर, सक्रपति सरमबाम धवातन सवानन्द, सवामोमी यनावन सप्तश्रीयं समितित्रय समीहन सर्वे सहस्रवरण सहस्रवित् सहस्रवित् सङ्बद्ध सहस्रवयम सहस्रनामा सहस्र

क १३४ # \$5X Z क्वरी सत्या सारव सारमुती मुरसंद १२४ वहार कर-जनुरावनी बाह्य । सुरसती इंधवाहनी इंसवाहिनी। १२५ सिरबना जन्म देशा बन्माना १३१ सरस्थतीका वाहन-हंस । देव निर्माण करना निर्मित करना सुन्टि करना। वे विसना। 'हंस'। १३२ शरस्वती का बालन-कमस । दे विकोम-चे 'सहारमा'। १२६ सुटिट---रचना शिरजन सुबन। 'कमस'। १३३ सरस्वती का बाबर्यम--वीमा । दे॰ 'संसार' । विलोम—दे 'संहार'। दे शिया । १३४ विष्यू—अंतरि जंगरीय वंद् १५७ सुब्रिक-निर्माणिक निमित्त प्रापित प्रनीव चीनत निरमित सिर খাল লখিব অসমূচ এক কৰিব अतिदेव अर्गत अमोकात अमृततप बित सप्ट। बर्रविदनयन बर्रविदनाम वर्ष भारम-विक्रीम-वे 'निष्टत'। बोनि इंडकरण इन्हाबरण उप उपेंड ११८ बद्धा का बहन- कसकंठ गरत् चर्चाय पुर्वरंशक सधक मानसासय अर्थादेव कंसाराति कमक्रमयन कम<del>र्थ</del>-नानवीक्य मुक्तमुक, सरकाक, सिध माम कमकाकांत कमनापति कमनेच मध्य सितपका। कांत कामी कारण कुंबसी कुन्द हुमूद १२% वद्याका बातन—कमस्र । वे कुरतुम इति इच्या केश केशर केशन 'कंसक'। कैटमजित कैटमारि, कोक करा सार्ग

१३ - सरस्वती---(ब्रह्मा की पूत्री और रनी एवं विज्ञान एका ज्ञान की अधिकात्री देवी)। अन्दर्शक्ता इसा इसा इंस्वरी कर्ण निरा गी गीरोंगी वो बनदाती ष्, देवपुरी छ पर्यक्राप्टना पानका भूरकाची प्रशा नाक वागेरवरी वानेसची बाचा वानी ऋहाचारणी श्रहापुत्री बाह्मणी बाझी मनक्ती भवीती बारही भाषा महास्वेदा बर्जांगनी वर्षमानुका बास्ये वरी वायीय वागीया, वागीरवरी बारनेदमा बारदेशी बाग्वादिनी बाचा मान्सवी माणी सादि, विधानेती विविदानी विववयु विवासी विसत्ता बीमारामि बीमारामी बीमामनी बीयावास्ति चारस, मुन्ता भी संध्ये

क्षेत्रपरबुद्ध सर्वादि सरायी गवायद नवर्ष गामी मदद्वस्य यमुद्रायन स्वीसं श्रदेश गिरेश किरेस युक गुह नीपर्ति नोपत्र वोचित योशंय प्राममी भक्त्यप चक्रवारी चक्रवाणि चक्रमृत्, चक्रवृद्ध पश्चिक पद्मी चतुरारमा चतुर्वेति चतु वाह कर्त्युक्त कर्त्यात कर्त्याह, कर्राह्मीश **चतुष्पाणि चतुस्त्रम वज्र विरमीर्गी भंभारि, भ जनशेश जनवृत्राता अपर्** यौति जगमाच चनन्निवास चनग्मम अभा<sup>र</sup>न चलादाय जलरायन जलगायी बर्फेन्स बालु, जिन जिल्हु, भीव जेता ण्योति शकोर, तपस्तति तमोपन तार**व** विकोक्पति होचंकार होचंपाब, तुपिन त्रिक्ट्रक विषयायन विषयाप्यव

१५९ विष्णु की धरवर की पिडी---पारुपाम शासिकराम शासिपाम साहिकसम साहित्याम ।

**१६ परह—अ**मृताहरण चरगाट किरा वाधी अनेस सरोस्वर विराद मुक्तमान वरसी तारच ताओं तादवं विकासि दिनेन्द्र ममननाच नमगेश नागीतक मायासन मीक्सकट प्रतिवेद पश्चिमात्र पितिसिंह पत्रपारि, पत्रगायन परमेच्छी फिलिमुझ मुख्यमञ्ज स्थानसोजी सहा बीट, रक्तपद्म बरातुष्य विवाहा विनता सूत विद्यासाक विष्युरच विष्णुबाहन विह्नराज बैनतेय व्याक सुबन धारन किस्य चास्मकी विकाशीक विजीका सुवाहरम सुवाहत गुपने भूपनी मुपर्नतनय सुद्धानित, सुवर्नपद्धा स्वर्ण काम स्वर्णपदा स्वामी हरियान हरि

बाह्न हैमांग । १६१ यहरू के पूजों के नाम-चंड सुंबक विषकेत्, विषवह जिवार, वंकवित पद्मकेतन परिक्रीप क्रग्राविष्कंभा। रेदे२ गण्डुका **सड़ा भाई---स**रण तारचे ।

**१६६ सहमी---**(बिल्यु की हमी तथा यन की विधिष्ठाची देवी ) संबुजासभा व्यवजा व्यक्तिया अमला इंदिरा उद्यागुना

रमन्त्रोति कमना कमसानया कृगारी धीरमा धीरमानस्यम्य धीराव्यित नया सीरीप्रतनया जंजना जपता जना अगम्मयौ अगम्माना बत्तवितनवा पद्म भूग पद्मा पदमासनस्या पदमासना पद्मालया पद्मावती पियशा बना वार्वेदी, वृति बहाबाया महासध्यी मा माता मातृ माना मोगना योग संमृता रमा रामा स्वमी सक्षि सण्डमी सम्बद्ध क्रियामी सिम्प्रमी क्षेक्जननी मोधमाता होता पर वर्णिनी विभृति विष्णवल्सभा धनित चौमा बी भीनती समुद्रमा सम्पत्ति सम्पदा सर्वमंगका सिमुकस्या सिमुजा

सिरी स्**रेक्टरी** स्त्रीरल हरिप्रिया हरिवस्क्रमा । १६४ सक्ष्मीका बद्धल—समय । दे 'रुस्कृ'। कर्ता अंतकारक अंतकारी अंघकरियु

१६५, महादेव--- वतक संतकरता संत बंबरीय बकुक्त अध्निकेत्, अमीरनाम सन जनात्रधम् अजिन भट्टहास अति देव जनगरि, अपराजित अयुग्तनेच वर्णीय बदाँगी बच्चमूर्ति वस्तरोत मस्यिमाची वहिर्बुच्य बारमयोनि भारमसमुद्रमन देश ईश्वान ईस्वर, एव वपनम्बा बमानम् जनापति जल्कामुक स्वंभिति क्षेत्र मृत्रर. ऋपभव्यत्र एकदक एकपात है, बंदाल-मामी कट्यू चपडी बपालमृत् कपासी रपित कनावर, कस्मापक्ठ कवची कांत कापालिक कामनियु, काममास कामरिषु, कामारि कारण वासक्टक कालकंठ कालंबर, काकनाम कामीताव किरातपति कुलेस्बर, कैलाएशाय कैनागपति इतर इतिवास इतिवास इयानुरेत इयानुरेता नतुर्वती शहहा संहतरम् सनी क्षेत्रच, गंगायर, वर्षश गंडणी अंगीर, यज्ञारि एएनाय गणनायकः यमपनि ग्याध्यक्त

नेत्र धहुसपाद, सहसमूदा सहसमीनि सहस्मित्रीयं धहस्मानन सारवत सारिवक सामग सामवर्ग सिब्नुग्य सिब्नुग्यन

सामग सम्बन्ध सिन्तुम्य सिन्तुम्य सिन्तुम्य सुन्दान, सुनेतु सुनेपा नुस्यमा सुन्य सुन्यम्बनु, सुन्रसाद सुन्नहाच्य सुन्य सुनामुम सुरनाय सुर्पति सुरम्य सुर भीट सरदाई सरहाई सरामीय सुरम्

मुगानून मुरताय भूरपति मुरानूय गुरै भीर, मुरदारी, मुरतारी भुरानीय गुरी-रिम्न नुरायिता सुरेश मुस्तियन मुग्नीवय सुवर्णवर्ष मुरोण मुग्नीवय सुवर्णाक स्रोणानम् स्रोणीयन स्वाधीयन स्वाधीय

सुवर्णवर्ण पूर्वण मूर्व्यावण सुर्व्याव छोमगर्भ घोमछिन्, स्वेववित्, स्पृक स्वः स्वन् स्वयंत्र स्वर्णीवन्, स्वामी इंग्र हु इपयोग हरि, इरिण इरियेव हुरियोग्ड हुरस्योग हिरस्यमधे हुरस्य

माम ह्योकेश हेमांत । १६५- पासमा—दे पासना (जीव) । विस्ताप—दे 'संहारना' । १६६- पासम्—निवाह, निवाह, परवरिक्ष

१३६ पासन-निवाह, निवांह, परवरिष्ट पासन-रोपम पोपम मरण रहा। । विकोस-चे छंहार । १६७. पासनीय-निवांहा पोपानीय पोप्प सरपीय श्वांतीय स्टब्स

पोच्य मरपीय राज्याय प्राचाय विकास-वे विकासनीय । ११८ विष्यु का श्रीं अन्यान्त्रस्य । ११९ विष्यु की जवा-कीयोवकी

कीमोची । १४ विष्णु का श्रम-पुरर्तेत । १४१ विष्णु की समग्रद-गयक । १४२ विष्णु का मगुप-शार्थ ।

हरूर विष्णु का संगुत-शार्थ। १४६ विष्णु के हाथ का दका-तीज़केत। १४४ विष्णु के हाथ का दक आयुप--पर्म। १४५ विष्णु के परिषड्--वंड कम

विवय १

१४७ विष्णु की सबि—कीस्पुर्म । १४८ किरणु की छाती का किहन-जूर रेजा भृतुसता सीवत्स । १४९ विष्णु की माला-जीवती बैबर्यती।

१४६ विरुद्ध की क्यों—संदर्भी ।

'सर्पा'।

१४५ विष्णु की माला-जैजती जैजसीरी।
१५ विष्णु का सञ्जर-जब्द । वे यहर्ष । १५१ विष्णु का सञ्जर-जब्द । वे यहर्ष । १५१ विष्णु का घोड़ा-ज्याञ्च येवपुण सैस्य मुद्यीय ।

१५२ विश्व का सारणी—दारक । १५३ कर विश्व का गोवी—दवन । १५३ कर विश्व का गोवा मार्थ—म्ब। १५५४ विश्व के १४ स्ववसार—व्याव कपिक कर्मिक कृते कृष्य वर्णावेव बाबबीर, गरमारायस नारद गृष्टिक राष्ट्रायम पृष्ठ क्लायन बहान वुत्व मस्य गोवितो यह पान कामम नार्यह वेर-

व्यास इंस ह्यप्रीय ।

१९६. हिम्मू के प्रधान १ अकतार—
करिक क्रूरी क्रम्य नृष्टिह परपूर्ण्य
मुद्र अस्य राम बानम बाराइ ।
१९६ अकतार केना—व्यवस्य करना
व्यवस्या अन्यस्य होना अवस्यक्र करना अवस्यहार बनाय वासीय होना स्थापित होना उत्तरमा उत्तरमा क्रम्य स्यापालमा क्रम्य स्थापित होना

व्यवना जन्मा शर्व बाता प्रकृट हुत। प्रवटना । १५७: जिलने सवतार किया हो—सब तरिक्ष वचतारी स्तृतीर्म उत्तर जीतारी । १५८: सबसार सेने बोय्य—अवतरपीन,

व्यवतीच्ये ।

१५९- विष्णुकी धरचर की पिडी---पालपाम शासिकराम शासियाम साहिकराम साहिद्याम । १६ मध्य-अमृताहरण खरगाव किरा-वादी श्रमेष्ठ सगेरवर, विराद गक्तमान वरस्री वारच वार्ल वार्ल वार्ल क्रियपति विजेख ममगनाच समगेश सामांतक नागाधन नीकण्डर, पतंगेंद्र पतिराज पिमसिंह पत्रवादि, पत्रवासन परमेच्डी मनिमुत भूजंगभूज मुजंगभोजी सहा-बीट, रन्तपस बयातुष्य विश्वहा विनता पुत विसाकास विष्युरव विष्युवाहर विद्गाराण वैभवेग ब्याक सबन शाहन-क्तिन चान्मली सिलानीक विसीका पुत्राहरन सुवाहत सूपणे सूपणी मुपर्यंतनय मुद्धिवित्, सुवर्णपक्ष स्वर्व काम स्वर्पपक्ष स्वामी हरियान हरि बाह्न हेमांव । १६१ यसह के पूजी के शाय-जंड तुंडक विवकेत्, विववह विकाट, पंकतित पर्मकेतन परिश्रीप वद्यविष्कंसा। १६२ यस्त्रुका बड्डा माई---सरण तास्त्रे । रे६३ सबमी---(बिप्यू की हमी तथा यन की विकास वेदी) अंतुत्रासना अंदना मन्त्रिया अमला श्रीदरा उद्धिमता भगवयोति कमला कमलाकवा कुमारी शीरजा श्रीरसामरकम्बका श्रीरान्त्रित नमा धीरोदतुनमा चंबका चपका चका

अमरमयी अमरमाता असधितनया पहन पुद्दा पदमा पदमालगरका पहमासना पद्मालया पदमानती पियला बका मार्वेशी भृति महामाया महालक्ष्मी

र्श्वमता रमा रामा कक्मी कक्षि क्षणामी अधिक अधिकामी क्षिणामी कोकजननी स्रोकमाता क्षोका वर वर्णिनी विभृति विय्जुवस्क्रमा धक्ति सोमा थी शीमती समुद्रवा सम्पत्ति सम्पन्न सर्वमंपका सिमुक्रन्या सिमुका सिरी सुरेक्षरी स्त्रीरत हरिप्रिमा इरिक्लमा । १६४ मनगीका बाहन—उसका दे 'पस्प'। १६५ महादेव-अंतक अंतकरता वंत कर्चा बंदकारक बंदकाये बंबकरियु वंदरीय अकुक अभिनेत्, अमीरनाय वय बबादरान, समिन बदटहास मिट देव अनगारि, अपराजित अमृग्मनेत्र अर्थीच अर्कागी अध्यमृति असमनत अस्थिमाधी बहिर्बुध्य आरमयोनि बात्मसमुद्रभव ईस ईशान ईरवर, उप **चप्रमन्त्रा उपाध्य धमापति उत्कामुख**  सर्भितिमा कर्मीका ऋत्कर, ऋषभव्यत्र एकवृक्ष एकपात है, कंकाब-मानी कट्यु, कपरी कपालमृत् कपानी कपिक ककावर, कस्मायकंठ अध्यो कांत कापासिक कामजिए कामधारू कामरियु, कामारि कारण कालबंटक कालकठ कार्क्षंत्रर, कासमाध काशीलाज किरावपवि कुछेरकर, बैकाधनाच कैसाधपित कुकर, इतिबास इतिबासा इमानुरेत इसानुरेता नतुष्मंती शुक्का शंडपरम् शसी बोचर, गंगापर गृंगेस चंडली गंबीर, संत्रादि, गणनाय वधनायक यथपति यकाम्यस

मा माला मालू माया मोभवा मोग

गिरिक

परित्रम विरिजापित विरिज्ञ विरिजाण गिरिध गिरीना निरोस पीतिशिय गुडाकेस गुरु भूद्वा योतर्व बोपति घौपाकि भौरीपति योक्य झाम 🛎 चंडिक्यंट चंडोपति चडीच चंत्रकशायर, चंत्रपृत् चंद्रकर बह्नयाक चंद्रमृत्य चंद्रमाक-काट, चंद्रमासकामः चंद्रभौक्ति चंडवेच चंत्रसंखर, चर्त्रास्टिट चतापीड़ चेतार्वे चुड़ामणि चंद्रिल चतुर्वाह चमुहर, भइनेकी पर्मवसन पर जागी चीर बासा चेकिटास ज वयत् जयद्युर, धनहीप धनक्षाका भटानीय, मटाटेक बटादीर, बटावर, बटावारी वटावाली अमित्रिय जनगाविष जन्य जलमूर्तिः चौनित बोनिह, कोवेश्वर, जोतिम न्योतिनिय समरी टंकटीक ठ, ग तट, क्ष्य क्षमीच्य तक तारकायय वारकेच्यर, बारायिप वाराबीय वारापित साम्बं वाल वामांक, विग्ययम्य, वीक्चवाप द्वीब शीर्ववेब शीर युग तुंगीश तेवस्व वीरण दौरत विषक्ष, त्रिजट निजटी निरुष् निषमी निषाम जिन्नन निनेत्र निपुरम्न विपुरश्रहन विपुरीत पिपुरारि, त्रिगोधन विज्ञानी व्यवक म्पन स्थय्य वैत दती धमन बराबाहु दास्य श्रुप्त दिलकर, विशंवर, दिम्बस्त्र बुरायार, बुद्दीन बुर्मुख बुर्जक दैनदेव देवनाम देवेस ग्रंगी शस्त्री बरमीबर, पर्नेवाहन धर्माध्यस वर्गन बाता धारन थ्यू, बूर्वेट यूमकेत्रत बूख मूर्वेटि नेगा नवन नवि नविकर, मध्या मंदिवर्जन अंदीपति संदीय

¥ 254

शंबीसवर, नक्त नक्तचर, नयनाइन शटपात्र तम समयोति तमस्त्रक नरः वर्त्तक नागचूड नाट्यभिय नाम नामि नियह, निरयनर्से निभन्यति नियत नियम निरुवन निसाकर, निसाबर, निश्वाचरपति निशासय ਜੀਵਾਨ नृत्ययिथ रीसपीय गीसकोहित श्यप्रोध पंचमुख पंचमदर्ग पंचानग पक्ष पक्षकप पतिवेदन पद्मासन पर परम परमेक्बर परमेकी परमेसद परमेषुर, परागद, पनिन पद्मनाव पासुबंदन पसूपति पोयुर्वस्य पोसूल पासुक पाणिकम्पाँ पाविकर्ण पार, पारमुख वापनासक पिगास पितामह पितृक्य पितृवनेवा, पिनाकी पृंगककेतु, पुलबंसु, पुरसिट पुरसिद, पुरमणन पुरक्तातन पुरक्त पुराणि पुरातंक पुरान पुरारि, पुष्प पुस्रस्य पुस्तह, पुष्तार पुष्पस पृत्तु, प्रकाधक प्रकासकार, प्रमु, प्रक्रमाचिम प्रज्ञ वंतन अंकुल बराक अहबर बहुस्म बहुस बाजपति बाहुदासी बीजवाईन नीजाव्यक बहासूच बन्त बाह्यम मधवत मधवान्, सपदान सपहारी मवासी मह धहरूपिक श्रव मर्ग गव भवेश यागी मालवाद मारुनेत्र मासकोषन भाषाक भा<del>रक</del>द **विश्**कष धीम भीपन भीष्म भूवनेस भूवनेसी भूवनेस्वर, भूचर भूतपारी भूतनाब भूतपति भूतमर्ता मृतिमानन भृतराज भृतनास भूतबाहर भूनविनायक भूनापिपति भृतिकृतः भृतिय भृतियाहन भृतेष भैरवेश भोरानाव भौकानाय भौतिक म सदनकदम मदनारि, सहा-कास महानट, महामृत्युंजय महादत महाधनित यहेच महेच्चर, महेस माधनी मुंबनानी सृष्ट मृर्युजय यसातक यसे भ्बर, यदी साम्य सुदाबिकृत योगनाय योगनिकम योवपति श्रीगपारंग योग मूर्तिवर, योववित्र योगी योगीनाय यांगीस योगीरवट, योगस्वट, रणस्वामी रवेस रसनायक रिपीक रीट, इस स्टपति रेरिहाय समाटास सोक्**यंन्**, वक्रमद, वराक वरेच्य वसु, वसुप्रद ममुक्य वसुरेता वसुरोधी वहिरेता नामदेव नामन कार, कियाराधि विश्वेष विष्ठप् विमु, विभूष्णु विश्रंग विरक्तास विरिच विरूपाल विशालाख विरव विस्वकारक विस्ववर्ग विस्ववाण विस्व बेंचु, विस्वमहेस्वर, विस्वरूप विस्वरूपी विस्ववारमा विस्वेश विश्वेशवाद, विदाईठ विपमनवन विपमनेत्र विपमाका विप मेसम निपातक विष्यक्रमेन विस्तर, विस्ताद, बीजवाहुन जीनहस्त और, **गीरेघ बीरेस्बर, वृपकेश**न वृपकेशु, नुषानक वृषमधेनु, वृषमांक वृषमध्यक वृपताधन वृपवामी वृपस्कंध वृपांक **वृ**षोत्रम वृषाकषि वृषात्रक वृषायश वेवा स्यामकेस स्याधननता शंकर, घंद्रस चंद्रुसंद् संद् च सक्तिपह्नुसर्व घश्चिद, धरिमाल दाशिमूनम दाशि घेषर, शिषंडी शिविबंठ शिरिएवड पिल्पिक पित्र शिवंकर, निवनात्र शूक-

षायी पूरुपालि शुक्तहरूत सूकि सूकी

**पुरर्श**म चुनिति सुप्र**दक** सुप्रसाद सुबक सुबीज सुबद्धाराय सुमय सुमुख मुरसमृहत सुरथेय सुराध्यक **बुराधि**न बुराबुरपुर मुक्य **मुरेग** भुरेदबर, सुरेस भुवनत्, सुवर्गदेवा सू<del>व</del>-र्याक्ष पुशरूब सुसक्षेप पुशरू चुत्रह सुध्म सुष्मारमा सूर्यमञ स्याधकप स्कंद स्कदपुर स्कंदविद्यास स्वार्थ, स्विर, स्वरंपन्, स्वरंहर, स्वरंदि, स्वम् स्वयंम्, स्वयमेध्य स्वस्तिहरू स्वामी इस ह, इए, इरि, इरिनच हरिच हरिवाहन इरियर, इस्तरोपी हिन्ही हिर्द्छ हिरम्मवाह हिरम्मदेवा हिरव्यवाह हरि, हुं है मेक्य हैम। १६६ ऑक्टारनाच (शिव)—ऑकार सिंग सन्तिष् । १६७. शिथ की ८ मृतियाँ—अभिमृति (रुद्र) क्षाकाधमूर्ति (भीम) धिति मृति (शर्व) भक्रमृति (सहादेव) जलमूर्ति (अव) यजमानमूर्ति (प**्** पति ) बायुमूर्ति (उप) सूर्यमूर्ति (चित्र)। १६८ ११ शा-व्यव सपरावित वहि

र्बुक्य ईश्वर, एकपात ध्यंतक, पिताकी,

सब संबय सच्यानाटी संयत सबत्सर,

शेवारवार्यय च सकसामार, सदानेद

समक्ष्णे समन्त्र, सर्म सर्वे सर्वेशाम

सर्वय सर्वेद्य सर्वेतमुख सार्रग साबिण सितिकंठ, सिद्धदेव सिद्धनाथ

**सिद्धमोपी सिद्ध**सेनित सि**द्धीस्वर**,

सिबेस्बर, सुन्दरेश्वर, सुख्य सुतनू,

# 255

ममानक भीम मृतनाच कारमृति चिक-राक व्यानवाहन । १७ अच्छ भेरवों के नाम--अधिसांग पैरम काक्रमेरन कोपग्रेरन चंद्रपड मैरव ताजनुबर्गरच महागैरच सा ग्रीरव संदारभैरव। १७१ संहारमा-अंव करना नंतना क्षत्रसान करना करूगत करना बीकना दावर करना दुढीय नेत्र क्रोक्ना क्रमना सब्द रहता काशना सामना प्रश्नम करना मारना मिटाशा बेटना विमादना विमायना विजेसमा विश्वंतना विभागमा परिवासिट करना मक्रियामेट करना शहाधक्रम करना सम् करना कौराना विश्ववाना संबाद सरमा । है जिल्लाका । विक्रोस-दे 'सिरजना' 'पालमा'। १७२ संहार--वेत वनशान कर्मात व्यंस नाश म्बन महाप्रकम मेट विम्बंस विनास समाप्ति। विलोग--देश पासर्ग ।

क्षेत्र नाह प्रकृत क्षेत्रात्र करेंद्र विश्वंत विनाय समाप्ति । विश्वंत दिनाय समाप्ति । एक विनायनीय-जीवनीय कंत्य मन्द्रम नापनीय मान्नय विश्वंतनीय विग्तटनीय संहारनीय समाप्त्य । विश्वंत्र — दे पाक्रंतिय । १७४ विन के नव्यंत्रिक-तुंधी नविक मंदिनेवर, मृंगी चिटि प्रयूपी । १७५ मान्त्री (विश्ववाहुन)—जनमी बैल सामन्त्री सामन्त्री वेल सांव्यवाहित्यान्त्री सामन्त्री वान्त्रमा वान्त्रमी वेल सांव्यवाहित्यान्त्र

भिवनुएक धिवसङ्ग शूगी । दे वैज'।

क्ष्म व्यवनाय सावनाय प्रवचान ।
१९०० वित्र का सावा—सम्ब दिमारिम ।
१९०८ क्षात्र ( क्षित्र की क्षम )—कपर्य कर्णकं कटार्थम कटावस्ती,
विश्वक कर्णकं कटार्थम कटावस्ती,
विश्वक का तीसरा नेत—बटाव्याल,
विश्वेत कार्यकः —पारिपष्, पारिपम्
अगयः ।
१८९ क्षित्र का गृरस—चांत्र प्रवच्या प्रवच्या ।
१८९ क्षित्र का गृरस—चांत्र प्रवच्या प्रवच्या ।
१८९ क्षित्र को पुरी—कंष्या केलायः ।
१८९ क्षित्र को पुरी—कंष्या केलायः ।
१८९ क्षित्र को पुरी—कंष्या केलायः ।
१८९ क्षित्र क्ष्मा पुरी—कंष्या केलायः ।
१८० क्ष्मा—करियारी कालोक कालस्य

१७६. पिनाक (सिव को धनुष)---मर्व-

१८४ ९ प्रसिद्ध विप--दारव प्रशीपन **बहा**पुत्र शस्त्रनाम ( ब**ल्ड**नाम ) शीविक्रकेव सायेप्टिक सीयप्टिक। विकोम--दे 'अपूर्व' । १८५ वार्वती—शंबा संविका अना शक्तिका अदिवासका अनेवा अपनी जारमां इका इंडक्पी चमा कात्वामनी काकी कुमारी फीमारी यिरिका विरि नीविनी निरिस्ता गौरा भीचे पश्चिमी अपंती अया विश्वनतसंदरी दलसूता बाकायणी दुर्ग देवेची नंदिनी नकुमा असवा शिरमा श्रीक्कोहिता पंचमुकी विश्वता पर्वतना पर्वतनंदिनी पार्विनी बद्धानारियी जनगामिती भवतामा भवा भवानी भव्या मार्ववी समिपै भागरी यंगला माहेची मापा, महानी-भेनकारमञा मैनातुना ध्वाप्रिया ध्वापी

धर्वायी धिकरानी शिका बैककुमारी पैक्या रीवर्नविनी पीवपूत्री पीकपुता धनत सक्दी सती सर्वमंगला सिङ्ग बाहिनी स्कंदवननी द्विमगिरिसूता हिम बरमुता हिमगैकना हिमांचसराता हेममुद्रा हैमब्दी । १८६ पत्रवेती का बाह्य-सिंह हो "सिंह"। १८% पार्वती का मृत्य-जास कास्य । १८८ कातिकेस--अधिकेय अध्यक्तमार, ऋनुकाय अस्तिम्, कुमार, क्रींबदारण बंगापुत्र नंदासुत गुहु,तारकजित् तारका-

जित हायसकर, हावसास पवित्र

पार्वेदीनंबन पावकारमञ्ज बाहुछेय जनवत्

धनवान् भनवान महशासा मृतेश महासेन मुद्धरंग स्त्रतेन विशास धनित बर, शस्तिकार शक्तिपाणि सरमागा मिलियाहर सिविध्यक कीविधाल पंडानन पटमुख पञ्चनमें गडामुख यारा-मन्द्रद, सारम्, समानी सेनापति सिक्ससेन पुष्टाच्य स्कन्द स्वामिकाविक स्वाहेय । १८% कार्तिकय का बाहन-गीर । वे मोर' ।

१९ कार्तिकेस के मीर का नाम---परिवाचि ।

१९१ कार्तिकेम की स्त्री--कीमारी देवदेना हेना।

१९२ पचेश—संविदेश कारतृत कार्रि

पुरुष एकर्रत य यजबदन गजभूवा वजातत वजास्य यणनाय गणनायक बन्प सम्पति गणानिप ननाध्यक्ष धनराज वयवना बुधि निवानु, देवदेव

नागानन परपुगानि पर्सुपाणि पुच्नी-গ্ৰদী পুছিলস্থাৰ বৃদ্ধিবিদালা স্বাদী-नवन माध्यम्ब महाकाय मोदप्रिय मोददाता संबोधर, वस्तुतंत्र अस्तुंड बद्यतुंड विकट, विकासित् विकासायक विकास का विकास विकास विकास विकास विनायक विध्नहरन निध्नेश विद्या-बार्सिक विनायक चित्रनंदन शिवस्त स्पंकर्व सरावान सिक्रिनिनायक सुमुख हन्तिमण्ड हस्तिमुख शुरंब हेक्क। १९३ पणेस का बाहत-दे 'बहा'। १९४ पूर्णा-अंदा अंदिला अना बनतस्वितका अपराजिता बपणी बप्ट मुत्रा बप्टमुनी हेदायी हता हैसा **ईश्वर उदा उमा एकपनिक एकपर्गी** ऐंडी कंकारिय क्यदिमी स्पातिनी कर्वरी कर्ममोटी (कामुदा का पदार्म) कत्याची कात्यावनी कामाक्षी काविका काकी जुन्मिका कुमारी कूप्मांदा **\$**टमा कोट्टबी क्रूरबती क्षमा शक्ति गंबर्ग गयनायिका योगर्गी गामत्री नार्गी दोका गाँँ ए चंडनामिका चंडमहविनासी चंडबरी चंडालिका चंदिका चित्रका चमनदा चार्गहा भागृही भिति अपर्यंता अपर्यविका वगरीस्थरी वयस्यीयी वगन्माता पय-न्योहिनी जयंती जया त्रयी त्रिमुमा क्रिक्टोस्करी किरायचा क्रियुक्तकुररी

त्रिमृति निसीचना त्रितीचिनी निश्नी

व्यवकी स्वाप्टी बनुबदस्तरी दिसंबरी

कुर्वविनासनी वात्रीवृद्यवर्षिनी नेदा

नहिनी नियति निरंजना निर्मयस्ति

w 164 ¥ 155 ŧ¥ १७६ पिनाक (सिथ का भनुय)---अन-महेक्कर, बपाकपि श्रम्म, हरव । क्षत अवस्य सामग्र प्रवापा १६९ भेरब-नराच कालमृति मर्थकर, १७७. शिवका बाजा—दसक दिमंदिम। ध्यानक भीम भतनात्र कामति विक-१७८. बटाबुट (सिव की बटा)~ राज दयाननाइन । कपर्व कपर्वकः जटावंच चटाकस्मी १७ अस्य मैरवों के नाम-असितांय-दैरव कासमैरव कोवगैरव चंद्रवृक्त विषयकः । १७९, द्विष का सीसवा नेत्र-जटानाव, भैरव टाम्नवहमैरव बहामैरव बह ग्रीरव संद्वारमैरव । विशेष समास्त्र । १८ शिव पारिवर-पारिपद्, पारिपद १७१ संप्रारमा~र्वत करना बंतना ब्रवसान करता कस्पांत करना चाकता प्रमुख । १८१ क्रिब का भूरच—तोवन शिक-गूरन श्रांडन करना वदीय नेम सोसना **ध्वंदना मध्य करना नादना नासना** प्रसमेका ताल । १८२ विष भी पूरी-सितास सैवास । प्रक्रम करना भारता मिटाता सेटता १८३ क्वि—करियारी काकोल काल्क्ट विगाइना विमासना बर, क्षेत्र धरस खडर, विमे माडर, बिम्बंसमा विवासना संदिशमिट करना मिन्सानेट करना महाप्रक्रम करना हत्ताहर हालाह<sup>द्ध</sup>ा १८४ ९ असिक विध-न्दारव प्रवेशित क्य करना कोपना विनसाना संहार ब्रह्मपूत्र बल्लनाथ ( बन्धनान ) फरना । वे विवादमा'। सीक्षिकेम सारोप्ट्रिक सीपप्ट्रिक । विक्रोय-दे 'सिरजना' 'पाक्रमा' । १७२ संहार--नंत वक्सान कर्मात विकोश--वे 'अगत' । म्बंद नाउ प्रकार भड़ापक्स मेट १८५ धार्वती--जंबा जेविका विश्वंस विनास समाध्य । अक्रिया अधिकायाः अनंता अपनाः विसोद--रे 'पाइन'। बार्स्स इंदा ईरवरी क्रमा कात्मामनीः काकी क्रमाचे कीमाचे गिरिका गिरि १७३ विनाइमीय-अंतरीय अंत्य मण्ड्य नापनीय नाम्य विध्वसनीय नंदिनी निरिप्तता योदा गाँदी पविका विनय्द्रभीय संहारनीय समाय्य । वर्गती क्या भियवनसंहरी दसस्या विस्रोध--है 'शासनीय' । शासायणी पूर्वा वेवेची नदिशी नदुका १७४ शिव के नन्दीयक---शुंडी गेरिक नगरा निरमा भीक्लोहिया पंचमुकी नंदिनेश्वए भंगी रिटि श्रंगी। पवित्रता वर्वतमा पर्वतनविनी पाणिकी १७५ नवी (शिवप्रकृत)—अनुती वैस बद्धानारियो भवभाषिती मनवामा मानन्दी बानन्दी बैस सांस्थनाहिता अवा धवानी घन्या मार्पनी भ्रमणे मर्गियमन्दित मान्य, देह वासंकायण भाषरी गंगका माहेग्री माया मुझानी

वेनकालका नैनानुका ध्वप्रिया ध्वापी

धिवन्तर धिववाहन अंगी। है 'वैक'।

25

क २९७

बगुतकोक वर्षे बन्यम जासमान इड़ा २२७. इंड की स्त्री—वंत्रपत्नी इंडवम्, चर्ष्यकोक भागस कविकास कैकास फेर फेरानी ऐंडी चावनारा जनगाहिनी देवसनी पुढोनका पुरुषकायी पौछोगी ख का मो गोपूर, मोकोक धनिप वाबीप जिब्ह्यासय जिब्ह्याबास जिब्हिक मधोनी माहेंब्री सन्ति सनी सतावरी धनी मुद्देश्ती सेना। विवास विपिण्टय विविष्ट्य देवपाणि १२८ वर्षत (इंड पूज)--उपेंड ऐंडि दिन् विन विनात वैनतिकाय देवमनत चय देजस्वी परमज्या पाकसासनि वैवभूमि देवम्, देवराज्य देवछोक दैवसदन यु. बूकोक चूनन चुसच ची यागधंतान सूरपठि-तनय। २२९- इंड का मोड़ा—इंडास्व उनै प्यवस् भाग नाक परमाम परमदाम परवेदन उनै यन। । पर पुर पूपमाया कसका अहिस्त २३ क्षेत्र का सरकी-मातिक। विश्वित बैद्धंड, भिन्त महर, मंदार, २६१ प्रद्रका महस्त-वैज्यंत वैज्यंत । महोक्य एपुर, रोवसी रहस बाज २३२ इंड का उपवन-कंदसार, नन्दन विवृषपुर, विधीयनी विष्टप विष्कृकोक नन्दन-कानन नन्दनवर्ग। बीरमार्ग बीरकोक बैकुंठ बैट्ट शक-भवन शक्तीक शृत्य शिक्कोक श्री २३३ ऐरावत (इंड का हावी)---निकेशन सीनिवास प सर्वोतमुख असमातंग असभुवत्सम इंड्रइस्ती **ऐरावम सञ्जासकी गर्नेत बतुर्वस्त** धुकाबार, धकअवन सुदर्धना सुदर्धनी नायमञ्ज मस्चनाय व्येतक्षंत्रर, स्वेत धुननीक्स सुरवान सुरदेश सुरभाम इस्तौ सवादान मुवाया चुरविप मूर्व्यं मुरलगर भुरपुर, मुस्लोक सुरवेश्य मुरस्यन धुरस्य सुरेन्द्रकोड मुरेसकोड माता । २३४ विमान (इंड का)—स्योगयान । बुधैका बुकोक सोनवारा सीरिक ९६५ कामबेन-कामबुद्धा कामबुकवेनु, पुरमेन, मुरमूरमी । ११६ मध-बस्तव वरानि बझीत्य विशोम-चे 'नरक'। भारीम कृतिश गिरिकंटक मी जमारि, २३९. स्वर्ग जाना—दे **पैन इं**मोडिं पनि मितूर, मेरी धॉन विकीम---दे 'जीना' । प्रवकीटि, धतार, धतबार, श्वव स्वस्स्

हारिनी । ११७ इंडपुरी-अवरावती इंडमोड रेक्जोक मुत्याम मुख्येश सुरपुर, नुरमयत् । ११८ स्वर्ग-अंतरिता वपरकोक,वमरपुट, वपरतीय जनराज्य

स्बद्ध स्वयं स्वयं को क स्वयं है। इति बाग हरियद हरिपुर, हरिसोक। 'मरना' । ए४ स्वर्णीय-अक्टीविक गोकोव-वासी विवेशत निर्वाणप्राप्त सूला मृत बैक्टेंडवासी स्वर्थस्य स्वर्थतः स्वर्गी स्वरा गामी स्वर्णकड् स्वर्पवासी स्वर्गभोपी विलोम-दे 'नारकीय'। १४१ करपवृत्त-असरपुषक करावद वरणपुर करपपारप वरणकता अस्प

**昭 名末名** 

25 च २२१ बकाराठि वासव बाहुबंदी विद्रौना २२**१ वेक्स - म**जराच समरता जगराच बृह्यस्य भूदि, शवका सक्तवान सहैक देवताई, निर्वरत्व । २२२ पंच देशकाया--- अप्टरपा कृती मनेस तारा दुनी होपदी पंचदेन मंदी-रपी किन्नु, सिव सूम्मै । २२३ झालेर की बुख प्रमुख देशियाँ-जाती

इप्रामी इका उपा पृथियो राका रोरसी सरस्वती विनीवाणी सुनृदा होगा। २२४ देवताओं की चरित्रमी--- इंडायी कीमारी पविका पामुंबा बाहरी माडेस्बरी बाराही बैम्पनी । १२५ **धेर--अ मलं**डस जन्मुताहब अविजिन समरनाम असरपति समर ध्य अगरमर, अगरेख अगरेस्टर, अर्क **अ**र्नेश अर्द अर्ह अहितिय **मार्च**यक वासरका कादित्य उग्रमम्मा ऋमुल ऋमुला ऋमूज किरीट, कुलिशकर, कौधिक गमनपति विरिध्यक गोवभिद्ध भगावन जममेदी अमारि, जिम्बू जीमृतः भीमूतबाइन चेस्यावसु, तपरतक तुरापाट, तुरापाङ् तुरासाङ्, जिस्क्षपति,जिस्साबिप निवयेशमध्, निविधानीय बतीन वर्गरीक बस्युवृत्ति बानवारि, विशयात्र विवस्पति पुरुषका देवताकिए देववेब देवनायक देवपति देशमृतः देशराज देशराग देशांत्रिय देनेन्द्र देवेख वैत्याचि, श्वयद्वि र्मदनप्रकामः नगस्तिक नाकनाच मगुचि

सूदन नेत्रवोनि पर्जन्य पर्यन्य पर्म्यस्य

पर्वतारि, पविषय, शक्तिय पाकरियु

पाक्ष्यासन पाक्ष्यंता पाकारि, पुरश्रुत

पुष्णेमारि प्राचीनवहि पुरेश्र, पुरासाह,

पुररंसा पूनकन्, पूर्वविभीस पूर्वपाली **पृ**तनापा**ष् क्र**मी वसमूदल बसहन

भेवपति मेवराज सेमबाइत सेपवृबम्, शामनेभि मुगुणान एंमापति स क्षेत्रांम वंदीक वरावर, वसमानि वरावा बद्यामृष्टि, वश्वहृस्त बद्याभुव वद्यी बरक्यु, बरेना बससूबत बसहूंटा बास्टर, बारतीव्यति विजयत विद्वीना विद्वन-पति विश्ववाधिप विश्ववेश विश्वपीप्ता विस्तम्बर, विस्तमुज विद्याम्, विस्त भोज पुत्रहा पुरुषना नृषा नृष्टि बृह्मव स्थाव सक, सक्तदेव भवीपि धतवृत सतमस्य, भिन्दी भूगासी ५ संबंधन सक, समिय सहसाकी सहस-चलु सङ्ग्रमृत सङ्ग्रनयन सङ्ग्रनंत्र धहसकोचन धहसास सहोबा सुनामा मुवाधीर, धुरबंत सुरवेतु, धुरपामणी 🖺 चुरवात चुरवाता सुरनाम सुरना<del>वक</del> बुरनाह नुरप चुरपति चुरपा<del>धक पु</del>र प्रिय चुरपुरकेनु, चुरमान सुरमूप **सु**रराई **पूरराजु, पुरसाम पुरसामा पुरसा**म मुरराव मुरर्पम **पु**रव*द,* सुरमेष्ठ, भूरतक सुरसाँहै सुरतेयां सुरस्त्रीक मुरस्वामी सुरावित सुरावील सु<sup>र्</sup>य पुरेश शुरेश्वर, भुरेस भूवम सूचामा धोमपति स्तुवेस्य स्वर्यपति स्वर्वकोकेसः स्वर्गति स्वाराट, ह्य हरि, हरिवाहन इरिह्य । २२६. १४ इंड---(देनी पुराम के बनुतार) इंड भारत्यारा राजस्यो थिवित विव-स्पति प्रमृ, वक्रियांच्य मनोजव विमान वित विमु, विश्वमूक विक्रि मुक्तीर्व

मुजीवि ।

4 444

≖ १२७ २२७. इंग्र की स्वी—संतपाली संत्रवयु, पंत्र पंत्राणी ऐंद्री कारुपारा व्यवस्थिती देवरानी पुलोमवा पूरुकशायी पीकोमी मधोनी माहेंब्री ग्रन्थि घनी शतावरी सभी मुर्देशवदी सेना। २२८ वर्षत (शंत पुत्र)---र्लेड ऐंकि वय देवस्वी परमञ्ज्ञा पाकसासनि यागर्वतान भूरपठि-तन्य । २२९ इंड का भोड़:---इड्रास्व उर्वे सवस्, वर्षभवा । १३ इंड का सारबी---गावित । २३१ इंड का महत्त--वैज्यंत वैज्यंत । २३२ इंड का उपवत—क्वेस्टार, नन्दन मन्दन-कानम सम्बन्धन । २३३ ऐरावत (इंड का हायी)---वयमार्थम वयभवस्तम इंडइस्पी ऐरावण गजायची यजेंड चतुर्वन्त

गायमस्य मस्त्रमाथ स्वेतकुंबर, श्वेत इन्दी सरारात सुराया सुरक्षिप सूट्यें माता । ११४ विमान (इंड का)-स्योगमान । २३५, कामबेन्-कामबुद्दा कामपुक्रवेनु, मुरनेन्, सूरम्रभी ।

२३६ वस-अधन अपनि अजीत्य भागीत कृतिस मिरिकंटक, यो, जंगारि, **एं**म एंगोलि पवि गिहुर, गेरी रांव गतकोटि चतार, शतवार, स्वव स्वक्त् हादिनी ।

२३७. इंडपुरी-जमयागती र्मकोफ देवडोक मुख्यान पुरदेव मुखुर, पुरमवत ।

१३८ स्वर्ष-अंतरिक सपरकोक,अमरपुर, बनरहोक बनरासय बनरावती

अनुतकोक वर्षे जन्यम आसमान इड्डा उद्भवतीक अध्यक्ष कविकास कैमास अप अप मो गोपूर, गोकोक तमिप दानीय जिक्साक्य जिस्सामास जिदिन विवास विभिन्दय विविष्टय वं**ड**पानि दियु, दिश विवान देवनिकास देवमवन वैवस्ति देवस देवराज्य देवसोक

देवसदन चु, जुओक श्वन जुसप ची भाग नाक परबाम परमधाम परवेदम पत पुर पूपभाषा फल्कक बहिस्ट विक्रिया बैकुंठ जिस्त महर, मेहार, महोदय रपुर, रोवधी रहस नाम विवृषपुर, विद्योषनी विष्टप विष्युकोक, बीरमार्थ **धीरकोक बैकु**ठ बैप्ट स<del>क्</del>र भरत सक्सोक सून्य सिक्कोक थी निकेदन श्रीनिवास प सर्वेतमुख बुखाबार, शक्तमबन सुदर्धना सुदर्धनी सुमनीकस सुरवान सुरदेश सुरवाम बुरनगर, बुरपुर, सुरक्षोक सुरवेशम बुरसदन धुरसच नुरेन्द्रलोक सुरेसलोक

बान हरियर, हरियुर, हरिकोक । विशोम-वे 'नरफ' । २४९. स्वर्ष काता--रे 'मरना' । विक्रीस-के 'जीना' । २४ स्वर्गीय-असीरिक बासी विबंधत निर्वाचप्राप्त मुक्त मृत बैड्डंडनासी स्वयंस्य स्वगत स्वयी स्वयं नामी स्वर्णावड् स्वर्णवासी स्वर्णमोनी

२४१ का**पक्ष—-अभरपुराक करुत्**वस

वस्पत्रुम कस्पपादप वस्पतन्त्रा कस्प-

विसोम--दे 'नारकीय'।

सुरीका भूमोक सोममारा सीरिक

स्वा स्वयः, स्वर्पकोकः स्वक्तोंकः हा हरि

क ३४२

विटम कम्पसाकी कामत्व काममूबह वैक्तव वेबद्भुम क्षेत्रमुख परिचातक पारि

₹

चात मंदार, संतान सुरतक सुरतकार, मुख्यम भूरपादप सुरभूदह सुरविटप हरिचंदन ।

१४२ **अमृत**-चंबर, अः जगस्कार

विभिन्न अभी कव किकाल देवग्रोज्य वेबांबस देवाहार, निकंर, पौगूप मधु, समिरस समुज्ञ-नवनीत सुवा सुरयोग

स्रोम स्त्येन हिरच्या विक्रोम—दे 'विव'।

२४६ पं**वर्य-क**प्यरस् क्रिक्रट, चय प पाव पातु, विभ्यगायन वेदगायक देवयासन देवाजन समजर, शतदवर, पुष्परंत यस गुपप विद्याबर, सुरगायक ।

२४४ पवर्षे के ११ गय-(अलि पुरान के बनुसार) अंबारि, असाव्य इन्धानु, कमु, यूर्वन्या वंगारि विकाससु, सूर्ववर्षा सुद्रस्य स्वत हस्तः। २४५- प्रचान शंबर्ध-योगायु, चित्ररथ दूंब्द, नदि, विस्वावमु, हस हाहा 👔 । २४६ कुछ मधिक योगर्ग—शिवरण

तूनुव विश्वावमु, हहा हाहा हाहा हें हुई । ९४७: बप्तरा--वच्छरा शक्करी **बक्र**स स**रु**से अदलप्रिया स**र्श**बुपा गमनानमा विदयक्षु विव्यानारी देव दूरी देवदम् देवदाका देवांयमा नाम-नधी परी मुरनारी सुरवासा सुर मुक्ती मुस्मोपित भुरमुक्ती स्वः सुम्बरी स्वर्ववृष्ट्, स्वयंवेदया स्वर्गस्त्री स्वनिवृष्ट्

स्वर्रपु, स्वर्रेस्या स्ववेंस्या हुर ।

मंजनोवा एमा स्केबी। १४९. किसर—अस्वमुक्त किंपुस्य गीव मोदी हुर्रममुख तुरंगबदन दुरंगबन्तम् मयु, इरियनर्तक। २५ अध्यानकुमार—(स्वयं के वैद्य) वस्त्रपुक बस्त्रिमी अस्त्रिनीसुद व्यक्तिनेय गदागद दक्ष दासमनी वैविविक्तिस्यक देवनिधक् सासस्य नासिक्य पुष्पक्रसन सूर्यपुत्र स्वर्नेय । १५१ सनस्कृतार-अञ्चल्पन वैवात ।

१५२ जिस्सकर्मा- यद्धिस्पेश सिल्प-

१४८ प्रवाश बच्धराएँ—मक्त्रुवा

वर्गेची प्रवासी विकोत्तमा मेनका

**4** 244

यह सुर्यक्षस्पकी सुरक्षिली। २५३ वे<del>षमधी आकाश</del>नंना वेबर्गगा देवसरि, मंदाकिनी विवद्गगा सिङ धरित् विद्वसिष्, सूरदीनिका सुरनवी सुरस्तरंती स्वर्थयंत्रा स्वर्गापया स्वर्गेशी स्कर्गपद्मा । १५४ वे<del>वसमा वेवस</del>माज सुधा सुचर्मा सुचर्मी । २५५ कुमेर-म बर्गेट बर्गेपिट बसकाथिय बसकापति ईस्वर-सब <del>एक पुढल एक-</del>पिय एकपियस एकास पिंगल ऐश्विष ऐलबिस किसरेब क्कह ब्रुवपति मुद्दाकेदबर, बृद्दापति न्यवकतका धनकेकी भनद भनदेव वननाव धनपति वनस्वामी बनाविप

मनाष्यक्ष जनेश मनेत्रवर, नरवाहुन

निविनाच निविध निविधिति निविधाक

निवीस्वर, गुपति पचकाञ्चन पिद्याचकी

पुष्पवनेश्वर, पुलकायक पौक्रस्य वक

यनुष्यवर्थी यहा यहानायक बहाप म**ा**-

२५६ 22 क २७१ पित सद्यान सम्बद्ध स्वाधिप स्त्रा वक्तका वसकापूरी यक्तपुर, वसीकसार, निपति यक्षेत्र यक्षेत्रकर, याखबत्ति राज बसुभारा बसुसारा बसुस्बन्धी वित्तपुरी कर, रतनवर्म राजानियति राजराज धक्युरी। **रु प**सुद असुप्रद वित्तनाथ वित्तप २७१ कामवे<del>ष - व</del>ंगल संग्हीन सड वित्तपदि वित्तपास वित्तेय वित्तेषवर, अन अतनु, अदेह, जनंग अनंगी **र्वभवन** श्रदि थीपवि सुप्रसन्न सोम अनन्यज जनसम्ब विभिक्ष अयुग्म पौरभ्य स्वपति इत्यंश । बाज असमबाथ असमदार, मारभज ५६- भूबेर का सीतेका मार्च--- शवय। बारमजात जारमम्, बारमयोगि जारम ५७. कुबेर का फिला—विश्ववस् । समुब्बन बारमोब्यन इप्म कवन कंतु, ५८ पुनेरका पुत्र-नसक्वर। कव्यें क कमन कसाकेष्ठि शाम कामग १५% कुनेर की पूरी—जनकापूरी । कामव कामचार, कामवर्द्धन कामी १६ दुवोर का उपनत— वैत्ररण । कान्क किंकिर, कुसुमकार्म्क कुसुमकाण १९१ भूनोर का विमान—पुष्पक। कुपुमधर, कुमुबागुब कुसुमेप इच्बी १९२ **पुनेर का ऐस्मर्य—**जाठ सिकियाँ कक खेळक यदयिल्यु, मृत्यु, गृत्स वित्तय नव निविमी किसर, कुबेर के दूत। चित्रम्, नेटोजन्मा चैत्रस्या जयमीस १९१ सिद्धि—ऐस्वर्थ सृति विसृति सपकेतु, शर्पाक्ष तित्र दर्गह दीपक सिक्षि। धानकी नंदक नंदन नदी नवरंगी ९६४ ८ सिक्रियाँ—अणिमा ईस्रस्थ पंत्रदार, पत्रिपु, पत्कवास्त्र पुष्पकेतु, परिमा प्राकाम्य प्राप्ति महिमा पुष्पचाय पुष्पचनुष पुष्पचन्ना पुष्पचन कविमा विदिरव। पूरमपत्री पूरमायुष पूरमदाच पूरमचार, १६५ ऋदियाँ--वेत्तरीया श्रीवदाणी पुष्पचचसम पुष्पेपु, प्रद्युम्न बहुक्य भौवमेच्य प्रमुखा प्रामप्रदा प्राणप्रिया बहासू, भव भावत संधि सकरहेतू, मॅमस्या योष्या वशस्या रचांगी कव्यी मकरम्बज मच्छमस्यार, मद मदन कोनकांदा कृष्या सपदाक्क्षमा सिद्धा नमुदीप नमुख्य मनस्य मनीदव विकि । मनीज भग्भव मदन मार्त्रय मानस १६६ ९ निविधी---कण्डाप सर्वे नर भाषासूत मामी मार, मीनकेवन मुरमूर नील पद्म सक्रद, महापद्म मुक्तुंव शंका। मृद्धिर, मैन मोह मोहफ मोहन मोहन-२९७ कोष (कुमेरका)—निवि मंडार, वर्धम यौषनोष्भव रयरणक रवनारीय मोहार, रोबची । रतिकात रतिनाम रतिनाम रतिनाह १९८ ऐन्डर्स (दुन्नेश का)-मूर्ति रविपत्ति रवित्रिय रहिरमन रविचार, विवृति । रितरात्र रितवर रम रमग रमित २६९. दुवेरायस---दुवेराधि वीतासः। रमन रबीयु रावरण्यु, धनवृत्त स्पारम रेक र्वरपूरी-असकपुरी बक्तवयमा सबमीपुत्र वरीपु वर्ग्य वर्त्वतमंतु वर्तत

₹\$

T 740

निमुक्त परियोग परिमल परिरंगण परिष्यत प्रसंग भिक्रमा मोग मोम-निकास याम रक रति रतिवान रति

रमन रविसमर, रही रमन रमन विकास स्थवाय रीन संयति सपह संपद्दम समोप संवास स्विधन समय र्धस्क्षेप संसर्ग संहतन समीचक सहवास मुख सुर्रात सुरीमबान स्त्रीकरन स्मीतान स्त्रीयमें स्त्रीप्रसंब स्त्रीयोग स्त्रीमंत्र स्त्रीविषय स्त्रीक्षण स्त्रीकंशोप स्वीर्ससर्वे स्वीसमागम स्वीस्ट स्वी सेवन । २८८ मैबुन करने योध्य-प्रसंगनीय भीगनीय भोग्य मैक्त्य रमजीय रमञ्ज

२८९ वरन-अंबनाव अंबपति अंब राव बपापति बपाति प्रचम कुम्बक्तिगी कुप्तमी केस चंद्रक बस्कांत बस-कांतार, बक्षदेश बक्रदेवता बक्रपति वकाविर्वेदन बकाविय वर्लेंड अधेस ममेरवर, दोनेस सहर, बुत्युमि बैत्यवेग वर्मपति शहपाक लडील नदीपदि भ्योदेव परंजन परंजय पामस्पति पायक पाञ्चमद, पाधमृत पाधमान पाधहरत पासी प्रवेता व बरण सेव

सब्द संबुक्त सामराज्य सावन सुखास सूर्यपुत्र । २९ वस्य का बाह्न — मकर।

नाव माद:पदि मावसाम्पति राम व

पारिनाव पारिकोम वारिकोमा विकोम

२९१ वरच का बरच नागपाध पाछ

पुलकान विद्यवितः।

२९२ वर्ग की नगरी--- वसुधानगर, सुचा। **१९३ वदन का ग्रिय निवास स्वस-**---पूप्पविरि । २९४ वदच का छाता---भाभीय ।

२९५ **चवच के पूत्र —**समस्ति । २९६. चत्रच की स्त्री--वास्त्री।

२९७. सर्व-वंबकरिप् संबरीय अंबरोय अंस. संसमंत संस्मान अध्यमासी अंधुमासी अस बतु, अदिव

करितस्त क्या अगुग्मवाह वर्णन बरणी बर्राइडबंब, बराम सरग वर्ड अविष्यान अर्थेश अर्थमा वस्त्रीमक व्यवस्थात अनि ससुर, सह अहर्पति बहस्कर, बहि बाकासवारी बावपी कारित्य काण्ड्याक दन ईप्राप्त एका ৰয় বৰু বলেভ হলৰক, হৰমাৰ बोकपति क कपि कपिस कमस्बंधु

काँकर, कवि किरणमासी केस सित्र बाय कागपति काचार क्योत क्योतक. करीश, करू सचय, सचय नगनगीति वयनब्बब वयनबटी गमस्ति गमस्ति पाणि गमस्तिमान धमास्तिहस्त भी गोपवि प्रहपवि प्रहपुष्प प्रहराज चंड कर, चंडवीवित चंडांचू, चक्क्यंचू, चक्क बांचव चक्रुप्रति चित्रमानु, चित्ररच कामानाच भगज्यम्, भगत्याकी चन

चन्, जिन विष्णु, चीमुत क्योति ज्योतियाम ज्यासमासी तपन तपनि तपस तपु, तमारि, तमोध्न तमोरि, समोहपड, समोहर, समोहरि, सर्गन वापन वापेन्त्र विष्मदीविति तिरमरिस विम्माम्, विभिरमुब, विभिरमिब विभिर रिपु, विभिष्कुर, विश्वारि, वीक्नर्यक्रम

शीवनांप, शंनीच धेनोशाचि मगीवन वस, विश्यक्षीय विद्येषन विवस्त्रय, भवीसस त्रिमृति शिक्षोकेस चिविय विवस्त्रान् विश्वकर्मा विश्वकार विस्त-मीश दिनगर, दनकर, वतमिष क्रिनकंत प्रकाशक निश्वस्त विश्वलोशन विहेनम दिनकर, दिनकर्ता दिनक्क्यू दिनवीप विह्य बीठिड्रोच वेचा म्पोरल सूर विननाच दिनगामक विननाह दिलप

98

दिनमनि दिनवपुरव दिनमाकी दिन रत दिनराई, दिनश्च दिनराज विनाभीच विनियर, दिनेस दिनंदवर, विनेस विवसकर, विवसनाथ विवसपति विवसमीय विवाकर, विच्यांस, बीत **बी**न्तकरण बौत्तास, बुलिपर, बुरोहक पुरम् दुरम् देवमनि भूपति चुमचि चुन्त चुन्त हारसात्मा घरण मामतिथि भ्योदसम्, सय समकेतन समयाव नमनामी नमरचन् भनस्य मधीमार्व निदायकर, पर्तन पद्भनाम पद्भनमें मब्मपाणि पब्सलीकन पब्सास

विनयति बिनयास विनवत् विनयति

\* 254

पद्मासन परित्र पर्यतीक प्रया पान पार पामक पीतु पीच पीयू, पूक्त पुष्कर, पूर्वमास पूर्वकृत पूर्वन पूरा पेर, प्रकासात्मा प्रवाहार, प्रवास्पक्ष प्रकारित प्रकार, प्रातनाच बकुर, बयस बस्त बला सब सगक्त माकर, मान चानु, मानुकेशर, मानुबेव बानुमत् मानुमान मानोमि मानू बासू अस्कर कास्कर्, भास्कर, भूकम्, भूतासः भूपरा बंडकी मरीचिमाकी सार्वेच्य मित्र मिहिट, मैनेन समगू, समावित्य रव रावि रानापति रात्रिनाशक विश्वमास वृक्ति-मर्ता चेहित कोकपश्, कोकशंपु, दक वरी बदम नमु, वानसीन वादि

मासरमणि विकर्णन विशासर, विमान

माण हंस हरि, इरिज हरित हरिताहत हिमाराति हिरम्बरेता हिरम्बरीर्म **द्य**प्, हेमनाकी । २९८-१२ आवित्य-अवेगा उरक्रम रचन्द्रा बासा यूवा झग मिश्र वस्च विकाता विकस्तान शक्त धविता। २९९ पूर्व की १२ बलाएँ-जमा ज्या-किनी दिपिनी दारिनी बारिनी पुना नीविनी घोषदा यदीचि द्वि विस्ता-पूर्वचा । भूर्व के पुत्र—अध्यक्तीकृतार, कर्ने मनुबैबस्बत बम सानि सुपीब। १ १ **पूर्वे की फल्या**—समुना (समी) वे समुना ।

१२ <del>पूर्व और स्थियों—आन्ति छामा</del>

भमा भगावती सहानीम्पी वरी संबा

चंवरणा सूर्य-प्रिया सूर्य्या सूर्<del>या</del>वी

र २ पूर्व के बीड़े<del>—उन्हें भ</del>ना चीरहम

के ४ धर्म के सार**की**—अनूप अक्न

कास्यपी वस्त्रायण जित्रस्वतः सूर्यसूतः।

म्बद्धी ।

सप्तास्य ।

शुरा बीमुख सदागति सप्तत्र सप्तास्य

सब सबिता सबिमास सहिद सहसक्द

सहस्रकारण सहस्राधा सहस्राचित सहिद्य

सान, सानित्र मृतपा सुर, सुरव सुरवान,

पुराबृत पुष्य पुरोत्तम युवन पूर पूर्

सुरुव सुदि, सुर्यदेव सुर्यनारामण

सुर्व्यपति सोमबन्त्र, स्मृत स्मोन स्वर्न

# Tox

१५ सूच के वारिपातर्वल-शंबीय पिमलोबंड माठर।

**4 1 4** 

१ ६- पूर्वकी भगरी—-भारति निव-स्वती ।

१ **७. चंद्रसा—सं**यक्रियु, संघोत **वज** वितिव वितिनेत्रव अनेग वस्य अभिना विभिन्न अमीकर, अमृतः वसृतकर, वम्दरीवित समृतद्वि वम्दर्मु वर्गवर्षसम् वर्गवरपु, वर्गवर्गु, वर्गवीर्गु, भानेग इंड्रु इडए इडपति खबुराज उदिवसूत क, ऋसपति एकमृत ओक-पति बोवधिपति बोवबीस कर्मचर, कसाबर, कखानाच अञानिचि कखाप क्कान्त कांत कामी कुमूबबंब, कुमूद वांचय भुमृदिनीपति वजेबु, सगदाकर, अप्राकट, अप्रानाच अप्रापति सीरण क्षीरोनंदन सुमामुखि स्वमम जग चिदि, शिविट, चचर, गगनगठि ग्डी मी प्रदुनेनि प्रद्वापन चन्द, चन्दक चन्दा मनिर, बन्द बनाक, मन्द्रवस् चन्दरि, परि वित्राचीर वित्राटीर, वित्रेश छपाकर, करमाभूत कार्याक कामानान चरत वर्ण बसन बम्बिन ज्राहारी पैकादक चोन्हाई तपस तपिनाय विभि

पि तमीध तमोध्न तमोदर्धन तमो-

**पुपह, तमीहर, तमोहरि, ताराणि**प तारा

बीय तारानाव साधापति साधापीड्

विभिन्नजी संगीपवि संगीध नुपारकर,

तुरारकिएन तुपारमृति नुपाररहिम

दुपारांस् कृहिनास् व्यंगट, बसमायवि

पति दोवाकर, हुमेश्वर, द्विजपति द्विज

राम दिनेंग्र दियान बोबाकर, व्यक्ति-

श्रृष्ट, नस्रजनाच नस्रचनेमि सस्रवय मक्तपदि सक्षणराज सम्राची समित्रेस नवानेबन्द, नवातराज भवतराय भगपति शमयामी समस्त्रमस निम्नाकर, निमा-मान नियामणि निधारत नियिकर, निधिनाष निधिनासक, निधिपास निधिपति निधेप निसकर, निसाकर, निविपति निविपाक निविमनि निवेच नेभयोनि पछात्रम्या पक्षत्रर, पत्तचर पत्रय पत्रस पठोच्चद परिच परिजन्मा परिका परिज्या पर्वीच प्रमान पौसूप विच पीयुपवर्ष पीयुपमहा धूर्ममास वीकरत्य प्रभाकर, बुधवामी मय भयत **धरम्यू, भूकस्यू** स मनोभूत सर्वक गरीची माहताब मिहिट, मुमसिन मुगाकांकन मुनांक मेइदाब वामिनीपति यामीर, रबनीकर, रबनीकर, रबनीपदि रजनीय रखपति शक्य समिमणि बराकि वर्षस्थी खेडिमीपति रोहिमीस सक्तीसङ्ग बाति विकस विद्वारत विमु, निपूत्र विमानचीय विमकारमा विचेक विरोजन विवस्कोचन विद्वा र्यम् स्पन बचनर, घरांक बंधि बंधि श्रवी संब समुद्रमधनीय सब सस ससि समिबर, सबी सारंग सारत सिम-जामा शिल्बुपुत्र सितमानु, सितस्त्रि रितास, सितास्य सुकार सुवास सुवास मुबाकर, भुवापेह भुवापट, मुबाबीवित सुपावर, मुवाबरण सुवाबाग मुवाबार, सुवानिधि भुषामृति सुपाम सुवायम्ख रपिमुत रशकात्री दगारण वाधारणी-सुवामोनि चुवार्रातम सुवाबास सुधा-सदन सुष सु सुवान्द्रति सुवन सुनि सूत्र सुत्र सन्दृष्टि सेलबाह सीम सीम

₽Ę # 1 W वेण सोमराज स्थूम स्तेष्ट समरसका मंस्य हु, हुरि, हुरियकसंक हुरियससम् हरिज्ञांकत द्विम द्विमकर, हिमकिरण हिमन्, हिमदीनिति हिममान्, हिममन्स क्षिमरिक हिमरिक क्षिमस्कृति हिमासू, हवासः। १ ७. व चंद्रमा की स्वी--सब्बयोगि भात् रसमपत रोहिमी विमात्। ६८. चन्त्रमाकापूत्र—वृत्र दे 'पूर्व'। १ ९. चन्त्रमा की १६ चळाऐं---अंववा थम्वा कांति चन्त्रिका क्योतला तुष्टि मृति प्रौति पुष्टि पुर्ण पूर्वामृता पुषा मानदा रवि राशनी भी। **११ जन्मजिन्छ—संत्र बन्धा कर्लक** विम्ह, सिर्वाद प्रसाद सकिन सकी मिं मुनविन्ह मृयोक ख्याण स्थान कांचन सस समूक। **१११ अभि-अं**यति अंगकरिपु, अ व्यमिन कस्यि बतियि अनस्य कथ्यित विभिन्नासम् अविष्यान आगी वातस माविस वास्थिताच जासवास और रवर्षेय क्यूम्बंसूच क, ब्रुंत भूतप कुमार, इपीटबीनि इयम इपानु, क्षित्रहस्य मृहपति निभमानु, क्रागरथ श्रीगारि, चनम्, चन्यु, जनसिंड चल्ड, वासनेव जेभ्यावत ज्योति क्दल क्वलम क्वाल-बिन्ह, रानुनपारा सपन तपु, शमीका तमीवर्धन तमीड्यइ, तमीहर तमीहरि, वर, वित्र निमस्य वस्त्रहुम वसूत वसा बद्दत बाहा दिन्य देवाहत देवपान दैवनक्यु देशवाहम सु, धर्मजय जनव বিবেদ মুৰণ মুৰফিখন পুনথবাদ चूनकेतु, चूनकर, चूनकात व्यक्तिसन्,

पत्तस्त्राह्य परिज्ञा पर्पटिक पत्रन पात्रक बाइन पवनात्मण पशुपति पोषणन्य पाकक धाय पाव पावक पावन पियक पिनेश पीतु, पीच पृष्टरीक पृत्र, पेक प्रविद्य प्रचाकर, प्राम प्रातिपविक प्राधि प्रवर्ग बढ़वानस वृद्धि बहुन बाक्य बाण बासुरेन बाहुक शीविहीन बुध बैसन्बर, शाहाम बृहद् बृहदमातुः मर**ण्** भारत बास्कर, मुक भुक्स, मुब भूकम्, प्ररितेजस मंदसान मिक्ट, र, रोहिठास्य रोहितवाद, सामीस, काव कोहितासम क्यामाह, मरमी मर्निह वहिष्या वहा वसु वसुनाय वसुरेवा बसुबिद् बाजपति बातसन्त बातसायी वातस्थन वायुसका वारावस्त्रंको बावि विमेश विमाकर, विमानमु, विस्तन्यु, विषयाद् विक्षेत्रेय विक्षेत्रेय विष्णुः गीतिहोत गीध वृक्ष वृद्धिः वैस्तागरः धिकावान थिकि सिकी सुक, सूर्वि वृष्या धोरय सीचिप्केस सीमन संबंध सन्तविच्हा सन्तविच सन्ताचि स शमित समित समुद्रकास सम्बद्धा धरक शवन सुवत सुधिक सुनीकः ध्वाकु धोमभीपा स्थवि स्ट्रुटक्ट स्ववाधिप स्ववाधिया स्वति स्वर्गे बीचित स्वाहापित स्वाहापिय स्वाहा बल्कम इर हरि, हन इनन इनिस्म हम्पभुव इत्थवाह हम्पवाहन हिमान शांति हिरव्यक्षिन्दु, हिरव्यरेता हिरव्य-बीर्व्य हुतलब हुतमृत् हुतमन हुतमुन हुतबह् हुताशन हृपु, होमि। ११२ अनि की जिल्हाएँ—उपाकराती

नाचित्रेता निर्वरणीय नीकपृष्ट, पर्वि

# 488

वनमा असभूयम तत तत् तत्त्राचनु

१११ पश्रम—श्र भधति अग्निसका

विभिन्नहाम अजगठनाम अजिर सम्पर्ध वितिस व्यान अभूत शाकायवारी

बाबक बार्गुग बागुगुराणि उदान र्णपमध्या कर्षदेवता श्रव श्रवर

गरवास शकर, बंधवह वंधवाह गंधा

एन चंबस चतुष्टोम छूप बगत्

जगदायर, जगदायु जगदुबक खरिन

**4 111** 

वसून श्रीष्रगति विवक्षीक दवरीक **बै**त्योच सदालक सारावनि सूक वृक्तिप्यत्र नमञ्जून नमय नमप्राण नमस्यर, नमस्थान् निरवातक निरयगति निपरवत निकप परिसर, यब पवनान माम पूपवास्त्र पूचरस्य पूचीदरः, बोता পাঁৰ সভাৰে সমূদৰ লাভ কৰিছিল बनान बाउ बाउ, बाम बागू बाव मोवियान वरन बालविया गारन वस **य ध्यान वर्षध्य वहुन वहुनि वरिद्रमिय** पाट पानि वाथु बाह बास विमु विहग बीप, बृत्यि शरीनि श्वनन स सरीन

चेदागृति गवान श्रमीर, समीरण नरह

मुक्त सुका स्थाप गृहाकु सीम रार्शन

ग्यूर स्वत्न स्वराम स्वेत्नाय हरि

हरिनानी हवा हाथा। ११४ वस्त्र को स्त्री-अन्तरा पूर्वा । र अवस्याद पूजी। ११५ पत्रत के पुत्र--शीम हनुसार ।

रे मोत्र । दे दिनुवार्गः। tic as and—wated manufacture

अवस्ताण धृतिष्यत्र नमप्राण नमस्यः, नग्रस्थान् निरमासक यदन प्रमान पुपरापिति पूपदस्य प्रकम्पन प्रमेजन प्राण फक्तिप्रिय जीगिनांत भाविरिक्षा भारतः मृगवाहतः बाट बाति बायु, बास बाह, बिह्म स्थान शासीनि स्वसन सवावित समान समी द समीरण सार, मुखास स्तनून स्पर्वन स्बद्धंपन द्वरि। ३१७ वयराम-- मंत्रक अंत्रकर, अंत कर्ता अवकारक अंवकारी अंवकृत धर्कन भीवंपर चंच क नर्मकर नाल कीनाध श्रुतात कीर्पत बनात बम भीवनपति पीवितेश तर्रातन्त शंक्ष्यः,

क इंश्ट

बंदवार बंदवान दहायर, बंदी दक्षिणा धारानि क्ष्म दिनेग्रात्मक दैवाकरि, वर्गमाय यमग्रह वर्गगात वर्मगाय नररंदयर, पापर परैतरान, पिनरपनि रित्दैका रितृताच रितृपति पितृसाज পুৰিবীদলি স্বাল্ড স্বাদতি সঁল্ডাই भानुक भीमधासक भूतातक म महा बहवारी अहिवेश मृत्यु य धम यभन नरका शरिवन सर्वे गार, गुनास सुबर यमपुरुष यमुनास्ताना रविननम रक्षि नंतन रशिपूर रशिपुत्रन धेवन्वत याद देव ध्यम सब्भीरीत मन्दर्शित सब वर्गी गरिजिय मूर्पित स्पेपुत्र नोम हरि। ११८-१४ मन-अन्त औरवर शान विष विश्वान इध्य धर्मराज मीम वरमेट्य बुग्यु यस वृत्रोगर वैदासक नरेजनस्य ।

w 111 92 # \$25 मूमि तामिल बंतसूब, पर्यावर्तन पाप-३१९ **नरफ—अं**वरीय उच्य कटाइ, वास पूर्योव प्राणरीय महारौरव रही-कालसूत्र अहमुम तनुवात तप्तपायाण ग्रमोजन कारुगमध त्रज्ञाधक द्रज्ञामि तरसपुराकुर सारमधी सुकरमुख पूषप्रीठ संबंध चमप्रम चमित्र वामिल तुपिव दुर्गति बोबक बोजक मर्के नारक निरम सारमेयादन सुचीमुख । ३२५. भरक शोगता—कर्मकप्ट सहना, समझोक यमपुरी समपुर, समराज्य भोगना भारता भीयना रौरव घोषना। यमधान्द्र यमस्यक यकास्त्र रसात्रह ३२६- नरक की पीड़ा—साबू, बायमस्य रीरव समारा समयगी। कारणा कृष्यम्, तीवनेदना देसस्य दुःव विक्रोम-वे 'स्वर्ग' । शासक निकाति पीड़ा प्रेत, बाबा नारकीय- गरकमोबी गरकी गारकी यातना ग्यमा विष्टि। मारकीय पवित्र पावकी पापी। **३२७- नाप—का**डवेयस् पाठाकी सीर १२ कुछ प्रसिद्ध गरक कुंड--चक्कुंड सेयादे 'सर्पि'। तप्तकृतं वसकृतं स्पेकृतः। **३२८ नापमाता कड़ के ९ पुत्र—मर्नेड** १२१ **७ नरक-**शब्दनिरोधन कार मपरावित क्षेत्रक क्ष्मोंटक कुलिक पद महंग देशपुक पर्यावर्शन रक्षोनवामीवन भहापय बासुकि संख। सुक्योत स्वीम्छ। ३२९ प्रमुख ८ सत्य (इनसे ही नायों की १२२ २१ नरक—(मनु के मनुसार) ८ शाकाएँ क्याँ)—अनव क्याँटन वंबदानिक कडिएजबन ऋणीय कुसीर, तसक पद्म महापद्म नासुनिः काकोब काससूत बुद्यस उपन वामिस नरक प्रवादन प्रविमृत्तिक महानरक महाधीरण महानीचि शैरव विश्चेय-अन्तुं अय्द्रमायं भइते हैं। ११ धोषनाय—बनंत सहिराव महीत बाह्यास कोहर्षकु वैश्वरणी धारमधी कुषद, भूगृत वार्यणवाद, मरामद, वार-संबोदन संद्रात : भरत बराबार, शता नायस्य भावेत्रः **१२३ २१ भरक---**(भाग<del>वत के श</del>नुसार) वेषकृप संबतासिक क्षमपान करीची नागेस नापेदवर, पद्मगपित पद्मनेष परिष पातासीक्स फ्रांषपात फर्नीड

मसिपनमन काकसूत क्रुमीपाक क्रमि फ़नीस फॉनेंच फ़नीच,फ़िनराज फनिमद भोजन राप्तरशिम शामिक्स पूर्वीय प्रावरोध महारोश्य शैरव काळावल बासुकी सूर्वपरित सूचनड भूबर भू<sup>मिन</sup> बज्रकटकघारमधी विद्यसन वैदारमी बर, घोगी महाबद्धि महिबर, महीबर भूकरमुख संबंध सारमेशवन। बासुकी क्षेप सर्पपित सर्पराज सङ्ग्रस ३ए४ ए५ मरक--- वंशकूप अंधवाधिस भीज सहसम्बा सङ्ग्रदम सङ्क्रीय व्यक्तिरोजन सबीचित्रपात वसिप्तवन बहुधानन । डुंगीपाच इतिस्थित आरक्ष्मंत राख १११ धेवनाय का <del>श्वान-पा</del>ताल ।

१११ शेयनाय की हमी---वर्गतशीर्पा ।

मेर महावक मुदक पावाक।

**# 11**7

मजिमंडप ।

**बंह** पावासपुरी 1

कर्नुर कुहुए कैक्स शपायर, क्षपाट, क्षचर, तमीचर देग्त स्नुब दानव

दिविज विविश्व देव वेवशव, देवारि,

# #¥5

देत देतेय देश देशक घुमा स्वातचर, ३३४ **धेवनाय का फक्र—गणिशी**प । नक्तचर, निकाबर, निघाबर, निघाटन ११५ पातास—वर्गाक्षोक **उरगरमा**न नायकोक निम्मलोक पातार, पातान-११६ ७ पातास—(विष्यपुरावानु सार) बदल विदक्ष निवक गमस्वि ११७ ७ शहाल—(पचपुराषानुसार) वदस (महामाया) विदक्ष [हाटकेस्वर

38

विशेष-अमुर दानव तथा राजन सब

(धिव)] सूनक (बक्रि) तकातक (माया) महावल ( बड़े सर्प ) रसातक (दैत्य वना दानव ) पातास (बामुकि )। विधेय-कोप्टकों में धासकों के नाम है। ११८-८ पातास—(धिवपुराचानुसार) বৰ সত্ৰৰ বিজ্ঞালয়ত বিখিদালাক पर्केसभूमि विजय। १३९- पाठाली में रहने वाले प्रमुख माय---वर्कोटन कालिय कृष्टिक कृहक वराक पर्नबय धंधा शंलपुर गुपन । हैं। पातालों में रहने बाले प्रमुख राशस-पानि पातालनेतु, वनि सय 46 1 १४१ कडोट (सर्पराज)---नगाँटक । १४२ कालीनाम-शासिय पानी महा नाम १ १४३ वति—पानालीवस प्रह्मादगीय न्हाबनि विध्यावयोगीत विरोधननूत ।े हेरर वर्ति की स्त्री--विस्थावनी । १४५ वर्ति की जुड़ी-महायलियुर ।

TY1 ----

निधाविहार, निधिवर, निश्वर, निधावर, नैक्ट्रंत पर्व्य पीठ, पुश्कस पूर्वदेव मनुबाद, रासस सबग बग्रदेप्ट बलीत सर, गम्भ शक्षांस्थ्य मुर्राह्म मुर्रारम्, सूर्वरी । ३४७- बानव---वयोम्स अरिप्ट वदग एक कक कपिल दापन कुर्वेग दिमुद्धी यम्रकेस पुलोगा विश्वविधि विभावन्त्र विक्पाल वृपपन्नी चंकुधिय धवद

स्वर्गान, इयपीव 1 ३४८. राशस-अगिर बदेव अविदुध अध्य बदाप अनुर, अनुरवेत आकारा चारी आचर, कर्बूट, कम्पाद कम्पाठ कीलप तमच्य तमाचारी धमीचय

निसांबर निपकारमञ्ज निधायर निधि चर नैश्चन पसाद पतादन पताच वकारी पुष्पत्रम पुषपाच पुरवाधी प्रवस भीव्य भूत मनुवार सबस्य यज्ञारि, बन्नडह यानु यानुपान यानि शीचर, रक्तपीय स्तरप रहा रसव उच्छम रजनीयर, राक्स राष्ट्रम शक्तिकर शक्तिकाची समिष्टकर ग्रीक बल राजिसम राजिभट रैनिवर, छंड वर्ष विष्य शहाव श्रीयावत ।

प्रायः पर्याय क क्य में ही प्रयुक्त होते

**₹ 1**9 **4** 14 ३६२ टोना—-कुर्जत्र चादू, टोना मूठ। निधिवरा निधिवरी निश्वरी धानवी ३६३ टोमा करना—शृष्टि सगाना भवर पकाधिनी पृक्षोमी मृतिभी माधुनानी संगाना मठ प्रकाना । राष्ट्रसी रात्रिकरा सिंहकी। १६४ डोना करने वासी स्त्री—टोनर्ड्म । ३५ भत-वासेन जिन जिंव वैक्रिया **१६५ एविकुल—रनिवंस सूर्ववं**स । मसान पिराच पिसाच प्रेत १६६ राम-वन्नेश कपिरम कम<del>त</del>-बेतास बैठास मराग । नयन कमस्राकांत काकुरस्य चरादि, ३५१ भतों के कुछ भेर---जिम हेलिया-ताहिकारि, तिरलोकीनाच विश्लोकनाच ममान नट, बरम । निजीकपति निभोकीनाम दशकेनहा ३५२ मुतिनी--पुढ़ैक पुरदन निधिन बाह्न प्रेतिनी बैतालिन । दछकंठारि, वसरवयुत शासरव सासर्पव माधव रयुनंद, रचुनंदन रयुनाव रह ३५१ भूत विद्या-शोशवती प्रेत्रविद्या नावक रयुपति रमुखर्द, रमुखन होजयती । रवृत्तव रपुरैवा रपुर्वशङ्कमाद, रपुरद १५४ मृत शावने वाला—मोशवत रकुरीर, रबूलम रमूब्रह रामन रान भौप्ता सोखस्य सीखा। चंड्र सम्बद्ध स्वमादि संकादि १५५ भूत प्रेत की बाया--नाशेव फेट, बीररायब बीपति सत्मसंघ सीदानान मृतवादा । श्रीतापवि श्रीसारमण सीतारवर्ग १५६- वहाँ मृत हो या जिसमें जुल धीवायना सीवाबर, सीवाबल्डम ही-फेरवाला मृतहा। मुबोबेग भुवाहुदानु इरि । १५७- मूत साइने का स्थान—थीरा ३६७. सीला---वर्वीमा अनवर्षाण बात देववच देवस्यान बहास्वान अनुकर्शिती धनकती जनगुरी स्वति । जनकारमञ्जा जा जानकी चरमीमुद्रा १५८ भूगों के स्वान-अवत्रवात चौरा बरात्मना पुच्च-स्तोका भूवनवा बीट् पंत्रपट्टा शहारपात श्रमान সুপুৰী বৃদিৰ সুদিৰা সুৰিৱদৰা, निविद्यः । भृषिबुता भृभुता भौभी मैनिनी १५९- बून सवना---पुरस्त चरना केर पड़नाकेर समना मून वरहना ह्या बोजनगंबा योजनवॅभिका रावप्रियक सबसः । रमा सदमी लाशकी वैदेही साया। ३६८. रातरच—अवपेध कीयसप्ति १६ जन समाना-टीमा करना और इधारणं दक्षस्यवन विनासम्बन पनितरण शासना मैनान श्रीवना । **३६१ भूग आइना---शना** जीव-टीर रपुकार्माच रायरितृ सम्परेगी । १६९, कीतस्या-कोपस्या कीधित्या, काना माहना माहना-मृतना आह

कीगत्या कीमित्या ।

३७ सम्बन-अनंत महीत मैनापुर

भूक बारता क्षेत्रा-शोहका करवा ब्हैंबजा

चूप बेपारमा मंदर मारमा नीम शहरा ।

T tut 98 # B14 रोमानुब बसन सकियन रुखूमन रुखू-३८३ अंपर--शरेय भूजनंगः। मच सप सौियज्ञ। ३८४ जासवत—ऋक्षपति ऋक्षराज रेश्ट सम्मय की हती--विभिक्ता । षांववात शांबुवात बामवात माभनाव १७२ स्थमच के पुत्र--अंगद बहरेलू। रीकराज । १७३ मध्य- नैकेशीस्त मांबबीपति। १८५ सुप्रीय अर्थेय तास्त्रिय तास-रेक्ट मध्य की स्वी-अध्यवसङ्गारी भीस तारानाम तारापित विनेशारमञ संदर्भ । रवितमय रविनंदन रविपूत रविभूवन हेक्ष्प, शामुम्न--- अरिवयन अरियर्वन बानचेंद्र हरीय । विदित विद्या रिपुरमन रिपुसूदन ३८६ विभीवय---निश्चित्रराज संक-द्यवादक धनुषत शतुष्यत शतुष्यत नाच अंकनायक अंकपति अंकेश **भन्**दवा चन्द्रन । १८७- कानमू<del>श्वि का</del>नमूजूडी मुस्बि रेषकः प्रमुप्तः को स्त्री—मुतकीर्ति । मुच्यी । १४७. सुमित्रा--मित्रा । ३८८- धवरी---मीलमी मिलनी धवरी १०८ वेदेगी-- वस्त्रपतिसूता संबंधि । नेवर्ड. **वैकेपक्रमारी** । **१८९ वहस्या--ज**हिल्या पौतमी । १७९- जनक—विईवराज मिनिलेस ३९ रा<del>वश ड</del>्रंमीनस कतिकर. रामीय विरेह, विवेकतिका । नियाचरपति दनुनेय इसक्ट, दस्कंब १८ इनुमान-अंबनानंद, अंबनीकुमार, दस्तंबर, दशयीवा दशमाय दसमुख वंबनीनंब बंबनीपुत्र अजनीसुत्त अस वसमीसि वसवदम दशक्तर, दशकीयं हेंग बांबनेय कपिकेयरी क्यीस किर्र वससीस वद्यानन वद्यास्य दैरयेन्द्र भौषी वितेन्द्रिय पषतकुमार, पवतव निश्चरपति पश्चिपीय पौसरस्य बहवाड पंबनदानम पंचनश्वन पंबनपुत्र पंचन बातुबानेस रबना सक्तसपति सबन पूर प्रतम्हत प्रमारमण प्रमाणनात करनाम करनायक संकापति संकापि पायनि बंक्ट बचरंगवणी बच्चांगी पति संबापति सकेश संकेशनर, नियति-संस्थान महाबीद माच्छ नावति योग माह १ षद रवतसूचि रामवास रामबूत राम ३९१ मधीवरी-मधोपे भयस्ता। वस्त स्त्रीवड़ी वसक्तर, वरिष्ठ, वास-३९२ केबिनी (राधन की माता)---पुत्र बातात्मक बागरेला बागुपूत बैक्की । वित्रम इनुमान इसीय हनिवत इनुवतः ३९३ शेवलार---देशजित सरवाजित

भववारिया भेवनाच धकारि ।

बहर्डमा ५

३९४ अक्षयकुमार---वस

अच्छ जन्छय<u>क</u>ुमार ।

**१९५ क्रिजटा—धर्मत्र** ।

१८१ वंत्रकी-- मजना बंजनि केशरी

् रेटर-बा<del>जि</del>—ताराधिप वाराधीश वारा

विष ।

नाम वास्त्रपति ।

इ. ४५६	<b>4</b> 233
४२६. भीम की हिल्ला और जनसे	४४० होनाचार्य-कुंगन कुंगना
करपम पुत्र-जौरवी-भृतधीम	कुटम भारताम I
हिवा-पटोल्डच बर्लगरा-सरवग।	४४१ सहबत्यामा—विरजीवी होषि
है जिपहीं ।	होबायन होजायनि होर्मि ।
४२७ महासवरिवनीकुमारण देनियास	४४२ बरासंयवरापुद्ध, वरायीय वरा-
बाहुक माहित १	सुत ।
४२८ महुन सी हमीकरेजुमति वेदि	४४३ वंश-वंशानुर, कर्तानुर।
इमार्थ ।	४४४ वरसूरास-कुठारपानि श्रतिकः
४२९. नकुछ का पुत्रमिर्छमत्र ।	श्रीडपरस्, जामहस्य नृपश्रीही परसूर्व
४६ <del>शहरेत-जीवनीकु</del> मारन मार्गिजा	पर्धापानि परस्रातम ब्रह्मसाधि मान्य
कनुपारम ।	भय, भूकृतंब, भूकृतंबन कृतुनाव
४३१ सहरेष की स्त्रीविवया ।	मृबुनायक मृबुपति मृबुनुक्य मृबु <sup>द्दास</sup>
४३२ सहवेब का प्रज-मुहोन भूठ	यामवनि राम रेपुकारमञ्
क्रमत् ।	४८५ रेजुका—(परसूराम की माता)
४३६ सत्यवती-कालांगगी यंत्रकाविका	कोकडा कोकडावती ।
पंत्रकाली पंत्रकती सलीती वासनीविती	४४६ कम्बर-( ननवार ) क्ष्मिन
दारेमी मण्डोतरी मत्त्रमंत्रा गोनगर्गना।	क्षक कमट कुमें यहा चतुपात निर्मा
४३४ जीवनकीमपर्यंत संगापुत गंगा-	गुरूम बोलेम जीवध पंचनुष्य पंचन <sup>क</sup>
सुद्र नेयेस गेपासनि थायेक	र्वचांगपुष्त पीचर ।
दासकेतु, तासभ्यम वेनवत पिदामह,	४४७. बुदमनिय अर्थनम्, शहननारी
पुरावस्, मौस्मपितासह, मौसम मान्तनू-	अर्हन सर्हेत आर्थ करूम कु <del>क्तियाप</del> ण
चुत संतर्भुत सरिवसृत स्वेण्ङामृत्यु ।	<b>बा</b> डण गीराम जयतीयाः, जितारि, जिल
४३५ वृतराष्ट्रविकेस संविकेस ।	क्रानकार, य त तकायत तकायन
४३६ दुर्वोधन-कौरवपति कौरवेश	तमोध्य विकास विश्वरम दर्गदर्गी
धुयोजन ।	वक्षपारमिताबर, दशक्त दलमूमि <sup>न</sup>
४३७. दुसलाकीरवनपिनी दुःसका	वसभूगी <del>या</del> वसाई दसाई हार <del>पाव</del>
<b>ु</b> सका दुसका ।	चर्नकेतु, धर्मचक, वर्मेंब धर्म <sup>बातु</sup> र
४३८. <del>वर्ष - ग</del> मराङ् अंगाविपति वर्षि	वर्गप्रमास वर्गप्रक्षन वर्गस्य
र्राप्त अर्कन अर्कनंत्रन करण कानीन	नदीवस नागाधिम् नावार्बुत ति <b>प्</b> री
नोपुन घटोत्कचातक चंपाणिय चास्पेस	प्रयुक्त प्रधानीति पुरुक्त बङा <sup>हम</sup>
विलेबास्मन राषायुक् राजेन बसुवैज	नहुरूप सन्बंध भयवान् सन्वान
<b>शैक्ट</b> ान सूर्वपुत्र <del>सूर्ये</del> सुर ।	मिशक मौक्मस्वरराज महाबोवि
४३९. जनस्य दविपालकः ।	महासैत महासीर, सामादेगी <b>पु</b> र

W YEE 84 TYY मार्चित मनि मुनींव मुनीय मुनीस्वर, ४५६. अति के पुत्र-पूर्वाशा मिमभू, भावासुत रलकीति रलकेतु, 'पूर्वास' ।

कोक्जित सोकस्थेप्ट, सोकनाव कोक-प्रदीप स्रोदाधिप वृत्ती व्यक्तपाकी मग्रस्य प्रमुपं पानाधनि विनतोक्ष विनासक विपयी विषयी विस्तंतर, विश्वदोष विस्तीवीसे क्योमान पडिंगश धान्यमृति धान्यसिंह, सास्ता सीयन संयुक्त सत्यकेता, सुमंत्रप्रमास समेत मह समदर्भ सम्बद्धसंबोब सरक सरीकी सर्वज्ञ सर्वार्व सिक्र सिकार्व सुवाबदीवबर, श्रुपत श्रुपत-वेब सुबीप

मुनेप्टरप स्वादर्ग सुमापित सुमनोजनोप शोमस्खान्त रिनग-वृतिकतः हुर्पुतः हुन हेरेव । ४४८ करिक-क्सेकी करिकन्। ४४९- ऋषि--वश्चवि संचवाता संच Eप्टा मनीवी महर्षि मनि सुनतकार, स्त्रद्या ।

४५ कामप-तृस तासे मृताकुंच । भे९१ कायप को १३ परिनशी—अदिवि विनदास्वसाः नतीं से ७ थी। ४५२ दबीक—स्वीचि दध्यंत्र ।

(बनावगी) अस्टिटा इस इका कर् क्रमेश द्वादा दनु, विदि प्रमा मुनि विधेय-कुछ मती से में १७ तया कुछ ३५६ स्काकार्य-अवस्पति वादिनावें एकास कवि कविष्ण बास्य देखनुर, मापमव स्वेत योजसांगु । ¥५४ शुकाकार्य की वनी-सागपर्वा गुपमा । ४५५ अज-प्रशासकर ।

४५७. अनुसमा-अनिप्रिया अनुसूर्या अनुसूय प्रभाकरप्रिया। ४५८ व्यमान्द्रि-स्तिनेत्रम् । ४५९- बुर्वासा-स्थित स्थेय सामेन क्यार्यम् । ४६ वास्पीकि—वादिकवि जुचीकन प्राचेतस्, बास्मीक मैनावसनि बल्मीकोदमब । ४६१ व्यास-कानीमा क्रूपन क्रूपम वैपायन गांगेव वैपायन पराधरसूत

पाराचर, पाराचर्य पाराचरीर, पादन व्यास वेषव्यास धारकदस सरवदाीसूच पुरानों के सनुसार विष्मु के सक्तार के क्प में २८ व्यास ही भूके हैं।] ४६२ भूगीऋषि-पाव विमादस्त धांताचव श्रांगी । ४६३ नारव--कपियका सक्तिम कालि-कारक कमिप्रिय जगद्बुर देवमुनि देवक देवजुत देवपि पिसून बह्मपुत्र बहासु । ४६४ जनस्य-व्यस्त अयस्ति जनस्ती वांनिमापति वीवंधेय क्रमधिसन कम्भव कुमजात कुम्मगीनि कुम्मसंसय स्टब षट्य घटपोनि घटसंसर घटोइसर पीतास्थि मैचायस्थ सास्य विध्यक्त धमुद्रचुक्तकः सिन्ध्याधनि । ४६५ अगस्त्य की हमी--कीमीवकी कीपामुद्रा चन्त्रदा ।

४६६ विश्वाणिय-कौशिक

राजवि ।

वाधिनंदन साथिनून, याग्रेय पौरव

**१९८. सूर्यवका--पौकरत्यी सूपनेश्विया** धूर्पनका सूरपनका सूर्पनका। ६९९. इपन - मरिकेशी वहिनित कॅबेया इसारि कन्हैया कम्हाई, कमकननन कमनाकांत कांत कांयर, कान्हा कान्ह कामपाक केसन बारम्बंसी खरारि संपरी परकृगामी गरकाचन निरिधर, मिरियरन गिरिवारन गिरिवारी गौपति योपाक योपीलाव योपेना भोसोकेस थोविंद गौरोप धनस्याम चत्रबद, चक्रवारी चक्रमाणि चनार्वन अदुपति बदुपाक बदुसाई, बदुसाब पदुराग बहुबर, जहुबीर, आववरति बोमेस्बर, तूंपीस त्रिकोकनाच त्रिकोक-पति विक्रीकीनाच वामीवर, देवकी-

३९७. मारी<del>य -</del>दाङ्केय गरीच ।

मन्दन देवकीपुत्र हारकात्रीय हारका नाम घट, नंदक्रियोट, नंदकुताए, नंद मेर नंदर्गदम संदन्त्य नंदलाख संदाखक मस्याय नवनीत नवनविद्योर, पांडवा-मन पौतवास पीतांबर, पुरुषोत्तम पृक्ति गर्भ पुरितनद्र वंद्यीकर बनवाली बनवारी बसबीट, बाधरेव बाहरआमी **पश्चिमर्थ** भगवान नदनमोपास मदनगोइत मधुपति मधुपुत्रम शन मीइन महरेटा माधव गायो गुबूद बुरदर, मुरमर्थन भूग्सीश्वर, मुरलीमनो-हर मुंग्हा मुग्हाचे मुचरि, मुत्तरी मोर्न मोहनास्य धप्रनेमि यज्ञीसम मरुतस्थत यहुनाम यहुपति यहूसन मनुराद्ये बहुराज बहुराय बहुर्वधवनि

महुरू, महुर्यार, बहुलन धननारि

राजाकांत सक्सीपित राधानरकम कास्त्रम कीलापुरुयोत्तम वंशीवर, वरू-जीत वासूदेव विभूगा विहासी वृत्या बनेवबर, बूप बृध्यि बनराज बजमीहर बन्धास ध्यमस्यम् तनस्पति वर्षेत्र क्रवेदबर, बासूदेव सकटादि, संसवर शतानंब शि**संडी** शिश्यमार, स्मामसुन्दर भीकृष्य भीदाम भीपति सेंबक्रिया सांबक्षे सास्वत सारंग सुबद्धा सुरवात युराध्यक्ष सुरेस मुरेस सेतुप्रद, सीमी बूमब्, ह्यांकेस १ ४० राषा भौवित्रियोधे कुवारी धनिका समा भवरानी भृत्यावनेश्वरी वृपमानुना भूपमानु गन्दनी स्थामा शीमती सुरेस्वयै इ<sup>रि</sup> प्रिया । ४ १ वरिमणी--गीय्मकपुता विवर्ष कुमारी 1 ४२ वरिमणीका पुत्र---प्रदुष्तः वै 'कामवेद'। ४३ अभिस्तु---वचापति ऋष्यकी

कौररि

शयोक १ ४४ अभिद्रद्व की श्री—देपा <sup>कर्म</sup> भौतिजुषा । ४ ५ जनिवज्ञकापुत्र<del>-- अ</del>तिवज्ञनुत <sup>स्ट</sup> ४ ६ अनुदेव--आनवर्षुद्धि । ४ ७. बसुरेब की स्थी---नरिति 🟋 धननी देवपशुला देवकी पु<sup>ल</sup>ी। ४ ८ वंद--गीरवान योगराय ।

४ ९. वसीश-अनुपति वस्ता पर्व

यमुक्ता ।

बृहशस बृहशसा विपुत्तस्त्रेच संबद् ४१ वतराम-अञ्युताग्रय ग्रहीश यक-सञ्चवेधी शिवसम्ब स्वेतवाह्न सम्ब-**बुरल काम्पास कार्किशी घेरन बरा**रि, चारी सम्बसाचि सध्यसाची सितदुरग बरारी वास्केत्, वासम्बन वारुम्बनी सितवाजी सितारव सुनर, सेतवाह, वारुसम्य वार्काच दाऊ, दस दसदाऊ, बक्रवेन अक्रवीर, बक्रवड भग्नवस्क्रम हरियुव । महोग मुससी मुखबदाणिक वसुनानिक, ४१८- ग्रीपरी—(पौर्णे पोडवों की स्थी) राम स्विभार्य विकासि रेवतीरमध कृष्णासकी कृष्णा द्रपरमुका श्रोपती रेक्टीरमन रीहियेन खांगकम्बन खांगकी शोपकी शौपती करनारि विविधीवनी धेप संदर्भय सबर्चेक सबर्चकी सारवत नित्ययीवना पंचधव पंचाटकुमारी सीतावर, शीरपाणि शीनदी इत्येव पांचामी पांचामी पारएवी पार्पवी पुष्यस्कोका यज्ञधेनी बेदिया सत्यसंबा हतभर, हजायुव हती। वैरंधी वीरिमी। ¥**११ कुंती**⊷-थांबुप्रिया पार्प्यी पृथा। ४१२ पांडच-पंडब पंडबा पांडवेय ४१% वर्षिं योडवें से प्रीपरी के बीच पुत्र-मतिविध्य (वृषिष्टिर) शृतकोम पोंडवनय पांडपुत्र पांडमुख । (भीम) युवकीर्वि (अर्जुन) एठानिक ¥१३ ५ <del>वांडब—युवि</del>च्ठिर, अर्जुन श्रीम नकुक सहदेव । (नकुष) वृद्धकमन् (सहदेव) । ४१४ पृषिष्टिर—बवातयमु, कंक कुर-४१९: बः हुपर--हुपत वक्षतेन । राय कॅलिय कम कर्मपुत वर्मराह ४१९ वा युमक्रर—(वर्युतको स्त्री तमा वर्गयत्र वर्गयम् वर्गवतार, पुष्परकोक अभिमन्युकी पाता) अर्जुनी कृष्णकासी भौता वनुरेषकुमारी सुमदरा। सुबादरिषु । ४१५, युविच्टिर की स्त्री-वेनिका (महा ४२ अभिमन्यु-अधिमन्यु पाच्यु, माप्तानुसार ) बीचेवी (विष्णु पुराना-पार्वतन्त्रन सुबद्रामुख सीमद्रा ४२१ वक्तरा-उत्तरस्थवा विरादकुमाथै। नुसार)। ४१६- पृथिष्टिर का पुत्र-यीवेग (महा ४२२ जलरा का पुत-परीक्षित । भारतानुसार) देवक (विष्यु युखना ४२३ प्रकृति-कीरव्यसूता नावकृत्या मुखार) दे "बीपदी"। भावकुमारी । ४१७ सर्जन-ऐति कपिष्यत कपिष्य ४२४ वर्ष्याके पुत्र-इद्ययत ब्रह्मशहरा। क्योरि, क्रिपेट, कृष्ण कृष्णसभा ४५५ जीवतेन-वर्षतः प्रवत्मारः क्षेत्रिय स्त्राहीयी मोहीस्थ्यमा भोडीस्थयः नवनज अवनगदन एवनपुर एदलपुर

पवनारमञ पवनसम्य धवननंद,पवनमुत

पुष्टर्यंनी बाहुयाची, चीम भीमा चीम्

খীৰ খীংৰ ৰাজ্য মাহতি ৰাষুদুৰ

वक्षणीत बातपुर वृक्षोरर ।

**बुबाकेस विजयोगी जिल्हा, सपस्य** 

भनेत्रय बली नद,पांडुमंदन पारुपासनि

वार्व फल्पुन कास्तुन सञ्चनपांडन

राबानरी बातवी विजय विशस

11

क ४२५

| ¥1•

क प्रदर्द है।	ערור אַ
४२६. पीम की निवर्ध और उनते प्रसम पुत्र जोम प्रसम पुत्र जोम प्रमान पुरारोम दिर्देश—मटोलक वर्णपरा—प्रस्ता है पेगरी' । ४२७. महरू अधिवरीकुमार प्रतिपाक वाहुक महिन्दा है । ४२७. महरू को इसी—करेजुमीर वेदि हुमारी । ४२५. महरू को इसी—करेजुमीर वेदि हुमारी । ४२५ सहरेव को इसी—करेजुमीर वृद्ध सहरेव को इसी—विकास । ४३६ सहरेव को इसी विकास । ४३६ हुमांवर—करेप विकास ।	क्षेत्र ब्रोणावार्थ कृष्यमा कृष्यमात कृष्य भारताय ।  क्षत्र भारताय ।  क्षत्र भारताय ।  क्षत्र भारताय मेरियोधी ब्रोणि  ब्रोणायण ब्रोणायणि ब्रोमि ।  क्षत्र भारताय मेरियाधी ब्राणाय स्वाप्त ।  क्षत्र प्रमुख्य मेरियाधी स्वाप्त स्वप्त स्वाप्त स्वप्त स्वाप्त स्वप्त स
मुयोवन । ४३७. दुलला—कीरवयनिनी शुराला	वसपारमिताबर, दशवक दशमूनिय दशमूनीय वसावै दशाहि हादशाम
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •

मार्ज्जित मनि मुनींड मुनीच मुनीवनर, ४५६. अणि के पूत्र-- तुर्वासा मिनम्, मायामुत एलकीति एलकेतु, 'बूर्वासा' । कोइवित सोक्क्येय्ड कोइनाय कोइ-४५७ बनुसुया-विशिधा वनुसूद्या प्रदीप कोबाधिय वजी वटाकपाकी अनुसुय प्रमाकरप्रिया । षदास्त्र षदासूर्व कागासनि विगतोजन ४५८. चंत्रमान्द्रयि-वित्रिनेत्रम् । निनाधक विपशी विपश्यी विश्वविद विस्तरोच विस्तीचंत्रेष ब्योगाम पर्काश्य याल्यमुनि साल्यसिंह सास्ता श्रीवन चंपून स्त्यकेषु, समंतप्रमास समंत मह समकर्ग सम्बद्धसंबोध सरक घरोनी सर्वेश्व सर्वार्थ सिक्क सिकार्थ पुषावतीरवट, सुगत सुगत-वेब सुषोप मुनेप्टक्प सुवादयीं सुमायित चुमनोक्रमोप सोमसिङान्त स्मित दुविदत्त हुर्युक हेम हेर्रव । ४४८ करिक-क्संकी करिकन्। ४४९ **मध्य-अधा**र्य संच्याता संच <sup>इ.</sup>प्टा मनीयौ सङ्गयि मुनि सू<del>रत</del>कार, भूस्तहप्टा । ४५ कश्य<del>प पुता</del> तार्वा स्वाकुंस । <sup>34</sup>र कर्मप की १३ वरिनयाँ—समिति (ब्लायजी) अस्पिटा इस इका कहु, कोबा तास्त्रा दनु, विक्रि शका मुनि विनदास्वसा। विशेष-- कुछ मर्तो से से १७ तका कुछ मती से ७ वी । ४५२ वर्गक--वर्गाच वर्माच । ४९३ सुकाकार्य-- जनस्पति जादिनार्थे एकास कवि कविपूत्र काव्य दैरवनुक मामभव कोत पोडसांगु। ४९४ सुकाकार्य की हजी-धातपूर्वा

पुषका ।

४५५ विक-ममादकर ।

\* YY

४५९- पूर्वासा---सभिज अभेग सामेग कसारनि । ४६ **वालगीकि—वा**रिकवि कुचीकव प्राचेत्तम्, बास्मीक मैत्रावदनि बस्मीकोव्भव । ४**६१ व्यास—का**नीना कृष्ण कृष्ण **बै**पायन गांगेय **बै**पायन परासरस्त पाराचर, पाराखर्व पाराचरीर, पावन व्यास वेदव्यास सास्वतस सरपवतीसूच [पूरानों के अनुसार निष्णु के अनतार के रूप में २८ व्यास हो चुके हैं।] ४६२ **श्रृंगीकानि—**सृत्य विसादसूत धांताचन गरंगी । ४६३ नारव--कपिवन्य क्लप्रिय काक्रि-कारक कलिपिय अगर्नुस वेबसूनि देवक देवमूत देवपि पिश्चन ब्रह्मपूर्य बह्मम् । ४६४ अयस्त्य <del>- व</del>यस्त वगस्ति वनस्ती वन्तिभावति बीर्वसेय क्कचिस्त कुम्मव कुंभवात कुम्मयोगि कुम्मसंमग सृटव षटक घटवोनि घटसंगर घटोड्मश पीतारिम मैनावस्थ याम्य विध्यक्ट, समुद्रजुक्त सिन्जुसासनि । ४६५ अगस्य की स्थी-कौछीतकी कोपामुद्रा वरप्रदा । ४६६. विकासिश-भौधिक याजिनवन याधिसूनु, गामेश पौरव पर्याप 🏎

# ¥44

पुत्र ब्रह्मीय ब्रह्मम्, वैरंचि ।

४६८ इलावेय-विभव सत्रेय ।

४७६ कैनवर्भ की वी काकार्ये—वियोगर, धनेतांगर। ४७४ विमानसम् का संस्थानी—वियोगर, माना मस्मरक्षित सस्मानि विनियोक।

प्रथम चैनवर्स के भ सहस्वस्— बरियह, अस्तेस चाँह्या वहावर्य स्ययः इन सबी को अनुकानी में देखकर नवा स्थान देखिये।

४७६. चैनियों के देवों के ४ प्रकार— बनुदर (५) करनादीत (९) ग्रैनेवक बैमानिक या करनगत (१२)। ४७७. १२ बैमानिक बैच्या—गंदक बच्चत बारण प्रकार नद प्राक्त

बह्मा माहेब शुक्त, धनत्कुमार, धहस्रार, धीवमें । ४७८० चैनायमों के वो कास— बवर्षाची एक्सियों । ४७२. सर्व्याची काल के तीर्वेकर—

Yet, बरसरियों काल के तीर्वेकर— मरीत कीशीवी तीर्वेकर। Yo मतीत कीशीवी—मी निर्माण सावर, महासाडु, विश्वकायु, मीकर, मुक्त मनकायु, कह, मीकर, सम्बद्धि सित्ताय कुमुश्रीमील विषयण स्वसाह मृतिकर, परोमकर, निर्माणकार, स्वतीकर,

कामार्थि ज्ञानमति सुद्धिमति भीसङ

स्तिकम घोति।

४८२ वर्तवान चौबीती—च्यापदेव विद्यताव समयनाव व्यविद्यताव सुमतिनाव प्रमुक्त सुपार्चनाव वर्ष

शीर्षेकर, वर्तमान चौबीसी ।

सम्, पूज्यस्य शीरकानाव सेपांधनाव बातुपुज्य विश्वकताव करताव वर्षे नाथ खाँतिमाय कुन्युनाव करमार मरिकाय प्रतिकृताव समिताव विश्वकाय पार्थमाव सहाविर। ४८६ करायस वर्षेनीली—(पविष्य में होने वास्ते शीर्षकर) सी महराय

हान बांध रामकर) भी निर्माण पुरावेष सुरावर्ष स्वयंत्रमु स्वयंत्रम् स्वयंत्रम्यस्यम्

शासक् सामाण महामाद नहान स्वतंत्रातः ।
४८५ स्वस्त्रमेदः—आदिगामः ।
४८६ स्वामो के दो प्रकार के सौर्यशादिक्षय सोम शिक्षः सोन ।
४८७ श्रमण स्वतंत्र्यः सोन —
स्वतंत्र्यः सामाण स्वतंत्र्यः समुद्राद्यः स्वतुराद्योः

४८७ अवाल करियान क्रम-न्या प्रविध्य क्रियान क्रम-न्या प्रविध्य क्रियाची क्रियाच्या क्रम्याची व्यवस्थित क्रम्याची व्यवस्थित क्रमाण्याची क्रमाण्याची क्रमाण्याची क्रमाण्याची क्रमाण्याची क्रमाण्याची क्रमाण्याची व्यवस्थान व्यवस्यान व्यवस्थान व्यवस्थान

४८९ बीब-नीय वर्गावर्षनी मीनी

सोलविट ।

वसंबी ।

# ¥5 10 **#** 484 ४९ बीज धर्म के २ प्रधान संप्रवाय--का बेटा गसीहा मीस्क्ष्ट। ५ ६ विरिवा (ईसाइयों का मन्दिर)-महायान हीनयान । ४९१ बीक्स वर्ग के ४ आर्य सत्य--गिरवापर, वर्षे । **रुक्त पुक्रसमुदय क्**कानिरोक कुळा ५०४ ईसाइयों के सीर्थ-स्वल--अंतियोक निरोष गामिनी प्रतिपद्या । अलंकबंदिया आवेग्स इफ्रेसास कोरिय ४९२ भीड पर्ने के कुछ देवता धोडमक्स रोग स्मरहा। ( रिय्पादशान ग्रंथ के सनतार )---५ ५, व्हतमान-इत्साम बहन तुर्क बद्दिष्ठ बत्प बन्द्यक् अप्रमाण सूध मुसलमीन यवन (इस सम्द का यथार्प अर्वधीक होता है पर इसका तथा वप्रमाणाम बब्ह, बाधास्वर, चातुर मझराजिक तुपित मिर्मागरति परि बदन का प्रयोग कोम मुसलमानों के लिए निमित्रवरावर्धी परीक्षपुत्र परोक्षात्र मी करते हैं।) पुष्पप्रसम् बृहत्त्रक स्वप्रहत्त्व सुरस्री। ५०६. श्राकमानी के कुछ सन्प्रदाय-भेरते बुद्ध भगवाल-वे 'बुद्ध'। कार्जी चिया सभी। ४९४ वद्मीबरा-योपा । ५ ७. इस्लाम वर्ग के ५ उनुत-ईगान ४९५ ब्रह-पूत्र--- राहळ । भगाव रोवा बकात हव। <sup>देर</sup>ी-प्राचीन काळ के ए४ बुट्टी में ५८. नमाच-समात विवदा। प्रवात-दीपंकर, क्षीव्यस्य ५ %, ५ प्रवान नमा<del>व</del>— (फ़बिर मुमना रेवत सोमित अनोमदर्शी पद्म (बातः) भूहर (बीपहर) इस (बप नारद, पद्मोचर, सुमेश सुवात प्रियदर्शी चन्न) नसरिव (धाम) एवा (चत)। बप्दर्शी । ५१ कुछ और नमाद—नमाद जुमा ४९% बौद्ध पर्ने के चूछ प्रसिद्ध सीर्थ---नभाज हैर, नमार बकरीर, नमाज कुनुफ, हुचीनयर, बोधिमया कविनी बाग (शर्वे प्रहण की) नमाज लमुक्र (चंद्र चारनाय । बहुण की) सकानुसद्दर्ग (कड़ाई की ४९८ बोबिवृश-परियोग वैत्य बोधि नमाज) नमाचे चारत (१ वने भी) मुम । नमाने हमराकर । ४९९- वर्षीडा (बीद्ध मन्दिर)---थया । **५११ मसजिब---<sup>र</sup>रपाह नमाजवाना** 🦎 ईसाई--फिन्सान ईसामताबसंबी बसीत बसीद, मस्बिद, महत्रीद। चिप्टीय नसरानी मसीही। ५१२ शक्षकरा-इमानवाहा शक्त पत्रि ५ । साहवीं के प्रवान संप्रदाय-स्तान मजार । वर्मनी बमुद्रद, मस्टोरी ओटेस्टैट, बाक्-५१३ नमात्र बहुना-सुरना बीया जामीबाइट, रोमनबैचोलिक श्रदना । निरियश । ५१४ सदान-दौर। <sup>५</sup>२ <del>विल</del>—र्बसम्बद्धिकादस्य सुदा ५१५ रोडा-सोम।

# 48**%** 4 484 10 ५१६ वकात-सैरात वान । नक्ष्म बहिस्स विहिस्त । विक्रोम—दे 'दोगक' । ५१७ मसकमानी की शीर्व-पात्रा---५३१ जग्नत और बीचन के बीच का खेमारत हव। बरचा-नायकः। ५१८ मृतकमानी के प्रवान शीर्क-५३२ गोजक (मुस्तमानों का नरक)---मनपेर, बेस्ससम मनका सबीना। बहुसूम बहीम नार, सकर। ५१९ चेश्सलय-नैतृक यकहरा । विकोस—दे 'वसत'। ५२ मधीना--मबीना मुख्यदा। ५३३ मुससमानी <del>मृत जि</del>न ५२१ मनका---काका खाने कावा बैतूच-धीतान । दे 'मृत'। इराम भक्कं मोक्कक्या। ५३४ हिन्तुओं के व्यक्तिक ग्रंच--वास्य ५२२ भूदा-- मस्टा मस्टाह बढाह नागम प्रेंग झाल विज्ञान विज्ञा सास्त्र। वाका इकाही करीन श्वासिक चकुर, ५३५ हिम्बुकारण—उपवेद दर्शन धर्म परवरिकार, राजाक रहाना रहीन धारन पुराच वेच, वेचांय। सचार हारी। ५३६ सल्यक्षिय्-वंतयक्षीम पंडित भर**३ पैप्रेंगर---देवह**त नवी रसुस्र । शास्त्रव वास्त्रज्ञाता चास्त्रवेद्या। ५१४ मुझ्म्मर---वनील पेडंबर, नहमूद **५३७. धारमीय—धारमीनत**। रसूक सभी इवस्त हाथिय। **५३८. वेष--आगम आग्नाम कंद,** वर्गी ५१५-४ वसीमा (भूद्रमाव के ४ वर्गमूक निगम प्रयक्त वहा वेद सहाका)--ह्यारत जमुजक तिहीकी इंबरत उमर फ्रांसक इंबरत जसमान शवि । प्रनीकृष्यस्य वसी मूर्तका। ५३९. वैदिक जा<del>वा क्र</del>ा नेरनावा वैक्की संसक्तः ५२६ १२ इमान (धिया शम्प्रवाय **५४ वेदोस्त--वेदविद्या वेदसमा**र्वे के)---मधी इसन इसेन वैत-उस-भाविदीत् मृहम्भद वाकिए, बाछए, वेदानुक्छ । साविक, मुसा झाजिम जुहुम्मद शकी ५४१ वेश्सीय-न्यत्, न्यत्। ६४२ वेदपाठी-कारस वेदपाठी वेदा-मकी नकी हुसेन अस्करी महरी जबी मुखारका । व्यायी वैदिक, क्षेत्रिय कोशी। भूक्ष असी या वैवयसी---वाक् साम ५२% ४ दशाम (तुती सन्त्रदान के)----हुनीक्र, माबिक शक्री इनवस्र । यम् । ५२८. ४ कात करियो--जिबीक गीफा ५४४ ४ वेद--अपर्यवेद, ऋग्वेद, मर्यु-इब (इंड) इसाफीड (शंकर) इप्रश-र्षेद, सामनेव । ५४५ वेशें के अ जाय—संदिता बाह्य व হত (ৰম) ঃ **५१९, हेताय-अकाबीक दवली**स । व्यारच्यक प्रपतिपद् ५३ अप्रत (भूतलगर्भी का स्वर्ष)---५४६ ४ संहितार्ये—मृक् सहिता नर्दे

पॅहिंगा सामसंहिता वश्वसंहिता।

९४७- वामेद की सालाएँ—आववसायन मॉबूनावन वाटकस सोखायन साकसा ९४८- यबुकेंव की सालाएँ—काटक विपठक-कट मैत्रायणी दीतारीय नाव

सनेपी। १४८ स. पत्रवेद के २ प्रधान भेद— हुएम वजवेद सक्क अवर्तेट।

९३८ स. पत्रुचेर के २ प्रधान घेर-हुप्प पत्रुचेर धुक्त प्रजुवेर । १४९, इप्प पत्रुचेर की झालाएँ—कठ, कठ-कापिएटल मैनायकी तैतिरीय साचा।

५५ सुनम यनुर्वेद की शासाई— मार्थ्यतम शासा को शासा । विजेद—यनुर्वेद की शासाओं की पूरी

श्वम च्याच का शासाका का पूरा संस्था ८६ है। कपर केशक प्रधान शासाकों का उत्केस है। पेपर शास्त्रेस सी शासायें की प्राचायें श्वीपुरा रामार्थीय सीमार्थक ।

पामानीय विमिन्नायः।

१९२ सम्प्राम—प्रकीतः।

१९२ सम्प्राम—प्रकीतः।

१९२ सम्प्राम—प्रकारं—पिपः

सार सीननः।

१९४ समार साह्यस्य संब—प्रेसरेस

(मृत्येद) गैरोतिक या शांक्यायन (मृत्येद) तास्त्रय या पंचतिय (शाम वेद) यक्षिय (शामवेद) तीलयेव (शृष्म यमुर्वेद) शांत्रय (शृष्क यमु वेद) योज्य (सम्बद्धेद)।

१९५. ६ वेडीम-चन्त्र कर, ज्योतिय निस्त्र स्थाकरक शिक्ताः १९६. उपवेद-सर्वेद (अपवेदेश का) वापुरंद (अपवेद का) क्षेत्रवेद (साम्

१९६० - स्वतंत्र - स्वतंत्र (स्वयंत्रेशका) वापुरंत (बायंत्रका) वंश्वतंत्र (सायंत्रका) प्रमुदंत का) । १९७० प्रस्तावर्ता - स्वयंत्रका) । १९७० प्रस्तावर्ता - स्वयंत्रका । १९७० प्रस्तावर्ता - स्वयंत्रका ।

भवबद्गीता ।

श्रद्धध कच्यास्य अस्पूर्य कम्तनार जमुर्तीवर श्रवकृत सम्पन्त श्रास्पवीय जारमा श्रादण देश ऋष एकासर, एतस्य कठ, कठवड कडिसंतरण कासाणिक्य कृष्टिका इच्च केन कैंबस्य

५५८ प्रसिद्ध १८ स्पनिपर्—अस

सलगासिका अवर्वधिका जनवंधिर

क ५५८

कीपितका बृरिक भनपित पर्ने पास्ट यापाकतापनी नृहा छादोप्प जाकरवेन बाबाक बाबाकि तारहार, तापनी तुरीवाणित तेन्नोविक तिसरीय मिनुर्ग विपुरातापन विशिवता बिकामूर्गित स्तानय देवी व्यानिहन्न, मार्चबन्न, मारायक मिराकंब निर्माण पंकाहर

परब्रह्म परमहंस परिवासक परिवास

पासूपत पैपक प्रस्त प्राकामित होत्र सहा प्रस्तकावार्क प्रावना पिया प्रेटक परिक सहत प्रहानाध्या प्रदेश प्रावनाध्या प्रदेश प्रदेश प्रहानाध्या प्रावेश प्रदेश प

पुराने प्रतेशासर, विचाव सरस्की पहाल वरस्की पहाल वर्षेतार, वीवा मुसान तूर्य वीतामा स्कट, हुँग हवडीन हुस्य वार्तिकी। विचेतान पर्यान हुस्य वार्तिकी। विचेतान न्य १८ प्रतिवर्धी में १० च्याचेत के १९ मु यनुस्द के १२ हा यनुस्द के १२ हा यनुस्द के १२ हा यनुस्द के १२ हा स्वतंत्र के ११ [ यन्तार में १९ हम

संस्था नवीनतुम को जो के कनमार क्रयमंप

स ५१६ इ.	८ इ.स.५४६
परे प्रसान-बीग्र वान । प्रथ प्रसम्भागी की तीर्व-मावा- वेसारत हव। प्रश् प्रसम्भागी के प्रवान तीर्व- वासर हव। प्रश प्रसम्भागी के प्रवान तीर्व- वासर हरंगा- प्रश प्रसम्भानी के प्रवान तीर्व- वासर हरंगा- प्रश प्रसम्भानी के प्रवान तीर्व- वासर हरंगा- प्रश प्रसम्भानी के प्रवान तीर्व- प्रश वास- प्रश प्रसम्भान- वास वास्ति क्राय वासिक वस्तु  प्रस्तिताट स्ववाक प्रसान रहीम वसर हार्या- परे प्रक्रमार- परे प्रसम्भान- प्रसम्भान- प्रसम्भान- परे प्रक्रमार- परे प्रसम्भान- परिवान- पर्मी प्रसम्भान- वासिता, प्रसम्भान वासिक्ट, वास्त्रद्व- वासिता, प्रसम्भाव वासिक्ट, वास्त्रद्व- वासिता, प्रसम्भाव- वासिता, प्	निम बहिस्त विहिन्त । विस्तीय—वै 'वेविक ! ५३१ कास और वीवा के बीच का वरवा——वाराज ! ५३१ वीवा (वुससमामों का नरक)— बहुप्स नहीस गार, एकर ! विस्तीय—वे 'वसर्य ! देश मुस्तमासी मूळ—निन नट, वीवा । वे 'पूर्य ! ५३४ हिन्दुकों के मानिक वेच—पास्य वायम येच जान विमान विचा पारत ! ५३५ हिन्दुकों के मानिक वेच—पास्य वायम येच जान विमान विचा पारत ! ५३५ हिन्दुकों के मानिक वेच—पास्य वायम येच जान विमान विचा पारत ! ५३६ साम्यविद्—वेचनकीम पेविद वास्यव पास्तमीह —वेचनकीम पेविद वास्यव पास्तमीह —वेचनकीम पेविद वास्यव पास्तमीह —वेचनकीम पेविद वास्यव पास्तमीह —वेचनकीम पेविद वास्यव वास्यविद्या प्रवास के वर्ष विभिन्न वास्यविद्या वेचनम्यत वेचानुका । ५४६ वेचनक—व्योगिहर वेचनम्यत वेचानुका । ५४६ वेचनक—व्योगिहर वेचनम्यत वेचानुका । ५४६ वेचनक—व्योगिहर वेचनम्यत वेचानुका ।
५१% ४ वनायं (मुखी कल्यवाय के)— इर्गीक्ष, गाविक वक्ती हलकः। १९८ ४ काल करिले—विवीक मोका- इस (वेर) इलाक्षीक (बंकर) इक्ष्य- इस (वप)। १९८ केतान—व्यावीक इस्लीतः। १९ काल (मुगक्ताओं का स्वर्ग)—	६२२ सती या वैषयपी

क ५४७ 98 T 442 चेंदिता सामसंहिता अवर्षसहिता। ५५८ प्रसिद्ध १०८ अपनियम्—यस ५४७. ऋग्वेद की झालाएँ---वादवकायन अक्षमाक्षिका अवर्षसिका अधर्वसितः महिकायन बाय्क्रक श्रीकायन शाकसः। बद्धय अध्यात्म अन्नपूर्ण समृतनाद, ५४८ यबुर्वेद की साचाए<del>ँ का</del>टक समृतविष, अवसूत जस्मक्त सारमकोध कपिष्ठक कर मैकायणी तैतिरीय बाज आत्मा भावनि ईस ऋच एकासर. सनेयी । एतरेय कठ कठका कक्षिमंतरक ५४८ स. पनुबंद के २ प्रयान जेद---कामाणियत पुढिका कृष्ण केन कैयस्य इप्य यजुर्वेद शुक्त यजुर्वेद । कौषितका शुरिक गमपति गर्म गास्त ९४९ इत्य वनुर्वेद की बाखाएँ—कठ योपालकापनी चुड़ा छांदोच्य जासदर्धन कर-कापिप्रक मैकायकी तैचित्रीय साम्हा । वाबाक्ष वाबाक्षि दारसार, दापनी ५५ गुक्त पजुर्वेद की शास्त्राऐ---बुरीयातीत तेनोर्विय तैतिरीय निपुरा माम्मंदित साक्षा कोड साक्षा। त्रिपुरातापन विश्विचा विश्वमानृति विधेय---यबुर्वेद की बाखाओं की पूरी बत्तानेम देवी ध्यानविद्य, नावविद्य, धस्मा ८६ है। ऊपर केवल प्रधान शासाओं नारायच निराजंद निर्वाण पंचतका का बल्लेख है। परबद्धा परमहंस परिवासक परिवास ५५१ सम्बद्धे की सामाएँ—कीपुन पायुपत पैयक प्रस्त प्रामान्ति होत्र यवायनीय वैभिद्रीय । बह्य मस्मवादासं भावता मिश्र-१९२ सामयान-उदगीय। मंडक मंत्रिक महत महानारायस

हार, योजक ।

१९४८ सक्त ब्रह्मण शंब — येवरेय
(ब्रायेश कीरतिहि या शंबायान
(ब्रायेश) तायाप या पंचतिश्व (शाम
वेर) पहतिश्व (शामवय) ठीतरीय
(हरण पत्रृष्ट) शतयब (शुक्त यन्
वेर) पोप्त (ब्राययेश)

१९५८ ६ वेरीन — वरण श्रंद, क्योतिय
निश्न ध्यायरण शिक्ता।

१९६८ व्रायेश — स्पर्वेद (ब्राययेश वा)

१९६८ व्रायेश व्राययेश वा)

१९६८ व्रायेश वा) गोयवेश (शायवेर ना) गुनुरंद (श्रव्यवेश वा)

देर ना) गुनुरंद (श्रव्यवेश वा):

१५७. प्रस्थानप्रयी-अपनिषद् बहानून

मयबद्दीता ।

५५३ अवर्गवेद की साकाएँ---विष्य

महायाण्य पांकृषय मुंद मुस्तिका मृद्
गाव मेंगाण्यी यीवारी माहदास्य पीयपूंचली योपवाण्य पांचित्वा रह्म्य
प्रमाण्या योपवाण्य रह्माय
प्रमाण्या पांचित्वा रह्म्य
प्रमाण्या पांचित्वा पुंच्याय
मृद्धारण्यक परांच पांचित्य पांच्यायमी
पांचीर, वर्षतायम, पींचा पुंच्याय
पहांच वर्षयाः, पींचा पुंच्याक मूर्य
पींचाया रक्ष्य, हैंड हृद्यांच हुर्य
पांचित्री।
विश्लेष—रत १८ उपनिपदी में
भाग्य के १९ ग् यनुष्द के १९ म्
पांचित्र के १९ ग् यनुष्द के १९ म्
पांचित्र के १९ ग् यनुष्द के १९ म्

वेदांच वैद्येषिक सांस्य। ५६३ वेरांतसूत्र--वहासूत्र शावरायण

५७६ २ उपपुराच (सूत संविता-भूतार)—-उपनस्, कपितः काकिकाः, सून नेदांतसूत्र स्थाससूत्र । दुर्वाचा नर्राष्ट्रह, नांदी नारदीय पराष्ट्र

५६४ वेराती-वेराती बहावारी। बहुर्गंड कार्यंत्र महेश्वर, मानव मारीव ९६५ वेदांत के विभिन्न संप्रदाय और किय वदन विचिट्ठ, सिनवर्ग सनाकुमा द

माचार्य-मदैत (संकर) वर्षित्य शंव धीर। मेदानेद (बलदेव) अविवासाहैत ५७७ ज्ञान वर्मसूत्र-आपस्तंत वर्म (निज्ञानमिस्) हैत (मध्य) हैताहैच सूत्र गीतम नर्गसूत्र बीबायन वर्गेतुर (निवार्क) मेवाजेव (मास्कर) विधारु वर्ग-सव । विधिम्टाईट (रामागुव) बीरबैब-५७८ प्रमान स्पृतियाँ—अंगिरा कारमा-

(बस्थम) शैवविधिष्टावैत (शीवंठ) । पुक्तस्य प्रचेतस्य प्रभागति बहुस्परि मन्द्र ५६६. न्यायसूच--गीतमसूच। **गरीचि जम शक्रवस्त्य विद्वा**मित्र ५६७. नैवाकिक--मतपादः । गाकिकः व्यास शारीत । मैगानिक। ५७९- रामायच (वाक्सीकि) बादि ५६८ योग---पार्तकस सूत्र कोयदर्शन

काष्य बाव्यीकि श्रमायक श्रमायक। बोनशास्त्र मोगसूत्र। ५८ अहाशास्त-अवकाव्य पंजनवेरः ५६९. वैडेबिक सूत्र-कवारसूत्र। मारत ।

५७ सांक्य सूत्र-कपिक्र-सूत्र । ५८१ पीला--इध्यमीता, यमवर्गीया

भीमव्यगवद्गीताः ।

यन दक्ष भारत पराग्रर, पिटामार-

बिकिप्टाईंड (भीपवि) गुडाईंड

५७१ भीनांता सूत्र-वीमितिन्तुत्र ।

नीता प्रस्पाता कपिकनीता गणेश

कौता देवीमीता पांचकपीता प्रिणक
कौता संप्रमीता करकेगीता बाह्यग्र

गौता सम्पर्वाता मिक्नुगीता गरिक
पीता सम्पर्वाता मिक्नुगीता संदिक
पीता सम्पर्वाता प्रमाति दिवकपुरीता

कृत्यौता व्यावमीता सुर्वाता स्वावीता

एटिकपीता पूर्वगीता सुर्वेषीता हरवीता

एटिकपीता।

८६१ रामकपित मानक-पुक्ती प्रमान्यम् मानस्य सामान्य प्रमायन प्रमायन प्रमायन

५८२ पुष्ठ असिद्ध बीताएँ---अनुगीका

वरमूत मौता अध्यावकगीता विस्वर

प्रभावम अध्यान्य पामायन तुम्नयी प्रमावन बात्त प्रमायन बात्त्वमीक पामा-वम माखाज पामायन मृश्लेष्ठ प्रमायन महापामायन पामायन पामे स्थाम पामायन । वेनों के सामिक पंत्र १८५ स्थानसिंके आध्यान के स्थाप

सीर प्रायेक की संस्थाएँ— बंग (१२) वर्षांग (१२) प्रश्लीकंक (१) छेर पूत्र (१) मून (२) मूनमून (४)। ४८६ १२ संय— साबार, मूनकृत स्थान सम्बाद यात्रची जातामनेका व्यायक वर्षा सदद्वत वर्षा सनुत्तरीयगतिक रूपा प्रदान स्थानरण विचाक मून वृष्टि बार। १८० १५ ययोग— मीरायातिक राज प्रदान योजाविकम समायना जेनुग्रेय

प्रकृष्टि चंद्रप्रकृष्टि सूर्यं प्रकृष्टि निरमा

वती कलावज्ञत पूणिक पूणकृतिक

नुष्य दशा ।

रंदुस वैशाकिक।
विसेव जैनों के प्रशिक्ष पंप प्लेशनयों के
आगम ही हैं। विगवयों के पर्यों में मिन्न
वो ही अधिक प्रशिक्ष हैं।
५८६, दिनवरों के प्रशिक्ष पंप—यट
वंडापम कराय पाहुड।
५६ ६ वकारण पुस्त ।
वारिस का बीन पूराओं में वर्षन हैं।

२४ ठोवॅकर १२ चक्रवर्त ९ वस्रदेव

९ बामुदेव ९ प्रतिवासुदेव ।

५८८. २ प्रवास प्रकीर्भक—चतुःधरम

५९१ कोरों के कुछ प्रसिद्ध पुराण—

पानपीया पानपीया उत्तर पुराण महा
पुराण।

५९२ बोडों के वर्त पंच हे पिरकः—सिर्म
बास्स पिरक बिनय पिरक मुत्त पिरक।

५९३ बतियम्म पिरक के ७ विनय—

पंचित क्यांबल्ट्र समुक्ष्मा पुम्मक

वंचित क्यांबल्ट्र समक् एर्ट्रान।

५९४ विनय प्रिक के २ विनय—

सर्वेक्ष विश्व के ५ निकास—

सर्वेक्ष विश्व के ५ निकास—

निकाय सुर्क निकास वे १५ घेच—
प्रकृत कियान वे १५ घेच—
प्रकृतक सम्मयं उद्यान इतिहुत्तक
गुत्तियात विभागवरम्, देगवर्तु, धेर
गामा सेरीगामा पात्रक निर्देश परिवा
विकासम्म सम्बाग पुत्रवेश परिवा
विकासम्म सम्बाग पुत्रवेश परिवा
विकास क्षायिक —
गुग्नावर्त्ता देश व्य
विकास विकास —
गुग्नावर्त्ता देश विकास विकास विकास —
गुग्नावर्त्ता देश विकास विका

**4** 4 ¥φ E 496 विकार (देवपूजनादि के जनसर पर ५९८ को बाह्यवि<del>ले</del>—औरक टस्टार्मेट, तरह-तरह के रैंगे हुए भावस जो बारि न्य टेस्टार्मेट । बस्तुओं को तथा रंगनिरंगे एकों को ५९९, ओस्ड हेस्टामेंड--परानी किताब विविध प्रकार से सवाना) ७ पूप्पा-पुरानी पोपी । स्तरण ८ बदानवतनांगराग (बाँत वस्त्र ६ न्य देस्टामेंड—गई किताब गई तना सरीर के जबमबों को रेनना) % पोषी 1 श्लिम्सिका कर्म (भर के पर्स के कुछ मुसम्मानों के वर्ष ग्रंब नावों को मोठी समि आदि रहतों हे ६१ हरान-अकक्रान कलान-सुरा बढ़ना) १ समन रचना (पर्वत क्रपन मनीद, क्रशन वरीफ करकान कराना) ११ प्रदक्षमध्य (जस्त्ररंग) मसङ्ख सैक्तूसङ्ग । १२ इदकाबात (इसपी पर हावीं वा ६ २ हदीस — ककामे रसूछ। पिचकारी से बक की चोट भारता) ६ ६ कुछ प्रसिद्ध हरीसे--- वब बाऊर. १६ चित्राक्ययोगाः (अहीबृटिवों के बीम इस्त मार्ज विश्वमित्री सरीक समर्थ थे निवित्र चीनें तैसार करना मा ऐती घरीक बुकारी घरीक, मुस्तिम शरीक । भीपचि वैदार करना बचवा ऐसे मन्त्रों का ६ ४ मृत्रक्तमानों के ५ वर्षित्र संब---प्रयोग करता जिनते सन् निर्वेष्ठ हो वा शरान श्रेमील वीरेव या वीराव बाह **उद्यक्षी हानि हो) १४ मास्पर्यन**ा विक हदीस । विकल्प (माका पूपना) १५ ग्रेकर कारीह गोवन (स्विमों की चोटी पर पहनने के विविध संस्कारों के रूप में पूर्णी को गूंबना) १६ नेपच्य प्रयोग (घणैर १ दी कतार्रे---उपयोगी शका ससिव को बस्त्र जामूचल पूष्प जावि है क्टर । २ ५ कतित कवार्<del>गे स्</del>मापत्य मृति भुखतिबल करना) १७ कर्च वत्रनेप (शक्ष हानी शंत बादि के सनेक तरह के चित्र संगीत कास्य। क्ता—बार्ट, नृष हंग निहा हनर। कान के जामूपच बनाना) १८ यंबन्नि ४ कताकार---वाटिस्ट बकाविव कता (तुर्गतित पूर बनाना) १९. मूबचबी वर्ग पंडित क्लामनीची कलाखारबी। २ ऐंग्रासाल (बादू के घोष) २१ ५. ६४ कलाएँ---(काममूत्र के टीकाकार कीचुमार योग (बसवीर्व बहाने वाली वयमंदन के अनुसार) १ जीत २ बास जीववियो बनाना) २२ इस्ततावन १ मृत्य ४ मातेष्य ५ विशेषकच्छा (हानों की काम करने में कुर्ती नीर (मराप पर निसंक सनामें के सिए লচাই) হয় বিশিস আৰমুদসংঘ भागन पती मादि नाटकर आवार था विभाग-भिया (तरह-तरह के धार नहीं सौवे बनाना) ६ संब्रुकुनुस वस्ति-रस निकाई कारि बनाने की दिया)

२४ पानकरसरायासक योजन (विविध प्रकार के धर्मत आसम आवि बनाना)

**4** 4

२५ मूचीबान कर्म (सूई का काम जैसे धीना रफुकरना कसीबाकाइना मोजे

वंबी का बुनता) २६ सूनकीका (वागे या डोरियों से खेळना जीसे फठपुतकी का क्षेत्र) २७ वीमाद्यमक्क वाच २८. प्रदेशिका (पहेकियाँ कालना) २९- प्रति

नाना (स्कोक बादि कविता पढ़ने की मनोरंबक रीति बंत्याशरी) १ दुर्वेचक बीग (ऐसे स्टोक बादि पड़ना जिनका वर्ष और उज्वारण दोनों कठिन हो) ११ पुस्तक बाचन १२ माटकाक्यायिका

षर्वेत ३१ काव्य समस्या-पूरण ३४ पट्टिकानेक्वान विकस्प (पीका सासन दुर्धी पत्तम मोड़े आदि बीबें बेंत आदि बस्तुओं से बनाना) ३५ तसकर्म (क्क्ड़ी चातु बादि वस्तुओं को बमीप्ट विविध बाकार्स में काटगा) ३६ तकण

(बढ़र का काम) ३७ वास्तुविधा १८ कप्परस्त-परीक्षा (विक्के रस्त मारि की परीक्षा करना) ३९८ बातुनार (पीठम बादि बातुओं को मिकाना शुद्ध कला बादि) ४ वनिरामाकर-बान (मनि बादि का रेंगना तथा कान वादि

का झान) ४१ वृधापूर्वेदयोग ४२ मेर- प्रकटकावर पुर विवि (मड़े वृगें र्णेवर बादि को छहाना) ४३ गुक वारिका प्रकारन (ठीवे-मैने आदि की बीनी तिपाना) ४४ उत्पादन संवाहन-(केयनर्दन कोयल हाय-गरी से चरीर रावना वेचीं का बसना जनरा मैत दूर

करना भारि) ४५, बसार मुस्टिका अवन

वर्ष समझे इसरा नहीं) ४६ म्बेन्डिट विकल्प (ऐसे संकेत सं सिक्तमा जिसे उस संकेत को बानने बाला ही समझे) ४७ वेद्यमापा-विश्वान ४८. पूप्पदाकटिका

(अखरों को ऐसी युक्ति से कहना कि

**घस संकेत का जानने बाम्रा ही उनका** 

स ११

४९- निमित्त ज्ञान (यकुन जानमा) ५ यंत्रमातृता (विविध प्रकार से मधीन क्क पूर्वे बादि बनाना) ५१ बारणा मार्चका (सुनी हुई बार्वी का स्मरण रखना) ५२ संपाठच ५३ मानसी काव्य क्या (किसी क्लोक में छोड़ हुए पद की यन से पूरा करना) ५४ अभिवान कोप ५५ अंदोजान ५६ फियाकरूप (काच्या कंकारों का कान) ५७ शक्तियक बोय (क्य और बोसी फिराता) ५८ वस्त्र

मोपन (चरीर के अंधों को डोटे या वह

बस्तों छ अवायोध्य डॅक्ना) ५९, धूट विधेप ६ अन्तप औड़ा (पार्धी का बेट) ६१ वासरीडनक ६२ बैनविकी विद्या (जपने और पदाये 🛭 विनयपूर्वक विष्टाचार करना) ६३ वैजविकी विद्या (विजय प्राप्त करने की विद्या अवस्ति चरत्र विचा) ६४ व्यामाम विचा। ६. स्थापत्य कता—गृह निर्माण कता अवन निर्माण कता जानसार सेमाचे राजनीरी नाम्युक्ता। राजनीर—मृहचार, पंचई, मिस्त्री मैजनार, मेमारे, राज नाम्नुवार। ८ जनन-दे 'यर' वरान' 'नृह्'। वृतिकता—पृतिकारी । १० वृतिकार-प्यतिकारार ।

ार मृति—दे 'मृति'।

w BY **41 12** w १२ विजयता-उरेह. विश्वकारी २७. रोपना---वनुरंपित करना रॅबना, रेंग में बूबोना रेंबना रेंबित करना विनन चित्र विद्या चित्रशारी कार्या यक्षकियौ । रंजना राजनाः राजना । २८ सम्बेर-अर्थन सनदात क्ष्यम १३ चिम---धनकृति वर्णनेश्व जाङ्गीत अविवर, बजावल उज्बल ऊनर, क्ष्मण मानेका मधिकृति कोटो कोट, गर्रत कपिक कपिका कपूरी काकृरी कीरा मर्ति । गौर, विद्वा चितिया दुविना वस्ती १४ चित्रकार-कर्मधर धकरा कररी बक्स काला मेर बीए विदारी विदेश विदेश विका बीका पंडु फरा पांडुए, कर बक्त कुमी विषक भूतम्बर, मूलकिन, मुसीबर, एंड-रवत विश्वर, धिठ सुनत गुग्र स्वेत कीयक रंगाजीका स्पेक स्पेत सकेंद्र साथा दित सुकेष १५. विन अनामा-अवरेखना वरेखना क्रेटिना सीमना चिन स्रोबशा विकास समय, स्पेत । करना चित्रता चित्रित करमा बनाना। १९. <del>सचेती---उप</del>्रापन भुज्यसम्या कपिलया वर्षतया **वर्षया**र्थ रेड, फोडी **सीवना-**-फोटो स्तारमा रनवार्ड, धुन्नवा कुल्लवा बीर्जन फोटो केना । १७. चिमित-अंदित वरेहा। स्वेचवा स्वेचाई सक्रेरी सिववा मुक्ती १८ वित्र संप्रह---एत्यम वित्र-संब्धा शकेशी । · got, विनाबार । काका--करिया कनदा, nts. १८ क्षी-अविका इतिका विक्र**ते**वा चनस्याम चामुनी सबकाय इंपिकी दक्षि दक्षिका दली बुक्स बच इदार्व पक्के रंग का मुस्की चिठि १ रॅक-उपराय गत रंगत बरन वर्ग। स्थानक श्रीवर, श्रीवका विवाह, स्थाव २१ रॅपरेब---रेनचात्र रंगातीय रंजक स्थानक स्थानकिया स्थाई। मोक्रपर । काका ३१ वहरा काला-नावनुती १२ रंतीन-अनुरंतित रंतरार, रंड मुर्बना । विरमा रेनीमा धीनन रावा सार्य। ३२ कामापन-अन्तराद्ये कराहे और २३ रॅंगमा---रंगीन करना एन कहाना। वाई, कर्तीक कालायन कांक्रिल प¥ रेवने का वारियानक—रेगवाई. कालिका मेजकता मेजकताहै, स्वातना, रैवर्धा रमामसता स्मामसताई, २५ रेंडने की विधा---रंतन रेंपवा सोबसताई, सोबसापत विवाही स्मामी रैमवार्ट, रेबार्ट रेमावट रेजन । इव सप्रोदी और काला-नवस्थ वड पृष् रॅवशना—अनुरवित कराना रेत मत वंग-कामी विवासित I **वाना स्**रित्त कृत्वा देवाना स्तीन कृत काल-अवनाधी अदम अकीत व राजा । बारका इंगुरी सूनी भूमनाद, नुनाकी

414 84 # 45 भावी मोतिया रक्त रजत रतनारा ४४ अरायन-कपिसता कपिशता भराई. यानाहिका रवनार, रागी रावा कन्छी मटमैकापन । क्रमा क्लॉड्रा काबी कोहित जोन ४५ बैंगरी-अरगवानी क्या कासनी विन्दिया तिन्द्रये बहा सही सोनित। चामनी साळसी मंटर्ड, नीककोडित १५ पहरा लाख रंग-बदन अस्त फाससर्थ, बैयनी बैजनी । युक्तार, युक्रनार, तुक खाक पाहान ४६ नीका-नासमानी क्यूर, क्यूरी सर्वे । कासनी इच्य गील शीमा फ्रीरोपी रेड- लगाई--जबमता सरमताई शह-भारपंची श्रीका सूरमई। माई, मर्चनमा अतिरिक्त कपिकता ४७. नीसापन---नीकिमा । नामीकरता सकाई, छालिमा छाती ४८ वितकवरा---कड कर्वट, क्योंट, धीव पूरंतता सुवीं स्वतता स्तनास्ता करमायक चित्रकारा चित्रकारा चित्रकारा कतामी कास्पन रवि। ४९. बोर्रवा--पूरंग दूरेगा । रे**थ. पीता--व**मरसी जनवात कपित ५ सफेर और काल निधित---वदनका। करिक कपासी केसरिया चंपई, मंचकी ५१ गुलाबी-अवन अका कुसुम्भी भौद, खरद, बर्ब काछरानी नारंती ध्याओं मीतिया । नारंगी पंडब पंडु, पांड्र, पंग पंगक ५२ थीला भीर शुक्तकी-भोतिया । रिकट, निकट, निसंग पीत पीतक पीला ५३ चार रंग का-नौरंगा। पीरा चरवती सुपीत बसंती सुनहरा ५४ किञ्चमित्र के रेवका--कियमियी । पुनन इटि, हरियाम हारित । ५५. कुछ जन्य प्रसिद्ध रंग-अंपरी रें देख हतका पीता रंग-कपासी ब्रहारी क्यूचे काडी सरसरी प्यान्, नपूरी वंबरी चरवती संबक्षी। क्याका शरवती सिकेटी मनह्या। १९- पी<del>ताएन- क</del>पिसदा खरणी वर्षी ५६ संबोल कला--- मंध्ये विद्या नान बांदुन, विक्छाई, विक्छाई, विक्छा विकारी विका गायकी यावन संयोज धारत है रीतका पीकापन । ५७ संधीतम—स्वक यंपर्व पीकारम किये साल र्यन—मारंगी शासक भावकाचार्य गायन गायनाचार्य । नीरंगी बादामी ! ६८ वालेबाली दिवयी-सबनहर, मबनहरी ४१ हरा-अपूर्व कवि काही लोवर्ड गानकी गाविका शाविती । नानी सनुत्र तस्त्र हरिकर, हरित ५९, याला-अकापना बकाप घरना ररिवर । असार केना यायन करना याँत याना ४२. इरासन--क्षमी इरियाई, इरियासी वान दोरना मधुर प्यति करना। हरिनये हरोतिमा हरेरी । धौत—थाना गान नीति संगीत । वृत्त-वितः वृत्तिः साकी वाकः ६१ पाने की फिया---यवदनी पननई, नैटी बादानी मटमैसा दृश्ति। मबार्ड, गाना ।

**\*** \* # 1.P ٧ŧ ७७. वर्ज प्राम की मुक्केंगरें स्मि ६२ धाने बोध्य-गेव । बतता अस्वकाता सत्तरमंता उत्तरप्रवा ६३ वाले की पञत्री---गनाई ! मत्तरीकता रजनी सद्धपदना। ६४ स्वर---आवास तान व्यक्ति बोस्र ७८. संवीत धासम में ४ वच-—(स्वरो-सम्बद्धाः क्वारम) अवरोती आरोही संपारी ६५ स्वर के व भेव---उच्चस्वर, मंत्रस्वर, सम्बद्धर । स्वार्ध । **७९. शतों के प्रवा**त २ मेर--पुस्तरान प्रकारकर—क्षेत्रा स्वर्ध तार स्वर्ध तीव स्वर, तेत्र स्वर । स्त्रीराग । su. मंत्र स्वर--गंगीर स्वर, वीर स्वर, ८ पुस्तराच-राग । महस्वर, महस्वर। ८१ स्मीराच--- रायिनी । ८२ प्रक्रिक तील रामिनियाँ भीतन ६८, सब्द स्वर--कळ कावली संवस्वर मधर स्वयः मीठा स्वयः शुक्तस्वर । पानव समर्थे । ६९ राव की दृष्टि के स्वरों के ४ ८३ प्रसिद्ध ६ राग-सीपक मैरव मार्क-प्रकार----वनवादी भारी विवादी,सवाबी। कोच मेव भी हिंदोन। ७ संगीत के सनसार स्वर के ७ ८४ तास-करतस स्वति हेका तार भेर-महपम नाबाट बैनत निपाद errer i पचम सच्चम पहला। ८५ तास के भूक्य ५ मेर-- अस्टठान विक्रेच--दन्हीं को सकोप में 'सारेजमपवनी' इंडलाक चतुर्देश वाल बहावाक स्त, कहते हैं। ताक । **७१ स्वरका बारीह—आ**रोह, आरोहन ८६. 'सम्बताल' के ८ मेच---आड़ गंजन मारोहन प्रचेहन। भंग्रचेश्वर, ब्योवि बीम पंत्रवास स्पंत्र, ७२ स्वर का सबरोड---मधीनमन सन-समताक । द्यरम जनरोह, जनशेहन जनरोहन । ८७. वंबताल के ६ मेर-वंबमान मुदर्गवर्व देवचाली देवसार, पंचाधी ₩ी प्राम (स्वर के लमुह)—नांधार माम सम्यम भाग पक्षण शाग । सवत्रकोच्या । ८८. 'चतुर्वद्य' ताम के १४ भेर---मर्ट ७४ संगीत में सालों स्वर्धे का आधीत प्योतिका सर्वमात्र काककता शमाप्ट, भीर सबरोह---म्रक्ता मुख्येना। णहमात्रा चिल्ह्याल सांदशी देवमाण ७५ नीयार याग की शृष्क्रीशाएँ---मरामर, मापा वर्धतकाक **वीरधन्य** बसापा चित्र चित्रावती संदा विद्याला मुक्ता सुमुक्ती। स्वर्गसार, इर्पवारिका । ८९. 'बहाताल' के ४ मेंच-महा निराम-७६ मध्यम प्राम की मुर्श्वानाई-क्सो-पमता पौरवी माणीं शक्रमच्या सीवीरी बक्षा पटकका सप्तमात्रा। हरियास्या हप्यका । ९ 'दशताल' के ११ घेद—नंदर्ग

₩ १२१ 12 Ye वर्रेतन्व घटका बौधपादिक वसकोपी १ ६ वेका—भावकिम वायसिनः। बरन भूनवरन संहक विषय समूह १ ७. सरंगी—चिकरा सारंगी । बीरदशक बीरविक्रम । १ ८. भीव-परिवाधिती बीमा बीना ९१ वाजा—आठोध वाजन बाबा क्रिपंजी बीचा कीना । वादिन वाद्य। १ ६- श्रांत---योडी सरकरी शाला ९१ क बजानेवाला—-कजबैया कजैया ११० सिवा--तुरही भूनुका मृहचंग मरचंग विपाल श्रंगी सिमा सिहा। ववानेवाका । १११ सहनाई—नफीरी ९२ वजना—नवनिद्ध होना शंकार होना संहत होना धनकता सनधन करना रोधन-बीकी सहनाई । म्बनित होना नादना अवसा एनना ११२ बंधी--- जलगोका पिपिहरी बंधी स्वरित होना। बांसरी बांसरिया बासकी मुरक्रिका ९३ वज्राना—नदमित करना अंकारना मुरछी वेण्। भ्वतित करमा नारमा पूँकना वजाना ११३ <u>र्युप्त</u>ि—जानक वंका दक्का स्वरित करता । वमामा इंदम भीता नगडा भीवत ९४ वालीं के ४ प्रकार—शासद या पटह, पटहा भेरि, भेरी। मनसद्भाग तत सुपिर। ११४ थेटा-चंट पविमात । ९५ जानक के बाजे-बॉनडी उपछा ११५, हारमीनियम-हरमृतिया । **४%, डोक्क दवका प्रशासन मुद्रंग** । ११६. धानोफोन-फेनपिकास फोनो-९६ वर्ग केबाबे-करताल गंटा मड़ी विकास कोनोपाक। धीस बातुतरंग मजीय । ११७. माच-दांबब नटन मर्तन नाइय ९७ तत के बाबे—इस्टाब टब्स नुत्म कास्य। मेका बीमा धरीव, सांस्की शिवार। ११८ नावना--पुगना थम्यक बम्पा करना बन्धा बन्धा करना विरकता ९८ 'स्विर' के बाबे---बक्कोबा तूरही मीनुरी शंख शहनाई हामानियम । वर्तना शाच करना निर्देना नृचना ९९ डोलक—हरूरा डोस डोसक शृत्य करना। ११९- २ प्रकार के प्रवास मृत्य-दांडम क्षेत्रकी पटह, प्रमधः। (सिष) कास्य (पार्वेती) । र उक्का—चंग अफ अपका । १ १ तवला—ठेका कृत्वी धूक्का । १२ कास्य के १ घेच-मासीनपाइय १ २ वकावज-पनाजन मुख्य गृहेंग । उपतमस्यका उत्तमीत्तमक ग्रेयपद, जिगह **१ १** सा<del>व नु</del>प्ताद बंका गीला नाव । द्विगृष्ट पूप्य-मंद्रिका प्रकारक संघर १४ असक—डिडिम। स्मियिपाठ्य । १ ५ मणीरा—नोड़ी दुनकी मंत्रीर, १२१ मृत्य के ए सन्य सेंड—बनाटप नाद्य । वंदीसः ।

१२२ भाषने वाला—नाट गर्गक गय  १२३ भाषने वाला—नाट गर्गक गय  १२३ भाषने वाला—नाट गर्गक गर्नक गर्गक गर्वक गर्गक गर्गक गर्गक गर्नक गर्नक गर्नक गर्नक गर्नक गर्नक गर्गक गर्नक
पारा इ.स.च.च. इत्र प्रकार कुछ द्वस्त हुन ।

विवाधर.

१४७. वेप---भेड़ मेप मेस इस वेश बैस बुरत मुर्रात स्वक्य स्वीय। १४८ बेव बरना---बनना नेख बनाना रूप बारल करना सबना स्वक्ष्य बारण करना स्वांग बनाला ।

र्रपानदारक रंगावतरी रंगोधशीची

रंगचर, रंगबीवक स्व

सूत्रवर, सूबबार ।

W (YE

१४९- नाटक का प्रचान पात्र---नापक फ्लबोस्ता । १९ नाटक में कार्य करने वासे पूरप

बान--ऐक्टर, वान । रे५१ स्वमाय के काकार वर नायक मेर--- बीरोसल धीरोजत भीरककित भीरकार्क । १५२ मायक के अन्य बाद भेर---मन्

कुछ दक्षिण भूट, घठ। रे५३ भारक की प्रकान वाली--शाविका। रे५४ मारक में कार्य करने वाले रमी पात्री--अधिनश्री ऐक्टस हारिका ।

१५५ नाधिकामीड जाति 🤏 अपू-

सरर)---विजिनी यशिमी शंकिमी इंग्लिमी । १५६. कर्म के अनुसार शायिका भैद---गरकीया शासाच्या स्ववीया । १५७. अवस्था के अनुसार गामिका

मेर-मृत्या भन्या ग्रीहा । १५८ बाव बापारी के माविका भेद--मनिमारिका उत्तरिया क्तहोतरिता सहिता प्रीवितपतिका

भेद- कुरुवर्गिता मानगरिता मौबन गर्निता स्पर्वावता श्रीकगर्निता । १६ भरत गरि के सनतार नामि-काओं के ४ भेद---कुक स्त्री गणिका विष्या मुपन्तिमी।

W 244

१६१ नाविकाओं के कुछ बन्द प्रसिद्ध पविका भवीता बनुसवना जास्त्रवीदना क्का कनिप्ठा कुकटा अमेप्टा जात-यौधना भीरा भीराधीरा नवदीवना नवस्त्रमंगा नवस्त्रवयु, नबोड़ा परोड़ा अगल्मध्यका अवस्पतपतिका प्रयस्था रितकोविदा क्यमीवना वयस्तिवि विश्वम्य नवीदा सक्तप्रवर्गत सविश्वमाः। १६३ गाविका के संगद ससंकार---

भाव हाव हैका। १६३ शायका के अपलब असंकार---बीरार्थं कांन्ति शीचि वैर्थं प्रवस्तता मापूर्व सीमा। १६४ नाविभाजी के स्वनावज अलं कार--किश्रविशित कुट्टमित कुनुहस केकि अभिन्न राग विकास भौट्टायित मुख्यता सस्तित सीमा विसेप विच्छिति विचम विसात विद्वत इतिन। १६५- ४ प्रकार की वृक्तियाँ--- अरमटी कौरिकी भारती सात्वकी। १६६ प्रधायह-नाड्यकत्र माट्यमंडप

नाट्यमाना नाट्यस्थल रंपगृह रंपमृथि रंगमंदर रंगमाना रंगम्यल । १९६ अ. र्यमंत्र-हामन नाट्यस्यम र्वेच ।

٠

इंखिव ।

धाव ।

दानवीर, युद्धवीर।

१६९. कविता करना-कविता किवाना कान्य करना काफियात मिकाना तुक श्रोदना तुरुवंदी करना वंदिश करना

१७ रचित--वनामा हुमा मुसकछ, १७१ कवि-कवि काम्यकार, तुक्कक

रचमिता धासरः १७२ कम्पिमी--यानरा विश्वका स्त्री कवि ।

१७३ काम्यरसिक चरत सङ्ख्य काव्य प्रेमी काव्य-मर्गज्ञ। १७४ कास्य मूक्-जरविक शुव्ह सूचा। १७५ रस के २ सेव-सर्व सुक्तकः। १७६. प्रबंध काच्य के ३ जेद---एकार्व कास्य खड-कास्य महाकास्य ।

१६७. सम्बद्धाच्य के वे भेद---पश्च गव

# 140

मिस्य वाचपुः।

विसोम-गद्य ।

खावरी करना ।

लिखित विरिचित।

१७७. मुक्तक काव्य के २ वेद---पादय प्रपीत वारीत। पन सैकी पक्त साक्ष्यायन । मान (इस्प) निचार (वृद्धि)

१७८ काच्य के पक्ष-काच्या पक्र या जाव रेक्ट क. काम्य के ४ तत्त्व---क्रमशा कवा १७९ काव्य के ९ रख-जन्तुत करन धयानक, री.ट., बीचरख बीर, श्रांत श्रीगर, हास्य ।

१८ र्भुमार रत के २ जेव--वियोग या

१८१ हमय रत के ६ ग्रेंड—बहुसित

विप्रकृत संयोग ।

खबता चन्याब **औ**रसुक्य वर्ष ग्यानिः चपकता चिंता बहुता तके बास दैना **कृति निद्रा निर्नेट, बीडा निर्दे मर** भएन मोद्र विशोच विपाद व्यापि चंका मम स्मति स्वप्त इवं। १८६. ९ स्थायी भाग---उत्साह क्येप बगप्ता धव रित विस्मय सम कोक ह्मच ।

१८२ और रस के व चेक्-वनानीय

१८३ ए किमाच-भार्धवन उदीपन । १८४ १ माच-संपारी माव स्थानी

१८५, ६३ संचारी चाय-अपस्मार, वर्मर

अवहिल्ला अक्षप्रता बसुमा मानेन

१८७. **१ अनुवास** कायिक, मानसिक सारिका । १८८ क्लंबार-कान्य मूपन सीयमं । १८९. ३ प्रकार के बसंबार--जर्मा जंकार, चन्नवासंकार, युम्बासंकार । १९ काव्य में प्रयुक्त प्रमुख <del>मर्</del>ट-कार--अनुमास असंगति असंबन वर्षे बुग जल्पुक्ति अविक अनुज्ञा जन्मोक्ति अन्योग्य अनदिरम्यास वर्षापति वस्प अवजा जन्मीकित चपमा, जल्लेक एका-थकी कारणशासा पुत्रवत् पृक्षेतिय त्रमुच बृध्टांत निक्यंना निवेच निक्यम

परिकट, परिशंक्या भ्रांति पिहिए

प्रस्पतीक प्रमुक्ति प्रहर्षन माकारीपक

मौकित मुद्रा यसक पुक्ति क्यक विवि

48

निधेन केस विश्वोधित स्थानोधित स्वेप पंभावना सम् समाधि समासोधित समुख्यन सामान्य साद, स्मरण । १९१ साध्य के वृष्य-मोग प्रसाद मासूर्य।

१९२ काम्य के १ गुक-जर्गस्थारित प्रशासा बोज कास्ति शाबुर्ग प्रशास, स्केप धमता समावि सकुमारता। १९३ ३ वृत्तियाँ—(काम्य की) उप

१९६ ३ वृत्तियाँ—(काव्य की) उप नागरिका कोमला पदना । १९४ १ रोतियाँ—गोहो पावाको वैदर्भी। १९४ व सम्ब की ३ स्राक्तियाँ—जविमा

१९५ सम्ब की हे सक्तियां—जिवसा करणा व्यंतना । १९६- वीय के प्रमुख क्षेत्र—जर्म-बीय एस-बीय सम्ब-बीय ।

रेड-कोप साह-कोप । १९७ कुछ प्रसिद्ध कोच-अधिकपड, अप्रकृत अरलील असमर्थ रूप्टार्थ सिक्टर अरलीलार, नेवार्थ स्पृतपव स्पृतिकट, सहित्य।

१९८ प्रेर-कविता काध्यवंत्र निपक्त वर, बहुद, विद । १९९ पुर-अस्तानुबाध काविया वेल वर । १९९ प्रदेशास्त्र के तथ-वर्षण तत्रण नदम भूपम् अग्रस्त स्रोण राग्य

नगर।
११ इंदों के १ प्रमुख भैर-सामिक
या पानि समित या मृतः।
२ व्याप्तान क्षेत्र समितः

पनि बार्स्स बास्त इंडबचा वर्षेडबचा

क्षमाता विश्त विशेष दुविध्या

4

यबक शींति गीतिका मनासरी चौपाई, कृपम तार्टक तोरक विसमी बदक दुमिल बोहा हुत्विसंबित मराच पब्सिटका पडेरि, पाशकुतक, मेदाकांता मासती मास्ति मन्त्रप्रंय क्य बनावारी

रेकता रोका कमिन कावनी वसंद-रिक्रमा विवादमाला वंधास्त्रित्रम्, धार्नुकविक्षीद्वेश रिकारिया पुरुक् पुत्रुकी कामरा इरिपीयिका । २ ४ वधा के वेस—बारमक्या बाधी-मना कर्म्याय कहानी मधकाव्य बीवनी नाटक निर्मेश पत्र रिपीयिक रिकारिका वंधारण ।

१ ५ चैकी—नाक शंग इव वर्धेका वर्षे चौर वर्षेत्र वर्षेत्र प्रविद्यामाली विवि चैठि विवि ।

२०६, यदा की प्रीक्षमी—पूराम चैकी मारावारक चैकी सामनाराक चैकी क्षांत्र चौरी वर्षात्र चैकी क्षांत्र चौरी वर्षात्र चैकी क्षांत्र चौरी वर्षात्र चैकी श्वांत्र चैकी ।

१ क. केल—नार्ध्विक वरवर्धमा चौरिष्ठ निर्वंत्र चेपर, प्रवेच 
८ = वर्ष्णी—वर्ष्णीना सास्तान

कास्याधिका कथा कहनी नेहानी गरूप याचा बारती वारतान क्याना क्याना बात वार्ती । १ ८ कः उपम्यास-कार्यक्षी नाविक नावेक। १ ९ कार्यका-कार्यका गृबदोध वयन परिषद, प्रधातोकना, विवर्ष

विवेचन, विवेचना, समायोचना समीक्षम

वर्गाता ।

बैकारिक सैजारिक । २११ समस्<del>तीयच-</del>माकोचक विवेचक शमीबका २१२ भवनीत- स्वकाव्य । २१३ जावा-चरान बोकी भाषा । २१४ मावा<del>विकान - तुवनार</del>मक माना विकास राजनारमण मानाराज्य फिका-कोबी प्राचाकीचन भाषा-धास्त्र किसा-नयस्त । २१४ क. भाषाविज्ञान की प्रमुख सत्वार्ट्-শ্ৰৰীৰভাৰ ম্বানীৰভাৰ গ্ৰাইভাৰ किपिविज्ञान भारतिज्ञान स्वरंपित

नात्मक तकनात्मक निर्वयास्मक मनी-

w 91

चारन धम्यविकान चैकीविज्ञान स<u>ु</u>र विकास । २१५ भाषानैज्ञानिक-फिछासोपिस्ट, भाषा-विकान-विकास आया-तत्त्व-विक श्रापा-विद्यानवेका किंग्बिस्ट । ११६- व्याकरच-क्रमायद, प्रागर, भागा-नियम धन्दान्सासन । २१७. व्याकरववेत्ता-अनाववर्षः वैदाः-करन । २१८. भारत की प्राचीन जावारों--संस्था पाणि प्राक्त वपश्चंत्र ।

२१९- <del>घेरहरत---देव</del> भागा देव नागी क्षीकिक संस्कृत विशिक्त सरकार । २२ पति--पत्ती बीजनाया । २२१ नाया की प्रमुख बाव्यमिश्र वादाएँ----नासामी पहिया सर्व क्षप्तड़ करमीरी पुनराती समिल हैल्प, बंजाबी बँगका मरात्री मक्रमाक्षम सर्ववा वांस्कृत

२२३ कोकी---उपनामा ! २२४ मिली के कुछ क्य-अनवी वर्ष क्जीजी सहीबोली क्लीसगड़ी जरपुरी पहाड़ी बनेली गॉमक मा बाद **मुरे**की वैसवाड़ी बज मोजपूरी नवही मार बाडी माजनी मेवाती सैविजी हिन्दुस्तानी । २२५ किपि-जसर, शबर, वर्ष हरू

**E 910** 

इस्त हुई। २२६. वर्षके दी भेद-मांबन स्नर। २२७. स्वर-संत्रा साता। १२८ अं<del>क अद</del>र निनदी हिंदसा। २२९ जागरी किपि-चेबनावरी किपि नागराकर, हिन्दी किपि : २३ भारत की कुछ प्राचीन विविधी--कृष्टिक सरोच्छी युप्तकिपि बाह्गी। २३१ सच्च-क्यव । १३२ वास्य-धुम्मा

१३३ जुहाबरा सम्भास बाजपार माना प्रचीन मुह्बिच रोजमर्छ। २३४ **वहाद<del>त व</del>हा**ना कवती कहत कड्ताउट बद्धाक्ट क्र युव कहाववि कहीजल बामत नेवा मक्का गसक गसका मिसाक क्रोकोन्छ। २३५ विका-सस्म पून जान नतीहर फन विचा विका सरस्वती हुनर। २३६. व्यविद्या-विवकार, सर्वेता वद्यान व्यक्तानता सावा मुद्दा मीड्। २३७. १८ तरह की क्विस्ट्रे-जर्बर

वेश जर्मशास्त्र आपूर्वेद, मृत्वेद कर्प, पांचर्ववेद, संब, ज्योतिय दनुर्वेद, दमे च २३८ ५३ च २५६ पारम निस्तत न्याय पुराम मीमांसा देना दीक्षा देना पड़ाना स्टामा स्वर्गेद स्थान्तम्य पिता धारवेद । किकान-प्यामा विद्यादान देना सिर्धा

वनुर्वेद, स्थाकरण शिक्षा शामवेद । २३८ फिला---तालीम बीधा पढ़ाई शिक्षा शिक्षा शील ।

२३९, ब्रिसित—काकिम सासीमयापुरा पद्म पद्म-सिक्सा विद् विदुध विद्वान मुपठित मुखिक्षित ।

मुगंदर मुखिक्षितः। २४ निर्मासतः अन्यतः काका सक्तरः यैस स्पानः, सेनाः, सेपहाः सुरक्षः क्रिक्षः क्षेत्रा पद्गः सरस्कतीयम् ।

मास्टर, मूंची मूर्वारस मोलवी मीलवी मौतवी चौदर, केनवरर, व्याक्याता विद्यानुव, सिक्तकः। १४२ चित्रय-अतिवासी सम्पेता वेका स्वा चौतित पाटक मूचैव वागिवं

काव बीसित पाठक मृतीय गागियँ विधार्मी विधार्मी धैस । १४व क्रिय्यता—मृतीयी गागियी । १४४ क्रावयुक्ति—मशोष्य स्कान्यतिप । १४५ क्रावयुक्ति—सशोष्य स्कान्यतिप ।

१९४ कावनुस् —वजीव्य काकरिया ।

१९५ कावास्य —सामायास वीविय

वैविद्यान्तव होस्टक ।

१९६ पट्टा —वस्माय करणा वन्द्र

गीतन करणा सम्माय करणा वन्द्रा

गीतन करणा सम्माय करणा वन्द्रा

गरम वन्द्रा होना वीवा पाना

गरम वन्द्रा होना वीवा पाना

गरम करणा पट्टा वन्द्रा प्राप्त प्रमा

वीवा रहा रिका पाना गितिल

हैमा, सम्मा करणा करणा क्रमा

१९० प्राप्ता—सम्मायण करणा सम्मा

पर करना अध्यान कराना नानीय

ाककान-पुरान विधावन वना प्रिया वेना पित्रसानीका करना चिक्तित करना समझाना विखाना। १४८ मनन—अनुपीसन गीर, वितन ममन विचार, ग्रीचना। १४९ सनन करना—उत्तर के शब्दों में अंतिय को कोड़ कर करना बोहकर नगामा का चल्ता है।

१५१ परीकक कार्यक वांक 
परविचा परवर्षमा पारसी मृतदित ।

१५३ परीकाकर्ग-मृत्यहन ।
१५४ परीकाकरग-बाडमाइय करना
इन्यहान करना इन्यहान सेना
वेचना क्रीटा पर रवना बांक रवना
देवना क्रीटा पर रवना वर्गन देवना
देवना क्रीटा पर रवना परीका देवना
देवना क्रीटा पर रवना परीका देवना
देवना क्रीटा पर रवना परीका देवना
देवना क्रीटा परवाना परीका देवना
विचान करना परीका परीका परीका देवना
वाना दिवनाना दिवाना चरनाना
परावाना परीका करवाना चरनाना
परावाना परीका करवाना ।
१६६- कप्यवन-चनुगीनन सम्पत्न

W Rut 44 ₩ 3.0 १७९- वस्ता---तकधैरदौ, मावशक्ती करना सिपि बज करना सेश्रनीबज मापमदाता स्थास्थानवाता । करमा । **१८० मंच--वायस प्रक्षपिट ।** २९५ पाइतिप-पोषी मैनूरिकप्ट, २८१ विकास-सार्थसः। मुसीविदा । २८२ मधीन-स्मीन बापरेटस यंत्र। २९६ पुस्तक-- विताब धंग पुस्तक १८१ मधीन का या ग्रधीन शंबंधी---पुरितका भोषा पोषी । यात्रिकः । २९७. विषय-शीज भजमून विखय । २८४ माविकार-साविकाल ईवाद। २९८. भूमिका—आमुख **धपोक्षा**त १८५ माविकारक-माविकाली प्रव-क्यान्त तमहीच, दीवाचा दो धन्द संब । प्रस्तावना प्रस्ताविका प्राप्तकथन मुक-**२८६ प्रेस—छापासाना भूत्वास्य ।** हमा मुलबंब संमापा। २८७. मैनेकर--इंत्यामकार प्रवेषक २९९. **पाड--अं**क अक्यांय प्रवेषकर्षा प्रवेषकार, मुंतन्त्रिय विवादक उच्धवास सदयात कांड किरण तर्रम विवामी व्यवस्थापक व्यवस्थापनकर्ता । पटक परिच्छेद पाद प्रकरण प्रकास १८८ प्रापना-अंकित करना उपा प्रपाठक पिटक बाब मंत्रचे सहये वर्ष करना रंडच करना टॉक्ट करना टाइप धाका धमय समस्तात समें स्कंच 1 करना मुद्रित करना किसना लीमो डीका-वर्ष इ.मी टिप्पणी करता । टिप्पन रक्तरील भाष्य विवरण विवे १८६ समाचारपत्र-अक्षवार. বস श्रम व्याच्या १ रेपर। ३०१ अनवाद-अनुवाद, परमा शरममा ९९ वरिका-मैनविन रेमाला । भाषांवर । ९९१ निकटने के समय के अनुतार वज ३ २ कारी---पृत्तिका सम्पातकारी। पत्रिकाओं में भेर--बर्दसप्ताहिक ३ ३ बायरी-दैनविनी दैनिकी । मयमासिक दैतिक, हैवासिक, पाधिक ३०४ १०७ — यक्षा पट्ट, पेत्र करक वर्ड मामित बार्विक पट्यासिक साप्ताहिक। चक्रहा गफ्रा। रेरेरे केशास्त्र-असीटरः ofter, ३ ५ कामक-सागद पटक पत्र पत्रा पत्रकार t भोजपत्र । रे९३ सम्मान बच-प्रतिष्टा बच जान ३ ६ रोजनाई-अंतर नानी भनोबन चय गम्मान पत्र । विभाग्य, यथी यति भ्रमी नेता रे९४ निक्रमा---संवित करना अवन रंजनी रणनाई रोगनाई नियाही करना, अनुकरभ करना अञ्चास करना रपादी श पंचारता चेत्रम करना बलगर्वेड करना, अ. असम-अलग निव पेन काउटिन टीरा करता महारु करना रचना, रचना वेन स्वनबैद, सेसभी होण्डर।

म ३०८	५६ ४३१५
६ ८. पार्वदेगपेन—माराप्रवाहसेखनी निर्हारिकी। १९ विक—जिस्सा किस्मी।	३२२ प्राचितिहासिक-प्रतिनितिहासिक, प्राणितिहासिक, प्रीहिस्टारिक। ३२३ कृपोक-खूगराफ्रिमा विमार्वेषे ।
११ बाबास-चवात बोरकमा बोरका मिलकृषिका मिलकानी मिलापान मिलपानी मिलापान मिलापि मस्याबार, मेकानवा मेकाव बर्णकृषिका।	वर्ध भूगोल संबयी—गौगोलिक भूगोलिक । वर्भ सम्बद्ध-मानकृषा हवागानी । विकोय-भूगोल संबंधी सम्य सामग्री के
विश्व पटपै- उच्चती वक्की पटिया पट्ट पट्टी पाटी। व्हेट स्केक- वंकी इसकेल पटपै	बिए 'नवी' 'नवेट' देश' आदि के नास- पास की सामग्री देखिए। ३२६, भूवर्म झारणविमालोकी पूर्णी
पैमाना पुट छूटा रोकर कतः । ३१३ पेतिक—पिनसिन प्रिनसिक पिनसन कत सम्बद्धिकारिः	विद्यान पृथ्यो निधा ।  विद्यान पृथ्यो निधा ।  विद्यान भूगर्न में धिनने वाकी मादुनी और एतों के किए सीना तथा 'दल'
१९४४ सीकतः योजना स्याहीजूत स्याहीयोजः । ११५ किकतः	कार एका के किए सान प्रेम है किए। कीर उसके बास-पास की सामग्री बैसिए। ३२७. वर्सन बास्त्र-कम्पासन बास्त्र ज्ञान बास्त्र सम्बद्धाः किसमुख्य किसा-
विकास ।  हर्षः चीरवकार्वः कारटः, कारव कार्वः  विदुर्शनार्वः ।	वान बारव तर्पातार । एक्टा । १९८ तर्बतारम मंतिक काविक । १९८ तर्ब वहुत बहुत-मुनाहित बाद
३१५ म. विकटटिक्स स्टंप स्टापः ३१७- गक्का:चित्र वेश्वचित्र शक्याः मानचित्र सैप राष्ट्रचित्रः।	निवाद वाशिववाय सरवार, हुन्यतः । १३० नीसि-सास्य-नीतिः नीतिनिवाः, राजविदाः व्यवदार सास्य ।
हे हैं ८. स्थामप्त — वश्चितपद्द काल तबत कावा तकता तकतास्था तस्ता स्थाह, स्टेकनोर्ड स्थामपट, स्थामपट्ट।	पत्रति कसम दुनियादारी तय निवन कोकपत्रति कोकाकार, स्पनहारपत्रति ।
ইং% ছবিছাল—লগ্রীয়াঞ্যাল ছবিলুল ধ্বাহ্যাল তথাওঁছা বাবীছা পুরাধ পুরাহিমা পুরাহুল ধুবিলুলার মাধ্যাল ক্ষা ছিল্লী।	शास्त्र नौति पाकिटिक्स पानविका धन
<ul> <li>३२ डिल्ड्डिल्ड —-तनरीजवी हिस्टो रिश्ता।</li> <li>३४१ ऐतिब्राधिक — दिल्हाधिक तथा</li> </ul>	<ul> <li>३३४ राष्ट्रशीरिक—पाकिटिधियन साम- साली ।</li> </ul>
रोबी वारीबी पीराधिक हिस्टारिकड	

W 134 क १५३ 49 निर्वोहरू पद-प्रदर्शक प्रभान प्रमुख पार्टी क्षिन्द्र महासमा । ३४७. वाद-नायह, तर्क देशीक मत प्रेसिबेंट, मुखिया एहनुना कीवर, संवादक सदर समापति सरवार। राय धास्त्रार्थे। ११५ फ नेतायिरी-नायकस्य मेतृत्व ३४८. शास्य-अधिकार, उपवर्त्तन अन प्रमाद, बीवरी सरवारी। पद देश प्रवेश मंडक राज राष्ट्र, ११६ छंस्या-पुरोधियेखन शासन सरकार, सक्तनत स्टेट, हुक्मत । ममान परिपद्, पार्टी कींग संघठन ३४९, राजा-अविपति धंव समा सोसाइटी। वर्षपति ईच शतपति शोणिप छोनिप ११% संस्थाओं के प्रमुख जावार--यअपति वडी बंडबर, बंडमार, बंडमारी वर्षधास्त्र वर्ष राजनीति समाजः। यराबीस नरकंत नरदेव नरनाव नर ११८ समाबदार-सोश्किरम । माह मरपति नरपाक नराट, नराविप ११% धाम्यबाद—कम्युनिवस । नरिक नरीत नरेख नृप नृपवि पातशाह, विमोप-कभी-कभी समाजवाद और पारिचाह, पारचाह पाप पार्चिक साम्धवाद एक वर्ष में भी प्रयुक्त होते हैं। पश्चिपिति पश्चिमीयाक पश्चिमीमूज ३४ प्रकार्तक—अनर्तक जनहरियत पृथिबीस पृथ्वीस प्रमु, शबसाह, भूवन चमहरी सकतनत विधानेशी कोन्द्रतंत्र पति सनपात भुवार, भुवास भनेता सर्वेशंच । जुबन अुवर, भूप भूपय भूपति भूपाल १४१ ए<del>कतम- य</del>मिनायकर्तम मुभुव भूमुख भूमिवेव भूमिपति मूमि **चन** मानकी राज्यतंत्र। पाक भवस्कम मुखक, महाराज महा-१४२ साम<del>रतंत्र पृ</del>गुबक राजा महाराजाविराज महीप महीपति सिक्टम सामंत्रवाद सामंत्रसाही। महीपाक महीमर्चा महीमूक महीमूज के प्रकारम संब-बम्पीरियक्तिका मझीभत माखिक राज राजराजस्वर षायान्यवाद सामान्यसाही । यता सनामिसक सर्वेद स्वेदक्ट १४४ हानामाही-नाजिपम काविरम चेट. राठ चना राना सोकप सोकपति विरक्षरसाही । न्याक सहंचाह चासक समाट। १४५- तानासाम्-नाजी कासिस्ट ३५ अक्ष्यती राजा---चननठी जयरी--**दिरहर।** रबद, महाराबाधियत चत्रयवेश्वद, १४६. भारत की वर्तनान प्रमुख संस्वाएँ-समाध, सार्वमीय । नावेस किसान संबद्धर प्रजा पार्टी जाति ६५१ शा**वली—कार**शाहाना राजकी कारी समाजवादी पार्टी जनता पार्टी चाहाना चाही। चनबंध बमायतूरु इतमा मुश्किम सीध ३५२ राजकीय-राष्ट्रीय । रामराज्य परिषद शास्त्रीय स्वयं शेवक ३५३ राजी-अवस्तिनो पटराजी पट्ट र्संद प्रजा समाजवादी पार्टी साम्यवादी वेबी पट्टमहिपी पाट-महिपी महादेवी

w tot 46 **# 1**4¥ हरावरि, हरीया हिरावल हिरीय। महारानी महिषी राजी शबपली धन १६२ सरगारोही--अस्तर्गत अस्तरह महिवी रानी। अस्त्रवाद, बुहबहा बुहसवाद, बोहसवाद, ३५४ राजकुमार-छोटे धरकाद, जुनराज तुरवास्त्, तुरंगी समार, शादी। वृत्रराज राजबुँजर, राजपूत महाराज १६१ रची (वैशिक)—रवास्त्र रवी-भूमार, संद्वारा साहवादा । रोही ज्वी स्पंतनास्त्र, स्पंतनारोहं ! ३५५ राजकुमारी---हॅनिट राजकुमारि वृद्ध योक्क-अंडावल जुलार, बोबा राज्युमिदि, राज्युविदि, राज्युवी सई तिक्रंवा पत्ति प्रमीर, बार्गत मट, पुर्ड बादी याहवाची। धान योका मीचा रममंत्रा **रमर्गद्व**रा, ३५६ प्रचान वीशी--- श्रवान मंत्री मंत्रि-रचवाची रती कड़ाका सड़ायता सहैयाँ पति महाभारम सहास्रविवा। बीर, धूरबीर । Bus. effer-warre. कानावर ३६५ सिवाही-अनीक विक्रंगा पॅति शीवान श्रीसच्च पार्वेद, मंत्रवादाता मंत्री पश्चिमट पदावि पदाविक पद्मानिया मुखाह्य क्योर, समित सामकामक प्याचा बंदुकची बंदुकची मध्यपारणी विकसर, सेकेटरी । विपादी धीव्याय विकादी सेनाबीमी ६५८ <del>रोमायदि अ</del>निय राज्यवि राज-र्देनिक चैन्य। ३६६ सम<del>ासर--दरवारी</del> परिवद् मरि बाक फीक्कार, बुक्य बुक्याय बुक्य युवपति भूषपाक रणस्वामी सरवार, बहरू परिचम्य पारितर, मेंबर, वदस्व समास्य समारतार, सम्म सामु, सामानिक विपद्वताचार, हेनए वेशवार, वंताच्यव हैनानायक देवानान सेनानी नेनापाल ३६७. सक्रमर---नपसर, बैबापित सैनेसः। कार्याच्यक कार्योभिकारी कार्योविपति । ३६८ अविकारी—अविकारी ६५९, फीब--वनी जनीक जनीकिनी जनिपति वदीच वदीस्वर, सम्बद्ध बटफ बटफर्ड, फटकार्ड, बृत्सिनी चन्द्र, अभराता देखक वासक बासकर्या चत्रशाहना चतुरंग चन् दक दक्षतक इक्ष-बादम मानी भारी व्यक्तिनी शास्ता शाकिम । ३६९- <del>पूर--वा</del>पिसपेक एककी कासिय मताकिनी वकटन पूत्रमा पूत्रमा पूत्रमा चतुक चर, चार, हुत बापक, बाक्त फीद, वस बाहुनी भूष करकर, कान पत्रबाह्म अभिनि संवेतहर, संवेदिमा बरवानु, बक्न बन्नती वदित्री शहरा बाहिनी ब्यूह सेना सैना सैन्य सिपाह। हॅकाचै इरकाय। ६६ ४ सच्छ की सेनाई—मुक्तवार वा ३७ राजकुल-एवची सफोर। ३७१ हारपा<del>ड - शं</del>तपाल करवान कर भोद्रश्वनार, पैरक, रवी शाबी-सवार । वारविकाधी - दौवारिक हारवास, हार ३६१ पैरल क्येष---मती पदन गरावि वासक, हीवारिक 1 परिक गारास पैतल प्याचा हरायस

हारपास पहरी पहस्ता पाहक पहरी बीट, प्रहरी मतीहार, रखवाला वेजक वैत्रपार, स्वित्ववर्धकः । वे *'शंतरी'* । रें भे सतरी-चंडायक संतरी सैनिक। १४४ अंत-पुररक्षरु—अंत-पुरिक अंत

वेधिक । १४५ क्मेंबारी—बहसकार, करमवारी। १७६ अधिया-चिद्ठीरली अक्यून

मानक मानन पोस्टमैन हरकारा । रेणक. बेंदियां-पुरतकर, गुरमा गोइंदा चर, बार, जानूस पनिया पनिक्का

मेरी सी आई ही । वेष८ प्रजा---जनता परवा चप्ट

रिमामा रैक्ट इंक्टि। १४९. अर्थधासत्र-इननाशिका धारत मुद्राधास्त्र संपत्तियास्त्र।

१८ वर्ष-भट्ट मृत्यी सुनी बर वेंत दरब इस्य बाम बाय बीलत यन पत्र पूँडी पैसा किसा जब बाक वासि-मेन नुदा मीग एकम राज रणमा चप्रया पैसा सहसी विन्नु, वित्त विभव विमृति विषय वैभव थी संपत्ति। १८१ पुरी--जना जुलबन विश्व विदाय सम्पत्ति ।

१८२ आविक-गानी। १८१ सर्वतास्त्रत-सर्वदास्त्री द्वना ferz : ३८४ दवाना—अर्जन करना अस्तित परमा पनाई सरना पैशा गरना धन भरता न्रता। १८५ वर्षे करना-अवध्यर

ध्यस अस्ता। ३८६. कमाई-अर्थन आगर आगरमी साय पैदा । ३८७. क्षर्व-सपत सरव सरवा व्यय भएका ।

१८८ रमनेरासा—धर्मनग्रीह चत्र । ३८९ वर्षे करने बाला-अपध्ययी धर्मीला धरीप फब्लदर्ग फैल्युफ़, मुक्तइस्त रेड, व्ययक व्ययधील व्ययी पाहत्त्वं ।

३९० कंनुस—बराता अनुसा**र, कर**र्य कप्रनवरोट, करपर, करमद्ठा किमाब कियपिन इपण इपिन सुद्र टम तंप दस्त नीथ नीवृतिचीड पत्वरचटा वकील वनिया मक्तीवृष्ट यसवित रंक तंत्रकर, संबदी सूत्र। १९१ भेनुती-- यनुशास्ता अदर्यता कपन-असीटी नारच्या कुपमता कृपि-नार्वे तनपना वर्षितता बीनता क्षेत्रस वधीली नक्तीक्री समयहर। ३९३ कंडमी करना-पूपगढा शरता इपिणता करना इरिनाही करना वैमा बाँद से परहता, मनतीवृती करता । १९३ विज्ञायत---मित्रस्य मित्रस्यविना।

वेद्ध संबद्<del>धी करवाई शायकार्</del> पारिधायिक सबदूरी सबूरी सेट्नडाना रीमी है। मिरी ३९५ वेतन-अवस्त सनग्राह सन क्वार् धनव दरमारा महिनवारी सहिता महीना बेनन। दे अगर। १९६ मृत्रवन---अन्त :

# ¥ ₹ \$ W 119 श्पतिचाली संपन्न समृद्ध सर्वाद ३९७- ध्याच-सूर्व । सुराषा गुरि सेठ। १९८ भूष--वशर, भूग करश करता ४ ६ वरीबी---अक्रियनता संगास्ता कर्ज रिन देशा स्वहशा ह्यफेर। कंगाली भूरवट चंत्रस्ती तंनी वरिष्रया १९९ भाषी--फर्बबोट, संदुष्ध देन वारिय, बाधिर वाधिर्म बीमवा बीम-बाद, रिनिगी। दे अर्थाधार≀ वाई, बीगला हुन्य देग्य भगदीनवा ४० अहम तेमा--- बबार केना अहम साना कर्वे चाना चाना हवकर सेना। बनामान माधारी निर्वतता भिश्वकता मिसकीर्णता मिसकीरी मुझ्रिनिसी मुद् ४१ आर्थ पुकारा⊷उक्दण होना बबार देवाच करना अहम देना अहम ताबी रंकता। पटाना कमो उतारना कर्ज बुकाना ४ ७. अमीरी-अमीरी अवाचका रिन पटाना । क्षकाकी दीन्द्रयन्त्री मनता ननाडपरा रियासच समक्रि। ४८. भूतम्—-कीमतः **वर्ष**ामः वैद्या मुक्त । ४ ३ उद्दान करना—शैठ बागत । मेबाकी किसता। ४ ९ अनुस्य-अनमोस जमूर्य कीमती ४.४ अदम वैने ना<del>ता. अ</del>दनद नद्दा गम्बर, बहुमूस्य बेसक्रीमठ महार्थ वन व्यावजीवी शहकार, शुरखोर, सेठ। मुस्मवाच । ४ ५ ग्रारीय---व्यक्तियन क्षेत्रका श्रंताक ४१ डेक्स—कर टिक्स चित्र वंगरस्त परिवर राखि शैन मकात धनात । दुनिया दुनैत चन्छीन नादार, निवन चुनिकर, ४११ भारमपुद्धारी---अमा निषनी निर्मन निर्मनी निषय परणील शांस यहभूक क्यान। बपुध बेबर, मिस्क निवाध गिरकिन ४१२ किराया-केराना भारा महरू निसकी मुक्रमित मृहतान रक रखें युक्त । रीय । ४१३ भाषा (रेल, मोटर मादि)---४५ व मगीर---मयाचक क्याची किराया केरावा टिक्ट, दिवत महर्प ऐरवर्षेवान ऐरवर्षशासी ऋश करोड़ ममूल मासून ( पति करोड़ी कोडचाचीय लुराहास ४१४ कावा (धर)--किरावा केपाना गम्बर, अनत्तरेठ आगीत्वार, शासेवर भारा महीना रैंट। बीमनमन्द, बनपुबेर, बनवारी धनपनि ४१५ माहा (नाम)<del>---श</del>ावर उत्तराहे चनवन्तं सनवानः बनाइस बझासठ, धवा खेबाई तरपच्य होची महतूस। पनिक प्रमु महाजन गईस राजपाट ४१६ व्यवस-अपप्रधान अजन जानेदा सद्याति संस्मीपनि सस्मीवान सन्द अल्डोच प्रशासक प्रशासकर, कीयरिय पदी विभवतान शिवशाली विपर्ट बाह्य धूंत चूछ शीधन प्रदा प्रानुत वैभवपानी श्रीभन्त श्रीवत श्रीवान, लेवा कांच हार्द्ध चौदी ना पूता।

TYte

रोड धनदंश। ४१९ वहेब-अहेब बहेब

गेनुक सुरु ।

स्पदा कपिया।

४२ इमेस-की सुरूक।

४२६ **रपमा--मुद्रा र**पस्या रुपिना

४२४ वटमी-यवेती वेती।

४२५ वयमी-पावली मुका।

४२६ पैता-पोरलपुरी पैता

दम्बक दब्बा पहला।

# XX4

४१८ रपये का र्यड-मर्वदंड जुरमाना संबदी हरवामी। ४३५ रोग-अनार्जन सम सपाटन भारता सति वाकत्य सार्वक सातम

पाइना दाय दायब बागवा मोतूक बाम आमय बारका इस्तत उपधात खपताप कष्ट शय गद तमोविकार. कीमारी करामी भंग भग मरज मर्ज ४२१ तिनका—टंक दान मुद्रा तिनकः। मांच मृत्युमृत्य क्व विकार, विद्वति ४२२ सीने का सिक्का--गिनी बीनार. व्यापि सिकायत । मुहर, मोहर, स्वर्णमुद्रा स्वर्णक्राया ।

विकोय—'स्वस्थता' । ४३६. रोग के दो प्रकार-मानसिक पारीरिक। ४३७. मानतिक रीय-आधि मानसिक-कारित ।

४३८ धारीरिक रोध-म्यापि । है 'रोब'। ४३% निरान--वराचीम रोवनिर्वय । ४४ तसम-चिन्ह, निशान पहचान संख्या ।

४४१ विकार-शासनी गहबड़ी दीप इपन विद्वति। ४४२ विद्यो<del>ण-१५, पित</del> बात। ४४३ क्य-रे क्या

४४४ पिस**ः** रे पिसं । ४४५ वास—दे 'वाय्'। ४४६ यंत्र शोग—इंडन्या इंडन्यक केसम्ब केसनायक वंजारीय। ४४७. अवसाना---गुउराना गाउँ भाउर करना समुबाना ल्याना, गहतामा गृहसामा। ४४८ समग्री---भंडू, राजु साज सूज ताहर, शबुनी शेनस !

४४९ बार-ननस बहु बाहु दिनाहै

४२७- अवसा-अवसी बुपहती। ४२८ विकित्सा बास्त्र-इस्मेइलाज मापूर्वेर प्रपत्तार शास्त्र ओपविशास्त्र भनवंतरि शास्त्र स्वास्थ्य शास्त्र । ४२% विभिन्न प्रकार की विकित्साएँ-मापूर्वेद एकोएँबी नेकरोपैकी वासीके-निस्नी युनानी द्वीमयोपैकी। ४३ सायुर्वेद--विकित्नासास्त्र वन बंदरि शास्त्र बैशक शास्त्र बैदकी वैद्यविद्या । ¥३१ मुनानी—मुस्तिम चिनित्या वास्त्र विम्ती तेबावत हिल्मत हुनीमी । **४३३ मेक्टोर्वकी---**जल-चिकित्ता प्राष्ट विक चिक्तिला स्वामानिक चिक्तिला । ४३३ एतोरेबी—संदेवी विशिला दारटरी दुराज शास्त्री विशिक्ता। ४३४ धारवदास्त्र--- अस्त्रविकित्सा, चीव

**4** 84 W Y23 48 दिताय पाम पामा विवर्णिका । धविवास धविवास धविवास सम्बो ४५ वेंबाई-विमाई, बेबाय पायस्कीट कोप्ठबळता मक्कब मुक्तावरीय वड-पावसकोटी विपाविका स्कृति, स्कृती। कोप्ट । ४५१ से**इका**—फिक्रास सिक्स सिक्स । ४६९. श्रमामि-सरपानि संदाय ! ४५२ मुहौता-मृहकील। ४७० जाँव-बाग बामातिसार, नाम ४५३ मीह पर का दाय-पनर्यंग चना-रक्तातिसारः अक्षत्रीयस्त्ररोतः। वकी चार, काही सोई। ४७१ बायुगीका--गुरुव मोठा रवी-४५४ बॅम्डीरी-बेमीरी बोंची री पंचि बातवीका। गर्मीकाता । ४७२ कॉब----उरावर्त्त कीय गुनव**इ**। ४९५ व्यान-जन्म वपन वासा। ४७३ वयासीर--वनायक वर्ध दुनी ¥५६. पिती--बुक्षपित बुक्रपिती पिती। बबाधीर, भदाशील नदांकर, इताँव ४९७. चर्म कील---गरका कुर्णायक वयेशी बवासीट बवेसी बादी ४५८ करकमृती---कड़क करक सूत्र बबाधीर, रक्तार्थ । रच्य । ४७४ वयासीर के वी जेव-सूनी वादी। ४५९, गर्मी--नमर्थेट कारायक उपरंश ४७५ जुकास-बरहेक्ट बीकाम र्वह नरमी किर्रवरीय। नवका पीलच प्रतिब्दास सीत वर्षी ४६ चुबाक-पूर्णमेह सबुमेह चुबाक सर्वी । सीवाक। ४७६. नक्तीर-नक्षीर, विगास । ४६१ प्रजेह--परमेह बहुमून मूनदोत्। ४७७. निमार्थी-कासा निमर्श पाका. **४६२ पवरी-जा**मरी। र्गेहराका मुखपाक। ४६३ स्करोच-बिगवृद्धि सुकरा। ४७८ सांच आमा-आंध्र एठाना बांच ४६४ कुळरोप--उस्तम दुभ्द, कोड कुलमा । कोड परिव कुट, शासक पारिवध्य ४७९. ऑब जले का चेन-मतियार फूल फूमा मक्ष्मक, बाध्य ध्याचि व्यक्तिपाकः अधिकार्यतः। स्वेतकृष्ट । ४८ स्तीबी---नियांच स्तीन्द्री रहीचा ४६५ कुप्टरोग के अंतर्गत रोय---राखि । अधियानम अपरक्ष प्रकारत अक्षरा ४८१ विमानी---विवस-संबता विवादता। मात्र शह. सेहें था। ४८२ वक्तना--करकमा बसक्तना करावे ४६६ कठरामि--वटद बटराय बट-होता दपक्ता हक्का दीस प्रदेश रानक पाणकाम्य । टीचना टीस गरमा धर्च भरता दुपना ४६७ सनीर्<del>य स</del>नीरन सनीर्न सन दुलाना दुलवाई झोना परेशमध्य होना वय अपन बरहदारी बरहरती।

४६८ बाक-मान, नवत नवुत

चटना युलकरना सालना नुकना।

४८६ होत-नगर प्रतुक टपक टपका

टनक टमकन टीसि सूच साक। ग्टर-वर्ष---वार्सता करट दरव, पीड़ा वेदना मुखादे 'टीस' 'जसक'।

FYZY 1

पर्याच्याद टाल सम्बर्धा ४८५ समझ (वर्ष)---चटकः वसकः विकास विकासः।

४८% २ **तरह की सम्क्रपारी—क्षावर्त** सूर्वावर्तत

४८८ वर्षमा---विदारना दक्षिण कों कों करना। ४८९ वर्षी---कांश बास समस

वेंस्त्री डेंस्त्री। <sup>१९</sup> दमा—स्वास दवास रोग सांस

इंस्टी। रे११ क्वर-- मार्तक कर, बूझी चूर्ति ताप तापक कुकार, बोकार, मझ-

वद संवाप । ४९२ वाहक्राहर--टाईक्रामक मिमावी वृतार ।

४९३ प्रतृत क्यर—यरस्ताक्यर, क्यर, प्रपृतिकाक्यर, सृतिकारोग। ४९४. वसेरिया—सहासुकार, पृत्री। ४९५. वेसेरिया—संतराक्यर, सकारा

१भवरिता पारी गुणार । १९६ समिपात--विदोध समिपात वरसाम सरेसाम मुख्यात ।

प्रभाग सरकार सुप्रभाव।

प्रभाग सरकार आकार्य,

स्थान स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स

मितको ।

१९८८ पणको जाता—उक्ताई जाता

वेवराई बाता प्रस्ती जाता जोत्याई

काता विद्या प्रदेशाता यो पिणकाता

नेतती जाता विद्याला प्राप्ती जाता

मितकाना मितकी बाना मूँह बिगड़ना मूँह में पानी साना मूँह में पानी सर साना। ४९९. औं सोककार, उकाई, उद्याट, उदकाई, उस्टी उनात् बौकाई, क्रॉट,

ध्येट प्रकारिका श्रेषकी सहस्री बसन् बसम्, बसन् वसि हमूनः ५० क्री करना---उककाना उवकना उकटी करना बोकना कोकाना सोस्काना क्री करना कोट करना

काइना शकना वाप्ता शकना वमन करना बाहर करना पूँह चकना वमन करना। ५१ अर्जुब—(वड़ा) वडींंंगी गांस क्रीक गांस्युक्य।

५ २ वर्षुच (छोटा)—--वर्षुद इसका शोकक गोधा। ५ १ वर्षेत शुक्रि—--वेनपृद्धि अर्थाट वृद्धि बर्ति छतरमा बर्ति पृत्धि पानी ज्वरमा द्वानिया। ५ ४ विसर्व—-विसरप विसर्थि छविया-स्रा

वियुधिका विमुधिका तिमुधी।
५ ९. तातम—तातक तोग महामायी।
५१० वेषक—त्यारा वेशी पारदोग
महारिका मनुष्ये महाराणी साठा
प्रकारो वर्धयाया विरुक्तीत हिर्माहरू,
भीतमा।
५११ कृतिहार—महोसार, सम्बद्धी

**#** 47 48 **411 ५२६ बाय-व**रस देने सत याम अबरामय रक्तातिसार। ५१२ क्रियकी--हिनका डिपका। श्रीरा श्रीट क्या वर्ष । ५२% योब—सत्तव यस योग योव पूर्य ५१३ क्याबरीय-नरफर, क्षेत्रक कमझ-पुसन प्रसित्त समाध सकता रोप क्रीबंका कामक कामका पाँड, पोडरोप पौक्रिया वरकान । विद्रोप— भूतके किए दे 'खून'। ५२८ करंड (कीवें की पनवी)---५१४ संग्रहणी--- नव्याक्षित प्रतिकी प्रवा अंगुर, सर्वेड सूट्टी सुट्ठी सुरंड। क्रिका संबद्धनी संबद्धिनी। ५२९, मुक्का-अवेदना बेहोसी मुरका। ५१५ आसाबीर्य-समानीर्थ विद्याला ५२९चः वृष्ट्यित-अवेत बेहोच संत्रा-बीर्ष दवनादीर्थ। ५१६ वेंटिया- मामवात विवया गाँठ-डीन शक्ताच्या चौम बतास बाई, बात बातरकत । ५३ कॅपकॅपी--क्रेपरपी जर्बया **५१७. कोक्ष्यांन-**पावनस्मीक स्कीपद् रामसा वेगम्। हानीपाँव । **५३१ धोनियंद**—योनिकर, ५१८. <del>बक्बा -</del>वर्षित फाक्रिश वतासः योनियम यौनिकावः ५१% मिरवी--वंतविकृति ५३२ यतेली स्तनकील स्तनपाक स्तन भद्धविभ्या मिनी नगी काळाव विकासी । ५३३ प्रवर---वीलता वातुक्रम जिन्ने-सरना 1 **५२ सन्दर्भ-अ**विद्येष जसाम्बरोब रिया विषयः स्वीयोगः । डम्मा श्रम इसी वदावणी छई.टी की ५३४ २ सरहका प्रकर रोय—रकाप्रक द्यपेदिक दिक मुपानम सक्षमा सक्सा क्वेतप्रवर । राभ्यवस्मा राज्यरोत राजरीत स्रोतः। ५३५ हिस्दीरिया-अपततक वेहोची ५२१ प्रयोता-काला सक्का पंकाका मुर्ज्जी । पफोडा फॉका। ५३६ पूलना—पुर्वत्वा पुर्वर्धना बार्क-५२२ फीड़ा--ईर्न यूनडा पक्छा नावृका नेवकाविमा । पिटक पीटक फूबिया फॉका फोड, ५३७. सुबंदी--कृतता बोयता दुर्वकरा फीबिया भिष्क निटका किस्फीट क्रम सुबारोग । ५३८ जनसर-सगरकार, बायुर्वेरी स्पोट, स्पोटक । ५२३ पद्माधात—अङ्गीय अर्थाय इस्ति कविराज अवहा विकित्त विकित्तकः रचा पत्तवथ फालिज करूना धन्यपात बकबर, बॉल्टर, बाकबर, विरमाती भूभवाई। प्राणाणार्थे भिश्वक शिवक भीवन धीर ५२४ सू<del>बन-पु</del>कार वरम क्षोच शोदः हारी वैध हकीम। इस्पन्, सूत्र सीज सीनिया। ५३% वर्षाः—जसार्, सर्वन । ५२५ चेठमाना--नेडमाका यसपेड। ५४ जापरेक्षण-अस्मविक्तिस भाग

रैसन भीट, भीरफाड़ भीरा वर्राही सस्यक्ष्मित सस्त्रक्रिया।

# 4¥8

<sup>५४१</sup> म<del>कहम -श</del>नकेप गरहस केपन केपा

५४२ विय<del>वैद्य-</del>नादक्षिक खांगुक्तिक विवदैद वियम्न वियमारकः।

५४६ अस्पतास-भीपनासम विकित्सा-मनन विकित्सालम डिस्पेंडरी बना बाना मैपन्याबार, शक्तकामा हाथ पिटल ।

१४४ विकित्ताः उपकार, इकाम दवा विरमान स्था कक्जितिक्या दीय मितकार।

९४५ स्थास्य्य-चन्द्रवस्ती वद्या वेह-येषा तेहर हास्त्वः ९४६ बीमार-अन्यन अन्यना बना

रीप्य क्याटन बास्समित स्वस्थितं स्थानं करायटनं स्थानं क्याट्याटं साहरूदं सीवा क्याटं साहरूदं सीवा क्याटं स्थानं स्यानं स्थानं स्यानं स्थानं स

भैभेक स्वत्य अवह अच्छा बदन बरोग बादम बारोग्य कक चंगा ठीक चनुस्त्य बृढ निरोग निरोगी वीरोग भाटब पुट्ट प्रका रोगहीन रोगरीहर बेह्यमंत्र।

पहानदाः सम्बद्धाः सारीस्य पंदुरस्ती निरोगता पाटवता । विमोत्--दे 'रीग'।

५४९, दवा—सगद, ओलद ओपद सोरमि श्रीलद सीयव श्रीपणि समित

हिकसतः।
५५० काहा-सीनट, नवामः।
५५० काहा-सीनट, नवामः।

५५१ चूर्च-भूरम पाउडर, बुकनी सङ्गुड, फकी।

५५२ जूर्वं करता- सूटना जूर करता जूरण करना जूर्वं करना गरिव्याना पाउदर करना पीसना मौटना वृक्त्री करना महीन करना सङ्ग्रक करना। निवेद- जन्म दनावों के किए ननस्पति बानु रहन वादि वर्गं तथा स्वके सास-

बातृ एल बादि वर्ग तथा उसके साध-पाय की सामग्री वेचिए।

५५६ चर्चिय बात्रक—वंकगमित सक-विधा बरियमेटिक गमना गरिन

प्रेतमुरेशन पैचमेटिक्स संद्या सास्य

विधास ।

५५४ बीतगरिस—वंकगमा ।

५५५ कार्सिसि—वंकगमित समेटी

क्योमेट्टी रेकागिकत ।
५६६ कंबरा—कंक अवस मणना
पिनती तायाद, नंबर, दिखा।
५५६ कंबराक्त—संबर ।
५५८ कोबर्ग—रोटल निकान मौबान
कुक योग संबर्ग ।
५५९ कोइना—एकक करना एक में
करना वाग करना मौबान करना योग
रिकाममा।

५६० घटाना—अक्षम करना क् करना शकी करना निवासना। ५६१ क्षेत्र—अवसेत वक्षा वाकी। ५६२ गूला—करन।

५६३ युवा करना—पुगाना करना वरन करना वरन देना।

adda d	, 44
५६४ मान—तक्ष्मीम गेंटाई ।	डेवक डेवका।
५६५, चाय देना—तकसीम वेना तकसीम	५८२ थो-सीस कर कर्म इर इर्ड
करना I	कू, बोड, बुन इन दि हो पश पर
५६६ मा <del>जक-व</del> राक विशाजक ।	पानि भूतः।
५६७. सम्बन्धक-बाद, धजनफल	५८३ दोनींपूनी दोऊ।
मान्छक कव्यि ।	५८४ दूसरा (१)वस अप वस्र
५६८ गिनती—मणन यचना नंबर,	वपर, जवर, वीर ।
रैका सुमार ३	दूसरा (२)
५६९ दिनमा यजना करना वनना	वृक्षद्र वितीय पूजा
धूमार भरता ।	५८५ द्रयुका—इयुक द्रयुक्त द्रवार,
५७ किसानागणना करणाना पन	बूना हियुच डिगुमितः।
गता विनवातः।	५८६ वार्षवदार्थ ।
५७१ जिल्ला निल्ली गही सके—	५८७. तील-अमिन काल पुत्र ताप
इत्भतीत, इत्योक्त जनगीय अगण्य	दीनि यस नि मोनि बहुर्ग।
अपनीता अरागय अधिन अविनय	५८८ कियुना—ितपुन तीनपुना तीनाः
লবিনিত লতুলিয়ে জনত লদবিদত	वेहरा नियम ।
अनमिनित अपरिमित अपरिमेव अपार,	५८९. तीसरा—तीसर, वृतीय सीय
असंस्य वेसुनार, वेह्य ।	धोयम ।
५७२ विनने के बौम्स—गणनीय	५९ सिक्सईविहाद, तृतीर्वाच ।
<b>म</b> च्य परिमम्य परिमितः।	५९१ बारबाधम बदुद बहाद की
५७६ शून्य-च्य प्रीचे निली निल्ह	पदाने कम युग वर्ग नेद ।
सिक्टर, तुमा सोमा।	५९२ थीया- चतुर्व महास्य द्वारिकाः
५७४ नावपार पीना ।	तुरीय । ५९३ क्षीयला—स्तर्वम पारदुर्गः
५७५ बापा <del>-ग</del> टा गर्ड अर्ग	५५३ चीयुना—चतुर्वम चरितुराः समुत्रः।
नवीच नाच निरम्, हाछ ।	५९४ वारीपर् ।
५७६ मील-पीले ।	५९५ जीवाई-वृत्वीस वहारव
५७७ एक-मारना इक ईश्वर, वीप	जहातम चीच चीनाई, पार, भाग ।
<b>बू</b> च्योः ।	५९६-पौच-दंशिय पंच पंच पांडव पौच
५७८ <b>पहलाएक्ला अ</b> क्वल प्रथन	प्राच महामृत वारा ।
वहिल पहिला।	५९७. वीवयीवंचम पंत्रम ।
५७९ एक का बाव-एकता एशाव।	५९८ वर्षि का भाव-पंत्रता पंत्रत ।
५८ सवा—शाव, शवाई।	५९९, जीव का समूह—संबर । ६ छः—हिंत चतु, छह, रत सर्
५८१ वर्षोड्डा—बङ् बङ्ग्नुना बेहा	d months and and on the

धायत ।

६४४ मार--वेध बंध बच्या बॉट बीटा प्राय दिमाण हिस्सा । ६४४ दश हुडा--चन्छीमपुष्य नियस्य विमालिया । ६४% सार--वेश्व चील पैमाना बजा ६४% सार--वेश्व चील्या । ६४% सारिक--माराप्रविद्या व्यक्तेल बगोवनिया प्रदिश्या व्यक्तित्य हार्य मक्त्रपिया नवृत्र मृत्युत्र । ६४८ व्यक्तिय के से सार--विषय बगोहिय क्रिक्त क्रोतिय हार्य ६४४ सुमूर्त--चुन्नपही जुल मुहुर्त हार्स्य

६५ क्योतियी कासांतिक वनक वोस्ती क्योतियां व्यापिक क्योतियां व्यापिक क्योतियां क्यापिक व्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्यापिक व्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्योतियां क्योतियां क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्योतियां क्योतियां क्योतियां क्यापिक क्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्यापिक क्योतियां क्यापिक क्यापिक

१ प्राची-जीवन शतु असी वस्तु वीव धीवनारी देहमारी दिवस देवता प्राचनारी वर्षाची १ समुद्ध-न्यदरी बादमदाब बादमी पंतान डिस्ट मन्हें मनून सामक सामन बादम वर्षाच्य अस्ति । वर्ष प्रव नहरू न्यांची बाइसी वर्ष प्रव नहरू मा देव पूरान पुरस्त पुरस्त पुरस्त

मनकी मश्व 🔍 भागुभा मान् ४ स्मी--वन फलन कांता चरचवासी अ चानी चोब ए तन तिम ति चाच नाचे म वामा बाला कै महिचा नादा कबना बुबाई, तिनी पार्रव। ५ काल्या—वंश द्यावी अरस्य अंतर्भृत वकर ﴿ व्याग्त पीर पूर्वक पुरुष भग मुक्क 🕶 शुक्रमदङ् शुक्रमध ह्रीस हृपय ।

के जीव वना 
के जीव वना 
क्षिक्र नेवरार

कारभाराम कहा

क करका कर्यु

वात निवरत व विकास पुरता

प्राणवादी जेवुन

तर्येव हुव !

के वीवस्तान

वेद्यन स्थानार

पौत विमु, वि

य २२

८ वासा-भंबन अंत्रनी अत्र अञ्चानता अविधा मूह, चमन्मोहिनी एनैया की दुर्वाहन : ९ मोल-अक्षर, अविवर्ति अवि

प्रभावन ।

कोतः - स्वारः, अतिवाति अति
मृत्यु, जनपायिपद, स्वपवर्षे अधुनरावर्षेन
सपुनरावृत्ति असरपद, अमृत समृत्यः
भारपधिति आस्मोद्धानः, जब स्वत्रवाति

बदुनसम्बद्धि समरपद, समृत समृतास मारविधित सारमोद्धार, उद् उद्धवमति बदा काम्यमरक स पोशिक्षपर तरक तार, तरकतारन मजात किन्येयस कि निर्मृतित निर्दाण विवृत्ति निर्येयस

विस्तार, पर, पर, परम कक परिरोजनीति परिरोजनीत परिमोख प्रणव बहुत्पद, बहुत्पून बहुत्वति यस मृत्यु, मृत्वित मोस मोन मोच्छ मीत धिवता धिमा पंडिति ! दे देवते !

१ नरक—१ 'नरक'। ११ वेंस—अंत बड़ो अध्यय वनसव माठ गात प्रदीकः। १२ सरोर---बंक, संग्र अंड संडा

१९ स्रिट्स्-चंद्र, बंध ब्रंड खंडा विद्यालयात्र, व्यवस्थी खारामा वारणाक केमेचर, काम कामा कालिक कुल लाए, खेड यात पाल कि यात विद्यालयात्र केम यात पाल कि यात विद्यालयात्र केम विद्यालयात्य केम विद्यालयात्र केम विद्यालयात्य केम विद्यालयात्य केम विद्यालयात्य केम विद्यालयात्य केम विद्यालयात्य केम विद्यालयात्य केम व

१२ स. प्रारीरिक---सांगिक नाविक

विस्तानी तरीये । १३- तिर—उत्तर्मण वपान चौपडी

मूंह मूंही मीकि थिर, धीश धीरे सर।
वे 'कोरही' ।
१४ चौद--वेदिया चौदी चीन धीरे
क्रिनु ।
१५ चेहरा--वाहरि बानन बास्य
मुख मुख्का च कर बदन ।
१६- मावा--विकट, कराक मीवि
वेदी बायमानि माक मला

पवारा वर्षा आध्यमाण भाक मत्या प्रध्य प्रत्यक अग्रव शावा सकाट सिकाट विकार :

१७. गावः—चेवनहा नौगा मास गर्स नामः, गावा नासिका धेन देट ।
१८. गावः—भग्या नासा मासाप्रदे सामाप्रदे नासाप्रदे नासाप्रदेश नासाप्य नासाप्रदेश नासाप्य नासाप्रदेश नासाप्रदेश नासाप्य नासाप्रदेश नासाप्य नासाप्रदेश नासाप्य नासाप्य

१९. मॉल — जीवती अंतिया अंतर जना नियं अविद्धी बाँची हैं तर जना नियं अविद्धी बाँची हैं तर जिल्ला के लिए जो जीवती के लिए जीवता जीवता नियं के लिए जीवता जीवता नियं जीवता जीवता नियं जीवता जना जिल्ला जीवता जना जिल्ला जना जीवता जना जीवता जीवता

चीरी नयन पुतरी पुतितना पुरसी विदास । १९ यक्तक----नदापटक चसूपट, चय चील दूर्यक्क शयनपट नियोकन नियेप नेतन्त्रद, पपती एक पक्षक

वारका वारकारक वास्त्र वारिका बीहा

मित्रप्री ।

प २३ g Ye ३६.कंबा—जंस अंस कंब कहा २३ मुँह—जेंगर, बाकृति जाया बानन बास्य च यिथा चौत्र होड काँचा कांची कारह, स्वया खवा निर्देश एंडि एंडी रहन वस्त मुँह मुख भुवमूक भुजसन्ति भुजसिर, स्कंब । रसद्या रसना सम्ब क कपन वक्षण नवन नाचा नाणी शकक शुरता। काकुळ कुलाळ केल येसू, विकृष, बटा, २४ हॉठ--जबर, बॉठ, बोठ बोव्ठ भूरफ, संब शाँट, पश्य पराम बाद, बाब, रंतण्डर, रयगनास रवण्डर रवस्त्र मुद्धेन रोग रोवां कोन वृत्तिन सिर्यस्यः रहनच्छर, विवोध्त क्षत्र सुविक्षी होता विशेषह. स्थाम । रेंप गीत-सर भीका बंग बतुकी बंदर **३८ वाल (औरतीं के सिर के)**---दशन दिव रव रदन। सक्क केशपास केशरमूह, बूटा भूपा २६- यतु---क्यीमी कच्चा कट्टा चहवा सोंटा । मीमर, भावः। ३९, बाक्र (ब्रुंगराके)-शक्त वृत्तित केव २७- जीम-—पिरा यो खबान जिल्ल पुरुष नैदयमक्य । विश्वा पौनि पौनी चीह रखका रसना शेवां—तनुष्क रोमा रोग कोन। रसमाता रसमात्का रखका रखोका ४१ श<del>ोबांच- स्वक्</del>युध्य स्वयंकुर, पु<del>वर्</del>ग रतास कतना अवको क्षोड, वाचा रोमांच रोमीदुमेव । वानी साबुस्तवा । ४२ **कोडी--भंग्**स क**कड कवरी मृ**टिया, १८ पास-कपोस गंठ नजुई, बससार। बोटी बम्बिक प्रवेची मीकिविसा वेची २९-कान—काम कर्ष समझह सब विकर, विका विचा विच भीव श्र<sup>हर</sup> मदम सदमेग्द्रिय सृति स्रोत स्रोत । धेकर, सेवर, सर, सिका सिका सिर रे काम का क्रेर---फर्बेड्डस्ट, कर्मक्रिड सीरक धीरव सीर्व। क्ष्मेरम । ४९ वटा--कपर्यक्र कीटीय, बटा बटी ११ कनपरी-अविमुक्त कच्चा कट, बूट, बटी जुटक बूट, बूटक जूडा <sup>ब</sup>ड कर्माट कर्मादी वंड वंडस्वळ। कम घट हस्ता। वेर युक्ती---चिकि चितुक, ठीवी ४४ ऑस्थिक अबू तंत्री तेवड, वेर <u>ब</u>ुर्वे ठोड़ी बाड़ी क्षाड़ी हुनू। भूव भू, युक्टी औह मोही। १३ परश्य-कण क्षंत्र क्षंत्रर, गर्दश ४५ वरीनी--विद्यालीय वक्त नेपॉर्क मका गिम भीव भीवा भीच नहाँ, जरक ने<del>षण्डा</del>ररोम यहा पश्म पपती नार नार, मौर, धिरोनि । वस्ती वरीनी रहिम विमे । १४ कं<del>ठ--१</del>००, वल शस्ता । ४६. वाही--चित्रक ठोड़ी वाड़ी रमण्ड १५ बॉटी-अबद्, क्वाटिका गटहै, हरू । मरदन गरदना निज निरमान गीम गीम ४७. मूंच--मलमोतू, यात, मुच्छ मौण, भीनी पाटा चाड़ चेना हेंदूता। स्मय् ।

यक्ष्प क	१ वर्ष
कांनी कानी कनुणी किनुनियाँ किनुनी किनुकी।  ७५ नासून—करकेटक, करणेत करण करस्य, कर्मुझ्य करण्य करोस्य कामाञ्चल किरमार, मेहूँ, नख नखर, नय पाणिल पुनर्मण।  ७६-सौर—उक्षण जर्लाम श्रीक संक्रम संकलार, कोड़ गोरी पुजान्तर।  ७७. उसर—कड्नुन्यरी कट्ट, कटि सार्थ कटी कडीर, कमर, करण कीट हिंग कमम कॉलीयह, मध्योग केड़ सोचि सोमिएकक।  ७८-किर—सारा डीटिंग उपल्य कंडर्- मुख नामाञ्चल जब्द पुष्टिम मदला चुच नुमेरिय, नेस्य सेव्हर सोमली रहि हासर सरक्रमा केड कडाक खोड़, कीट किर—सारा डीटिंग सहला चीड़, कीट किर—सारा डीटिंग सहला चीड़,	८३ पुष्प- वपान गाँउ गाँउ गुर- पुष्पक्षे पूछ पानु, नग मकार्यः विकानिर्गमान्यः, ह्यमहर्यः। ८४ कांध-वड तक बना वन्तः, कांच वान नान्, मुत्ता रान घरेदः राज प्रवित्व स्तामः। ८५ पुर्वन स्तामः वस्त राज्यः पारवाचि गाँउ पान परः। पान्व पांच पाने पान्यः पान परः। ८६ पुर्वन स्तामः प्रवा परः। ८५ प्रवित्व स्तामः १५६ वांच पान्यः पान्यः। ८८ तक्ता (परं का)-जान्ता तस्ता तक्ता पर्वत्व पान्यः। ८५ प्रवे प्रवे पान्यः। ८५ प्रवे पान्यः। ८५ प्रवे पान्यः। ८५ प्रवे पान्यः। ८५ प्रवे पान्यः।
छेफ, सतर, कावन स्वरस्तंत्र । ८ वौतिवस सवर, अपन सवाक्य- देख अपस्य श्रेपरेशिल श्रृंदर्गशस्त्र अक्षत्र कासमंत्रिर, गर्वहार, वर्वमुख	९ वसहा — सम्मी शब्दी वार्ष कोकड़ी वसही वर्स वास विस्त तर्क त्वचा निर्मोक सुरवारा। ९१ संस्य — बसवा बासिय
कर्मस्वादा याँच करमकर्त वारका पुण्णी अकृति अकृति शक्ककण वरस्वं कृत कृषि अकृत परिवादा सीतिक रित्रेष्ठहर, परिवाह, परि परिवाह परि अकृत परिवासिय, कार्यय संवादमानंक स्थापिक स्वरूप। ८ परिवास कर्मक्ष अंकृतिक अंकृतिक	क्ष्य क्ष्य गोस्त वोस्त वास्त्र तरह. पण एकस्त्र पास्त्र पिछित गोस मारा । २२ पण्डा— विश्व व्यक्तियंत्रमं विश्ववंत्रमं विश्ववंत्रमं विश्ववंत्रमं विश्ववंत्रमं विश्ववंत्रमं तथा विश्ववंत्रमं
सेंड्डा सीड़ सीड्ड सुधिया क्रोता दीना मुक्त रेट मुक्त नृष्टा ८२ भूतड़— करके पूरा नृष्टा पुरार पूरा मूतर, जबन मिर्टन पानु, सकड़ार, सीडिं।	९४ जून यस समुक कोषण कठन जून पक्तार, राज्य रका राज रका रखमन रससमन सीमर, सीहर, रोहिए सङ्ग कोह सीम शोधित सीनित।

वर्ष ७	इ. तर्रफ
९५ ७ वातु मस्ति भग्ना गाँस गेद, रसारम सुक्रा	मस्तिक मस्तिष्कं मस्तुकृपक मैजा समझा
९६ नक्षनस वससा स्यायु स्नासा । ९७ ना <del>ही</del> पमनी नड़ी नस्त नरी	१ ९. फेक्स — स्टोम विकश मुरुनुकी फुरकुत इस्य ।
नस नारी रज सिरास शार । ९८- वेंतड़ी— नंतड़ी संतावरी अन वेत्री जॉट अस्टी पूरीत कार	११ क्योजा
नेपड़ी। ९५ <b>हर्<b>डी</b> चरित्र क्षीकत कुल्प मेदज</b>	१११ यङ्कत—करंडा कालम काक्यंत्र कालबंड कालेय विवय, महासायु, यक्रत ।
वेदोत हुन्द्री हुन्दरी हुन्द्र, हुन्द्र । रै॰॰ ठठरी- सत्रतस्पत्रस्य सारिवर्णवर्द्यः कंकाल ठटरी ठट्टी ठडरी पंतरः	११२ तिल्ली पुरम तापतिस्थी पछई. पळ्डी पिछ्डी पीका फिहा फीहा वरवट।
नीन, हरावरि, हरावन। १०१ कोनही	११३ वर्षायस्य चष्ट, जसम् कृषि कोल वर्ष गर्यकोस जल्द, स्टाम्, बीव्य स्टा वेट, वेडू बण्यादान बण्यादानी। ११४ सलाजस्य कोल कोल्ड, मसकोल्ड महास्य।
१ स्रोक का योक्त कोया योक्तर नैनरिट विद्रातः १ वे जबका चौथक चौहक जना बाद्र कंटा। १ र वैतनी चौबकी पंजर, पैजरी	११५. वाळाला—गतीव गृह, मूं यूव वर्षस्क गृह, साझा टट्टी पुरीप बीट, जन बैसा विट विट्टा विट्टा धासता
पैतुकी पत्रसे पचुरी पर्युका शास्त्र भारतम्भिता	११६- पाळाला होना दुष्का करना करना अवस्त्र बाना लाड़ा फिरना
रे ५ रीइ-क्योबशा वृष्टबंड वृष्टा स्वि वैदरंड रीड़ १	टट्टी होना दिया होना बोताबास होना नदी जाना निपटना निमटना पेट जनना फगानित होना बहरे जाना बडी
१६ कुन्हा—वस्त्रिक्षेत्र कॅटिनर, कुन्हा द्वन्हर । १ क गाँठ—अस्थिकंपान श्रव गाँठि पोड़ बंद, सीमन ।	विमायत भाग विमायत भाग मैशन दोना योच हाना द्वाना बहाना यावर करना यीचरांचा वण्नाः
रें°८ दिवाप—अक्त बीट गीर्ट ताल ताल दिवाक बुद्धि वस्त्र अस्त्र	११७- पेसावउच्चाद, मास्स दिशाव प्रसाय मत्र जत्र समुख्या ।

4 114 P mY # 2¥8 ११८ पैपाव करना—कोटी विकासत १३ सन—अंत शत शंतकरण शंतर वाला निर्देक होना मनना स्वयद्धीका वनवंक इच्छा इसका सर विश्व वेट **8.78**( ) जिय भी तबियत मनवी मानस ११९ अदि—अंगुरा अस्त अस अस. विचार, स्वांत हर, इद्य । ममूत्रा वस यस, बाध प्रकृतस १३१ मस्तिष्क-चेडन विमाय-ने टम्बा टिम्बा नेतहक नेवास्त, बाध्य 'मधि'। रोदन सोच बार्यः। १६२ वदि—अकस अवस वेतना जान पारका वी बीएमा प्रजा १२ रोना—आठ सीस रोना सीस निराना बौस बहाना कमपना अंदन प्रतिपति प्रतिका प्रेका बोब सर्वि मनस विज्ञान संस्था समझ 🖂 करना किकियाना विविधाना शार्डे 'मसिएक। मारना प्रकाप करना विविधाना पाव १३६ दिस—वार्यतर, प्रक्रंप वद काइना ददन करना रोना विख्याना जरस्, करेजा क्लेबा वट दिल वन विकार करना सिटकना मूनुकना । है हिम किमा हिय क्रिया क्रिया हिरमम 'ਗਿਲਾਜ' । १२१ पनीमा—अरक जप्मा ताप पंता हीन हीना हीय हीयच होना 💽 प्रस्वर समबारि समबिद्द, समसीकर, ह्रदय । १३४ इंडिए-अश इंडी करण हति स्वेद, स्वेदन । गुगकाल यो, बहल झामेंद्रिय विवयी, १२२ वृक्ष-कष सँसार, वीक सार रनेप्मा साला गुनिया स्थानिनी। हपीक । १३७ २ इंडियां- क्वेंडियां बार्नेडियां। ११६ वॉटा-नवटी शासासक सेटा १३६- ११ इक्रियां—५ कर्ज शरियां ५ नियाल । ज्ञान इंतियाँ १ सन्। १२४ वित्त---विल जनस उपमा विका १३७. ४ अंतर्रेडियां जहंगाद, निर्व वैत्रत् वातु पत्रत्वतः मास् श्वनः। वदि मन। ११६ कड-सेमार बळगम ब्रोटमा । १३८ ५ कर्वेद्वियां---दशस्य नदा पैर १२६ क्वेंबर (बाँव का मेल)—शीवह र्वेद्र हाच । कीकर, गीड़ कुणिका नेजसल । १३९. ५ जानेरियी---जोब १२७. सॉट---वमन और विजुता। गान स्वचा नानिया । १९८ रम-मार्तन चनु चनुसान १४ यर्ग-सर्भ अर्थक udfire इत्र पुण नानिस्वर्ग रहोवर्ग स्त्री पापक पेट, भ्रम इक्त : वर्ष । १४१ वर्ष पहुना<del>ः वा</del>ना बारी द्वेताः १२९. बीर्य---अह इतिय जीवन सेज नामा होना नमें रहना येट रहना, नेर बीव रेत बन्न कार हिरूच होट। गे गरना पैर वारी होता।

१४२ जी<del>यर---भवरमा</del> जागु, जिंदवी वीवस्कात वयक्य।

4 52.5

१४३ वर्मायान--- एर्मवार्थ धर्मस्यिति। १४३ व पर्मपात--गर्मनामा गर्मकाम। १४४ <del>काम-उ</del>त्पत्ति जनगम जनमन ৰণৰ ৰদম ভাত বীহাছভ সৰ नेन प्रसम् प्रसूत्।

१४% <del>वस्त केन्द्र उ</del>पना स्वरना प्रसम्ब होना जनमना जीवन पाना वेह-मारच करना निकळना पैदा होना धसार में बाना।

क्लिम-के 'बरल'।

१४६ वनना—बादिर्म्त नरना चल्पस करना अनुन भ्रष्टना अनुनी होना भग्म देना अनुस देना निकासना पैदा करना प्रसद करना बच्चा देना विमाना म्बाना ।

१४७. नामकरच---नामकरन नामकर्नः। १४८. बच्चाधन-वनग्राधन W27-वन पसनी पासनी।

१४९. मुंडन-केशकर्य केशान्त सीट, शीरकर्म चढाकर्म महाकरण वपन । १५ महोपबील-उपनवन बनेडः, वनेव बह्यसूत्र शतसूत्र शतबंत्र । १५१ विवाह---उद्वाह, छपयम अपयाम करपड, करपीक्ष कुडमाई चारकर्म चार परिवद्य निकाह, निवेश परिचय परि मदन पाधिप्रहुल पाणिपीतन निवाह वियाह विवाह, स्थाह जैननी वरपान पारी संबंध सपाई, हबलेवा ।

१५२ ८ विवाह—कार्य आमुर, गान्वर्य दैव पिशाच मजापत्य बाह्य राधस।

१५३ गौना-पत्रन गवना हिरायमन दुरागमन मुक्कामा विदान १५४ मृत्यु—यतं अंतक अंतकर,

म १५६

अंतकर्ता असकारक अंतकारी अंतकाड बंतकत बंदगति बंदचम्या बदसमय क्रांतिसमाचा अत्थय क्षत्रसाद अवसादित बदतान इंतकाक शतकमय सपरित कदम्बरिक् कदम्बरिक्षण कवा करमा कर्तन काल कालवर्ग इतान्त सम कातमा शंगायाचा शंयाकाम गमम यमी अवर्वतक विष्टान्त वेहान्त वेह त्यान वेहपात वेहपाता वेहानाय बेहाबसान अस्त नास निधन निपाद निमीकन निकृति नैधन पंचता पंचत परकोक्सभन परकोक्सास परिसत प्रकार प्रचास प्राचल्यान प्राचीत गरम महानिद्रा महाप्रस्थान महायात्रा मोख मोख मोच्छ मीत व्यापित व्यापद विचाक चरीरहमान घरीरपाठ चरीरान्त पश्चिकार, स्ववंदामा स्वव<sup>ह</sup>-रोडन संस्कान सास्त्रिति स्वपन इत्ता। १५५ नरम-- अवदान होता पंगासाय होता गोलीक बाता वक बसता बीला

विषेयत होना भुकता वेहान्त होता नियन होता निपात होता निर्माण होता परकोक बाना धरकीड विदारना प्राच त्याचना प्राणान्त होना मरहम होना स्थर्वे सिधारमा । १५६- गारमा—कपरकृट करना कुटाई

क्षीश्रमा कोका बदक्रमा बाम जाना

करना पृष्टना यत धनाना समक्ता यमध्याना पहरता बहुराना छोत शास्त्रा टॉवना स्टाल साम्रम क्य-

यानुकी

बातुकानी

१५७ मरवला (कान से)--कटवाना चून करवाना सकताना भवाना अव बाना मरबाना इताना इतनाना इत्या

नाराचंडी

-

प १५७

राना बूरमा शोहबाना पीटना पीटपूबा करता स्त्यमर्थन करना कवियामा ।

१५८ नारना (बान से)-इराज करना

काटना खत्रमं करना कृत करना शाकना नेम करता क्षमता इतना इत्या करता।

१५९- धम--वदीत कुचप किविन्जैन

भूमिनबंत नुरदा मुद्दा गृत भृतक, युत

पुरका पुरका पुरिका पूर्वन नुकृषी।

१६१ वादा के जिला---नवब्रधाना पर

१६९ वावा (पिता के पिता)---भाजा

पिता पितामह, बना बाबा।

मार्थक दवा दावा बाबू, परवाबा चितु-

१६३ वली (पिताकी बाता)—सामी

बारमाँ, ऐसा वाची पितामही बड़की

१६४ नावा का बर---वनिश्वास परि-

१६५- वादी के फिला का कर--अजिमीरा

धरीय, ठास कोच कोचि सव ।

१६ पूर्वम—राष्ट्रशंस

बादा प्रशिवासहः

प्तम परिवादर ।

नाई।

वितोम--दे जादर करना'।

करवाना इनवानाः।

याम । १७१ मामी (मामा की स्वी)—मातुल <u>यात्ऋपली</u> मर्दि । १७२ जामा का सङ्का--मातुकेम ममेदा। १७३ नाना का कर-ननशाद, ननि-

मार्चमस्टर ।

भीरा गतिहास नानिहास। १७४ पिता--अदिति सम्बा किनस्य गुड च कनक जनन जनसिता वनित्र

बम्भर, बस्य डोक्स तात लि⊈ पितृ पित्र पित्रद, प्रकापित क्य क्या वाप बापू, बावा बाबू, मुक्क बाहिय। १७५. ७ तरह के बाय-अमन देने वाकी. बूक जन्म देने वाका पाकन करने वाका. बका बाई, संब देने वास्त स्वसूर। १७७. गला—अंबक जंदा जंदाकिका

१७६. सीतेसा अप---कठनाप र वाकिया । माता - रपुरी । सीतेकी मी-उपमाता दुमारा,

अधिका वदिति सम्मौ अम्मा मी जननि जनयियो जननी जनि जनि<sup>वी</sup> बनी क्लोबकी का भात्री पसु, मतरिका भवारी बहवारी नी मा साध मार्च मातु, मातू मातूका माथ माथा वैवा १७८. योग्य पुत्र करवज्ञ करने नामी नाता-- सपूरी । १७९. अशोध्य पुत्र प्रत्यन्न करने बाकी

नतेई, मैना विमाता ।

दरिमीय । १६६ नृत बार दावा आदि-अंध बपका पितर, पितृ। १६७. गला का बाय--परनामा प्रमाता-मह। १६८ नामा (बाता के बिता)--नद्या

माताबह, भावपिता भावबह ।

मी, मन्मदात्री माता हुन पिकाने वाली राई, बाह्यकी मरतमनि राजपली। १८२ इपमातः-अमा सपनाता भागी।

१८६ पुरी माता- क्रमाता बुमाता। १८४ धाता पिता का प्रेम-नात्सस्य ।

१८९- तक (बाप का बड़ा माई) — वामा चिवम्य ।

१८६ तक को स्त्री-ताई। १८७- थाचा (कार का छोटा माई)—

क्का काका चचा शाळ, पितृस्य। १८८- बाबी (बाबा की हमी)—काकी वबी ठाई।

१८९ सबूर (पति या गली का मल)--भावा शतानीक स्वसूर, ध्वमुर, मसुर, समुरा भूतचा स्वदार, स्वनुर । १९ सस्त्र (पतियापस्त्रीकी नातः)

—मार्मी मय्या स्वभू, तानू । १९१ अनुर का धर--नमुख तनुसन पायच साम्द्रम्थचक स्वत्चक ।

१९२ साला (यस्ती का भाई)— बारमनीय भारतीर, स्थासक स्थाका म्बसूर्य शिक्षार, स्वाक स्थाका । १९३ साते की स्थी----सरहान संबद्धन ।

१९४ ताली (पतनी की बहिन)----स्याकी सङ्बाह्त । १९५ तार का सार-शरहरा।

१९६ सार का बेटा-सरपून।

रिष्य सदका या शहनी का लसुर---धनकी सम्बन्धी । १९८ समुक्ते था अनुकी की शासु--शम-

बिरा

२ ४ भांबा (बहिन का क्रमुका)---जामेय बहुनौता अपना भनिना मि तिथ सरिनीय भविनेष समिन्य मान-शय वाधिनय भानवा मैने स्वसीय।

सुसा स्वसा ।

पूर्वजा बद्धन ।

२०५, भांबी (वहिंग की सड़की)---श्रविविज्ञा सर्विना समित्या भैने स्वाक्रीमा । २ ६ कूमा (जिलाकी बहन)—जि<u>त</u>

ध्यसा क्रुकी क्रुकी क्रुक्त सुमा सूमा भगा। २ ७. कुका (शिला के बहनोर्ड)---প্ৰকল ক্ষুদ্ৰ কুন্দ্ৰ।

एक समधीकी मा-समधित।

ए**०१ बहुन---**जामि जीजी बहुनेकी

बहित बेबे समनी समिती भेग भैता

सहोदरा शहोदरी सोदरा होएरी

२०२ **वही शहन-अ**धना निनिया

भीजी चेठी केटी हिटिया धीडी

२०३ जीवर-धामहासक पाइन महनेळ

बहनेकी बहनोई, ममिनीपवि स्थास ।

२०८ माई ( फुडेरा )—पिनृध्यसेगी पितृष्यभीय । २ ९. वहिन (फुक्रेरी)—रिगृष्यदेशी

विवृष्यसीया । भागा भौतिमा।

मानुभविभी भानुष्यसा मासी।

२१० भीसा (बीसी का पति)—सान् **१११ मोसी (मातर की बहन)---बा**सा **4 519** 40 म १२७ २१२ माई ( मीसेरा )---माराध्यसेव **परनका परनाका बेट, डॉगर, रून**ह, माराष्ट्रसीय । बुस्हा वब वनिक वनी नाम पर २१३ विद्वत (भीतेरी)--मातृष्वसेम पाणियाह पाणिश्वाहक पित्र पिया पियु मावृष्यसीया । पीठ पीय पीच पूक्य प्याटे जो प्रचमी ए१४ **नाई---ब**न्न शांति वन्तु, वस्तु, যাম মাল্ডীৰল খালনাৰ মাল্ডটি बान्वव विरावर, वीर, बीरन शहरा प्रानप्यारा प्रानिधिय प्रानबस्कत प्रामी-मान मैदा भारत भारत विराहर. बार, प्राचाविक प्राचेश प्राचेश्वर, प्रिन बीट, सहोबट, सोबर । प्रियतम प्रीतम वक्रम बस्कम बाक्रम २१५ नाई (समा)---पात वतार, थरतार, भर्ता वर्तार, भर्ता, चाता मौदासा मादरकाद समर्थ चर्चाए, ननम भई मासिक, मिनी या-संगा स्थानीयर, सहय सहोवर, सांदर, बुध रमण रदन करन कका कका धोसीम सोवर सोवर्ष। बीए, श्रीकृष, सदमी सबन साँधे साध २१६ द्वन भाई--फोका वामाई । सार्थ, समा सेवा स्वामी बदवेस बस्वे-११७ नार बारा-भारत मार्श-बारा समार १ भावप सैवाकारी। २२% क्ली—वर्षायरी २१८ वहा नाई-सबस अध्यक्ता भीरत क्वीका कक्कम कान्ता वेर अजिम अप्रिय वदा बाळ दादा दाई. बृह्यी गृहिजी बेहती घरवासी घरतीं पूर्वेस पूर्वेशम्या भग्यामी वर्षे । **भरवासी चरवदारी बनाना म**नि

११८ नद्दा नहीं—जदन व्यवस्था सिम विध्य वदा वाक वादा हाहू, पूर्वन पूर्वनया मध्यानी वर्ष। ११६ मानी—स्वानवी वापच धील भीतार्क, मीनी चालवेहिंगी चाल् सामा चाल्यामी चाल्याहिंगी चाल् स्वान चाल्यामी चाल्याहिंगी चाल्याहिंगी १९६ मार्ड (क्रींटा)—बनुन जर्मा कन्मभाता हुन्। १९१ मेरी मार्ड की श्री—स्वाह् स्वाहः। १९१ मतीवा—अंगीय चाल्य चाल्याहिंग स्वाहः। १९१ मतीवा—अंगीय चाल्य विध्याहिंगी १९१ मतीवा—चाल्या। १९४ मतीवा—चाल्या।

वार्न दंग इत देख देखिया देखर,

भंग भंग कांग्र सोगी बातम ब्राविट

२२७. क्यपंति--अपपंति वरवसा बाद

मुच्द, शह ।

भनका जिनका थार।

२१८ वपराली-करीत लपता गृहीता परमाती शेष्ट्रमा मयलका मताही प्यनी रखेडी सुरेत मुरेतिन हरम।

१२९. बैद्धा से प्रेम करने वासा-नामक वैशिक्त ।

२३ सप्तरी-मित्रहामित्री प्रतिकता पीत सप्तिक समानपतिका सक्त वस्त्रीक वीक वीकन वीव वीवन

बीवर्ति सीतित । २११ सपली का जाय वा धर्म---सामस्य सीमपन ।

**९६२ यत्मी की छोटी अहम---यशिका** । रेरेरे बह--पुनरम्, फ्लोह् प्रतोह, बम्, बम्दी, बहुरिया बबु, भूपा। ११४. विका का घर-नीहर, पितृगृह

पीइर ममका मायका सैका। २३५ विमानपुरक स्त्री या पति का संबन-पाप--- तमाक विलाक संबंध विष्येत्र ।

११६ पविथा चली की बाबी-दिवया नान । **२३७- वर्ति या वल्ली के बाबा--**-वॉवस सनुर ।

रेरेंद्र पति वा कानी के माना-नियाँ नगुरः। ११९- वर्षि या वस्त्री के कुका-पूर्विया

बनुद, द्वदुवा समुर । १४ वनिया वाणी के माना---मनिया नगर ।

नेवर बरियाक्षणी वर बोहर---अपनि मा राजी दंसीन संस्ती हन्द्र मार्यास्त्री।

रेगर समूर (क्षतिका बड़ा आई)---

मसुद, भाई भी। २४३ देवर (पति का छोटा माई)---क्षेत्रर केनरा केन पतिकाता नवुमा बन्धाणी वान्।

बेट. बेटवत बेटवर, बेटरा क्येप्ट

२४४ नगरीई (बति का बहनोई)---सन्देशः, भाषोई । प्रथम, नज़द (यति की बहुन)--नंदिनी तमेंच मनश्री मनांदरि, ननाव मन्द्र, तन्त्री ।

२४६. स**न्ताल-अ**यस्य उम्बत्र सीसाद बोबबमन वंद्र तीवी वोक नुत्स्र पंचय परिवाद प्रजा प्रसव प्रश्नति वेच वचन बंधनरः बंधपरागरा बच्चा वासवच्ये सङ्काबाका सन्तरित सर्वे । २४७, सङ्का—संपत्र अर्मेक श्रील किसीए, बूँबए, कुँमरैटा कुँबए, कुमार,

चित्रा कावड़ा काव चैवा कोक्य

क्षोरा बातक टावट टोसा कावद हिंब दारर प्रसन बाक्क बहु, छात्र सीमा धियु। वै पूर्व । २४८ सर्की-ने पूर्वी । २४९, बर्मेलंकर---मरजल अध्यादी क्रमञ्जनत निपुरव दुष्य जारम बोयला चीवड धीवड़ा पारामस

बरमसकर, रमजना शामजना शंकर. संबद, हरानवाश । ३५ <del>पुत्र⊷शं</del>गद संगर्ग क्षपत्म आरमय आरमगीय आरमम औरम **अ**तेनार पुत्राट, पुत्रपारत विज्ञा धीरहा स्रोक्त याचा प्रोहण कीए क्ष्य जा, वाल डॉटरा डावरा, होटा क्षोडीना तत तमा वन वन्त वन्त

म २८५ ८२ य ६११ केवट, कोल जमार, डोम दुसाव वोबी **२८९, पडि—पड़ि पडिय** 1 मट पासी भंगी अर, भी<del>त</del> मुस**इ**ए, २**९ मुल्ड**-सृदका सृकुतः । २९१ मिध-मिधा मिसिए । वेणुकब्याचा **२९२ कविय--धन श**नी साम वासि—वासपव मास्पद कुटुम्ब कुछ कानवान मोती नोत्रिय काट क्षत्रिम कमी द्विजार्किणी नायि पंक्ति परिवाद, विरावधे नुष पार्विय कार्यु, बायुसाह्य बाहुअ मुर्देक राजस्य राजा दर्गा विराज र्वस वर्गसेयी। दे 'वर्ग'। ३ १ **वर्गा**—कविय **व**तरी केती। विराद्ध सर्वजीम । २९६ कत्राची-श्रविया शनियाणी ३ २ **कशो-स्त्री—ब**त्रसनी वत्रशी श्वित्रमी संत्रीपत्नी खबीरनी खतरानी भागानी । **७**नानी महाराजी चनपली शती ३ ३ <del>कायस्य उध</del>नवीर, कावव मुंबी बीरपली मौरमाता बीएल्या। मुंसी कालाः १९४ वैदय-वर्ग क्रमा क्रमा गुप्त ३ ४ काय<del>स्य रजी</del>—कामनित कैविकी द्विच पनित्र बनजकर, बनिया बैस्य मुंधीबाइन समाइन । चुनिजीवी मूमिस्पृक महाजन मोदी १ ५ **जहीर---**महिए आसीए ये**नु**रु वित्र वार्तिक बिट, विस व्यवदर्शी मीप गोपाड गोसंस्य म्बाड मार्ग भेष्ठ भेष्टी साहु साहुकार, सेढ सेटी। यास्य बल्कन्। १९५ <del>वैहय-हती - द</del>र्या नवीची नवीं ६ ६ अहिरित (अहीर स्त्री)—विद बनिगाइन नोदिनी मोवियाइन रिनी बामीरपली बामीरली बामीय भौपस्त्री वीपी ध्वाकित महासूत्री । बैरमपली बैरमा सहबादन सहबद्धि । ३ ७. कोइरी—काकी कोनपै। ३ ८ कोइरी स्वी--वाक्रिय कोइरिय । २९६ सूत्र-अत्यम मेरपणन्या बोख-वर्ष बक्का उपासक चतुर्व चौडाक ३ % कहार—कमकर, ब्रह्मरित बीमप् जनम्य जनमान वास क्षित्रवास विज-पनभरी पनक्षरा महरा स्टेबमारी रीवक पन्त्र पादध कृपक सूद, **११ अक्वारित (क्हार-स्त्री)**—कमकरित सेवक इरिवन । कंड्रारिम कहारी थीमरिम पमकर्ति **१९७ सूर-१मी--संत्यमा** स्पातिका पनमरी बीवर, पत्रहारी महरिन दासी भूड-पत्नी भूडा सूचिन महरि । सेविका। १११ भारि-अंदवसायी कस्वर **स्**री **१९८- चौडाल-अंत्यन अकृता अस्प्रस्** सीरकार,#**गैरी धा**मको चंडिक ठ**नु**प ৰ্ডাল অপ্নয় বিৰাকীয়ি আচৰ বিশাকীবি দক্ষকুহে, লাড, নাডচাৰু দ पुरुष्कस मार्त्तग श्वपण । नापित भ्यायी करकट्टा भोडपुर २९९. 💶 चौडास वासियां---विरास मुख बारसीनुत सैनी इजाम हरवाय ।

**# 87%** य ११२ 63 ३३२ वहर्ष-श्ती---नवदम । ३१२ नाजन—नाइन माउनि । ३३३ वहेरिया- जनपोपी जजाजीनी १११ वारी-पत्राजीवी पत्राक्षी वद-गडेरी अरमाहा वावाल भौकी। भेडियाचा । ३१४ वारी-सरी---वारित । इक्ष ग्रहेरियान्त्यी—महेरिन महेरी । ११५ वर्ष-- धरबीका वस्त्रीकी। **३३५ सोनार---कतार, नाडियम पश्य** ११६ वर्ष-स्त्री---यरहन । होहर, मृष्टिक दक्तकार, शोनी सेट ११७ तमोची—तमोकि संबुधी बरदी। ध्वार्यकार । ३३६. सोनार स्वी-सेठानी ११८ तमोली-स्थी--तमोजिन वरदन । ११६ वेसी---कानु, चाक्कि वैसकाद स्रोकारित 1 **३१७. रवॉ—सबी**फा क्रिमी तुसवास नुसर । दरशी सूचिक सूची सूचमित सीचि १९ तेकी-स्थी-कनुवाइन तेकिन तैल-सौषिक । कारित । ३३८. वर्षी स्त्री—सक्तिपादन **१२१ व्हेल—¥ंतकूट्ट, इटे**स तमेस हर्जिबाहन समाये। वासकुर्ट वान्यामीनी खील्चिक । **३३९, कलवार--क्या**र, कसाल मंड १२२ व्हे<del>रा स्त्री---</del>ड्डेरिन । हारक श्वी शीविक । वैरवे कुम्हार---कुंशार, कुंशकार, कु<del>काक</del> ay क्सबार-वर्गी-कक्बारित कवारित। भौद्दाद घटक घटकार, घटजनक । ३४१ सस्ताह--क्येबाट, केवट, कैवर्त १२४ <del>दुम्हार-स्त्री--कुं</del>मारित कुंमकारित क्षेत्रक खेवट, आक्रक दास भीवर, भैद्धारन श्रीद्यारित । नाविक मैसाकावन मकाह, नौसी । १२५ <u>करबी—कु</u>नबी क्रमंत्रंशी ३४२ सस्ताह-स्त्री---नकाहित सस्ता-क्पींग । हिन माधिण। वैदेश- कुरमी-स्वी--कुनवितः सूरमितः। **३४३ शसी---पुर्णकार** १२७. वनिया---परमुनिया पूर्णाजीवी बनार्चक बाधवान माहाकर, मोरी । े १२८ वनिया-रजी---वनिजाइन - वानिन मासाकार, मासिक । **३४४ अस्तिन-पूर्णकाबी मसिनियो** मोरिबाह्य ( ं <sup>१९९</sup> स्रोहार—समस्कार, कर्मकार, कर्मार, माकिकी माकिकी। ३४५. बीबी-कर्गेकीसक भावस निर्वे चुराद, कोइकारक कीहकाट, व्यक्तिर । वक नेजक, वरेठा रजक धीचेय । ११ कोहार-१त्री—कोहादन कोहारित। ६४६. औतिम--पोशदन घोषन निर्मे रेरेर बहा-कान्डकार, बावी तती बठाइन बरैटन वस्त्रही वर्षकी सूत्र सूत्रकार, स्थल्यन-नारा रजकपती रजकी शीवेगी।

य २५७	८ प२६९
तर्न तनीय तात पामाव वारक गंग नंदक गंदन परिवर्धन गहुक नांववर्धन रिसर, प्रतर प्रतर्धन वारक वेदा अहता काम वेदा अहता वारक प्रतर्धन वारक प्रतर्धन वारक प्रतर्धन वारक वारक वारक वारक वारक वारक वारक वारक	नंदगी निवेशी समनी पुलरी पुलिश वाला वाक्षिका सिटिया विद्री वेटकी वटी मार्ड मोर्ड नक्ष्मी की विश्व पुटा एववा । विकोश— वे पुत्र । पद्द पुत्री का पुत्र — कुटम इंद्रम बोसला घोडिल बोहिल मण्डा नवाल मार्ड मार्ट पुत्र पुत्र वेदकी पुत्र — कुटम वेदक वेदक वेदक वेदक वेदक वेदक वेदक वेदक
पोदी पुत्रासम्बा पौत्री ।	धानगरनोदीः।
२५६ दुव के पुत्र का पुत्र-पदपुत पनाठी परपोता परपीत प्रपीत: १६ पुत्री-संगता संगवाई लंबना सम्प्री सारमता सारपोत्त्रस्या करायिका कर्णको कृष्या कुमारिका कुमारी	स्नेतिनी ।
कोकरी कीरी कीड़ी बनी का बाहै बात बाता वामि बीवरी बीटी तलमा तनुना छनेया छन्या सारिका बुक्तरी दुहिया भी बीजाता भीवा भीवा लंबना	विष्णेत्। विष्यो । १६९- विषोतिनीविमोपिनी विष्यै

चुद्दाविक साहागित सोहाविक सीमा-भिनी सीमाध्यक्ती । २७१ विषया---व्यवना सनावा अपित एक्नेची धासिका पतिष्ठीना वेवा वित्ती गती रेडा रोड रोड विवस विस्वस्ता । १७२ परिवता-कुछवय्, गुजबीरि, तप रिवनी पविदेश पविषयायका पवि-

मन्ता परिवता पृति पाक्यामन संगका

मनस्थिनी संतर्वती सदी सामग्री सामग्री

२७३ कुलबङ्--कुकबती कुकबती कुक

मुचरित्रा ।

वन्ये। २०४ रॅंड्झा (जिल्ली स्त्री घर नई हो)--अपलीक रंडामगी रंडूना रेंडाय विष्टु विक्रम । २४५ दूरमी (समाचार पहुँचाने वाकी स्बी)—सर्वती बुट्टनी दुर्नेया दृतिका दृती भिक्षकी भूका

वास्पहारिनी श्रमकी संचारिका संवेध एप समिती सारिका श्रमणा। १७६ परनारी-परतिरिया पर्शाया पर्धास्त्री सूत्रा । रेक्फ सची-अंत पूरवारियी अंत पूर पारिका बनी आति आती पूरिंगी भवन्ता महस्त्रिका वाक्षिणा शिर्म पारिका शेवना सविनी सहयो सलि वर्षाची सरस्वती सहचारिनी सहचि सहेनी साचिती सैरंप्यी हारियी हिन्नु।

जीवरपति पतिचती पतिवाकी **अ**यटी योध्याँ योई, बोस्त नंदींबर्दन अस्मिह, नात्यन बार, सँगाती संगी सँगाती समवा सनावा समल्का सावित्री सुवासिनी सुभया सुहायिन सुहायिनी सबी संबा सहबर, सहबार, सहबारी सहपाठी साथी सहद सीहद हिठ हिठ क्षिपी । २७९- धार्च--वशक्ती अमहित अपक विभिन्न वरि, महित भारात कृतमात वानामीर, शुक्र व पुरमन द्विपम हेपी परिपंधी प्रतिपक्षी भीरी मुकाबित मुखालिक रिपु, विशेषण विपक्षी विरोधी

वैरी साधका १८० समयसक-वोडी-पाडी चरिया समीरिया सबस स्मिष्ड हम-उबर । १८१ वर्ष-शांति बरन विरादर भाई। २८२ शाहाच- मध्याचा वर्षातक पुरोब कुलमोप्ट, गुरू प्रयोक्त वर्ग द्विम हिमाति गय पंडित बाइन बाह्यन निम बहुग मुदेव मुनिदेव मूमिसूर, भूरम्, महाराज गहिसूर, महीसूर, मैच यजुबर, बरकम बामन विभ पटकमी मुक्ट । १८३ बाह्यणी---गॅरिकाइन पंडियानी वीयनी वीन्ह्रनी बाह्यम-थली महा-शक्ति । **२८४ जूबिहार-धूरहार** मूमिहार, अकुद, भूमिहार बाह्यच । १८५ विवासी-विवाही तिपारी विवेशी। २८६. चौबे--चनुर्वेरी चढवे

१८७. मोरा:--सा । १८८ प्रवास्थाय-उपविधा प्रयास्था

बपाध्ये ।

च २८९	.च <b>ग ग ग ग ग ग</b>
१८९ पाँचे—सीई पाँचेय । १९९ मुक्त सुरका पुरुक । १९९ मिस—सिन्ना मिसिर । १९९१ मिस—सिन्ना मिसिर । १९९१ मिस—सिन्ना मिसिर । १९९१ मार्ग निर्मा कर्मी हिमारिका नामि मिसिर कर्मी हिमारिका नामि मुग पार्थित बार्ग सामुख्य एक्ट पर्वाप पार्थ कर्मा हिपार्थ कर्मी हिमारिका सिन्मा सिपार्थ कर्मा निराम सिपार्थ कर्म सुर्थ कर्म निराम सिपार्थ कर्म सुर्थ कर्म निराम सिपार्थ मिरिल्मा । १९५ क्रेंस्य—सर्थ ठम्म ठम्म मोर्ग सिपार्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्म सुर्थ कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्म सुर्थ कर्म सुर्य कर्	क्रियं कोळ चमार, बोम दुग्रव कोमी नट पाती जीया प्रताब कोमी नट पाती जीया पर, मीक मुख्यूर, केनुक व्याव ।  बारि—नातप्य बास्म इट्रान कुक बानपान कोसी कोमिम बार पंत्रित पति परिवार, दिग्रारो के को बेची । वे 'करें ।  १ कामी—सानिय करते बेची ।  १ कामार—कामग्री, कामम मुनी मुंची बाखा ।  १ कामार—बिंद, कामी, नोत्री मेरा गोपाल गोधका मात्र बाला वाद बल्लव ।  १ कामिर—वादि बानी, नेप्युवि पोपाली थोपी व्यक्तिन महोत्री ।  १ कामार—कामार कोमरी ।  १ कामार—कामार कोमरी ।  १ कामार वास्म ।  १ कामार वास ।  १ कामार वास्म ।  १ कामार वास ।  १ का
चंदाक वर्गमम दिवाकीति प्रस् पुरुवस मार्गम दवपच । २९९ कुछ चौवास कातियाँकिरास	दिवाकीति नजबुद्द नाळ, नाठअङ्करः नाधित स्वायी बरकद्दा भाष्पुर सुद्ध बास्तीमुत्त सैनी इत्राम इत्र्याम ।

4 1 2 2 43 4 33.8 ११२ नाजन--नादन माउनि । १६२ बहुई-श्मी---वदरन ! १११ मारी-प्रताजीकी प्रताकी अक-३३३ गहेरिया<del> व</del>णपोपी अजानीती भौगे । सभी गडेपी करवाडा ११४ वारी-स्त्री-वास्ति। मेकियारा । रे१५ वर्ष--वस्तीवन वस्तीवी। ३३४ गर्वेरिया-स्त्री--गर्वेरित गर्वेरी । ११६ वर्षानभी-न्वरहरू । ३३५ सोशार---क्लाव शाबिमम पश्य-११७ समोबी---तमोकि ব্ৰাপ্তিক धोहर, मध्दिक, स्वमकार, सोनी सेठ र्षांबुखी बर्द्ध । स्वर्षकार । ११८ संगोकी सबी--चमोकिन वरवन । ३१६. सोनार क्वी--रिठानी ११९ ते<del>की का</del>नु, चाकिक रीसकार सोनतरित । वृसर । ३३७. वर्**र्जा—स**ळीका छिनी दुसवाय १२ ते<del>की पत्री---कत्</del>याद्वन तेकिन तैबन बरबी सचिक सबी सत्रमिद सौचि कारित । सीचिक । १२१ ळोच-कंपकुर्दु, व्हेच वमेच वद्यः वर्षा स्थी<del>---वि</del>श्वपादन वासबुद्द, वासानीनी श्रीरिक्क । व्यक्तिमाहन क्रमारी। १२१ डडेराभनी--उठेरिन । ३३९, क्सबार--क्सार, क्लास मंड वेरव **प्रन्हार—कुं**नार, कुंनकार, बुकाक धारक सबी धाँकित। कॉहार, बटक बटकार, बटकनक । ३४ क्लबार-श्रूती-क्लबारित क्रवारित। <sup>१२४</sup> क्रम्सर-स्त्री--क्रुंगारित क्रंमकारित ३४१ नरकात-कर्षवाच वेवट, वैवर्ट केंग्रोहन कींहारित । बैनक बेनट, पाकक बाद्य मीनट ११५ <u>करनी—क</u>्राबी नाविक नैसाध्यवन मलाह, मौझी। कर्मचंद्री क्मीय । ३४२ **मस्त्राह-त्त्री---**मखाडिन मस्<del>त्रा-</del> हैरक कुप्ती स्त्री - कुम्मिन कुरमिन । क्रिय भाषिता। देशक बनिया-अरचुनिया परचनी ३४३ मधी--पुर्यकाच पुरुकाबक योग । पुरुपाजीकी बनार्चक बाधवान माकाकट १९८ वनिपा-स्त्री-वनिजाहन वानिन शासाकार, मासिक । मोरिकाइन । ३४४ माजिन---पणकावी मितियाँ ११९ क्रोहार---बमस्कार, कर्मकार, कर्मार, मास्त्रिमी भाषिणी । मुहार, बोहकारक जीहकार, व्यॉकार । ३४५ नोबी---कर्मफीकक वावस निर्वे ११ कोहार-स्थी-कोहाइन कोहारिन। नक नेजक वरेठा रक्का ग्रीचेत । रेरेर **का**—काळनार, बाती तसी ६४६. मीवित-भोवदन योदन निर्वे प्रतेरी वर्षकी सूत सूत्रकार, स्यम्पन-नठाइन वर्रठन वरेठिन कारा रजकपणी रजनी धीनेगी।

व रेप्रक	Cr dar
३४% मधुमा-चीनर, वीनर, मक्ष्मा मत्सनीनी मोड्क। ३४८ वर्डेक्सि-चहेरी बाक्षेटी विकी- मार, विराहर विशिद्धार, बीनराफ होहार, नकर्याकृत ब्यामा गुन- वीनन मृत्यू, मृत्यकानीन ब्यास कम्कृत बुदुबना कृत्यक बाकुनिक विकास । ३५० महभूबा-चींट पहुनूँचा पुनवा मुत्यो। ३५ महभूबा-चींट पहुनूँचा पुनवा मुत्यो। ३५ महभूबा-चींट पहुनूँचा पुनवा मुत्यो। ३५ महभूबा-चींट-चोंदिन महभूबा पुनवा। ३५१ कमार-कुरळ, वर्मक, वर्मकार,	हेप. जुलाह्य- कृष्टिंद, कोरी छंडुक छंडुनाम । १६ रेपरेक- विषकर, कीरा कीरी रंपक रंपकर, रंपरेस एंगावीगे रंगे। १६१ पृथ्या- पुनका पृणिकी पंतार, बेहुगा । १६१ क्लाई- कराग्रे, श्रीटिक पोमर, चिक्र विक्रमा पुरक्त् एवा कुपकु मांचक मांचित्रका मांचक वैद्यांक विषका कोर्स, गोंक मुंचर, क्लाक बनरा १६५, बोचक- मांगावीची मांची १६६, बचक- मतावर्षेस बन बनेस्य स्वारक स्थायकर्ता स्वामाचीच मांच विषक्त स्थायकर्ता स्वामाचीच मांच स्थायकर्ता स्थायकर्ता स्वामाचीच मांच विषक्त स्थायकर्ता स्वामाचीच मांच स्थायकर्ता स्थायकर्ता स्वामाच्या स्थायकर्ता स्यायकर्ता स्थायकर्ता स्थायकर्
इतालकोट, हेना ।	१७० श <del>ुक्रविस ज</del> परानी अविदुका
प्रकेष प्रका । १५% पृक्तिए स्थानकर पृष्टिए । मनिश्चा श्रेषा स्थानकर पृष्टिए । मनिश्चा श्रेषा स्थानक। १५८ पृक्तिएन पृष्टिए सनि	वेषु वा की क्या कर्मा वर्ष पर्व पर्व कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म

ग १७५ ८५ ग ३९३ १४५ कर्तिरा-—समका इंग्रसमकार फर्रीय क्रियसै संस सेंदेश सीद भृत

एवेंट कामगार, कामगार, कारकुरिया कारपरवाज कारिया प्रवंशक मुंतजिल । वेषर कारजवार-कारतकार, कियान

इपक इपिक, इपित्रीनी इपीवक पेतिहर बाता बाती धाग्याहत । रेकक हरवाहा---हरवाह हसनाह, हस-

रेषक हरवाहा--हरवाह हस्त्रवाह हस्त्र वाहा इष्टवाही वाला। रेषट वेहमान---अतिचि बतीच सम्या यत वृह्याय पहुंचा पाहुंचा प्रापुण

१८० नातिक-अधिप बच्चळ बच राज नाता बाळापक ईए कंट रोजी एविस, शतम धानिय नाव यट पटि प्यो तमु, मोतादरप, बाबू, मियाँ

वर, प्रमु करमी साई, मुप्तानी स्वत्वा विवादी स्वानि स्वानी। विदेश नामस्यि-पृद्विती परणी शांति दिन स्वानिकारणी स्वामित्री।

१६२ वृहस्त-नृहर पृहरवाथी। १६१ वीहर--क्यीन अनुम अनुमन अनुमानी अनुसर कमुमाधी अग्रावाधी अरमो कर्षी आमारासी आग्रावाध्य वरमो कर्षी सम्मारासी आग्रावास्य

रिक्ट राजांग सार्विम निजयिता विस्ताराण्यांज्ञां नीत्रम नावर केट केरक केट केरा दश्न दासूची दान राज्यांच्या कार्येण सार्विम

प्रभाव कार्य कार्य ता राज्याच कार्य कार्य, मक्ट, निर्मान मेक्ट, कार्य कार्यक कीट बार परिवारिक कीर्यन्तक की कर्म कार्य विकास व्यक्त केया मुनक मृत्य भूकिय भवदूर मनुर, महरा महला माहकी मुक्तविम ऐटिहा शह्बर, शह्बाये शेवक सेवी सेरंग हुन्ये। १८४ नौकराली—अनुवरी कहारित हिकये सारिता बाकरती बाकरानी केटकी केटा बेरी बनी टाइक्सी

वृद्धः वाक्रासा-च्यापुत्रेच न्द्रारा क्रिक्से खारिमा वाक्रपती वाक्रपती क्रेडकी वेटी वेरी वती ट्यूक्ती बाणी परावशाली परिचरी परि चारिका बोरी मृत्या मकद्गुरती मन् रिल महरी महेकी माना काँडी विवकी हैक्कित सैर्स्मी हुनूरी हर्सा । इट्स मक्ष्यर-च्याकेंकर, सनूर, मनूर

इटप चडहर-कार्यकर, सेनूर, मनूर भुक्क भृतिमुक बैतिनक धनसीकी समय अभिक भनी। इट६ कुकी-अबहुर, नबूर, मृदिमा मीदिया। इटक सींड-(निद्दी योडने वाले) और बैकगर। इटट विक्कार-बीमार विकास

वटट राज्यस्तारर-व्यापनः राज्यस्य बार, पित्रमृतवार, रिज्यमित्यां संस इकः। १८९. बजानेवाला-व्याबादवी वेय रहोदे, बादक वार्षवह वेपूरितः। १९० वेवपिय-(प्रायो क्याने वार्गा) वेपूक्ष वेपूक्ष वेपूक्षियां क्याने वार्गा) वेपूक्ष वेपूक्ष वेपूक्षियां क्याने स्व

१९१ तवास्थी—गवस्थी, तर्वातरा सवास्थी। १९१ मुर्वाया—गतावदी नारेपर सीर्विकः। १९३ मह-ज्यासदी वारात्रीय सर्गक वर्णाकः रन्त्रीय रंगकारम

रीगरीत्य चैतुत्र।

24

१७५ करिया-समला इतकामकार. एवेंट कामबाद, कामदाद, कारकुनिया गारपरश्च कारिया प्रशंबक मुंतजिय। १७६ काम्डकार--कास्तकार, विसाव इएक इपिक इपिजीवी इपीवस चेतिहर पासा पासी बान्यापुत । रेक्ट हरवाहा--हरवाह, हसवाह, हत-पाड़ा इसवाही चासा। १७८ मेहमान-अदिकि अदीय सम्या **यत पृहायत पहुंचा पाहुना प्रापृत्र** प्राचुनिक प्रापुर्व प्रापुनिक, बटाऊ । १७९- वेहमानदार--आविच्यक राज । १८ वातिच--विषय बच्यटा अध घंडा भाषा माजापक, ईंस क्या होती सर्विद, सम्रम झाबिद नान पत पति प्पी, प्रमु, प्रीप्राइटर, बाबू, मियाँ बंद, प्रमु सहयो लाई, मुकामी स्वत्वा विशासे स्वाधि स्वाधी। १८१ वासरिय---मृहिनी घरमी शासि-रित स्वावादिकारियी स्वामिनी। १८२ मृत्यति—मृहा बृहत्वामी। १८३ नौरर---जर्बन जन्**ग जन्**गन बनुरानी बनुषर, बनुवायी बडारा छै बरस्य वर्षी, मातासारी मातासमय विभाग क्षेत्र क्षेत्र क्ष्मेरा विकार समान नगरिक विकासिता विरवणार सीवा गोप्यत वातर,वेट केंग्ड केर केरा श्रम् शहरी दान रणपुरात बामेज शतेर नहर, belier weife getre gir <sup>परा</sup>ष परिपारिक वरिवर्णनेवस वर्ज

रूप रादय विकास, व्यास केन्न

4 184

भतक भूत्य मुक्रिय्य मजदूर सन्हरू महरा महता माहकी भुकादिम रोटिहा सहचर, सहचारी सेवक सेवी सैरंक हुन्याः ३८४ शीकरानी---जनुवरी कहारिन किंदरी वादिमा चाकरनी चाकरानी बेटबी बेटी बेरी बनी टड्समी दासी परावदासी परिचरी परि चारिका बाँबी भरवा मजदूरती मन् रिल बहुरी बहुँसी मामा सींडी वेदनी वेदिका वैरंबी इनुपै इरम । १८५, सबपूर-सर्वस्य, पन्य, पन्या भूतक भृतिभूक, दैतनिक अमजीदी श्चमच यमितः यमी। ३८६ दूती-भवदूर, मनुर, मृहिया मोटिया । १८५. ऑड—(पिट्टी योग्ने वाले) बॉर बेसपार । ३८८ शिरमतवार-अंपमरं तिरम"-बार, गित्रमञ्जार, शित्रमदिया संबा SK I ३८९, बजानेवाला-महाबादनी रहोष्ट बारवा बाउँवर वेपुरिक। ३९ वंजविक---(वंगी वजाने वाना) वेज्वा वेज्या वेज्या वेज्या ३९१ तवातची--नवतवी तरानी। १९६ वृद्धिया--गायरी effor I १९१ जर---ह्यापरी बाधारीय तर्गर

बरनपुत्रक राग्यीक स्टाक्नारक

दीवर्गतम दैवर ।

# 15X	.च् य <i>भ</i> रे५
३९४ नदी-नष्टिन वर्षकी।	काका थेपिठ सम्य साहु सम्बद्धाः -
३९५ नर्सक(नाचने बाबा पुस्प)	सेठ।
केसक, चारच शाबरेचनक नट नर्शक	४ ५ केवक-मसरपंपु नवरपं
पोटयकः।	कातिय क्लर्क ग्रंथकर्ता रचनाकार
१९६ मर्तनी(भाषने वाली स्त्री)	रणमिता किपिक, किपिकर, क्रिपि
चारनी शवनिशी भवनी नटी	भार ।
नाचनेवाकी नृत्यकी अधिका	४ ६. कारीगर-काव धिन्यकार, सिम-
संस्था।	की फिल्मी।
३९७. वेज्ञ्या <del> व</del> प्युरा क्षेत्रनी कसवित	४ ७ जानूपर—दंश्वाक्तारक होत
कसवी कस्बी कामरेखा क्रुंगा आहूबा	वाक्रिक कीसुविक प्रवीहा <sup>रक,</sup>
गणिका सर्वेष तवायकः, पर्यायना	वाबीगर, मायाकारक मामानी वार्विक
पतुरिया पद्मयस्त्री पुरवामा वर्षेटी	मायी व्यक्ति।
मंबद्दासिनी मुजिय्या मोध्वा मंबकापुची	४ ८ राजपारकीवीहरी परवर्षम
रामजनी रूपाजीची अञ्चिका	परचैया रत्नविभेदा।
बंसुक्य बारववू, वारवनिता वार	४ ९. सहस्रमाल कसरती कसरतिहाः
विचासिनी वैस्या साकर्मणिका सृका	बंडपेक पहेलवान मस्त संबंधिक।
<b>चर्ववस्थ्या</b> सामान्या ।	४१ महाकत-अंकुमार संबद्ध,
१९८ स्टबरू—(नेस्पानॉ के पूर)	शानीरण इसपालक गणानीय वर्गी
क्यतः, पीठमदै सँड वा शासवना ।	रोह पाराकट्टी निपानी पर्योक गीर्न
<b>३९८ स. पर्वपा—नारी शहक</b> पविचा	वान फ्रीकवान मर्त्तगी महाक्य हम्हण
वर्धवा बनाने बाका बनावनद्वारा ।	पक इविचान हामीबान।
३९% नपीन <del>ासाय - न</del> पीनावहिया ।	४११ साईसजस्बपात रकावधाँ
४ दुकानशार—यध्येष्ठ हटवार,	स्रांस ।
इटनेमा हटुना।	४१२ कोचवान-कॉचनान दक्षियर्ग
४१ थासिया—(श्राहाम) मटनाई वट	भियता श्रामिता सारपी सूर्व ।
भार, मटनारिया घटिया बाटनाळा ।	४१३ शिकापी—नहेंचे बाबेट <sup>क</sup>
¥ र हक्ताई——वॉवसिक जासकिक	नामोटी शीमर, पारमी सिमा <b>एँ।</b>
मीरनिक मुन पाककर्ता पाकुक गायक	४१४ सेकाई-सिवाई दिवसी
मल्कन नागरणी यक्ष्यकार, रसोइया	संक्रक, संख्वाड़ी खेलाए, संबार
सूर कुपक सूपकार, स्वार।	बोकारः। 
¥्६ रहोस्यन्तिर-—नावर्णी नहराजः।	४१५ जुलाड़ी—असरेनी सम्पूर्त किर्य
रे 'इस्सारे'।	चुनारी ज्यारी स्वतंतर, चूर्वर <sup>ा</sup>
४४ नहाजन—चनी प्रमुख वनियाँ	यूतकीहरू पूर्व समित्र समीका

4 754 4 834 60 सूदकोर। दे 'श्राण देने वासा'। ¥१६ ठय-नियाक्ट, वाई, छती वर्त

गोलेगाच प्रवारक बंगक स्थान । ¥१७. ठपनी—-ठयिन

क्टेरिन।

¥१८ बीर---उचका समस्या स्टाशिक पैकानारिक कवाक कव्याक गठकटा नियाकर, चार्र, चार्र, चोटटा

चौरकट चौरटा चैवकट खेवकहरा स्थ क्षिया उन्नैत बहुरचीर, बान्ह, तस्कर,

दस्य नकवान प्रवारक प्रविरोधी परास कंदी पाटक्चर, पारिपॉयिक, बंचक

बटपदा बटपाद, बटमाद, मिलम्झच मोपक राजिकार, राहुकन सुटेशा कटक

वंचक संविदाचीर, साहसिक सोतस्य स्वाम्, स्त्येन स्त्यैन हक्ती हारीत।

४१% सम्मेदार—सामी भाषी **धरीक** पिरक्ती हिस्सेचर । ४२ पट्टीबार---बंशक बाबाद साखेबाद

हिस्सेदार। ४२१ वज्या---वननी चानत्या प्रजावा प्रसविनी प्रसूवा मन्तिका।

४२२ वच्चा:—मत जवीय जर्म अर्मक, किओर, कियोरक धर्म कातक डिम विसंक सबसात पाक, पूच पीलक बदुः बदुकः बासकः बेहा याणव

मुन्दिवय कड्वा दिख्य संतान दिवक। ४२३ वाय--अंक्याकी अक्षा जाया रात्री दानी याथ प्रदानी।

४२४ कर्जदार---अवसर्ग ऋशी देत धार, देवा रिनियाँ । 'म्हमी' । ४२५. देनदार-धहाजन सहनेवार,

विक्यम जीवी बाबक मिसू, विस्क विक्रोपशीची विकास सँगता संमन सम्बरी भीवत मार्गच याचक। ४२७. शिक्समीयन-शिक्समिनि मिसूकी विकारिकी विकारित ।

४२६. जिल्लामेश---अर्थी जानक जातक

४२८ सहायक-गीय शाँवा हाम नेव नेव नददवार सहकारी सहयोगी सहाध-सहाई, सहाय शहायी ! ४२९ सरक्षक-अभिनायक देख-रेख करने राजा रक्षक रज्ञकः। ४३ जानवर-शिलास गोरू पत्पाद चरिंदा चीपामा बीवबंद, बीवबारी बीबमोनि इंग्रर, डीगर, विमेक तिर्वय योगि जिलक पशु, पसु, प्राची

४३१ कालगर का दण्या—क्रया ध्वीवका धीला वधका बाक पीछ धावक । ४३२ सीय---विकास विपास चीय सीह चंग। भाव **भार-श्रुद**ाय **नु**मा ४३४ पूछ-पुत्र पुष्क गाँछ बासमि संपद, कपद, भग्ना । ४३५ हाथी-समय सनेकप इस कर्नु, बंबक, कपि करती करि, करी करीत करेंणु कार्किय दुवर, दुनी यब गर्वेड यसंद यस बंदाबल बंदी दूरव दूरवास्त

नग हैवान।

दिसद शीप दिए नयज नाय पची पील पूरकरी फ्रील असूड मंदार, शर्तप वर्तगत बरास भारति मैग्रह कारण विनंड ब्यास शहास सुंदी गूंगी बारंप

व ४६६ - ५	2C 4741
सिष्ट स्तम्बेरम इस्ती।	महाजंब महानाव महापूष्ट, रवव
¥३६ हनिती—एरावरी करटी करिनी	क्षमबोट्ड, बन्नगुरुड, बरन घरम सुदुद
करेणुका कुंबरी गर्बी धेनुका वसा	भूगकर संविधा।
वरेनुका वासिता इस्तिनी।	४५१ क्रिस <del> ४</del> कुर कुन्दर कित
४३७ हानी की प्रसिद्ध जातियाँ	विस्का ।
क्रुमरिया भूग।	४५१ जोड़ाजरन सरनी भएक <sup>बरप</sup>
४३८ वड़ा था क्लम हावी-करिंद,	सर्वा जरन जासू, एराकी प्रश्नेधना
करीस सकवा नवराव गर्नेड।	कच्छ कच्छा कीका कीकान केयरी
४३९ बीमा हामी—कपरिया वीमा	केसी केसरी केसी केहरी कोकम्स
मञ्जा।	कशुपस्, शंवर्व गियाइ, यूइ यो नीट,
¥र्ड सस्त द्वावी <del>. अ</del> राक गाढ़ा धुँव	बोटक बामधे जबन <b>दु</b> रेंग
मङ नगरमधौँ प्रशिक्ष मत्त सवकृत्र	तर्रवम तरग तरम तुरा दविका
मदोरकट, मयगळ मैयक ।	दुर्मुका शर, प्रकीर्णेय प्रोमी वाज <sup>साति</sup>
४४१ चित्रधाङ्गागरवना विग्याङ	शाजी शराक शक्तव रजनाह, राज
करना हॉक्क्ना।	रक्षंत्र क्षतास वन्हि नाजी नातासम
४४२ सूँड—(हानी) कर, शूंब खूंब	बाह्य विमान विमानक वीदी <sup>मुज्</sup> न
भुंडावंड सुंडा ।	शृपल शासिद्दीत्र शिली सन्ति समेद
४४३ सूँद की न <del>ोंक कनिया इस्ताः</del>	सापी सारंग सुपर्य सुपर्वस से <sup>वन</sup>
वेशवे हाती के चूँड का अध्यमाय	होस इस्य हरि।
वंपूची पूप्कर, सूचिका।	४५३ बोड़े का बोलगरहिनदिनाना
४४५. पंडस् <del>यतः १</del> ८८ कटि, करटक ग्रंड	हिनहिन करना हीधना हैपा हुँ <sup>चा</sup> ।
मंडस्वन शकाः	४५४ वोड्डी—धस्त्रा वस्त्रिनी पुड़ियाँ।
४४६- हामीका शी <del>तक</del> ॉप गडरंग।	शोटकी घोड़िया बड़वा वामी ।
४४५- हात्रीका नद-नवदात समस्र।	४५५ घोड़ियाँ की माती—जातंन,
४४८- हामी की बोक्ती-नार्जन निग्नाड ।	वद्या ।
प्रदर्भ हाची का स <del>ण्या</del> —करण करण	अपूर, योई का बच्चाअतसब्देग
शतक परम ।	नियोट, बछड़ा बड़ना बछेड़ा बड़ेए
४५ कॉर-सम्बद्ध कट, करवातन करम करह नैतिकीमें नमेल नमेलक	वासका
श्रीची जरी अधिका वालेटक वागेट	४५७ जवान घोडा—सत्तम बार्टेस । ४५८ छोटा घोडा—टट्टू, टीगन मानू ।
शामा अवा जानका बानटक बागर, होते होर्बगानि बीर्वगीय बीर्वजय मुखक	व्यक्त काटा बाहा—टर्ट् टावन पार्रे । अव्यक्त शिक्षी बोहा—विषी सेंबर ।
बुहर, ब्रांतच्द्र, शमी, बहुबीर, भीनी	४६ शुक्षी बीक्ष-सुर्वमात तुर्वी ।
Tage at the same market	ज्या <u>ज्या ज्या ज्या ज्या त्या</u> री।

मिली भूमिक टेक्ड तिकक ह्याब ४७३ कुमारी गाय---कसोद, कस्या । ममी बाहसर, बोकसर, श्रीश्रावित और, ४७४ अधिक जिल की विसाई गाम या मेमना रक्तवाहर क्यी रीहाल संख्यी प्रैस-अकेन बकेना । वनीय संदक्षी सोकिया स्वाह हिराती। ४७६ वार्थों का समृह—मन्या यात्रा

<sup>प्र</sup>१ बोड़े का रंग---सवरस सव**स्थ** योकुछ योगन योप्ठी । क्रिंग कॉमज कुम्मैत कुरंग कुल्का ४७६, बाय की सक्करी-यसकंवल यसकत नर्रा चौनका मुरकी बाचा सीका शकरी शाकर, शाकरी अहर, सास्ता ।

संबाफ । ४७७. थल-अयम ऐन आसीन ऊव ४६४ जीवा के जर्बन का श<del>ासः</del> असास थन थान पर्योषर, बान । वास केसर । ४०८ वाय भेत के कर के स्पर का ४६५ बोर्डे का **कुर—कु**ट **कु**ट टाप भाष-अथन ऐन प्योबर।

चक, चन्त्रसुर सून सुम्ह । ४७९, दाय मेंस की शस्ती-उठना <sup>४६६</sup> बन्दर--वास्त्वर, बन्दर, कर समद्रमा । वितरात बेसर, रासम । ४८ वस्रका-(पाय) बच्छ बच्छा

४६% मरहर—कृट, खर, खीता यदहा वस बस्त्री बस्ता वस्त्र वस्त्रा वर्षम प्राप्तास्य चन्नीयान बारट बार बक्रिया बच्चेक केवना बत्स सहरकपी। पुष भीरमेड्डी न्सर, व्सराक्रय बासेय ४८१ साइ-जड़ वा गरीस्वर, गोमान् मूरियम मारग रासम रासम बाकेम योगी बैंस संदीयम अभिनर्द सुप वैधव वैधासनंदन संस्कृतं शीतकानाहुन। क्षण रांड सिका संव संह ।

४६८ वरहे की बोकी-रिक्ता हैंको-४८२ साँइ का बोलना - होकड़ना । हैंको करता । ४८३ वैस-अनव्यान उस सता म्ह्यम ४५६ वाय-जनत्या सर्वृती दहा ककुथान् कर्मकार, गार्च, यो मी अपिद, दस्ता दक्षा करुमाणी 'गऊ, यां भौरिया पूंचन करन करना सकर, पैना यो, मोक भी कांगर, भागी क्षेत्र, विश्ववर्ष वसीवर्ष वसह मह रिकाम

पंपरिवर्ती पौक्षी ककर, महा माला बसह वृप वृषण वृपन वृपेंद्र शंड माहेबी चोहिया महिला सुरक्षि द्यानवर, धात्रक क्षिकी संब सौब मुरमी धौरभेगी। मोरबेव । You पाय का बोलना—वॉ वॉ करना ४८४ भेल-भेषस मझ महिच

वीकरना रमानाः महिपी सिप्रा। ४६१ सक्टेंब पाय--अर्जुनी कपिला ४८५. शैस का बोकना-विविधाना ।

नौरी बदरी बदला बदली थीरी। ४८६ भेसा-बरवारि आयुरा कटरा कटाह कलूप कासर, कासार, यवश्री वसी गत महिका महिप यमनाहर रक्तास राजस्वक भुकाप कुकास **शंदानीर, शहरिय नियत्रवर, धीरिम** ।

४८७. बच्चा--(भैस का) केंद्रश कटरा कटाइ काटडा पड़वा विदेश पाड़ा।

४८८. मॅड -- उरणा मॅडी सीमधा। ४८% मेंड का बोलगा-विविधाना मिनियाना में में करता। ४९ मेडा---जन विक उरल उरस

कर्पायु एइक बची मेंह चेंहक मेंहा मेंटक मेडू मेड्डा मैप धेमश स्रोमश कृष्य हुई ।

४९१ वकरा--वन वदुक असाबु, वनि प्रथम शिवा सही बस्ती छंग छमडी छमल धमकर साथ कागस तम पगस्यस पर्यभोगी पश

बर्कर, बस्त बोक वेच्य नेताद युज श्नम । ४९२ मधरी--जनमा जना यो, छायी छेर छेरी पवस्थिती। ४९३ वकरी का शोलना--विविधाना

वें वें करता। ४९४ होर--इमारि वडीरव करबीट केगरी केशी कंगरी वेहरी सम्बाध **पीर्ता**रपन ननशपुत्र वसी शापाशन

विषयाय नाहर नाहण व्यक्तिय वंबानन पंचास्य प्रमुखात पारीह पृष्ठशैक वनराज वनराय ववण वहवल भीम विषय महाबीर जानी मृतदृष्टि शृपशिष् मृतनाम मृगराज मृतरिषु, बृगाद मृगादि, मुगाय मुगागत सुरेंड सुरेश सुदेशीत मनराज विकास स्थाप स्थास सार्वन

साबूर, धारंग सिंह, इटि, इंग्रि इनेंड ४९५ सेर का बोतना--गरजना दहार प्रकारना । ਚਿਇ ४९६. होश्ली--धिहनी सिंडी। ४९७. वाम-गृहासन विवक तीव्यरं डीपी नकामुच नाहर, नाहरू पंचन

पुरुरीक, पूराकु बमेरा श्रीर वना व्याद्य व्यास दार्द्त स्वापद हा हिंसक । ४९८ स्थान-करण नव नवी नकी वयनका व्याप्त-नव व्या यच ।

४९९, बीता—उपमाम বিষয় বিষয়াথ বিষ্ণাম বিষা तरसः तरक्षुः तरधुकः तर्षे व बय नरवी मुगांतक मुबादन मु द्याईल सर।

५ भा<del>त् वन्त्र अन्य वस्त</del> चा शस्त्र शस्तुक वासुक भातूक वा<sup>सर</sup> ५ १ विरॅड—विराफ, विर्फ, विर्ो वंशका । ५ २ वैक--शंत्र संपद्य सद्द्र लक्ष

सङ्गी गंदक शंदा दैतिए । ५ व बारहतिया-बंदवार, बार्वान बारहर्गिता । ५ ४ शीसमाय-सप्तय वद्य छ

वनाय शह सोनवाय । ५ ५ हिरल-अभिनवोनि ऋश्य 🖫

बुरगम नंबर्व चंचु चारमोचन <del>पार्</del> औरहरय विरत शुग बनानु <sup>बाना</sup>

भवण भाषक मृगर्दशक मृगारि, इ

37

५६- ब्रिस्मी—मृशिनी मृबी इर्गी इप्ती हरिती।

गानन, सारंग मुरमी हरिण हरिल

५ ७ इरिज के घेर--गंबर्व बनय राम धरम बस सूमर।

4.4

हिरम ।

५ ८ काला हिरन करसायद कर सायक १

९९ मृत-सिरमामृताके किर्ला ५१ मृतके सेर-⊶ऐल ऋदय कृष्ण धार, मोकर्म कमर, ब्लंक पूपत रेंकु स रोहित रीहित सकर। ५११ मृगवर्ग-विका ऐक

मृपष्टाष्ट्र । ५१९ मृपनामि अंड करतूरीनामि । ५१३ तिबार-कोच्टा বল্ডাণ্ড

कटस्वादक कृरव खळ यावड यीवड पौदर, बोमायु, बोमी बोरबासन अंबुक चंद्र, निष्टुर, फेरंड फेरब फेब धीव मृरिमास सूत्रमक्त सुबब्दं स्वसूर्वक विदार, बंबक बनस्या खालाबुक दिया विदास, क्रम स्वकृतं श्रांगाक विवार, विवास स्वार ।

५१४ मेडिया--ईहामृग कोक मुस्य संबद्धाना कानभोडी जनासन मानडमा स्पाप्त बाल्सादन विरुक्त वृक्त हुँदार ।

५१५ सोमग्री—कस्तूरा बुंगर, सकटी कोबरिया कोसरी कोवा कोमध कोमध क्षेत्रा ।

५१६ कुत्ता-स्थि वक्षिणक कुतवा कातेपक क्रुकुर, कुनकुर, कुत्तर, क्रीतेमक शंतक, बाम्ममून भरकृतः.

रतकील राजिजागर, बक्षलांगूक नुकारि, श्चयासु, सुनक शुनि धुनी सूर, स्वन स्वा व्यान सारमेय सुजान सुचक छोमहा। ५१७. कुतिया- कुत्ती कुतड़ी मंडकी धुनी समनिका।

च ५२४

५१८- ऑक्स---विल्बाता पूँकता मों मीं करना। ५१% खरवोश-सरनोस सरहा गावड गदर, गौदङ् अंबुकः निद्याभर, निविचर, निसिचारी जीवार, कोमकर्प बुक शस

धाराक शांशा शता स्थास श्रृंगाल संसक सियार, सियाक सुसिया सूमा स्याक स्याकिया । ५२ ज्रकाँय भारता<del>ः उडक</del>ना शुरना । चीकड़ी घरना वैड भागना।

५२१ विकार---भाजुमुक, बाजुनुव कोर्डु, किल्बीयुरवा चाइक विश्वाप नियंत्रु **बीप्तकोषन बीप्तास विकास विकार**, विकार विकास विकास विकास विसेगा विस्का विस्ती मामानी मार्नीद मेनार, विडाक विडारक विरास विसास नृपदंशक शासानुक शियाह्योस सूचक। ५२२ स्व<del>ाई-स्थाई करना—</del>स्या**ई करना ।** ५३३ सुबर—नाषु, किटि, किरी किर कोक कोइ गुप्टि भोगी भुष्टी तम बंतायुव दथी पौत्रायुव पोत्री पुमस्तंब वराह भूबार, रोगेया वस्त्रह बन्यस्य बह्मपरम सूकर, सूकर, सूर, स्तब्बरोमा। ५१४ बंदर-कपि कपित्वास्य किश्व कीथ केलिप्रिय जोसांगूस चंड संपी

वस बरम नयाटन पारावत पियल प्रवेद प्रवेसस प्रवस प्रवस प्रवर्ग

व्यक्तिम व्यक्ति वनस वसीमुख विकारिक का बोदर, बातर भरकड, मर्क मर्बट, बंबर, शिकुर, छर्मूरर, शीर्वतंत्रिका सुद्देशी । वतीका वधीमक वागर, घासामून ५३४ साही—सारपुरत वरही धववकी द्यातादक इरि । शस्य स्वाधिन सेई । **५३५ बंदरी---गनरी बागरी प्रवं**री ५३५ सम्बों के कारे-सह प्रकट,

मर्केटी भाषामुनी । शक्तमी स्वानित । ६२६ विसहरी--संटो कट्टो गिरि, ५३६. बीडा-किएम बिमि कीट, कीए निमहिरी गिराहे, जार्नेगी निस्की कीका-सकोदा इति तिर्मेक विजय शकोहा नीकंपु नीसोम् ।

विकृद विकृद वेबुर । **५२७.** मोह---भोचा नोपिका श्रीमार, यौगेय बीचेर निहाका विपक्षपरा

विससपरा । ५१८ समयासङ्--अंग अनिश वना श्रमपादर, श्रमपीहर, श्रमवदरी रीवपाधिका बतुका नतका

परांच्यी । ५३% नेबला---गङ्कत गङ्की ज्योता

पिंगक बन्न, क्रोहिनानन सर्पीट सुचीवदन । **५३ विर्ताट--किर्णाल कुक्सां**स इफनास इप्रकास विद्याना विर्यागाना

निरवान शर्फ, सरह । ५३१ छिपक्षमी---संबन संबना गृह योपिश ब्रुबोपी गृहसीलिश गृहासिशा क्रियोक्सी विवक्सी क्यप्टा टिकटिकी

पम्पी बिश्चतिका शिलुहवा विसनुई मचनी मरानी मनती विश्वपृथ्या । ५३२ प्रा-सापनिष सागु, शानुर,

नगी निर्म क्षेत्रक किल्हारी

मूत्र मूत्रक भूगोक जुल भूता वृध

44 1

बागु जंबर उडक जंदर, अदूर, मानि यत्र भूगा बामादि

**५४१ मस्टा--( सात** क्षेत्रद्य । ५४२ वीदो-नीड़ी विड्डी व्यूटी समाप्त ।

रिपीसा बीकर चित्रील विधीसिका रोक । दमपा शतम ।

बन्दार का शर्वी ।

५४३ देशन का मीड़ा--फोशशाद पुर क्षक, बीगक-वेंबडा

५४४ डिड्डी--परंप वर्तात वर्णाः, बस्मीर

५३% रेंगमा-पृतुकना बीरे-बीरे पक्रमा,

**५३८ मक्का--मकरा मकेंट**ा

ब्दा कृतिका यनक ।

चिमदा चींका मकोड़ा ।

विस्तविसाना रिगय करना सरकरा ।

५३% महरी-समस्यूत बप्टपरी अर्थ-

शांच तंतुवामकीट, मक्टी तकरी

मकेट मकेटफ, मकेटी सुपय सूर्य,

५४ औरा-कीहा विवंदा व्यूटा बीटा

नींदा )

शस्त्रीतः ।

५४६. बीरबर्गी—बनिय शन्त्रको स्थ्यवयु स्थ्यवृत्ती निर्मित 4 480 4 4 W . 43 मक्रमकी कीका रस्तवर्ण वर्णाम्, बीर गुक्पद अस्पाना जिक्ट एक्स बद्दा देखद । तमस दरवीकर, वर्धी विजिल्ला विरसन नग नाम निधाचर, निसिचर, निसिचारी १४७ शीवर-प्रमृत विकिका विस्थिका भीरी चीसका पप्तस प्रवासक प्रवास फनवर **वी**किका परिषद्ध कथी फनिय कनि फमी विसेध्य पेरीय मिस्का क्रिक्सरी मिस्सिका शिल्डी सीरिका सीर्दका विपन्त विपक्ष भवग भवग सूर्धगम **विस्मिका** भुजन मुजना भुजन भोती मणिकर, मिस्कीक मुक्कारि । मणी कांगकी विसेशम विपवद स्थास ५४८ होसा-किरीना कीट, कीका पिकई, पिस्सू, पिस्सू । सरीसप साँप सारंग हरहार, हरि, ५४९. बॅठया—बेंड्स झच्टपडी झच्टपाड हार । मरम । ५५९. शर्पराच-नागराव ५५० फिलानी अंठई, विस्की। बासुकेय । १५१ पुत्र—काप्टकीट काप्टकृमि काप्ट ५६ सा<del>पिन-वा</del>मिन नामिन मेरक काप्टबेमक मूच पावा पिटारी। मिनी मुखंगी सर्पिणी। ६६१ साँप का बज्जा---संपोता पोबा ९५२ सहमक-चड़िस उर्देस उल्हुश पर्य चमान करनाई, किटिम कीका पोवा पीवा। कीपकुष खटकीट, सटकिक्वा खटकीका ५६२ लॉप का बरीर--भोग । ५६३ शांव का विच-विष्ठ पट गरस षटकीरा खटकिरवा खट्वामध मंचकामय मानूक एक्तपायी। शाहर विष । ५६४ फ्ल--रखी वर्षी पट पटा पटी ५५३ बीबर---दिल्डड जीडड बैडकीट वैसारि । क्ष कमा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा ५५४ केशकीय--- उल्लूल कीड़ा जिलही ५६५ बोत-(सीप पा) पूर्मा वृं, जूना वृं डील डेस आयी। पानी पदा किस्टा किया किशिका ५६६ डेब्स-बंबुर देवती कीय सीम्ब प्रत्यक संपर्ध स्वेषम । निर्मीक । ५५७ समगर---वरदश ९९५ काटनाः—इसना बीन्हना । परपरचटा ५५६ तिलबटा--क्षवा चिवका तिल-बाह्य सप् । ५६८. वेहॅअन--वेहॅमा घट्टेबन गोहबन। पट्टा तेलवटा । **५६९. करात श्रोप—अंत्र**स ৭৭৬ মানবাহ—মদিবীয়া ৰশিকীয় करात करैत योजन विभाग। समंदर १ ५७ डोइहा साँप-अलवर्ष अस्तिपाँ ५५८ सर्ग-अडम सहा अग अपर, वानगरं अल्ब्यास बेहट देहहा शेरहर, मेरि मासीविय उरग कंपूरी वज्ञ करटर करेटी कालिय बीवा चुँडभी वेहर ।

94 **रीय दुक्त क्या समर, क्षेत्र**र शार्थ हार्द्यगायक माराजिक परिस्तान पक्षिसिंह, पद्मगाचन अवगातक महाबी ८, मध्तवर, गरस्मान वेषुभृत घटक विदिया विर्दे, विरिया विरी विरैया

नमबद्द नमबारी नमस्बद्द नमसंगम नीबोर्मव पंत्री पछी पखी पखीरी पसेक पुरसी धर्मन पत्तग प्रती पत्रस्य यत्री पौत्री

भीको चीरी करंड लिवेंक तिवेंचवोनि

किंग क्रिमारि भयोका भगीका समयासी

1999

पिसान बाजि वि विकिट, विप्करि, विद्वा विहंपम विहय विहास स्योग वारी शबुंद शबुंदि शबुन शबुनि स समून समूनी सारंग मुपणे।

<sup>५९९</sup> पॅक—क्ट्रंबा सक्त् छद, बहन **रैना दन्मद्द** यस यक्षना पद्मीटा पत्र पत्र पर, पप प्रीक्त काजुः। अनुना—पक्षो से चलना प्रवृक्तवाना परप्राता हवा में हैरता।

६१ वॉब--वंबु, बंबुडा बंबू बॉब बाँट, होंग होए, तुह तृहि तृही भौटि सुपाटिका । ९ २ वर्षी का प्रजा—कोश चंगु, चेंगुल

पंता पेथीकीय । ६६ बंदा-बंद कोप चेंद्रमा हिम्ब वैद्यी पीटा पीत Sec 1 ६ ४ घोँचला-सालना बुनाय सर्वाना

योज नीड । ६ ५ वश्या (विदिया ना)—अर्थेन पूर्व शायक रिया है

पेश दिश पात योजा योग पीलक ६६ परर-अमृताहरम सदराज शर्में शर्मेश्वर दरम्बान, तरम्बी

बैगतेय विष्णुरच सास्मधी हरिवाहन । ६ ७. हंस--कसफंट क्सहंस भवसगरा पुरुवश्चक गरास्त्र मानसास्य मानसीक रागहंस सरकार सारम सितन्छव विवयस इसक हरिन । ६८-इस या बतच की वाति का एक

म ६१३

थकी-कारंड कारंडव जनीय स्वेत गदत् । ६ % थोर-अयुन अहिमसी कलकंठ कथानी चूंडली केनी केरी केहा ताक्य नायायन नीसकंठ पुछार,

बच्छा बच्छी अर्जगम्ब भवममोगी शबुर, शबुर, शैयनाद शेवनादानुद्यासक वेबनारानुसासी मान्या बहिंच वहीं शीसकंठ सत्तपत्र सिलंडी मिलावड शिपि पिची चिन्तिकंठ चित्रनृतवाहन सपैमधी शारंग विचापांप हरि। ६१० जीरनी-फकापिनी मीरिनी मोरी । ६११ मोरपुरक अकाप वेकीमिना নুষ্ণত নুষ্ণত নিষ্টিতন্ বহিপুরা वर्डम मिर्चंड गिला गिलाबन शिकामु शिक्षित मुश्रिका ।

६१२ मोरपुष्ठ का चौर---भैदना चेंद्र भाग भदिश संबद्ध । ६१३ कोयल-अन्ति वसर्वेट, बनाव वनारी वावनीम वार्ववरी सार्वव <sup>कृष्ण</sup> कोइलर, कोशिल चौरिला संपर्व तामाध बम्पुप्ट परभन दिश प्रमुत्र, यस यहनराइन मधुनायन एक्नुबढ

चंद सिकीमुख पटपद, पटपदी सारंग मिसिद सुकारी।

ŧ

## ष

विस्तरित-पेह पीये प्रकृति बनासपती।
६ वेह-जायिप अग अगण्ड जगम
जनोक्त जायम इक्पण जहिम्म जनेक्त जायम इक्पण जहिम्म जनिक्त कुट खितिक्ह गाछ लप्पण क्यों तर बरका वरका वकी है देन नग पत्री पकासी पायप क्यों केह विरक्ष विरम्म विरिक्ष विरिक्ष गीरो बूट, महीज महीबहु बानस्पर्या विरस्त विरमी वृक्ष कुछ क्या क्याइंग प्राणी सात्र प्रयोग साल जुळनाल विसर।

रै सीस—व्यक्त सबकेशी कसहीत नीत वसा वभ्या । ४ माला—वाक्याल बहुका दलहा ।

९ पीषा-च्युप थेड्ड समून्छ चित्र । ६- सदावीर---चड्डप मुल्मिनी प्रतान - वस्क्यी वस्त्री कता कताबीट, बीवस

वेति । केति । केति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति ।

भवर विका बृष्ठी वस्ति बस्ति । वेरिस्त ।

८ वार्क-देशन नवरबारा पार्ववास वारक कृतवाग ।

८ वदाल-पात्रीका आराम प्रवायन वयापन प्रपत्न कृतारच्य कृतिमत्रन मुक्यन नृहाबवाकी पुलिस्ता जमन वारवाय विजविषित निष्कृद, पार्ववाय पुणवादिका पुणोधान पुलवाई, पुलवासी विषया वशीचा वर्षीची वटी वनी बाग्र वारी वागीचा चाटका । १० वनमूक्ति—वनमु, वनस्मसी वन मूक्ति वनस्वकी । ११ वनक् नटवी अस्य करण

पूषि वतस्यकः ।

११ स्वयकः जटनी सरम्य सरने
सारन कस्यक कन्न्छ कोठर, कांतर, काटिका कानन कुरिक्षमार्थे हुएवे
सहस यहसर, नम शाक्कंत दुर्गम यहस सहस हुप्तमार कन रन मन मनी विशित्त शानु ।

१२ सहस्यकः अरुमानी महाटकी

र्भाग पार्तुः । देश सहस्यम् अरस्यानी महाटमी महारम्य महादगः । १६ सूक्-अस्थि अधिनामक जटा सद्द सद्द तास्त बूक्त मूट, श्विका स्रोट, तोड़ः । १४ ताम-अटिक वड़ पित्र पेड़ी स्थानु ।

स्वानु ।

१५ कोष्टर—कोष्टर, कोष्टर, चाँक्र्य वाँक्य निष्कुट, निष्कुद्द ।

१९, शाका—कांव बठन वंटी वंडी वंडी बाक बाहु बाली खाबा स्वच ।

दै 'ट्यूनी'। १७ दश्नी:---वपदाचा टहना वाकी प्रधाचा वृंत ।

१८. काठ--- काप्ट, कास्त्र बाह, बाह कन्ही संक्षु स्वामु।

१९. वरोह—जटा सिफा । २. वस्कस—भोसक कन्ती छात

क्रिक्ता चौच चोलक छोड़ा त्यक त्यचा मक्ता चोकका चत्क चाक्त धाला ।

धार्माः १ क्रमाः

२१ बला-—क्रिससम अन् ध्रदन दस - पनत्र पत्ती यत्र पर्ने पसास

नृत पिकप्रिय पिकवंबु, पिकवरण पहस्तव पाठ पाठा पाठि पाती पात प्रियास्त्र, फक्कभेष्ठ भूवामीप्ट, मराह्म पान विद्यामस्य विसक्त । २२ नई निकती हुई थली-कृत्रका मदिरास्त मन्त्रवाचास मार्केट मृगावक करका कियाबय किससय कॉएक गाम मोबाक्य रक्षाक वसन्तह, हरेप्ट गाया पस्तव पीका। खुकप्रिय सहकार, सुमंधि सुमहन, **२३ परमय---क्रियक**य किसक किसकय धौरम । ३६-काम (क्रथमी) —आरंगवाप्रस्ट नवपत्र प्रवास वस । १४ लंडर—नेंड्रफ बेंड्रमा बेंब्रवा कामाञ्च कामेप्ट, कौकिसानंद, कोकिसी-मेंगुसा मोस कनका करवा कवी स्थव टंक मृपवस्कम मनुर, राजपुत्रक केवा कोपल साम वर्ड, डाम नकोद् राबक्ड राबाच्च समयम् । ३७. इन्ड (एक सच्चर जान) — मिव प्रचेह प्रवाह । १५ कांटा चंटक कंब कांट खार, प्रश्लेख । ३८ टिकोरा (आम)—संविमा अंबी चुक । २६ कॉप<del>ल अं</del>कुर, कनका किश्रवय भागी केरी कैरी। ३९. सम<del>ण्य-अमस्य समृत समृतप्रत</del> क्सिसम कॉरल नौकायनहायीका। २७. धसी---वस्कृटित पूप्प कविका बाम-विही तुबर, पीतफ्रम पुबक्तक वेक्क वेक्कल प्यारा विही मनुपा<del>वन</del> कुर्मक कोरक, शासक मुख्य शांसक मृदुक्त कताम बीह, स<sup>क्र</sup>फे मुक्तुबिक। २८ वंडरी—पुणिक वास शकरी कारू सकरी धन्नेय। वासी ४ आमृत (कोटी)--वंबु, वंबुक वंबुक्त भौर । र्थेनु, श्रंनु, शास्त्रयः चामुन नीकप्रना

महास्कंबा भेषमेरिती राजफका राजाई

४१ सामृन (सड़ी)--कोकिनेट्टा वंदुरू

वंगू, वामून संद फरेंद्रा करोंत्र महार्ग्यू

महानीका महापना महापना बहुसकर्याः वेवनेदिनौ बृहत्कता सुक्रीवा सुर्गन-

क्कंपु क्कंपु कुकोसा हुवसी **इ**वस

कुह कोशिक कोल कोति मूत्र<del>का</del>

गुष्मभगी योषपीटा चुटा मोटा दृश्<sup>की व</sup>

विच्छना क्षमधीयार, क्षेत्रिस वहर वहर,

श्वक्षप्रिया स्थानका ।

िप्रया स्वर्णमाता । ४२ वैर---वजामिया चमयचंटक वंटरीन

# YV

२८ मंत्ररी—पुणिक गाल वाली वीर। १९- पूस—रे 'दूस । १ मुख्या—पुष्प पुष्पक गुलुख्य लादक। १९ फोली—फानी मीड़ी जिली। १९ फोली—फानी मीड़ी जिली। १९ मीज—बाता निम विभा नीजा बीया बीव्य। १९ मोल—बार्ट, पूर योग निर्माण मज्जा तथ कांश सार। १४ कटीला गीड—बार्टित कटीए।

३५ आन—जीतगीरम अनून असून-

क्षम वय वितियय शास काम

बम्नन बाबधर, शामान कोरेक्ट

नैराबाकुप कोबी अंगर्वपु जून जूनक

म २२

4 8.5 1.5 शबिर, बासेप्ट बेर, बद्दमंटक श्रीगाल-केति मुफ्त सुरस धीर, धीवीर, सेवीरक स्वच्छा । ४३ महुवा---मुहपुष्य बोक्षाफल तीक्ष्य-सार, मयु, मबुबुम मधुक भवुक भवुकर, मपुष्क यपुष्ठीस सब्झव सभूक सब्भ मन्दन गहाडुम महुजा माधव रोधपुष्प बानप्रस्व । ४४ मौनसा—बक्य समृतक्षक समृत फसा अमृता कामकका आगंककी भागता और कर्पछला कायस्या जातीपन तिप्यक्ता तिप्या वानिका मात्री पात्रीफल एकरसा बहुफडी रोचनी मेपरमा मृत्तप्रका शांता शिव शिवा भीका बीक्ती सराक्ष । ४५ सामहर-अंबारातन अंबरीय सम्ब मनीम्य असदा समरा असटा जलका दिना भागरा भागका बायात नामा-वर, करिवृद्द करिवृत नपीतन तनुसीए, वनुष्याये सुंबी बीतन पीतनक मुंगीफल नर्पटाञ्च रहाइच नर्पपाकी। ४६. इम**ती**—सायाला श्रम्त अस्तिका मन्तीरा बाझी बाम्सिरा बाम्मीरा इकिनी मुक्त्या श्राटिया चारिया विषया विषा पुत्रा जितिया जितिया विविधिता विविधी विविधीक विभीकी रंतपा परिचाना विधिता मुक्ता वृष्णम्य धाकवृत्रिश सुवृत्रिता सुनि निशे । ४७. बजरल---नर्मेरंग नर्मेर, नर्नेरव बर्जीर बर्मांग्स बार्ग्स नारायन पीत्रक मृत्यूर दशकर, वृत्यान। पर <del>बरोस अ</del>शिय अंदिया गेंटवी

करामर्वे कराम्बुक कराम्स कराम्सक, **कृ**टण्याक कृत्यपाक फल कृत्यपक्र शीरफल शीरी गुच्छी जातिपुष्प डिडिम पाककृष्य पाकफक पाणिमर्वे भूतकृष्ण बहुदस्य बील बनासक थनास्त्रय वस सुपुष्य सुपंच। ४९, कटहल-सठिवृहत्सन सपुग्न अपुष्पकत्व जाराय कंटकीफत कंट क्स कंटाकास कंटाक्स कट्यूर, क्ठैंड चंपकासु, चंपाकोप चंपासु, पचस पनस पत्तस पानस पूर्वफल फनस फसर फ**सन्यक** फसस फसिन शहासर्व भूरबफल मूलफलद, भूदंगफल स्युत्त । ५० जड़<del>हल अम्स</del>क ऐरावत कपनी भारमें शुह्रपन्त पंचित्रत्वक बहु वृत्र बस्त्रक निकुष बढ़हर, सक्य सङ्ख् तिरुप शास गृद, स्पूक्तनं । **५१ वृत्तर—बकानी मपुरपद्म मनु**मा बहुंबर, उर्दुबर, शावसंघ दुप्टानी बुनिकंट बुनिकंटक शीरमुख सी.पै बस्यविका जेनुकत पाणिमुख पुष्पगुम्य दुराहीना कन्पुनी कन्पुनादिका बहाबुश यसयु यज्ञक यज्ञयोड वज्ञभार, वज्ञांग पत्रीय वज्ञीदुम्बर, राजिया योतकम यात्रवस्य योत बस्यन स्वेभवस्थल स्वराप्टन मुचरा, गुत्रतिष्ठित शीम्य हेनद्राय हेमदुम्बर देगदुष्या । ५२ बेल--वर्तिनेक्स्या बचग्रस्ट शंट बाह्य वरीतम वर्षेटाह्य गंपात गंब चल गोल्गीनुदी जीरम विधासन्त

करमर्वे करमर्वेक करमर्वी करवम

य ५१

कन धेनु सैनु स्केप्नांत स्केप्नांतक सेत्।

६५, जरमब—सनरोही वर्मन **सी**री

T 58 805 TUY वटाम वटिक वटी ब्यूब मंदी मीस नायक सोकहर्ता गुभय स्मराभिकास म्मन्नोम पटीर, पादरोहन बट बड हेमपुष्य हेमपुष्यक। बर, बरमत बहुपाथ, भांडारी आंडीर, ६९. ताक---बासवद्, भुष्यपत्र विरायु, मूंगी भंडली महच्छाय महाच्छाय वरकूल तकराज वालहुम तुलराज यस्त्रपुर यक्षावास यमप्रिय रक्त बीर्वपत्र दीर्पपादप दीर्घरकंत्र ध्यजहुम फमा रोहिम वट दशस्पति वरगद पनी मदाहच सन्दर्श महोप्रत सेक्य विटवी बृक्तनाय बृह्त्याद, वैधवजीहर पच । विकारह, शूंगी स्कबस्त् । ७ नीम---अरिप्ट कीटक कीरेप्ट, ६६. पीपक-अध्युतावास अध्यत्व कपी बैटर्प कर्यन निव निवस निवसन देन हुनियसन केसवास्त्र सीरजुम निर्यास नीम्ब मीम्बम नीव नेता प्रमाणम समाधन शृक्षपुष्य <del>पश्चरत</del> पनवकृत पारिश्रहक पिचुमद पिचुमर् चनपत्र बैरवतु, बैरवबुद्ध शाबास पीषचार पीतवारक पुरुमालक भारक देवारमा धनुबुस धनुर्वृक्त नागबंधु धनि-रविप्रिय शासबद्रक बररबक विजेश मक प्लब पिप्पस गीपर वोशिहुम विश्वीर्थपर्थं धीत श्रीपपर्मी शुक्रप्रिय र्मनस्या बहादुम मांगल्य वाजिक बास समतोगड मुभड हिंगुनिर्यास । देव वामुदेव विश्व श्वीवतुम शुभद **७१ जब--क्याम थीट, मट बुक्दक** स्थामस सीमान साम सेग्य। यवस बाबा बुरवर, थो भी नन्दितक ६७ पा<del>कम् --वस्थत्यो इदेशानु,</del> कृपीतन पांदतक पांदर, पियाचनस पीतफस क्मंडनुगर कपरी सीरी गर्दशांड चार-ममुख्यक्, वक्टास्य सुप्तन्त्र सुप्तांग र्वायनी घटा बुद्धारीह वसड़ी धर्कटी

पड़ोरी पाड़की पाड़र, पालर, पालर, पिरारी पिड़कन करना कालेग करक क्यों मा महारका बटी वरीक्सापी शृंगी दुगारों।

५८ असीक—अपनारिय अपनाक कर्मात कर पस्तक, कर्मात कर्मात कर पस्तक, क्यात क्यात कर्मात क्यात क्यात

७४ करीस—उप्पन्दर बदुवस करिर

करीट, प्रथमाय क्याच करर, मुद्र

बीबर, समी समीदं सन्ता, सुनार सूचा सुग्मि (विनवा) ७९ हमा<del>ल अ</del>नुतर्म काचस्कंत तम

t Y

লমা লাগিয় ল<sup>িছ</sup> বীক্তৰণ नौचनाच महाबचा लोक्सकंब स्माम-ह्याच ।

श्रमका क्यामन्द्रन सन्द्रुक्की मक्टर

८ बॉक-काडी बंटानु, वसड, वर्मार, विकास विष्कृति कोचक दुविसम

तृबकेनुक तृथासाम तामा व्यवसार

लंबन द, दुसरह, बृत्तांड बृत्तां चन्त्रीय बाल्या प्रयोति पुरुषाती, वर्ष

वेत मस्बद, महादन सूपुरीय

यबरुब, बंग बीम क्या बारतीय की

तुत्र बेमु,श्रद्धार्थी वरण्याच्या।

८१ और (देह)-नटक नकडी मंदि नवारी दावश विद्याप्य स्ट बास्त्र निकासास बहुशस्य बातहत्त्र

बालास बाचपुर सम्बद्ध रहणनाए। ८२ मोजाब (पेड़)-बर्मी प्रशास क्षणात परमुख्या प्रमुख बराद वर्ग

44

बच्चन वृत्रे अराप मृत्र नुप्रण्य मुदुबर बरनप्रम विद्यादन विद्वार तिव न्दर्भ निवाच्या ।

८३ अवारी-का गरी, बनार यनारे। ८४ शामील-मीराम सीरामा सति। बर्नुरान क्षम करमा सर वत्र वर्षपार यास्त्र द्वाराम धार

रापन जागान करीन्द्र बीमी राजार्ड बाररास्ट, बादाम रिवरम रिवरमा

English 1 त्य, रोया-बन्दि, बन्दिर अर्थ रापर पुत्रशीवत श्राप्तवी समितान

महिना बहिकादी कालानु, कुम्पन्तरह द्धारणांचा बी*रा बीचवा*र्यंग गिक्टना िरना कैना जन्मदनी जुदरविका মানা<sup>ৰ্ত্</sup>ৰকা নিম্ম লীপুৰ হয়না। **७३ नि<sup>र</sup>न--प्रा**पन बर्गन बरगुर सीना, न्यास्य अधिक अधिक अधिक बर्ग नहीन बहुत वर्डहुए नीपर रूपक काँगुल विकास बुस्तुल सन्तिमेशन दिनीय शीमपुरा शासन्त रायोग्र राज्या सम्प्रम सम्प्रियं

निर्मेण नवर्गे हुन्छ ।

**७८ हरी--दिनो इन्त दर्शनुहत्त** बेप्रस्तर्भ केप्युरी क्षीकर क्षीवर

يتهميه ينفحني خوط بجمعته

बन्नामाने बाह्न महरून देखा अपूर्ण

र्बाज्यक्षी द्वारण द्वमुद्धानिका क्षाप

dan kantife tim gudi kalèh

ची-सीमक-अनुर अपरीर्यारण

सनन राज्यपत विस्तान **व**ित्र ৰ্মনিক লগা কৰেছিল কলভাই मजबूर राजकास तकत बील ब्याब्स

महुत्र शहरप्र अन्यसम्बद्ध सम्पन्धर

मूर नत्त्रानव नवन नर्वका नव

रत तराजन्मर राष्ट्र शास विद्या

मृग्यम :

**४५- ग्राप्त-- क**न्दिक्तमः । अवक्रमक क्षण्यप्र कारदर्शकः अध्यक्षीयका ৰাশে পদ কামী ৰাম্য কুমিছা चौराय बरुद्धन बच्छाम्य, बच-

नियन निर्मातका, मक्तुरा, मुक्क निमंद्रित निज्यसम्बद्धाः सम्बद्धाः सामग्रह्म मुख्य ।

\* \*\*

पुष्पक्रम पीठफेन प्रकीर्य फलिस मोपन्य रिट्ठी रीठका साम

204

बॉफ्य रिट्ठी रीठड़ा साम बेक्टन। ८<mark>१ मर्जून— कडू</mark>म किरीट काड

4 4

मी-६ वर्गस्य प्रम्ता पांडव पार्च सम्पृत बीट, बीरवृद्धः । ८३- देवसम्—तारपान देवसार, देवसकः ।

८८ चीड्-मनोकर । ८८ चुरर्गन-चनांची चनाङ्गा

हम्पानी मनुर्याचका वृश्वकर्गी सोम-सम्मी। ९ विजयसार—असन अमना आमना नीकक पीतसार, पीतसाळ पीतसालक

मियक बंबूकपुट्य महास्त्र बीजक बीज वृष्ट मोरि। ११ वर्षाच्या और (वेड्)-क्टर,

विविधित गमिन्स एगरिया और बहा धार, महान्त्र ध्याममार, रचतवार, नद्भ और वीमन्त्र क्षेत्रमार। १२ वेंग-कारणाव समस् स्थापन

९२ वेन- सम्बुप्तक कसन नवपुष्तक गोनराम शैर्पातक तस्य निचुम नीर निम बहुत वह बहुम बनमी तना

निर्धे कहा १६ वनसाम-साक, साबुक बनसाड मधे।

नेपे। १४ अनिवर्ग-उसमीसः संनदियाः गेलसी।

९५ वेडीस-वंडीट, बॅडीर, बंडीस वंडीतर बॅडीना वेटा : ९६ वंडरवड़ --कमब्द सम्बद्धाः

१६ कारकः च्यानहः, वयनदृशः वट्ट। ९० केर्डेर-कारधेहर वास्तान बच्च वाः हर हृसः बुधः मुक्तः बृहदः बहुदुनिका बहुदाल महानुध स्य क्याक्टरक क्यानु, क्या धालाकट धीहुंडा छर्मदान्ता नुषा स्नुपा स्नुरा स्नुही। १८८ नामफारी—नक्षप्रधी नगण्डभी नाम कली नामफारी।

९८ नायकनै— नक्ष्मि नगरमी नाय फर्चा नागकमी -९९ गुम - हुमा खार, मुस्मा भूमा खंबडी जटाबारी झाड़ झोमपुर्यो।

२० सवार अन्यत्य बन्धा वर्षामा अन्नीमा अन्निमा अन्निमा

१२ शाकी—गातः। १३ शुभ—नुतं यसः १४ शोय—(पेट्) सीव् कीयः।

१ ४ शीय---(यह) साथ काचा १ ५ श्रोनापाठ---(बड़ा पेड़) सीन पाटा सीनापाठा।

१०६. बीवस्ती-अस्ता पंटबण्ती बद् एमा दुगरोह शिवप्ती वीवम्ती। १ ७. मेवही-(वेट) सेवाही सेवरी

्येन्तिपुरार, संमान् । १८ जैन कर पेड़—जय जयनी जया । १९ कर्मा—जावाुती करना पूत्री र्गबम्भा गत्रमञ्जा नामवनु अहारणा महस्त्रा महरणा महस्त्रा महरणा महस्त्रा महस्त्रा महस्त्रा महस्त्रा महस्त्रा महस्त्रा स्त्रा सुरुपी सुरुपीरवा सुवद्या सुवीका ह्यादिनी। ११ तरपः—काळानुवादि, क्रुचिन नत्र स्त्रा तरक वपरक बीन बीपन नत्र स्त्रावास्य पाविक महोरण कड्य

₹ ११

वक, निराम कठ।

१११ पुल्ली — वर्गरायससी वस्ता
करिनर, कुटेरक इच्यावस्त्रमा पंचहारिनी प्रास्ता पौरी तीला पुल्ली
विदंशसंबारी पर्वात परिचा पावनी
पुष्का मेटपालती पुरुक्ती सुरुक्ती
विदंशसंबारी सावनी
सावनी सावनीका कक्ती
विद्युता विष्णुताली बुना बैच्यती

पुर्वम पुरवस्करी पुरवस्की बुरेक्या पुक्रमा पुग्रहा हरिप्रेया। ११२ पुक्रमी (कास्त्री)—करणक काकी पुक्रमी कृष्णपुरुषी कृष्णपार्थी कृष्णा स्थानपुरुषी। ११६ साक्ष्मरी—कर्रकरेरी कृषीतक, कृष्णियक कामवर्धी कृषिमी काय्य-

रवनी दारनिका दासहरिका वार्वी

स्ताना भी पुगना सुनना सुरकुन्तुनी

 स्वयंत्रिका स्वयंत्रिका स्वयंत्रिका स्वयंत्रिका स्वयं वाह्र्य स्वत्री स्वयं स्वांत्रा स्वांत्री स्वयंत्रीय स्वांत्रिक्षेत्र स्वांत्रिका सेता दुर्गः स्वांत्रकांत्रा स्वरंतिका होता स्विंत्रिका स्वयंत्री पुरत्यंत्री स्विंत्रिका होताको । ११५ वर्षाया—(एक वाद्य) सरित-स्वांत्रिका स्वांत्री स्वरंतिका स्वरंति स्वांत्रिका स्वांत्री स्वरंतिका स्वरंतिका स्वरंतिका स्वरंति।

पवित्र बाह्नि सक्तपूरण साहिक गुम्मर हरकार्य। ११७. हुडी—(एक वास) कम्मर्यः शीरो साहिती तास्त्रमा सम्हर्या। ११८. लक्ष्मिक्ती:—उदयंग कहा सर्वः संवकृत सामगुक्या किन्नी, विक्रिका तीक्या स्वेयनाटुट।

ाकास्त्रका द्वारा वर्षणाञ्चार वहुँद सक् कारक चक्रमण चम्मे म्यस्त्रक डीरियन गचार व्याप्तापुन व्याक्रम, ज्याकानुरा १२ सर्वी --कोक्सण बुर, नवर्षे गायबुर, व्यादिकारियों पारित्र वर्षायन क्षेत्र व्याप्तम बुनित दें

विधासना हुन।
१९१ कर्केट---वेशनाल बमन नट, नटी
शर्लक नक नकोत्तम महत्त्रक,
सम्य विभीषण गुरुप्त मुरुपाल स्पृष्टनाक स्पृष्टचेत।
१९२ नामकेश्वर---ह्यास्य कनकाहरू
केश्वर, केश्वर, केश्वर, बेश्वर, बेश्वर, केश्वर, बेश्वर

देनवल्कम भावविज्ञल्क, नापकेट<sup>८</sup>

भागीय नागरनर, पिंबर, पुत्रान<del>केश</del>र

121 u•\$ ष १३५ पूरा पूर्णरेकन कविकेशर, फलक खारन वृंडकेरी तुला तूल पटद राजपुत्त स्त्रम् । पटकर पिषु पिष्म पिषुप्र रेरेरे नागरमोथा—करु अर्जाद बाई। सस्द्भवा घदरा बदरी शाहर रम्पटा कंपर, कसीन्या कच्छवहा ममुत्रांगा । कन्छोता कनारित कमर कुमिनक १२७ अनूट—अटा पटमा पाट । कोहप्टा गांगेय गुरूपा गुडा प्रचि १२८. पाट---पूट, पटमन पटवा पटवा पर्यक्षा पारकेनस पूराना पट्ट । नामरमुग्ना नामधीत्व नामधीत्वा १२९. सम---शृतश्विषा राम शर्नाः नारवी विश्वमुल्डा बन्या अङ निची। कार्या बहमूल सहमूलक सोवा १६० चॅबल-शकांच गंबराज मंबनार वारिष् बुग्ध्याची शिविग्ध सीमदा नीमीय प्राप्य चंद्रकांत चंद्रकांत मुन्तिपप्रविका हिमा। षधन निनार्ण तैकाशिक गटरी पार्यन रेने४ तील—बन्कीका कासा जाती पीतमार अदसी भद्रमार महासय रूपना रूपन स्पौतकिका संसपूरणा भौविष्याच्या भंगस्य मनवात्र मसमाष् पार्गटका तुल्वा भूनी डूसी बाना भव महर्ष पहाई शैहिम अर्भेर भीन नीतिनी नीदी घडा भारवाही सेप यंप गीनक श्रीगंड नर्पांशम सर्पेट बर्मा, त्रीचा रत्तरती गेवती विजया निगद्दिय गुगव मध्य । कृत्तिका ध्यजनवेची सौषिती क्याना १३१ अंदन बीसा—पासमार पासानु भौडमी निवरणा निवरणमा । गार्देश शालीय शालीयक शालय यीत १२५ **छमन—अपू**र्गा, बटनप्रय वट नम भीतवा पीनवाप्टा पीत्रबंदन नाएँ नंदराज्ञ शहला। संस्कृटी **रीताश पीलाचंदन माधवदिय वर्णन** 🛣 मैं विस्थीयी तुलती। तूलवृत्त हरिचान हरिजिय। <sup>क्रा</sup>रण राष्ट्रम राषान् दूसरोह १३२ चंदन आल-नूचंदन पूर्माश निर्वेषपुर्वे निरमास विकित विकास-राप्टेबरन ताध्यार नाधात्र निम्परी

मार बुकाम वृक्तम वृत्रमा बारशीये पत्रम पद्मम प्रवासकत साम्बर्गाहरू नीवनियान जीवचवा जीवगार जीव रजन रक्तवान रक्तकार सामवान । <sup>सा</sup>न मार्था, मोचार मोचारा अस १३३ अमेगूरी-नार्गवर्गः भगविदेश इत वसामुनाब वस्त्रान्तन बस्त्यमुगा वनीयव । केप्याम प्राप्तमा <sup>क</sup>राज्यमि प्राप्त १३४ वरवड्-प्रशास्त्र सहसूत्र निके पान्तनी क्षेत्रम नेवर व्यवह व्यवस्था वर्ग तक्ति तुक्ति विषयत । गर्नेत नयात्र समाह बकार वेपलीका । रेरेफ क्यम-स्वीननारियो वर्गीत्सा र्रों ने बच्च बच्चीये जूद अमा. विकार विकास बीका विस्तिता

2 6

विषा शिक्षुभैक्ष्य रहेंकी ध्येतकचा । १४६ अन<del>समूक ज</del>नेतमूच वर्गता,

अस्कोता करावा योगी पोपससी. नागणिक्या प्रतानिका पश्चकती ध्रार सारिका सारका स्थामा मुख्या । १४७. इंडायन-जन्ता जस्म इनास्त, হুগাৰ্থক হুঁহাখিমিতা ইবৰকট

इंद्रदादणिका ऐंद्री कपिस्रासी सुप्र सहा वजविभिद्य शवासी ववास्त्री विकासना विका तारका दिख्डोति

पीतपुष्पा करा माता मृत्रादनी मृ<del>देवीर</del>् विपन्ता वृपनासी सुक्रीवता दुवना हेमपुष्मी । १४८ अमस्ताल-समग्रास वर्गः जागहा जारमण जारेवट जारोरम<sup>्</sup> थियी क्मकतास **कंडूम इ**प्टमूर्गः क्रुयमाळ जनवहेड्रा जक्षपरिज्ञान

चतुरंगुल क्वरांतक दीर्मफल नरामार्ग प्रमेह, भंचान महाकणिकार, राजपूर्व रोजन व्याविवास सम्बद्ध संस्थिति सम्बद्धः स्वर्णपुरमः स्वयोगः हिमपुरमः।

१४९. अक्स-नटस्य जबूस अवस्य गक्स गक्सा बाटस्य जानसर् कंठीरनी कसनोरपाटन नासा पंचन्ती मार्जुसिही मृबेन्द्राची रसादनी धर्म क्पक वाजिरंतक वाजिरंती वाजी बाधा वाधिका बासक बाता बाटिर विसीटा कृप वैद्यमाता वैद्यासिही, सिउ-कभी निहानी सिहामी विहनुती तिहानन विद्यास्य विद्यार, निद्याः। १५ असर्गय-अवरोहा अपवर्षण

१६६ योगयीनी--अमृतौपहिता यीप-चौनी चोवचीनी द्वीपांतरबचा। ११७. छरीला-कालानुसार्व गिरिपुव्यक मृद्द योगं पनित अरिक्शिका नुद्ध विकासन सिमेय सीतक चौतकिन ग्रैन ग्रेनर ग्रैकन ग्रैकाश्य स्वक्रिए। १३८ संबद्धती- संबद्धरी अर्वपृथ्वी धीरिनी दविमार, बुरावर्षा पयस्या वक्सस्या चीवका चीवा विवयवी ।

विराश्चिका दिक्तक मृतिस्य धामसेमक

# 244

हैम'।

११६ सकरकरा-जनस्त्रका अवस्त्रक बाकरकरा बाकरकक शाकार*करम* ∤ १४ वपर--वगर, जभिकांड अनार्वक श्रवार, किनिय क्रम्य पातका प्रवर, मूनन मोगन धनाई कोड वंधिक वर्षप्रसाद । १४१ सनाय<del> भर</del>नाणी नकहारिजी रेजनी धीनामुखी स्वर्णपत्रिका हेमपत्री । १४२ सरफोरा-चंट्रका कठान, धरपुषा सरकोंका। १४३ सहदेई---मंत्रवस्त्री देवतका पीत पुष्पी प्रसादनी भंगकार्थ बहार्यका

महाबना मृदश्ता मृदा वर्षपुरना वर्ष पुणी बारच बाटघायती बृहद्तका सह देवा महरेवी । १४४ अजनोदा--अनमोद कारवी मधस्य रोध्यक ब्रह्मपुरा बहाकोशी मपूर, मर्केट, बोरा मोदिनी सोवनलक बलगौग विग्रह्मः। १४५ मतीत---अनिविध अतिविधा अर्थम पूर्णकम्पना जंबुरा शूंगी

भागतिहिंसा कंबुसा कंबुसाय्डा नोर्न, कामा, कामकविनी कुटट रातिनी, संबंधनी तिस्ता तुरंपणेबा इति, दुरंगी पत्तासपूर्णी विश्वकरी पीरण, पुष्पा **बलवा बल**रा बेस्स, बाबिबी, बाबोकरी बाराहपत्री रता नी, दरबा, बरणावकरी बाबिलंबा राजिनः, बाउपनी साधहरूकों स्वामला हरवादा हरहिला। १९१ जाराम जॉर-अकासबीर, असर वेब, बाकास वेब आकात बीट, दुस्तरा। १५२ इंडबी--इंडवन कृतिन कार्ति-रत दुग्य नास्त्र सव वासकः दस्योव । १९३ इत्तरपोत-इसापीन इसरपोल रेंग्रदोल ईसरयोग स्वक्ष्यबीए निचनीर । १५४ वंबा पटकिनी करंकरा, इरुक्तिका कुवेराशी यटाइन करियो । 164 RAL-RAC करणक. कार्त राजपूत्रक, गंजसाट, बटाल मेरिक मूल राही। रिक्ष करकोहरू-अनकोहाब कर्यस्कोदा कीनकता, चरिका, विकासी विदुध । ११व वर्षर-वंद्र जीवदीश वर्ष्युट नेपूर योग स्त्री, यनसार, चंत्रकस्म चारक, बाबारपूर, सस्वाद, निया परि दिवु देवन विज्ञा योजसमूख दे उरतेच योजार सिजाब सिजास**र** क्षेत्रसङ्घ स्कटिकाका कृत् हिमशालुका

रिक्रोच हिस्से व

नरवारोहक, करवारोहा अस्वारोहक,

य १५१

१५८ १३ तरह के कपूर--अन्दवार, वितिका तुषाच पविकास्य पांश पिक पोठास भीमसेन राकरशास सीउन सितकर, हिम हिमबालुर । १५९. क्यूर कवरी—वर्षेट, कृष्य-हरिका गंधपलाची गंपवप्, यंधम्ली येवा गंबारक, यंधीली यंधीली यंपमुखिका तुथी दुवी प्रमाशिका पत्नाची पुजुषनाचित्रः घठिका वरसेपा सदी समदा सुगयासदी ध्रवता सीव्य हिमोदमवा । १६०. कतीला--कवीरा कॉम्परस कमिएसक, काम्पिक चंद्र पिकास बहुपूर्य रंजक, रक्तींग रक्त फल, रेचनी रेची राचना संपूपनक, कोडियांग । १६१ करंब--अंगारवस्ती करंबक, करब करभाडिक, कनियारक, वक्रियाद, वित्तगारक, कावच्यी कैंदर्य मुन्द्रपत्र, पृतपर्वक विरक्षित वपस्वी नक्तमास पृतिक, पृतिकरंत पृतिपद पृतिपर्य प्रकीर्य बद्धफल स्कामान रिवारी वृत्तवर्थ यायच्या, वर्श्वय विकासका । १६२ करियारी-अभिविद्या अभि-मुखा अनेता ब्रह्मुणिका बस्युपिका क्रिकारी क्रियारी क्रिहारी यर्वभातिमी गर्वतुत् यर्वपातिमी शैला नक्षा पूरपदीरका क्यहत शांगलिको लांगुली बहित्रका बहि शिक्षा विद्वन्यामा विद्यस्य धनपुष्पी रवर्षपुष्पा द्वतिशी हती । १६३ कालोसी-भागरियश शीध

# two # \$4¥ 22 पुष्पा मेध्या विकसा सिवस्थिया धर्मी-भौरा पमस्या ध्वस्थिनी संपुरा नमस्पा नायग्रीनिका नीचा भीतपानी पत्र रिक्रयंका। १७१ कीवाठॉठी—काकर्त्र्यी काक्नीता. गुनका स्वादुगांसी। काकादी श्रीआठोंठी बायसी थिसे-१६४ कायकर—कटलस कायस भायप्रम मुम्दिका कुमुकी भूमिन शासा धुरमि । १७२ शीरकाकोसी--अस्टमी धीर पाकी कुम्मी कैटर्व क्षेत्रचं केंद्रवं मपुरा शौरमध्यी शौरनिपानिका रवकफ्त नारामु, पुरुष चत्रारंजनक क्षीरसूक्ता पीत्रवस्ती जीवपूर्ता रोहियो अनुभारमर्थ थीपची श्रीपृष्टिका धीमवृद्धा धीमवस्क । वयस्या प्रवस्थिती सहावीरा। १६५- कालीजीरी--भरवाजीर, कन १७**३ জল—নম**ন ধনুনার ধনবাচ अववाह इंड इच्हजापुर प्रधीर, स्मीर, कासबीद शहरत वृहस्थाली। १६६ पुरुषी---मंत्रनी मरिष्टा घटनरा क्षेषु, कटायन नांडरमूस जलनार्ड करनी कट्ट, कट्टका अवृधोहिनी धकास्य तत्त्व समुभव सामन्दर्भ बीर, बीरवमूल बीरमंत्र धिविद इप्ना इप्नामेवा कार्डवहा इप्यमेवी कृष्णमेवा कृष्णा केवारकटुका चन्नांची समगंदिक सूर्वविमूत्तः। १७४ संपर्विरोका--बीपहार वेत-भिनामी चनती दिक्ता हिजांकी हि विरोगा पृतक्काय वितामन तिन्तर्न र्षापी नकुमाताबिनी शतस्त्रजिता शक-भूपांक पद्मरचीन पायस समात मार मेरिनी महोयमी शङ्कलाविनी श्रापनी। रक्तमीर्यंक रक्तकेष्ट रखाझ विधीना १९७ प्रदेश---वंदपु, कट्ट कालिंग वृक्षमूप वृक्षमूपक केटरसाद सीरिय्ट काही कुटक कुटब ब्यूटन कोरीग भीरत भीवात थीवेप्ट, सरस्रव सरह-नाही दुटक कुटन चून्च कार्रया कीठ कौदवा गिरिमस्किका पांकुद, मानुषध मार्थ । १७५ वरहपुरना-नजपुरना वनपुरना प्राकृष्य महाबंध मंबद्धात रङ्गनाताक नीकपुनर्नमा गीका नीकिनी नीकी-नलक वरतिका वृशक संप्राही सक। १६८ पुर्नीवय-पूर्णन कुलंबन कुती सांठ विचारवरा शाँद । वन गंत्रमूल तीरकामूल। १७६ गामुबी-समञ्जूनी कुरता, तर पत्री ओजिया चीनिश्चा नीची द<sup>र्वी</sup> १६७ केक्क्सितगी-नवंटशूगी कवंटी कुर्मियी कैकरासियी मीचा चौशास्त्रका वानिपानिका । १७७ पुरवृत्त-पदीय प्रमूततन वर चरांनी चरा नक्षती महायोगा बका काकनियांत हुँची दुम हुमी दु<sup>नीन</sup> बिपाणिका बिग्वये श्रृंती।

१७ केतरो---१२कनिशा श्रंटनवर्ता

माचा भवता श्रंपूक जेंदूक

धीरगपुरम बन्धुएस बीवेशन जुनि-

कुत्रोत्<sub>रतक कोशिंग पुर्व</sub>

गूनस जटायु बदास दिम्ब 5<sup>मे</sup>

वैवपूर देवेच्ट, पूर्त नियादक पवर्गाउ<sup>न्ट,</sup>

। १८३ भीतवार—सगरा सदला सफला

समर, स्टेश्नीजी कपिता हुनारपाठा व्हारपाठ चीकुमार, पीडुमारी चीगुनार, मृतकुमारी बॅहुनार तरमी मंडला माता मृह, स्सामनी रामा

घ १९०

१८५ पधकार- नेदारज केंद्रार, बार पधव पधकारक, वधमीय पधवृत्त पधाक पधाम पीत पीतक पीतरक सालेस धीतक सूत्र सुमम।

वत्राच्य विपरायून रिप्पमीपूर नागम । १८८. मीमन-चपपुत्र्या वस्म बम बटी महुबीता इच्च बीरवी पीना महान बरमा रिकार्यका रिप्पनी

बीचर थीर्वात धायमी घोँही । १८९, पुरीमा—सनीर्जहर वीटीमा रविषय बॉल्स्स्टिस्टिस्टिस्टिस

नुर्गापणः । १९ शुक्तरमूल-मार्गार प्रवस्में यक्तार्वे यक्तुगुग्व मुख्या पुत्रण करा

क्लाडिप्टपुर, पसंकथ पूट, पूर, शका भौक मृतहर, जैवायूगल संबंडिप्ट सहि कात रतोहा क्यांबक वायुष्ट छोनव निव धर्मसह। १७८ मुक्क-वमृतकल्की अनुता

वेदारा द्वेदिकती कुँबकी युवणी पृद्धी पूर्व प्रश्नास्त्र व्यापनस्त्रिका प्रश्नास्त्र वकारी छात्रका छात्रका छित्रा जीवनिका जवरादि, शक्किः येत्री देविनिका श्रीरा गालुक्षारिका विदेश तिराजी विपक्षिया स्वापना राजनी बस्तारनी वर्षका वर्ष पारस्त्रादि विराज्या स्वापना छोत्रकानित

वरद्युप्पिता वीदण्या सोराज्युंदी विवस्तिविक त्रास्त्रिती त्रकत्या बोहा प्रार्थिता रहानुवी मुद्दी सुद्दली जीवनी विवस्ता हातुन्दी स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य

वि १ नोरवर्गुडी-जलंबुपा जन्ममा

रिनद् तिरुट यसंस्था प्रश्नवंटः वटकंटः वतप्रधाट व्यासस्य स्वर्धयः रेतस्यादाः, स्वारुक्टकः (६) योनुस्थितः—कृष्णमूचिता क्षेत्रवा रिप्ताः

१६६ बोरीयक-वांकती राप्पा प्रोपीत नोरियानंत्रका बोरीयका स्पर्णक पोत्रयी पाँची वान्तीय नेपित पोत्रयी पाँची वान्तीय कर्मा संस्था कतोरका प्रेप्पा रामा प्रिता वार्मिया वया सिवा सांवा प्रोप्ता वार्मिया वया सिवा सांवा प्रोप्ता प्राप्ता ।

२२७. र**वी—नै**ती बड़इन एमी समी बैननी वैयुक्तमम चूंगा सुद्धा स्वेता। ११९. श्रमाश्रमोदा--कुम्यिनीवीच चंटा-क्षाकी । २१८ वेहूँ—अपूप असम सीरी पेर्प बीज चक्रवेरी बीज जगतमोटा जयपास गोषुम बोहुँ बाउटवी निस्तुव निस्दु-

233

**4 234** 

थसीर, बहुदुग्ब स्थेच्छमोत्रन रसाह थकत यननश्चिम **क्षु**मन स्केम्मक समन सुमना । २२९ नेहूँ (बच्छा)—गेहूँ राजववानी वास्त्री । २३ थान—कर्तृमक क्**क**म केरा८

चावक दीर्व दूपक निपप्रिय बासमती पांडुक पुंडिएक पुर्णाबक रक्तकाकि कम काक्नीरा वीही समुताहर धानि बासी दाओ मुकुनारक सुर्गवक । २३१ कुछ अच्छे याम-भागावस्त तुमधीबास फूलमती बांसकूल बासमती

मोतीभूर, रानीकाबर,रामभोग वपमंत्ररी कटबीच कटेरा स्वामनीय समह्य समुद्रफेन सङ्देश्या हंसरान । २३१ कुमर विकास—(एक संबद्ध नान) शुनैर निकास नोरहत नहरी भीरी शीया विभी पशिधन बक्ती। २३३ कुछ मोटे और सावारण नाम-र्धेवर । २३४ बाठी—सर्पः।

बनइनिका करहती चरहत सर्दा बुद्धी क्यरी अजरबॉम वर्ड्स वोरी-रामजनादन धरमा साठी सूपारंबी ११५ १८ तरह की ताठी क्योरता करित्रका कसमा कसमी क्षेत्रहेरी नवड़ा वरिका पश्चाही पीठा वित्रधाडी विस्थाना महाद्वासी मानवी रकाणा<sup>सी</sup> चत्रमधेती धरिदका शुक्का सीमी I

विविधीकक एंटीबीच मकताबी रेजक बीयरेजक श्रोदनीयीय सारक। २२ **वाय<del>कत को</del>स कोप कोपक** वादि वादौकोस वादियस्य वादिसार, बाती बातीकोर बातीफक बावधर, पुट, फलकारी मण्यसार, भव-सींड भाक्तीपन राजगोप्य

प २१९

सुमनकुरू । २११ बाबिजी-बातिकोपा बातिकोपी बारिपनी पनिका नास्त्री सुननपनिका सीमनसायिनी । **२१२ चौरा सकेर—जना**णी भणगीरक भपहना कपा जानी नीरक जीरा थी**चतुकेद, शोर्वक स्वेतनी**रक चित्रवीरक । २१३ श्रीरा स्पष्ट्--चर्याद कालगीरक

कारुमेपी कास्मीर जीरक कृष्णबानी कुम्ब बरिक जरथ औरा नीसकरण मीका पद्, घेदिनी सच्या नुनंबा स्वाप् बीए हुए। २१४ <u>इतत- उ</u>पन वैदाबाद, फतत फरिक परका **२२५ अस-अ**नाज जनाश अगृत आध नस्ता जीवनमन चीव शामन दाना भान्य नाज एया बीज बीहि, मौमाई, मोम्प क्वेटिका वरेजुक, बीउम घरन साली तस्य शतन्त्रकार, स्तम्बकारि ।

२२६ सरीफ-- नगहनी **करी**प वरताती

सावनी ।

ष २५६ म २३६ **१**१५ जोलहरी मुह्टा मकहि मनकी मकाई, २३६ मी:—वस्त कच्छि चन मना केवृहरा धौरवयुक शुरवप्रिय विश्य भाग्य भकाम शिकाम्, राज पनिज्ञ बान्य प्रवेट, रोध्य यव यवक र्सपुटावस्य । २४७. चेन-चेठुवा चान चेठुना साँबा धन्तु, चीतच्यः स्थेतर्ध्न सितस्य इमप्रिय हुमेच्ट । **भीन बनासपती।** २३७- वर्ष---जर, क्य क्यन्ती क्यारा २४८. होनुन---टेनुनी टीमुनि । नाय । २४९. गता--विधन असिवन असि २३८ मोपी--वपृत करव्यमुख कुकी पणक इस्तु, इस्तुर, ईस उत्तु, अस कड़ों रिक कम्बी कीसकाद, पुरुवार मक कुमीकक कच्ची निगृहक बनगुँगिया नुक्तृत बीर्चन्कर पयोषर, पूर्, पाँडा बस्तीमुन्द, मङ्गुष्ठ मङ्गुष्ठक सञ्चन्त मबप्ट सवप्टक सवुष्ट अवुष्टक सवुष्ट, मनुत्य भनुषय्टि मृत्युपुष्प रसास बंध विपूक्ततः वृष्य सनकरकन्त्री साँटा मुकुप्ट मुकुप्ठक मृत्यप्ट, मृत्यप्टक यवमुम्ब, बनमुम्ब करकः। षाटा सुकुमारक। २५० पेइ--नंगीधे अयान २३९- मोर<del>ॉ पुत्रव कुळाल को</del>दब वेंड मोट्ट, कोकार, क्रीडब कोरबुयक कोरबूयक वेंशी । १५१ वहेरी-भंगरिका भेँगारी गडी मदनायक । २४ सौदा--- अविधिय श्रेष्ठाम युनवी--यंबेरी । भोत्रम त्रिबीय शतकान्य स्थाम २५२ वाळ--वाकि डिवस । स्थामक स्थामाक धमा धर्वा सुद्धमार । २५३ अच्हर—वरहर, मञ्हर, माइकी ९४१ में इ. का—मूंड्या सहसा। करवीर-गुश काबीमृत्त्ना दुवरिका तुबरी पीतपुष्पा भृतासक मृतासका २४२ जुलबो—कासमृत्रा श्रुस्तम कुरबी वास्त्रवीय तास्त्रवृत्तः स्वेतवीय सिवेधरः। मुलना वर्षा बीम्पा बुलबीमा रें वे व्यार—मुख्यिका इटन कोप्टुपुण्डा राजपुष्पिका सुराष्ट्रज सुराष्ट्र-बंगा । चुनार भूगे जुन्द्रां भूनेका जोवरी २५४ क्षरक—उड़ब, तरबी वर्व वर्षी भोत्रहरी भारतयी मंद्रा सबनाव्य भारत कुवनिय, बान्धमीय, पितृमीजन याक्तक रक्तिका ककिया शीर्वती तिच्या वसाव्य वस्तौ बीजपल सौ स्वेदा गुर्वधिका । मांसक महिनाप पूर्वाकूर। २४४ जोम्हरी (छोटी) दे ज्वारी। २५५ चना--चेत्री हप्ततेत्र यस ललक लीवा फ्रोका जीवत शामिक्य रेडिए बाबरा-अद्रवान जोनरी, बोन्हरी नासिका माधी नीसक्च नीससस्य शक्तमैपञ्च शक्तमोज्य रहिना

रुवका संबक्ती सन्तरी सर्वेरी सर्वेरिका साजका।

प्रमा-कटिन कांत्रम कुकुरी

नाजिमम्ब सक्कप्रिय सूर्यंत्र हरियंत्र

२५६ यसूर-- कस्यापनीय वमोतिक

हरिसन्त्रक, हरिसन्त्रज्ञ ।

पुरुकरपूक पोहकरपूक पोर्कर, बहातीमें मुक्कपुरूर, पूर्णुकम सागर, सुमुक्त। १९१ पोरता—उरमसारक खालस सरस्वरूक सर्वरिक सरक्षरक खालस रिक्ष खालसारक विकास, पोरत सुनीन मुस्मवंत्रक मुस्मनीन।

म १९१

वप्सिन्तरी तबस्, विधिता कियी धूनमा पोधिनी देपी सारुक्य, सुन्तरा मात्रा सिरिका मिछि मुन्यस्ता सेनासी हिसा। १९४ निसारिक्य—राजुक्या सनुस्तरती स्व्यापीका स्थापनिका सीरुक्य शीर कन्मी सीरुक्ता सुन्नरिसारी प्रवासनी प्रसामनी सिन्नपार्क्य, महास्त्रेशा

किराखिनी कम्यादी यौरी चक्रवित्तनी

बद्यमारी बटाडा बटिडा

निपार्ग विभाग्य -- अवस्था विभाग्य विभाग्य -- अवस्था विभाग्य -- अवस्था वृहस्यका पूरावामा पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पुरस्यका पर्वा प्रशास विभाग्य का प्रशास विभाग्य का प्रशास विभाग्य वार्षिया वार्ष्या वार्ष्यक्ष वार्षक्ष वार्यक्ष वार्षक्ष वार्षक्ष वार्यक्ष वार्यक्य वार्यक्ष वार

१९८ बाह्री-न्योत्तवेया दिव्यतेजा

विष्या परपेरिक्ती बहुम्मारिनै, मारवी मेबून्सा मरस्मामी महीर्याद मेच्या बमस्या वरा बीच वैवानै, सारवा सरस्कती सुबन्धेंड सुरपेट्स, सोमबल्करी सीम्मा।

**च** ₹ ₹

शोमबरकरी शोम्मा।
१९६ सरकर्वेया—सगायांठा कंटकारिकः
कंटकारि, कंटकारी कंटमेणी करदेव कारावती कुखी कुश्रीमुर विश्वका पुण्याचिया दुष्पार्था बावतिका बावती विदिश्यका प्रयोगती बंदकारी सरक्रद्रया, एफ्टिका रेवानी सरक्रद्रया, ब्यामी सिंही स्पृष्टी। १ विसायस—समित्र सरकर्द्र, कर्

व विकास चालक सर्व प्राप्त र्युंख सत्तात परतात्क प्रत्नात्न गेखा रत्त्वहर बिह्नुनामा बीटाव धेन नृत केहचीत । २१ शृंगराक असारक कुटुर बाया केसराक नीकपुण नीकपुंतराव नार्व,

संबद्ध संगरमा यांच्य मेंयात्र महान् व ।
१ १ वर्षीय- जरूना कांग्रीचे राजवेरिया कामा वरियो गीर्चविवासी वियो जायनस्ती वर्षीयस्वित्यांसी वर्षी जायनस्ती वर्षीयस्वित्यांसी वर्षायाःस्ति संग्रीत्या संग्रीतस्वित्यांसी क्षेत्रकारी संवित्या संग्रीतस्वत्यायी क्ष्या स्वात्यांसी
वर्षा विकास सम्बद्ध हिर्मुख्या ।
१ १ १ वर्षीया संग्रीति स्वात्यांसी संग्रीति ।
१ १ वर्षीया संग्रीति ।
१ १ वर्षीया संग्रीति ।
१ १ वर्षीया संग्रीति ।
१ वर्षीया संग्रीति ।

इतपुष्पा । १ श क्वाकरंक--श्रकणी वावसारी-गर्वास्त्रती भवूनता सर्वमरी-रतायनी विश्वणी इतितकरंत्र हॉर्न-चारिची । १ ४ मांबरोहिबी---वॉन्पर्ग वर्तिपी क्यामांसी चंत्रवस्थमा चर्मकवा प्रहाद-धाली महानांती नांसरोहा वता विक्यावता बीरवर्ती रसायनी रोहियी कोमकर्णी भूकौमा । ५ मासरोपनी-अधिनवर्ग अधिनकता

204

चमीबिनौ कंपनी क्षक्त्रमा क्योताधि काकोडी पीर्वता क्योतिकाती तीवचा दौड़ा देजोशती धीरा नटी नहीं बहरवा पीठा महाज्योविच्यवी वेषावती मैच्या यसस्थिती लडका विद्वमाल्या चपित्त भैक्सता सतैका दुरकता सुवर्णनकृती सुवेगा सुविरा। · ६. मिर्च तक्रेड--वरक बहुत नातक

घोतोस्य सित्रधियं सित्रवासील ।

! **७. मुलेठी—ज**विरसः क्लीतक क्लीतका

वनवच्छी बेठीनम्, सबक सबुस सबुर

नाम मनुरस्ता मधुक्ती मधुस्तमा यपुरी मुसंहठी युसयची मुसपट्ठी षष्टिका यध्टिमञ् यथ्टी छोषापहा चौम्या स्पत्तवस्टी । toc. মুক্তি—সাম বৰুনিকা মহুৰ विस्व पोइची। २ ६ <del>पूज-श्वारय क्षेत्रम केनमाह्य</del> दुर्मुल इक्ट्रान बहुप्रज बाग महसूज मूत मूजनक, मुजाव मूत रामग्रद पकता चर, वीरी।

मवनकृतः मैनकृतः शाठ, शामण्यसंतरः विषयुष्यक शस्यकः। २११ ना<del>नुकत सा</del>क्ति सामकत बापरकोटा ।-**११२ निर्मती—अंदु**प्रसार वत वतव

**२१ मैनकर—बंठ, करहर, करहार** 

बेटाक क्षमर, बाराफ्ल पिडीनट, पिचुक

कतकरेज, कारच गुष्छएस असच्य, छेद नीय तिक्तफक विषवसरिच दोयप्रसादन पया प्रसादी पायपसारी शोधनात्मक रसदण ।

११३ वससी--आशॉफिन सस्त्री योपा दीताप कपनिका ताक्रमुकी वाकिका वाली वीर्वकविका भवाली महाबम्या मुसकी सुबहा हेमपुच्यी। ११४ वावफल--- छिद्राफन माबफर

माइका माइकस मायाधक माथि। २१५ वाबीरंग--कापाली केवल कैराल पर्दम गहुए चित्रनीया चित्रा त्रेयस पावक बेस्क वायविद्यंग परमक माजी-रंग मोपा रसावन वरा वार्यावदंव विश्वंत विश्वचा । २१६ बक्रमी-जनलब अधिकत्वमा ऐन्दर्वी काममेरिका कृष्या कृष्यकता चंडलेया चंदी पूरिक्ता पुरिक्ती मानुनी बाकुणी बायणी बावणी

वल्नेना पविसेका युक्तोत्सा वितावधै मुत्रभा धोमवल्ली । २१७. वच—दरापर्वी धवनंता स्वरा कविंकी पारिकी बोलोमी जटिला वसता तीवचा बॉसनप बोधनीया मदा मृतनारिणी भौगवती संवस्था मेच्या वच्या विजवा धरापविका शत्रा रवारनी । २१८ बंडालोचन--वर्पुररोचना कर्मरी बीस बीरिका युवागुवा तुंव तुवा

तुनाशीचे स्थवन्यीय स्थवशीचे स्वय-सारा विया शैषता शेषतिका वेशक-पूँर, वंशकरी वंदाना वंदारोचन वंदाती चन बंशलोचना बंदासकंख बांसी

**१२ वाल्य<del>क को</del>स को**न कोनक कार्ति वातीकोस वातिसस्य वातिसारः बाती बातीकोर बातीकर बायकर पूट, फसजाती मण्डसार, मध-वीड मास्त्रीफक राजनोया शास्क सुमनफ्रक । **१११ बाविजी-वा**तिकोषा वातिकोषी चारियत्री पत्रिका भाकती भुमनपत्रिका

१२९ बीरा सकेर-नवाबी कथनीरक कन्नहमा कगा चानी जीएक जीरा चौ समयेद. रीमेंक स्वेतजीरक सितबीरकः। १२३ औरा स्माह---जब्बार, कालगीरक काक्रमेपी काश्मीर शीरक पूरणवाशी क्रम्म परिक नरम भीरा नीवकरन भीका पट्र भेरिनी श्रच्या भूवंत्रा स्वाह,

धीमनसायिनी ।

भीय हुव। २२४ <del>इ.स.च्. उ</del>पन पैदानार, फस्ट फरिल फरका **२२५ वल-मनाज ननाय** आद पश्चा वीवनवन

वगत जीव श्चामन दाना मान्य नात पव शीज भौहि भौगाई, भोग्य क्वेटिका वरेणुक भीरम घरम गाली सरम स्वम्बकार, स्तम्बकारि ।

२२६ वरोड-स्वतृती वरीप वरताती

सावनी ।

पक्षीर, बहुवुग्व स्केन्समोजन रहात यवन यवनप्रिय सूमन स्केब्सक समन भूमगर । २२९ वेहूँ (बच्छा)—मेटूं, बाटरबानी शास्त्री । २३ थाल—कईमक कक्रम केशाय चानक दीर्व दूपक

निपन्निय बासमधी पांडुक पुंडरीक पुष्पांतक रक्तसाचि वच्च करकवीयः वीही सङ्गुनगङ्गत सामि साली साठी मुकुमारक सुर्वधक । २३१ कुछ अ<del>च्छे</del> य<del>ाल ग</del>म्मायस्य तुष्टवीबाच पूरुमती बांसपूत्र बासमती मोतीचूर, रागीकाबर,शाममोब स्पर्मवरी **बटबीच क्टेंच स्नामनीच समान्** समुद्रफोन सहदेशया इंसरान ह २३२ कुनर निवास (एक अन्तर बाल) कुमैर विकास कोरहर वर्ग्स भीरी सीमा दिली पश्चित्रण बक्ती। २३३ कुछ योग्रे और सामारम मान---

बगइतिका कछ्ती अर्थन अर्थन **दुवी वनरी वनरवॉ**ग नदहन दो*ऐ* रामनवादन सरमा साठ्ये मुपारंकी र्सेंबर । **२३४ लाडी---भरई**। २३५ १८ तरह की साठी—क्वोरवर्द करिंगला कलमा कलमी खेनरीटा गरका अरिका पत्ताही पीठा विस्तराही। विस्त्रजा सङ्ग्रासाली मापनी रहाधाली चनवरंती सन्दिना सुनला सींबी।

२३६ भी--असत कंतुकि वन बना वीरवक्ष तुरगप्रिय विष्य बान्य

म १३६

एक प्रविभागान्य प्रवेट मेध्य यह यहक यस्तु, बीतसूक स्वेतसूंग सितसूक ह्मप्रिय हमेस्ट ।

२३७ वर्ष-- वर्ष वय वयन्ती ववारा चाय ।

२३८ मोबी--अपृत वरप्यमुख बुकी नक क्रमीखक खच्छी निवृद्दक बनमुँपिया बस्सीमुख मङ्गुष्ठ मङ्गुष्ठक अधक ममन्द्र, ममन्द्रक ममुख्य समुद्रक समृद्ध, मुकुप्ट मुकुप्टक मुख्यस, भूग्दण्टक,

धनमुम्ह, बनमुख करक। २१९-कोडॉ--कुरक कुळाळ कोरन कीडू, कोझार, कोहब कोरबुष्क कोरबुषक मदनाप्रक ।

२४० सांचा--विभिन्न घेष्ठाम पूणनी चौत्रम त्रिबील राजधान्य स्थाम स्यामक स्थामाक समा सबी मुकुमार ।

१४१ मेंह मा-पूड़वा महुवा। १४१ चुक्क्यो--- हाक्ष्मून: हुसस्य कुरपी वासमीन वास्त्रंत सोवधीन विवेदर। रंग्व स्वार—दुव्यिका कृष्य शीरदुपुण्छा

चुनार, बुड़ी खुन्हरी जुर्बका जोधरी चौन्हरी भारपदी मंडा सबनाल **यावनस रक्तिका सकिता धीर्वकी** स्वेदा, मुक्षिका ।

एक्ट बोन्हरी (डोटी) वै चंबार । १४५ बाजरा--बद्रवान वॉथरी जीन्हरी नाविका नाली जीलकन नीससस्य **रम्या सम्बद्धी अगरी वर्षे** वर्तेरिता सामक। १४६ सस्का--नटिज नांदज दुद्वी

मकाय केव्हरा सपुटोतस्य । १४७. <del>चेन-वेड्ना</del> धान वेड्ना सीवा

**पै**न बनासपती । २४८. क्षेपुम---रॅंगुमी टोगुनि । २४९, यदा---व्यविषय अस्तिप्य असि पत्रक इत्, इब्रूट, ईब उज्जु, क्रम कर्कों-टिक कवसी कोशनार, पुढ़दार गुक्त्य शीर्वच्छर, पर्योचर पूंत पींदा

मनुतून समुर्याच्ट, मृत्युपुट्य रक्षाक वंद्य विपुत्ररसः वृष्य सक्करकक्की सीटा चाठा पुकुमारक। २५ येड्-अंडीरी जगाव वेंड वेंद्री। २५१ वहेरी--अवारिका अवारी वंडी गहेरी। १५२ राज-शांक दिरक।

२५२ वरहर--वहहर, बरहरि, आहको करवीर-भूवा कासीवृत्त्ना दुवरिका तुबरी पीतपुष्पा भूतासक मृतासका मुल्ला वर्षा बीर्व्या वृत्तवीजा धनपुष्पिका सुचप्ट्रब सुराष्ट्र-बंशा। १५४ उरह—उर्द, चरही वर्ष दर्वी ऋड कुर्धिय, धान्यबीर, पितृमोजन विच्य बलाइय बर्ला बीजरान भौ मीसल मीह माप बुपाकुर। २५५ चना- कंपुती शृष्णबंबुक, बन थयक चीचा छोता बीवन वाजिमदब वारुभैपस्य बासमीप्रय रहिसा

वाजिमन्य सक्सप्रिय मुखंब, हरिसंब हरिसम्बद्ध हरिसम्बद्ध । २५६ नपूर-कत्यायवीत यमोतिक,

285 रिका मुक्तक रक्तसर्वेष रक्तिक स्वत मुक्तीय तांबुकराग पृत्रकीतक संबद्ध सबक राजनपंप राजिका राजी राजी मंत्रप्यक ममुडी मनुष्क मनुरा मनुरि, मनुरी मांगस्थक, मांनच्या रागदानि नाई, व्यय्टक सूरी ।

य २५७

म २७३

२६५ शीली-मितवी वर्तीमी वनवी, वीक्षिकांचन सूर, सूर। चमा शुना स्त्रीमी अपरा **है**ही-२५७. मृंग--वाजिभोजन भृषितप्रव मुद्दम त्तमा देवी नीसपुष्पिका पार्वती बीव-मृत रहीतम क्वाई सुकल सुपधेष्ठ,

ह्यानंद । पूर्णी पिच्छिक्षा मदर्बमा मगौना स्यून १५८ घटर-अनिवर्तृत कंटी कवीसी रप्रपत्नी मुनीसा हैमबदी। कताय केराव लडिक बियुट मीलक २६६ वर- क्रुनुस्पक्त क्रुनुम्बीय वदे

बरटा बरटी बर्राटुका। बटरा मधुर, मुडचलक रेजुङ चमन चंदिक चठीन चठीनक, चठीक २६७. रॅडी—अर्थनक अर्थेड अर्थेड बार्वेड बार्वेड इप्ट, उस्मूक <sup>एर्ड्</sup> मनीतक हरेलु, हरेलक । २५९-सनरी-अनुर वस्ता कृषर केमाधै एरंडच कांत बंधवेहस्तव चंचू चपुर

খিবক নিস্কীৰ বংল বু<del>ক্</del>ট शेमारी चपरी बिपुट, बुबिया मटद, त्रिपूरी विपुरीकल बीर्परंत्रक बीर्वरक महिन्द्र । १६ सोबिया---रापाणियनक, चयस प्रचानुस सबूध, रेंडी वर्डमान 👫 बनहा व्याधास्य व्याधापुष्प गुरून चवत चौरा बीर्पबील बीर्वदिकी **बिवलन निरुतको नीनकार नुरकार** श्तराम् स्नेह्याः सम्म ।

मुर्गेश्वित बोहा भरतार, बहासाय राज २६८- तिथी---वरच्य वाग्य करच्यानी मार गाँद, निप्ताम गुपुतार। तिमी निमी ठीनी दीनी तृपदास्य, १६१ तीमाबीय-गोआबीन सोबादीन । तृबीर्जय देवपान नीवार प्रवासिका

२६३ नित--प्रटित रौतका पवित वृत्तिपाग्य । नाम्न पूर्वाय पुरस्क रिवृत्तीन २६९८ वट् (तृचाप्र) —नगरा <sup>वर्</sup>र वनीर्जय उनहात्रच हामपास्य ।

नानापुरमा नुष्ट् कर, तुम्बा नार। १६३ सरमॉ--उपमय चटुनमेन्ट् बन्धव १७० कमसम्दरा-अंदर्भा वसमग्रा बरावर बदवर मृहान संपुर संपुत समनदीत संभवनाष्ट्रा समनाच १६ <sup>वर्</sup> तैनहत विस्वद, भूतका गाँतपात्रण भोषातिमा नद्दा प्रचरीत बहुरा, भाग

राज्याचर गरीर ह मरादश वदागा ।

१७१ वेरा-नेग्यर ।

१६४ गर्द-अगिरेश आबूरी बह

१७१ रामरामा-चनान

बाब बाकोर्रावर्गका वृक्षित कुला श्वराया

इप्पत्नीरा हुर्ग्यका सब शबक शह रामाच ह

१७३ साबुशना-स्थायु नगाता वर्ष

रिका साम्य शयाध्यित्रस्य स्थारती रंगाच्या तीरण्यस तीरणस्था स्यू CITE I H POY ttu ष २९३

१७४ टरकारी---भागी सब्बी साग शाव-सच्ची ।

२७५ परबक्<del>य अ</del>मृताफस कच्चुमी कर्फन कर्वशंक्षक काश्यर्थन कुछक

कुप्टारि, बनवरकमा ज्योतस्त्री विश्वक नानफल पट्ट पटोक परवर, परीरा

पर्वेश पत्रवस फुतन राजनामा राज গঠাত ব্যৱসূত্ৰী ব্যৱস্থাল লোকু स्वादुपटोस्स । २७६ वैषन-जनम इट्डिमी बंट

पत्रिका कंटब्रुवाकी कटाल कटफसा विवक्ता गीवकंटका गीवकंडा गीक-चुपा बेर, बैगन भंटा भंटाकी मीटा

भौटिका महती महोटिका मोसफला मोसकप्रका रस्तकंठ राजकुष्मोड बंगय ৰাবলিং বুৱাক বুৱাকী বুলফেনা

पुर्वातक साक्षतिस्य । १७७ नेनुवा-ऐमी क्वॉटिकी कोचा-वकी मिवादीर्थ विवादीरी होरी वानार्वव नेनुका नेनुकी अहत्युष्णा

महाकोयतको महायसा स्पीतिका इस्तिभोषा इस्तिपर्व । रेष्ट पोमी (क्ल)—होती योगी पून पूनगोमी।

रे**ष्९-गोमी (वप)—करमकस्का** पद्मा मीमी पातनोत्री वंदगीमी । १८ मोनी (मीठ)-मांटमोनी गौजिह्या पॅनियोमी विका वार्वीका । २८१ क्रीका--वप्रशंह बंदुर, पटिस्तरा

गरेला करेली जावबद्दश बैस्सी विरिपत्र सोपवन्ती पट्ट वारि

मस्ती बृहद्रती गुकांध शुक्रवी लूबन

बल्ती ।

२८५. कुडुड़ा-काछीफस कुष्णांड कुहैंश कृष्णांड कोंहश युध भीवक्रमा द्यास्या पीतकृष्यांत्र पीतपुष्पा पीतफना भिक्रमा क्ष्मपु सफूरिमा

मृत्तवीय सुपाक ।

प्रका ।

सप्तपूरिका ।

कुमार, बीताफमा। २८६ जनुका--- कर्कार कुंबकमा कुम्ह्रहा ञ्चप्पांडक कुप्पांडी कृष्मांड कोंहुहा प्राप्यकर्केटी, विभिन्न भागपुरमक्ता पीच पुष्प पेठा बृहरकम चिक्रिक्टर सुफला ।

२८२ मिड<del>ी श</del>सपनक करपर्य क्षेत्र

संगव चतुपुर चतुध्यद, पिक्सिक मिड

নিত্ৰ নিতাবিকা মিতীবক মীতা

२८६ तरोई---फर्कोटकी इतनेमना

वासिनी दोर्श होरों शेर्बफ्या

वामार्थेव पीष्ठपूष्पा राजकोशासकी

राजिमलका सुकोपा सुपुष्पा स्त्राहु

२८४ सक्युतिया-सगपुतिया सतपुती

२८७. विशे--टिंग टिंग टिंग्सिस टॉग्रा। २८८ <del>शीकी - य</del>कानु आकानु, एकानु क्रमा क्रमु, भिना तुम्न तुम्बक तुम्बा तुम्बी पित्रफ्का महाचळा साब, धानुका ।

२८९- बमावर---स्यानी, जिलावदी बैयन । २९० वनसेन<del>- व</del>नसेमा सेमा। २९१ सेच--अंगुलिएनी अधना कपि कन्त्रपुरका काम्या नन्तनिष्याविका नत पुंत्रपता निष्याची वृत्तनिष्याविका । १९२ अवरा-जीरा बोहा सवसी मौषिया । २९३ केबीच-- अवहा अवहा अधीरा

भारमकृत्वा नार्पमी ऋषम ऋष्यप्रोत्ता **क्रुं**स कम्बूस कम्बूमती कपिकम्बू कपिचेत कपिप्रमा कपिच्या कामीकोसा चूँबची क्लोच क्लीच क्लोक गालसंगा

गुरू चंदा चटा भड़ा धूरनियहा प्रानुषा प्रानुषामधी बंबरी सर्वटी बानरी ब्ब्या व्यंता व्याधा विश्वी शुक्रपिडी सुरुचिता सुरुधिनिका सीवा सर्व श्रोवा स्वबंद्रजा ।

२९४ व्यक्तिर—पुश्राचिनी योग्रसफकिनी पोरामी मारिमी म्याक्रिति वृक्तीच निचालन्यमी वक्रविस्थी शुपाका। १९५ क्रेंक्स-बोकी क्रूपी कर्मकरी कॅनका चुँगर, अंश्विकेशी एंक्रिकेश र्तुंडी पीकुपर्यी विस्तान विस्त्रज्ञा विस्ता विस्विका निम्बी एक्टक्का क्षणिएकका ह

२९६ तिसबीची—स्थ्याङ्ग अटुगबान्, महतुरनी भट्डमा करूनी तींनी समिय वय विकास विकादमी विवस्तानी तुम्बिका तुम्बी बंठफका नृपारमंबा पिंड फ्रका महाफ्ला राजपुत्री। २९७. देखा-दिविध देवस देवस बेंब्सा मुनिनिमित रोमक्ककः।

२९८ विविद्या—विद्यका गहबूसक भभेड़ा भिमिड़ा भिभिड़ा जिलूंड चीनकर्कटिका दीवेंछका मृहरप्रका वेश्मकूक स्पेतराजी सुवीर्थः २९९ वरेच्या—कठिनप्रक कड़ेरा

करेशमा करेक। १ क्षेत्रसा—वर्णना क्रकोड़ा क्रकोट टकी चेकसा पीवपुष्पी बोचनावाकी मनस्मिनी मनोद्या महावाली ।

१ १ सूनी—कव्यक्तिश कर्क कुकुर

३ २ वर्ष--क्यावड़ मूख। क् क् आ<del>लू अकावू</del>, नीककद, बनवारी

रामकता विकीय ।

सहिएकंद, सकायकंद, निप्रकंद, बुनकरंद, शुभानु, सर्पस्य । इ.४ मु<del>की-कं</del>दमूल कटक कस्करक कुथर, सारमूल चामकामूकक, <del>रोपें</del>-कंदक दीर्वपनक दीर्वमूलक, नीक्नंट, भूमिका**जार, यक्तमन** म**्रक्**र

निम मुरई, मूलक मूबक्योजिका, मकाङ्क मृत्सार, राजानुरू र्शवर, रविष्य संसमूक धाताक, विनी-फक्र सित इरियमं इस्तिबंत इस्ति र्यतक । ६ ५ **क्थरे (बड़ी)**—कौटिस्य जान<del>स्र</del> भू<del>षक वही भूको सक्तं</del>मन महा<del>पंद</del> मूलक मूळा कानेम विष्मुगुप्तक बा<sup>ळा</sup> मर्कट, विभः स्वृत्तमृत्तः । वे ६. वाकर<del>-कोबो-माब</del>र, पत्रीहर नजेर, पृष्यम नारंग नारंगमर्ग पिरमूक

पिडीक पीवकंद, पीवमूकक सुपीव सुमुखकः । १ % <del>शतकार-कं</del>र, वोक्रयाचर, प्रनिव मृक विद्यारमोरक यक्षेष्ट वर्तुक, <del>वर्</del>क गम शक्रमा शिक्षाकंत, शिक्षीपूक, तकयम सक्यम । १ ८ सकरचंत्र—संद, कंदग्रन्थि क्<sup>द्</sup>रि कमा कवि, वंजी पिडक्षेत्र, पिडासु, विडी-तक, रतालू, रोमस्वयंक सकरकंपी

शकरपंजी स्वायुक्तरक। १ ९. सर्वा—अवनी शासून मार्क्, केर. भैदा कथानु, कच्चु, यज्ञकर्य वजक्य<del>ांद</del>

१६१० ११९ भागस्य स्थाप्त १६१९ पृद्यां पृत्यां तीवगक्ष्य, यीर्थगास वंडा ६१९ मानस्य स्थापकष्य । महाजनसम्भ इत्तिकमः । ६१ तोस्थियक्य तीस्थार्थय ।

११० बदा— ने अपने । १११ सुरत- अर्थारि, शर्यों ना श्रीक सेवड़ा साहू, सतालू संप्तालुक । भ्रीक कंटल कंद्रल कंद, कंटल कंद

कोण्य कंटाल कंट्रल कंट्र, कंट्रल कंट्र वर्डन कटपुरण कंटी कवाई, प्रमीकंट्र विमीकंट्र, टीवकड दुर्नामारि, बहुकंट्र ३२४ विवासीकंट्र-निकाईकंट विवासी

मुक्द रुप्यक्रंद वातारि, सुक्रवी सूरण सूरफर्कर, स्यूठकरंदक । ११९ प्रतिक-कट्ट्यम कससमूत्र ११९ प्रतिक-कट्ट्यम कससमूत्र कर-हाट, योगमा वक्कंकरी वकाकुर

रोमालको ।

१११ स्थात-सोर्थपन मृत्कत मृत्राह्म स्थातम ।

१९१ स्थात-सोर्थपन मृत्कत मृत्राहम सहास्त्र ।

१९९०, पक्षांद्र, पतांद्र पियान सहास्त्र ।

पृरंक, पकांड, पकांड, पकांव सहाव्य ययनेक, पत्तकंव राजपकांड, राजप्रिय राजेप्ट रोजक सुकंबक । साजी हरी सम्बी । १९७८ साजकी—सरिका अरुपिकां

महोपम महोपनि क्रोब्युक्तं ययगेप्ट, रमुन रदोल रसोलक राष्ट्रीक्यप्ट राष्ट्रस्प्य सञ्जल कहमून वातादि, पुरुष्कृत सोलक । १९८ बीराई—जल्पनारिय सन्द-मारीय संबद, चीरा चीकाई, बसव संस्क्रीय पानीमर्गद्वीय ।

द्रारं कराक-वाकि कोरा कर्याः व्युक्त वर् कराइ, वार्राणक कोरा क्युक्त वर् तर, पुत्पमून काक्य महीन यूकन राहुक्यम वर मुस्सक केरोज्य प्राप्तिर, व्युक्त-विकास कार्यक पराचन पार्त्व । प्राप्तिक क्युक्त वर्षेक स्थापन पराचन पार्त्व । प्राप्तिक वर्षेक स्थापन पराचन पार्त्व । प्राप्तिक वर्षेक प्राप्तिक प्र

११६ करास—कमारण कारणा प्राप्ति । पार्विक पार्व

११% सामक्षेर—एकावेद प्लाविक दता साराजा पित्तिका तुनी नहर्दा क्षत्रात् सोहितात्, सोहित । पृष्टवत्री । ११८ हालोबेद—हरितकेद । १११ सीमा—सितकाता अवाकपुत्ती

**# 15**8 E 333 **१**२• बाड़िगीसार, बाड़िग्ब बार्रिजें, बाडिन कारमी योचा क्षत्रा तालपर्नी पुष्पिका गीकपण शीक्षपणक पर्वस्टु, पिरपुष्प बस्या मावनी मनुख मनुरिका निकी पिटीर, प्रसर्गावन प्रसर्गावन प्रका-मिसी भनना सवपुष्पा सवपुष्पिका सावय विहोदाना शीदाना मनियोग घताली चताङ्का चासीना चाक्रेम चीव समुबीय मुक्तवस्क्रम रस्तपुष्प रस्तवीन धिवा ग्रोफका सित्तकाना सुपूर्णी सौहितपुष्पकः वस्त्रफलः, वृत्तफलः वृत्र-धुरसा शोवा घोषा। इइइ मेची--- मे मेची'। बरक्षम श्रुगीच स्वाहम्ब । इथ्य, श्रेक-वर महाबबद मृद्धि ३३४ मरसा (इ.ल.)—मेरिसा मक्सा प्रमाण सेच सिवितिकाच्छ सेव मारिव भाव वाक्यक। **११५ वोड- जवोदिका वर्षाती वर्षा-**वेषि वैक्ति। ३४६. सुलम्मी-पीसमी सरवदी नीन्। पकी उपौरिका पिष्टिकच्चवा **३४७. नास्पती जन्**तपत नास्पती पिष्ठिका पृतिका पोई, अवशाक मोड्रिती विवयसकी विद्याला वृश्विक-महाबदार, दविफ्**छ** । ३४८ संतरा-ऐराक्त किर्मिए वक्तर विवा। चकाविवासी रक्क्युगंब नायरंग नावद ३३६ कॉप (साग)--प्राय कागु काबी। नायक्क भारंग नारंती नार्यंय नीरंपी ११७. कुलपा (साम)---अवमधी कुरका मुच्चत्रिय योवरंत बच्चास वरिष्ठ भूकी मोकिका नोनियाँ नीनी बृह स्कोनी कोची कोनी शृहक्कोची। संस्तरा पूर्व। ३४९ केला अंबुसारा असुमरक्ता **११८ पतरा (तत्य)—यतरी सरसी** श बायतच्छारा चरस्त्रोगा कदल कर<del>तन</del> ३३९- करमी<del>- क</del>रमा करमुला शब-करकी करक कास्टीका केरणी केर चाग । गुच्छरतिका युच्छक्ता पर्य **३४ सलार-स्तार, इका**या । रानती तंतुनित्रक् तत्त्वी मरोपनि ३४१ जुक्सकार—जुक्कर, जुक्र। नित्सारा बाक्कप्रिया मानुष्टका मोचन

मोचा रंगा रंगाफ्ट रावेच्टा रोमक

कोचक, वनसम्मी वारचवस्त्रमा वारच-

बुवा वारवृषा वारवृषा श**हरक**ा,

३५ जलगस—-धनंतास अनुसास

१५१ रतमरी—कटफमा क्वैमा क्वैमा,

কাকনাবিকা কাকনাৰী কাকনাতা कांका काकिमी हुन्छनी युंच्ककमा धर्माः

सुकुमारा सुफळा इस्तिमिनाणी।

वाम कीतुकसंत्रक पारक्यी।

१४२ कस (हरा)—वट, <del>पक्र</del>क्त

फ्लाइचे फाराचे मनश्रक सकाद, हुए।

**१४३ अंपूर-अवूर,** अमृतफला अमृत

रसा क्रम्मा गुण्कफका गीरतशी भाव-

फका रापसप्रिया प्रान्ता प्रियाचा फकी-

रामा मधुरसा बक्तमच्नी रहा रक्षाला

शक्तिमी चेत्रवीयक दाविज

मुक्तमा स्वासी स्वानुष्टमा हारहरता। १४४ सनार-काक कुचकर कृदिन

मेवा ।

१२१

वना, जबनेकमा तिवितका काशमाची बहुविस्ता सकोइया रसायनी बायसी सूचरी स्वाद्याका ।

¥ 142

१५९ मीम् (कापत्री)—जम्कजम्बीर, मम्बसार, बंतुमारी बंतवात निम्बक निम्बू, पिम्बूक मातूलुंग रोचन विश्व **दीप महिद्यान सोमन**।

रे५१ मीब्(बमीरी)--कमा नीव् कमकातीम् चंतुजितः संगीर, जंबीर, वम बंगर, बिगर, बंगी बजीर, रंडकरेंच दंतघट इंतहरेंक शीठानीव् मुनयोगी रेक्ट रोजनक नक्याची। १५४ थीवू (थड़ा)—गसमक शक्रमका

पकोवरा बंबरा बडीरी जंगीरी। १५५ नीव् (विमीरा)—जम्बकेसर, वर्षुप्त रंतुरच्छर मीबृ, पूरक फस-

पूरक, बीजक, बीजपूर्ण मातुल्ज क्षक रोजनक्रम बोबपूर, मुकेसर, सुपूर । १५६ मोठा तीवू—कौता - वकोतचा वनीरी शीवू ।

१९७. इस (तूका)—एक फलायी बनमेदा मेदा मेदात बान । १५८ क्यिमिश-क्षिकप्रका कावमीरी

किमियस मोस्तनी पविका अबुबल्की मन्ति मुत्री शतबीयाँ, खाँगी हराहर, इंग्लि हिमोत्तरा हैमक्ती। १५८ सवरोट-वराटि, - मधीटक

बसीर वर्षीट बासीट, बालीटक बाबोर बायोग वास्कोटक करतन करेराम कीरेव्ट युकाचय पार्व तीप वृषक्तर फतरनेड् महनाकप्रक रेबाहर बृत्तप्रस ।

रेरे सिता—पारफस जलगोजक

निकोशक पिस्ता पिस्त सकीच । ३६१ बाबाय—नेत्रोपमध्य वातवै सै

बावाव बावाम सुफ्रम । **१६२ कान्—श**निकृत अध्यक्ताद, श्रप पुष्पिका काभूतक मुच्छपुष्प पार्वती वृत्तफुड स्निग्वपीत पुरुषीज प्रसं ।

१६१ **छोहारा स**न्दर, सरिक गोस्तना कारसञ्जय कृहारा छोहाड़ा पिडसमूरी। ३६४. भू<del>गका - का</del>क्कीहाला गोस्त्रती जाम्बुका शाक्षा दाच एकोत्तमा सभू मोनक्स मुद्रौसा समि कारिणी कवृत्राक्षा स्वादी सुनृत्ता। ३६५ वरी—गड़ी पिरी मोसा मुखा नारियक। दे 'नारियक'।

३६६. चिराँजी-असट्ट, उपवट, सर स्कंब बाद बारक वापधिय वापधेय्ट, बनु, बनुष्यट, पट पियाज पियाल पियाकक प्रियाक प्यायमेना बहुनस्क **बहुबल्लक मोसबीय प्रजातम प्रजादन** सबन शतकडू, संबद्ध, स्नेहबीज इसप्रक ।

बासक शम्स मस्सूक मस्त्र रस्त्रका गीर, गीरसेन गीरास्म । बासिया इशुर, कांडेलु, कारेपु, कुका-हुक वीलया कोविकास खुद, सुरव तास त्रिशुर, पित्रिकता त्रिश्च वयस्यि स्वसपुष्य चूरक शृंखता शृंजनी ग्रंबासी । १६९. टेटी-शंपिक टेंटी विकंतन व्याचनार, मुबावृक्त स्वादर्गटक ।

३६७. आस्वीकारा-नादक वालक

स ३७ ११	१२ घ १८६
स १७ संगोर- काकोतुम्बरिका संजुकः।  ३०१ स्ंप्रकरी- नीतावादाम चौरियां बारास चौरियावादाम चौरियां बारास चौरियावादाम चौरियां वारास चौरियावादाम चौरियां दिसीया मूचकरा मूटियावादाम स्मिता मूचियां मिता मेंदर्ग सुंदुक्ती रक्तवीया स्मेरती सुंदुक्ती रक्तवीया स्मेरती मूचकरा मूक्तवा संदेशीयराः।  ३०२ कक्त्री- नर्वाद उर्वाद करणे वर्गराम वर्वदी विगेरी छार्गरिका सेम्प्रकरा मूचकरा मूककरा स्मारता कोमया नोक्यो बृहक्ता स्मारता कोमया नोक्यो बृहक्ता स्मारता कोमया नोक्यो वृहक्ता स्मारता कामया नोक्यो वृहक्ता वर्गरा वर्गराम नेप्प्रकरी विश्वमा दिया पुत्रमी भोरतवरकी विश्वमा सुरा वर्गर वर्गराम मुग्रकरी व्याद वर्गराम मुग्रकरी स्था वर्गराम मुग्रकरी स्था वर्गराम मुग्रकरी स्था प्रवाद कोमया वर्गराम सुराम मुग्रकर स्थार कर्मरामी मुग्रकर स्थार कर्मर्थिमा विश्वमा देश स्थार कर्मरामी मुग्रकर स्थार कर्मर्थिमा विश्वमा देश स्थार कर्मरामी, मुग्रकरी सुराम स्थान, साम्यकरी सुराम सु	काराज सक्षाज पर्का मुंदर्ज मुदेवर्ज मुद्द मुदेवर्ज मुदेव

मकरंद, प्रमृ । १८६ क्लाम्क कृतुमस्तमक पुरुष मुक्ता

निनंद जरून अस्तान नर्रावध नास्य पन प्रेरायक प्रेतिकर, उत्पक्त क्षेत्र क्षेत्रक क्ष्मार, कुटेंच कुथेश्वय कोक्स्मव वक्ष्मार्थे कक्ष्म कक्ष्मारा धानरस प्रावस्था क्षम नक्ष्म नाक्ष्मि नाक्ष्मि

१८८ काल-अंबुज जमीन ममीबह

गांकीक गीरज पंक्रवास प्रकृत एकी पर प्रतेज पानीक पारिवास पुटक इंडिपेक पुरस्त सकरेती सहोत्सक इन्कर, प्रकृता बनक विसक्तुमुग राजीव

पनिव वनव विद्यस्त स्तवक प्रतपन शन्यर, पीमन शीपणे शीवाध प्रेम सर्गीदह श्रीवास शीवासक स्पेन सरीहा, सहूबरूल सहूब्यन सारब सुत्रक हरि, हिंस।

वेटेर करण-वाल-काणका कोमक कोमलक कोरक संदुर, संतुक मांक्सीस्त, मांक मांका मांकी पीमार, विश्व मुद्दार, गुणाक शुणाकांक पुणालियों गुणाकी विश्वसंत्र विश्विती। वेटे कमान-कार्यान कांचल

निव किनक केयर, वारियक कीरा पूर वीताराव। देश किमक बुक्ति ज्योगोडण धुक्ति रासकेयी परसीब पराल पराय पांचु रह रेचू।

३९३ कम<del>ण-दल—दि</del>मसय दस नव

en nuffe:

रोराक गीतगमः गीतन्त भीराम्त्रस्य गीकास्य गुर्मेश रोगीपाः १९५ काल क्यास्य नार्मेश रोगीपाः सरापन बालोहित हुन्द, इन्यास्य कोकन्य बालास्य राज्यस्य राज्यस्य राज्यस्य बालास्य राज्यस्य राज्यस्य सरापन वालास्य राज्यस्य राज्यस्य सर्वे वालास्य राज्यस्य राज्यस्य सर्वे वालास्य राज्यस्य राज्यस्य

र्षीवर, उत्पक्तक क्षीट भूक्मरूक

क्सकः ।

१९८० क्ष्मेन कपल-जनाल हुन्द्वस्

१९८० क्ष्मेन वर्षानाम वृत् पृश्यीसः

पुमान महावद्या चीत्रुवन्तमा परत्यद्यः

धारा कोराप्या चिरान्त्रः चिरान्त्रः

खिलान्त्रोतं पृरितेतः।

१९८ पुनास-विविदेतरः, व्यविद्वसः

वर्षार्वस्यक्षारम् वर्षार्वस्यः

क्षिण्यास्य विकेतः, विद्वास्य विद्वास्य विद्वास्य विद्वास्य कर्मक्ष्माः कर्मक्ष्माः कर्मक्ष्माः कर्मक्ष्माः कर्मक्ष्माः क्ष्मक्ष्माः व्याप्त व्याप्त

नुपात सकत वनत रवत राव र्यान र्या। १९९. केवड्डा सक्षेत-प्रमुक्तिया के रब्डा केतडी केवड्डा सक्ष्यच्या सक्ष्य संबद्धा कामपुष्य बानुक वासुक सीवयपुष्या कामुष्य देपेपंता पुष्प पुण्या मुर्गित्या पागुमा सेच्या विरुक्त रिवडिस्टा सुविवायुष्य मृत्रियुष्य स्विरसंबा हुवीन। बॅतपना बलकोपक बेवसता नारीय्ट प्रमौदनी प्रिय प्रिया बनमोक्दा मह

बरकी मुपदी मध्येती मनिकका मरूठी

मुक्तवंबना मृत्यरक मृक्षरा मृगेट्ट, मोनच मौतिया राजपुत्री वनचंद्रिका

٧¥

सुनंबिनी स्वयंकेतकी स्वर्वपूष्पी हैंगी। ४ १ वेसा-- मतिर्गय अतिर्थंश बद्ध ४०६ च्या-अस्तियंत्रक उपनंत पदी चंचराज गंबसार गवाली गिरिका गौरी पुनुस्मोतिया वनेव्ट, तुमधुन्या

वर्तुन वापिका वापिकी विद्रशिद शीत मीर. श्रीपदी पटपदित्रया पटपवानंद, धप्तपन सिता सीम्या। ४२ **प्रमेमी—उपवाती वडिहासा** वर्षापुष्पा वेशिक कीमती सुक्या सुवर्गी । ४३ घमेली (गीक्ट)—अमेकी वनेप्टा जाई, बातिका वाती तैस-मानिनी पीकीकाई, प्रहस्तती प्रियंदा मनीका ननोहरा माच्छी माकिनी অৰমুদিকা অৰমুখ্য গৰ্বতনা পাণিক

षासंती संम्मापुष्मी मुक्तुमारी सुमना मुरमिना पुरमिनंग गुक्तंता स्वर्ण भाविका स्वर्णनाती श्रुवर्णनाः। ४४ मूही (सक्टेर)—जंदाटा शजा-द्वया प्रसिका गुर्योज्यका भारतीश भुद्दी पुरुषभेगा बहुनंत्र बालपुरियका बारुपुष्पी मुक्तवा मावबी भौदिशी यूनिका यूनितस्वी बूगी वासंती शंव युविका सिखंडिकी सिखंडी सुर्वका नुवनिका इरियाः। ४ ५ जूही (पीली)—कनकप्रमा यंबा-

पुष्पणंबा भृगमोही धमचतिबि वर-दीप वरकमा शीतल पीतकमा, सुकुमाणि-राट, सुकुमार, सुर्रात स्वर्त-पुष्प स्विरपुष्य हेमपुष्पक। ४ ७. धमृदिनी—इंदुकमङ, ः <sup>इत्तह</sup> क्षेत्रोत कच्छ कमोदिनी क्यार, दुवेड, कुण कुमक कुमूर, कुमोस्सि, कुषसम बूंध कैरन कोई कोता मेरे-धोग पर्वत कारकांत चरिकांनुव धरको-त्पन्न पश्चिमी नियापुरस्य पर्दिसनी राजिः পুন্দ থাবেৰকৰ স্বাবকক ভিবানেট, सीपंत्रिक हिमान्त्र शुस्कक । ४८ क्रुपृतिनी (नीसी)—इंडीनर ब्रंड कुंडे कुम्ब कुम्बिमी कुमीब कुनी-रिती भूषसय कोई, कोका कोकां<sup>दे</sup>एँ, कोकाबेकी गीलीताक गीबोक्ट प्रदुवी विद्वांषु, सुपर्नी । ४ ९. स्<del>यसकास य</del>ेषुरहा वति<sup>वरा</sup>ः

मध्यमा नारिटी पूजरमी पूजरगाडी

पुष्करपश्चिका पद्मचारिनी पर्दा

पद्माक्ती पद्माङ्गा रम्बा <del>वर्गी</del>ः

भेष्ठा स्वधवहा सारवा **पुर्ववन्**टा

४१ कटलरेपा (पीली)—पटस<sup>रेबा</sup>-कतक किकिसता कुस्ट, कुस्टक कु<sup>ई</sup>

क्क पीतपुष्प पीतपुष्पक पीत<del>प्रेरेम</del>ण

भूपुण्करा ।

इया जूही नागपुष्पिका पीरामुधे

पीतिका युक्तीप्टा एक्तगंबा स्पक्तवंबा सुर्ववा सुवर्जयूची सुवर्वाङ्का सेनजुरी

हेमपुष्या हेमपुष्यिका हेमबुधिका हैम।

कांचन कुट कुसुमाबिप बेमक,

वरिय बीपपुष्य नामपुष्म नौरदुष्प,

WY!

प्रतिहास स्मारि, बीर, संक्रुव सहापर। श्तकुर यतकुम यतपास सातकुम ¥११ क्टसरैया (काल)—कटसरैया सीतकुंभ भवेतपुष्प स्वेतपुष्पक सिद्ध कामुक कुरवक कुरवक रश्वविदिका रत्ताचिटी रक्तपुष्प रक्तामकान राम पुष्प स्थलकृत्युव, ह्यमारक । प्रस्य राम्बितन शोकविष्टिक सौण ४२ मौकसिरी-कंट, करक केसर हिटी सुमग । वृद्धपुष्पक चिरपुष्प वैकांग बोहस मन्त्री बकुल धमरानंद मकुल मदन ममुपंत्रर, ¥१२ क्यारेवा (सफेर)—कटसरैवा हुप्टक कुरबक सिटी पियावासा मचुपुप्प मुकुल मीसरी मौकमी बर परेंग पैरीयक, सैरेय सैरेयक। कम्म विदारक शास्त्रक सिक्केशर, ४२६ कटसरेया (शीली)—वर्षयक सीवर्गव सुरमि सीमुखनव्।

224

गीवजुद्धा गीवसिटी गीवपुणी बाज बाज धेरैक देरेबा। ११४ इन्द्र--बहुद्दाल बहुपुणक बमन दक्कोव गुगबंदु, मकरेद, महामोब बाम्य मुक्कापुण काहाब बाट बीटड, सुम्बद्धाप स्वेतपुण बारपुष्य। ११० मानवी---वाठि सुक्ती बाखेरी

नार्चपक कटार्चपका रासी नीक्कुरंटक

पीवास्कान पूर, बीट, सहचर, सहचरी

488

<sup>¥१५</sup> ना<del>वरी</del>—यादि सुबदी वासेती पुत्रना। <sup>¥१६</sup> स्वनीर्पका—बुक्ताको स्वनी-पत्रा सदसनीर्पका

४१% हरसियार—खराजक तालकुंकुम परस्ता पारिजात प्रावकत राजपुणी विचारहार, हारकुमार । ४१८ कराव—करम करमम बारा कर्यत गीर मुम्मीण प्रिमक प्रीवक वच्छारक मूनीण सुमिकक प्रमुख भूवराकत मरियार्थक कनुषुण विषाल मृत्युण सुवाह, हरियिय

हिमा हेमा।

अन्त अबहुक- वबहुद, सदमा स्रों स
पूप्प सीवृक्ष सीवृक्ष्म गृहदूद, स्वयाकृप्प सावहुद्धम निक्या प्राविका
रक्तपुष्पी रामपुष्पी इकहुक।

१२६ सीना- -- प्रमास स्वमा स्वमा
सोना।

१२४ गुकरीका- -- कुरुपम कुम्पमक
मनोरुक्ट, सरिका तपोशन संवी
समन स्वमक पांद्रास पृष्टिक्
पुष्पसामद, बहुबन्द, बहुबन्दा सरनक
मृतिपुक्ष पृष्टि निकीत।

४२५ वृत्तकुरहरिया--वर्तनस्कम कोप्ठ-

पूरा कारधा बंबुबीब बंधु

बंब्रक बंब्रुक, बंब्रुकी सम्मंदिन

याच्याह्निक स्वतं स्वतंक स्वयंपुर्य

द्यरस्पुष्य भूपुत्र भूम्यंभक्तः सूर्य्यभक्तक

हरिप्रिय ।

४२१ मेंहबी-कोक्पंता नवस्तिनी

मेविका मेहरी यवनैष्टा रंजका रंजिनी रागवर्जी रागांगी साकवेदि, सुनंबपुष्मा

पूष्प चंडात तुरंगारि, विष्यपुच्म नक्साह

म ४२६

EL RAP

४२६ अपस्तम--- अगरितमा अगरती कनकी करामंती बीर्वफलक पवित्र वंतपुष्य बोड़ी का फूक तकरि, सुनिपुष्ट बंगतेनक ब्युक्त बीधपुरू शुक्रपुरूप

पुरिमय हरना हिम्मा । प्रश्य क्षेत्र (क्ष्म)-- टेब्र नाहर। ४६८ सरबयुकी-सूर्यापूक सूर्यायुकी। ४६६ चूबा-गुवा।

<sup>६३</sup> सदम्बार-- एमास नायकेसर,नाव चंपा भ्योडी सवाबहार। ४३१ सामकी—वित्युक्त वित्युक्तक वित्का कामुक चंत्रवस्मी परास्था

पृंद्कता महस्ता मूमिमंडपमृतक मूपप्रिया धमरोत्सव मंडप मावविका मामबीकता वसंतरूती वासंती निमुक्तक पुनेना सुनसंता हेमपुष्प हैम पुष्पक हेनाह्य । ४३२ मेनेरन---वानिष्टा बारमंत्रती वारवाच्चिरिका यांनेक्की गोरवासंडूका पदुंचना क्षमा वेनवंता नामनका नहीं

वती महापना महोवना निस्तवेची हस्त नवेषुका । १३३ क्यानंत्ररी-क्यो । ४३४ नदनमस्य---नस्याना मीराजिल<sub>ा</sub> प्रवेत बेबेर्ड्ड-क्षित्रक सम्बंध बीब्रीका

मीनिविष्युक महुन्त स्वामस्य नुबक Aloi fictual ४३६. मधमली---क्लगा युवस्थानक संयु संबुध सामसूत्रां, रचूल-कुछा । ४३ थ. नुसबरी---वालकटकी चुससीरा, विकासमा, बर्रपूरमा कनवानी कामीदरी रकामासी भूषिया वृश्विवस्त ।

तृषपुष्पी रक्तवीया, क्टान्स <sup>ह</sup>ीं योवपुर्वी कुनेस्य, मिप् सिवृरिया किंदुरी, केंद्रीरक, में nge dimmi nale-a रस्तपुष्प जाजनुसुन, कार्म्स (

**とりた 88年4一年(母紀 日本)** 

४४ **पुळ्युर्श-**विकास है विशेष्टर । ४४१ वैवारी-वित्रीए रेई नुक्कपुत्रम नुक्कपुत्रम्, बोसम्बर्धः बुगवा धीरिनका बैची देखन माकिका शेपाबी, वेदार्थ, <sup>हे</sup> नेवाकी नेवादी नेवाकी स्टू<sup>ई</sup>ी, स म**नुनं**वा राजावनवर्गः <sup>सम्ब</sup>् मस्मिका वर्तप्रका वर्तनी, दि<sup>द्धी</sup> **वृत्रिमस्क्रिका वज्रका, वृद्धय**ाई पुनर्वता सूक्यबुध्यका । ब्रहर पासल-पाटए बाहर कार।

४४४ जल--वाकर, क्लॉफ <sup>हर</sup> कान **ब**जाना सम्रा शामि । वेशक सामना-संद्री करनार वर्गे भौरता गीइना । वेटक जनमें का शरम-करती हैं र्थता र्वती सनित्र फामहा। <sup>४४७- सोवाई</sup>— वृष्यार्ट थोबाई । ४४८ तीमा-अपूर्ण शाम बांगि

निर्मिशिया आधीर अधर जर्<sup>ह</sup>, <sup>हर</sup> मर्नुत सप्टाप्त प्रमान करने पार्ट

४४१ वारु-वनिव वर्ति <sup>रा</sup>

भानिय शरम वेटेस !

A RRA 190 म ४५७ क्षेत्र पत्र करहाटक कर्जूर बजुर, बाबमार, भागस माहन कांत कांत्रकोह बसपीत बन्दाय कांबन बान्ति कार्त्य कालायम् कृष्णाविष कृष्णायम् संग रबद दूदन इसन गांगन गांवड़ विश्मिर, बासज वित्रायम पित्त छोह गैरिन मीट, चंड चंड चारेय कामीकर, तोहरांतक सीह बतमीह, धंदक नारराच कावच जानूबट जांबूनट राण् गन्त्र शस्त्रक शस्त्राक्षय शिकान पाउरप बातस्य तपनीय दत्र बीप्तक, भिनारमञ्ज चिसासार सार। प्राविद् निष्म चित्रान चीत्रच पुरट ४५२ क्रीसार-स्वपात इस्ताव पड़ी वैश काम मास्कर, भूतम सूरिणिकर मोहमार । मुख्याई चूंबार मंगल्य मनीहर महार घर रेन्ड एसम सीह सोहबद सीहीसम ४५३ चुम्बक-अवस्त्रति शान्तपायाच बारित राजकुंब सामकुच बीनिकेट चुम्बद्दपत्त्वर, श्रीहरपक माननि मुक्रम सुर मुक्रम मुक्से रर्पछ । पूर्वनामक सीमेरह स्वयं इरि ४५४ बीतल-स्थार बारकट, करिता हाटन हिल्ला हेम। वरिकोह, बाँबी सुप्रमुक्तमं प्रस्य प्रकृत बाँडी--वर्षेच्य इंदुकोर्ड बसपून दार पतिकादेर पाक्टुडी पिम पितन रमबीर दुष्य दुनुर, राजूर, बंदशानि विगमतीह वित्तत पीतक पीतपानुः बरबृति, बहनोहन बहनी पीनम पीनलाह पीनलीह बहारीनि बाइरा क्लारबंद तार दुर्शन दुर्बनी बागणी सहैरवरी निय राजपूत्री राज कींत्र करिक कहायन बहावनु, नहासूत्रा रीनी रीति रीछ तीड् सीहिनक रप्तीत स्व पता रक्त केवर क्या निहल मुक्तोहर मुक्तंत्र हरिलीह। रीज लोहगावर बबुधका बाक्स ४५५ काला--रमारिय जनद अस्त रिसंत्र सुन्न सुन्त दक्षेत्र रहेत्व दिन बमगदुग, बंगद, धीतिरेतु, स्पेत्रस्त । निया मीच । ४५६ वांसा-अनुराहबय क्रंत कंतरिय मेरे वीता-अवन मर्राटर मर्र उड बरबूट बाम्स बागाव कोसी मर पर्वट बोर्म्बर, बनीवन नवनन्द्र, वर्तिय बीध्य परास्था मीरपूरा निगम तामा तामा तामा थीरमोह योज तरपारपुत्र बेबाट बिप्ट, बीगातिक नैगालिका रीपारीह रीपानीहरू रीपिनीहरू र्णस्य क्षांत्रीराप्तमः सम्मास्युतः काद्यवर्षत बीचि "बार का बराम्बर बीन anda san saidid allaidin नोहर हिस्टान्य । र्चनपेत् र्मन्तेरः र्चनग्रह साहिताः ann ब्राम-कार प्राचीवक कर्या केर्यहरूपार्थ काँग्राम अन्तर अन्तर बसीर कुण्य कुएसी कुस्य स्थाप कर्नमंत्र सेचा कामानिक ह थव अवशंत्र विच्या समर प्र वर्ड अनुभाव्यक क्षत्रवामा क्षत्रवास च्युष नाम नामत्र नाम्ब्रीपत विकार,

मंग सिंडल स्वर्णेय स्वयेत स्वयेत क्षिम । ४५८ सीतः-- उत्य कृतंग वेहपदमव भिज्यट भीन भीनपिट जीनरंग भीट

# Y42

बढ़ वारसुढिकर, बधु, घातुमल शाव पच परिपिय्टक पार्वत पिक्बट, पिय्ट बक्तक बहुमक सर्वयम महाबक सर इप्नयस यवनेष्ट बायनेष्टक बौबेष्ट. क्मोरंग केकर वक क्याक का क्योकंग मर्दे विरावतः शीधा श्वेतस्वन सिंदरकारन शीस सीसक सीसपनक सुवर्षक सुवर्णारि, स्वनारि, हरिका । ¥५९ पारा—जिंदतन जगर, अमृत विविध्य क्षेत्रद चयक क्षेत्र विशेष विस्थरम दर्बर, देन देवर पार, पारत पारद, प्रमु, प्रमुख्यम सङ्गतिक महारच मृति मृत्यनासक, बच्चोदा

रजस्बक रक्ष रक्षकातु, रक्षकाव रसस्य रसकेड रसावनकेट रसेंड उसोलक फान पोपन कोनेस कोलेस शिक विवरीय विवर्णयं विवास्त्रय विक्रमान सूत सूतक शूतराट, सक्ब, स्कंबांसक स्वामी हरतेव हरवीव हेमरिवि। ४६ अवरक-अंतरिश अंवर वहर वेल, केमक बाग बाग्रक एक बाम का धगम गरजकाज गिरिक विरियाणीय विरियासक जीस्यॉमक भौरीन भौरीनेय वन वनाहबक तकक निर्मत बाहुएव मुरवक भूंग जीवर, भोडल स्पीम सूख ४६१ ४ त**रह के लक्षक—दर्**ट, नाग

विनाक बरा ।

कथ्य मुरदासंख मुख्याद्विग मुख्यस्य बोग्राट. ४६४ भौसावर---जमृतकार, कारबेध, चृक्षिकाक्षवन नरसार, वजरबाद, वद्यसार, विदारत सादर। ४६५ संक्रिया-काबुरायास वीरीपासन्द **मस्त्र को**हसंकरकारक सत्तपस्य ग्रुंगविष ग्रुपिका ग्रुंनिक, सोमकसार । ४६६. फिडकिरी--- पत्तरंग

> फिटकड़ी फिटकरी वृहरंना वृद्धा रंगरा, रगतुका रंवा रंगांवा सुद्धा स्वेतः मुरंगा एकटिका स्क्री कार्रि, स्म्रिटिका रिकास्प्रदी। ४६७. सङ्---मक्त निविद्या कीरवा सतन्त्री बररिका नंत्रमादिनी नपनिका नर्गनका चतु, बतुका प्रवरसा दीन्द्र, बुसम्माणि नीका पसंक्**या प**कार्की यान रंकनाता रक्ता राक्षा कार्य काही 1 ४६८ क्षीर-सराह, सपुर, र्यंत्र भागवशुप्रिय पार्वकी विद्याकास सम्बद्धीनिर्माय

WYES

श्चर्यसम्बद्धः ।

होश्य-

चीवन.

त्वंद,

४६२ वेक---गवेबक प्रवेदक विरिवाद,

गिरिमत विरिमदत्रव वेद, वैरिक

गैरेय साम्यवास, कार्स, प्रत्यवन रकावन,

४६३ मरदार्सक-नामधाल नेवारप्रीयन

**बोद्यारम्य**य

कोडियमसिका बनास्परा ।

सीराध्या । ४६९. वीरा-वर्डमार, मीरिन वार्म रीक्ष्यरस नावी सिकान<u>त</u>, धार्र तहा सुर्वाचका भूरकार, सूर्यकार, पूर्व बाद सोबा शीरा।

जैनाको भी। ४७१ वंष<del>ण - व</del>तियम कीटच्न कुट्टारि, **मॅमकपापाण** यम चॅनभोदन सम्भोदन अंचास्य गॅविक वंदी गौरीदीज दिश्ययम पामागंग पामान्त पामारि बकरस बाँक रसग्रेवक **बर, धरमुमिक शुक्त्वारि**, सुपविक 1 ४७२ ४ तर**ह को मंदक**-मीका पीका

४४० गोती (फिटटी)--फल्कर, गोता

W Ye

काक सफ़ेदा ¥७३ हरता<del>य अ</del>स आब कव्*र,* कनक रस कौवनक कॉबनरस गोर्वत गोरोब मौर योरीकडिट जिल्लांच जिलान कर्मन वाल वालक नटमुपन नटमक्त निसर्गीव पिंग पिमासार, पिजर, पिकर, पिंचक पित्तम पीठ पीतक वीचन विका चक मनोज कोमहुत बंदापणक वर्णक बैरव विज्ञवातु, हरिताक हरिताकक इरिनीन । ४७४ २ त**ान्** इरता<del>ल व</del>ोवंतहरतार वनकिया हरताळ ।

४७५ मोर्बंड हरताल-योबंत पिट हर दावः । ४७६ तथकिया हुरताल-चत्रकिया स्तवक हरताल ।

४४६. <del>रास-इस</del>स्था वस्यस काल क्षम देवपूप देवेच्ट, बूनक भूना भूपन सस्तत विरूप बहुक्य संसक्त पातनेप्ट, साकसार, सर्वरस सर्वरत शतम सुर्यम ।

४७८ बन्धनाय (बिय)-अमृत अधीय रधारूब काकोश कावपूट, इपक क्षेट

बर, तरक गरक चोर, अगुल **वह**र, वांगल जांगूल जीवनामात जीवनांतक तीक्षण बारव मील अ**रीपन प्रावहर,** बचनाथ शहापुत मुगर, माहर, रतंत श्रुविक रहा रक्षामन बत्तवाम विष धीक्तकेय र्जागी सीधप्टिक इसाहक हारिक हालाहरू। ४७९ ९ शरह के उपनिय--अफीय क्नेर, शरिवारी कृषिका बूंबली बनाव-

योटा बतुरा मदार, शेंहुड़ । ४८ रल-कीयती पत्कर, बोमेव बोमे दक चुनी बवाहर, वशहरात जमाहिए, भौहर, सनवयी नम नयी नमीना नवरतन नवरत्न पुरुष गणि रतन क्टाम । विसीम--दे कीय । ४८१ ९ एल--थोमेद, नीबम पुष्परात्र

नरकत गाणिक मूँया मीती बैट्स शिय। ४८२ समूत्र के १४ रतन-मनुत इंड भनुष कर्ण्यभवायोहा ऐरावतहायी कश्यवृद्ध कामभेतृयी, कौस्तुममान भागा बन्नवरित्रेश शोबक्रमध्य रंगा अध्ययः सम्मी वास्मी हश्राहरू-विषा 1 ४८१ मीली-अंगसार, इंबुरल हुवड कोर पुलिक गोधवारा गीहर, बकर दिवसूत तारा दर्देर, नलन नीरक मुख्य भौतिक सबद संबर्दका संबरी मुक्ता मुक्ताफल मौक्तिक करा

कवनी वंबनवार, धाँधमोती धांसप्रम

चसिमिय चून्तिज भौतितरेय चौत्तेयक

चिनुमुदासत सीपन सीपमुत सीपगुप

д уст	स ४१४
सीपिय स्वातिश्रुत स्वातिग्रुवन हारी हिमयक हैमस्त हैमस्ती !	४८९ सहसुनियाँअग्ररोह, केटुपह केसुरल केटच प्राकृत्य आस्वायन शक
४८४ माणिक-जिन्तगर्मे वदणीपक	सूर्य शेवकराकुर, राष्ट्रक स्थापक, विदुरण विदरल विदुर्ग वैदूर्म
कुर्यवस्य कुर्यवद, कुर्यवदक जोनस चंद्रकोत चितामधि तपन तर्यवस्त	वैदूर्व धराव्यांकुर ।
तदन तापन पधाराग मानि	४९ कीरोबा गेरोजा फिरमा, मस्मांग हरित हरिताम्म ।
सानिक्य गानिक रता राजनायक राजयद् रविराजक राजयुक्त कक्षमीपुष्य	४९१ चुनी—कव वैकात ।
साव कोहित कोहितक छोनप्तनक न्यूमारी सोमोपल सुरमवि सुर्वकात	४९२ पुजराब गुररान बोगरान गीव. पौतरफटिक पुष्पराव पुष्पराव.
<b>धौर्</b> षिक स्पंततक स्कटिक।	पोक्षराथ पोक्षराज वाजस्पतिकान्त्र ।
४८५. होरा- समेच ससिद, कनी कृष्टिय को दबीच्यस्य दुक दुब्दर्गस्	क्क तमोमणि पिनस्कटिक पीरामिक
बुद्धान निक्क निकारण पद्गु, पदक सचि बद, बदा बदाक बदासचि बदासार,	पीतराज पीतसार, बाङ्करल राङ्कमनि स्थिमस्कृतिक स्वयानिका
वर्धरक वटकोण सूची मुख हीए,	४९४ संख-नंतकृतिस नवा जनिव
हीरकः। ४८६- पद्धाः—अश्ममन्त्रं अस्ममन्त्रंच गर	बर्धवसवीसर, धर्मोसन कर्नु, क्लेक बंबीय पद्धकंतर, सबस बजीर्सन
कारि, गर्डगंक्टि ग्रहशक्त ग्रह्मक	विरेख दीर्वमाद, दीर्मनिरमन दुष्टाती बवक पावनम्मति युठ बहुनाद, महानाद
परुस्त नास्त्र चमुर्रेच पलन मनि सरकत सरकत सम्राट, सम्रारक	अकार, बारिय संबक संबुक, रूप
राजनीज रोहियेन क्यापायक नामनीज सीपर्न इरित इस्तिमनि इरिन्ग ।	समूहज सम्बद्ध सुनाव सुरणार हरि प्रियः
४८७ सा <del>ध मने</del> पिक जस्मीपक कुर-	४९५ कीकी नजबी कपरिका वर्धाटका
विन्द, द्वस्य पद्भरागः पक्रकरागः मानिक सामिका सामिक रयशाणिक्यः	नयटिका । ४९६- व्येतमधि—अमररल नीर्याविक
रत रातक रविरातक रविविध सौद्विषिक वैकास स्थानी सौर्विषक।	निर्मकोष निरमुक्तरस्य निरपु <sup>कारण</sup> किल्लीरी परकर मासुर, विमस्त्र <sup>क्री</sup>
४८८ मीलम— स्थितराल इमागील	शांकिपिस्ट, सिनप्रिय देन सेठ राल स्फटिक स्फटिक मींच स्पर्ट
पुणकाही तील गीलक, गीलकांत	All Adies series and

नौकपण गीजमनि नौकमनि नौकोप्सा मच्छोद्मच पदार, महानीक भूगीकफ

सीरियन ।

कारमा स्कटिकोपक स्तटीक स्वव्कवर्थिः

४९७. वितामि -- कामदम्बि वितामित।

स्वन्धरात् ।

४९८ पञ्चमुक्ता—गवाशणि गणमुक्ता गण उच्चटा कक्षा क्षत्रीचि काक्चिकी मोती सिंदुरमणि। काकर्णमा काकर्णतिका काकावनी ५९९ सुर्ध्यकांतमिल-अधिनगर्भक अर्क-काकिमी काम्बोणी काम्बोदनी कप्प-मणि बर्कीयस बातशी-श्रीशा तापना भूबिका कृष्यका युका गुविका भूमणी व्यक्तोरम दोष्ठोपक रविकास रविमधि चुमणी मुसभी भटकी तास्त्रिका रिंगरल सुर्व्यकात सूर्व्यकातमनि चटकी राजिला तुलाबीच धूर्मोद्या सुर्ममणि । व्यक्तिया गीसभूपण एक्टा एक्टिका

चवा ।

बुमची ।

115

विकीत-दे 'राल' 1 २ मृंगा--अंगारकमणि अवारमणि वैमोविपत्सव इमभव प्रवास गीमरस्य नरवा मिरवान एक्तकंड, रक्तकंडल रनवकार, रक्वांग सदाननि निन्द्रणस्ता विद्यम । **। १ पॉपा—क्ष्यु कोशस्य श्रृतक** मुत्रचंच श्रुत्सक भोगी नदीपन व्यूपीय श्रेष्टमक श्रम्क सम्बन्धः। ६ ४ सीप-कृतिस, कृतिस्थित अहस्

मधर, बसटक बराटिका वारिक

६०६ मंत्रकी-संगारतस्करी अवसा

६ चॅप्रम<del>णि अ</del>शृतासाय डेवुकोत च्द्रकोत चंद्रकांतमध्य चंद्रपर चंद्र

मनि बद्राप्तमा चंत्रिकाताच चांड प्रस्त

रोपक सफावोपक सशिकांत श्रीतारमा

**११ कॉच⊷-कंक काल क्र**णिय

प्ल पिनाच मुकूट, श्रीशा ।

वितास्या सोममन्ति ।

चीपी सत्तही।

वर्मस्वेता हिरप्स ।

W YSC

रिक्का अस्त्रीकाम नरगुनित पुटिका भुक्तास्कोट, शक्ति सती वित्तही १ ५ कोही---चन्नाहबी कपहिंका कपर्वे कपर्रक कपर्र कपर्री काकियी कीवा चर, चराचर, श्रविगुता शास्त्रीहरू

श्वेतासः । 15 १ खुरी (अलरेखन की)—कुरा नस्तर, नहरनी रेकर। ९ **बोतक कांच**पान बाटक ग्रीसी धीधी । व दिविया--विच्या विच्यी । ४ व्यवसा—उपनयम उपनेत्र चशमा विश्यचन्, सहनेता। ५ यो<del>जी न</del>गरम्**क व**टिका वटी वटी। ६ विकिया---रिक्डी वटिका बदी।

७. पूर्व-- दे पूर्व ।

रती वक्यस्या बन्या वायसावनी

चागुष्ठा विश्वंडिनी चीत्रपाकी स्यामध-

६ ७. चुंबा खखेर--- नकशस्या विर

निटी पुराका चोटकी मिरिटिका

ध्वेतकांबोजी श्वेतपूंचा सफेदगूंचा सफेद

६८ काल-पुष्पचमार, मृतमाक्ष्य

काक खाक साम विविध्य विवास ।

६ ६ क्यामाबी--वारमाधिक वारा-

मुली भातुमासिक माश्रिकमेण्ड

स्यानसि रीप्यनाश्चिक विमध

ऐनक,

रीनियी समुर्याणका निरम कैप्लकी सारव । सतमूली राजाबद सहरम्बद १३ ४ तरह की ब्रहर-सीत नीतिक समय, माधिक। मुद्दीर्या । २१ समुद्रक्रेय-वरिषयप, वर्षेप्र १४ भीम--प्रशिष्ट, बाब सरीडेय जलहास बिकिट, बिपडेन वर्गीरा हारक पीतराम विद्यास्थय सरमक पेन चेनक वाजियेन विध्वाहम मू<sup>म्हा</sup> मचरोप मपश्चिपन समस्तित समस्तित गुक्थ समुद्रफेन सामुद्र सारमल, निर्क मध्याचार वयन माइन बक, सुकेंग विक्रिय, द्विया । जिल्ल शिरवाद रिमाण । क्षेत्र-ग २१ सासम्बिधी<del>-श</del>न्ता १५. रतवर--व्यन्तिमार वनक शास्त्रीक

भीना प्राचदा शीरकेंबा सूचीमूकी । २१ भूपेववाला- उदीच्य

# **२३** 

केसनामक दास जासक क्या कर्रिंग बारि, वारिव ह्रीवेर ।

२४ <del>शॉठ--कट्रकटक</del> नागर भेषण मही-पनी विदना विदनीयच खूंठि खूंठी चुकारं सिवी।

२५ सोनापसा—सम्बोतसाथक सरह, बरक करनुक ऋक्ष कंदर्ग कटंगर, कट् बांग फुलट, बंबनेव बीर्ववृत बीर्ववृतक व्यक्तिचात्रक मट, निकार, प्रवोके पाद नुस पारिपादप पुतिकृत प्रियकीय प्रिय-भीषी पृष्टिंव मंदक, मंदक द्यागरेट, मृतपुष्प मंद्रकराणे समाध्योच वट. विधेवना सस्मक खुक्तास सीम पौतक घोषण स्योताक स्योताक। ९६ हर-अभग अनुवा अध्यका काय-स्या चेतकी बीवंती पच्या पावनी पूर्वना प्रथमा प्राणका कस्या म्बर्ध रोहिमी बबस्ता विजया शकसंदरा षाका विवा भेगवी चुवा इरड़ हरका

इएवं हरीतकी हरी हरें हैम-वती । रेक हस्यी आमा-अंगहस्यी आधार्गम मामाइल्डी आमिश हक्की अपूर इस्टी चार्वीमेद, पद्मपत्रा सुरनायिका सुरति

नुरमिदाद । १८ नवक-नुन मोग रामरस समा कोता।

२९ तेंचा नमक---नादेग पथ्य पांसूज मिष्डंच मधिमंच सम्योशम विधिए विवासमञ सीत्रधिय सुद्ध, सित्रधिय **चिट. सिवृदेशम सिवृतक सिवृत्**भव

सिनुसंबद सिनुक्रवण सिन्तुत्र सिन्तुसव सेंघा सेवया ३० वंटीका चमक—नासुर, केंटीसा-

F 10

धमक कटीका गामक काससबल कुराक कृतिमक सार, श्रंड शंडलमण प्रापि-**इक पूर्व पाथ्य जिरिया सौचरतो**न विट दिव विक्रम्बन सुपान्य । ६१ सामर नमक—गर्वसम गर्कनन

थड़ाक्य गड़ोल्ड पुत्रनीज महारंस रीमक रीमक्बल बसुक धार्कमरीय बाख संबरोदम्ब सीमर, सामर। ६२ समुद्री <del>शमक --</del> बसीय कडक विकृट, पाँपा जनवाध्यिक बस्रिय, बासय, सिम धनुक्रमॉन धानरच सामुक्रम सामुक्रिक। इ. काललसक—सत कवलेल कविया नोन कृष्णसम्बद्ध कीडविक चीहर कोड़ा तिसक दुर्गंप रचक सम्म क्ष्मक वरिष्ट, विटलक्ष्म स्क्रमाद्यन श्रीचरतमक श्रीवर्षक तमक ह्रवर्गम ।

३४ कांचिया <del>एकक ने</del>विया गयक,

काचमळ काचळवच काचरांनव काचरां-

वर्षस काचोदमय कास्त्रमण कुर्सवर,

कृतिम विकृट, गील गीलकाचीवृशय पाक्रमका भेरव पान्याच्य कवन । ३५. खारी शसक-औपरक स्परम क्रमरक्रमध जारी जारीनन पात्रम बहुकपुच विड निमन्त साम्भाद सार्वेगुण सार्वसंसर्वतवन । ३६ भारत परार्थ-साथ जितिस जिन्स रधर राधन । ३७. सामग्री—उपकरण चपकारक ह्रस्य

भीज तम संमार, रसव मत्तु, समान

सामान ।

u és Si	4 FC\$
प्रभावनक चौवास चाउर, तैकुछ प्रवेशक घायतार ।  १४ समत—प्रकट सावत ।  १५ समत—पर्टा चूर्ण चून पिछान विद्वा ।  १६ सेरा—जाटा कानपुरी बाटा ।  १६ सुनी—जेट्टे का वर्ष ।  १८ तीक्ट्रर—परपोद्दाव गोपुमक पंडलेद्दाव तकसीर, तवाबौर, शाल्मीर, पाक्कामुत पर्वातीर, विस्का भवत ।  १८ वृत्वीर—(वर्ष का चूर्ण)  १८ वृत्वीर—वर्षा कावी वृत्वर, वृत्वर वृत्वर कावा कावी वृत्वर, वृत्वर वृत्वर कावा कावा ।  १८ व्यार—क्वर कावा कावा ।  १८ व्यार—व्यार प्रवाद , यवा वृत्वर, वृत्वर वृत्वर वृत्वर ।  १८ व्यारम्य वृत्वर प्रवाद , यवा वृत्वर ।  १८ वृत्वर व्यारम्य अपनुर, व्यादर, वारमुर्ग, सरार्ष ।  १८ द्वारम्यी वृत्वी—देशभी स्नाम्यर्थ स्नारम्यो स्नाम्यर्थ स्नाम्	वही इकायथी वही काथी वहुकानकेमा शाका महेका प्रदेश काम इकायथी वृह्येका पुर्यमस्कर स्पृष्ट्या । ७१. काली निर्ध-ज्यम कालीमिर्थ केल वर्णपत पतित मरिष मिर्थ म्याप । ७१. काली निर्ध-ज्यम कालीमिर्थ केल वर्णपत पतित मरिष मिर्थ म्याप । ८ व्योक्टराई-पाइटरक मोहर्टिट रई. राई । ८१ वीरा-वे विरा छडेव । ८२ तेवचल-वेड्डर पटपन्य उल्लट गणकाल गोमेद तब तमकर ताप तेवचल पत्र वर्णपत्र काल्या । ८३ तेवचल-वेड्डर प्रदान वर्णपत्र वर्णण वर्णण प्रमाम वर्णण प्रमाम वर्णण वर्णण प्रमाम वर्णण प्रमाम वर्णण वर्णण प्रमाम वर्णण प्रमाम वर्णण वर्णण वर्णण प्रमाम वर्णण वर्णण प्रमाम वर्णण प्रमाम वर्णण वर्णण वर्णण प्रमाम वर्णण वर्णण वर्णण पर्णण वर्णण
_	

E CO (1	ार इ.स.
पृषिमी पृत्रुका अवन संवरहण	९३ सीह—सायस निघाप देख
स्पूर्णक्य स्थुलजीरक ।	पुलाह सह साह सामार।
<ul> <li>देव मेवी—पूर्विका कॅम्बी संघडमा</li></ul>	९४ कुमाब-स्थापा कुमान वीटार
सम्पर्धता, परिका आर्थित बाली	बांसीटन शाकीरम ।
पीत्रवासं बदुवर्षी नियतुष्या मुर्वाणिकाः,	९५ भीता जातपृशाय वर्गीर ।
मेर्विका मेर्विती सम्मरी केवति ।	९६. सहेरनंडनाय्य मनेवर ।
८८. सर्वयविज्ञानमः विद्यालय	९७. शामरानि गरिप वर्गिने
वीषण तीष्ठरणपुरूर श्रीपाणिविद्या शिव्य	नूर ।
विस्तराज वेषसुगुज अभून श्रृंबार	९८ शनीना (हरे नहर को सार )─
र्रातर नवंबर तक तीन वारित्र	यरसा न्या नवीता ।
वर्णापुण शतर बीगुण शीमय तृतिर।	९९-४९ीकायण नहीं क्तान्त
८५ मीड—मिल्ला अस्य पुत्री	वर्षायः सर्वरः, तेयन निराम गाँ
भारत शक्तिका योजनी चौता समा	वरीतः ।
गारतिया भीतिका समृत वर्षाका	१ रोडीवर्गादशः वर्गालाः
मार्गे निपेश निरो वर्गुणा राष्ट्रणाः	चारती बोरती शेहकी पेट्टी <sup>कर्ता</sup>
गाप्य गाल्यसः निरुक्ताः	श्रीवर्ड कुनवर कुनवी बेटी राट <sup>स्टिड्ड</sup>
<ul> <li>शरी—अंगण यस वानरी</li></ul>	निर्मा सबूदे स्वरोदिया रच्छी।
भारेगे इतिक्ये सम्यागनीयका	१ १ विद्दी (सेटी पोटी सी तरे था
मौरी पंचम वर्षा निवा निवास्य	बत्तीहै)रिपर रिट्टी स्वरोपिया।
रियाप्तरा दिला दिका गील्यालया	१०३ थीरी (संग्ती रोडी को क्या
गील करना महा नतनकहा अस्तरा	सर्वे के जान पर करती हैं) <sup>स्पर</sup>
सारण सर्वा वर्णित्या रवने	करी अंगर कर्ने रिक्से रिक्से
सर्वा पार गर्भ कानी क्वेट्ने	वार्ग भीने स्वयंति १
परिने विकास रिका सावस स्वास	१ ३ अपूरी-कर्ना वर्गी संती
Af Kjumpas njag dern no kali hjela kilonjuli i	हं स अस्वासी-स्थानी साम साहे.
man naga nanga mana	\$ 4 april - Azia
man nto nasa sa sina	\$ 0 disply - High Arig Enda 5
man nta tan fasi inina mbaja	but Mand 5
देह साम्राम्बद कक मृत्यं सार्वः भारत् द्वितः शिक्षः	mand to facilities to be a facilities of the fac
Cirls Tale Sout State	बंदर्श विश्वय ह
Court Law 9	ह ४ अवस्थान्तर्गति ।

मीग

होत्तर हाय होला।

१४४ डभरा—देवसा फटेर्स ।

११६ बधीर-पृहास

भाउ ।

म् <sub>रियरे</sub> ११	12 ± 54#
पुरुषा सुक्तोपमा सुद्धा शुक्रा कोता	पाणिका वयत्रया दवेतीसा सफेद
विक्या विद्या सिदोपमा ।	इसायची भूवमैसा।
रि≽३ चौदर—जोट्टा पश्चाव मोस्रास	१८७- मत्याबीर ।
सर्वेतमक सीरा।	१८८- चूमाचुमा चून ।
१७४ मिथीनिसरी सिताकड	१८९ वर्ष- चरवा तंत्राक्, तमाबू,
सीताकडादे 'कीनी'।	पानसुर्ती सुरती ।
१७५ मन्यू-विदुगीयक गोवक काब्	१९० पान—सोबूल विवासीप्टा नाम-
वेद्याः	पण नागपत्रक नागबल्की नामबेल
रिष्टं समङ् (मोतीषुर)—मुक्तामोदक	नागनेक पर्यक्षता पर्ग मद्यपना मुक्त
सद्दु।	मूपण उप्तक्षिका।
रिश्वः स्वयस्य स्वयः सन्दर् ।	१९१ पान का बौड़ाचिस्सी सीसी
सम्बन्धः सुन्दरस्य सुन्दमोदकः सन्दर् ।	निकीपी सांबुक बौड़ा बीरा
१७८ पुण्यकामुन-मुख्यामुन गुण्य- पामुन मुख्यक्षिका । १७९- व्यक्तिस्त्र-व्यमुती इमरती इमि	वीरी। १९२ भुपारी—जकोट, क्वीसी क्रमु,
चित्री । १८ वर्तनी कुर्वकरी पुर्वी बलेबा	कमुक कमुकी अपुर, गुवा मुबाक योग यक घोटा विश्वकथ स्टाप्टक कार्तिमा काकी संतुसार, तांबुक बृदयक्त बीर्व
।मम्बा।	पाइप पुंचीपस्त पुत्रीपस्त पूरा पूरावृक्त
१८१ सुरमा—श्रेषपाळ क्रम्कर	पर्गी पायवाच वस्त्रवस सुपाड़ी सुप्रिय
पार्य धनकरपाका सकरपाका । १८२ कॅनरसा—जंदरसा अनरस इंदु रका चाकिन्द्रप ।	पुरणनः १९६ समीन—अफ़्यून अफ़ीन अफ़ेन
१८३ काला—सनकी कशकी कर्नकी काशा	नम्मक महिन्देन नहिन्देनक नाजू बस्पूक, ओपियम क्रवक्य एव क्रस्प्रम्मकीर, नागफेन निप्तेन पौस्त पोस्तरस पोस्ता
१८४ कुरच्या-पाग मीरच्या रागकांडव।	पीरवीष्म्रक कीम भूजेमधेन ।
१८५ मनुवासाय-कॉह्बायाम पेठा ।	१९४ कहणकाकी ।
१८६ इतामची (श्रोती)इतामची	१९५- शाँजागंजा मादिनी मोहिनी
वप्रवृचिका एका क्योतकर्यी कुनटी	संविधा गंजरी इसिंची ।
कारमा यंबध्यक्षका गर्धारा वृत्रराणी	१९६-आय—पविका महा मा
स्वायमा गृत्रप्रयोक्ताची वीरोगी वंद	बाह्-बाह्यंबाह्यंटीः त
वाका चंत्रसंभवा चंत्रिका कॉक्रकाण्यु,	१९७ कॉबी—विध्युश्त सारवाकक,
चौरणसंबा विपुटा चृटि, बाविडी	बावन्तिसीम कांचिक काञ्जिक
निष्कुटी पुटिका पुत्वा बहुका वृग	कुंबक बुंडल कुस्सामियुक्त कुस्साय

# 89C	[A £4[4
मृहास्क नुपास्तु, वायमूकक महारख	सच्चारिष्ट, महानंदा भावनी मार्डीक.
वीर भूकाचुक, सवान ।	मैरेय बादणी बीरा सराव बूंडा संवान
१९८ र्तवाक ( सूंबने की )—क्रिक्नी	सिबुररसना सिमुनुता सीता, सुरा,
नकक्रिकनी नसवाद, मास सूँबनी।	हमित्रिया हारहर, हाका हेय।
१९९ संबंख (पीने की)—श्रीमध्यी	२ ६- ग्रीमरस—गातकरसः वैधिकरेत ।
सारपत्रा तंत्राच्च तमाच्च भूक्षपत्रिका।	२ ७. सीमससा—गुरुमशरसीः चेर-
२० तमाच् (भागे की)—बदनी	बस्करी द्विबधिया मीरा नहानुस्य,
समनी भीनी संसाकृ, समाच् सुरती	स्वत्रक्की ग्रह्मांका शोमसीरा घोमसीर्थ,
सुर्ती।	धोमबस्त्री स्पेमा।
२ १ ताली अकाशी बाशमानी शर्वत	२ ८. चारा (यसुकों का)—दुही कोनर
साडी साधि मीरा मीमकी ।	केहन केहना ।
२२ वर्षाः जन्मतः बटणकः कनकः	२.६ मू <del>दा</del> नूच नीस <sup>पूच</sup>
कनकाङ्गमः कनमः कङ्गापुणः वितासः	मूला।
चारदूरन चार्नुम्न कत नटापुष्प वंटिक	२१ सली-कृतर, बानी मींबाबाय।
तुरी वेरता वेतिका वत्त्ता	२११ कोर-कोरवर, कोस सूबा।
बस्तुर बुद्धर बुस्तुर बूर्त कृतंत्रत	२१२ कर <del>वी का</del> नी परी <sup>बारा</sup>
पुरीमोह, मत्त मंदकर मदन मदनक	बहुता।
महामोही मातुक मातुकक मातृकपुत्रक मोहन सिवप्रिय सिवसेकर सैव	२१२ पुत्री-स्थाकन <b>पूरी</b> पूरी
समित्र कृरवस्त्वनः।	शाना। २१४ भू <del>ती तु</del> प वृद्ध तुपी दु <del>धी दुद</del> ्ध
र १ वीडी—काकी सिनरेट, बॉडी	जूता।
बीडी नीरी।	२१५ कड, बडी—बरी तिकपिटी, <sup>संद्रा</sup>

महानाह्य गांतुक गांतुकक गांतुकतुकक १९१ वृत्ती—असकन वृद्धि १९८ महिन हिन हिन विद्याप्त है वाला।

११ वीकी—आको विवर्षेट, जीवी पूर्णा वृद्धि तुर्ण तुन्न त

नियोक पट, परियान

सन्दर्भ, नत्ता

२१९ नथा वस्य-जनाहत वहा कीरा

मीत

नास ।

बासर इस करन करना करन कार

म्बारी पुत्रारिक बाब, परिप्युता परि

मुठ प्रमत्ता प्रसवा वृद्धिहा भचा

मंदिरा मंदिरता सद्य समृक्षिका समृक्ष

काहा तत्रक स्या बस्त्र मनास्वर, २३४ कुछ रैसमी कपरे-अंडी कटा निष्प्रवाचि भूगनपट शक्किशरा बस्त्र । टिया कटिं। जन्नपत टसर, शास्ता २२० मुना ध्यका--- उत्गमनीय भुका तिरछा पटोस पारका फुरुबद बाक्का बस्य भोगावस्य भीतबस्य साफ्रवस्य

स्मन्त्र वस्त्र । २२१ कटा पुराना कपड़ा-कर्पट, पूरङ

नियहा चौपड़ा चौर, जीलंबस्त्र नक्तन पटच्चर सत्ता सुगरा। २२२ वर्ड-नूम रिवृ।

रे२३ सूनी कपड़ा—कार्पास यजी गरनी पाड़ा जीन फास बादर मार भीत मोटळ, बादर समीता संस्क्रम

स्तुन शाटक । १२४ कन-अर्ग यहहत दता। २२५ अनीवस्य-असेन शंकव रोम 97.1

११६ राम का बना हमा—परागीना परमीना । 

बेन्दार १ २२८ घरडी-सीमी छन्टी दुर्ज बन्धर बन्तन बन्तन बन्त शाग ।

२२९- सन के रेगे का कपड़ा--नेसा धीय काथ दुवान यहत्रम् । २१ जांग के रेघे का कपड़ा-अंगरा

वकात अंगरेगा । १११ क्यारिय—प्रतासीय क्रमानेव कार्याच्या क्यान सम्रात रीमवाद । रे1र रेडव--बीग्र कीएव डसर पून

dejal 4 २३३ रेपनी वच्छा—संदर

र्यस वितासूच नमानी वटीन पटकर 411

मखमल कहरपटोर मुक्तवानी। २३५ कुछ महीन कपडे---थडी ठउन दरेग ।

F RYO

पारचा

परियान परिषि परिषय पहनाबा पहिनाबा पहिरामा भरिन। दे बस्त्र'। २३७ अस्तर--तस्मी भितस्मा भित-

क्तरी काइनिय स्तर। २३८ वनही---उच्चीच भीच दुपट्टा पनिया पट्ट पाग म्रैठा समभा साद्धाः। २३९ वडी डीपी--क्नटोप पुलही टोगा। अंग्रेजी शोपी--शप नाइटकप

कार वेच हैट।

२४१ होषियों के कुछ प्रकार-गांधी देखी जिला दारी जनाहर दोसी सुर्फी टोनी इपलिया टोपी। २४२ वंजी-सपद्धी प्रमुटी वनियान गणी सही। २४३ <del>पुरता—अग</del>राग जया कॅपुरा

कुरुता पूर्वा शया । २४४ दुर्जे की बॉह—जानदीन *साम्ती*न योट । २४५. कुर्या (पंत्रावी)—बच्चीशार कर्या धपरीनार कृती चरासर कृती शर्गातदा । ३४६ वजीख—समीच । २४०. शामकर-व्यवही आम्बर छोटाकोट बाम्बर ।



F 111 111 F 1 2 ३१ रीगर-संबुद, रेबुद, तंत्र सं ३१ संबद-वर्षवर कजरा कपियोर्पेक जर्मकार, जम्मीर, विशेष कृत्वस कावर, कावस दीपध्यत भूर्णेपारब, बरद मालामंबारबर्बर, मुरमा । मर्कटब्रीर्थ मनोहर, म्हेच्छ, रंबच, रंबच, ३ २ जंजन ग्रासाका—अंथन सताई. रक्त रक्तपारक रख रसमर्भ रसस्मान भंजनस्कादा सत्ताई, स्रमण् । रसोव्यव वर्षर, शुकर्तृत्रक, विवरक, ३ ६ कावत (तवर बधाने का)---अंर विवरिक, सूरंग सुनद, हेबपाद, हिं<mark>सूह</mark>, वनव वनवा डिठीना मधिविन्द मसिकुन्दाः। हिंच्कि हिंगुक, हींपन् । ३११ ३ तरह के ईनुर-जामीय १४ १ तदा के धुरमा-पुर्यायन धौनी पंचन स्रोतींबन । शृक्तूंबक इंश्वपाद । ३ ५ ग्रुरमा (शीनीरांकन)—अंबन इ१२ इम—सवर, स्वर वंश पुरुषस्य पुलेश पुलेश, दुर्गर, क्रमोत्तक कालासुरमा कृष्य वश्चय बस्भद्र नात्रेय नीकांबन पार्वेतेय सुमवि सेट सौरम। ३१३ <del>रेल ज</del>न्मंबन बामक <del>हैक</del>, मेत्रक यामून वारिश्लेशक क्षेत्रसूरता सुरमा सीमीरक सोवॉन। ग्रसम् सनेह, स्नेह् । ११४ कंघी —शतिवला सरावाण कंड-३ ६ सुरमा (पुन्तकन)--श्रुशुनाकन तिका संकती कॅनही क्या *वर्क* क्रमिरसोजन कीसूम चासूच्य चात् केराप्रचालिका चंटा प्रसावनी विक्रि यमाश्चिक पूर्णकेतु, पूर्णावन पीप्पक निकर्मता मृष्यर्गमा श्रीतपुरमा सीता। पैतिक पैतिकस्म पैतिपुर्व्य सर्वजन । ३१५ बाक्ट थोने का क्लाका<del>-टॉ</del>बर्स ३ ७. धुरमा (झोर्तोक्न)—क्योतसार. क्योंदान जगामक नदीच पीछछारि, सींबु, सीबा । **३१६ मोसी—बंद**रान मिस्सी। बास्मीक बास्मीककीर्व वामून बारिजन ३१७ क्षेत्राय—विज्ञाय वर्शमा । **पुरमा धौनीरकार, धौनीर, क्रोतन** ११८. वाससिक्षय-बोद टीका तिवक सोतोषमय सोतोसयः ८ प्रक्रिक क्रमे—गक्रोना ममीरा। पुष्प पुष्पु । illa. ३१९. तिकुकी-सम्बन्धी १ % तिवृत-अवन अवयपराय ara. चमकी टिककी टिक्की गर्नेसमयम चीनपिष्ट, नानगर्ने शागुज नानरकत नागरेज्, नागर्समय मास्त्रकांन विदी वृत्ता। टीका ३२ विशी—वित्र टि**पुणी** रेयन रक्त रक्तपूर्ण रक्तवाकुक रक्त gree. गक्का रक्तप्राप्तन गीर, वीररण विश विद्या विद्यी सोल संस्थापक शुवारमुक्त वेंदा वेदी र ۸A. चेंदूर, सीमंतक सीसक सीसोपवालु,सीहर, ६२१ रोश<del>ी प्र</del>कृत

रोहित ।

सेनुर, सोकाग सीमान्य सीमान्यभिन्छ।

**413**8 884 इ. ११२ १२२ पाजबर-अवराग पजबर । सुलनी सुख्यी नकपूस नक्युम्की १२१ स्वरन-अपटम अगटम अर्मान मक्त्रेसर, नक्त्रीसी मत्य नय मयनी मबटन सबकेप उच्छादन उत्सादम मविया नवुनी मायफनी फुलिया बुकाक वदर्शन उपटम माजा चिकस बेसर, मोगसी मौरनी कटकन सींग भिन्त्रस चौकस बटना बुकना सस सींक सोवनिया। कर्बम बेयन स्था। 👣 काल के शहने---वैरन कॉंशका १२४ सासता---असरहरू शकता साक-कॉपका कर्णकृष कारकामी कमपूत **राष, भावत बतु, बनुरस ध**ननी करमधूक भूतिक श्रुटिका गोद्य-चावक महाबर, महाजर, महाबरी गांव वारा चौरवासा चौकका झुसरि, मूमका चय वसिक सामा सामारस कासका भूमक भूमच भूमर टेटका तरिश्रन वाबा सम्पद्या । वरकी वरकुकी वरी वरिका विका रे९५ चोडी बॉबने की डोडी—क्तर बरीना ठाटक वाबक नामफनी पद्या कवरी चोटी मधनन्त्वा मुक्बॅबना । वेंच किनिया बाकी विकसी बार, शीरी १२६ मार्गना--बाइना बारसी ऐनक बुन्दा मृंदरा मुखसा सकानी सुरकी ऐना नर्ज छामाप्रह बरपन दर नोरकी कोयक। वनी वर्षन मंदुर, मंडलक मुकुर, बीधा १३१ यके के वहने—अक्नातिका कठ-इच्ची इसमी। भी बंठा बंदी बँदुका सबुदी गंडक

१२७ सामूबरा—असकारण असकार, गलमंदगी पकसियी गुसुबन्द, यीप बर्नास बामरण बागूपन बागूसन ग्रेवेयक चंदनहार, चपाक्की चौकी कताप महता खेवर, दूम गरिएकार, बंतर, बयमाच चूपून, शंप टीक टीका मृदम मूपन भूछन भूषा शंदन तिलका ठिलकी धीका बीक बुगदुमी सकाम विमूपय । बुलड़ी शुक्रपुकी शरदार, गीमकाहार, ११८ किर के यहने आड़ काँडिया पंचलका पचलकी पटिका सम्तरही कीही बुटा खरील शीर विशेका बचनहियाँ बचना बचनी विजनी मनि पूरायणि चौका छपका शूमक सूमर, शाका शर्मिया भार, माठ माला टीड टीड़ा शामिनी शबनी पीड माजिका बास्य मृतसियै मोठौसियै वैदिया, वंदी विद, विदी वेणीणूल मोहनगाला रामनामी बीयाम स्टब्स्की मौनदोरा मांता दिएएक विस्मीर, सिकडी शीवानामी सन हेंसनी मिरोज्बन पिरोमचि की बीमंत हॅमुकी हमेल हार हारक हुमेल नरोप सिन्तान सिरकुक सिरमनि हैपस । विष्मीर, विरक्षियी विद्योगनि विद्य **३३२ कमर के यहने**⊶केंदीस केंपनी बीयपूर । कटिबेब कटिमून करगता करमनी १२६ मात्र के गहने—कील खुल्छी किंकिमी कींबरी विदिश दापड़ी

सिक्दी सूत्र। संबक तरकी वरीना तार, वारी वाली ३३३ बाजू के यहने—बंगर जार्गकेट, केम्र, भुड़ा जोधन टाँड़ नीनगा मुरकी मुर्की।

३४१ <del>कुँडल-फर्न</del>पास बरा बरेसी बहुटनी बहुँटा बॉक बाक कर्णकेच्छा कर्णयी कर्महाद, <sup>काल</sup> बाज बाजबंद, बाजबीर, विजायठ, भूज

मुजबंब मुराही। कुरवस्त्र । ३४२ कोच (कानका एक पहना)—नौद ३३४ क**लाई के बहुले—कं**कण कंकन कंपन कंपना कंपनी कटक कहा <u>पंत्राजमती</u>

योग्पेच चौरवाटा सुमक सुमका टेटका तरना त**ं**गा करूमा कस्य वज्ञारा वृज्ञारी भूरी भूका फिनिया मुक्त बुन्दा विवसी भूकी भूहारंती कप्ता नहांगीरी शोंका

पद्मनी पद्भा धलेकी पद्गी पत्भव बीचे । ३४३ कील (नाक की)—नीत हुनी पहुँची बाँक वाला बीट, वेढ़ा बेंबुरी

बौक बेडा बेसकेट मठिया मुतेहरा कुछ छींय। ३ अथ कांस्त का यहना—कुमी वडीधी। हबहुए।

बरदगी ६४५ हॅनु<del>ली वॉ</del>यीरिया १३५, पर के सङ्गे—जेंद्रक कहा मुजरी गीवर्णकर, नोवहरा भूंतक कहा पैरकी हेंचणी।

इ४६ हार (यसे का)—वक्षमां<sup>तिरा</sup>ः छरा धना छागल चगुन जे≰र कंटची यक्षमी गर्कासचे चंदनहाद वेन, शांत शीतको छोतन स्रोत्तर. अंबीट, जयमाल जुयुनू अर्थ ति<del>ष्</del>री सीलरी धोड़ा नृपुर, नेवर, पंडू, पाइक

नवसर, नीकसा नीकबाहार, मनिवासी पानेश पायल पैतनी पैदी श्रीक विक्रमा शासा मोइनमाला धमनामी सर विष्या मंत्रीर, क्षम्बा सांबड़ा। ३३६ डंपलियों के गहने—अंगठी शिकडी सानेट हाए, झएक।

३४७. **बयमह**ि-बयनसा वयनहिंगी मध्यी चारित्र इस्का गुप्ता सुविक मुँदही । भवता । ३४८. जोती का हार---उर मृत्रिका, वर्षि **३३५. मुरुद--प्र**च्यीय क्रिपेट शाम

माना मुक्ताहार, मोतीतिये हारवृत्ती मजर नदुट राजमुङ्गट सिरताज। **३१८ आ**क्—माचे ना शहना—कच वसी ।

१४९: सिकड़ी-चेत्र चंडीर स्<sup>राता</sup> यत्री किरीट बीट वंश्व वंडक्ता संकता संबक्त सांकर सांबल हीकी चरिता दिसरी दीस टीमा शिक्षक कावनी बावनी पीड़ मुख्या बदा सका सर कानेका

१५ मुजबंद—बंबर, वेपूर, बहरदुरी, रिया सठावश निख्यी निधि।

बाबू, बाबूबंद विकापठ। ३३% टीका (भाषा)—सर्वात टीवा।

करक वहाँगीरी ताड़ पारिहार्य प्रकोश्वाभरण बक्ता। १९४ कड़ा (हाच का)—कड़ा प्रकृश भेरता हमहरा। १९५ बुड़ी—चुड़ा बुरी गटरी बेक

१५१ पर्वेची--आपावक कटका संद,

सच्याः ।

पूरी। १५६- हाय सांकर--- ह्य कूल हुव श्रीकर। १५७- बारसी ( समूडे की )--- नग स्थाना बढ़सी बारशी। १५८-- ब्यूडी--- ब्यूडियुका बॉगूठी

विवनी।

पृपुक्षर करववी—किवियो
भूगकेटक सुनावको।

१११ तृपुर—पृथिमा पृथी करका
पृज्ञकोटि, पारकटक पार्थाकुर १११ तृप्र पर्याप्त पृथी करका
पृज्ञकोटि, पारकटक पार्थाकुर १११ तृप्त प्राप्त पृथी करका
पृज्ञकोटि, पारकटक पार्थाकुर १९६ त्याप्त क्षाप्त पृण्यकुर

खेलबाइ खेला गेम ठळ छेडू तमाया सगदक्षण मनीएजन गीज । १६५ केलने बाका-खेलक जिलाड़ी प्रेमर। १६६ खेलमा-चीडना चीडना कीड़ा करना खेळ करना खेळ स्थाना खेळा करना तमाया करना मनोरंदन

करना क्षेत्र करना क्षेत्र मधाना खेळा करना वमाधा करना मनीरंजन करना । १६८. हाकी (खेल)—हामुकः। १६८. हाकी—रिटक हाकी-रिटकः। १६८. क्षेत्रेट (खेल)—गेंद बरका। १६७ क्षित्रीया—खेलवाइ केहनिया खेलीमा खेलवार, निरमियी मुक्तिया मृत्युमा श्रमहुना। १७१ कर्गय—कन्नवीया पूडी युवशी चंत्र महितारा सुक्तकः।

गर्ववाची शारिकक।
१०१ स तिकार—नदेद, बासेट बासे
टक्क भूतवा।
१०१ सा क्यारा—चौर, भेडूनठ वर
विश्व स्मायाम।
१०१ स सामरीह—नागोद, दिस्बद्द्वाव
भारेदल।
१०४ पासा—मद्या देवन पासान।

१७५ वॅट-क्षुक वेटक वेंदा वेंता।

३७६- पुढ़िबा-नृदुधा गुड़्ई, पोचाधिका

३७२ मंतर—पर्ची मंत्राहरूका।

चीपक

१७१ चीसर—मध्यपद

£ 704 626 £ K5K ४०५. बहुक--सम्पादन कड्क विज्ञती यो चैदवान तीरा नाराच पत्री पैच भग्नामीन कमान योखी तूपक रायफक। पुरुकद, पृथतक प्रयक्त वाल मारगन मार्गेण मार्गेन रविवान रोप विधिक ¥०६ ततवार-विश कथा विर्हेग विरुप चर चर्ताका धायक करंड करपास करवार, करवास कर वाली करोली कर्केंग्र कर्तारी किरलास रिकीमुक्त सायक सुप । ४१३ वरधी---भाकि भूजाती सीग, किरवाद, कीक्षेत्रक कृपाण चंग क्षंत्रद, पैहरी । सङ्ग कोड़ा भंद्रहास टेक तीवन ४१४ माला—कुन्त पुत्राप दीर्वापुर बर्मा, देन दूरसद दुकोही अर्मपाक नेवा मस्क विपोष्ट्रद, बंकु चक धारय वर्गमान पोप मिस्विश मंडलाव रिप्टि रिविक रिद्धि, विश्वसन श्रमधेर, शायक थेल देना। तामक, सिरोही सैक। ४१५ क्यार-कटारी क्ली बंबर वनवाइ वैचक्रम्य भूजाकी। ४०% **शस**्चमं पुर, कल प्रतक । ४१६ गुप्ती--ईसी करपासिका खौड़ा ४०८ करक-अंगगाच अजगर, सामस युपवी गुपुरी। बायसी सररछद, बंदरक कंबूब ४१७ साठी-गाँवी वींन संबद, जनर, जामर, जरह जिल्ह, जोधन संबंद ( तनपास तनुव दंशन दक्षन बक्दार, ४१८. चीर--तम्य पदार्च वस्तु। बस्तर, बरम बारन योग बस्तर, ४१% सामान-मध्याव नसाधा उप बंबाद, बरम बने बारम प्रधेरतेनु, करण हरू। याचे सनाजमा समान ष्पेरताम प्रनाह, सम्राह सिकाह। सामसामान सामधी सामिपी। ४०% धनुष-कमठा कमान कमानचा **४२ करहा-अविका अंदिका अनि** भार्ष्य प्रयंद शोरंड गुणी भाग शयणी अध्येत उदार, उपयान जन्मी तारक वनक वनु धनुवा वनुई बनुक नुस्ह । चनुग चनुष्ट पनुत्री पत्रवास पत्रवाह ४२१ अयोठी--अंगारमानिया रिनाक सैनिम दाराबार वारासन धानी अंगारतस्टी अंगेडी बरास योग सरासन । हमनी । ४१० डोर (धनुब)--गुन पूरा विस्ता ४२२ जुआठ--बतात उत्पृत सराध बिद्द क्या दौन बनच चेत्रीचना प्रतिका कराष्ठ । मत्पंचा, मुनी मीनी शिजिली । ४२३ ईवन--ईच इथ्य बतादर ४११ तरस्य--श्रुषि नलार तरस्यी तरही नगरता लगायत तथीता। ट्रिंग तूपी, तूपीट, धूनीट, क्षीम विश्वंग ४३४ उपता--उपरी क्या नावा । क्षीप गोइटा गोंइटी बोसा घोडूस ४११ तीर---बागूग दपु, वर्णंड शंग गोहरी मोहा चित्ररी बनही।

पुत्रकी पूत्रकिका पूत्रिका!  ३७% मुन्दर—वोड़ी पूंदर केविम  ॐ मुन्दर—वाड़ी पूंदर केविम  ३६% सवारे—वान वाहृत !  ३६% सवारे—वान वाहृत !  ३६% सवारे—वान वाहृत !  ३६% सहार्व व्याव—पुण्यक विमान  युण्यक पान विमान व्यावमान !  ३६८ बहार्व (पानी का) —वर्षवमोठ  बहार पोत वाँदित !  ३६८ काह्रक (पानी का) —वर्षवमोठ  बहार पोत वाँदित !  ३६८ काह्रक (पानी का) —वर्षवमोठ  बहार पोत वाँदित !  ३६८ काह्रक (पानी वा) —वर्षवमोठ  वाद्रक्ष ता नव्य वाद्रक्ष वाद्रक्य वाद्रक्ष वाद्रक्
६९ रच—चर्याण स्थलका। धरावनी । ६९१ कोली—सोला प्रेवा द्विविदा ४ ४ वली—पत्नीदाप्रजीता।

¥ 🖴 **शंहक**—जल्यास्त्र क्रम्क विज्ञली

**करातीत कमान गोली तुपक रायफ्रक** ।

करंड करपाल करबाट, करबाल कर

नावी करीती वर्षय कर्तरी फिरमाक

किरसाद कीनेयक कुपान भंग खेंबद

पहर चांडा चंत्रहास टेक सीकण वर्गा, तेम दुरसद, बुकोही धर्मपाक

वर्ममाल बीप निस्त्रिय मेहलाय रिप्टि

रिविक, रिहि बियसन शमश्रेर, शायक

¥ **क श**तक—समें घट, प्रसा संसक ।

४०६ तलभार-अधि कृता

2 × 4

मार्वज मार्वेन एविवास रोप विधिष

विर्देश विद्या चार, राकाका साथक

E RSR

४०८ व्यव-वंशवाण अवसर, आयस आयसी चरस्वर अंतरक अंबुक, यदर, आयर, जरह, तिरह जोसन सैनेवाम सेनुक संस्ता बस्तर, विद्या, बरल सारम योग क्वार,

सायक सिरोडी सैक।

नेपार, बरम वह बारन रागेरतेनु,
पाँग्रेसान सनाह, सनाह शिकाह।

४. सन्दर्भ-कराटा क्याह शिकाह।
वार्ष्ट्र पूर्वेद करीर मृत्यी नार्यात्र सार्व्य पूर्वेद करीर मृत्यी नार्यात्र सारक परक पतु, बनुहा वार्ष्ट्र, बनुक चेतुर पनुस बनुही पनवाल परवाह रिलाप केडिक स्टासार रागामन गणस्य शोग सराहत।

गिरास योग सराहत ।

४१०- डोर (बनुब)—पुन गुन विका दिइ उस तरि पत्तव थेऽविचा प्रतिका अर्चेषा वहीं सीहीं शिवती । १६१ तरवार—पुचि वनार, तरवा दूस पूरी सुचीर, दुसीर, होन विचेत

**४१२ तीर-कान्य इयु वर्तव ग**ग

नाना ।

विकीमृक सायक पूर।

४१३ वरकी-नाति मुजाको सांस
वैद्वारी।

१४४ साका-कृत्य कृताय रीजांच्य
नेवा मस्त विपांकुर, बहु राव प्रत्य
पेक देवा।

४१५, कदार-नदारी कसी खंबर,
बनायक रेपकस्य पुजाली।

४१६, पूची--धंबी करपातिका खोड़ा
पूची पूची।

४१६, पाठी--पाँची करपातिका खोड़ा
पूची पूची।

४१८ चीत्र--द्रम्य पदार्व अस्तु ।

४१९. सामाल---मतबाब अतावा चप

करेल हरूप मास सवादमा समान

वादशासाम शामणी शामिशी।

१४० वाहा---वेदिकरं, बरिका विष

प्रथमी वर्गांत चढार, दस्मान चुन्छी

पुरह।

१४१ वंगीकी---वेदारपानिका बंगार
वर्गी वंगारपारी वन्नी हमती

१४१ वर्गाः

करीय बीडटा बॉस्टी बीला, बीहरा

न्धेहरी, पोट्टा विचयी बच्छी ।

सुची।

ৰীব। ४६१ म. <del>वास--</del>प्रमामकस्ता खरक ।

४६२ **चलनी—अ**गिया अभिया आधी बाक्षा चालनी छम्मनी विवक्त ।

४६३ सुन--छात्र प्रस्फोटन फ्रक्मी भूप गुर्प।

४६४ जोसती—अपूजस उत्तप्पष व्यक्त केंत्रकी क्षोत्ररी।

४६५ भूसर--मुपल मूनक। ४६६ धोकरा-श्रीचा ध्वका छावका शाबद, भावा कता काला शीरा ।

¥६७. टोकरी—अंतेरी चौबेली ब्रक्तिया दली दाली दीवी। ४६८ शीरा-मोडिया बगला डाला ।

<sup>इंद्</sup>र- वीरी--कांडोल वृंडी चगेली डाली पिट, पिटक, पेटक ।

४७ डाली--पुरुई। ४७१ विसमवी-आवमनक निप्याना-पात्र पददबह प्रतियाह प्रोठ।

४०२ पौकरम-------------- अीवसदान पुरनी पिक्यान पिनवानी। ४७३ सार -- वंश बद्दनी सार बुहारी भाग ।

४७४ शोहा-बहिया बदहा क्षोहिया मोदी ह

¥बद, मदनी-अपनद छोड़ी सब सब

४७९, बहरी-व्या भार व्याप्ती ।

४४५. सिल-पादर निरोटी सीन।

ददद संयान वचना संपतियाँ नयानी र्ग्ड वैद्यान ६

रे au. मरश---श्लोरा वर्धोश्या महत्री। ४०८ कृती--कृत्य दुव बुध्या ।

शाह शैपकन्स शैपकापार दीयट, शेवट

प्रमीतनोज । ल्या ।

४९२ केंद्रील-बाह शाहपानुस शाह

वर्व तोड़ा--वैया वैती । सोना कारचा बेन बैन।

चनुम टार्च सम्य शासटेन हेरिया।

र्वत. संत्र ताया शोरक भागा मुता सुप्र।

४८२ डेक्से--बारा आग्रे टक्के,मुतायै।

४८४ सौरी-कट करेडा किटियक

४८६ बावल-पेटी बक्त बन्त बाकस

४८८. रंगलेटी-बंगुरीटी विशेष विभाष

४९ विराय-अंजनकेस आसीक

जल्मा पहमान निराध बेबची विमय

रियमा दिया दीए दीएक दीपिका

दीवरी दीवा दीना प्रदीप नहीं।

४९१ विरागरान-विधायदानी चौमन्या

४८९ जुनीदी--जुनदी जुनादानी।

हाची पेतारा पेटारी मोना मौनियाँ।

४८३ समा—सुरुवा सुवासूवा।

४८५ डिफा---डिम्बी सपट ।

४८७. क्वरीहा—क्वरीटी

मंजुषा संदूषः ।

कवसीटी ।

विषीय ।

४८१ सर्द--गणि यणी

४९३ वणाल-स्थाल वरियर लच्छ ४६६- पैती--गरैनी शतीनी सम्मिती

४९५ पॅला—गरीता सनीता वर अबा सोर्टि मोरी मानी मोक्टी STEP 1

प्रश्यः परदा- बाह बोट, कमात थिक मित्रमान चौक विभाव जवनिका तिरस्वर एट, पटक प्रतिविधा । चर-देश मेंच !
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •

१९७-हस का फा<del>ल - व</del>नुसी कुरा कुस

रुपी कृटक कृषिक कृषिका निरीप

पन पाद जानी हमवानी।

कांपच हरिस हसीस ।

कवित्र हुँनुवा।

११८ इरीच-अपनीसी ईपा

244

समार्थ ।

५४४ कुंडी---कड़ी कुंदा कोंदा। ५४५ छूपी-विधुत्री वसिनेनुका करी चनकृ चाकु, सुरिना पूरा।

ताकड़ी तुका लीभी।

५४६ दियाससाई—शीपश्रष्ठाका मापिस

५४७ तराजू-सीटा तकड़ी तरवृद्धि

41 क्रुराम-सरवारण कुवार, क्रुवारी

५६५ सनवट-अंटीलक सनीट सन्ह ५३६ रोजनशास-गवास मोखा रोमन

५१९-हॅसिया—शतरी दाव दावन ५४८ बार--बर्टा बटक बटलरा बाँट। ५१७ भूँटी-- नाडा हैनना हैननी भार ९१८ यूनी-चाह टेक देवात चुन्हीं ५३९ संबा-संब गांत यब संब ५४ छिरहर--- काच छीवा शीवा

५४१ ताला---नृषुत कृतक, कुम्फ, जेरा ५४२ सानी-पूजी लोनती वाणी वाणी। ५४३ संजीर--वंडीर, गूंबला नाँगत

५४९- परका (तराबु का)--अस्मा डाक तुनापट, पनवा पनचा पना। ५५ तथी (तराव की)-जीत तभी।

५५१ वंडी (सराज्यी)---पटि। वंडा वंदी दीव दोवी वेंट। ५५२ व्यंबर--चमर, चमरी चामर, नामय नामरी भीर, नीये प्रकीर्णक वासम्पत्रन रोगगण्डकः। ५५३ धन-भातपर रहुद छत राजस्वम ( ५५४ छाता-शावपत बावपदारम छत्तपै कता कर द्वादामित पटोटन । ५५५ स्वी-नीत्री वंदा दंट दंदिना बैठ कबर, सबूट सबूटी सगुइ काटी बच्टी बीदा चीटा सोटी। ५५६- यंत्र--औदाय, रूपः मरीत । दूरगीन । बदुवा बहुदू ह

५५७- पुरवर्शक यंत्र--यंत्र - पुरवीयम ५५८ वंती-सीमा सरीता सतीता शीगा जानी सोनी झोचा बदुबा ५५९- वानीम---चंत्रवायम धनवम दुनुबन दपुषित दर्जन सोधन सामुन प्रवताहार वनारी नुवारी ।

कुराती सनित्र श्रनित्री। **५३१ कावड्रा**—कस्त्री करता क**रा**हा भीका । ५१२ मीठ—चरता पुरवट। ५३६ सार-पात गोवर, पांस पांसु । ५६४ स्वरी-देवरी ब्यमी मिसाई ।

बट, डोका ।

मध्दी मेल ।

पूर पृत्ती।

बुती स्तंत्र ।

बिधा, तनर तानः।

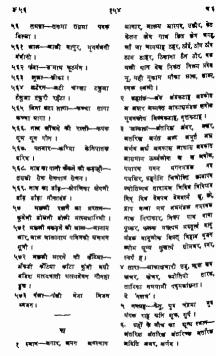
गीरव ।

विक्की १

यस ।

434

¥ 448



८ नूर्वमंडल-- उपमूर्वक परिणि परिशय परिवेश सदन संदक्ष । ९ करम—अंगु आकोक उस कर केका किरल गमस्ति गौ चूचि छटा क्योति दीवित प्रचीत भगे मानु, मसूत्र वरीवि रंग रहिन रहिन। रै॰ सूर्य-प्रकाश—काराप वर्ग माम छवि छवी त्विय शीखि चृति पूर बेराम प्रमा सा भात दक एकि रावि सोवि । ११ वंडमा--रे 'वंडमा । १२ चंत्र-मंदस---चंत्रविस्य सदस्र । रि दून का चरि—चंद्ररेका चन्द्रकेरत द्वीर व नवचम्य बाजविष्, वक्रवाह । १४ माना चौर--जर्दकार । १५ पूजिमाका चांद---पूर्णकार राका गमि सकेसा। १६ चारनी-अंजीरिया जम्नतर्गाणी वनुगरव कौनुदी चौदनि चौदनी चंत्रक चेंद्रभोत चंद्रप्रमा चद्रमरीची चदिका भूदार्थ में मह प्रयोगमा हिमकर। १७. मॅगल-≒अगारवः जावनय ऋवांतर 🖫 मृतिमून जीम गर्रामुण लीहि ताय थका १८ **मूप--मा**त्रज मारगुर जारज अ गेरियर दिइ विदित्र शीम्य । १५ पुरस्पति-अस्तिस क्रिय विद्या मधैन पीरर्रात यह योजिह बहुराज चार चित्र चित्रशिवद्यित और तारा बिर माराबीता मारामाच नारासीन जि रतपुर, विद्यापनाओं शिक्षि बारमकर पा विषय विषयनित नीर्रात सीमान

40

७. नूप--- रे 'सूर्व'।

पादच्य बृह्तीपति बृहस्पति बानपवि वागीध्वर, बाबस्पति वित्रमोक्ष सप्तपित्र सिनि सूरगुर सुरपतिमुक् सुरप्रिम सुरपराभा धुरमंत्री भूरराजपुर भुराचार्य मुरेन्द्र पुत्रव स्थपति । २ <del>शुक्र—आ</del>विवेशमुक्ष उद्याना कवि कास्य दैरवन्य दैरवराज भागेन मृतु, पटग्राचि स्वतरच मित्र । २१ बनि—अकि वसित भार,कास कोक कोड़ बहुनायक छामारमञ्ज छामा मून नीववामा बीकांबर, पंतृ पार्चीम बास्करी मन्द्र मन्द्रप्रह मानवास रवि मन्दमः बन्ध, शनिरुवर, धनैरुवर, शर्राम्, मुम्बपुत्र सीरि । २२ केनू-प्यकेनु, सूचकेनु, बाहुन शिन्ति शीर्पप्रह । २३ राष्ट्र---अनूर श्राह्न, कर्वच कटपरस्न, ब्रहरूलाल प्रदूषमर्गन तम देतेम नवार नैक्षेत विमृत्युद, निहिरानुन निहिचानुन् महिकेय स्वर्भानु । १४ प्रहम-उपराग यहण गर्नन पान बाइ । २५. सक्ष्याल—पूर्वदहन । २६ नवन-नाशायाची उद्, भ्रा ओवं तम सकर मधनकर स्वनकर, वरहाई क्यानि तसकर शर्म द्वारत तारा नारिका धकर ध्याप्ट पिष्ट्य नगर ननपर नजस्यर निशिवर संब। २७ २७ वराज---वनुराया अर<sup>ो</sup>ना अधिकती आहाँ जनगणाम्पूरी जनग भागता प्रशासक इतिका विका म्पेप्टा बनिया पुनर्वमु, पूजा पूर्वा-

**4 40** 

चप्ट १५	ाह <b>व</b> रि
कारमानी पर्वातावया प्रवादात करणी स्था मूळ स्वतिया देवती रोहिणी विश्वासा स्वति हरा । विश्व स्वति हरा हरा । विश्व स्वति हरा । विश्व स्वति स्वति । विश्व स	४४ जनुरावा-धित मैत । ४५ जनुरावा-धित मूर रहा पहर । ४६ मूक-निरित मूर रहा पहर । ४८ पुर्वाचानु-बीर, जक । ४८ व्यारावानु-विर्म वैरम । ४८ व्यारावानु-विरम वैरम । ४८ व्यारावानु-विरम वैरम । ४८ व्यारावानु-विरम वैरम । १४ व्यारावानु-विरम विरम हुरैं १६ व्यारावानु-विरम व्यारावा । १६ व्यारावानु-विरम व्यारावा । १६ व्यारावानु-विरम व्यारावा । १६ व्यारावानु-विरम व्यारावा । १६ रामियानु-विरम व्यारावा । १८ व्यारावानु-विरम विरम वेर विरम वृत्य वर्ष । १८ व्यारावानु-विरम विरम वेर वृत्य वर्ष । १८ व्यारावानु-विरम विरम वेर वृत्य वर्ष । १८ व्यारावानु-विरम । १६ विष्युन-वृत्य ।

१५७

९५-पुराम—युक्त तीकि युक्तः। ९६-पुरिषक——शकि वृश्यिकः। ९७ यमु——कोश्डर चाप सनुसः।

4 14

६८ नकर—नक ।

६६- कुंप-चट । ४० नीद-सङ्घ सस्य ।

**वर्ष भूर-अवस्थाह, सीलानपार** 

भौतानपादि, निरमक स्थिरप्रह । भर पुण्डम दारा-केश, साबू बुमकेशु,

इमकेतु पुष्पकतारा ।

७१ सप्तिम् ( 'झसपथ' सस्याम के अनुसार )—वनि कम्प्यप गीवम नयान गमानिन मधिष्ठ विश्वामित्र ।

क्ष सम्पर्धि (महानारत के अनुसार)— मंगिरा वित्र ऋतु, पुकल्प पुण्ड

सपैषि बहिन्छ।

\*५ दिशा-सनूर्व शासा श्राहा सोर,

गहुन हुनमा फान्स खंड यो तरफ,

नष्ट्रभ कुकमा काष्ट्रा खंड यो सरक, विक्, दिए, दिस दिसा सिम्य इंग्रिंड ! कि. १ दिसाए—अभिकोच देसानकीन

उत्तर, इसर, दक्षिण शीचे शैक्षस्थकोण परिचम पूर्व बायुकोण । ७७. विकासक—दिस्पति विवासिय रिवेस दिशासिय विद्यालीय विद्यासिय

विकास कित्याल दिव्यां विकास विकास

७८. १ दिख्याल—शिम चेत्र देश द्वेचेर, नैश्वेत ब्रह्मा सम वरण वायु, येग।
७१. ४ दिसाई—उत्तर, पश्चिम परिचम

पूर्व। ८ उत्तर—उत्त धरीची तिवस्यि,

युगाल । ८१ वशिय—सवाणी जनुब दक्सिन

दक्षिणासा दक्षिण दखन दज्जिन ।

८२ पश्चिम—चरम इन्सा पण्डम पश्चिम पण्डिमें पण्डू पश्चाए

परिचमा प्रतीची मगरिव । ८३ पुरच—दिग्छिचा पुरुष पूर्व पूर्व प्राच्य प्राची मधरिक ।

८४ ४ दिनांतर—शिलकोम ईग्रानकोम नैज्ञासकोन शामुकोम । ८५ नीचे—समः तट तटे तक तने

निमा। ८६ कपर---विकास सम्म स्टॉम स्टब्स स्टब्स स्टब्स्टिकेंग क्रॉम स्टब्स प्रोता।

८७. विष्यस-विकल्पम विधित्तंतर ! ८८. ८ विष्यस-र्जनन ऐरानट कुनुव, पूच्यीक पूणवंत वामन धार्वमीम

युक्करीक पुरस्ति बामन सर्विमीम सुप्रतीक। ८९ विपांतर—कोच कोन कोन विकास

शक्काणः ।

९ पूर्वार—वश्वकिका वस्ता वरिति
वारिकीता वर्गता वरिति वश्ति त्रापुर,
वाहि वारिया वाचा इहा दिहस्य इस इस दिवस, उदिनस्य उस सर्थे स्त्री वर्षी वर्षी, स्त्री कार्यं,

इत इता इकिश, व्यक्तिसभा द्वा वर्षम वर्षि वर्षी भी, रख भारती श्रीकृतिमा हु दुनिनी दुन्दिनी सूर्म केशि स्त्राचा स्त्रित, सीलि स्त्री स्त्रीम वर्षी क्षा चिन्नी स्वरूपी स्त्रीम सीमी क्षा चिन्नी स्वरूपी सन्न नहुती पाल थो योग मीरिका

भ ९१ १६	te # 1+1
वर्धः वरणा वसा तयाँ तयाँगतः जान्ना सामा सामा तयाँ तयाँगतः जान्ना सामा सामा सामा सामा सामा सामा सामा सा	मृत् मृतिका मृत्या ।  पश्च पति—मेंद्र याँ पृण् पूर्यः पूर्वा पति पति पति हिन पत्त हैं, मान्यत्व मंत्रा ।  पश्च पति—मेंद्र याँ पृण् पूर्यः पूर्वा पति पति हिन पति हैं, मान्यत्व मंत्रा ।  पश्च पति—मान्यत्विष्या हिन्द्र हिन्द
f feithwaren min min	fenter a

१ ८ मारतवर्ष-आर्थम्मि आर्यावर्ष

इटिया पुरुषम्मि भरतकार भारत

सिंबुबेच हिन्द हिन्दुस्तान हिन्दुस्वान

१०९ म्डेक्छवेश—अनार्यभूमि पवित

११ सप्तपुर—-वर्वतिका अयोध्या

कौंची कासी हारिका सबस्य हरि

कोससपुर, कोशकपुरी रागमा स्वकी

११२ कॉबी—कॉबीपुरी लॉबी कांबी

भूमि प्रस्पंत स्केच्छवास ।

41 6

**प्रता** ।

राज्य विषय ।

हिन्दोस्त्री ।

ETC I

बरम् ।

साकेव सेविका ।

१०% राष्ट्र---अपबंदन जनपद, नीवत

११९ अवधायपुरी-अवस्तामणी पुरी। १२ रामेश्वर—रामसेत्, रामेस्ट, रवेट वंपरागेश्वर, सेत्वम ।

**4 131** 

१२१ जन्मैन-अवंदिका सविपूरी क्यती सम्बद्धनी सम्बद्धिनी सम्बद्धी। १२२ दिस्सी---वंद्रप्रस्य दिल्ली डेकडी देसही देहली इस्तिमापूर।

१२३ कमच्छा—कामाधी कामादया कामास्यां। १२४ कामकप-कमक, कामक्या। १२५ करमीर-कस्वपदेश कस्थपमेक

कसमीर, काश्मीर। १२६ अंका--वाझरेश रावमपूरी वास वर्ष कर अंकपुरी सिद्दक सिद्दक्तडीय सीकीन ।

१२७ बक्रमानिस्टान-कम्बोन वंबाद गाचारवेश । १२८ विकास—यगक्षेत्र दीरभुक्त विधिका ।

१२९ रहने की कगह अधिनास अधि प्ठान अवास अवास आवास चढास केम्स ठिकाला निकास निकासस्मान बसतोबास संदिए, संदिक सकान मठ, मासावे भिर्दा १६ प<del>ढाव-- अव्</del>य अकान अधिप्रधान

बहरा बायतन बाधम क्याम पट्टी चौकी सामगी जनवास टिकान टिकान ठहराव ठाहर, ठिकाना बेध मधी काला चिति संवित्त संवत्त संदर्ध

१६१ डेरा-सेमा कावनी तंत्र निवेध

ध्वातियामा विविद् ।

रे१३ <del>काली - कासी</del> कासीलुरी, बनारस बारागसी बिस्बनाबनगरी विवतनावपूरी विवयुधे । रे१४ इरस्का—नुवरिका बारवती क्षांच क्यी हारकलयर हारिका हारिकाणीय उपै शारिकायुरी । १९५ मनुरा-कंतनवरी कंतपुर, कंत पुषे इत्या नगरी मनुरापुरी नम्पूर,

मक्पूरी कबूस सूचरा।

पाटाकिपुत्र पाटकीपुत्र ।

र्धपम ।

११६ प्रयत्य-जनाहाबाद, इकाहाबाद, इकाहाबास क्षीर्वराज गरमाम संगम । ११७ विवेणी--दिस्वेनी विवेणी बेनी **११८ फ्टना-कुसुमपुर,** पद्टन नगर,

म १३२ ११	( <b>० प</b> र्देश
रेवेर प्रावरी— संबाद, वेष व्यवस्त्र प्रिविद्य विविद्य सेमावाव स्वेवावार।  रेवेर वाल—सहा नेविद योग वेदाव नीतृ पुरता पुरा वर्षी गीवा।  रेवेर करती— वर्गायव वर्षी गीवा।  रेवेर करति— वर्गायव वर्षी गवायवादि।  रेवेर करति— वर्गायव वर्षी गवायवादि।  रेवेर करतात्— वर्गायव वर्षीयव विविद्य गवायवादि।  रेवेर करतात्— वर्गायव वर्षीयवादि।  रेवेर करतात्— वर्गायव वर्षीयवादि।  रेवेर करतात्— वर्गायव वर्षीयवादि।  रेवेर करतात्— वर्गायव वर्षीयवादि।  रेवेर करतात्म नावादि।  रेवेर करतात्म नावादि।  रेवेर करतात्म नावादि।  रेवेर पर— वर्गायवादि।  रेवेर परिवादी।  रेवेर परिवादी।  रेवेर वर्गायवादि।  रेवेर परिवादी।  रेवेर वर्गायवादि।  रेवेर वर्गायवाद।  रेवेर वर्गायवादि।  रेवेर वर्गायवादि।  रेवेर वर्गायवाद	वर्ष वस्त वाक्य वास वास्तु हैग्द, सारण घरण स्थं धाछा विनेद्र, संस्था छव छवव स्थ धीव इन्तर, हृद्यं । १४६ परका या आलीआत स्वान्त- सारा, द्वार्यं । १४६ परका या आलीआत स्वान्त- सारा, द्वार्यं । १४६ कृदिया—उवट नटाह, कृद कृदी कृदीद सहस्य जानुह बौता, संद्यं । १४६ कृदिया—उवट नटाह, कृद संद्यं । १४६ कालापृह—कदावद, जायाद् । १४६ कालापृह—कदावद, जायाद् । १४६ कालापृह—कदावद, जायाद् । १४५ कालाप् क्वया सेत्र वहुत्यं सी, वादसी विद्यं । १४५ कालाप् क्वया सेत्र वहुत्यं सी, वादसी विद्यं । १४५ कालाप् क्वया सेत्र वहुत्यं सी, वादसी विद्यं । १४५ कालाप् क्वया सेत्र वृह्यं, व्याप्ता वित्यं वृह्यं, व्याप्ता वित्यं वृह्यं, व्याप्ता वित्यं वृह्यं, व्याप्ता वित्यं वृह्यं । १४५ कालाप् व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता वृह्यं । १४६ कालाप्ता व्याप्ता व्याप्ता वृह्यं । १४६ कालाप्ता व्याप्ता व्

म १७६ 125 748 १६३ क्योदी—बेहरी बरवावा देहरी प्रमृतिकागृह, सूतकमृह सूतकगह, सृतिका-बेहुकी वंबरि, वीरी देहरी देहकी। नार, भूतिका गृह, सोवड़ सौरवृह सौरी। १६४ पुरस्कार-चोर दरनावा पश्चक १५१ स्तानाचार<del>- गुप्तकवा</del>ना युसुस-पवासार, पार्श्वडार, मगलीडार । बाता युरकबाना स्त्रानकामा स्त्रानपृष्ठ १६५ क्रियाक-सरट, क्याट कियाकी, स्तानवाचा हुमाम हुम्माम । क्रिवार, क्षेत्राङ् केवाङ्ग केवाङ्गी वरवाचा १५२ शक्ताला----कवर्नेचा खुद्बी बायब रूद, टट्डी पासाना बाहर, बंपुक्तिस **द्वार, पट पटट, पस्का फाटक**ा पंदास इमनदर, इयनहृटी इयनहृट्टी १६६. श्रिक्टी—अंवचाद यकास यकास वीका सँगमा भारतारी, [एनेटी । १५३ सार्वजनिक पाळाला—अंपूर्विस जाकरंक संसरी सरोका दरीचा वमपुर्विसः । प्रसक्त प्रच्छम कारी कालायन । १५४ कैटला (चेटले का स्थाल)---१६७. खेमा--संग वंदा स्तम स्तूप । बचाई आस्थान चीपाक चीवाका १६८ कासन-भरत अपनेस अपरेस मैठक १ क्षत कवि कप्पद, कादन कावना पटल १५५ बब्दारा---चाबद बीवरा बीव वकानी पाटन । **1** = 1 १६९ गील क्रीमी छतः -मुंबच गुंबद । १५६ हार के बाने का चौतरा---मगाध १७ कर्म-गण परसा पकरतर, फास्टर। वनाई वस्ति । १७१ राजमङ्स-वपकारिका उपकार्म १५७ सीही—अघिटोहिनी आरोह, आरो-क्तिका कोट नन्त्रवर्त निप्कृष्ट, प्रासाद, इन बीना तागम नहीनी नहेनी महरू राजप्रासाद, राजभवन राजभविद, निमेची निसरमी निसेमिका निसेमी राजस्थन सर्वतोधाः सीम स्वस्तिक निर्वेनी पेड़ी पीड़ी सिड़डी सोपान। हमेकी ह रे५८ <del>दौदात-- हुर्</del>मम दिवार, दिवाक १७२ विका-स्थान कोट यह दुर्ग देशक भित्ति मीत भीती । हुमेंस विश्व सीव शिविर। १९६ क्रेर--मगाम क्रिप्र तरेड बरम १७३ वृत्री—सटासः सच्यूरा मीच्यूर-बराव बराट, एंक्स सुराखा सुराखा। धौराहर, मीनार । १५ तल-माना वाका। १७४ वरबार--बास्पान कवहरी राव-रेर्ट संवेदी**का**ना<del> क</del>ॉनीचर, कॉणी मंडली राजसमा राजसमात्र। हारस बाहा सबेछीनर। १७५ एकांत जीवनास्थान--एकांतपृष्ट १६२ वरमाका (धरका)-⊸पृह्यार विकन्तवाना बुढ़ा गुप्तमृद्ध गोधा मुहानमृहणी क्योड़ी धुआर, देहरी मत्रभाक्तम सत्रमाण्हे । **रेह**णे हा हार, पहुरा पौर, प्रतिहार, १७६- सिहातम - तक्य । मदीहार, सिंहपीर ।

१७०. संतजुर--जेतेवर, स्वेवर, स्वेर, स्वर्ण, स्वर्ण, स्वर्ण, स्वर्णन प्रतासकाना क्यामा सोगपुर, महत्त रनवाद रिविष्य गुर्खात स्वियामार, हरम हरमकामा । इस्टर्मामार, स्टर्ण स्वर्णनामा । इस्टर्णनामार, स्टर्णनामार, स्वर्णनामार, स्वर्णनामार, स्वर्णनामार, स्वर्णनामार, स्वर्णनामार, रामस्वर, र्योगनामार, रामस्वर, रामस्व

4 140

सिरः, रतिधरन बालपृह, विकास स्वसः। १७९ कड कर रहने का श्वान—कोप पृह कोरासन मानपृह, शानसीरः। १८ मृत्यासा—मावपर, नावसङ्क महक्रिकः।

१८१ राजाना-कोशानार, बनानार,

भंबार, शंबार जांबार ।

(८२ कारमार—जारायुक्त, कारावान
केरपाना चेर जेलपाना खेड्स खंडूस—
पाना बंदपान वयन वंदीप्रामा
बंदीपुद धाननापुद, इवच हस्व
ह्याना ।

१८६ हिरासस—जांग जारावान क्रिय,
नवरकर वंद वयन हस्य हैरासन ।

१८४ बाना—कोनवानी चीडी ।

१८५ सामायार—जनवाना अन्तावार

देश हरासत्—नाग नाएकान हो।
तदासर ये बस्त हम्म हैरासन ।
देश बाना—कोणवासी चौडी ।
देश धारामार—नगरमासा काराबार
धारवासा निर्माणना हिवार
सारा ।
देश धारवासा—विश्वार व्यवस्थित ।
देश धारवासा निर्माणना हिवार
सारा ।
देश सार्थासाना—विश्वारणना विवे
देश सार्थासाना—विश्वारणना विवे
देश सार्थासाना—विश्वारणना विवे
देश सार्थासाना नायबान्य सार्थासा सार्थासा नायबान्य सार्थासा सार्थासा सार्थासा सार्थासा देशाया
देश होगाला—विश्वासा नदसासा

र्गेनपाता कीमनाता हॉबगान हॉन्स

धाला हविकानाः। १८८ अस्तवस-अवनसाका बुद्धार, पुरसास पोरुशाला त्रवेसा बाविशाला. र्मद्वरा हवसाचा । १८९ कोड-आवर्तक बेस परिष पुरसीम प्रकारक प्राचीद बेप्टक सामि। १९ वहारबीवारी-वहाला प्रानाद प्राचीर । १९१ घेरा-अञ्चल नाम स्वा। १९२ जाई---संदक्ष जेम परिता। १९३ आलवरों के चृत्ते का स्वान--बर्ग बराव बरान स्टान सरिक वीती चान वाड्डा यससाता सिवस्तीन मबेधीग्याना । १९४ और—प्रहट गहबद बुद केर नाडु बम्नीक बॉरी वामतर दिन मान विवर। १९५. वॉससा—बातना, सींश नीर गीप ।

१९६ हावियों के बंताने वा गारा-जपपान सोहा नास्य । १९७. पोलता—जनमत्र पनमता, वर्ग त्ताक वानीयपात्ता वानीयपानिका, <sup>द्री</sup> पीनच शैनका पीनार प्रम,म्याङ,<sup>हर्मा</sup> १९८. भोजनालय---जप्रतोत्र बावा, व्या पाकगृह वारचाला चाररपनी बारर<sup>वी</sup> नामा जंडार बहातग रमकीमार<sup>ह</sup> रलोडयाँ रलो<sup>ड</sup> रमोई स्पोर्टरर श्योवदा रेक्टी,जूरमूट होटन। १९९. रकल—पुररून चन्यामा बानन वरी चारवाता वारामा वर<sup>मद सा</sup> रमा विद्यारीत विद्यार्थीन विद्यासी धितालय । दे भाग्यामा ।

888 च २२४ २१४ शिल्पशाला-मानेशन

२१५ अमधासा-भगार, कोप शता

बती जी गाड़ शान्यासय बचार,

र्मंडवार, महसास भंडार, भंडारपड,

मंबारबर, भान्यासद मोदीसाना । २ ३ पोधाका---भड़ान शहक व्यक्ति २१६- मा<del>लगोदाम को</del>ठा विरुक्त सकसाका गायबॉठ योकुल योगम माठवाना । मोबान पोमंडक पोलबन योसाका **९१७- अवादा-**—मसवाट

वासा ।

२१८- **जुलाकाना<del>ः - गु</del>ला**वृह फटकाश्चय प्रजृ । २१% वह स्थान वहाँ कोई बकता हो---

क्सरत स्वान व्यामामधासा ।

पंडाक रंगभूमि समागृह। २२ वरात के ध्यारने का स्वाल---बनवास बनवासा । २२१ विचाह का श्रीडप-भड़प मंड्रवा मक्ता भाषा भाषयो महिन महिन

मॉबी मांदा। २२२ रचमुधि क्षेत्र चेत मैदान युक्कोण युक्कमुनि युक्कस्यक युक्कस्थान रंगक्षेत्र रंगभूमि रभरन रपस्यक रणरेकत बीरभूमि संगर मूमि सदाम क्षेत्र संपानजीत संदिका समरमनि समर्गन्त ।

२२३ पंचायत भव<del>ग - श्वा</del>डा पंचावती जगह, परिषद् बैठक बैठका बास समामका समावधान धावसी। र्वडाक्स दरनाह, कोर्ट धर्मसमा

वर्गाविकरण न्याययवन स्थाप समा

म्यानाच्य **राजहार, धरिका।** 

वास वर्मक्षेत्र पांचनिवास पांचसाका मठ मुसाफिरकामा सराम। 🤻 🌭 व्यविद्यारियी शिववीं का सब्दा---पक्ता सराव सिनारहाट। ९ ८ पुरा<del>वय भावकारी कक्षव</del>रिया पेता वाहीसामा पानावार, महिरासम मबसाका म**बुसाका सरावद्या**ना होंची । २ ९ वर्ष बहुत से लीम बैठते हैं— मनाई, भीमास बैठक । २१ नृताफिरबाना --- प्रतीशासम भवीकामबन् । १११ पुरतका<del>वय पु</del>तुबसाना राय

बरेडी बाइबरेरी वाचनासय।

बर्गुन बस्तुसबहाक्य ।

वंदवर ।

२१२ विदियाचाना---भू शिन्दा अवा

९१६ जनायस्यानाः --- जनायसम्द

**₹** ₹ •

मोप।

रे • प्रामानसा--- श्रामासय

२ १ क्षेत्र का मैदान-पीड़ास्यक्ष

२०२ वदाका- वसावट, भरकपृति

२.४ जनाया<del>कान--जनावाक्</del>य सृह-

वाबन्ताना वर्वीमकाना संवरनाना।

२ ५ जन्मम---आयत्त आसम कावनी बाहर, बेरा मंत्रिक मंडप भरहता।

२ ६ वर्गमामा--जावास खेव बना-

बोबियहारस होस्टळ ।

फिल्ब फीस्ड मैदान ।

मस्बद्धाका रंबमूमि रंगाक्रय ।

बोडिन

254 **4 588** २४८ पहाड़-सग जवस सति शहार्य २५८ शुमेर वर्षत-मुमेर, मुमेर सूर

मेंदराकर, बटकी कीसक बुट बुट्ठार, इपर, कृत कोह शमामत्, विदि, गोत बाब धाबा जीमूत शुंग दरीमृत धर,

T RYC

बरकी बराबर, बानुभूत सग नाकृ परीवर, पर्वत पहाड़ी पृश्चेशर, मृत्र, मृष मृतृत मृतिधर, सहीधर, महीध महीमन मेव एकत बुधायान पिनपै सिनोध्यय ग्रैल ग्रैकेव शृबी

स्पावर निवस् इरि । १४९ जियर-न्ट बोटी वेब घेसर र्थी मुमेर पहान धिका धैल सिल। रेंप क्षय—द्वहर सोह गर्छ गद्वर पुष्प पूरा दरी देवनाना विस भार

विवर । १५ के बहुल-पाबर, शिक्षा चैस निल। १५१ पुषा-अंदरा सोह गर्स बहबर,

बह्बर, बार, बूझ बर, इस देवलात भागत विका किल मोद, विकर। १५३ वर्ध-पाटी ।

१५१ वाटी-स्ट्री, होति संबद । देश्य तराई-नगी तरी नरेटी गैलपुरी। १५५ हिमासय—बद्रियनि विरिधान विधेद विशेश अग्यान अमेद अग्रह

वर्रतात वर्रतेस्वर, जानेसाहि सीलेंड दिक्तर हिम्माच हिम्मान हिम्मील रिवाचन हिमाडि हिमेच। १९६ विषय (वर्षम)--विषयुट विष <sup>बर</sup> रिक्यू दिकर विध्य गुकेन । १५% विकासम-विकासकी विकास 44 1

बिरि, भूरनिसय सुराष्ट्रय स्वर्णेविरि । २५९- अरावली (यहाइ)-अरवसी सबुद । २६ गोवर्षन-पिरितात्र पिरीस । २६१ कैसाश पहाक---ईसास

विमनान । २६२ पानी---मंग संबु, अंग 🗗 अधित वधोनति अस अप समृ विव अर्थविवानि अर्थ अहि आए अ 📐 इंदु, इस ईम उद अर्थ भात १३ क कर्बम कर्मम क्रमस दुग क्या सम सम सीर्<sub>क र्</sub>ष्टन यमीथ, गहन यमरसः युत ७-६ अ-४ जरु बचाप जामि जीवन दावर तीय तुष्या दुष्ति धनुधत्, धरण तम नाम नार्थनीर, यथ पानीय पाच पिणक पूरीप पुष्कर, नुमै महिष्यत मन भूवन वयब मह महन अब्

बेपपुण बरा बार्, शांति रवि रम रेड नम वा नाम वारि, विप वस भ्योस धंदर दाम भग नदीन सरप सदन सर्वीत सर्व भवेत्रोत्रूल बर गरिक गण जीतक गर्जिक ग्रंबर कट जुक्तेश नुग नुरा सोम सोन । **२६३ वॅट—अव्**का यश असरण बर्गारद, पुत्रत पुरार पुत्री विद् र्थंद शीवर नीसर। **१९४ लवा—अवन् अवनिधि अवर** जबुर्गा अवसूत अवस्थि अवस्थि अमीनिक अभीगीर अवचार अवच अभि अस्थि अरम्य अर्गर सर्वन्यम रनुप्रवत्त उर्धव उर्धवान् प्रतिशाणी

- 142 · · ·	44
कुपार, शीर्राय शीरिनिय श्रीराण्यि र्यनावर, जनवर, जकवि जननिय जनरायि जनेय तिमि तिमि-कोश	रन्तु, सूथिस शैवक्रिमी शैवादिया विषु, समुद्रकाता समुद्रमा समुद्रीता, समुद्रपति समुद्राचे समुद्रायव वदि
वीषर, दोयपि दोयनिषि दोयप	शरित सरिता सोड स्रोतस्वती से प्र-
दरिया दरियान दारव, जेन नवदान	रिवती जीतीवह, सोदोवहा ।
नदीशन नदीय निधि नीरधि पर्याप	२७२ ना <del>ता -</del> नारा वंदा ।
ययनिधि परोधि परोनिधि परांतव	एक सर्वाअत वतमा बनगडी,
बाब पावनिधि पायोशस्य पावौधि	सद, बार्च निर्मेद, नीतर, प्रशा
गाभौतिषि पाराबार, धाराचार, पूरव	प्रसम्बद्ध बंद्ध सैक स्रोत स्रोता ब्रोतिया
बहर प्रभाकर, वित्रतु वक्रयसम्	सोदी ।
महाजल महाराध महीपाचीर, महीपाचर,	२७४ वहता हुमा बल-प्रवाह, प्रवाही
महोदमि मिनड, बादापति रालयमें	प्रचादी ।
रत्ननिषि रतमाकट, श्लाकट, बण्याकथ	२४५ वहाय-विमायंट, जनवारा, वन-
बार्यानीच नारिम नारिसामि नारोध्य	यवि असमनाद् ।
बाहिनीयनि बीजिमाली शैलविवियनिस्य	२७६ जस का देतार-अन्यार
शरस्थान् सरिलानि मरिलानि समुनादः	सॉस्य ।
हिनकारि मानर, सायर, शारंत सिंदू,	र्थक बारा-जनाह विग सरिना सीत।
मुचानिपि योजपृति ।	३७८ तहरउत्तिता पनि व्यय
२६५ ७ सिप-सिन्द शीरोट वनीद	क्रमिका क्रमी जन्मील व <sup>क्रमान</sup> ः
दम्पुर सवनीर, मुगोर स्वार्ट ३	वनतज्ञ सान तरंप बीचि वन मेंपि
१६५ महानापर-वहीजात्रमः।	सीय सहरा सहरी नीचि हमी शि <sup>लकार</sup>
२६६ समुर्फन—साथ बाम्बर फेन ह	हिल्लीस हिलोर <b>इ</b> लोस ह
९६७-सनुद्र धर्वीर—अवधि वेता	२७९. भेरर (युवता हुना वाली)-
वर्षाः नीताः ।	भेनाम भारते को का करें

ं धनावर्ण अंबर चेंदरी ! १८० वरी को कारकारा---वार्वा

१८१ रिमारा-धंतन बांबम स्<sup>रेर</sup>

औ<sub>र संग</sub>र बनार नगर, ब<sup>नार,</sup>

बल हा, मधीना मीन दीन

बना बाला बार्चन बार्च पूर्वन प्र<sup>हिर</sup>

१८२ मही का न्या—स् रा<sup>त स्ता</sup>

बारी काम बहानर मुंबाना ।

नापारा ।

२६८ साडी-भागात नगीय :

२०१ मरी--------- बादा आसा

भारतिनी यच्नास्ति वित्तिसर्वा

भेर जनारिती जनात्त्वः शहरी

तर्रिके तर्राक्ती वर्शनकी जनीश वर्षिक वर्षकार मानुकी बाद अधिका

मध्यांत्रको दिल्लाः वर्षाचकः पूर्वः

१६५- जनसमस्यस्य-स्थारनाथ । १४ - अंगरीय-स्गाप ।

W 764

W 767

१९६ १५	७ पश्र
१८३ नदी का फेन—माज व्यक्तफेश साक फेन मण्डा मौजाः।	पुणी सूर्म्में सुवा समनस्यचा इ.स.मुदा ।
६८४ बान्	१९३ सरपू नहींआगंदाभुका नावरा निविद्धी सरजू सरपू सुरसरसुता। १९४ मेवानिनीप्रास्त्वनी मिनेनी। १९५ सिवनवी
षहरा मीत । १८६० कॉबबमता बाबार,पूर, बंबका बहरा बालू। १८८. पुंचबील पुलिया चेलु। १८५. सीगर (गरीका)निकल संप्रेड सियुस्पम।	१९८ कृष्वागरी—कृष्मा । १९९ नर्षवा—गर्भवा सेक्स्स्स्यका सेक्स्सुठा रेवा धोनावस्था। १ जासी नदी—(काणी के पाध सिक्से वाली नदी) अस्छी। ११ व्यवस्था—र्वक चर्मरावरी।
१९ मेमा—बादवा वालकावा बहन् निवा मानवी महामाया यहारिका बढ़िक्त बढ़िक्त महामाया यहारिका बढ़िक्त विवाह निवा बहन् निवा	इ २ शबक नदी-संबक गंदकी। इ इ कल्लाची-स्वास्तिका फल्लु। इ ४ टील नदी-टींग तमसा। इ ५ टील नदी-टींग तमसा। इ ५ कोल-प्रेशना स्वर्षमदा चीम हिस्प्याह । इ ६ कर्मनका (चीसा के प्रस्त गंगा
वारा केमनी समुह-मुमाग विवाधिन्तु, विवयिति विवादमा सुक्ता पुना पुरारितीनी पुराष्ट्री सुरावी सुर निम्मया सुरका सुरकाहिती सुरखर, मुखरि, मुखरित सुरसरी सुरसारी पुरीसु, मुसरामा स्व सरिता सम्बंती स्वाधि, सुरस्तामा स्व सरिता सम्बंती स्वाधि, स्रोक्त हैमनती।	में मिलने बाली)कमनाचा । व ६ व्रा स्तरभ्य-चार्यकृष चार्तृ चुर्तृहैं। व ६ व्य स्तरभ्य-चार्यकृष चार्तृ चुर्तृहैं। व ६ व्य स्तरभ्य स्वारं करारं कारारं कारारं कारारं करारं कारारं कारारं कारारं कारायं व्यावस्थानं करारं कारायं वार्षिक वार्य वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्य वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्ष्ठ वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्य वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्य वार्य वार्षिक वार्य वार्षिक वार्य वार्य वार्षिक वार्य वा
१९२ यनुषा नदी— मर्फना कसियशा पत्तिही इटम कासियी भागुना यमस्यया सुरमुका सूर्य्यतभया सूर्व्य	६ ९. आया कुओं—सन्तरूप । ६१ होज—सहरी कुढ टांका रह. यहर, दीर ।

च १८ १६	K
प्रश्त १८ प्रतप्त स्वाप्त विष्णुण प्रवप्त प्रतप्त प्रतप्त प्रव्या प्रतप्त । १९ क्रार-मृत्य प्रतप्त प्रतियम् प्राप्त । १९ केरा-मृत्य प्रतियम् प्राप्त । १९ केरा-पर्त्त क्रिये क्राय्त प्राप्त । १९ केरा-पर्त्त क्राय क्रम्य क्रमा प्रत्य क्रिये क्राय्त क्राय क्रमा क्रम क्रमा	१४ इस वर्ष-अधीं आधी इम धाल । १५ मास-महीना मीस माह ! १६ मासिक-महीना मीस माह ! १६ मासिक-महीना मी माह ! १६ मासिक-महीना मी माह गरी माहियाना । १७ वर्ष के १२ महीने (दिन्युतानी)- थैन वैधाय जेट्ट मधन पूप मान कारना । १८ वर्ष के १२ महीने (अंग्रेडी)- जनवरी फरवरी मार्थ अर्थक माह जून जुनाह, जगरत सितान्यर, जन्दूर गुवम्यर, दिस्तन्य । १९ वैत-वैश्वक वेश्विक माह ब्रुट्ट । १९ वैत-वैश्वक वेश्विक माह ब्रुट्ट । ४१ वैद्याक-वृद्धाय मायन राज । ४१ वैधाक-वृद्धाय मायन राज । ४४ विधाक-वृद्धाय मायन राज ।
गर्य परव संबत् तम तम् सम सरव यात हियो हिम हैम। २८ वार्यक-मान्त्रक धारबीय समीना सामाना सातियाना।	४६ वयेथ्यवरु तपन सुकः। ४४ व्यय्य में होने बालावेटुरा मेटु। ४५ सामाइसताइ कनु, गृनि साइ हाइ।
१९. तो वर्ष-व्यव दाक घातक घातकी गी। सदी। १ एक मेच संक्रांत्रित ते दूसरे मेच मंकांत्रित तक या तमय-पीरवर्ष। ११ साचे काने वाता वर्ष-आगावर्ष कातामी वर्ष पर परागत।	श्रावन शावधित सावतः।
३२ बीता हुमा वर्षे—सपवर्ष पट, पा साम विकास वर्षे ।	र ४५ मारपर—नम प्रीन्तपुर महिल जारों नारी मार

५ मार्वे में होने बाता—अदर्द, बर्दता अदर्द, बदोही :

स्पोरन स्पोलनात परार ।

**₽** ५

संगननार, नृत्वना मृहस्तिनार, गुननार एतिनार एविनार ।  ११६६ रिनार—जननार, सननार, साण्यनार, हरिनार प्रमाना एननार, रिर्मान परिनार ।  ११६६ सोनार—विनार हरिनार ।  ११६६ सोनार—विनार हरिनार ।  ११६६ सोनार—विनार सोनाम सेनाम हरिक सोनाम सिर्मान हरिक सोनाम सेनाम हरिक सोनाम सेनाम हरिक सोनाम सेनाम हरिक साम सिर्मान सेनाम सेनाम हरिक सोनी, यहुन ।  ११६ स्वानार—जना गुनना जुनान नुकार हरिक सामित्रार—जना गुनना जुनान सुकार हरिक सामित्रार—जना गुनना जुनान सेनाम हरिक सोनी, यहुन ।  ११६ स्वानार—जना गुनना जुनान हरिक सामित्रा हरिक सा	a tit fi	is att
for aliamen alia ein ! Sa eine gebin allelle Am	संगननार, पुरवार पुरुष्तिगार, पुनवार प्रितार प्रवार ।  ११६. प्रवार—जननार, जननार, जारनार, जारनार, प्रतिवार प्रवार ।  ११६. प्रवार—प्रतिवार प्रणादम प्रवार ,  ११८. जोवनार—जीवनार दोगर, घोट्ट क्षेत्रका भूरता ।  ११८. जंगननार—जीवनार पंगर, घोट्ट क्षेत्रका भूरता ।  ११८. जंगननार—जीवनार पंगर, घोट्ट क्षेत्रका भूरता ।  ११८. व्यवस्य ज्वारोंना कर व्यवस्य ।  ११८ व्यवस्य ज्वारोंना कर व्यवस्य ।  ११९ प्रवार—जना मुक्त पुरुष ।  ११९ प्रवार—व्यव ग्रीवर ।  ११९ प्रवार—जना निवस निवस ।  ११९ प्रवार—जना निवस ।  ११९ प्रवार—जना निवस निवस ।  ११९ प्रवार—प्रवा निवस ।  ११९ प्रवार प्रवा ।  ११९ प्रवार—प्रवा निवस ।  १९ प्रवार—प्रवा निवस ।  १९ प्रवार—प्रवा प्रवा व ।  १९ प्रवा प्रवा व ।  १९ प्रवा व ।  १९ प्रवा व ।	मोट

a ś. ś. ś. ś. ś.	ष १५८
निनसार, भीन विभात विहान वेरा सकारे, सकाक सहर, मुक् चुबह, सुनुह, सूर्योदय । विकोभ—दे साम'। १४ दोसहरदुपहरिया दोवहरी मध्य-	१४६ अपिये राल- अपिया अपेये जना अमानस्या कालनिया कालराति तमस्विती तमिश्रा तमी तमीशा तामही स्थामा । १४७ कामहिल-जरसगोठ वर्षमीह
रिवस मध्याह्न भव्याह्मकासः।	सासगिरह।
१४१ सामकास-अवसान उरसर, वोक्ष्णि दिनांच दिवाच दिवाच प्रदेश्य प्रवेश प्रशेषकाल प्रकानित्व धर्मरी पान प्रेमा संम्या संकारताल प्रोम् सांग्रे सांग्रे प्रशासकाल प्रताम सांग्रे सांग्रे सांग्रेस्ट । विस्तीम—दे प्राप्तः । १४२ प्राप्तकाल और साम्या के बीक का तमय—वंदर, जनस्य जंग्रक सह् बहुत दिन दिवस । वे दिन । १४३ प्रस-अवस अनुर, कार्मानी	१४८ बायु-जनस्था बाह साल बायुर्वेष्ठ कायुत्य सायु बारवत बारवका बाव तसर, बिनिए, तस्य । १४९ बोवन बर-बाजन्म बानीवन बामरण शांविषयी । १५ बावमंगुर - मनिरय सस्मानी छनसंगुर । १५१ बोर्यनीसी-जनस्य बायुमान
कारम्बरी कोटट, सचवा शपा बहकाता छमा बामिनी ज्योतिकाती शमस्विती	बीर्पायु ।
ठमा चेत नमें विद्यास क्षेत्रा नक्ष्यं निर्मा क्षेत्रा नक्ष्यं निर्मा क्षेत्रा नक्ष्यं निर्मा क्षेत्रा नक्ष्यं निर्मा क्षित्रा नक्ष्यं निर्मा निर्मा क्ष्यं मानवा यामिकी यामिका यामिकी यामिका यामिकी यामिका यामिकी यामिका यामिकी यामिका विद्यास निर्मा निर्मा क्ष्यं मानवा यामिकी यामिका निर्मा निर्मा क्ष्यं मानवा यामिका व्याप्त निर्मा क्ष्यं मानवा यामिका व्याप्त मिला विद्यास विभाग विभाग विभाग व्याप्त व्याप्त विभाग विभाग व्याप्त व्याप्त विभाग विभाग यामिका व्याप्त विभाग विभाग व्याप्त विभाग	१५२ बीर्पक्षीची



W 40 ₩ **१**१५ 145 ८० हेमत-आड़ा सीतकास शियासा परवा परिवा प्रतिपद । विसन्त देखता ९६- द्वितीया---वर्धयुद्ध दुतिया दूज ८१ हेमंत ऋतुके २ सहीले—शगहन दितिया ै 🗷 । पुम । ९७ दूज का चौर--गवशीय । ८२ विचिर—किशां आकृ पत्रशक् ९८. तुरीया-सीज । प्रकार, चील सिसर । ९९ अतुर्यी-चउप चौय । ८३ बिदिर ऋतु के २ महीले-फाल्गुन १ ० पचमी—र्थावमी पाँचे। माच। १०१ वष्ठी<del> ४</del>ठ पप्टी पप्टि। ८४ वर्षत- चतुनाय चतुपति चतुराज १ २ सप्तमी—सठिमी सत्तमी सप्तिमी इसुमकास इसुमावर, कुलुमागम विका बार्वे बार्वे । नद बर्लादक बसत बहार, शबु, माधव १.३ व्यप्टमी—अठमी अठेह वप्टका धिधियंत मुर्चन । सप्टिमी साठै। ८५ वर्षत ऋतु के २ महीने--वैद १ ४ नवमी--- तत्वी सीमी। वैद्याखः । १ ५ वरामी—दसर्वदस्याः ८६ पस-पत्र पस्तवारा पश्चवारा । १ ६ प्रकारची---इकारची पनरहिया पास । हरिवासर । Co. महीने के दो पक्ष-शृष्णपक्ष श्रुक्त १ ७- डारपी--द्यारपी बारस । पय । १ ८ वेर<del>त - न</del>मोरपी भोडगी । ८८- इच्च पत्त-अवेशायाः वसितपत्त १ % जतुर्वशी-अनुरद्धी जीवन । कृष्ण कृष्णपण्ड वरी वर्षि । ११ पूर्णनासी-पर्व पर्वची पुनमादी ८९- शुस्त्रपत्र--भैजीरा पात उजेरा पत पुनर्वांची पूनिचे पूना पूरतपन पूरत चवाना परा चवारा पाल शिवपन शिवा मासी पूर्णमांसी पूर्णिका पौपमादी मुदी मृदि । राका । ९ तिषि—डारीच नियो मिति मिती। १११ जनावस्था-जमा ९१ वह तिबि जिसका सय हो गया हो अववसा कृष्ट दर्ग मावस मामान - नवम निवि जीम । ेमिनीबाली सूपदुर्गयम । ९३ तिथि का विनती में न आणा---११२ प्रतिपदा और पूर्णिमा या सन्।-विविद्यम विविद्यानि । बस्या के बीच का समय-गर्व पश्ची ९३ यह तिथि जिसका बीहा बहुस पर्वेगिन्धः । मंत्र तीन दिनों में बहुता ही-विदिन ११३ तप्तार्-वटबास सवाह,रुका । लुग । ११४ साप्तारिक-माप्तारिक हम्नावारी। ९४ कौन सौ तिकि—कार्य कीय । ९५ प्रतिपर:--एकाम कहुवा परिवा ११५ सप्ताह के छ दिन-गोमबार,

atte to	illa t
स्त्रकार बुदबार मृत्यारिकार घृष्कार क्रिकार परिवार । ११६ परिवारजरवार स्त्रकार स्रावरण परिवार । ११८ परिवारजरवार स्त्रकार ११८ मेलकारजिकार स्राप्त । ११८ मेलकारजिकार स्राप्त । ११८ मेलकारजिकार स्राप्त गेर् स्रार्थ नेपार । ११८ स्त्रकारजिकार स्राप्त गेर् स्रार्थ नेपार । ११८ स्त्रकारजर्मकार स्राप्त गेर् स्राप्त प्रवार । ११८ स्त्रकारजर्मकार स्त्रकार स्राप्त प्रवार । ११८ स्त्रकारज्या श्रीकार सुवकार । १११ स्त्रकार	मोट

3 **१**४ fes B 146 नितमार, भीत विभाव विद्वाल वेचा १४६ अधिरी रात-अपरिया अधिरी सकारे, सकास सहर, सुबू भूबह थमा अमानस्या कालनिया नासरात्रि मुद्द भूव्यदिय । समस्विती समिक्षा समी तमीररा विश्रीय-दे शाम'। नाममी देवाचा । १४ बोयहर---दुपहरिया दोपहरी मध्य १४७ जन्मदिल---वरसयौट रिरम मध्याहर सम्बाह्यकासः। गासमिरह । १४१ सम्पदाल-जनगान १४८ नायु—सवस्या नाड गोवृति दिनात दिवात पितृप्रमू प्रस्कृत बार्युनेस बायुष्य आय् प्रदोप प्रदोपशास रजनीमूल शक्यी बारवला आच उमर. उमिर. पाप संता संप्या संपानाक शांत नांज् रुप । मार्च मापाहन । १४९-व्योधन अर—-बाबन्स साबीदन विनोम-दे 'प्राठ । भागरण ताबिस्पी। <sup>१४२</sup> प्राच्छाल और सम्या के श्रीक १५ शक्तमंत्रर---वनित्य अत्यायी रा समय----भंतर, जन्नरा जंगर अह धनमगुर । में निर्देश है दिन। १५१ वीर्धश्रीची---समर बाय्प्यान १४३ राग-अंबन अनुर वसाधिती चिरतीय चिरतीयी चिराम, विरास राध्यमे बोटर सगरा समा बहरांमा दीर्पाप । एया बाहिनी ज्योतिस्थानी समस्यिती १५२ बीर्पन्नीची-सायप्यान । नमा दिन दमी जिलामा दोता अका १५१ जिल्ला पार १०० वय ही-निर्मित निर्मोच निर्मीचनी निम निम धनाप १ मान्ती यात बामबनी बाविका शामिनी १५४ अंतिमरात-सरमपर्वा सृत्यास बाबिस प्रदेश स्वांत प्रति स्वारी मुग्दन्ति । <sup>रम्दा</sup>, पत्रश्री शति शती रैन रैनि १५५ छरही-बार बनम्याय बयनार रिवास्य गर्ना गर्ना गर्ने गर गार्न्य बदसर शारील कुरुना मोता बीहा I Ityle Ibus रहा रत्मन बन्न बन्न गमर होंगा विमोच--दे 'दिम'। भारा मृचित्र । १४४ राष-दिव---वर्णनीय बहोताव १५६ वह दिन जिलमें बाने पहाने का बाद्रीगट्टर विशिवासर विस्तासर विसि विरोध शे--धनस्यात्रं खपारगण रित निविधीन अ क्षण्यी चतुर्वेणै परिवा प्रशिक्षा । रेग्फ, वेबेनीसाथ---वीतुरी - वर्णकारा १५७. देर-अधिराप्, अस्त असीर विषय बाह्य माहाई काहैया अस्य अध्य स्था तेल देश दिवास कोरने क्योपनी रावा विकासी हिल्म क्षत्र समय हात । fritt 1 १५८ कारी—सर्वर सरगा अन्तर

8 (2)

बादुरमार्ड बादुरी बाननप्रामन दवस्त एक्रमन एनामणी शिवनाः पदारदः चढः चढण चढणई चन्द्रवारी चढा पढी प्रमोताची आढं झटण आप सहारम नुगै सेबी प्रतिस्वण स्वस्ति

सहावर मूर्ग तेकी पुत्री स्वया श्वाित केम केम गीयमा इहवड़ी हरवाि । १५९ करव---वािवराण साम् जिन बटाट बटाटण तहार सहाउटहार सांग तरम गीय गण्यर ।

चटार चटार तहार नहार छहार नूरंग गुरूर गीध गर्चर । १६ देरचरता—अनगबना गहरण्या गहाना पिनविस चरना देर नगाना वित्रद चरना स्थम समाना ।

कल्याची जाणी तेवी त्यस योधाः इत्त्वी इत्वारटः । १६६ मृती-ज्यानाय व्यादः व्या स्ती याँन धिवत्या श्यानः वर्णन इत्या । १६४ मृतील-व्यायना (त्यस्य

ह्यप्रीक्षाः । १६५ मण्य-स्थानम् इत्या हृद्द् इतः विश्वास्, स्थितः स्था सीद्या सत्, सीद्याः सीद्याः ह्यान्यः । इत्याः स्थान्यः ।

witten by retters or leave

fer manus-ants and s Ants lights form stress t fer at steines at 55-mile stress स्रविष्णप्र समिन्देर रूप ने जीवारं सम्मानुत अमात निरंतर । १६८. जसानव----वनसमाः सबस्यः सप्तर्थ समाना समान समीग्रास्तान्त

स्वयक्त आवरितक त्याते सामा इत्यारमी त्यवारमे प्रवाद त्यारमे स्वयत् सीवट स्वयाद व्याप १६०-तीव शाल-पूर्ण वांचात प्रविदा १७० सो होनी वाल में हो-प्याप्त

१९० तीयों कार्यों भी वार्य करवे भारत-विकास विकासमी विकास मेरा । १४२ मून कारत-व्योग पुरान, वर्ड गा बहुद पुराक्त पुरान केला मून बारी । १७३ क्षेत्रसा कारत-व्याम विकास १८४ पुराका-व्याम करवे करवे

विराज विकासित विसार जां बरण दिनी तक पूरा प्राण्य पूर्ण वृद्ध व्या अदिन बर्चा पूर्ण गतार है कर्म सक्ता-म्यूरणांत अपूर्व अदिन अपूर्ण अस्तित अपूर्वत होत्र साथ कर्मान गांव तक तका आ सर्वेण वर्षण कर्म अस्त अस्त सर्वेण वर्षण अस्त अस्त अस्त

am afreis ables aren ; find uniderweitens unter en ang ent mannent ; fint diminia-diminia ama

ত ধ্বত হুল	५ छ२५
१७८ बहुके का नाति साचिम प्राथमिक प्राथमिक । दे 'पूरामा' । १० हात का ने पूरा । १८ वृषं काम का नुग्वका पुग्वका प्राथमिक प्रायमिक प्राथमिक प्रायमिक प्राथमिक प्रायमिक प्राथमिक प्रायमिक प	मार्ग स्वपरांत तर्रतर तर्मातर, परण परणात् पाछी पाछ पनः, फर, बहुरि, बाद । १९४ मार्ग—सागाड़ी स्वय मरे १९४ मार्ग—सागाड़ी स्वय मरे १९४ समी—स्वागाड़ी स्वय मरे १९४ समी—स्वागाड़ी स्वय मरे १९४ समी—स्वागाड़ी स्वय मरे १९४ समी—स्वागाड़ित, कन्न साव हिस् रात् । १९५ समी—स्वागाय, कन्न साव हिस् रात् । १९७ सर्वता—सम्बागार, उत्तर स्वय सर्वतर, मुतान समानार, उत्तर स्वा रावतर, मुतान समानार, उत्तर स्वा सर्वतर, मुतान समानार, उत्तर स्वा रावतर, मुतान समानार, उत्तर स्वा रावतर, मुतान समानार, उत्तर स्वा सर्वतर, मुतान समानार, उत्तर स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व स्व स्व रावतर, मुतान समान, सहुत स्व स्व रावतर मुतान समान, सहुत स्व स्व रावतर स्व । १९० सर्वा स्व स्व स्व स्व स्व स्व रावतर हैं—विस्तरी । १ स्वीहार—उपाय साम स्व स्व । १९० सहुता स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व
१९१ शोधे-भार जगारी जनार	काल गाँव केल्सी कहालया।

ष २ ६	इ. सर्हरू
२ ६. विजयावराणे— शिवियोत्सव व सम् हृत रहहुत रामयवर्षी विजय वर्षानी विजया । १ ७. सावन राज्य पूर्णनार का स्पोहार— रक्षावनन राज्ये स्मृही सकोतो । १ ८. जमक्यवर्षुरी — जनंत जमस्यवु वंशी अनंत्रमुत्री कांना । ११ जार्मक पुरुष पुकारणी का स्पोहार—विश्वम वेवशा वेवश्यान प्रशेषिती । ११ कार्मक सुरुष पुकारणी का स्पोहार—विश्वम वेवशा का स्पोहार—अवद्यान क्रितीया का स्पोहार—अवद्यान क्रितीया का स्पोहान यमग्रिया। १११ क्रायास्त्री—क्रमास्त्री कामा स्पा । १११ क्रमास्त्री—क्रमास्त्री कामा स्पा एक पर्वे की १ वर्ष पर काला है—क्रमा । ११५ एक पर्वे की ६ वर्ष पर काला है—क्रमा । ११५ एक पर्वे की ६ वर्ष पर काला का काला है—क्रमा । ११५ पर वर्ष की ६ वर्ष पर काला है—क्रमा । ११५ पर वर्ष की ६ वर्ष पर काला काला का	स्पेहार—अक्षय पूरीया सहरी, वक- रीत मानारीय । २२१ मार्थे मुक्त तीव का सी र्मोहार—जीव हरणानका होग्राबिना। २२२ चंद्र मुक्त हमसी वे केम पत्रवंशी तक का प्राचित अक्षय- यवताराव महन महीराव वाक्षी । २२३ चंद्र मुक्त एकारपी का रूपेहार—निर्वता एकारपी सीमवेनी एकारपी । २२५ वक्षते पंचनी—मंदिनी, वी पंचनी । २३५ वक्षते पंचनी—मंदिनी प्वश्च क्षते पानी का प्वश्च केम। विश्व वक्षते विश्व वक्षते । २३१ वर्षी का वैक्षा करना—वैवोदन, विश्वोम—वे कीम । २३१ वक्षता—वरका । २३१ वक्षता—वरका हरणा। १३१ वक्षता—परका हरणा। १३१ वक्षता—परका हरणा।
चसा है—मधकट ।	२३४ अवसा—तरस्तातरकाहित्रवर्ता
धनातः। २१९. फागृन कृत्यः १४ को पहचे बाका त्योद्दार—धिनवतुर्वेषी शिवराषि । २९ वैदास्त्र शुक्तः सीत का स्त्री	२१६-पाकापस-जातत जात पा प्रें श्रीकापना त्यी घरस्ता सीड़ पीड़ ! श्रिकोणवे पूजापम । २३७. पानी की गहराई अपा



705 म दाबस दनिस हारीक दिसिय

काइट विसमित्री।

१९२ चौनियामा—जीव न ठ**इ**रना वक्ववीयमा चौंपना चौंवियाना विरमिशना विसमिकाना ।

२९३ कुछ अमेरा कुछ प्रकाश-सूक-भ्य भुकामुकी भूटपुटा । ए९४ क्राया<del>ः ना</del>मा छहियाँ क्रीर क्षीत, शकक परकाही प्रतिबिध साया ।

चक्चींड चकाचींची विरमिरा विस्थि

१ स्वभाव---श्रास्त चरित्र चाल, মুক্তবি মহুবিমাৰ মিৰাৰ বাদ বাদি कत वृत्ति चील सुमाद सुमाय सुमान स्बमार्थ ।

बारच व्यान विचार

विचार ।

नगेर्नृति—अंतर्गति चित्त-वृत्ति भाग

माब भावना मनोगति मनोविकार. वृति । दे 'स्वयान'। ४ सनोबेग-बावेय सावेस छडेग

बनेस गरमी औष जॉक जॉका प्रवाह प्रेरणा रस बेग समक । बेतना—शर्त भाषा चैतन्यता सेता

मुधबुध इवास होय होयहवाय।

समा—शांति छमा विटिया नाडः,

मजाफ, मार्जना यम सहत । अथातिक—क्षम क्षमान समादान

शामित धामिता सामी चितिना, प्रमुप्पू शांतियुक्त भह सहिन्यु ।

८५ मदाप्रमय-भोपदार जनकवार, अमोतिष्यान अयोतिर्मय क्षेत्रोमय बीपेत **पैत प्रकासमूक्ता दे 'चमकीका'।** ८६ अवकारमय-अवकारमका समा

भौत राषिराग राषिकास ।

१८५

न्धरित वमानुत्त वारीकी विभियान्त्रध নিনিবৰ্ব ।

१८७ चमर--वात सामा वास्रोक बोल कांति चिकक खनमबाहर ज्वक अस्क देव दशक दीपित दीपित मा बास मधीब धीरम शीतक विमा ।

१८८ चमणीसा-- मानदार, कांतिमान वेग्डराट, वम्बमाता जाजस्यमान व्यक्ति सक्त्रार, समाप्तस बीचि मेन दीप्पमान देवीप्पमान पानी धर, प्रकाशमान प्रदीप्त मध्य भवकवार. महर्कोमा माबित मास्वर, धानवार,

वै 'प्रकासमय'। २८९- चनकना--कांतिमान होना कांति 👫 होना चमचम करना चमचमाना विमयाना सक्तकता असकता बीपना <sup>दी</sup>ण होना दीण्डिमान होना कहकमा मेराधिन होता प्रमापृक्त होता बरना वेतना, भासना, कड्चना विमाना विमारता विभासना ।

<sup>• चै</sup>तेना पिसामा घोष्टमा श्रिमकाना मनताना, विधाना धौना निमारणा निर्देश करना मसना मससना मौजना मीवना, रपद्रता रणरणा साफकरणा म मक्त करना। <sup>१९</sup> बसाबीय—संस्वात जनवीप

भ वनकाना-अवराना सँगारना

. 26 ८ समा-रहित-वसम अविविधः. नजाकत परीधानी परेसानी नि वसहिच्यु, समासून्य । काई, बेचैनी विचलता विचना ९ जना करना—कमना कोइना कोइ म्पपता। म्याकुरुता दे विता। बेमा जाने देना बकसना माछ करना firefor- mile i माप्ती हैना । १७. जंबल होता--इवर-तवर होन १ असा अपने सोध्य-शामनीय सानि कॅपना कॉपित होना कौपना इसम तस्य सस्य। करना क्याना क्यममाना कार्यक्रे ११ चात---भंगीर, बीर, विविक्त शिष्ट होना डियना डोलना वरवर करन स्पिर्यचन । वरवराना कव्छकाना निर्मापत होना १२ <del>वंजस -जवी</del>र, बसोट अस्विर, विश्वकित होना हिस्ता ! बातुर, छत्तवका चपक सक्ष १८. वक्राका--यक्ता सक्तकाता मह प्रकारमात चलित विचक्ति इक्टबर-ताना अकुकाना अमृताना अद्रुपना, पुष्त । मबीर होना बफरता **बादुव हो**ना, १६ वहराया-अधीर, जनक्त जन बाबुर होना अनदाशा स्ववाना की-वरिवत असांत अधिवर, बाबुक उता नका होता बतावली करना वर्तेल म्बा रहिम्न सुब्द सीमित चंचस होना उवना अवना बाँबाना बाँसा चक्ति चन्नाममान परीचान परेचान व्यक्तकाता वरमधाना पहुवशाना वर विचल व्याप्त व्याकुक विचलित हैरात्। काना बाबड़ होता सस्ती काना वस्ती: १४ प्राप्ति—अकोड् उपराग गंगीरता मचाना विकसाना व्याङ्क होना स्ट पुष्पालय पीरता वैनै निर्मेंद प्रदान वकाना क्रवदानाः प्रसादि सम समन समन सांत्रता १९- वमा---वनुकंपा मतुबद्ध वहरान विभिन्नता सावि स्विर्वित्तता स्विरता करन करना करना कारण कि<sup>एस</sup> भवेतं । कृपा क्रुपाकुंका बरनि तरस क्रूपण, १५ चचलता-जबीरता अनगरमता मेहर, मेहरवानी खुन खन्छ। अपवर्ध, असावता अधावि अस्मिका २ व्यवस्ता-जीवार्व फैनावी पुर<sup>दाह</sup> सस्वैर्य भारोकम मातुरता उदावकी सहययता । कुत्तनुबाहर, सलवधी चवतवार्थ. ९१ कूरता—वक्त मकोह, बर<sup>ह</sup> कठोरता वठोरपन प्रवासम्ब नपत्तरा नृत्तवृत्तापश Provide l भूतवृत्ताहर भूतवृत्ती नक्षरा नहस्रत निर्वयवा निवृत्त्वं, निवृत्वा विषक्ता इत्रवता रचरी, नुर्धसता परपता परपत चनराहर--जनीरका अवसेर, जानु-समस्तिता । क्या बातुरता उदिम्नता उद्वेग कम् नपुरकी २२ थ**रास---वन्**षाहरू काराता शोन समार, सक्तवणी स्थात अवनानिमान

क्रमामदन गरीवनिवास परीवपरवर, दर्रमद दयाई दयानिकाम दयानिकि दबास दयाचु, दयाचु, दयाबान दयाशीस रपासायर शैनप्रदिपाधक श्रमविस परीम सदय सङ्ख्य मुगन सुरत मुख्य ।

करेनामम कार्यानक, कुपाल कृपालु,

171

२१ उदार---वरीन उदारवरित उदार चैता विख्यार महाराध महेच्छ सवाध्य महस्य मुद्द ह्दयाल। १४ निर्देवी-अदय कठोर, कसाई, कृट, **र्नु**नार, निठुर, निदास्त्र निर्मोहिनी निर्मोही निर्देग निर्देशी निष्ठुर, मृश्रोस वस्य बेरह्म सगदिक । रेफ स्याकरना--वनुकंपाकरनाकरने नदर करना बनुष्ट करना कृपा करना इरना दरह काना पछीवना मेहरवानी ररना ।

रे**६ वयत्यात्र--हृ**पायात्र वयावना । रेफ इपापूर्वक-कृतवा दवावृर्वकः। २८ उदकार---मच्छाई सङ्गान उप-कारिया उपद्वति एह्मान नकी सामरा मना, मनाई काम समूक हित हित रायन । <sup>१९</sup>-मपकार—————— सहित नुरा पुषाई । १ चपकारी---व्यक्तां वपकारक श्रेर <sup>हवा</sup>ह पुत्रचिनक हिन हिनकर हिन रारम हिनवारी हिन्यिनक हिनाबह दिन दिन् दिन्, लिया । <sup>}</sup>रे सपकारी-—जनिष्टकारक अनिष्ट

नापक मनुसार शहितू कुवर्गी शतमा

र्षे स पीड़क बुरा ।

३२ जपहात--एड्सानभव इत्रष्ठ गुक-मुबाद समनुष । ३३ संतोध—इतमिनान धाक तुप्टता सुप्टि वोष सुपति तृप्ति भ्राति संतुप्टि, धतीय धतीस सबूधी सब सालना सेरी हृष्टि । ३४ असँदोय——वनज जनजाहट स म्सव्यवा अर्थवोच साक्रमी विवया चीस माराज्यमी माराजी वेसती।

३५ संतुष्ट—अवाधा आसूदा तुष्ट नोपमाप्त वृषित वृष्त राजी छतोषित साबिर, धेर। ३६. मसंतुष्ट-अतुष्ट, अतृपित अतृप्त अप्रसम्भ वर्षतोपी अस्त्र आदिम नाराजः। ३७. संतुष्य होना—संया वाना संयाना अफरना कातृप्त होना मानुदा होना अजना कक्ता भी घर पाना बुहाना टंब होना तुष्ट होना तृष्ट होना निहास होना पूर्व हो काना पेट भरना प्रसन्न होना भरना भर पाना संदीपना धैरान होता हिया मरता। ३८. शंतीयमा--र्यतीयमा संतोपना सब्दीदेना सब वैदाना समझाना सरिवना देना । ३९. प्रतम-अनुरुष बार्नदित उत्प्रस्त उस्मधित जिला सुध बहरहा,प्रहृपित

भगन मन्त मस्त भूदिन मोदयु<del>स्त</del> रजित सहसहा इपिता । दे 'सूनी' 'प्रसप्तिता'। ४ अञ्चलका—अनंतुष्ट बदान दृषित घडा निम नाराज एंजीसा रिसीदा। दे विनायम् 'पुनी 'दुनी' 'द्वराम' 'बोधिन' ।

१८२

T 18

नार्गदित होना चस्कवित होना चस्का चन विकना सम्र होना मंदना गंदित

**W** ¥ ?

होना निद्दास होता प्रफुरिसरा होता प्रसन्त होता प्रस्कृतिय होना प्रहर्पिय होता कुलना पुत्रा न समाना मौदना प्रस्ता राजना निकसित होना इरधना

इरसना इपित होना हर्पना इपीना हुमसना हुक्सका हुकसित होना। ४२ अप्रवस होना-कोपना बीशना नाराम होना ग्रीवना रिखाना । वे

'कोषित होना'। 'बूब्बी' के पर्याची में 'होना' भोड़ कर नीर मी सब्द बनाए वा सकते ŧι ४३ प्रसम करमा—मानंदित करना चुम करना निहास करना परसंत्र करना मफुल्कित करना प्रहापित करना राजी

करना/ इरकाना हपाँचा श्रवित करना हुक्साना हुस्रवित करना। ४४ **वप्रसम् करना--- नशंतुष्ट** करना क्षमानरना किस करना दक्की करना माराज्ञकरना रिलना। वे 'विकाना'।

४५. प्रसम्बा-विश्वनन जानंद वागोद, परकास भूषी नवि नविक नंदा मनोर, प्रक्काच शक्त्वे शक्त्वेच शक्ता मब, मुक्तिया भीत एंग रेंजराती रेंपरश रती रस सहरा सीमनस्य हरण हरण इपं हुकास हुवि श्वविट ।

४६ अप्रसम्बद्धाः अनुवाध अपसीरा मप्रसीत धेर निया सन्यु, रंग भूव योकः दे 'दुवा' 'खदाधी' 'निता' । ४७. प्रसम्बद्ध-प्रथम वृर्यमान वृष्ट मानसः। दे 'प्रसम्भ'।

पुह दुख्य पीड़ा पीट गीप बन्ना गरा विज्ञाचा विपक्ति विमाणि मुझैक्त रेड विपत्ति वेदना स्पना स्पानि <del>पंत</del>्रक र्थेक्य । दे॰ 'त्रवार्ती' 'बप्रवर्धा 'रोग । ५१ पुजी---नानंदमक्त ज्ञानंदित जारंदी बामोदित उल्कासिक स्टबारी कर् **ब्**च ब्रुचहार जुताब गरित प्रप्रदेश प्रकृतिक प्रमृद्धि मोनी राजी दु<sup>बर्गर</sup> मुखबार, भुकारा मुकाये दु<sup>क्</sup>र पुष्पिता पुष्पिया पुष्पी । हे प्रशा 'प्रसम्बद्ध 'मीबी'। ५१ **दुवी-**--वात्रप्त कडी न्हेस्टि

गमबीन एप्त वर्षमंत्र दुषहामा दु<sup>षा</sup>ण

बुकाचे दुक्तित दुक्तिनी दुक्तिना, दुक्ति

भारा दुवीका गीड़ित रंगेश <sup>कवित</sup>ः

र्शवन्त संवापित । है 'अप्रवर्ष

मुखकर, मुखकरण मुखकारी पुरापरी

भूषकरन सुक्षवनिर्वा सुबना बुबनाएँ

युवसाई सुवसता सुवसति दुवसारे.

सुखदायक सुखदानों सुखदेनी दुवर्दन

भुष्यवेती सुखग्रद दुखरंत दुवा<sup>रा</sup>.

'रोगी' 'करास' । ५३ मुखय-अहतीय मुखबर, मुखबरेर,

चुस्रदिक खुद्यमित्राच प्रमोदी बोती.

मस्त मौत्री रनी रंगीका रसिक **प्रे**न

रसी रसीका विगोदसीस स्मिनी।

४९. <del>पुष्ट--वार्यस्</del> अत्रवः अन्तर्यस्

भारान चैन प्रमोद, युक्त पुत्रकारि

धीवम स्वस्थता हुप्टता है 'प्रतद्यता')

ष कुमा--वापति साम्य कर सेव.

त्रकशीक्ष थरव, दर्द दुन्थ दुवरा, दुव-

नुवारी मुकासा सुधावह, सुधीना नुहेना इपेन । ९४ द्वार---पुत्रवाता बुधवानि दुव

सामक दुवसामी, दुवामक दुव्हीहाँ पीइक बावक सतापी। १५ दुव्ब बेना—कप्ट बेना कप्टित करना युमाना बाहना तंग बरना

पीवता बाहना बुक्तवना बुक्ताना पीहाना परीधान करना फेर में आकना पेटच करना सवाप बेना संवापना सवा पना स्वाना इसकान करना हैरान करना।

কতা।

- প্রবাধ - প্রতর্থনা জনদন জনদন।
কাষ্মদনক জন্মানা কাষ্মদন জিয় কাষ্মদনক জন্মানা কাষ্মদন জিয় কার্মদনক জন্মদন বিজ্ঞানী বিজ্ঞান থাকাত্রক আক্রম্পুল গুলীবা।
ভূতে বাছিত গুলী। ই 'বুলান্তিন জনস্কান্ত্রন কাষ্মদ্বাধন

१७. उदासी-अनमनापम अस्पमन स्थ्या उदासी उदासीनता श्रिप्तता दीनता स्थीदापन मुस्तई, सुस्ती।

९८ सीवा—विकारः, वनक, जातान वतान जानु प्रवृण जीवा एस्त धांत पुत धरनन सरक शरकवित सावा सापु साम्य सहय सहय धीव शुख साम्य पुत्रम मुक्य मुज्ञ ज्ञ्रम सीम्य

९६. सरसमितः —उदार, वशिष शान्यतः तरस नरसमितः मायु । वे 'शीया' । १ देरः — महार, समरस सदास सांकु विच त्रीयः सीता व्यक्ति नामा प्रविच पुरित पुरुषा पुत्र्य विस्तर समसर, सर्व विद्या विर्वेश सम्बादार, नत बीक वेंद्रा बक वंका बंकट वंकिम बक, विकट, विक्र मुक्तिक नक । दे टिहा-नेद्रा । ६१ सीमायन----विकटटता अनुसा

द्वर साधायम----वास्त्रस्टता सूचुता नार्वेव साधानी मोकापन सरकता सङ्कता सृहित्मत सादमी सादापन सानुता सारस्य सिपाई, तुगमता सुनाई, सुविस्तापन सुवापन मुजैतापन सुनीता पन सीन्यता।

फिरना बस बाना भूडना भूटीं पहना। ६४ देडा मेडा--अटपट, अडबंग अडबंड टिडबिडंगा टेड्डिडंगा टेड्डा शनेना संक्र मेका बांकुर, बांकुरा बक्त।

पण पान पान पान पान वार्षेष भाग वरेन देश दोना विरोधा विरोध बॉक बॉका बेंग्रा है देशों। ६६ ऐंठम-बोटम एंटम पुनाब वेंच नक सक्रोए सुर्थी सुर्धे क्येट।

६७. ऐंडमा-चरेडमा चमेडमा पुमला परणा बटना बरना मरोइमा मरोइ हेना मरोरणा मिमोरमा मुर्चे देना। ६८. बड्डा-सडोमल, गटोर, क्ट, मूर, ठस टोछ निदुर, परना निस्तुर, परबर

वेमुम्बत वेमुस्वती संपरित सन्त। ६९- वोमल-अवडीर, कोमलीय गुल-युन गुलयुका ढीला नरम नाजुक



परव वव पूगर, बुमान ग्राकर, बर्माड ठमड ठस्या तेहा वर्ष दिसाग्र छन्दर पद मरोवना छन्ती हमव। ८९. स्विमानी—सरक्, संकर, संकर बीर, नहुंसारी अहंबादी उपन्यास्त्र उम्बच्चर, सरवीना ग्रक्ष मर्वी गर्वीरन पूगानी बर्माडी तेही दिमाणवार, दिमाणी

९ जनिज्ञान विकासः अस्तिराना

बंध्याना सदरामा इंडकाना इतरामा

**अ**न्यी महांच सिकोही।

मनुमाई, डियाइत धानीनता दिप्टता

८८ वर्षिमात—जबह अकृहवाजी

अवस्पन कहं बहुकार, बहुवादिता

महीता इतराहट, ऐंड भाषा लुवी

वर्गी वपनपी, वपान

44

वस्पता ।

वन्दना ऍढ रिकामा ऍटना गय करना पर्वता बसंद विपाना टक्क रिमाना तनना पर्वता। वे व्यवहाना ११ ध्योबाव— करनुवान अन्दर्भ वर्षक वर्षका एवंद्रपर, पाष्ट्र, १९ ध्यो— करनु अक्टर्सानी सर्गि ११ ध्यो— करनु अक्टर्सानी सर्गि वर्षाणा बरिवार, परा कम्पर अस्पर्ध सात्रीम बावर्ष आवेष वर्षका देगा। ११ ध्रीय— करनुवाना स्वत्री अस्पर्ध सात्रीम बावर्ष आवेष वर्षका देगा। वर्षम प्रमाण स्वर्णना वर्षका वर्षमा वर्षम प्रमाण स्वर्णना स्वर्णना वर्षमा वर्षम प्रमाण स्वर्णना स्वर्णना वर्षमा वर्षम प्रमाण स्वर्णना स्वर्ण

नान जीम मन्तर गजन रिम रिनि

स्व रमा रोव इट इमि हेल झुल।

९४ कोबी--जनपी जमर्गी दोती कोटी

विनोब---दे 'ग्रानि ।

झस्काना दाँव पीमना नाराज होना विगडना रंग बदसना रिमाना रिमि बाना रिमियाना रीमना ६५८ डीना कटना कसना चीप करना चीमना नास परता काल पीका हाना काल होना संकोरना पहुपना मदराना मुदागा । ९७ झस्लाना—उवल पड़ना विट বিতালা পুরুষা কাঁখির হাসা বিশ্ব नाना शीजना गौधना विदेना विद विद्याना सम्बामा यिगङ्गा । है 'मोबिन होता' । ९८. बावनन-गौरण्याहः गुरापिती व्यामधीटट्ट बाटुवार बायनगीपसर केंद्र स्वाने बाबा भक्तन महत्र बाहा श्यवनवर्षां श्युतिवाचयः । ९९. बायममी बरमा---शेररवाटी नारमा भूग्रानद राजा चारचारी भारता तेत

कराना नर्वश दिय दोनना मस्ति

१२२ रक्त-बंतर्वनि अनुस्का सावका प्रक्रे दूरा दूवा हुआ छन्या उत्कीत राजिल दिना देश क्या मान मान मध्यक् मान्य मोहिल रीवेश राव क्या क्रम- कटट, सरकीन कहाकोट किन्छ सीव दिस्ट रिकीन क्याना।

स १२२

सीन विरक्ष दिस्तीत व्याप्तः। १२३ विरस्त-भतनुरका जनायका उपटा उदास उदारीय पराह्मुख विद्युम हृदा। १२३ अ. विरस्त करमा—उपाटना

भौकान झिकामा औ त्रामा करणा मक्काना मिक्काना विश्वक्रिय करणा। १२१ व अमिक्कि—रूका परान्य प्रवृत्ति मन स्थि।

सत्म होता उपटला उपाट होता गठरमा भी हट्या पुरहोता विरका होता विश्लाहोता। २९६ विरक्ष क्यान-स्वत्रुपश्य वरणा सत्मा परता उपाटना उपपाटन वरणा भीरामा द्वारना विश्वा करणा।

१२७ अन्यरित-जाशिश रामधारा निरम्ता नयम सब्योन्ता स्थिता मीनता । १२८ विश्वित-जनमानन ज्याट ज्यार क्यारन व्यवस्तिता विगमन विश्वस्त

११९ उचारना-जनार नण्या तथा

हटाना विरक्त करना विरक्ति साना हटाना ध्रम्माटित करना । १३० सक्तमना—रण्डा करना उस्क दिव डोना चाहना वरवना वरित होना

तुम्मा कारून किन्दा कोय सोमपना स्रोकृत्वा इत्या इत्या हिट्टा हिट्टा ११२ सामप्रेरी—सम्बद्धा आक्ष्मी सनुवा कृष्य किसोही कोमी सोमप्र । ११३ वैर्य-—सारवाट बारवाटन इत् पिनान कनायत क्रम तानिती केन बाइव डारट तमस्यी दर्गादकामा दिसम्बद्धा दिसामा वीर धीर्ड थीर्म वीरा पृति । बाद सारवाम गाडि संपुष्टि, धंटोन संदेश मन्त्र मन्न स्वीया

वर्षेयाः
१६४ असय-व्यापि असाप असं
मृद्धिः व्याय स्वापि असाप असं
मृद्धिः वर्षेयः
१६५ वर्षेयंवाण-वर्षेण्यः रागीस्थानी
वाह्याः दृष्टं वैपयीम नामिरः।
१६९ काकार-ज्योन वामित्रं पावसः
परेशान विवयः।
१६० कावारी-ज्योनम्। अन्यिका

परकारा परेगानी श्रवमी । ११८ कार्--मॉनरॉच ब्रॉनलान बॉप

लाप व्यक्तिणायाः, क्षरमान कार्याताः व्यारम् वासः, इष्टाः द्वयाः हेराः देशाः कामना बनाहिय चात्र छोद बोहर, बोछना बोळा सनोरक मृराद सोह बीच कमक खासच काकता किया। बोछा डाच स्पृहा हक्त हिन्सा हमरस। बेलोक—वे॰ जमां।

भाधा जब स्पृष्ठ हुमस हुमस हुमसा हिस्ससा । सिसोब---वे॰ पूचा । ११९- बाह्मस----बाहुरायमा सिम ---बाह्मसा इंग्लमा ईटमा बाहुसा चूममा चाटना हुमारसी पुचक्रारसी प्रमाकरण प्यार करना राशियान्। इस्मा

दना काइना । इ. प्यार करना ।
हिलोप—े पिताला ।
१४ वर्ष्य्यवासा—अधिकारो लीव
भाषी भाषांत्रक आकांत्री इच्छु,
इच्छुक वर्ष्यदेत बरनुष कांत्री कांग्री
वासुक राहिसमद चाही तुर्यन
कांत्रमें सामनी धायक।
१४६ विसर्ग किंदी भी प्रकार की

बाहु न हो--वशाम बबाह हथा।
विहीन काननारीत थाहायूण निरीह
तिशाम निर्फेटी निरपृष्ट ।
१४२ बार्स हुआ--मिल्लीरन बजी
रिपान बजीविन बजीय बाशांवित हरिया हिन्स हुए वार्पित स्थापित ।
१४३ वार्स हुआ--सिल्लीरन बजी
रिपान बजीविन हुए वार्षित हिन्स

क्स सारानाई साम्बन्ध देवर

वित लगाव सी लाड़ साड्न्यार, नारनारू स्मेह, हेतु । १४६, बारसस्य —नारसस्य सीहाद स्मेह ह्यादाय। १४७, बनिस्र —समस्य प्रेम प्रसित

भगत्व रति एस राग भोड, मोहम्बत

१४७. वस्ति —-वनुराग प्रेम प्रसित प्रजन रिंत प्रजाशास्ति । १४८. पुचा—-वसाह जनिष्मा जीति यदा जरुनि चार, किन विड़ जुगुन्छ। नफरन गीठि विरशिः। १४६. धिमाना—-विम्न करता विशासा

हैश्य, पिनाला—विक करता विपाता करता कि कि करता बुनुस्था करता कु कु करता बड़ी बड़ी करता नक्कल करना निवा करता बुँडू केरना गूँडू निकोइना राम राम करना। १५ अवेच्याल—व्यक्तातिका अरेग्यार अंकीरी प्रेमान्यक। १५१ थार करना—व्यक्ति रामा बाहुता विक वैना विक में राम्या दुम्न-रामा इतारामा दुक्कराला मानना

काइ जार करना। (प्यार) के पर्यायों में

१८९ च १६८

बाहक्य उस्त्रती बाही प्रचयी श्रेमी मोहरवती स्त्रेही। १५४ पुमितस—पंदा गॉहुत जिन जिमहा पिनवना पिनादन थिनीना पृणित जुमुच्दित निन्द्य बीमस्य बुग्र विद्युत।

व १५४

विश्वजानी विकरना मुलारी प्राणन्यारी प्राप्तस्ताना प्रिया प्रियवणा श्रीवना श्रीवना श्रीवना श्रीवना श्रीवना स्वताना सामूक नायूका स्वताना स्वतान

१५६ व्यारी-चहेती अनिया जानी

य ६५वतः। १५८ <del>घडालु—घडायुक्तः गडावान</del> न्यदास्तरः, मडी ।

मदास्य, मदा।
१५५- निश्च- अपभीति
स्वानार, सप्या सपनाः सप्सा सप्यार, सप्या सपनाः सप्सा सप्य सायेन साम्या चरहान म कुम्याति गर्हम पित्र सप्याः स्वानायी सर्लेना विचायतः।

१६ निदित—कप्रमुख अपनानित्र भाषित्रम कम्मितन ग्राह्म जुनुस्मित बदनाम। दे 'बद्रग्रह्म 'बदनाम'। १६१ निवसीय—कुरिशत गर्हणीय गर्हो निव, निवसीय निवा शोण बुदा । १६६ निवस—अपबारक अपबादी ववाई। १ 'चुमलकोर'। १६१ जुमलकोर-कर्णेजप समार्ह

चुगका चुगुका नारद पिद्युन नृत्य सुचक।
१६४ चुरककीरी चुगुकी
१६४ चुरककीरी चुगुकी
१६५व चुगकी कराना-चुगाना
मृद्यार चुगकी कराना न्यर की बचर
करना चुगकी कराना नारद का विध्य
होना नारद होना कपाना कराना
१६५६ प्रचाल नारदेश किनवंदना

मनियादन माधाव भारावरच भारा-नेमरच मधनायरी वसमारत जयमी

जगरननेस सर्वाहर जयहिंदी बंडनन

नमन नमरकार नमलुग्यम् नमस्ते प्रवानि प्रणान वेदपी रामराम वेदे नकाम। विसीय—'वनादर'। १९७. प्रवास करना—जनिवादन करना आराहरूक करना पीड़ समना पैराव

W tow \* 155 24 बाना मानमा स्वीकार करना स्वीहर्षि करना सतकार करना सभावत करना सम्मात करता । देशा हामी बरशा। १६६ अनादर करना--वनरना बनाद्व १७९, यहच-वरीकार, क्परांग पह करना क्यमान करना अपमानना बाल बसन बास भवर स्मीकार। १८० स्थाय---मस्पहा तक अस्तर्भ करता अवगान सबमानना बर्बडेका करना सबडेकना स्याग निकेंद्र, निस्पृहा परिस्थाग **वर्जन** बरण दिरस्थार करना निवरणा वहिष्कार, वैराय वैराय । मिरावर करना । १८१ स्थापी-वाडीत त्यायक निकेंप १७ सामीर्पार-मधीछ निस्दु बहिप्नाचे निरस्त निरागी काधिए बाधी कामीबेंचन कामीबीट. **र्व**तारी विभागपाला । बुका गुमबचन। १८२ व्यापना---वक्य करना अस्तीकार १७१ अधीतवा--वरीस वेना वसीसना करता छोड़ना डीक देना डीक्स त्रजना तर्क करना तकेना त्याय करना भाषीयाँव देना दुवा देना समकामना देता समाधीस देता। इर करता बरक बाला, प्रका करना १७२ शाय--- जङ्गपा अभिशाप अधि मुख मौकृता हट बाता हटता। १८३ सँगवानाः अंगीकरण करना संपाद समग्रह, आक्रीस कीप यांकी बददका चाप, भाग श्रदाप शाप। अंगोकार करना अगेजना अंबेरना १७३ मधीर्पाद वेना---असीसना संघ अरुपा उठाना बीहना रहो कहना इबा करना दबा देना। बहुब करना धारव करना १७४ द्वाप वेता--समित्रापना आहो-श्लेखना बरदास्त करना करना सहन करना बहना सिर पर चित करना कोसना कोमना कारना कोशकारी करना पानी वी-वीकर कोशना क्षेत्रा स्वीकार करना । बदशारता बुध मना शहना शाप देना दे 'स्वीकार करवा' । भाग देना सरापना हैंग्रना । १८४ राजी--अनुकार तैयार, रजार्यर १७५ शापित-निमंशप्त जभिकापित सम्मत सहबता धारप्रस्त बारित सावितः। १८५ को राजी व ही---वसम्मत वतह १७६ प्रार्थेश---अनुतम अनुतम-निवस मन विकास, प्रतिकृतः । बारत वर्ष इस्तरा इस्तरा इस्तरम १८६ स्वीकार करवा-अंबीशार करना निहोस प्रसित्त निवेदन मनीती बपनामा बहुच करना पाना प्राप्त मित्रनि मिप्तन विनदी विनय। करना नेंबुर करना बादना केना। १७७ तिहास-न्यस इंग्डन स्थात दे अँगवना'। व्यान सेहार । १८७. प्रनदार करना--- शरवीशार करना १७८ राडी होना--गेनुर करना जान इन्सार करना नवारता न भाषता

नामंबूर करता नाहीं करना मता करना मुकरना।

दे 'कोइना'। १८८ श्रीकार—अंगीकार, प्रकृष समूदः

स्तोकृत । १८९. इनकार-वनगीकार, अस्तीकार,

सस्तीकृत मधार, नामंत्रुर, नाहीं । १९ स्त्रीकार्य-संतीकार्य जस्याज्य

रहनीय पाछा। १९१ जालीकार्य-अनेगीकार्य जयह भीय जप्राह्म त्याज्य परित्याज्य कर्य।

प्रतः । १९४ स्त्रीहर्ति—बबाबत परवानगी मंत्रुपे प्वामंदी राम सन्मति सही हो।

१९५ द<del>ान व</del>डिंट बतिसर्जन वर

वर्जन मर्गव उपस्थं उत्सर्वन स्रवन श्रीयत बकात त्वाग हानदीच्या राम निर्वेपन प्रतिपादन प्रदान प्रवेसन प्रावेपन विकासन मुक्त विद्वापित

विद्यार्थं विद्यार्थन स्मर्थं स्मर्थकः ।

१९६- व्याप्तस्यः — उत्तरः केमा व्यापमा
व्यापना मामनी केमा याचना संवया
करना।

चापना मगना क्षमा याचना सामन करना । १९७ धान केमा----शन केना प्रतिप्रह्ना परिप्रह्ना ।

१९८ केना--जन्मुत करना पहुण करना हमियाना हरत्यात करना । १९९ केना--मर्थम करना अधित करना करमों पर एकना बम्हाना प्रवान

करना सम्बद्धि करना सींपना।

२० बानवाम—सातम्य बानवाम बानाई देने योग्य। २१ बानी—उवार, दयामु, व बावा

चीकमा चीक्स घचेत स्पेतन स्वयं स्वर्क मुचेत होधियार। २ ३ सत्त्रवयान---जॅब सचेत शस्त्रक उप्पत्त पाडिक वेखबर, वेसुक सम्रा हीन।

२ २ सावधान-कवरदाट

१ ४ साववाली—खबरागये जीकसाई
जीकसी साववंत साववानाता होस्याये।
१ ५ साववाली — साववानाता माज्जिली केवलसे वेपरवाहि नारप्तहाह।
१ ६ साववाली होना—कात् जाता
होना विजयमा विज्ञान प्रदक्ता
सचेत होना साववाली होना होय में माना
होस्यार होना।
१ ७ साववाला होना—जान में देल
साववाल होना—जान में देल

१ ७. बहावधान होना-मान में ठेत बातकर पढ़ा होना बादरवाह होना छोना। 'बहावचानी' है पर्यापों में होना' तथा 'बहावचानी' है पर्यापों में भी यहा' बादि बोतकर बौर मी सब बन सकते हैं। १८ बावधान करवा -- विज्ञान मेठ बराना चराना, चेतावती हैना बीताय करवा चीतकर सेता बीतकाना

वताना वतकाना वताना याद दिलाना

145 **₩**₽ ₹ उत्साह बढ़ना उत्साहित <sup>कर</sup> सचेत करना सत्तर्क करना सावधान दशकाना प्रस्ति करना प्रोति करना सचित करना स्मरण दिकाना होस विकामा शीधियार करना । करमा बढावा देमा । २१८ प्रेरक-उत्तेवक जलाइक हो २ ९ साहस-शिवाद जीवट वृष्यार्वे

हिम्मत हिमान । साहसी के सिए वे 'चरमाही' । २१ **प्रत्यम्य-अधानी**नता क्रिव्यना

डिठाई, मध्द्या । **१११ क्रमयना--क्रसाह में होना उत्सा** हित होना समयना कर्मनित होना जोस में भागा। २१२ प्रसाह---क्षांड, प्रधान क्यान

चवाल कमेरा समाग समाग समाह क्रम् वस्तार भाग जोस भौग्रकरोस डाडस डारस जैस्साई पराक्रम बासबक

साइस हिम्मत हिमान हसास हीत हीसका । हे 'साइस'। २१२ **अ काक्षा-का**ख बांच जांचा भासरा प्रमेश सम्मीच मरोसा। २१२ **मा लिराका--**माजमोदी निरा यता मैरास्य चेनाचा वेगरीसा हरात। ११३ नाडमोडी--उत्साहतीनता हास्य

होनचा निराचा इतासवा इतोत्वाहता । ५१४ प्रसाही---उंडाही विक्रमण विधा-बर, विकेर, पराश्मी साइसिक साहसी हिम्मत्वर, हिम्मती हीसकार्यद । **११५ भाजमीय-सत्वाह**हीन ठंडा गा समेद निराध निराधी निराध वसम तास हतास स्वासमाह । २१६ प्रेरणा -- प्रशेषना **उत्साह** त्रीरसाहन बढ़ावा ।

र्र¥. प्रेरचा वैशा~क्सेवित

करमा

२१९ शरकामा-कर्यस्थी वीवम् बीर्यमृत्त वीर्यस्वी मई सरीस्त्र । १२ नपुंतक-नबीर कापुस्त नि क्रमका नावर्ष मुक्तमस पुसला वर्षवर, संब पठ, सबै हिमड़ा हीय २११ वरकानकी नाविभाग P नियत पुंसल्य पुरवल्य पौरवल्य म

.

अर्थमा । २२२ सर्<del>बुसकता श्र</del>ीनस्य <del>पर्</del>कीः नर्पुसकरम नामकी हिमकापन । २२**३ कार्यायक्त इ**नसानिमत मनुभ बन्ध्यस्य धर्वमी । २१४ विका-नंतर्भावना अवैद्या में बटक बनमन बनसेए बाबि वा बाब्यान बावर्ष उनमन उत्केश व करताच्या चंत्राद संटक संटका सुर ৰিল বিৱদ বিৱদা বিবিদা, तरबुद्दय तसबीस नात हुनि दुषिकादै दुविका व्यान परवा परव परिभाषना फ्रिक, फ्रियक सम मान विवाद विसूद, संका सोच सुर्रति सं स्मृति हरास 📭 । firefra- 'suffi' i

२२५ विसा करना-विता वि

होना क्रिकट करना क्रिक क्**र**ना €

करना सीमना सोच करना सीचन

विश्लेष---'विद्या' के पर्योगों में 'कर

वा भी पहला बारि मोड़ कर पि

च २१८

२२६ वितित-वत्रगंत बक्छ अवेद मधीर, आकृत जाकृतित जातुर,

सकते है।

चंद्रिम झोमित किम गहकर, जिता 🏂 विदायस्य विदायरः विदायस्य दुनित दुनिया इरिका बोजित दुर्गन

फ्रिक्रमंद फिल्रमाल विकास वेकस में इयद विकास विशिष्त अपध व्यस्त माकुत माकुमनित शंकाकुष समात । १२५ विशिष्ट -- ब्रांचित अपितित

मेपीता बक्रमस्त असोच बाबाव निविध निर्मेन निर्मक बेपरवाह नेफिक धोषरहित जापरबाह भूषित । दे मस्त'।

११८. निविक्तता-वाकावी निहीनदा नेपरमाद्री नेफ़िकी गस्ती कापरवाही मुविदाही। ११९- धका--वरेता बाधका वनिर्णय कर, नास स्थवया दुनिताई, दुनिताही

भय धक श्वद्वा संदेश, संघय संस पंचर्य मुक्ता । ९३ संदिग्य---वनिधिवतः संदेहपूर्ण चंगवात्मकः ।

१३१ दूरिया-वरेता सत्यंत्रत आगा-पीटा पुरिष परोपेश बहुम संकोध हिषक, हिषकिबाइट ।

९३२ हिषक्षिणमा-अटबना अटपटाना बागारीचा करना कनमसाना बबना

मेंपना पर्योपेस में पहला यहता संबोध करना संकोषना नकुणना संधुकाना सरेह में पहना संतरित होना सिट रिरामा हिषदना हिषकियाना ।

अर्तक चरचया अभार, सौक्र, बर, बगदवा बहस्तत मय भिक्त भी भीति भीरता भीरताई मैं शंक शंका संकान संघय १

**१३४ वयमीत होना—अपटरना जार्ट** किय होना भैंपना भैंपनेंपाना करैंप उठना चौपना चौक्र करना हरना जसना डेराना जास जाना करकना वरपराना पर्राना रहरना सहसना बहुचत जाना समरना भन जाना भयभीत होना मयाङ्क होना भयाना भीरमा भयहरमा शंकना ग्रकामांत

होना चॅक्ति होना संक्वित होना संबस्त होना सर्चकना सर्चकित होना स्टॅबिट होना सहयना सहरता सहरता शिहरमा इहरना। १३५ वयमीत करनः—बार्शक्त करना क्षेपाना करपाना करवाना कराना डेरकाना डेपाना पसना पासना वसकाना भवराना म्बद्धराना सकाना सर्धकता संपंक्ति करता सहवाता ।

२३६. आंख विचाना---बांत माँ प्रधाना श्रीपें विभागा पुरसा घुरना वरेरना तीवण विष्ट से देणना त्योरी भद्राना श्योगी बदसना काक बांधें करना। २३७ भगमीत-साउंपित कंपित कार्य-शोधित अस्ति औरुपा प्रसित् अस्त शामित समसीन संयानक संपान्त. योग और भीड़ भेड़ा संदित सर्वत मराष्ट्रित श्रीकरिए। २३८ होया-नटार्ट, यो यो सुन मकाऊँ, हाऊ, हीया :

कायरता

सूरता कूरान करपोण्यन वृद्धिकी मीक्दा भीक्दाई । १४२ निर्मयता— अपन्नय निकरपन निकरपना निर्मीक्दा वंद्यीकी छाड्नन हिम्मत । १४६ भयानक—समोर, उस कराल

बेडिम्मच हिम्मसहीत ।

डिम्मद-१८ डिम्मती।

२४१ भीवता कावरवा

२४ निर्म<del>य पश्चव वद्योग व</del>वर,

वर्षेड अपमय क्षमय वर्षेक जातात्र,

निषद निर्मेष निर्मीक निर्मीत निर्श्वक

प्रगमन बेसीफ बेबहरू शाहसिक

कोर, चंड उरावना अचंड विकरार, विकरात सर्वेकर, सम्बद्ध सवाक स्यानक समाव्या समाव्या मीरा मीराव सीम्म भैवन सेवा शैरव बह रोग सुर्वेक कोमहर्षेय विकट, विकराक हीकनाक । १४४ मध्यारी—सम्बावक असमोवन

करानी - कुद बावद ब्रीवाद बीडमाक

नवहरून ।
१९४५ कोश्या-अध्या कीश्या व्यवस् प्राणा वर काश वरप्रयाना वर्षामा विकिथित होगा शिहरूना इहरूना ।
१४६ कमकी--वृत्त्रकी वयट बीट वाट-वपट, राज्ञन सावना बहुबत विकासकी ।

रेषरवित्याः

पर्यक्षः ममकानाः—जीवः विवानाः जातं

कितं करनाः पुत्रकमाः पुत्रकी वेताः

करमाः सीटना बीटनाः-वपटना सीतना

यहरीता बनकी देना भिरमता, भिरम तिथा पेता फटकारना फिटकारना सब बिम्माना इहराना । १४८८ यहकमाः—मुदकी पेता मुरकना बपटना बटिना शहपना सिवकना

अपटेगा बंटिगा शहुपता सिक्का फटकारना विश्वकता । १९६७ सक्क- स्वक्तक सरदा, वसस्य सातक सार्वका छोम खटका हुउस सरदा नासन बनवबा वर्ष प्रमाव सीगोर, रोख खंका खहुना सीसा सम्मा साख हुरात हुवल हुत्त होता । १५१ थाक खमना—बाक बैक्ता बाक बैठमा बाक होता रोब साक्षित होता रोव वसमा रोब होता रोब साक्षित होता १५१ साक समाना—बाक में नामा स्वक्ता सेव माठिया रोब मिना १५१ साक्का स्वेत रोवस्य १५१ सिक्साय—इन्हार, एठवार, परि

प्रभाव संस्कृतीय वेजवर्राक, नर्व रोक् इस बेर, हिम्मती । १५३ विकाल—स्वार, एतबार, पति मारा पत्तीय प्रतित प्रतित प्रतित स्रोधा प्राव स्थान । १५४ विकाल करना—स्वार करना पतियाना प्रतिति करना प्रतीत सानना मानना यश्चीत करना प्रकीन रचना । १५५ विकालनीय—कानिकेरतबार, पर तीली विकाल विकालना विकाली विकालकालीय विवास सेर्पानी विकालकाली विवास सेर्पानी विकालकाली विवास सेर्पानी १५६ विकालकाल करन, इस वीका। २५१ विद्रमा—कुरुना विटक्षिटामा विद्रमामा बीजमा वीहमा विद्र विद्रामा सस्वामा सीवना विद्रमा रिप्ता एउटाना । वे 'क्षेपित होना' । २६ विद्रामा—बीरसामा सम्बामा कुद्रमा स्टिक्टामा विस्तामा रिपाना ।

**4 945** 

चड़ाउपरी प्रविशंधिता रीस होता। २६२ ईव्य-अक्तमका जनक असुया ईपना ईपी पुढन खार, जसन बाह, हेप हेपन मरसर मरसरता रस्क राय रीस स्टिय निरोम बैर, समुता साम्, हुस हरार, हिसका हीस। २६६ ईच्यां करने वाला-जननजुरा बदेशी देपील, बाही मत्सरी। २६४ इतक-अङ्ग्रह्म इतका। २६५ इसक-अनुगृहीत बाबाचे ऋषी प्रसानमद समन्त स्कृत्यार । १६६. क्वप्नतः वहत्वता । २६७. इतहता---वामार, ऋण एहसान । २६८ वर्त--ऐसी कपटी कितन कृटिक सार कर कोट कोटा भएए भार सी बीस बाबबाद बाकाक भासिया

सूर, कर कोट कोटा चहुए चार सी बीस चाकवाद चाकाक चाकिया चाकी चुकतुका स्थ्यानी स्थ्यानी स्थ्याना, स्थापना सुरावारी दुर्वेश सुर दूष बोक्षेत्रज गरबर, प्रदेशी प्रचेषक बदमाए घंषक मक्कार, माया विशी मायानी मायिक कच्चा वचक सात्री एएँट। कुरेंगा—कपर, कुटिकरा कुटिक-

पन कृटिकाई, कोटाई, बहुराई, बार सी

नीशी चाल चालमानी चालाकी छम छलांच छलांछ छलां, ठगपना द्या बतानानी दुर्वनता दुरूमं पुरस्ता उत्सरता मटलारी पानीपन पानीपना बदमानी मक्कारी मंत्रकता सरा रत।

एवं ।

एक पूर्तता करना—कृटिकाई करना

एक पूर्तता करना टाना चाल

पत्तवा वाक्याची करना ठाना चाल

पत्तवा प्रवेचना देना फरेब करना घर

माना पुक्रमाना प्रकाब देना घर माना

एक बरमान चंचन करना चंचना देना ।

१७१ बरमान प्रकाब ना कोळर, बारा

स्वराधी वर्षेर, घोट्या ।

१७५ बरमान करना कोळर, बारा

स्वराधी वर्षेर, घोट्या ।

१७५ वर्षाची चार्याधी घुडरी,

गंदरना गंगई, गंवई, कुच्चई, कोळरी

गराधा ।

१७३ वर्षेस्य व्यर्थी बुरम्बी गरब

मानक वर्षेरी व्यर्थेरदा ।

२७४ स्थार्थी सुरगास गरवानंद्र, साथी वरणु सरक्षा स्थार्थन्त । रागम साथिन्त । १५०५ विश्वता साथिन्त । स्रोत्युक्ता स्रातिकृत्वता स्रातिकृत्वता स्रातिकृत्वता स्रातिकृत्वता स्रातिकृत्वता स्रातिकृता स्रातिक स्थार्थन्त स्थार्थन्त साथी स्थय स्थया स्थार्थन्त स्थार्थन्ति स्थार्यस्य स्याप्यस्य स्थार्यस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्यस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्यस्य स्थायस्य स्थायस्यस्य स्थायस्यस्यस्य स्था

बैर-भाव मुखाछिकत मनमोटाव एंत्रिश्च

रिपृता कहाई, काम स्नामकोट विक्रेफ

विद्रेपण विद्रोह विष्युता विधीन २८६ प्रतिक<del>ृत-व</del>नन्दक वैमनस्य वैर, राषुताई, धतुरता । घेराफ, विषय । २७७ संय-संयत संगति संगताम १८७ चडाई-अभिकाम अभियान सहचार, शहबास सीहबत हैकनेक। व्याप्रमण आरोहण प्रधाम बाबा मान २७८ परना---पत्तना चत्तना दोस्ताना बन्या हमका इस्का । होना बोस्ती रहना बीत काटी रोटी होना २८८ विकय-उप्ति क्य वयमी जिल निमना बनना मित्रमाव होना मैत्री भीत बैत फ़तह, क्रें फ्रेंड, फ़्ट्रंड, होना । विजय विजै विभव वृद्धि। २७९. न परमा---पुरमनी होना निगइना १८९- हार-सबय अपबय बक्ति विवाह होता बैट होना वैमनस्य होता पराचय परासव संग्र क्रिकाल मिकालमी धनुवा होना । इस्सी हार १ १८ सप्तर<del>मा भवह करना जुलना</del> ३९ किस्सी-अर्थन जिल जिल्हार. ब्रक्षक करना क्षसमा करना वितर्वेगा कित्वर, वेता वीतवार, ऋतेह-

254

श्चरता बक्छक करना निवना वकरार करना महानोरी करना महानंही करना चढ़ना चढ़ाई करना बाद-विवाद फरना विवाद करना हुण्यतः करता । २८१ स<del>पहाल कनहनारी कव</del>हप्रिय भक्कारी भक्का शगकाक, शगकी समयी सर्वेष्ट्र वहाका स्ववाद् । २८२ सहना (बृड)--बंश चढ़ना र्थेग चुरता चुद्यार करना जुसना सपकना सपटना निक्ता नारकान करना मुद्ध करना एँग शंचाना आहेगा **कशई** करता । २८३ वि**रोज---व**र्गेच्य यतिकृतता विप रीवदा विपद्मदा। वे 'बनता'। २८४ क्यिकी—प्रतिवश्वी प्रतियोगी प्रतिवादी प्रतिस्पर्की मुखाकिक, विधेनी स्पर्धी। वे 'शतू'। १८५ <del>सनुकृत---</del> समितक समितक

पत्तर्में मूजाफ्रिका।

**4 744** 

१९ विवयी—नर्यत विव जिवबार, जिल्लास्, क्रिकेट्स विवयर, क्रिकेट्स विवयर विवयर, क्रिकेटस्य विवयर, क्रिकेटस्य विवयर व

स २१५

विभिन्न करना विकास देता विभिन्न करना हार वेदा । वे भीतना । १ १९ हारना—भागंत होना परानित होना परानित होना परानित होना परानित होना परानित होना परानित होना विभन्न वाना विभन्न होना हार साना। १९६० सास्त्रमा—भागंत होना हिन्द भीति होना हिन्द भीति होना होना विभिन्न करना। वे हिन्द नी होना विभिन्न करना। वे हिन्द नी होना विभन्न सामार्ग सामार्ग करना परानित प्रमान वानार्ग सामार्ग करना वानार्ग सामार्ग सामार्

२९६- आवरम करने योग्य-आवर

स २९६

भीय करणीय करतव्य । २९७. सदाबार---वदन अहुनुता क्रायदा

तद्वीव भद्राचार, भक्तमनस्त भक्तमन-साहत मसमनहीं धराष्ट्रन चाकीनता सिप्टता सिप्टा**भार,** सीसता भूमाबार, सरवनता सरवनताई, सदाचरन सभ्यता

सानुता मुजनदा सीमन्यदा। २९८ दूराचार-पुर्वनता वरतहबीकी बरदाचार, बदाधीनता बसण्यनता

बेबरवी बेकायरयी। २९% व्यक्तिकार---ऐवाधी ऐंग्र ऐंग्र-बारान कुरुमं ग्राम्यकर्म बाट स्टिनार, **डिनारा डिनाड 'डे**ना बकात्कार, भीन मोगनिकास निपय निपय-नासना ।

दे 'मैचून'। स्टाचारी—ऋनु, बालवन वाठ-ह्वीय मसेमानुस साम्रोत थिप्ट स्वत सन्दन सम्य सरीड, सङ्कदम सदाचारी

मुतील। दे वर्गारमा । **१ १ दूराबारी—गलाबारी अग्राणी**न ममिप्ट जसरजन दूधन वस्तहतीय

वेबस्य। दे 'पापी'। **१**२ व्यक्तिचारी<del>⊸ व</del>षत्र ंकालतात भागातुर, भागी भागुरु मुक्ती कुल्लित कुपवरामी कुमार्गी धाम्यकर्मी घटिहा

भरित्रहीन फिनए फिनाए किनापी दुश्वरित दुश्वरित शप्ट, पश्चिमा परम्त्रीयामी भीगी वद, बदबार, बरचनन विनासी बुड़ा बुरा मार्नेश्रप्ट मेहरा विकासी विषयी कच्चा स्त्रीय। १ १ पुष्प-- जनव उद्ययम्बोदः किसि पर्व पावत पुष्प पुत वृष शुवाहुच्छ,

द्योभन श्रेय सरकर्म मुक्त मुगवि । वे 'सवाचार'। ३ ४ पाच-अहस अब अस्यय अस्या

व ११२

चार, सबने बनमाच अपक्रम अपश्रीत अपमर्ग अपराध अपवाद अधुम अह, उपपाठ एन धनस क्या करन कर्मम कबुद, कामप कक्षमस शक्तिमक कत्त्र क्षरक कदमस किलिया किसमिय कुण्ड कृतांत युनहगारी गुनाह, दुव्हिप्ट, दरित बुरिप्ट दुष्पप्टित बुप्हत शोप पंक पातक पाप पापक वृजिन सस्यक।

३ ५ वर्गात्वर यमी कामिक शुप्रकर्मी गुगपारी सरापारी। ३ ६- पापी- अभी गुनह्वाद, गुनही हुप्टारमा शीपी पातकी पापकर्मा पाप चारी पापान्मा पामर !

वे बुराचार ।

३ ७. पारमाधक-अपर्दता समारि, पापनाचन पापनाची । ३ ८ पार्चंड-शार्डवर, संब समसंद हकीमधा डॉप डॉपवाडी घॅमसा पसंद पहुँक बनाव बनावट, मिप्याइंडर ।

१ % पार्चडी—नार्डवरी कपरी डॉनी

हकींगुलाबाज दिलावरी पर्यच्यत्री

पंहड़की पशंदी वयुकामपत बनावटी बहानेवास । ३१ <del>पुरुर्ग---अ</del>क्ष्में अपकरम अपकर्म अपकारण अपनार्थ अपनूरय कुकरम दुष्करम दुष्कमें दुष्करण पाप ग्रेक बद्धेन । वे 'दूराचार' 'पाप'।

३११ शुनकर्म—दे 'सराचार' 'पूध्य'। ३१२ पुक्रमी—काकाय सक्सी मा-वरमी अपकर्मी कुकरमी दुसकरमी

w 111

इष्कर्मी इन्हर्ता। दे० 'इराचारी' 'पापी'। । १३ सुकर्मी—शुपकर्गी सत्**श**री । वे सवाचारी 'बमॉरमा' ।

११४ <del>कर्मक-- अ</del>पराच कक्ष वास इयम दोव पन्या क्षांकृत । वे 'पाप' । ३१५ क्लॉक्त-अवक्की कुन्नवित कुछयी बाडी बुवित संक्रित।

**३१६ अपराध---ध**नियोग कसूर, **च**रागी नक्ती नुताह, दूवण दोव । वे पार्प

कार्क दरावार ।

३१७. निरपराची--निवोच निरपराची निर्देषण निर्देश निर्देश बेक्स्ट नेयनाड नेदाग साफ्र. स्वन्धः ।

११८ सरापी---फलंकित अधियोगी कगुरमंद सगुरबाद, क्यूदी खोठ मोडा मुनदगार गुनही गुनाही बोसी बीगपुरा बीनी बली मुश्रीवस । ११७ इपनीम—इएशीय अस्य ।

६५० प्रगरे गर बीच शयाने <del>बाला---</del> 444 F १११ शाब—मती आ≰डल आवल

भार, कानि क्षिती चैत्त अपन सेन सम्बन्धाः मरा मर शंकास शंकारम मुरम्पेत संत्र भरभा तिहास श्रीह बीड़ा संस्म शर्ने संशोध गहुआहर सफुनाई राइन इसा ही हरीरन। **१२२ लग्जागील--अप्रतिल शिलॉ**हा

मरस्रती संवापुर, अजान, समीका सबोर सबीहा कवीहा सरवायान

धर्मीका सङ्ग्रीहा सकोची सकाज ह्यादार इमानान ।

County Belows वेश्वरम वेश्वमे वेहमा संकोषहीत संकोषविद्यीत हमाहोत । ३२५ सरमाजीसता-तरासकी वर्षि-वर्ग चंकोच ह्यादारी।

**३०४ विलेक्स-अ**यत निसर्वी निसर्व-

Bee freiwant-aunt, feart, fer-बता निसम्बद्धाः बेद्धरमी बेहुगर्छ, रिवाणी चीकाक्षेत्रया । ३२७. स्टिशत-संपित सेंपा सम् श्रमित्रा शंकुचित वीक्षवनतः।

३२८ क्यामा--अपना अपना श्रेपना श्रेपना सक्रियत क्षेत्रा सरवा करनाः वीर्ग करना श्रीकानत होना सर्म <sup>है</sup> यक्ता समें से धानी-पानी होना सर्मान व्यमित्वाहीमा धंकोच करना सक्यकार्ग <u> शक्त्रांना सिमहत्ता क्षत्रा करता ।</u> ३२९ कवरातर-गडवाना विपाना र्मेपाणा समाना स*न्यात करना* धर्मथाना शिवसा करना संकृतिय

करता । १११ नस्त---वसगरत सीहर सीसा-मीता निविचत यस मतवास्त नरपूर्व भवोत्यत्त सन्मीत्री बस्तानाः **लहरी गैलानी** । **३३**२ फिसरबस्त-कामकाजी कामकाज् कार्यव्यस्त व्यस्त ।

इक्क सरतामा—असमस्य होना मत होगा सस्य होगा मस्त्री में बाला मात्र में बाना भीत में होना सहधना। इइ४ व्यक्ति क्रमत्त्वा

निर्देषवर्द्ध निर्देषववा नशतारी, नतनातापन,

३२३ सरवायती—सरीती स् प्रजीती ।

मदोत्मत्तका मीज कहर कापरवाही मुनितर्ह, मुन्दिताई मुनिताही।

११५, पागस—वन्मश शत्की बीजाना मृत्याका भादान मासमस पगरा परवाता बावता वेवनुक, पूर्व विशिष्य समर्थी सिवी ।

३१६ डीस-अंतरम पात होत में।

३३७ पापरूपन्—जन्मत्तता झर्क शृत सनक सिङ् ।

१६८. पमलामा— उम्पत्त होना दिमाए सर्व होना पागत होना प्रमत्त होना बाई सेना बाबसा होना यत्रकता

सनकी होना सर जनदना। १९९८ पुन---जरु जन दन्यों द्वीरी रद रर जनम कपनि साम की सनक

मन्ती सार्वी पायन बाउर बावध बाबता मत्त मतबार मनबाध मतबारा मतिभाट मदी बीधह विश्वित पाँड कन्नी निही। भेरे जन्मार—जनमञ्जा खर्ग सम्

४१ बम्मार---बन्नमच्छा खप्न सम्म विद्यविद्याम पुनुन सन्त दौवाना पन पागकपन बावकापन स्रांति वेहमा सनक सिक्क विद्योपन पीरा।

चिष्टाचार सरकार, सम्मान समादर सम्मान ।

इध्व इत्रकत करना-भावर येना काइरना धाषममत करना इन्बन येना पूजना प्रतिस्ता करना या सेना मानना सका देना श्रवेय समझना सम्मान देना सम्मानना । इध्यानना ।

मीरवाजी पुविश्व प्रतिस्थित माउवरः माविञ् वाली मान्य सम्मानितः। दे 'मानवी' 'मधहूर'।

इध्य बेहरतल- नगापुत सपहता सप गानित सप्रतिप्टित सरमात सरहेन्ति स्पार, बजील तिरस्कृत परिमृत वेसायक वेहदर। दे "निदित"।

१४६ वेश्वतस्य करनाः — अपसानमा अपना करना अवश्वेतमा अवश्वेता करना इत्यत् जवारना अवीक करना निहरना पानी जवारना प्रतिच्या और करना बजावरू करना बेहत्यती करना।

१४७. वहरत्रक होना----अपमानित होना वसीक होना विलक्त उठना जिस्कत याना निरायन होना वपानी होना।

हुला ।

इ४८. केडक्शी--बनाहर, करवर्षे अरवार वरवान करिएता अमन्त बक्सा
अवहेरना कर्षेत्रतः श्वादं जिल्ला
विरुवाद, नामुनी निरादर केदस्यी
भानुतिन हुनवरण्यातः । दे निर्दार्
इ४९. गाहुर---वार्ग श्यादिमान्त
प्रावड कामकर नाम्ये प्रवासना
प्रमाह दिस्या नरमामा

३५ बहराम--कुष्यात गंवरी नामबद। बलानना बहाई करना यस पाना वे बेदस्वतं। विरय पाना सर्ग्यत्न करना स्तवन ३५१ मञ्जूरी--क्यांति वस नाम करना।

**4 357** 

कारना फिटकारशा फिटकार सुनाना

मक राजवृत्त अजनकः, नेवार, संस्कृ, कुंद-

4 14

नेक्नाम यसी वसीस्र ।

मामन्दे प्रविद्धि यथ विरद, नोह्या इति विकाशना—सप्तार करना सर्चे सेह्य । स्वीत पुताना शिक्तना शिक्ति हैना हैपर बनामी—कुस्मार्ज नामतल्की । दिस्कारकरणा पुकारणा पुकारणा

वैभूभ सामानिय---वाररणीय र्यंत्र पण साम्य क्यानाय परतेष्य सम् नीय पूक्तीय पुत्रमान पूष्य पूष्यमीय पुरस्पाद प्रतीक्ष नाम्य वंदनीय सन्देश घष्ट वर, वर्ष सम्मान्य सन्दर्भाव । विकास प्रतिकार नाम्य वंदनीय सन्दर्भाव घष्ट वर, वर्ष सम्मान्य सम्पत्रीय । विकास प्रताम प्रतिकार करियोगा

३५५, प्रसंता—व्यविष्यंत्र अधिष्यंत्रा शुकुशस्त्रा हृदाला । वित्रादर गुणकीर्यन क्षष्ठ छारीकः ३६९ वृद्धि—वस्त्र विहन चेहुन प्रचस्त्रित स्वान वहाई, महिमा दिलाए चारणा भी वृप्त वृप्यन प्रस क्ष्त्राता प्रशाह छाडूना स्टाबन सरितकः धनस्त्र । स्टाब स्टुपि स्टोन स्टोब । ३६३ वृद्धिमाल—जनकसंत्र विदश

१६०१ व. (२०) स्टाम । इस्कृष बुद्धसामा—नारुस्तर सामग्र हुएक हुटी होस्ति । अस्तर, डॉट-फटरार, टार्मन बुक्ता-फट्टी चुट्टा-फट्टी चुट्टा-फट्टी चुट्टा-फट्टी चुट्टा-फट्टी चुट्टा-फट्टी चुट्टा-फट्टी चुट्टा-फटर्टी चुट्टा-फटर्टी चुट्टा-फटर्टी चुट्टा-फटर्टी चुट्टा-फटर्टी चुट्टा-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फटर्टी-फ

करात कागत कागतरावात कियात । वात नृत्यात वृत्यात वृत्यात्य वृत्य वृत्यात्य वृत्यात्य वृत्य वृत्य वृत्यात्य वृत्य वृत्य

करना-अच्छाकहना बचान करना

चेद्दन मदहा गावदी गोबरगनेश वपुता

मगोकानंद, क्य्यू याच कोंकू जूप्या

चड्ड नासमझ निव्यक्कि पॅक्तिस्मन्य पंडिस्पासियांनी पाएक वक्षियाटिक

बजन्तं बड़बाबसा बीगड्, बासर,

बाबर, बाबका बुद्धिविहीन बुद्धिहरा

वृद् वेशस्य वेशसूष, शीवा मञ्जूमा भूक्वड चील मोडू, सरवृद्धि

मुङ, मुरक्ष मुख्य मुखे संठ संठाविराज

धिकारपुरी सुस्त स्त्रव्ययति इतवृद्धि ।

१६५ वृद्धिमानी—जन्तर्गरी अभिज्ञता

मानरता कुग्रसता शाम बहनियत बान कारी बच्छा बुदिसीक्ष्या नेवानिता कामक्रियत समझदाची होसियाची। १६६ बुबिक्षीनकः—शक्रानका अपटल मपाटब छजडूपन गवहपन कुंबफहुनी चौंचपना जड़ता अड़ताई जड़ता **बहाबत** नावानी नासमधी पागकपन बीनइ पन बेमकती बृहता पृष्टताई, मूरचपन मुर्खेता मीर्क्य कठता छठ-ठाई, वेबक्फी । दे 'कब्रठा'। **१६७. चतुर—अमृ**त्व अमृक अमृक पस्ताद, ऐवार, कपटी क्रुबक चुटा ৰ্যান খন্ত বাজ্ঞান ব্যক্তাক चौर्ड करिया क्रमी जानवनी बुनियासार, दुनियानी भी भर्त भोकेनान नागर, निपुत्र पट्ट, प्रवास्क प्रशील भुश्तमीपी चयाना सुद्रह इवस्त हिस्फनवाय होशियार । वे अधियान'। **१६८. चतुराई**—अस्ताची ऐवाची कपट, **पु**षकका भौशक चनुरही, धनुरका भनुरपन चतुराई बानुरी चानुर्व दक्षता दुनिवाशाचे ननचाई निपुणका निपुण

ताई, नियुनाई, पटुता पटुरन मुदिमका हुनर, होधिवारी । ३६% सोचना---ग्रीटकरना ग्रीटकरमाना चिवन करना चिवना दिमाग्र कवाना ध्यान करना विचारता मनन करना मस्तिष्क करना याद करना विचार करना विचारना शोधना सोचना विचारमा। ३७ सिर जपाना-गामा जपाना माधा-पच्ची करना शिर-पच्ची करना । १७१ दिस्काधियाय-क्याकी करवाकी पुरुषका व ठट्ठेवाच ठठील दिस्सपी वाद भवाचा भववारा महक्रदेवान हंधमुख हंधोड़ इंसीर। ३७९ म<del>वाद उ</del>पहास इटठा दिस्रमी दिस्करी प्रहसन मखील मनवारापन मस्त्रापी हॅसन हॉसिट हॅसी हास हाँची । ३७३ वराक उड़ाना-४८ठा मधाना रिस्थमी करना बनाना मूर्च बनाना हेंसी करना हुँची मचाना । 'मबाक' के पर्वाची में 'करला' 'मचाना' 'चड़ाना' भोवकर भौर शब्द बमाइए । ३७४ वंबार-उतास चपस्यित तत्त्रा, प्रस्तुत होवियार । 'वैयार होना' के किय अपर के चल्दों में 'हीता' जोड़कर धाद बनाग्ए । **१७५ र्तवारी**—तस्वारी स्वारी संवार, ३७६ मुस्तैव—सर्राहेक भगतस उच्छ

च नुष्त तरार, वैयार, प्रस्तुन सप्तत्व । १७७० मुस्तैरी--- तरारता वैयारी

नमयना ।

Genz v १७९ प्रचंडता--- उद्यवा उत्कटवा बरा-समापन नीवता हेजी अर्थकरना अया

तेब भगेबर, भगानक समाबंह जीवन

नक्ता भयावहता भीगता भीपचता विकटता ।

३८ किम्मेबार—जनरवायी जन्तर दादा जवाबवेह, किम्माबार, किम्मवार । ३८१ किम्मेवारी-अत्तरवाशित्व वदाव रेकी विस्सा विस्सावारी विस्सेवारी।

३८२ अनुमदी--वनुषदप्राप्त वानकार, त्तवरवेकार, तजुरवेकार, तजुर्वेकार, भक्तमोगी वाकिछ । १८६ अनुसर-जन्नति जानगादछ

तबरवा तबुर्वा वाकफियत । ६८४ **धनु<del>भूत - वा</del>बनाया आ**जनवा चाना परसा क्रान्त परीक्षित ।

१८५ स्वानाविक-नैसर्विक प्रकृतिस्व

মন্থবিভিত্ত সাত্ৰত সাত্ৰতিক গ্ৰহণ सहवात सुमायक स्वधायत स्वाधा विका १८६ सस्यामाधिक-व्यर्गसर्विक अग्रा-

তুর ৰসাভূতিক শংকণাকর ভূষিণ। ६८७ स्थामाधिकता- जङ्गिमता नैस विक्या प्राकृतिकता सङ्गता सङ्गा वका ।

६८८ जस्यामाविकता -- जरीवर्गिकता अप्राकृतिकता सस्वासाववता कृति मता :

३८९ नं<del>या अक्टब्र</del> अनावत वर्गना बबेना उनेने विश्वन, विश्वट अर्जुग भूबंगा नंगमक्षेत्र नंत्रवर्धका नंगमर्गया

र्वतायल-विशेषण्या ਸੰਦਗ नवापने नमता। ३९१ सहनदील—गमसोर, मांत सहिप्या, सहैया ।

निश्चय अस्त्रज्ञीन विकस्त ।

३९२ असङ्ग्रहील-असहिष्यु, जसहैमा चित्रचित्रा तुमकमिषाच । ३९३ न सहसे बोध्य-असह बसहसीय वसका कसह। वर्थ य<del>णी करतवी कछाकार, ग</del>ुनी योग्य कायक हत्तरका ।

३९५ जक्युची—एवी जीगुनी साधन स्रोट, सीटा श्या **१९६. पुल—करत्व कमा नु**न फन थोम्पता कियाक्ट विद्या हुन्ए। ३९७. श्रद्युण--- ऐयुन गेव जीपुण जीपूर कब कभी क्लंक कराए बाराबी कोट, श्रीटाई, दूपण दोप दोवन मुक्स ब्राई, विकार।

३९८ यो<del>ष्य क</del>ाविश्व जोम्य सायक समर्व सामर्यंबार । ३९९. क्षयोच्य<del>ः व</del>यक्त असमर्व नास्त यक सामध्यंतीत । थोम्परा--- बगाई, समता झाव क्षियत क्षायक्रियत सभएन सामध्ये।

४ १ सधीप्पता- यसस्तता ससमर्वता नाकावकियत नाकापक्री सामन्येद्वीनता। ४ २ आव<del>त - व</del>म्यास टेव बात वाना सदक सद स्वस्तव। ४ ३ वृदी जावत—कुटेव कुवान । ४४ ऐव क्याना—वेंगुकी उठाना अपराण कराता भूपण कथाता हुपता

४१८. बसाबारय — वजीव वजीबोगरीय बद्युत वनुपरेम बनुठा भठपन जनोत्ता जप्रतिम जपूरव अपूर्व ४९-सच्चा — रास्तको सत्यवस्ता बारवर्धक्रमक बसामाध्य बाह्य उत्तम उनदा बीचड बीपन्यासिक गनव

४१९ <del>जलाचारगता अ</del>नुठापन अनी कापन अपूर्वता निरासापन विविज्ञता विकासणता विधिप्टलाः ४२ अधित—अच्छा उपयुक्त ऐन बाह्य का नामव ठीक परिमित्त मुना शिव बवार्च वस्तु वस्तिमस्त्र योग्य रास्त वाजिव वाजिवी भेगरकट संगत सटीक । ४२१ अनुचित-अग्राहा अनचीहा जन्पमुक्त अपरिमित अथवा जयका अवीग अयोग्य अर्चवत उत्तरा रासाव जिलाक, गैरभुनाधिव ग्रैरवाजिव ना मुनासिव प्रतिकत्त बेटीक विपरीत विकास । ४२१ व. **अवस्य---थरूर, निरियत**त

नि मंदिह साजिमी तौर पर।

विधिष्ट बेफ ।

वैरमामुक्ती जमस्कारी निराचा न्यारा

काववाद कामिसास विकित विकर्णण

४१ सू<del>ठा - अ</del>सरय**वादी** सुद्ठा मिच्या वादी । ४११ सु<del>ठलाना - सु</del>ठाना भूठा ठ**ब्**राना मूठा बनाना दोदना : ४१२ लसक-मसकी चप सम्बासाफ्र। ४१३ कमधत्तक -- सर्देड नक्छी मिकावटी। ४१४ पवित्र--जदूषित जननियाँ जनस बनितन निर्मक पवितार, वावन पुष्प <sup>पूर्व</sup> नेष्य विवस विश्वत सूचि श्<u>व</u>त माळ, स्वच्छा ४१५ वर्षावय -- अपायन वर्षाच बपुद बर्राच कच्चर, ग्रंदा दूपित पार मतबुक्त मिन मची महीन। ४१५- व. पवित्रता--पनिवादी, पावनवा पुदना सफाई स्वच्छना ।

विद्येष--- पवित्र' के अस्य पर्वायों में जी

बाबस्यकतानुसार 'ता' 'पन' 'पना' आदि

**4** 4

बोपी अइराना ।

मिय्या मुदा।

पन चत्वता ।

सत्यवादी ।

मुठाई, मिध्यास्त्र ।

¥ ८ झुडापन --- नसस्यता

थीर्थ पृष्, बटाक बड़रा बड़वार स्वर

नरा महुत नहां बीज भारी भीन घी<del>न</del> काय मह बहुत महा महान करा वर वर्ष विकट, विस् विराट, विलीवें किस्तूश बृक्ष्ण, साक्ष् अरेट्ड, पुरीर्व विम् । ४२६ क्रोबा--अस्य एग्रीस क्य केला कोताह, कुल कुत्र शक्ता मन्द्रीया मुक्का स्ट⊭कुत्त्रम द्वस्य इत्स्य ≀दे भीष' । ४२७ अङ्गानन-सनस्पता नुष्ठा गीर्नेता पृत्रुवा बङ्ग्यन आरोपन मीमवा महतवा महता महानवा बरता वर्षता विकटता विराटवा क्रियोजेता क्रियुवर्धा कृत्या सेच्ह्या मुदीनेता। निकोस-दे क्रीटापन नीचता । ४९८ छोडापन-बरनता सीताही शुक्रया कुटाई, कोटाई, नम्हापन संपुता सावर सुक्रमता हरूब १६ 'शीवता' 'बाबमता' ४२९. सम्म-अलंतहीत ऐसप्रैप ओका क्यीना क्या पटिमा विकोश योश तुम्ब तुम्बातिम्ब, वा चीव निहप्ट निम्न मीचनामी नीचा-धन पीम हीत। है 'बेहरडर्ट निहिट 'बदमार्ग' नीच'। विक्रीम-के 'शंश्वतदार' 'मरास्त्री' बड़ा" 'मालनीय' 'मरोसनीय' । ४३ अधनता<del>-व</del>र्णमपन अभनाई. बोधापन कमीनापन सुप्रता महिला है विक्रोत्तपम क्रीटाई, तुम्बता निश्चना निम्नता बोचना, संबना होबता ।

साविमी । ४२१ इ अनावक्यक-अनुवाहा अन-निवार्य अन्येक्षित जनवां क्रिया निकम्मा निरर्वक, निष्प्रयोजन अजूक नेकायदा वीही रही व्यर्वे। ४२१ 🗜 नामस्यकता-जनिवार्यता मपेशा परव ककरत हावत । ४२१ ६८ वेकार--काली निकम्मा निठलका निठमम्, बेकाम बेरोक्कार, ने ऐसी । ४ए१ इन बाकार--शामकाबी कामी कार्यन्यस्य भाषाकी बहुवंची वाधेश माद् वादेषी । ४२२ **समान-अ**नुक्य जनुतार, अनुहरिया अनुहार, अनेव अनेय अभेव ६व उनमान एकरेन एकछो दक्तकार, जैसा तरमुक्ष्य संयोकार, **ठा**प तथा तुम्य शुक्त नाहे, नाहिन निम पटतर, प्रतिम बराबर, मानिब निस्त धुभाषिक रूप क्पी संस्था सहस्र क्षम समक्त सरिय सपैदा स्वर्गसा। ४२६ श्रवमान--श्रद्धक बतुल जनग्-कर सप्रदिम कर्तन सन्धं वसम मत्त्राम सामगाय साधानी बेतुका बेमेल । ४२४ समामता—अनुकपता अभेवता एक्ना एकस्पता तक्ष्मुरूपता तहुपता गुन्पना चरावरी मृक्षाफिएत क्षमता भगानना शरवरि, गवर्णता साबुस्य कामन्त्रस्य साध्य हमपूरी ।

# 265

४२१ वा⊾

मनिवार्ग भवस्थित मानव्यकीय जाकरी

दे "तीचता" । विकोम—दे 'वजापन' ।

TY:

भी सम्बा---रित्य बीर्य बीर्वकाय पीह, प्रसंव स्वंव संबा समझर, समहर,

र्णता कामा सुरीर्थः। ४१२ संबोतरा--ग्रांबीक संबादकृता

सम्बद्धकृतः १९३ समाई—प्रसंबद्धाः संबद्धाः संबद्धाः

१३५ चौड़ाई—वर्ड वक्सापन चौड़ान चौडायन कैबाव विस्तार।

४१६ नामा चार्च नृटा छोटा दुवर्या विगना दूसका दुसकी वेगना नटक पोरना बीना सेंदरा कासन ऋस्य।

रेर्डिक बीना-बहुत गाटा वामन बावन वावनांगळ :

दे 'छोटा' 'जवम' ।

४४ खण्च- जाराय छे बान करनेवाका

नार्थ केंचा कर्ष कर्म पूर्य गानन

पूर्मी वहा बराक बर्बंद, ब्रसंद

नहान, मध्येय घेष्ठ, वर, वर्गा दे वहां। ४४१ भीचता- अध्यक्ता अध्याहि

करहे भीवतः-अधवना अधवाहि बीडाई, बीडापन वसीनायत शूरणा पीरपन सोटाई, छिडोरपन छिडोरा-पेन गुष्णता निष्टयता निम्नता नीचवाई, बदबाती भवता हीनदा। दे 'छोटापन'। १८३ अ<del>स्तरा - सार्थना उर्देशाई समार्</del>

४४२ खळ्ळाला आर्थेता ऊँगाई बड़ाई, आहामता अहिया थेप्टता । दे बड़ा-यदा ।

स्ट., सर्वरता संपत्तरी स्कूर्व हुइ सड़ी। इंदे पुल्त---वक्षमण बहियल बनुष्ण बपाहित बद्रिय बन्नम सनस्य सन्तर्दी स्ट्रिय बानन्मी बानसी आवत्रती नामणी, नामिल दीमा सीमा सुद शोस मंद रेफ नद्व

हरामधीर । ४४६. मुम्ही—अश्चम बनसरना बन् स्नाह कारम आस्त्रम बात्रम बोन बहिनी जुंब डीम डिन्सना दौनार्ट

#YeY	६८ सभार
विमूपित विमंडित सवा सणा-सवा	मोद-गोराह, गौर, गौरांग भवस साछ।
स्वा-वया ।	४८१ काके मुँह वाला-करमुवा कर
४७४ सुझोमित—दिव्य विमूपित वि	मुही करिकामुही कलमुद्धी।
मंदित घोमित सुद्योगनः।	४८२ काल मृह वाला-वंदरमुद्दी रा
४७५ अ <b>च्छा न</b> निय उत्तम उत्तप्ट	
जमदा सम्या ठीक विक्रिया ससा	४८३ एक मुसाइत शाबे-अनुस्मी बन्-
मिट्ट, दार्श्व क्षेय क्षेक सरस	हरिया अनुहार, एकस्य एकसा।
सर्वभेष्ठ, सर्वोत्तम ।	४८४ मं <del>बा—बस्</del> वाट श्रीरहा मंबी
४७६ दूरा-सरदुषी कत्, सराव	चौत्रशी मुख्या।
पंदा पुर्युचयुक्त पूर्वित बद, विगका	४८९- विसके सिर पर बाल व हो
वेठीक मकस्तु, रही । वे 'कुक्म' 'बस	भवमूंबा मूंबा मुक्का ।
मार्च 'वेदञ्बत'।	४८६ विकासका—मृद्धित पुंजीसका
४७७. बच्छाई—अच्छापन उत्तमता	चृटियाबाका चुटैयाबाछा चुटैस।
उत्तमस्य जल्ह्यं उत्कर्यता	४८७ वहायारी—बटावासा वटिक
उत्हृप्टता बम्दगी विद्यापन श्रेफता	सींटक्क सीटिकासः
दे 'संदरता'।	४८८ प्राप्तास्य उमेठवा ऍठवा८
विसोम—रै 'कुस्पवा' 'बुचाई'।	एँक्नवार, दुवित कृटिक वृत्रयना
४७८- मंपलपरवानंदकर, वानदकारी	चुनावदार, चक्करदार, <del>अस्</del> वेदार ।
क्रम्यागकाचे कस्याणी संवसकाचे	४८९० वही वृंछ वाला—मुख्यर, मुर्कन ।
पूत्र सुप्रकर, सुतकारी सुप्रप्रद ।	४९ वही याही बाला
४७९. मॅयल मानद, बन्याण कुलक	यस ।
कुर्यसभीम कुरासका कुरासमास कुरा	४९१ युनयमसुनैन सुनेत सुनी-
साई, कुपनात क्षेत्र सीर, वीरियत	चन ।
चैचरित्रत मन्द्र, मनाई, युन ।	४९२ छोटी सांस दाला—पुत्रा चॉन
४८ काव-मनंदन अपवर्ग	इस ।
संप्रदेश संस्थान दुरशहरू देश।	४९३ जिसकी कंत्री सांब होकंत्रा कैरा।
४८ झ. सावता-मनित नरिया	
क्षाता, कृष्यवर्ष कृष्यवर्गी, नीक	४९४ एकाताना—श्रेडकाताना क्षेत्रा मनाः,सर्वेदनानीः।
नीचा परतारम चरकी बातरा मेचक	४९% काला-एकबीया एकबवन एक

क्यों रापन स्वापन स्वापनमें नेंबराह - नेंब एटास ननेस ननोड़ा नायनुगृहि

४८ आ.योरा-अवशा विट्टा गेटूँबा वर्ष- अंगा-अव अपर

मौबर ।

कर्षे पान कानहा ।

अवरा

# X40 २ ९ व ५१६ नसङ्गीत अवृत्र, अनल जनमन दुवन होना पतुह्ता कट पाना कटना

मनेभी आवर, बौदरा चसुहीन भुन्दा नैत्रविहीत सूर, सूरकास।

४९७- संयापन-अन्ता ।

४९८ मोटा-बसस अगड़बत बहान सतनु, सतिकास कट्टा कुण्डा गठा येठीका मरराया युत्रपृष, गुस्रभूवना प्रेंबिक चाँगला ठाड़ा डियर, तबड़ा दुन्तिक तैसार यूका पृक्षांग वर्तिगड़

पींग बींगड़ घींपड़ा धीगरा बीठाक पट्ठा पाठा पाड़ा थीन पीचर, पुष्ट पोड़ पृबुक्षांग बसदाम् विख्य वसी मक्य भीम भीमकाय मोट, बांसक मुस्टेंडा कहचड़ा सहाबह्य साक संगीन संबन्धर संदा स्थूल स्थूलकाम ह्ट्रा-क्ट्रा हेक्ड़। हे 'दबीब'। ४९९- दुवसर-अरमक समेक समानत कमकीए, किएसिय इन्छ इन्तकाय रिधित रूपांच काम सीथ श्रीवकाम

पतीच पत्रका पातम्बर, शीर्थ हावेड्डाक हीतांप। दे 'सूदम' 'महील'। मोडाई—मतिकायता व्रथिकता वनकारम पुक्रांगवा पीमवा पीमरवा पुष्टवा प्रोक्षवा, पृष्ठांगवा - गीम कामठा मोटापक जुटाई, मोतलता मंदनुसदी स्वृतसा।

भीन भीता ठटरी ठठरी डॉनर, तनु, <del>दुम्बर, दुबरा दुवंक सत्त्रंव राधका</del>

धीषता शीवापत तन्ता शर्मायता दुवैतन्तर । ५ <del>२. तस्या-कश्व</del>तेर होता भूराना

हरूकना हरकमा। ५ ३ सूक्त--वर्ष, बनाक अस्य क्य इस बुष्तक तनु, बृटि योड़ा पतमा पातर, शारीक रंच रंचक सबकेश रकरण स्तीकः। वे 'दुवका' मिहीन'।

काग्रिर होना सिस काना मूच वाना

५ ४ क्यूल—मोटमोटा: दे मीटा 'स्वीब'। ५ ५ नद्मीन—कविर, वारीक सक्षप्तन क्षिजिस शीला मेंही।

५ ६ वर्षीत--गफ्र, इसदस प्राप्त मोटा । ५ ७ भना-विरक्त अविरक्ष पश्चित यक्रिय गढ़, युवाम वनिष्ठ, समन । ५८ विरस-कडीकडी पदिश्री छिनपुट, **छिटफुट, बहुतिहाँ** पात्तर,

परक-करक, फॉफर, विरस बीरर, बीक्ट । ५ ९ मनस्य — सर्विरकता समनवा समनाई। **५१ विरक्ता—वस्पता प्रेयराई**.

पनापन

बीरस्पन । ५११ हल्का--अगुष, नियव सुबुध हुदस

हबभा इसका हलुक इसका इस्तुक। ५१२ भारी--मगीद, गॅम्बिसह शक् यर बौस बोलक बोलिल, मीम वजनदार, वजनी स्कूछ। ५१६ हरूकारन—संपरता सपुता

मुनुराई, इत्तार्थ इत्तर्भ इत्रराई, हतवापन इनकई।

च ५१४ ११	<b>स</b> ५४२
५१४ मारियम-पंगीरता बढ्या गरिया पक्याई, पद्माई, पद्माई, प्रदर्शाई, पुरस्त पीरन नोम क्या रह्न्छा। ५१५ नई काल वाला-पीर्यकर्ण संब-कर्ण वृहरू ने। ५१६ नई काल वाला-पीर्यकर्ण संब-कर्ण वृहरू ने। ५१६ नईहरा-पद्मात उन्ने ज्या एक जरू वृहरू ने। ५१६ नहरू नाम प्रदर्श कर्ण ज्या एक जरू वृहरू ने। ५१६ नहरू नाम प्रदर्श कर्ण ज्या एक जरू वृहरू नाम प्रदर्श करा नाम प्रदेश नाम प्यो नाम प्रदेश नाम प्रद	हो—दुन्दा दूंबा गूंठ हूंट टंडा मूंब मुह मुझा होच हमपहूर। १२१. क्षेती गुवा नामा—कुम. हूंड. गूंठा बूंठा। १३ सिसवा क्ष्यह निक्या हो— हुम्बा हुम्यी कुमा हुम्या हुम्यो हुम्या वर्ष क्षा हुम्यो हुम्या हुम
भेदे. जितरे यांने का बीत दूरा ही— पीड़ा साड़। भेदेक बीपेयलु—सामानुबाहु प्रतास बाहु महाबाहु। भेदें जितका हाथ करा हुना या पूथा	वनन अनगः। ५४१ त्रबच्छवयनियां सत्रविन निर्मत पत्रिम प्राप्त पूर गुद्ध साह्र, सुवग त्रवण्टी। ५४२ येतर

गंदा गलीब गडील विरक्षीम श्रीकर नाराक पांचुक मस्त्रुक्त मिक्न मडीन । ५४३ महिल- वपवित्र बपावन बपु नीत अपूर्व स्टेस्स ब्रह्मीय बहुव

at Alb

१६ व सास्त्रस्य चाराच्या नयुष्य नयुष्य शीरा सपूर्व संसेच्या सध्युष्य नयुष्य सरसच्या कसूपी सुचीक गंकीन पंदका गंदा पकीरा चिरसा । मधीन । वे मिसा ।

५४४ स्वच्छता— निर्धनता पवित्रता पाक्तता पूरता सद्धाई, पुण्याई, सुन्दापन । ५४५ पैकारन— व्यवित्रता व्यक्षता वर्षाद रुक्षय क्ल्यूपता श्वदी ग्रेयपन सम्राद स्वर्णकत्ता शक्ष्याई, ग्राक्रिय

मकीनता। ५४६, मैल---मेल संबंधी। है भीका पन'।

५४% स्वच्छ करना—कैपारना खेंचा रेना चमकाना कोना परिचना सौजना सम्राहेकरना साफ्रकरणा।

५४८ गाँव करना--- बहुद्ध करना क्रांच करना भागक करना घरमध्य करना भागक करना गैठा करना। ५४९ बंधीरना---वैशोरना विज्ञीयना वावर करना निमञ्जना सबना बहु

वाबर करना निमन्त्रमा भवना खह रामा हुककोरना हिकाना हिकीरना। है 'पंदाकरना'। ५५ कोना-कथारना धोना थोनना

अवारता पद्धारमा प्रसासन करमा प्रसा-तित करना प्रीचना शास्त्र करना शाबुन कपाना ।

कपाता। १५१ पुनातः— मुख्याना मुख्या मोमाना।

साइ बुहार करना साह् देना साह् बुहाक देना सारमा आप्ता-बुहारना पिंडना चटकारका बटोरना बहारमा स्वहारमा स्ववना सकाई करना साव स्वरमा स्ववक स्थान

५५२ सम्बद्धा---ऐंडना

बुहारमा रवहरा छठाई करना छछ करना स्वष्ट करना । ५९३ साहन—पूरना यम्छा हारहू, हारल टुक्म वेवमें बुहारी । ५९४ पछीरमा—कावना पछोड़ना पिछोरमा घटकना छाठ करना । ५९५ विवासी—विवासी निमासी वधेरी बडेक नाशिया सांहिया नासी । ५९६ खंबकी—बांग्रस्ट करन वर्गका

वस्य वन्त्रं वस्य।
५५७ वनवासी—अंगडी वायक वन्
वंदी वनचर, ब्रह्मारी वर्नेका वन्
वंदी वनचर, बर्ज्यारी वनकारी वर्नेका विश्वनिक्तित्वारी वनकारी वर्नेका विश्वनिक्तित्वारी।

पुत्र प्रवारण--वन्तरण प्रवारणना प्रेगारी वेहलीयन वेन्स्ट्री मुक्ता। पुरवाली--वयरणां नापरिक पुरवाली पीर. यव मनन पहरो। पुत्र नपरवाली--नपरका नपरवाली नगरी नागरिक पुरवाली छहरी छह

नगरी नागरिक पुरवानी सहरी रह राजी। ५६३ नागरिकता---नगरार राहराजी पन । ५६४ रहरा---असम अगस्य अनाम

वपाह, अतलस्पर्ती, बचाई, बॉडा औंडा

W 444 787 **444** भीती वर्ष, संगीर, बम्हीर, शहन गहरा ळेंचलाक अनर, कनड उपड-सावड निम्न गहिर, प्रवाह । सावड् भावरावर, बीहरू २६४ । ५६५ क्रिक्स-- उत्तरीय उतार, चयला ५७६- यह स्थान वर्श कोई व का सके— मोगरा क्रिकत। वनम अवस्तीय अवस्य जबपट. ५६६. यहराय<del>म - ववाहता वं</del>गीरता जीवट बहुन पूर्वम दुर्वम्य। महराहै, महरायम गहराव । ५७६ अ वहस्थल धर्माच्य का सर्वे ५६७: क्रिक्सरपर--- उपकापन । ---गम शमगीय नम्य सुमम। ५६८ उन्नान-अन्त चेंत्रहर चंद्रहर ५७७ समसम-चिक्ता चिक्दम दवाह, नष्ट बर्बाय, बीरान विनय्ट, चौरस कराकर, सपाट सुचितक्तम हुम-**बीरान सुनसान सुका**। बार। ५६९ हरा-मरा--- अच्छा जुन्तरंग जुन्न-५७८ समतक करना-करीयना करी-हाल गमबार, पूररीभक्त क्ला प्रका बना करोना क्रुरेबना क्रुरेसना खरी भन्धायन भनोरम मनोरस लड्डाडाता चना भूरचना छोटना छोछना छोछना वर्चय करना हमबार करना धन करना सरसम्ब । ५७ प्रजना-जनका साफ करना । **चत्राङ् होता अल्थ् बोलमा मीवड**़ ५७९: विकास-विकास विकास वेरेक्ना पूक उड़ना चूक में गिकना पिच्छिक समृण मुकायम सरकार्डे मप्ड होना भीरान होना नष्ट-प्राप्ट धनेड, धस्त्रेह स्मिग्य । होना वर्षाद होना विस्टना विनध्ट ९८ भ्राभूता असगतम पर्केट कर्बस होता विनास होता सिवार बोक्तना । अरबच धुरवच भुरदुच वरेच ५७१ सँकरा कमधैल कछ संव नावरावर, नाहमवार। पतना पातर, संबट, संबीचं संबूध ५८१ विकाहर-विकाध विकासका संक्रुचित संरेत संकर। मध्यता भूतायमियत स्निग्वता। ५७२ संकोच--तंत्री पतराई, शंकरापन ५८२ <del>क्रब्रायन पर्</del>यता **करम**य सिष्ट्रहाय सकीर्यता । पन सुरत्नुराह्य मुरबरापन नाह्यवाचे। ५७३ जिल्लूत-आयत कुछाबा जुध ५८६ मंडाकार-- शहकाय, अंडाप्ट्रत भारामी बैजापी शिवाकाद, विवर्तिका फ्रांक दीरप दीर्प प्राक्रीय फैलाव संबाचीका विशास विस्तारमुख्य धार । विस्तीर्थं मुविस्तृतः। ५८४ यो<del>ळ पूं</del>डलावार, योका योका-५७४ पिस्तार—अब चीडाई चीडान भार, मंडलाशार, बर्तुल बर्तुलाशार, बृत्त भौड़ापन प्रमार फैमान संबाध सवास प्रताकार । विन्दीचेता संवान-वीहान।

५७५ क्रेबा-नीबा-निमन

५८५- जोता[--गोलम्बर,

दायरा महस्र बृत्ताशास्ता।

पीलावन

५८६ तिक्रोतः---तिकोन तिकोलिया रिनकोता विकोश १ ५८७. चौकोर----चतकोर. चतकौषिक पीकोमा पीचंदा पीच्या पीच्या। ५८८ प्रति-जनात सारव जानात कृष कीय कीयका भूति नाट निनाब, निर्मोप रव राव शिनाव निर्माप, बोसी

# 428

FET I ५८९- शोर---ऐस करकर कर्रा कलकब कतरम अधिकार अधिकार कोताहरू नुक पपाडा विकास्ट, विस्कर्मी विस्काहर, देवा चौर, चोका **री**का घोरपुक हंगामा इध्विका इल्का इस्कड इस्ता होइस्ता।

५९ विक्ताना—असराता सम्बद्धाता

कर्ण करना कोबाइस करना गुक्रगपाड़ा

नास्य बाणी वरचा शम्ब, स्वप्न सवद,

करता विविधाना विस्काना वीकना श्रीवाना नरियाना आप बाप करना धीर करना विविधाना होना धोर मचाना इल्ला करता इस्ला मचाना। ५९१ सम्बारमा—उपादशा चतीती देना वीकेन्य करना राख देना हकरना बंकरना बंकारना बंकारना

हॉक्क्ना । ५९२ जिल्लाहर--- विस्वरों श्रीक चीत्वाद हो इत्या । दे 'बीर'।

५९३ सक्कार--भूगीती पैक्रेंग हंकार, होंकड़ना । ५९४ चीलना--चित्राहता

विकारता विग्वारता विस्काता विस्ति रना भीत्वार करना।

विक्कार । ५९%, जियासना--किकियाना चिकरमा विकारमा विश्वाहमा

भीकरा रेंक्सा। ५९७. बहाइ---गरम वर्जन डाइ मान्। ५९८ बहाइना---गवृगकामा वर्जना वर्जन करना गाजना वहवडाना विकासना दहार मारता कारता ।

५९९, पुकार-आवाज जावाहत गोहार, टेर. बसाहट, रट. हांक र ६ ० पुकारला—नामान बाह्यान करना योद्धरामा जिल्ला कर कड़ना टेरना श्रीक बीक करना बीकना बुकाना स्टना होक भारता होक क्याना । ६ १ भूमना—कर्मकृहर में रखना

कर्ज बोचर करता कान देता प्रवान देना श्रवण करना । ६ २ जनारी-शोपना डिंबोरा क्रमी।

६ ३ स्<del>तरथ अक्</del>यक स्रवाक ठक. तिस्तरक शीरक भीषक्या दाति सन सम्र श्तरम् तक्कावका। ६ ४ सम्र हो जल्ला<del>-व</del>रुवराना

बबाक होना, जारफर्यचिका होना बारवर्षे में पड़ना कर्ज्य विमुद्द होना काठ बार जाना किक्संव्यविमुद्द होना चनित होना ठक होना सारजून में पहना मकुवाना भुकाना सम होना स्वंभित होना स्थपित होना इसका वस्ताहोता। हे 'चचराना'। ६ ५. स्तब्यता—निस्तब्यता नीरकता पांति समादा ।

६०६. स्त्रेनित-स्वनाक उद्धात पश्चित ६१६ वर्णन करना---कथन करना Σक. वंशित निश्चस कबना कहुना, जिल खोजना जिल देना निस्तम्म भीषक शीवका शीवका वित्र रक्षनां वितित करता नक्सा भामित निस्मित सप्त । कीशना नक्या देना निवेदन करना ६०७. जुप्पा-अनवोक्रता अधारी बत्तपना वत्तकाना बदान भएना बयान देना बरनमा बोधना रॅयना रॅबिन

78K

जनला कमबोक्ता सुन्धा बन्धा तुष्नीक तूष्मीमृत नीरव मौनयुक्त मीनवरी मीनी। ६०८ बामोध-वशक बगोध पूर

411

भूपका भूपचाप तुल्ली सील । ६ ९. कामोघी---अवाकता चूणी तूच्यी

भीरवदा मीन । ६१ बाम्मी-कहता बहुवा वपोड़ी मप्पी नक्की बसक्क बातुनी बोसता मापबपट्ट, बस्ता बाकबतुर, बाबुपट्ट,

बागीय इक्निवाला । वे 'वक्रवादी'। ६११ जनवार---अक्टब क्वक्च क्रिय किंच निव्यक्तिय, नप, नपड़चीय गासनुक्त चैंगें प्रकार बक्दक, बक्दांश ।

दै 'विवाद'। ६१९ वदवारी--वक्रवासी बाषाछ। दे 'दाम्मी'।

६१६ बंदना-वंदवंड करना अवस्क करना कटपटींग शहना अस्प्रता प्रसाप करना बकाक करना बंदवक करना बदबाद करना बहबह करना बहबहाना वर्राना । ६१४ कवन--उतित तवती तवा बहुत

महत्त्वतं महताउत चहुनाव्य महा

बद्दारत प्रशान मात्र नाती क्ष्पन धान्द,

६१५. वर्षित-अक्त वहा हवा, वर्षित ।

सबर ।

६२३ बात बीत करना-महाप करना

करना बोलमा खंतायच खंताय करना

शालीकाप करना ।

वय यथा।

वाती साँग-कृत। थना सपते हैं।

करना विवरण देशा समझामा।

काम नजरीय नर्जाः

६१७. वर्षनीय-क्य क्यनीय क्या

६१८ वर्षनीय-अदश अक्यनीय

६१९- जपर्यक्त--उपरोक्त पुर्वोक्त ।

६२ निम्नो<del>गतः</del>-निम्नकपितः।

वाची वार्ता है 'वचवाह'।

अकच्य जरुह, सक्द्रवा जनिवर्षेतीय।

बचन बाबा बातबीत बार्ती नीसी

६२२ वालना (प्रथ मा बात)—स्यास

करना निवाहना निर्वाह करना पासन

करना प्रतिपातन करना एका करना।

बतराना बराबाना बतियाना बारा

६२४ क्षामस्यूती---चनपुत्तकी पाना-

वानी वानापुषकी वानार्ट्डी वाना-विरोप---'करमा' ओइकर इसकी किनाएँ ६२५ जनावनामाय—अंड-बंड जनसम न्तरम वार्य-वार्य अट-पटीय नपमा

4 4 7 4

at Exp २१५

६२६. यपना---वपहणीय करना यप मारना पप श्लोकना गप्प मारमा गप्प होदना बींय मारना या होकना प्रसाप

च ६२६

६२७. तकिया क्षत्राम- धकुन तकिया ससुन दक्तिया मुखन दक्तिया।

करना बक्बाद करना।

**९२८ हॅसी—विह**सन हँसन हैंसनि हेंचाई, हेंसाय इति हीवी ह हाच हास्य।

६२९: बोर की हंसी-अहहास कहकहा वनका । **इॅतना**—कड्कड्राना कत्रक्श

मारता शङ्कद्वा कयाना खिक्यिकाना ठठाकर हुँसना ठट्ठा गारना उद्याका मारता बत्तीसी विकाश निर्हेसना हार करना।

६३१ मुसकराङ्ग्य—मुसकानि कतिया मुसक्यान मुसकुराहट, मुसकान मुस्कान मुस्स्यान मुस्की समिवि। ६३२ मुसकराला--विदुराना विहेसना

मुक्षकाना मुसकुराना मुख्यवाना मुल्की बेना सस्पित होना हैसना। ६३३ नपुर भूरकान चाला--नावहासी

मुहास मुहासी । ६३४ जिससे कात करना प्रशित हो-संभाप्य ।

६६५- चंनावी-सकारी बाकारी बोकने मामा भरता भागी नक्षताया ।

वे बाग्मी ।

६३६ प्रियमायी-प्रियमाधी समुरमायी मिप्टमापी ।

६३७. व्याप्य-- मालेप नामय अवाजा मानाव कुनेकी चुटकी दाना दागावनी निरह, बोकाठीकी बोकीठोकी स्पंत मौठी चुटकी।

६६८ व्यंप्य करना---नवाज कसना वानावा कसना वानावनी करना ताना मारना निर्देष्ट वोक्रमा बोकी बोलना बोली ठोली कहना स्थम कसना स्थंम कहना ।

६३९- फाकार-करी सोटी औट, औट बपट ताइन दाइना फिटकार। ६४ फरकारना—सोटी सप्ते सुनाना भुक्काना वपटमा बाँटमा तर्बना शाहना दपटमा वपेटमा । दे 'विवकारमा' ।

६४१ गाली-पंदी जनान जपसम्ब याचे गाणी-गणीज नामी-गुप्ता दु र्वपन वदस्यानः। ६४२ शामी देना--नपरान्य कहता वंदी बदान निकाकना भरियाना बदान

वियादना वदक्षवान कहना। ६४३ विकार--- इसद्व, समझा श्रमण टंटा तकसर, सर, हुनमत् । दे बक्तवाद'। ६४४ आहट—नाषात पान वसका

६४५ लंकार--पंचार, सनकार, सन-**बनाहट भनामन समाहट।** ६४६ कोयल की जोली--- मूह कुछ

कुकना । ६४७. बूँबमा—शूँवत करता कुइकना हुडुकना कूकमा कूत्रमा गाता चड्

क्या वहवहाता पीकता संराव भएता।

म ६४८ ११	s west
६४८ <del>वृंद-कु</del> नन कुतुःहुद्दक कुरू कुछ	६५९, करने वाला कर्मचारी कर्मठ,
भद्दक संरात ।	कॉमप्ठ, कर्मी कामकाबी कार्यकर्ता।
भक्क संतम ।  ६४९. बहुकना—उड़ना किकिसमान ।  बिक उठना जिकिबिधाना कुछ होना  करुनना गहुकहाना पुक्कुसाना प्रवक्त  होना सीनिय होना, हुत होना हुएँछ  होना ।  ६५ बाद—अपन बायु बीज हुना पुवा  स्थ बायु बीजना सीज करना पार  छीजना हुना योकना हुना छीजना ।  ६५२ बाद—अर्थन करन्छ करनी  करम कर्यम कर्म काज बार्ज कर्मा  हुन हुरम मंत्रा रोजनार, रोजी ।  ६५६ कारस—वर्यन करन्छ करनी  करम कर्यम कर्म काज बारत कर्मा  हुन हुनम सेना रोजनार, रोजी ।  ६५६ कारस—वर्यन करन्छ करनी  करम कर्यम कर्म काज वारत कर्मा  हुन हुनम सेना रोजनार, रोजी ।  ६५६ कारस—वर्यन कर्म हुन निमित्त  प्रतय बजह सक्त हुन ।  ६५४ करन—अर्याम वेना कर कालना  कर हुना कर केमा निकटमा पुरुगामा  संपाहमा हुना हुन हुना पुरुगामा  संपाहमा हुना हुन हुना पुरुगामा  हुना बनना करना सुरुगामा  हुना बनना करना सुरुगामा  हुना सनना करना सुरुगा नामाय  हुना सनना हुना सुरुगा माया	क्रांग्य, कर्गी कामकावी वार्यकर्या ।  क्ष कामकोर—स्वर्यास्य वक्यां व्यवस्थां वालगी कृत, निकम्या निकामी निकल्य केवामी ।  क्ष कर्मस्य—कर्याय कर्म वह्य ।  क्ष कर्मस्य—कर्याय कर्म वह्य ।  क्ष कर्मस्य—कर्याय कर्म वह्य ।  क्ष कर्मस्य—कर्याय करना वालग्र करना करना करना करना करना वर्याय करना वर्याय वर्षाय करना वर्याय वर्षाय करना वर्याय वर्षाय करना वर्षाय
६५६ सिरामा (शाम आदि)मण्डा	अनवानी अध्यक्ता पेशवार्ट स्वापन ।
रुपना, बन पड़ना होना बारम होना हो	६६९, अनयानी करना-वाने वहरर
सरना।	क्षेत्र इंग्लंडवाच करना पेशवार्ट करना
६५७. मुक्टवाभान सरक सायांत्व	रवायत करना।
भीवा।	६७ टागमारमकाना नित्तवाया
६५८. पुष्टरवनम कडिन क्लिप्ट,	दियाना दूर करना अगाना गरकाना
बढ बुभाव्य येवीचा मुस्तिक विनट,	हराना ।
विकसन।	६७१ अगास होनाअगुजाना अनु

काता अपूधरता अधवर होना जागे बढ़ना स्पर्शत करमा बढ़िना तरक्की करमा पहुंच करमा पहुस्त कडमी करमा बढ़ना।

६७२ बीड्ना----यतिमान होना बीड्ना बीड्नमारना बीड्नमाना बीरना प्रवस्था वाषमा नी दो स्वाट्ड होना नावना पटाना प्रवादित होना सबना भवना मादमा माजना वेगवान होना खवैग बनना।

१७६ वीड्र—दवर, बीडाहर भगाई, रेवः
१७४ बीड्रामा---बादेरना खदेरना खदेरना स्टब्स्मा वीराना पीक्रियांना पिक्रा करला बद्दलाना भगाना संखरमा ।

६७५ लीटना- पून जाना उक्टना जूमना जूम पड़ना परावर्तन करना परुटना किना बहुरना मुझ्ना वापस काना वापिस काना ।

भागा भागा भागा स्थाप वहना काजूर होना प्रवक्ता, विवक्ता विवक्ता प्रमुक्ता भेरत होना भागा टरक्ता टक्ता टनक्ता दिवना भी ये व्याद होना, विचकता विक्रमना भागा आजा मावना रण्डक्तर होना रेंगना सरक्ता, हेटना।

६७७ झाम—कम वस पनरा गीव काल। ६७८ बास—बद्दुप्र चेवल चलगा-किरता चनायबान प्रोयक्ष ।

६८ गति--क्येक्टॅरी कंपन कॉपना, बाह बरपराहट, इरकत हिलना। ६८१ बोक्यी--उस्तक्त्व उद्यान कुक्षांत्र कुबीस कुबस्तर स्टांग सार।

कुर्वाण कुष्यित सूर्यादे ध्यमीन गर्ता । ६८२ जाकामा—ज्यम्माना मेणाना गर्देशना क्षेत्राना । ६८१ जाकामा—जुद्दना कुष्यान सेमा ज्ञाक मारागा सूदना क्षेत्रमा । स्रोधना प्रतिका स्वयना क्षांचना ।

नांचना फरिना फुरक्ता स्रोपना ।
६८४ वयकमा—उक्ता उसकना
उठना तमकृता उपन्ता कर्र सामा
पूरना पहना तमना ।
६ उक्तमा ।
६८५ व्यक्ता —स्विक्तीता इसर उत्तर

होना राष्ट्रक सूद करना चमकता छट कता छिटकता चिरकता छड़कता करकता छुरकता।

६८७ पूनना—बटन पुनस्क पुनाई, पर्मटन धर्मन ग्राम्य मटरगस्त्री माना श्रम्या मझर १

६८८. पूमका-वटना, जटन करना पूमना किरना चलना किरना पर्मस बरना मेंना करमना समय करना समना पात्र करना सक्रद करना। ६८९. बहुरना-वचित्रम होना, जमना

दिवना रिक्ता, वेख दानना दख देना न वाना न जाता, निवसना वसता रहना रचना स्विर होना, होना ।

७१४ **सकोर--मां**दोक्टन क्यून यदि मक्दौर बोधना हरकता हिकाई विकोर । १५ झकोरना—केंपाता कॅपित करना

K #54

चलाना श्रहाना सोरना बुबाना हरकव करना डिमाना डिमोडना डिमोरना । **७१६. सुनमा--कॅ**पिल होना कॉपना श्रोके बाना डोबना छहराना हिबना। **७१७. हॉक्स--श**ने बढ़ाना चळाना

बद्धाना देवाना । **७१८. इपक्का--**विरश चना टपटप विरता निचुरता रसना।

**७१% हपकाना---निराना जुलाना टपका** देशा दुपकासा निकोकना रसामा।

७२ बोसना (नाव यात्री आवि)---दावना घरना सार शक्तना कारना । ७२ व. बीस-भार गतन नोला । ७२१ उतारमा—प्रक्रियाना जाली करना

नीचे काना बीझ उतारमा इसका करना । ७२२ नवर-मांच होड दिग्टि दिसिट दिस्टि रीट शैवा दुन्टि, नवरि, नवारा

नियह निवाह । ७२३ देखना---जनलोजना अवसीयन भरना पुरता चित्रवता चिताना सोवता भोडना लोरना ठवना विश्वयना हर्गन करना वृष्टिमन करना कृष्टिकोक्द करना कृष्टि केरना अञ्चला नवराना निरमता निरीधाण परमा निहारना मैलना प्रत्यक्ष करना विश्लो-

¥२४ रिफाई देना----- होना, रिलना

क्या, रसमा देखा ।

बुध्टियतहोना बुध्टिगोचरहोना सौकना। ७३५ विकास--वितवाना जैनवाना बक्षत कराना दिवस्थाना दिवस्थाना दिश्रतामा वृष्टियोचर कराना देखराना वेक्षरावना वेक्षकाना वेक्षामा वेक्षाममा निरीक्षण कराना परीक्षा कराना सकाना हेराना । ७२६- एकटक वैक्रमा—वनिमेप वैक्रमा अपस्य देखना टक्टकाना टक्टकी

दिकार पदना विसना बीचना बीचना

म ७३६

वर्षिता । ७२७- इरबर्धी--वप्रधीपी परिचानदर्धी कृत्वेस दूरवर्षक । ७२८ हरवद्मिता-वयगीविता हरदेवी परिचाम इप्टि।

७२९ दस्य--विष शमाधा नज्जारा चीन । ७३ अवृत्य-अंतर्जान अयोजाद अहीठ बहुप्ट, बलस स्थाप रूप विद्यात । ७३१ नुमाइच---वर्धनी नुमायय ।

७३२ हेकारेकी---रिपारिकी रिक्रस्कि हेरामास सारात्सार । ७३३ डर्रान-अवसोपन दिव्य मौदः शोधी वर्ष देखना देखा-देखी बॉट मुकाराठ सासास्तार। ७३४ वर्धक-नयासबीत वर्गी दिसहार

रिगैया दूध देलनेवाला देखनहारा देसबैपा ४०टा प्रदर्शन भोना समा। **७३५ रिलाया हुमा--दर्यित प्रदर्शित । ७३६ रियास—स्टारी** रियोगा हैगाऊ, बत्तवनाऊ, बनावटी। ७३७. विस्तर्धाः—विश्वस्तर्धः ।
७३८. पुनना—कींचाना खगना यहना
पूरता पुरता क्षेत्रना सैंदना वैठना
विचना मीटर जाना ।
७३९. पुण्यस्य—कींचना कींचना कींचना
यहाना गुण्यस्य पुणामा कींचना जीनमा
कुछेनमा पुरत्यस्य पुणामा कींचना जीनमा

Ŗ₽

७४१ मुसना<del>ः बं</del>दर्गत करना अंदर

भैसाना भसाना पार करका किस करका

बींबना बेबना बेबना बॉकना रोध

W 434

करना वृद्धाना चुढेवना चुमाना कोइना टेक्स्मा चाडिक करना बेदाना नाना गानेकमा पेटना पैदाना नाना गानेकमा पेटना पैदाना प्रतिष्ट कराना अवेच कराना नीवर चुढेवना हकाना। वे 'जुमाना'। ४४१ प्रतिष्ट—चंतरस्य बुद्धा वाडिक भेटा पैठा पैठा हुना इस्ता। ४४४ प्रतिष्ट—चंतरस्य बुद्धा वाडिक भेटा पैठा पैठा हुना इस्ता। ४४४ प्रतिष्ट—चंतरस्य बुद्धा वाडिक भेटा पैठा पैठा हुना इस्ता। ४४४ पमाना—चूर वाना वीइना परामा प्रवादन करना नाना सावना हुरमा। प्रपादन स्पाना स्वोद्धा सर्वोद्धा

**७४६ निकलना अस**ग होता कहता

निर्पेत होना विष्काधित होना वहियत

मनावा हटावा। **७४९, वडमा—उठमा इतिय्व हो**ना ब्रत्वान करना उन्नति करना खड़ा होना ठका होना अच्छ होनाः वैद्या-भारत प्रदेश करता. बासन चमाना वासन केना छपविष्ठ होला, उपनेचन करना ठचयेक रचना विराधना वैसना स्थान केना। ७५१ वक्ता-बाक्तांत होता उन बाता **डीक होना डीका पड़ना क्लांत होना** शिविकाना शिथिक होना सिहराना हारमा १ ७५२ भक्तका-अवसार स्वांति श्रेर, वकात वकाइट गाँवनी विविक्ता माति सिहरन हार । ७५३ क्या शतकात स्तांत सेरित

चक्तावर, डील चक्रामादा वकित

वक्तींद्वा पस्त परिभाव इस्त अस्त

पस्त विशिक्ष अभित समी मार्च

होना बासस्य करना सनीय होना

कमना सपकना संक्रित होना निर्मित

क्लच सिहराया हारा।

७५४ वस्तराला--- वरसारा

बाहर करना भयाना हटाना ।

७४८ विकासा—बसर किया काहा

निबंत निष्कारित बहिपंत बहिप्कर

W WYY

-होना प्रमत होना भंद होना सुरत होना सस्ती करना ।

७५५ औयनः—अससीना **ऑप**ना भौगाना अपकृता अपकी क्षेत्रा श्रीपता वंत्रित होना निहित होना पकक मारना

कटकना मुस्त पहना । ४५६. बंभाई---वशसी चमुआई, जुम्भाई, वस्य कस्याः

७५७, सपकी—श्रीकाई, क्रेंग क्रेंगर जॉप । **७५८ मॉर—श**सस रॅपाई, जीवाई सँपक्षी निंद निदास निविधा निशा मुद्धि ।

**५५९. निवित—**निहायमान अनुप्त तुप्त मुप्प ।

**७६ निहाल-**श्वनींदा केंग्या हुना भेरित निवास निवासका। ७६१ सीमा-जीव समना मरना कर्राट केमा निजा केमा निविध द्वाना नीच में होना नींड सेना चीवना

शयन करना सबस करना दोवना। रे 'विधान करना' ।

७६२ वेजवर छोना- वर्राध प्रतन सर्राटा भारता नर्राटा नेना।

**७६३ मुलाना---पौडाना धयन कराना** धौदानाः स्वामा ।

**५६४ आराम—राह्न विभाग विराम** शपन मृग् ।

**४६५: धाराच करना---श्रीम श्रारमा** देग्दना यदावट कृत वण्या शीद लेखा पींद्र राया पीत्रमा हैटना जीटना मोर बोट करना और बीट वरना रिराप ≷मा विधाध वरणा रायन करणा गुगराचा चूल्याता, छोला ।

७६६ स्वयन---साम स्वाम सूपना । ७६७ अधुभागा (तोते में बोकना)---अक्रमकाना अभूयाना वयाना वर्राता।

ৰ ৮৮৭

७६८ जागरण-नान जागत्ति जामरम जायरित जावति । ७६९- बायना---उठना बैतम्य होना चीकस होना चगना जागर्द होना भागना सबय होना सावधान होना । ७७ जपाना- पठाना उदबोधित

सबय करना सावधान करना । **७३१ सम्बद्धाना---सनाना सन्पद्धाना** श्चरमा मुपाना हिसना हिसना-इडना। ७७२ टेक-आह जामम मौट तकिया बहारा ।

करना चैतन्त्र करना जागर्त करना

७७३ टेक्नर--जड़ना आहना बाह कगता बाचय कैना और कमाना ठेक कमाना टेक सेना, हामना विक्या करना रमना मेक्स ६ ७७४ रीकना—अटराना अहराना अहुचन शासना अवराज करना अवरोधन करता अवरोधना चीत्रन चरना ८८

शना थामना बास्टना निषेप क्राना पैर परवना अस्तिरोध काना अस्तिवेध क्ष्मा बरकता मना क्षमा साना रीयना यद्ध करना अधना रोजना बारण वरना बाबा दालना स्वाधान कानना इटक्ना श्रव प्रश्रम् । **७३५ निवारण करना—जनग राजा** दूर गरना नियान्य करना अद्याना

**WW** २२२ # 44X वर्णना मना करना रोकता वर्णना सहार्ष, सहाय साथ सहारा साहान्य। ८७६. विष्य- अटकान जर्दना सर्वन शरम करना नारना हटाना । अवरोग ठहरान अन्त प्रतिकम बाना wet. रोकने वाला-वनरोवक अव-बाबकता विका एकाव दकावट. रोक रोमी नियेमक सामक विकासती रीवक रोक्प न्यायात । स्त्रीयकः । ७८७. सहस्यता देश---आये इकेकना ७७७. रोका हमा---अनदह अवरोधित वाने बढाना कंधा देता कंबा अगाना विवेच पांपित निविद्ध निवेधित बाधित वक्का देना बढाना बढावा देना मदर मना रुद्ध क्या रोका व्यक्ति वर्ज वैना साथ वेना सहायता करना हाय स्तंकित । सन्दाना । **४५८ रोक-मंद्रुश अवरोब वा**म ७८८ विम्न शासनः-वाकाना नवेंगा दबाव निषेध प्रतिबन्ध धर्मन मनाही डासना या स्थाना अवधेवना उद्दर मुमानियत स्कानट, रोकनाम स्तंधन । क्ष्यामा बांबना बास्त्रमा प्रविवन्त ७७% भेरता-भवरत कर केमा अवशेष क्षवाना पस्ता बन्द करना क्लानट केना बार्कात करना इसना डेंक्स श्राचना स्थाना स्टब्स रोक्सा संती बंधन में बास्ता रोक्ता सवाना। सगावा व्याचात काळना या रहना । **थ८ विरमा-**⊸नामृत होना घेर जाना ७८९ सङ्गाक्त-समी हाम प्रतिपासक क्षेत्रा जाना जैन जाना अंदन में होना भववनारः सद्वापः। बद्यता फेंस बाना फेंसना सगना। ७९ वायक--वयरोवरु सबरोधी **७८१ महक्ता-चटक चाना बहना** विशेषी व्यापाठी। बरहता उत्तरता विका टिक्ता ७९१ क्रियरा—अभक्त होना अप्रकासित ठहरमा फेंबना फेंग्रना बजना बजा रखना बोट में हैला बाद में भागा खना कमा समायकता व्यक्त बोट में बला गुफा इोना पुस होना चना । इन्ता रक्क धना स्वक बाना **७८२ मडकाना-- महकाना पुरक्ता सुक्ता हट जाता हटना ।** उक्तज्ञाना धेक्ता टिकाना ठहराना ७९२ क्रियाना - वॅबेरे में रतना बप्रकट बसाना संसाना स्कावट करमा मूख करना मौपित करना रोक्ना बारम करना। थीपमा, बुकामा सम्बामा मुकामा । ७८३ वीपना-- सम्राना उत्तराना ७९३ वायम करना (१)--मेंटियाना

धाणाना नटरवॉं कर बाना मीच

७९४ क्षायत करना (२)-सी देना

कर जाना हुजम करता।

गठिमाना नाँठ समाना नाँठ देना सबि

कवाना वंपन में बालना बालाना। ৬८४ ঘাত—ভদলাৰ **ঘঁ**ছি বঁৰৰ।

७८५ सहायता-भवद, शंध सहाद.

# CIY

छोड़ देना, भुटदाना भूत जाना देखाना । **७९५. टटोलना—ट**कडोना टकडोर**ना** टबटीनना टबनीहमा श्टीना श्टीरमा

म ७९५

इंड्रना तमाला । ७९६. धोजना-अनुसंपान क्रमा र्देश्ना क्रमायना पना सगाना धोष

करना देखा । ७९७. सौजवाना--गोज वराना बाना सहराबाना पता सगबाना योध करबाता हैरबाता । ७९८ हडना-अध्यक्त काना आह में रनमा और धरना और न करना मीता शीला काला पन्या पन्ता

**बॅ॰ बण्ला बीचना मृ**त्ता । दे 'किसना । ७९९, उपारमा---उपात्रमा उपार गणना बद्दादित करना गोलना बाहिर केरना नगर करना नया करना नम्न बन्सा बादा सोल्ला प्रसद बन्सा भराय बाना अगरबीचन बंग्सा ब्यक्त करका ।

< यादव---अपन अपनयान अपन् ৰাৰ মাৰ্থাৰ মান্তৰ্যালয় লগালৈ मरीय अपूर्ण अपूर्ण समार मन्द्रीय समाप रायण दियोगन डिगोरिन नवचन्त्रण साम दिलीच । इनवे प्रोत्ता जोड़ वर परम्य होता के बर्गांच बरूप कर राज्ये हैं।

< १ सोच--अः अन्त्रांत अन्तरंत AU's on face freque frime ا مہم < > Prequestly form former

प्रादुर्भीव । ८०४ रिस्त-अपूर्ण सामी गुस्मा योगा पूछ एषा चैवा। ७०५ मरा--अपूर्ण जानपोत बूरा पूर्ण मरापुरा ।

८ ६ सोलका---ठोन्स पीपना हामना पोना । विलोम--रे 'नरा' कीन'। ८ ७. पिषरमा— पुष्रता चैंपना पचनमा रिविषमा निर्देशना निधिरमा ।

४ ८ पत्तना (अवयव )--पौपराना चित्रनामा मोटामा बोटा होना शूदना नौत्तरा रचून होता । ४ % वाली करना---गरिवाना गाहि-हाता निवालना रिवर करना। ८१ भरना-अनरीता करता इनना केनमानूस करना पूर्व करना । ८११ महना-धाना वास्ति होना विरमा पना सहना सरमा ट्यम्स हट बार विगया पण्याग होता । यतन

होता बाप होता, रससा रशक्त होता ।

दर्णांन बर्मन पर्भावना व दरोर्

यात यान प्रशास प्रश्न प्राप्तर

८१२ जारंश-जनवय जारि जरियाँव

प्रपूर्वीय प्राप्तम राज समाराम्य । विशीध--रे 'नग' । ८१३ जारांच होता-स्वराजा प्राचन जाजना धननता । है

क्षान्त्र । ८१४ अर्थंत्र कामा-कार्या

Free court fails

देश होना करते हिलामा है। स्वाह के प्रकार प्रदेश हैं ।

हेंगा हिंगा करते हैंगा करते हैंगा है। प्रदेश हैंगा कराया करता है। है।

हेंगा हिंगा करता है। हैंगा है।

हेंगा हैंगा करता है।

हेंगा हैंगा करता है।

हेंगा हैंगा करता है।

हेंगा हैंगा करता है।

हेंगा हैंगा है।

हेंगा हैंगा है।

हेंगा हैंगा है।

हेंगा है।

4 411

इनैंड, एक्ट एकपित कुछ । ८६१ एकप किया हुझा—एकप धक-कित संबद्दीत संगृहीत संजित सेंबोडक सेंबोकक, संहत सेंहित समवेत ।

संजीवक, संहर संहित सम्बेत ।
८६२ संग्रह—बतन संकटन संबयन ।
८६३ विजेरना—हमर जबर करना
क्रियाना जीटना तितर विगर करना
सीन तेरहकरना पहारना प्रकास करना

क्रियाना बोटना विवर निवर करना वीत वेयह करना प्रकारना मकाव करना मबार करना बैमाना बचेरना बायह बाट करना बीदना विचारना। ८६४ चूमना ( मोही झान्ने )—मुस्पी करना मुंबना टोकमा वरोहना पिरोमा

पोहना कनाना/ धीना । ८६५- प्रिकारना—इकर उकर होना छिट बाना छिटना फिटाना क्षित्रराना पर्य प्रा प्रसरित होना कैनाना विकरना । विकोस—के 'एकन होना' ।

८६६. क्योरना ( बस्तु या बच्च )
— इन्द्र्य करना एक करना एक निव करना बुटाना बुटाना बिटीरना छेक्कन करना बुटाना बुटाना बिटीरना छेक्कन करना छेक्कित करना संत्रय करना छेपह करना छोक्कना धेनेटना । दे 'एक करना ।

नावना निकासना प्रशेषण करना ।

व्यविका कीटामा संकोष करना समेटना शिमिटमा शिकीवृता। ८७ फैसलमा (अंग कावि)—चानमा पसारमा विस्तार वेगा। ८०६ फैसलमा—बङ्गामा अविकरण करना पिरामा कृता शिविरोमा कहाना

可ともち

पिरामा कामा छितिरामा बद्धामा वेदामा कार्यमा कार्यमा व्याप्तमा विद्याप्तमा वद्याप्तमा वद्याप्तमा वद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा वद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा विद्याप्तमा वद्याप्तमा व्यव्यामा वद्याप्तमा वद्याप्तमा

त्रेण पाक्ष शाक्षा है 'क्रमाय' ।
८७७. जिसके दुक्दे न हों—वर्षड 
वर्षांक अर्थाता असिक अर्था क्योंनी 
वर्षांक अर्थाता असिक अर्था क्योंनी 
वर्षांक वर्षांक्त अर्थाता 
वर्षांक —अर्थुर्व कृष्ण टूटा हुवा 
कर्णा

८७९, सम्पूर्ण-अकांत्र वसुष्य वर्षाः, वर्धातिः वशितः इत्रमातः नामिछः चैक ठाइः समाम निवित्त पूरा पूर्ण

विस्तालम करना ध्यक्षण करना पुक्षणणा भागपेय करना ध्यक्षण करना पुक्षणणा करणा ।  ८१४ कनामन्ने विश्वण प्रवेशा । ८१४ कनामन्ने प्रविश्वण प्रवेशा । ८१४ कनामन्ने प्रवेशा । ८१४ कनामन्ने प्रवेशा । ८१४ कनामन्ने प्रवेशा । ८१४ कामन्ने प्रवेशा । ८१४ कामन्ने प्रवेशा । ८१४ कामन्ने प्रवेशा । ८१४ कामन्ने कामन्ने करना करना होना कना विश्वण होना । ८१४ कामन्ने कामन्ने करना होना । ८१४ कामन्ने कामन्ने । ८१४ कामन्ने कामन्ने विश्वण होना । ८१४ कामन्ने कामन्ने विश्वण होना । ८१४ कामन्ने प्रवेशा विश्वण होना । ८१४ कामन्ने होना होना होना होना होना होना होना होना	भ ८१५ १३	S. A.C.
विकोस—दै जेनता । सतुर, श्रीकृष्ठ शरिश्यु प्रयो पर ८२३ नारा—चैठ करशान श्री क्षा क्ष्यु , नायभान नाणी वाशी प्र- व्यक्त तदाही नाश परास्थ वरणायी क्ष्यु निनस्तर ।	सीगयेय करना सम्बूहत करना सुनगाय करना ।  ८१५ कराना—ये 'सनारा' ।  ८१६ कराना—से 'सनारा' ।  ८१६ करानेयाका—निर्माण प्रमेला  विवासक एक एपिया विकासक  सर्वक सिर्द्यक शिरद्यक्षाहर, सुबक  सुबनहरर ।  ८१७ कर्मा केना—ज्यना सरम होना । ये  सारम्य होना असूत होना । ये  सारम्य होना असूत होना । ये  सारम्य होना असूत होना । ये  स्ट्रिंग करना बात येवा प्रमुल सेवाय  ८१८ करमा हुका—ज्यप्त सरस्य  स्ट्रिंग सिराना निनगस्य। सेहराना स्वास्य करना ।  विक्रीम—ये 'एपता' विनगस' ।  ८१ रहिंद्यक्ष करना निर्माण हुक्य  सरसा क्ष्यका परिना ।  ८१ सम्बद्धक होना अस्त करना अस्ति  सरसा अस्त्रका परिना ।  ८११ सम्बद्धक होना अस्ति स्वास्य  होना पूर्व होना स्वास्य  होना स्वास्य  होना पूर्व होना सम्बर्धक होना स्वास्य  होना स्वास्य  होना स्वास्य  होना स्वास्य  सिराना स्वास्य  सवस्य  सवस्	विनास विनास सिंगा सिं समापित! विनास १ विनास 'एका' २ जूप' जाएम्म'। ८२४ वास्त्रक-बेरक मण्ड कर्या वास्त्रक बाकक स्मेरक स्मेरा वास्त्रक बाकक स्मेरक स्मेरा वास्त्रका नारकारी नार्यो गा विकासी विनासक नेवास गा वास्त्रका नारकारी नार्यो गा विकासी विनासक नेवास, परास्त्रों कर नट्य क्ष्म्य नेवास, परास्त्रों कर नट्य केक वास्त्रक पर्वा गुरु विकास विनास स्माप्ति । ८२८ केक वास्त्रक पर्वा गुरु । ८२८ कर्य परित पर्वा गुरु । ८२८ कर्य परित पर्वा गुरु । ८२८ कर्य पर्वा गुरु । ८२८ कर्य पर्वा गुरु । ८२८ कर्य पर्वा गुरु । ८३४ क्ष्माना एवं गुरु । ८३४ क्ष्माना (एवं)

८३३ धनवबर---असम असम्य असर, बटल स्वितासी चिरम्बामी निस्प धास्त्रव स्थायी स्विर । ८३४ स्मरम-अभिज्ञाम स्थास चेत

4 611

बारम ब्यान याद संबर, सूम सुचि सुमरन मुमृत सुमृति सुरत सुरति स्पृति। ८३५ विसमरच-मुख विस्मृति ।

८३६ स्मरम प्रक्ति-नेवा याद याद राज्य । ८३७. स्मरण करमा--स्थाधः करना चैतना माप करना शुष करना सुधि

करना सुधि सेना होस करना। **८३८ प्रमा**—बद्यान पर रक्तना वर्राक करना बार दार कड़ना शाद करना रद देना समरच करना हुद्धन करना हिफ्ब करना ।

८३९ स्मरम दिक्रामा-चेत दिकामा माद विकास भूच विकास भूचि करासा मुमि दिकाना होख कराना होस दिहाना ।

४ भूषि—औतात स्वयः नेत नेतता मज्ञा भूव भूप-वृत्र श्रीय होयहवास । ८४१ मूक समुचित समया अभवा र्वेता बासीर अधुद्धि वस्त्रा वस्ती पूर मुटि बुध बेटीक मूकपूक

विपर्मय । ४२ मूबाहुमा—उत्प्रति वेगुण जूला मुका-मटका विस्तृत भनित भाता। ८६६ मृह्या—स्टपटाना को नामा पढ़ वहाना धकती करना सकती होता **पूक्ष करना भूतना अत से उत्तरना** 

ममारकम होता विश्वरता विश्वराचा

भरमना मुखना मूळ करना मूछ जाना भूकपुक होना भूतन-पुक्ता भ्रम में पड़ना असित होना भ्रांति में पड़ना विस्मरण होना विस्मृति होना सुभ न रहना सुधि कोना सुधि मूकना सुधि विसरमा क्षोद्याम रहना।

ছ ८५०

८३४ मुकला--परका वहाना पराना चार बताना चारुवाबी करना चारु विकास करना करकद करना बोका देना पड़ाना प्रतारण करना प्रतारमा देना प्रदचना देना प्रदक्ति करना पुरस्ताना बहुकाना बुत्ता देना भटकाना बुरवाना मुख्याना मोराना विश्वामा। ८४५ मिलाना-समेजना बामेजना एक में करना एकदार करना वासमेस करना मिकावट करना निश्चित करना मियम करना समुक्त करना सम्मिधन करना सम्मिक्ति करना । ८४५ मिकाबर-जारसेयम संकरता संक्षिकप्टता सम्मिमन संसुप्टि ।

८४७. निस्ताया हुवा-निम मीक्ति सवुका चेरिकप्ट, संसुप्ट, संदित सम्मिक्त । ८४८ मिलना-- वर्धन देशा-देशी मेंट मिलन मिकाप मुलाकात सपके स्योग र्शकेष शासासकार।

विशेष--- विशा भित्तमा के छिए अपर के धर्मों में 'होता' कोड़कर ग्रम्य बनाए कासनते हैं। ८४९ मिलन-मिलना मिलार मेल

र्मंतम समट, समटन संवेकन संयोग संस्केष सम्बेखन ।

८५ केल--वत्तप्राव



: बंबाहुना---बक्रम करना कक-याना उचाडुना बनेडुना क्रांडेटना पना जुदा करना नकोठना कालना निकोटना नोंचना पुचक रता। विकासना-----चपकाना जमाना हना विकासा कमाना स्टाना

थ्प्ड्रो

४ विषकामा हुआ--विषकामा मा जोड़ा मिका लगा उटा रटा। ५ वडेसमा--वडेसमा वेडेसमा क्रिम्मा प्रदिक्ता वेडेसमा

तिथना वडीयना विरामा गेरमा 'सना निकासना। '६- कास्यां—विरामा नामा नायना

रना।

ऊ निष्टियाना—नवाम करना बलहमा बोचना पुरेरणना विकासना।

द्वा पन्यासा विका

तित तिनिक चोड़ा चोर, घोरिक न्यून मुख्यस्य, रंच रंचक रिचक नव केस हरन । १११ अधिक:—जगम वसम्स व्यास, वसाइ, श्रेचीरा व्यतिस्य वसीव वसुरु बसुक्तीय बसुक्ति वसीस वसीक वस्तुरु वस्त्र अधिकांस वसीस वसास वस्त्र वस्त्र अस्त्र वस्त्र अस्त्र वस्त्र अस्त्र

बहुत बहुतेय बहुक थेय थेयी।
९१२ करवतः—अकाल सरनात सन्तरक कथी हपता इयदाई, इयत्व कोदाही घटती घाटा बोहापन स्पृतता स्पृतताई, कपुता बसुल हाय।

९१३ व्यक्तिस्ता नगाया नदीवता वर्षाददा व्यवस्ता नम्हता वर्षाददी बहुताई बहुताय बहुत्य बहुत्या वर्षेदी। ९१४ व्यतिरिक्त न्यामा हमामा छोड़ कर, विद्यरिक्त विद्योक्त विद्या विद्या । ९१५ कम होना न्यामा करेना वर्षे ए वर्षा वर्षेद्रामा न्यामा होना वर्षे

पटना चुक्ता चुक वाता बोझ होता त्रीचे बाता स्पृत होता। ९१६ ऑडला—ऑट वाता सांटता सम न पड़ता बाडी होता परना वर्षान होता दूरायहता दूराहोता।

९१७. सविकामा—सपिक होना उपनि वरणा प्यास होना बन्ना विश्व होना वृद्धि करना वृद्धि पाना। ९१८. संग—सोहत संसन संसर्प सम्म

सहमोग सहित साथ हमराह।

**=** //. **P**₹2 . मरपुर, सगरी सब समग्र समस्त मनवा ८९ वॉट--करी बच्चा बॉट-बच्चा सारा सिपरा। भाग दिस्छा। ८८ कारना-कतरना कतर-व्योन ८९१ सामा--विस्त हिला। करना कर्तन करना कर्तरी बहाना ८९२ फरना-अरफना ओदरना चिट कतमता काट-छोट करना क्वरना कता विक्रमा विका र्धेची बरसा छोटना सेवना **छिनराना १रहना १ररना इरार पहना** छीतना दौषता दुवव करना वरायना फुटना बिदरना मुस्कराना । संतमा । ८९३ चाइना--दुकडे करना विटकाना विहराना चौड़ना चौचमा चीरना ८८१ तीना---कच्चा र एना पुचना गुम्ला औइना टौरना टौरा मारता चोंबना डितरामा इसार डाडना टौबना दीच बासना बनिया करना शोषना विदारमा विदीर्थ करना । रफ्त करना संगड देना। ८९४ ध्येद्रमा:--वास दासना करकाना ८८२ क्तरन-कत्त्य शंह टकडा करकारा। दे 'दीइना' : दक्की। ८९५ रवा- वयु, कथ कनिक, कम ८८३ कराई-स्टान क्लाई, काट. किनका किनकी खड़ी खर्च, परमान । बार-प्रौट, रुगाय । ८९६ भूरचना---उचाइना ८८४ चूनमा-वनोटना उछौटना करोना कुरेदना अग्रयना अधेपना श्रीवना वरोटना वरोचना श्रोदनाः। चयन करना चिनना कौटना निर्वाचन भारता बीक्ता बीतमा बीक्ता-बरांना ८९७. वरीच--इराय सरॉच वर्पेंट, बेराना खोदना विक्रमाना । सरवास्य । ८८५ जुना हमा-जुनिश क्टा हमा ८९८ भिरामा-नियाई इंग्ला विनाई कौटा निर्वाचित बरामा बीका बेरामा बरमा बीमना सञ्जाहे करना । कोडा विस्ताया। ८९९, प्रयक्ता-अक्य करता ८८६ चुनने बाला-निर्वाचक रकता संगितना उच्छना उत्तरी करना बोक्काना बोकामा है करना छोट धर्ता । ccu. बॉटना--क्री कराना करना यकना न क्रियाना न पंचा क्याना बाँट करना भाव करना निमन्त सकता न रक्षना निकलना प्रस्ट करना बाहर करना भीतर न रखना बनन करना विभाजन करना विभाजित करना हिस्सा करना हिस्सा क्ष्यामा। करता स्पष्ट करेगा १ ८८८. बॉटा हवा--बॅटा बॉटा बर्वीहरा **एक्षडमा**—जन्न होता उक्**ट**ना विभक्त विभाषित विमाजित। उक्सना सक्तरना अवहना अवहना ८८९, बरवारा-बेंटवारा बॉट, विसंक्ति ध्यस्ता टूटना निकडना निकस्ता विभावत विद्याय । पुषक होना।

स्पना बीर्ज होना भीर्ण शीर्ज होना फाटना ससकता।

W 588

९३४ फाइमा-शीपना शॉवना टुकड़े दुकड़े करना मॉक्ना विधारण करमा विदारित करना ।

९३५ नोचना—उकाइना उदारना ष्ट्रसीटना श्रीचनः चींचना नींचना मोचना-अकोटमा क्योहना।

९३६ जीरना--चीडना चॉचना पड़ा करमा खडना कारना विदारना विदारम करना विदारित करना विदीर्ण करना ।

९३७ कृतना (बर्सन बावि)—चट बना बदक्ता विद्वरमा दुक्ते-दुक्ते होना फटना वो दृष्ट होना बाल धड़ना विदरता विदीर्ग होला। ९३८ चित्रना— बद्दम होना विमाना

वर्षम करमा विस बामा महना रयह बाना रगइना श्रवर्धन करना समाप्त होना ।

**९३९ टूट<del>ा यूटा - इ</del>व्हम्ब**रत क्रिस-मिस बीर्न बीर्नशीर्न प्यस्त । ९४ नरम्म<del>त श्रीवॉडा</del>र, बुक्तरी

धेयोजन संस्तार, संस्कृति जुवराई, सुवार ।

९४१ सु<del>धारक श्रं</del>कोतक संस्कारक। ९४२ स्वारना---अच्छा करना ठीक रप्ता बनाना खुद्ध करना खेंगरना चंद्योक्त करना संशोधित करना सुवाद करता।

९४३ विधाइना—ब्राह्म करना १४८ करना नष्ट-धप्ट करना नाम करना पीत देना करबाद करना बर्बाट करना मिटाना मिट्टी करना मेटना मेट बेना क्रीप देना **भी**पपोत बराबर करना विकत करना।

**# \$ 4 4** 

९४४ बनाना-सरितस्य देता गढना ठीक करना ठीकना वैयार करना इस्स्त करना निर्माण करना निर्माना निर्मित द्भरता प्रस्तुत करना क्य देना विचान करना सेंगारना संस्कार करना सभाना सिरभना सुमा-रना सवाना स्वक्य देना। ९४५ विषक्षमा—इराव होना ठीक न

তুৰা পথ ছাবা ৰথ মুখ্ ছালা वर्वाद होना वृत्त हो बाता। ९४६. विषक:-कराव विरा नष्ट, नष्ट चष्ट बर्बाद चष्ट। ९४७. बन<del>मा - ठीक द्</del>वोना बनाया चाना

पुरा होना रचा वाना होना।

नोद-चंदनाता' के 'वर्वादों के आधार पर और भी पर्याय बनाये जा सकते हैं। ९४८ वद्या- बदस्या वति प्रवैमा स्थिति शक्त। ९४९ इर्देश- नपपवि विस्तर इर

शस्या दुवंत दुवंति शरकमोन प्रविद्या प्रत्योहत १

< विकास समान्य स्वापि स्विति । ९५१ वर्षभामाप्त--विरा वर्गत होता। ९५२ प्रया-पद्मन भक्ति शास पत्नति परिपाटी प्रकाशी परवा रकाव

रसूम रस्म रिकाज रीति सैसी। ९५३ परंपरा-कायरा चयन चास बस्तुर, नियम रकाज रीति ।

९५४ परंपरायत-कमापत कमिकः। ९५५ चळाना—आये बढाना चासित

च ९५५ W SAY 277 करना चौर्ण होना भीर्ण शीर्ण होना मिटाना मिट्टी फरना मेटना मेट देना कीय देना श्रीपपीत वरावर करना फाटना मसकता। ९३४ काइना---वीधना चौंबना टुकड़े विकत करना । ९४४ बनामा-सरितरव देना गढना दुक्ते करना भोंचना विदारण करना ठीब करना ठोंकमा वैयार करना बस्स्त विदारित करना । ९६५ नोचना-- उकादना उकारना करका निर्माण करना निर्माता निर्मित षरीटना भीचना जीवना नींचना करना प्रस्तुत करना मीचना-अकोरना बकोरना। कप देना विधान करना सँबारना शस्कार करना समाना सिरवना सवा ९३६ औरमा-चीइना चोंपमा पट्टा रता सुवाना स्वक्य देना। करना फाउना फाउना विदारमा विदारच करना विदारित करना विदीर्थ ९४५ विवडना—कराव होना ठीक न खना नष्ट होना मध्य घप्ट होना करना । ९३७. पुरुषा (बर्सन आवि)---वट वर्षाद होता चुरा हो भारता। चना चढकता चित्ररना दलके-टुकके ९४६. विषक्त--कराब विरा मध्द, नष्ट होता फटता दो टक होता बाल पहता चन्द्र बर्बाद चन्द्र । विदरना विदीनं होना। ९४७, बनना---ठीक होता बनाया चाना ९३८ पिछना---चतम होना शिमाना पद्म होना एका बाना होना। पर्पंच करना चिस जाना समना रसड नीव-'बनाना' के 'पर्यायों के बाबार पर श्रीर भी वर्षाय बनावे जा समते हैं। काना रमङ्गा संदर्भण करना समस्त होना । ९४८ ब्रह्मा—अवस्था मृति - रवैया ९६९: ट्टा-क्टा---उद्ध्यस्य छिप्त-निध स्थिति हालस । षोषं धोर्पसीर्थ व्यस्त । ९४९. इवंदा-- जपगदि जिस्सद इर ९४ मरम्मत—बीघॉडार, युससी वस्या दुर्गेत वुर्गेति नरकमोग ऋजिहत चंदीपन सस्कार, संन्त्रति नवशाई क्रमीहरू । मुकार । ९५ अवडी बसा—सदयति स्वति । ९४१ मुघारक--मारीवक संस्थारक। ९५१ वृर्वसामान्त-पिरा दर्गेत हीत । ९४२ मुपारना—अच्छा करना ठीक ९५२ प्रया-पद्मन चलनि चाळ करना बनाना शह करना सेंबारना पढिन परिपाटी प्रचाली परबा रबाज मधौबन करना संगोधित करना नृपाए रसम रस्म रिवान चैति चैली। करना । ९५३ वर्रवरा-कायदा चलन

रन्त्रर, नियम रवाज रौति ।

९५४ परंपरायत--- समागृत समिक।

९५५. बताना-आन बहाना चासित

९४३ वियादमा—न्त्ररायं करना नष्ट

र रेना मध्य भाष्ट भागा नाग करना

भीत देना, बरबाद धान्ना वर्बाद करना

भ ९५६ १	११ स.५८०
करना प्रचमित करना प्रचार करना	९६८ करपना करमा—प्रमुनान करना
प्रचरित नग्ना राज्यकरना।	फर्ज करना मानना।
९५६- तौकना—कोमना तस्तव् करना	९६९ कस्पनाअनुमान स्यास धर्मे
तोसना बाँट करना वदन करना बदन	मनसङ्ग्रत बन की उपन सनज मानना
केना।	मानसञ्
९५% तीरुने की किया—बीग जीताई,	९७ कवियत—श्रीतन्यासिक, कान्यनिक,
तुसाई वालन वीस वीसाई, नाप ।	स्थानी तकती कर्जी कतावरी सर्व
९५८ सावा—गरियाण विकास बयान ।	सक्ता सरमाजी।
९५% बदनयोज वीज बोग भर	९७१ तंबर—पृष्टित सभाष्य समा
भर भार।	पितः
<ul> <li>९६ वासेन</li></ul>	९७२ सर्वत्रकग्रैरमुमक्ति मानुगकिन। ९७३ वंश्वतःवदाय कदायन कदा चित्र पर्वत्रित् ग्रास्थित् सुमस्ति है शायक स्वातः।
< १६२ नारने का कामशाय पैसाइस	९७४ खबरससी-वनरई,वनरत चोर,
मार्थ।	बोर-वर्वस्थी नरियाई नम्र हुठ।
९६३ जनुमान—जैदाब वटक्ल क्रयाध	९७५ जनरवस्ति छेवनरम जनरिमा
अनुमिति ।	जोराजोरी जोरी नरनस सरिमाई नर्छ-
९६४ अनुसान करणावैदाज करणाः अदायना अदाय च्याना विदायाः स्माना अनुसानना अटकरनाः	पूर्वक बसाद हुठात् । ९७६. समीप-विशेषक बरिपार्स् बहुर, बक्यास बनविषुर, समित सम्बन्ध
सटकतमा सटकत कथाना सीकना	अस्मर्ग अस्थात बातम उपकंठ दिन
सूतना।	तट, निकट, मेरे, वार्स पांच समेड
९६५, सनुनानतः—संवायन अंदाय छे	क्षतीक समित्रक समिक्रक, समर्थाव
करीय करीय-करीय तक्कमीलन मोटा-	समिकि समेश्यः
मोटी मोटे तौर पद, मोटे कप से कमश्रम।	९७७. कुर
भाटा भाटतार पद्भाग क्यस क्रमप्रगा ९६६ विस्ता अनुसाम नही सके—- वननुमान अकृत बतीक बनुक	निम निगत निक्यः।  ९७८ नियसना नियनता नगीन
मपरिमेस देशंदाकः।	बाना निकट जाना नीवरे पहुँचना

पास नाना समीप नाना।

वास ।

९७९ वार्यां वार्षे ्यान

९८ वाहिमा--विश्वम वार्ट, वाहित ।

९६७ सॅक्सन<del>। य</del>ॅक्सन अंदनकाना

भंदान करना सटकक कनवाना बन्

मान कपना कुतवाना कुताना सक्-

मिनवाना ।

९८१ बाहर—बहि-, बहिरत वहिर्गत बाहिर । ९८२ मीतर—बंदर, अञ्चल, आञ्चेतर, भीतरि, सम्बन्धि सीव सीवी सीवि

भीवरि, मझ मौथे मौह मौही मौहि मोही में। ९८३ बाहरी:—बहिरंग बाहर।

मीतरका भीतरिया।
९८५- बीच- मंदर अन्मंतर, दरमियान
मीतर, मन्छ मेंशार, शवि अस्य नस
मीत ।

मीत ।

९८५ इम्रारा—इनित प्रज्ञप्ति समकादः
सकेत ।

९८६ इम्रारा करना—अंगुनि निर्वेश करना मौन मारना 'इग्राय' के पर्यासी

करना साँक मारना 'इवारा' के वर्षामां में 'करना' जोककर सीर भी शब्द बनाये बा चक्ते हैं। १८८ यहाँ—जब बहि, हिया हा। । १८९ वहाँ—उप कहा वो हा। ।

९८ वहा---जन तहा वा हा। ९९ वहां---चन तिम वयह। ९९१ वहांत्र[---चनस्याः, दनर-जनर, यनतम यनातम। ९९१ वहां---चिस जयह, हुन। ९९३ हुन्ती वयह---वयम अनरम

१९५ हिसी स्वान पर—नगर्ड वज्रू वरी वर्डे । १९६ म—अदम् मैं मॉ, हव हों । १९७ मुक—सार मू प्रवरी अवान सीमान । हमारा । १९९८ तुम्हारा—सापका तक तेरा तौर, रक्तीय भवत मक्तीय । १ = सारते—अपने साप भापकप

९९८ वेश-नम मोर मोध हमार

आपने माप आपनी जुद सुप्ता जुद सु पुत, स्वतः स्वतः ही स्वयं स्वयंही। १ १ केला—बद्दान वह वो क्याँ। १ २ केला—कद्दान कह के द्वाँ वैके। १ ३ था—अववा किंवा चाहे, वा। १ ४ क्यर—अपि यपि को सायव। १ ५ क्यर—अपि यपि को सायव। साववृद्धे के युरि प्रिकृत युर्धि।

१ ६ इसकिए—अतएव बतः, अस्तु,

परिणामतः, परिणामतस्य फलतः,
फलस्वसः ।
१ ७. किर शै—वपरंच पुन किर,
किर शी।
१ ८. कसाथि मही—कसह नहीं सभी
नहीं विल्कुल नहीं मुदलक नहीं हर्पनव
नहीं ।
१ ९. वार-बार-व्यक्तर, नहीं रू वहीर,
वहार, आप्रिन कर्नवार, नहीं रू परि,
प्राय बहुया बहुरेर, बहोरे, बारहार

লচ্চিত মহুস্থনা স্বৰীতা স্ব

भारे १६ ए	∮क्ष संदर्भ
म र रह ए  चित्र ने ननामत समस्याधित रूप से  मार्कासन मारातत इम्मार्थी इक्  हार्ष त्रचा एक व युक् एक्कार्यी  एकाएक एकाएडी जीवक ताराय  एकाएक एकाएडी जीवक ताराय  एकाएक एकाएडी जीवक ताराय  एकाएका प्रकाशि तारि स्वाधि  ती भी ।  र १५ पोड़ा चौड़ा कर के नारपाड  कमस्य धीरे-चीर होके-होंके ।  १९ पोड़ा चौड़ा कर के नारपाड  कमस्य धीर-चीर होके-होंके ।  पुर्व नाराय जातान योग प्रमा  पष्ठ परिवार, वैष्ठ वेष मारकर ।  र कुलीन जीवजा जुकवत कुकवान  कोल कालमानी खुजात ।  द सोक नीर वास्पद नौत परम  वादि गानि ।  ४ स्थोक जीवजा मोती वीविय प्रवर,  मार्वक खीरवारा ।  ५ पुर्व जुरायी ।  ५ पुर्व जुराया पुर्व पुरुष्क वेकव  वापवारा।	१ विरायरी—बमुता मंतूरत मंतूरा प्रारिपा आर्थिया सार्थपता स्थापता । ११ मार्ड का माय—मंतूरा मंतूरत विरायरी आर्थर प्रार्थ का बार्याय प्रार्थ प्रार्थ का बार्य का जाना किया है मातूर। १५ व्या से काला हो —यावार किया । १५ व्या से काला हो —यावार प्रार्थ प्रार्थ से विद्याल प्रार्थ प्रार्थ से विद्याल प्रार्थ प्र

m १५ २३०	, स ४२
रूप. विवाहितपरिणितः विवाही	चंग चंगा टंच टशमना वस्तुस्स्त निम्मन मीमन मीशोग पीन पुप्ट
व्याद्देगः। २६. व्यविवाहितः—अनव्याद्दाः व्यविवाद्दीः	वेरोग शक्त स्वस्य हुट्ट ।
कुमार, क्वारा निक्य विनम्पाद्य ।	विसीम—वै 'रीगी'।
२७. स्वारपन—विवाहपन कुमारपन	३७ बारीम्पता भगवता तंदुरस्ती
ক্ৰায়েদদ।	शीरोगता स्वास्पता स्वास्थ्य ।
२८ बारातअनुमाना मनेत पान	<del>विक्रोगरे</del> 'रोग'।
वरात वरियात वरमात्राः	३८- वस-जोज वंदता कोट कोरपोर
२९ आयु—जबस्या आपू, जायुर्वेस	शक्त वापत तैस वस पराचन पोड़ा-
बामुच्य बारवस्त्र आरवसा समिद	पन पौरम भूता बीमै प्रिति सकता
चम्र विभरती जीवनकांक वैस वय	सकति सत समस्याहि, समर्वहा
चित्र।	शामध्ये होता ।
<ul> <li>वच्चा—क्रुवाट, तिपृत्तः नादानः</li> </ul>	३९- कमबोरी-अवसाद वास्त्रता
नत्त सिस्तु। वे 'कदका' पुत्र'।	अवस्ति क्षीचता दुईकता नावाच्यी
३१ सिमुता और यीवन के बीच की	निर्वेषया चामभंदीनता ।
व्यवस्थापीयंड १	विशेष'कवबोर' के पर्वामी में बचास्वान
३२ मोजधानजमान तस्य तसून	भनं या ता समाकर और पश्य बन
नवपुरक नवपुरा ननसर, नीजरी	संबद्धे हैं।
मुक्त पुता।	४० वसवान-सटेल श्रीमधानी स्रोतव
३३ वदानी-श्वदूरशीसी बोदन तर-	लीमहा यम्बर चंड जबर, वसरदस्त
मार्ड, तरणावस्थाः तस्मर्ड तस्मार्डः तस्मारा पत्रीची बुंबाबस्या यीवनः।	अस्वर फारकार, क्षेत्रवर सहुद्धत हाकववर रीजवान अराजनी पानट
वेश बुद्दा—वर्ष्य, अरठ वरायल भन्नर,	पुष्ट, प्रचंड बसगर, बसबंड बसबंग
वात्रस जीम जीत जुदा गोरस पनित	अनगाती बस्त्रीत बनाप बसाइप
मुख्या बुडीला भूड वर्गावृद्ध वृद्ध	वित्या वती वजनूत वीम्पेष्टत वीम्पे
रमिट्र।	क्षम बीब्येंश्व बीर्व्यकान सक्त शक्ति-
१५ वृहारा—बीबारत वर्षकी जरा	बान गरिनवान गरिनगाती गरिन
भरठाव भरदान मना जीने जीनाना	संरम नगरय समय समन सामरब
भीपॉयन्या, जोक, वीरी वार्डक्य	गामध्येवान मामधी स्थन्य ।
वदारि बढ़ीती सद्य सुक्रता सुदान	४१ कुष्ट <del></del> मिटन वृद्ध बीड औड़
रियमा मुख मृद्धाः मृद्धानम्या शता-	भनपुत्र ।
भीक नकाविर ।	४२ वनदौरअवत क्रमर अधका
रेक्- सारीम्य—≋यण झनामय क्षेत्रन	जनमर्पे अस्थास सीम ग्रीन हीन

स७१ १३	० स ९२
७१ सरीर पोछना—संगजीलण सेंगी- छना महाना । ७२ निषोजना—गारणा निषोरणा निषोना निषारना पद्याना एउरियाना एउ निकासना साफ बरना सार्यिकसना। № वेरतादिशेक्यन—चर्चा व्याचिक्य विकेषन।  ७४ केसकर्म—केंद्रना ऐंग्रना कंग्री करना काइना केसविन्यास प्रवेणी बाह्ना सीमंत्र। ७५ सरीर का संबारना—चनकर्म संग्र	८२ निर्पापत—सार्थित साहुत साहुत साहुत साहुत साहुत साहुत व्यापा । ८३ करिन्धित—सताहुत विना कुलाया । ८४ सेह्मानवारी—सतिपुना सतिपि यस सतिपुना सतिपि यस सतिपुना निर्माण । ८५ स्थाता केरा—सार्यन केरा निर्माण । ८५ स्थाता केरा—सार्यन केरा निर्माण । कुलाया केरा स्थापना रहिता कुलाया केरा हमी सहिता । ८५ सरीय-सर्वापना स्थापना केरा स्थापना कुलाया केरा हमी सहिता । ८६ सरीय-सर्वापनिक संस्था स्थापन स्थापना स्थापन
बाट ।  ॥६ कटना—टटमा कटना ठाट बाट करना बाट करना वहनना पहनना रचना हैय-वित्यात करना प्रकार एव यत्र करना वसायट करना प्रकार एव यत्र करना वसायट करना ग्रेगारणा।  ७७. समाना—यनकामा बुक्त करना प्रशास करना समायन करना बनाय- योगाय करना स्थारण विवयन स्थारणा करना प्रेमार करना व्यवस्था विवयन स्थारणा करना	८७. वर्षक होना—साना भाष मेना विकास द्यापक होना विरक्त करना शम्मिलत होना हिस्सा मेना हाब बटाना। ८८. रसोद्रवांबार—ठापुर, बाबरणी बाम्नन प्राह्मण पंडाये महत्त्वत रखो- इसा मुकार मुकार मृत सुरक मुरपार। ८९. रसोद्र बचाना—याना प्रवास मुका बनाना प्रोदन बनाना पुका बनाना प्रोदन बनाना
पातानावाता प्रजीत प्रतिक करता। विगारता पुत्तरिज्ञ करता। वर्षः स्त्राचः आप्ताः प्रवाहकता पहिरण गोपात अप्ताः कावि)—यास्य करता (देपहृत्ता (देपहृत्ता परियात करता। परिया करता गहरूमा परियात करता। परिया करता गहरूमा परितात वर्षः पर्ताः पर्देशः। टी निकंदर-आयोजन आर्गान नवेद निमंदर-सीजन आर्गान नवेद निमंदर-सीजन आर्गान वर्षेका। देशाः।	दे 'पदाना'।  ९ पदाना

स ९३ १३८	: ज ११र
रीयना धानना । ९४ वसारनाः—कस्हारता अनवसनम्	बाहिमा घराना प्रज्यक्रित करती. भरमकरता मरमधात करता कहनाना। १ ४ व्यक्तमा—साग कम जाना वार्ग होना करता बल्ब होता वहना वर्ष्य होना भरमा होना बरना बरना बरना
	होता सुक्रमना स्वाहा होता। १ ५ जनियामा—विषयाता धर्म क्यता वक्रमा वक्रम होता ठप्त होता ठप्ता
तिका। वित्ता वीपना वीक्सा मण होना एका रह में कुका कीत होना एकता। १६- पा—कोटमीट कुका निमस्त्रित है यल रहा कीत एका। १७ कुक्स—कान में डाक्सा तदाना एका मर्केष करना मुक्सा मूर्वना है कुका मर्केष करना मुक्सा मूर्वना है कुका मर्केष करना है १८- कोक्सा—च्याक्ता केट्सा की- टाना कीकाना परमाना नोटाना पक्ष १८- व्यक्त्या—च्याक्ता कीटना वी- टाना कीकाना परमाना नर्म करना है गाझ करना नोड होना पक्षा पक्ष रहा। १ व्यक्ता—च्याक्त काना कह १ कुका क्यकामा नर्म होना विश्वमा १ हे रामा—चुकाना ठेंडा पक्षा १ हे रामा—चुकाना ठेंडा पक्षा ठेंडा रूपा। १ हे रामा—चुकाना ठेंडा पक्षा ठेंडा रूपा।	वक्षमा वक्षम हुमा एक हुमा एक विशे वेद्या राह हुमा।  इ. इ. वक्षमा—जनमा प्रकारा  उनकमा जनकमा प्रकारा  उनकमा जनकमा प्रकारा  इ. इ. विक्षमा—जनमा प्रकारा  इ. इ. विक्षमा—जनमा प्रकार हम इ. विक्षमा—जनमा प्रकार हम इ. विक्षमा—जनमा प्रकार हम इ. विक्षमा—जन हमा हम इ. विक्षमा—जन उपा जनकमा प्रकारा हुम्पा।  इ. विक्षमा—विक्षमी मुणी इ. विक्षमा—जनमा हुम्पा।  इ. विक्षमा—जन वरणा व्यापा इ. विक्षमा—जन वरणा वरणा इ. विक्षमा—जन वरणा वरणा वरणा वरणा वरणा वरणा वरणा वरणा

११३ मूद्य-वतृत्ति वसनाया इच्छा भूत सुना जिन्दला पेयमि बुमुख बुमुखा सूद्य सूक्त सोजनेच्छा

श ११३

रिश सामसा । ११४ मूका-अतृष्ट सुवातुर, सुवाकु, सुवाबंट श्रुवानान सुवित सुगुतित

मृत्यक मृतास् । ११५ भृत्यक्—मृत्यका मृत्यक्याः।

ररः, मुक्तद्र - मुक्तरा भूवनपा । ११६ मुक्त होना - काकी पेट होना मुक्तित होना कृषाना बुमुस्तित होना । मुकाना मुक्ताना विमुखित होना ।

११७ खाला- जाहारकरना खावा साना जीमना जेंक्ना पाना पा केना प्रसार्थ पाना विजय करना विदाध करना

पाना विजय करना विवाध करना मोन ममाना मोजन करना मोजन पाना रोटी चाना विजय करना । चाना कें किए वे 'मोजन' !

ाम्प्र व भावन । ११८- लियक्ना- का बाना गटक बाना मटकना गपन काना गम्ने के नीचे उदार्थ

भागा निटनां चूँटना चौँटना चौँट जाना क्कारभाना नियरण करना निमक भागा कौंक भागां कींकना ।

११९- भूपाली करना—जुनसानः चयाना पयुर्वाना पगुरीकरना रोमेश करना।

१२१ प्यासाः—तृपानंत तृषोशान तृषितं पिपासु, पिपासक पिपासा । १२२ प्यासः—३१ग्या तपकासिका तर्य वृत्या वृष्णा यानेश्वा भिषास विपासा वियास ।

१२३ पीमाः —र्जेववना अथना अथना आयमन करना पात्र करना। १२४ स्वाद—सास्वाद सामका मजा

रत समाव।
१२५ चक्रमा-मानव छेना सास्तावन
करना चाना गीमना सवान
पर रक्षमा मुठारमा रहास्वावन करना

सका केना चारका केना । १२६ चवाना—काट खामा चर्बन करना चामना चूसना ।

१२% वरस-वायनेवार, मजीवार, रव युक्त रवीका शुस्तादु, स्वाविष्ट । १२८ शुक्त-वनरस झनाई, उक्टा कवित्तीन खदच सरमांचा जुरसुध कुक्त शुक्ता शुर, सूच शीरस

पिचका मिन रतहीन क्या कथा

वीठा पुष्कः । १२९- वरवता —रवयुक्तता रवीकापन मुस्तावुदा स्वाविष्टता । १६ सुरुवता —बनरवता नीरमदा रव होनदा स्वता स्वता, मुखापन विजाई,

धीव्यकः ।
१११ चुरमृतः कुरकुतः चुर्मुतः ।
११२ चुक्काः च्यक्तः उदासः होना
कारित्रशि होगा कुरना भुत्यना भूतमा
नियम होना गौरतः हो बाना रिचकना
मधीन होना गुराता गायक हो बाना

लिपम होना नारस हो बाना प्रवक्ता मबीन होना मुख्याना गुष्म हो बाना रसहीन होना श्रीकता । १वव मुख्याना—सुरवाना सुरसाना सुधना मुख्याना गुष्म करना गोपब

कराना सुनवाना कोचाना ।

M śśz śz	स्र १५८
१६४ सोजना मृशमा रस धींचना	होना बड़ाना थम थाना बनना ठंड
शुष्ककरना छोपण करना घोषित करना	सनमा ठिठरमा बरमराना पत्पर होना
छोपना ।	सीठ समना सरियामा ।
धोषक मृश्य !  १३५ पर्मी माठण उत्तपता खताप उत्तम गरबाई गरमी बाग उत्तपता उत्तप उप्तप उप्तप चंद्र तरन तमित विधि ताप इस्ती इस्ति केंद्र ।  १३६ सर्वी माइग ठंड ठंड ठंडक ठडी ठाउँ पाला घोतकता विधाला ! १३७ परल-उत्तप्त उत्तम वर्ष बक्ता तता विभा वन्त वन्त वात वाता वाधित । १६८ सर्वी चंडा ठंडा ठाए, धार्व	१४६, प्रस्ता — बाई होना साल होना पुत्रमा करना प्रक्रित होना ग्री- मृत होना तरमाना परिक्रमा परिवर्गा परीवना प्रिक्रमा । १४७ सब्द्रम — ब्रम्मति स्वायप्ति स्वयं प्रस्ता — ब्रम्मति हो। एक प्रस्ता — ब्रम्मति हो। १४८, प्रस्तुल्य — ब्रह्मिया, ब्रह्मिया, ब्राधिनाय करवा कार् परितर पर
धीलम कीनम करत, दिमसत ।	प्रमुना प्रमुनाई, बच रवताई, बच
१३९ मर्न करना—जाग दिखाना जाम	स्वामिता स्वामित्व ।
पर रमना पर्माना तत्त्व करना छगना	१९० धासकः—सच्छार, धास्ता तरधार
तरा देना पिकामा वे 'कीलमा'	शुक्तिम ।
'वदासना' ।	१९११ सरकारीः—समुवाई, नेतायोपी वर
१४ तर्द करना—पुरुवाना, ठेडा करना	वाणी ।
धीतम करना ।  १४१ वर्ष होनाजम्ब होना सफ होना  ठमदका क्षेत्रका करना विश्व ।  १४२ सर्व होनाबुद होना नुहाना  ठा होना ठिरण बाना ठिरण्या,  गोर्नम होना ।  १४३ टिहकमाबार्गकरमा जानेवना	१५१ निरा वर प्राप्तन हो—बाहिन । १५१ नुकरात का वर—बुकार्य वृद्ध राजी युकारम वीवयन । १५४ वकारत—प्रोप्ता मन्तित बडीरी । १५५ वकारत—प्राप्त मन्तित बडीरी । १५५ वक्ष्या—प्राप्त मन्तित सहित । १५६ वरिवर—परिवरी तमावर मन्ति
नीका करना डिस्सार वस्ता	न्य ।
डिल्मा डीरना तर वस्ता नरना	१५७ प्रवय-सारीयन इंग्डाम करीना
विदाना भिष्मा शिक्षा वस्ता, शिक्षा	कापरा प्रश्नीतृ बारेशन विवास विधि
करना नीक्ता।	व्यवस्था ।
१४४ निका—कार्य तर नव भीता	१५८ पूर्वाच-स्थेर अधेर नाता, वर्षा-

भीवा ।

१४५ दिरुवा—बरस्ता कीता राष्ट

मुच भाषाय भरिमार जाउन नामा

नवसी चानानीरी ।

सटमा पूर्वता करना बोबा वैमा प्रतारणकरना प्रतारित करना प्रुप्रका कर के केमा पुकाना भूकावा वैमा मूंक्ता स्ट्रमा क्ट्र केमा। १ ६ सीसा-सटकना सटक केमा सीया वैमा सीसा-सट्टी वैमा

२ ८ ठनमा—ऍटना स्टब करना स्थला

बस्तेय ।

२०७. तेंब—नक्य से हु।

विकासा दम बुका देना श्रीका देना प्रमुक्ताना बहुकाना बहुकाना मुक्काना महाबा देशा मार केना। २१ बुक्ता—अरहृष्य करना जपह् रता बपहृष्टि करना उडा केना पिरह् कट्टी करना पिरह् काटना श्रीमी करना

श्रीसा-पट्टी पहाना टमना ठममूरी

कट्टी करना निर्देश काटना चोगी करना छीनना छीना-संपटी करना छीरना घटकमा घटक केना शपटना ट्यना वर्केटी करना बाका पढ़ना बाका मारना मार केना मूचना केना के केना हरस करना हुएता। १११ करना—बरोटना चुराना चौरी

वव हतन हिंछा।
११५, हत्यारा-चृषार, वातक मातकी
वातिनी वार्ति संहारक हिंछक
हिंदाजु, हिंक कारिक।
१९६, कारमहरूमा-वारमवात चुक्करी
खुकुकी।
११८, आरबाक्या-चंदमकात करना खुन
करना वाना चाकमा वनना मावना
नावना मावनेना मावना विद्यान

विमासना समाप्त करना हतना हत्या

करना हमना। २१९. साक्ष-माटी मिटटी मुर्चा मोब लीवि सर। २२ वृर्ग- नासेप जपराव इवकाम क्षत्रज्ञाम कसूद, कृताह्य, दोष पाप । २२१ हैंबी-अपराधी अभिमुक्त फैरी बोधी बंद, बंदा बंदी बंदीचान बंदेरा अंबुबा बांबू, सुंबरिस सुख्यिम । २१२ और-कारा कारावास कद सेंद ब्याना बेल बेहुक मॅदियुष्ट, यंत्र । दै कारापार'। २२३ पक्क -- धसन प्रहुग प्राष्ट्र, निर पतारी वर पक्ष । २२४ वक्का-निरन्तर करना प्रसना प्रहम करना प्रत्यना चौमना भागना बाम्हना बरना पकरना सेना ग्रमासना इमियाना इस्तमत करना हाम में केना । २२४ अ वैक--जुमिना बीड़ शाहन

सासन भारत सबा समाई, सकाय।

NYF स २४१ स २२५ २२५ बंबना---वर्ष वंड कगाना अरमाना निरमंत्रित गिर्गक निरवपद, निर्वय कराना कौड संगरना ताकना ताकित निमुक्त वंचन-विहीन करना दंड धगाना देखित करना मुक्त यवाकामी स्वच्छंद, स्वाचीन स्वैद पीटना मारमा सवा बेना। स्पैरचारी स्पीरी । २३५ परलंश-अंदर, अयोग मामीन २२६ वंडमीय-वंडम । नरनग्रंथ जानवः, जायतः गुलाय २२७. वर्षेडतीय-नवक वर्षेडय । गुद्धाक चकका ताबे तिचित्र निच्न निर २२८ बध्य-- वक्तीय इतनीय अन्यः विन मा**तहत** परतेत परवस परवड २२९ समी---रांसी मान वंड गुणी। पराचीन बंब बंधा बढ़ बसी बधवर्ती २३ क्ष्मपा--जबार, उबार, क्ट्टी वसीभूत सरम श्रृंकस्थित। **क्**ट निवात निवेती मिस्तार, निस्तारा २३६, स्वतम करना---'स्वतंत्र' के धर्यांनी नैवात मुन्दि मोश चिहाई। में 'करना' और 'स्क्लंबता' के पर्यायों में २११ क्रकारा होता--- मकाची होता दिना' या 'प्रदान करना' ओइकर पर्यान बदरमा बदार माना क्टकारा माना बनाए जा सकते हैं। जैसे 'बाजाद करना' **क्**टना दरना निर्माण पाना निसंतरना या 'मृस्ति देना' बादि । निस्तरना प्राम बनना बैतरनी पार होना २३७. परतंत्र करला---वंत्रन में शसना मबसापर पार होना जुन्त होना जुन्ति बोबना । कपर की भाति 'पर्याप' और पाना स्वर्तन होना । 'परतांत्रता' के पर्वादों से इसके पर्वाव **११२ जिलका सूबकारा हजा हो---**-बनाए वा सकते हैं। क्टा छोड़ा त्यस्त निर्मुक्त निस्तीर्थ २१८ स्वतंत्रता—जवादी माठादी वर्ण्यः ग्यस्त मुक्त रिद्वा । वै 'स्वतम्ब'। क्षसदर निर्वेषदा निमुक्ता मनमानापन १३३ प्रदारमा---नाबाद करना बाबावी जुलित स्वच्छंदता स्वातंत्र्य स्वामीनता दैना बतारना छदार करना प्रशासना लीरवारिता सीरवा ।

**कृटकारा पू**टकारना सुरकारा देना २३९ परतवता—अवीनवा **मा**यीक्वा छड़ाना छोड़ना वारण करना तारना धुमानी वानेवारी परवराता वरावी<sup>न्छा</sup>न भाष देशा निस्तारना निस्तारण क्रमा क्षणम भातहरी वधता वधिता, वधिरा निस्तारना बॅचाना भीशायर पार बदयता । करना पार करना पार कवाना बचाना २४ **वाला—अ**ग्या अनुदा अनुपति **र्व**त्राणी पार करना युक्त करना अनुसासन आदेश इजावन नद्दना नदी मृक्ति देता मोचना मौपना सद्यति प्रचीवन वासन हुन्म । र्देशा । २४१ आता वैना-अवनता अर्टनना ज्ञाजा करना चत्रभा हुक्यना हुनम् देना २३४ स्वनक-अवस्य, अनियंत्रित जना बून भारार उच्छोलक निरंदुध हुपम सन्दाना ।

स ६४५ ६४	५ इत्र
ए४२ सामाधारि— वृत्तामी सामा पाकक करमावरवार, हुक्मवरवार। । १४३ सामाधारमण—करमावरवारे हुक्म वरदारे। १४३ सामाधारमण—करमावरवारे हुक्म वरदारे। १४४ सन्तरवर्ग नक्स निर्माण करमा— सन्वरूप करमा नक्स । १४५ सन्तरवर्ग करमा— सन्वरूप करमा नक्स करमा पीछे-पीछे क्ष करमा पाछे-पा महस्त्राम सम्वरूप महस्त्राम सक्मा मिलना महस्त्राम सक्मा मिलना पाछे-पा महस्त्राम प्रकारना प्रकार करमा पाछे-पा स्वरूप स्वरूप सम्बर्ध करमा स्वरूप सर्वार्ग स्वरूप स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप परिकृत सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप परिवर्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग स्वरूप सर्वार्ग सर्वरूप सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वार्ग सर्वरूप सर्वरूप सर्वार्ग सर्वरूप सर्वर	२५२ विधेवन किया हुमा—निवेरित प्राचित । २५३ ज्याचि—विद्याम खेतान कियोगा हिशी पह । १५४ विशी—मीच्या । १५५ विशी—मीच्या । १५५ विशी—मीच्या । १५५ व्याचि निवंदि ते स्थान । १५६ व्याची के सनुसार स्थान । १५८ कार्न्य वर्तमान मीचूर, निव्या मात हाविर । १५८ कार्न्य स्थान स्थान रहित स्था । १६१ कप्रसिदी मीचूर, निव्यानता ह्याचिर । १६१ कप्रसिदी मीचूर, निव्यानता ह्याचिर । १६१ कप्रसिदी स्थान स्थान स्था
हान जोन्ता ।  १४९, नीकरी	र्शुना हाथिए पहना हाथिए होना होना। १६२ कहाई-बनीक अभिधन्मस बन्धा गर्व बानाइ आयोजन बास्कंदन आहुर आहुर, कंपन कटकट, फनह, प्रस्तान धमारान चीएण अंच मुक्स कुहाए,

स २६३ रा	rę wyce
स २६६ १८ वस्य हरावर, हिराविक हिरीक। २६४ इतावक-इरवक हरावर, हिराविक हिरीक। २६४ इतार-जविक पवित परात पंगति पर्यत पर्यत प्रवास इत्या होक हें हमार, हृह । २६५ वारपार-जिमारा तीक करात, हस्या होक हें हमार, हृह । २६५ वारपार-जिमारा तीक करात तेव करात वार तेवा पंचा नेकसार, वैगा । २६५ वोच-देवना तीवा करात तेव करात गार वेवा पंचा विका पर्यत पर्यता वार वर्गा विचा करात रावना वारा विचा । २६५ नोक-जिमारा विनास विस्ता । २६५ नुवीकार-जिमारा वीकसार । २६५ व्यवसारी-कानतेत कमानिया तीर वंपा वस्य तिचंदी वार्यत वार्यत व्यवसार व्यवसार वार्यत वार्य	पूथ्यः पराक्षम—यम बस बीर्य धानर्यः विश्वातः । वे 'बीरता' । प्रथ्यः पराक्षमी—माम्मी धानर्यः । धानरः ।
पूरवीर मूरमा मूरा सामंत तिकोही मूरमा। २७४ कामर-कातर, कपराह, कावर,	वाणित्य विजनेस वैपार, क्ष्मपार, व्यवसाय व्यवहार, व्यापार, स्पोपार, व्यापार।

२४७ स ३१६ H RCC ३ वे ये<del>शा -- उद्य</del>म काम कार्य वैवा २८८ बमी - बम्पवसायी उत्साही उद्यमी उद्योगी कर्मठ कर्मक्ट, परिश्रमी ध्यवसाय । ३.४ **अहमा**—पामना सेइन क्षेम । मधनकती । २८९. घटोपसंबंबी--- नौद्योगिक व्यावसा-३ ५ समानत<del>—बुल्पी स</del>ुनी वादी वरोहर । पिक व्यापारिक। ३ ६ चवनीय-इस्तेमाळ श्रप्योग म्यव २९ वेचना---फरोक्ट करना वै करना द्वार, प्रयोग प्रयोजन । विक्री करना मोच देना दिक्स ३ ७ उपमीय करनः नागंद करता । इस्तेमाळ करना जड़ाना काम में स्नाता १९१ वरीरना कीनना क्य करना चानाः पानाः प्रयोगः करनाः विसन्धनाः भीत करना निसङ्गा नेसाङ्गा वै करना भोगना इनके क्याना : मोक केना। ६ ८- <del>चेरमा - व</del>होरना *चौ*ठाना नापध २९२ विकी-क्रोस्ट विकथ विकथन । करना बापिस करना। १९३ कय-विकय----फरीवफरोक्त हट ३ ९ खे<del>ती अनवकर्ग कास्त्र कास्त्र</del> वाई । कारी किसानी कपि कपिकर्म क्षेत्री २९४ विका<del>टः कम्</del>य पण पराय मा<del>ण</del> बाड़ी खेतीबारी युहस्ती मृहस्वी। निकाठ, निक्कु, शीवा । ३१ विवारी—विवार, कियारा केंद्रार. ९९५ करीयाह<del>्या भी</del>त कीतक।

१९५, बरीया हुवा- मीत मीतक । १९६ वटिया- नटिहा मामूकी सस्ता साथा हुक्का । १९७ वम्सा- मुक्का ऊँवा टिकाऊ, वहिया वेगकीस्त ।

१९८ लस्ती—बमझ्येंचा सस्ताई, सरवा-पत्र। १९९ मह्यी—दिरात्री वेदानी मॅझ्नाई, मह्र्यापन मह्येंद्य।

भवुगापन महत्त्वा ।
विनिन्धः स्वकान्यवका स्ववीकी
विवासमा परिवर्त परिवर्तन अवका
सेन-वेना
विकासमा परिवर्तन स्वका

सेन-देत ।

१ हामि—कमी विकास बद्दा
को बात चपत दीता बक्का तुक-साम हाम ।

१ हामि—कमी विकास बद्दा
स्थान हाम।

१ साम—बामव साधवनी नहस्य
परायदक मुनाइसं। कारी बेटीबारी पृहस्ती पृहस्ती । क्षश्री क्ष्मारी—क्ष्मार, हिमारा केदार, क्यारी । १११ कोक्सन—कोन करना बास करना बासना सोमरा करना हर बकाना, हक बकाना । १११ हैंगा—बेंदी पटेका । १११ हैंगा—बेंदी पटेका ।

हैंना देना हैनियाना सम करना ।
है इंग्रं दोना—चीरना वादग करना वीय
आकना वीया आक्रमा चरन करना वीय
आक्रमा है
है दे क्रमाया—चंद्रसिय करना चयाना
करमा करना चरना करना चयाना
कीया चरन करना।
वेद्र क्रमाया—अक्रुरना, बंद्र एकेन्सा
चंद्र क्रमाया अक्रुरना, बंद्र एकेन्सा
चंद्र क्रमाया चरना अक्रुरना, बंद्र एकेन्सा

होता मेंचुना पुठता उपना उत्पन्न

स <b>११७</b> ए४०	१ म १४२
होना उमहुना समरना छपणना उत्पर माना चन्मना चमना निकलना	३१७ चासूवर—इंद्रजासी ऐंड वाधिक मारावी सामिक।
परमट होना प्रकट होना बढ़ना बाहर	श्रयः जनुष्यतः प्रज्ञासः तिकस्य गामा मामाकर्मः।
नाता। ११७- रोपनाः—पेड स्थाना बोना चोपनी	क्षणः कुक्ति—निमुद्धः, कजनी बाहुमुद्धः शरकमृद्धः मस्कन्तिकृति ककाई ।
करमा समाना कपन करमा । ३१८: सावपाडी करमा—मोविणा	गल्लम् व नकानाम् कराहः । हा कलाईकियेहुये—कमीही रहनाएं।
वसाता विवस्ता रेड्डम ववाना दोन	३३१ सलाई किये काला रंग—सा <del>वित</del> -
पक्षाना दीरी चळाला पानी देला	वानी क्योती कृष्ण कोहित धूनिका
पुर चकाता पुढाव करना भरन करना	कुगल भूमरा कुमका धूमिक भूम !
मरना मराव करना विचिया करना	३३२ भूरायन सिम्मे कास — पिनक
सींचना सींचाई करना।	पिंबर।
<b>११९: सहस्रह</b> ागः (बनस्पति)—चम-	३३३ प्रमुम रंग का- कुर्तुमा कुर्तुमी
मना कबूर होना विकना पनपना	कुमुन । ३३४ <b>वासीरंगकवर्ड</b> करंजुवा कारिय
परकार फूटना परकवित होना प्रशुप्तिकत होना फुलना सहरोना विकशमा	बाकी बुकिया पंडु पंडुर, भूरा महमेका
इतमय होता हरा होता !	मटियाका भिषाकी मटिला मटीका
३२ विद्यान-विद्यान श्रेष्ठ व्यक्ति-	मूक्तानी ।
यान काटा।	१३५ लाइका बना हुना रेपन <del>बन</del> ्ड
३२१ च <del>हतना कवतना कौ</del> हना कुच	ब <del>ङ्गा</del> क बस्ता जानक।
कना कूँचना कूटना गींबना गहिना	३३६ सुनहता मनरई बमरवी पुन-
<del>घ</del> ठिमाना ।	ह्य चुनहभी चीलवाल चीलहरा।
३१२ कारीयर-कताकार, वस्तकार,	६६७. <del>जैला सांकदर, जांदर, मटमैला</del> शर्मका दे 'काला' मैला'।
मिस्त्री चित्रकार, विकाशीनी विस्त्री। वश्य कारीमरीवस्तवारी त्रिमीयक्सा	३३८ सेट्रं के रंग का नंदुनी मेहूँ सी।
विद्य विस्पन्न विद्यास्ति विद्या	११९ काम के रंग का—गुरी अनवी
विकिप इस्तकता इस्तकीयक ।	काची ।
३२४ बहुना-जटित करना अकाई	३४ <b>व</b> र्षेकेश्य <del>का वृ</del> ष्टिसा पुर
करना पण्यो करना वण्योकारी करना	शका वृत्रिक यूच सूत्रवर्गः
वैठाना समानाः	इ४१ संर के रंग का—नन्धर्य थे <b>ए</b>

मसनिरी ।

३४२ वे<del>रंग</del>-निरंग वरतंत्र विरंग

वैर्रमा चक्र मलिन विरम विवर्ष ।

विकस्य ।

११५ चड़ित-चटित पढ़ाऊ, पहुणा।

१२६ बारू-दंडनात त्रेक तमाधा

H \$X\$	४९ स १६६
१४६ पंथ रंगों का-पेंचरेंग पेंचरेंगा पंचरेंगा।	६५४ जीवना—जीवना सावना सावना करना।
१४४ पहरा रंग-सोस भटक।	<b>३५५ यठायाभेवा प्रेपित पर्हेवामा</b> ।
१४५ वताहता चपावश छपाकस्	<b>३५६. मौपा—नाचा</b> मैनामा मा <b>चित</b> ।
बोक्रमा श्रोसंमा शोखन जोखना	३५७ निवाहना पकाना निवाह करना
नोबहुना बोबाहुना विका धिकवा	निर्वाहना निर्वाह करना पार-पाट क्षणामा
धिकवा-धिकायत सिकायत ।	पार झगाना पूरा करना समाप्त करना
३४६ बलाहुना देना-उपासन देना	धिङ करना ।
उपाक्रम देना छपासंग्रना श्रीसहना	३५८ निवाह—चकाव निरवाह निर्वाह
चित्रवा-चिकायत करना चित्रायत करना ।	पार, पारभाट पाडन ।
१४% प <del>द्भताना अ</del> फ्छोसना अनुदाप	३५९ स्थलाविकोड़ना विकोना रिड़
करना अफ़रोस करना अनुतापना चिता	कता मंत्रम करना महना।
तुर होना चितित होना संखना सखना	३५९० अट संयय— विकोक्त सवता
सींचना पड़तादा करना पड़तादना	मबाई ।
पश्चादाय करना हत्य मसना।	३६ झाड़नानोभ्रहती करना मूत
<b>१४८ पक्रतावा—बंवधैय अनु</b> ताय अप-	उदारना साइना-भूँकना साइ- <del>पूँ</del> क
घोष वक्कोस और, चिता प्रकाति	करना सारना टोना-टोटका करना
पष्टताब परचादाप पश्चानुताप रेज	र्जूक बालना मंत्र र्जूकना सीक्राइटी
सोच इतरत हैफ।	करना सोबैदी करना।
₹४९-प्राप्त—विशिद्धाः छपलस्थः निका	३६१ व्यक-चीड़ रंख।
कस्य हस्तपत हासिकः।	३६२ वंक भार <del>ना वाँ</del> ड गारना आर
३५ पाना <del>- वि</del> विद्यत करना उपकर्ण	
करना प्रापन करना प्राप्त करना	<b>रंग्र</b> मारना <b>रं</b> सना।
प्राप्ति करना कमना सहना इस्तगढ	
करना हासिक करना ।	शुक्रमुकामाः ।
१५१ वहकतावककता वृतिह होना	
रोपना करना भरणसना वर्सना वह	
क्ता सक्षक करना बढवई करना	
पहुंचकाना घरकता चुक्रबुकाना छड़कता	
हिनना स्पंतन करना स्पंतित होना १५२ पठाना पठावना पहुँचाना	
१९९ पठाना पठावना पहुचाना मस्वापित करना वेजना ।	
१५१ भेपानाः—गैनवानाः।	कुर्पंत करना अस्त्रोय करना असामा अस्साना मेंहकमा । वे 'सक्ना' ।

H 164 स ३६७ 24 ३६७. गंब छेन:—बायाय करना थाण ३७६. काक-काक वितास विस्तर टपकटनकटमकतटीस । देर्दि। केता बाध केता वृक्षेता सङ्कक्रीता र्षुपना । ३७७- करकना----कड़कता कसकमा सट **१९८. फूमना (फून)—कू**मुमित **हो**ना कता गइना विकरना विस्ट्रक्ता विस्ता सुबना पुष्पित होना अस्कृदित च्यना टीस भारता ट्यइना टमइना होना मुम्ब्रुयना विकसित होना हेंसना। डमकना दर्व करना दुवना पीड़ा देगाः ३६९. पुर्ववित करना---धेनपुन्त करना फ्टना फाटना सूच रङना। यदाना गंदित करना यमकाना बासमा ३७८ चरि बढ़ाना—वपाना वर्गनाः कोर बारूना बौपना दशव बाह्ना महकाना सुगंभियुक्त करणा भुवासित बावना विवय करना ! करना । इ**७ उपाय-विश्वपृत्ति करीना** याँ ३७९, अंगडाला-अधकाई केना अँग-राना बॅनिराना ऐड़ाना बस्त होड़ना। युन्ति भास युद्द अपूत्र कोगाइ हंग बन तरबीद, दरकीन वाद्य वरीका तर्ज ३८ पंचाङ्काना—पंचाकरनापंचा थॉपना पंचा चकाना पंचा बक्ना वारमात तौर, प्रकार, पढति प्रचाकी सक्ता पंचा हिकाना पंचा हॉकना किंद्र, मल मुक्ति सुपति सीम रौति विवन करना विवन बुकारा ह्या विवान चैकी सावन सुविस्ता स्वीता भुमीवा । करना। नोब—सनी पंचा के स्थानों पर पंची ३७१ मन्द्र<del>ाय -</del>जिम्हाया क्राकांबर मायय इच्छा उद्देश कांका कामना रक्तकर भी पर्वाय बना सकते हैं । इसी प्रकार 'हुवा' के स्थान पर 'वासु' वादि कारच ठाठपर्य ठात्पर्यं ध्येय नीयत मंद्रा मंत्रा मतकब कथ्य वजह सम्मति रक्कर गी। दे पंखा। १८१ क्वराना (रास्ता)— मेरानाः स्रक्षा हेत्र। ३७२ अधीय:--- अरिया वसीका सावन कारमा बचाना । ३८२ अवासा<del>नाः च</del>नवासना पुद्धारना । होंचा ।

३८३ <del>४५नाय उर्फ धर्म स्थनाम</del> ३७३ हीसा-हवाला--- वैवका बहाना बद्दानायाची बहानैयाची बहैपी मिछ वपस्तुस । ३८४ पता--ठिकामा ठैकाम निर्णाण हीका । ३७४ ऐर---कतर वसवी निश्व विद्व पता-हेन (गाः) शाय शोप सम्बामुतामुताई, स्रोधनः। ३८५, अफबाइ—उड़ती श्रवर, दिवरती **২৬**৭ বিল্লাক বছৰঃ—এখ**ত হা**লা এখ-मय जनप्रसिद्धि जनगर जनभूति, जुडी

तुबर, बार्त्री ।

३८६. रहत्य-अंत्र भेट, यत की करा

बाद मर्ग नर्मशास्य दाउ ।

≢मा उमर भागा विल⊈ पहला चिक्क

पड़ना दाय पहुता द्रियाला भ्रमा

पहना ।

३८७. सीकान—विसास विता धावित समर्पे समाई, हैसियत । **१८८. धमाव---**ऍठन संगेठन मरोड महीं कपेट।

अस

# 16W

१८९. फल---अत नतीआ परिकास फर।

३९ बकाना-कपढकान करना असनी करना छाने करना छानना साहना HICKL 1

**१९१ सहेजना---देश भाग कर से**ना चैंद्रतना चुँमाकना सँमाक कथा देना समझ बुझ केना सुपुदं करना सींपना सीजना १

**१९२ पुन होना-पुन समना धन नहना** रट अवना सनक सवार होना सनक होनाहरू होना। **१९१ समता**—उपमा जोड तसबीड

वारवस्य पटवर, मिलान मुकाबिका मुघाबहत सब्यता खाद्द्य ।

१९४ वियमता-संस्थाता वैर. विरोध । १९५. मिलाना--नुसना करना वरावरी करना पटवरना मुकाबिसा करना धनवा

करना । १९६ निवाद-मानर्पन पिथाई दीव तनाव । १९७. वीचना-मानर्पना कर्पना शती दना एचना घसीटमा शानना ।

१९८ विकास--गर्पवासा सिचवासा वेदबावर समाना (

१९९- मरवराना--रोबांच होता रोगां चित्र दोना रोधी सङ्ग्रहाना । १९९. म रोनांच--गुलन लोगाच । उपस-पूरल---अरल-परल अव्यव

पसटी गड़बड़ी फेरफार, स्पतिकम विपर्म्य हैरफेर । ४ १ जनसं पुपसं करना-अहबह करना बर्राष्यरत करना जयकना उधटना एक-

स्थानकरका सकट अकट फेर उम्रटा-

टना-पुष्तटना उक्तट-पुष्तट करना उक्तट-फेर करमा बाँचाना यहबढ़ फरना नीचे क्रवर करना पक्रटना कौट-वौट करना हेर-फेर करना । ४ २ उच्चरमा—ऑपना उट्ट बाना

उच्चटा होता शीचे कपर होना पक्तटमा विस्टना । ४ ३ रिक्ता--वाल्लुक नवर्ष, नवार्ष, नावा नावेदारी रिस्तेदाग्री संगंत हिवई, दिवादि धपर्क ।

४ ४ व्यक्ति—शादमी अन समई सनुष्य व्यक्ति व्यप्टि, धक्तः। है 'मनप्य'। ४ ५. अपना---थपान बापने आरम आरियक जाती नजबीकी निज का निजी स्व स्वक्षीय स्वयं का स्वीय व्यक्तिगत । ¥ ६. प्रेर--- बन्य अक्षम ऐरा-गैरा ऐराईक बुश कुनर, दुनय न्यारा परामा पराय, पराया विद्याना वेदाना विद्या

४ ७. अपनायम---अपनाय बारमचा बारमपन बारियकता. स्वकी मदा भारमीयदा । ४०८ अपरत्य--वैरियत परायातान वे वानगी श्रेमामापन सिचना । ४९. सपकाना—अपीकार करना अंगे पना जपना करना अपनाना सामय बैना प्रद्वम करना हैना स्वीपार

करना ।

सिकेशर । ४३७. वेकस--वड-वड बस्त-ब्बस्त चस्टा-पस्टा **चस्टा-पुलटा** गर्**व**क्

बेदंग बेतरतीय विचर्मस्त । ४३८ विस्मय-अक्रमव अर्थमा

नचमी जनरक बाध्यमं करामाय गजद चमल्कार, चमल्कति साज्यव

विष्यसम् हैरतः। ४३९, विस्मावकारी---वादवर्वजन्छ करा माती धडाब का

नागत्कारिक चमस्कारी हैप्समनेब ।

¥४ विसित्त—क्रवंशित परित बारपर्यन्तित

दग हुनका

ৰ্ণিত বছত খনভোৱ बनका ।

४४१ चकराता-चक्रवकाता अनाक

बादवर्ष मारचरित

थमत्कारिक विस्मी

स्क्रमञ्जूपता ।

'सप्त हो बाना'। ४४ए बहाचय-प्रवसायम संगोटवंदी

४**०%, क्रिसा—गर**पीक्त ।

होना इक्बकाना हवास यम होना होध चड़ना होच क्रिकाने होना । दे

इधर उधर ताकना काठ मार काना

काठ हो बाना भवदाना भवना

चकपकाना चित्रवद होना चकना

चढ़ हो जाना दन रह माना पत्पर हो

काना पैर तके की वामीन सरकता भाँचक्टा होना स्तमित होना स्तन्ध

४४६ अपरिच<del>ड - व</del>न ग्याम । ४४४ परिषद्ध-पनसंबर्ध ।

४४५. वर्ष्टिसर—गरपौडनडीनता ।

४४%. वहिसक—वहिस । ४४८. हिसक-परगेहर हिसा।

स ४१ १६	<sup>15</sup> ध <i>र्जार</i>
४१ त्याममा— के दुकराना कीहना स्थापना । ४११ त्यां — सुनान परत क्यान सटाव। ४१२ कूना — रत्य करणा परतमा कमणा सटला स्था करणा हाच रत्या हाच स्थापना स्थापना करणा । ४१३ स्थापना — स्टब्हा स्थापना ।	नारि, में 'चाना' बोड़कर नौर भी धय बनाए वा सकते हैं। ४९५ निश्चय—करार, इकरार, निर्मत निर्मार, निर्मारण निर्मे । दें संकल्प । ४९६. निश्चय करना निर्मारण निर्मार
४१४ इटरनाः अस्तरम करना अस- दरना अस्त्रीम होना सारपार थाना पार करना पार थाना हकना	रिय करना निश्चित करना युनिश्चित करना । ४२७ वंद्यस्—अद्दिय इकरार, इसस
हेननाः  ४१५ दूवनाः—पथनका बाना गणकी  बाना गीता बाना बुक्ना समा बानाः  ४१६ दुब्नाः—गीतना मोता बेना	कील वृद्ध वृद्धतिरचय प्रया प्रविधा वादा विचार छंडकर । ४२८. छंडाय करना—जीत करना प्रव करना प्रतिका करना वचन वेना वचन
मुत्राना मित्रयना । ४१% दुबकी—पदस्का योता मृब्यी मुक्की मुद्की । ४१८ दुवराना—कमर बाना वैरना	वड होना इठना हाम उठाकर कहता। ४२९- जबस्थिय
पैरता पीड़ना पीरमा। ४१९-वहाला- बहुर देना प्रवाहित करना फेंक्नमा भवाना विच्या वेरवामा। ४२ वेरमा- करायना वर्ग्या वरिका	अर् स्पीक्षपर, बिंध बारत बारता बारफेर । अक्ष्र बेटका चेट बाना अटना समाना सामा सट बाना घरता
होना विरक्ता पॅबरना पैरला पीइना पीरला। विकोसवै दूबना। ४२१ तैराजवैधिया पीरह्या पीराजः।	समाना ।  ४६२ न ऋस्तर मधिक होना स्वीक् काला स्वरास (किसी वर्तन जादि में)। ४६६ सस्त मस्मित तूवा समाना।
गएक । १२२ कुक्त वाका—गोताकोर, कुका पतदुक्ता बुद्धा। १२३ सपक सहस, बाल कुछन किरिया प्रदेश धोगंद, धोगंव सुक्कत । १४ सपक बाला—कुछन केला हुक्कत उठ्यमा। कुछन किरिया धीगंद, धीगंव	४३४ करत होना (च्यू आदि)  जनमा सम्बदना स्थाना स्रात्यना कृतम होना वृद्धना हमान्य होना। ४३५ कम—उरतीय ठाउउम्म अध्यक्ष विक्रमिता। ४३५ कम—उरतीय ठाउउम्म अध्यक्ष विक्रमिता। ४३६ कमानुसार—करोने हे कमानुस्त क्रमान कम वे कमानुस्क कमिक

श्रमभा

आदचर्य

आवर्ष वित

वावाक

R YIN

सिसेबार ।

विकस्य देखा ।

हैरतवयेख ।

नका ।

४४ विस्मित-अवंभित

चकिय जारवयां निवत

४४१ चकराना- जकवकाना

वर्ष्णीन से वर्ष्णीननार, श्रृंससानद्व सिक-

४३७. वेचम-भट-बंड बस्त-म्यस्त

च**ब**टा-पर्कटा संस्टा-पुसरा गड्डड

वयंनी जवरक बास्वयं करामात

मनद चमत्कार, चमत्कृति धारजुव

४३९ विस्मयकारी बारवर्गजनक करा

माती पत्रव का जनकारिक

चमत्कारी चामत्कारिक विकस्मी

चकित चहुत चनरहत वेग हुनका-

बेईय बेटासीब विषय्यंस्त । ४३८. विस्मय-स्वश्नव

H YY

होना वादवर्यवस्थि होता बारवर्य से इवर तबर ताक्ष्मा काठ मार जाना काठ हो जाना धनकाना चकना चकपकाना चित्रवत होना वकना

जड हो जाता दंग रह जाना पत्थर हो

कामा पैर शके की क्षमीन सरकना भौजनका होना स्टमित होना स्टब्स होना हकवकामा हवास यूम होना होच उड़ना होच ठिकाने होता । दे

'सम्र हो जाना'। ४४२ बहावर्य--- प्रवस्तासम क्रमोटबंदी स्बक्षमस्यता । ४४३ जपरियह—बन त्यान । ४४४ परिचन्त-चनसंप्रद्व । ४४५ अर्फ्रिया---परपीइनहीनता ।

४४६. हिंसा-परपीवृत्त । ४४७. अहिसक -- वहिस । ४४८ क्रिंसक-पश्तिक दिस ।

## अनुक्रमणी

[ भ्रम्मों के आपे किसे जसर और बंक पीछे दिए गए पर्शमों के धीर्पीक g : ]

व

क्षेत्र क ५८५, व्ह १६ म ११ म १८ बॅहवाडाला व ४९४ मंद्रक हेरे . च २२८ च २९५ च ५५६ ग १३ च ६ ६ ग१२ व ४६ ४ ६ १ व्यवकर २७१ स २४७ स २५ मेंगबार्ड केना स ३७९ W YEW बदयनिय च ५५३ बॅयड्राना स ३७९ वीयदान: ६७२ वर ६८६ क्र १३६ क्र ३५० भेंद्र जाना च ८१ बेंकड़ा के ५७२ अवेवना च १४५ मेंगनाई च १४५ **बे**वड़ स ९९ **सं**कत करना **स** १९४ अंगमती च ५३७ वंबरका छ २५२ बंक भरता व १५२ व्यवस्था व ४२९ बंबमात व १५ में बनाना व १६७ मैक्सना स १७९ सेंग्वार म ७६ ज १५ श्रंग कवाना ज १५२ वेंद्रवार भरता व १५२ भगहीत क २७१ व ५३९ धेशना व ९६७ अंगा क २४३ क २५२ अधिन स १७ र्वपार क १ २ बस्ति कला व २८८, च २९४ भौगारी च २५१ अंहर व २४ थ २६ बॅनिया क्ष २६९ भेंद्रसा स ३१६ समिरा क ५७८, भ ७४ अॅनिराना व ९ मोर्ग छ ८२ 🗉 २१८, छ ३ ८ व अगीनार व १७ , ज १८६ व १८८ भौरोप व ५ अमीनार करना व १८३ स ४ ९ भेगरी व १९ बबोडी क ४२१ भेंत्याच २४ अंतुली न ६७ व ४४४ भेन्दवाना स ३१६ अनुनीय क्र ३५८

-t-	⊇ <b>५६ अं</b> रागेत
र्वपृप्त	२५५ मेर्तगत
बंबुस्त य ६७	<b>बँ</b> ठमा म ५४९
वंपुराये ह ३५८	अवक २७१ ग <b>१२, ग८१ ग</b> १२९
अगुस्ताना क्र १५७	ग ५१२ च २
ৰ্দুত ৰ ভ	अंडकोस ग८१ चर
बंगुसी क ५२७	बंदन क १२६ ग ५५८, य ५८४ ग ५९८
मंपूज प ६९ य ७	बंदरंड व ६२५ स ४३७
नपूरी क ११६ क १५८	बीबबंद करना च ६१६ त ¥ १
बंदर स ५२८ म १४३	संबर्शनवर इन २६९
मपूरी भ ४१ स ५५	अकास १२ स ६ ६
मेरीनता च १५२, च १८३ स ४ ९	बंदाकार ज ५८६
वैयोजना मा ७१	मंद्राहरा म ५८६
वैयोका क्र २५६	बंदी रू २६४
मॅनोछी इन्दर्	अर्थेषु च ८१
वजेन ग १६५	शंतकरण ग ११
वींच प १३	<b>अंत पुरवारिका स</b> . २७७
भीषक इ.२७३ च.२८	संस्कृतकर गर्व गर्भक्ष व ८०१
भेषता अं २७६	च ८२३ स १८६ स १८६
र्वजनास १२ स १९३	अंत्रक क ११२ क १६५ क ११४ क ११८
वेंबार स १३७ स २७३	क ४७३ स १५४
ं मॅतन धा३ ६ न ५३१ स ५६९ ग ८	८, अंतरणिक १६५
करेर हर ५ च ८८, छ १४। 	६ अनेत्रकास ग १५४
र्मनना क ६१४ क ६८१ थ ५६१	में तथी य ९८
मंत्रती क १८१ थ ८ थ १६६	वंदरग ग २७८
र्मजनीष्ट्रभार क १८	बंतरम ५ इ. ११२, छ ७ इ. १४२,
मेंगर-पंजर भ १	छ११वट वट५६
मंत्रीर च ३७	अंशरतानी व ११२
भैनोरना झ ११	शंतरत क ११२
भेगेरिया च १६	बत्तराख्य ;ख १४२
बंगा छ थ छ १५५	अनिरास्या य ५, य ६
भौरताच १६ स ४३१ 	अतिसम्बद्धसभ्य भागस
वेटियाना च छ १ भरित्रा	ৰ্যানিক স্কান্ত সংক্ৰম
मडी ह १९३ ह २९३ ह १४ ह ५१ भेरतार	(Y अन्तरीय क्ष. २६१ का २३१
भेडर म ५५	<b>अं</b> तर्देत स ८६



790 मकेसा मंगुण २६२ बक्बक करना च ६१३ मंतुन क १२६ म ६८८ मन्त्रकाना च १८ च ७६७ स ४४१ बंदुवि च २६४ वकरकरा च १३९ बंबुनाव क २८९ जक्तंब्य च दे६ च ६६२ सब्तिमि च २६४ मकत्तीक ११२, व ६६ बंबपति क २८९ मकर्मेच्य व ४४५ झ ६६ संसक्त । क इथर ग १६६ च २६२ बकर्मी च ११२ बंगोजक ३ ७ व ६४ च ३८८ जकर्य ज ६६२ मनोघर छ २३९ मक्तकी वा ११५ बँगीरी स ४५४ बक्स क ११२ व १३२ च २२६ बेव्हीरी स ४५४ अक्कमंद व १६६ बंध स ६४३ ग ३६ मकमगरी व १६५ बर्ग कर्रक स र कपट बक्स व २७६ मगुक छ १११ छ २७४ मक्तर छ १९८, व ९१९ वंगुनाकी क २९७ मकस्पात छ १६८ च १ १३ मेंनुवास ११९ बर्ताट व ८७९ बहुति च १९५ मकाज व ४५५ मंहस व ३ ४ अवशयक ११२ म क २४२ बकारम क ११२ क ११६ मञ्जूष २१ व ७१ व ८६, व ८८, बकाब छ ५ ₹ ८९, **₹** ९२ विक्तित स्व ४ ५ बक्द माना च ८१ वक्चित्रताल ४ ६ बक्ड दिमाना व ७६ वक्तिवाइ व ५२५ मक्त्राच ७६ च ८१ स १४५ मकुताना प १८ बरहवात व ९१ महत्त्रमता व २६६ मरहवानी भ ८८, भ ९१ शकुल का १६५ बदद व ९१ मरुनाता छ १६१ थ १८ मक्ट्रैन स ९१ बर्ग व १६६ मरव स ११८ बहुत क ११२, क ११६ मरवनीय व ६१८ बहुनजन व २६४ मरका व ६१८ अरुनियना व ३८० बरवर ज २३३ **अ**वेग-दुवेस ज १२१ मारक कर १ क ६११ बरेना व ९१९

<b>मैतर्गित</b>	२५६ असिया
बंदर्गदि व ३	मदोह ज २२४
ব্তৰ্নিৰ ৬২ ৰ ૮	मद ग ५२८ ग ६५२, इ. २८४ व २ १
वंदर्गाव च ८ १ च ८ २	म ४९६
अंतर्मावना च २२४	मंत्रकार स २३६ <b>छ</b> २८४
<b>अंतर्ग्तग६ अट</b> ६	व्यवकृष क ३२३ क ३२४ च ३ ६
विवर्गन व २२६	<b>₹</b> ₹८ <b>४</b>
बंदर्मना व ५६	संबद्ध छ २९८
वतर्मांनी क ११२	संबंधा व ४९७
अंतर्कीत च १२३	वंपवासिस क १२२, क १२१ क १२४
वंदहित ज ८	<b>बॅच</b> रा च ४९६
बंतस म १३	जंबविस्थात क १२
भंद होता व ८२१ व ८२२	वंषविष्यासी क १४
विवासी स २४२	र्मगा ज ४९६
र्वात्य का १७३ व्य ५५	वंगार्ष्य हा १५८
भारतमा स २९६, व २९८	र्वधापन ज ४९७
भंत्यनमं य २९६	मेंबार <b>च</b> १८४
मरवासरी च २७३	अंगियार च २८४
भरवानुत्रास च १९९	वंषियारा <b>छ</b> २८४
मंत्येप्टि करता व ८३१	मंबेरश १५८ श १६५ स १६९
मंत्र म ९८	अंबेरचाता स १५८
मगी न ९८	भैंनेच छ २८४
मंदर म १४७ व ९८२ व ९८५ झ २३५	अविरिया छ १४६ छ २८४
मंदर माना च ७४	अवेरी क १९५ छ १४६ छ २८४
मंदर करता व ७४१	संद भ १९७
बदर याना व ७४	अवरक २४२ च ४६ क २१८ क २११
भैदरसा इ १८२	च १ छ २१९
मंदरनी य ९८४	व्यविष्यं का १ <b>३४ का १६५ व</b> ा गीर
मराज भ ९६३ च ९६४	RAf H fAC
मेरावत च ९६५	संवाक १८५ क १९४ म १७७ व १९७
भैदान करता व ९६४	अंदालिकान १७७ व १९७
मेराजना ज ९६४	अंतिकाक १८५८ क १९४ क २ <sup>२</sup> ८
मेराज समाना व ९६४	त १०० म १९७
मरिया म २२४ व २२९, व २३१ व २३	३ जैवियाय ३८

मेंबु ए	स्५७	
में मुंदा के १२६ मा १८८ मा १६२ मा १६२ मा १६२ मा १८८ मा १८८ मा १८८ मा १६५ मा १६५ मा १६६ मा १६५ मा १६० मा १६	सक्तक करना च ६१६ सक्तकाना च १८, च ७६७ स ४२ सक्तकरा च १६, च ९६२ सक्ती क १६२ च ९६ सक्ती क ११२ च ९६	<b>ब</b> रेता ८१
सकर १२ व ७३ व ८६ व ८८ वहरू कर १ व ७३ व ८६ व ८८ वटम काता व ८१ वहरू स्थाता व ७६ वहरू स्थाता व ७६ वहरू स्थाता व ४८ व १४५ वहरू तर व ११ वहरू तर ११	स्वचार क ११२ स्वच्या क ११२, क ११६ स्वच्या क ११२ स्वच्या क ४ ६ स्वित्या क ४ ६ स्वित्या क १६५ स्वच्या क १६५ स्वच्या क १६६ स्वच्या क १६६	

अकेता-पुकेबर	२५८ वस्तर
अकेका-पुरुका प ९२१	वसुराण ज ८७९, ज ८२६
वकेकायन व ९२	वसीट व १५९
बक्के क ९१९	सक्षोड ग १५९
मन्त्रहें व ७७ अ २४	मधोभ च २४
सम्बद्धान च ७९	मर्चड छ १६७ च ८७७ च ८७९
अस्ट्रेंगर छ १८	संबद्ध क २२५ में ८५७
मक्तेम क १८	मसंक्रित छ १६७ व ८७७ व ८७९
बक्त व १ ८,४१३२, व ३६२	सक्तीन छ २ ८ ७ २२
अभसमंद ज ३१३	असवार स २८९
जनसम्बी व १६५	नवारना व ४७
<b>अन्तरम १०९</b>	मचारोट य १५९
- <b>सब क ३९४</b> क ५५८ व १ <b>९.</b> व १३४	भक्तभाकी उसू <del>क वा</del> ३६१
ग ५५८ च १९२ छ ३३ छ ३७४	विचाड़ाकट अपरुष रहे व
संबद्धमारक १९४	२२३ <b>च ९२४ च ९२५</b>
बसकूट व २१	विवास व ८७७ व ८७९
ंबसयक ३ क ३१ व २३६, क ६३ व	विश्वपार स १४९
€A & \$AS	अयक २९७ स ५५८ च २ च २४८
व्यवयोगि स ६२	मगरूवस च ४९८
वसपटल म २२	अमणित चा ५७१
वसपाटक क १६	वमध्य व ५७१
मलपाद क ५६७	मगर क ५४% स १६
मद्यम् न ८	सनदता श १७
मध्यमा व १६२	मगमित स ५७१
मद्यमासिका क ५५८	भगनेया च १४५
बसयक ११२ व ८३३	सनम स १ म १७२ व ५६४ म ५४६
मध्यकुमार क १९४	व १५८, व १११
बतदत्त्रीया छ २ ८, छ २२	सनाम ज ५६४ व ५७६ व ९११
सर्वर क ११२ स २२५ स ५ स ५	
च ३ च २६२ व्हट६३ सर्वेगाट च ११७	अगरके वर १. ५ सम्बद्धाः च
मग्रीन व ४९६	लनरवत्ती क १४ सपद च १४
व्यक्ति व १९	नपरन १० अपर्वेज १ ५
अधिकारा स २१	अगलास १६६ क १४७ क १८९

सन्दर्भ 145 **MUIST** बरशर्दि व ६६८ अस्टार्व ४ ४ ५ सच हा १९४ मरकारी स ६६८ अरागमी मा ११५ अगवानी काना ज ६६६ ब्रह्म य २१८ KITTE YET U 16 बदरी हेरेप TO JOS CYD CI DET श्रद्धान्त्रभूता अ संबद \*\*\*\*\*\* B 44 श्रद्धांची सं वर्ज बन्द्री छ १ १ छ १९४ ब्रह्मर व ११५ Bridge \$13 or \$40,000 \$25 or \$46.6 बक्रमर होना च ६ ३१ Brits of 5 मन्तर वर्ष अध्य अध्य क्षरहार छ ५ मान्यान हा १ ५ श्रद्धांच स १०१ मान्याने स ११ STREET ! NYTH वर्षाम ११८. छ १८८ संग्लाम स १८ REES MINE 244 & 44 करणां के 114 44m E 56 दरण र १३ सरकाई क्ष १५१ हराया र १५ METERS TOTAL 4 8 8 40 #1"41 # \$15 # st क्षणं स ६ त्र WEST WALL Majabana & \$60 BUTTE E C WITE F 114 ومرد ڪا مضيفڪ anders to the Magazine M. E. F. www.chat.goty Majatan State M. S. of see # tic # t tt मानिकार है। के हुदूर के रूपन का and mills AC REEN MACRE MAC ... \*\*\* \* 1 \* 1 Marians at \$ 0 SALAB E 115 Anthorn & C Section 15 F Agendan A I dille WW WIFE WENT \*\*\*\* Server 4 5 5 6 520 Same a 1 manage at \$1. We 425 Random & C. W.S. WWW. BELL BE IN WY-WY \$ 757 \$ 7 15 arterior as a si

मधार ११	बरश्ककं समाना
भवार क १३७	वबगेर क ५१८
मचाह व १४१	बनगोधा व १४४ इ ७६
वित्रत ज २२७	समय व २८९
वर्षितित व २२७	मणरण ११२, इ.२. ७
मचिरात छ १५९	मणनाइन क ७६
मचीवा क १६८, ज २२७ च ९११	मणस छ १६७
म १ ११	मबा क १८% छ १९४ व ४९२
वयेत कर १ कर२६	सवातसन् इ. १६५, इ. ४१४
अचेतना व ५२९	मपान क ५१४
भवीतं सर ६ अ	बचानुवाहु व ५२७
मञ्जाक ३१ ४ ६३	जवामीक के ४७१
अ <b>ञ्च</b> रा क २४७	अवायवंतर च २१३
बच्छये क २४७	बविवीरा ग १६५
बच्चाच ५४७ क ५ व ४२ व ४६३	समित क १६५
म ४७५ व ५६९ व ८२६ स २९७	बनिरक ३१६,व १२,च १४५,छ २६३
मचाईरु५१ व २८, च ४७७	बबीव य २६७
बच्छा करना च ९४२	सबीय व ४१८
मण्डापन च ४६७	अबीबोयरीव क ४१८
मच्छा सनता व ४६९, स ६५६	बनीर्ष स ४६७
सम्बंद के १६८ वा १६४ के ५००	मनो न ११
अप्युवार्गद क ११२	<b>बह</b> स ४२२, व ११९, व <b>१६</b> ४
बसून य २९६	वनताच२३६ व १ ४
<b>अक्</b> ता म २९८	भजाद जृश् ६,ज ११२
मन करेरे र करेरे करेरे करेरे	जजातसीयना च १६१
क १६८ क २०१ क १ क ग ८ ग	बन्नान स २३६
प्रद गाउदर अन्द	अज्ञानता स २३६ ज ३६६
मजनरेष ५६७ ॥४८	सदानी ज ११२ व १६४
अजगर क १७६ जनदहा न ५६७	मनेप क ११२
सजनरी व ११३	अमुराना क २७५, व ७८३ बटक व २१५ व २२४
संबन्धा क ११२, क ११६	भटकमा ज २३२ ज ७८१
भागव ज ४१८	भटकत य ९६३
भत्रमासा स २५१	बटफ्त संवाना व ९६४

संस्कृता	747	सतिवादी
मटकाना व ७७४ व ७८२, व ७८८	सङ्गंग व ६४	
सटकाम व ७८६	महत्रह व ६४	
बटन ज ६८७	अवस्थाना वा ७ ७	
बटना च ६८८ स ४३१	अबहुक म ४२२	
बटपट वर ६४	महाइ प १९६	
बटपटाना ज २३२ ब ८४३	महाशाच १३ चार५३	<b>च २०३</b>
बटल का ६७९, वा ८६३	बाहाना प ७८२, व ८७१	
मटनी च ११	अकारण ६ ज ६५, ज	99Y
बदा च १४६, स ९२४	महियल व ७४ व ४४५	
बटारी च १४६	बड़ी छ १२	
नदास च १७३	भएसाच १४९	
बटाका व ९२४	अक्नामा स २४१	
बहेरन क ५६४	महाई स ५८६	
बहुद्दास क १६५ म ४१५ व ६२९	अवकार वा ७ १	
महासिका च १४६	जनियाक २६४	
बद्ठाइस 🖝 ६२७	मपुष ५ ३ व ८९५ व	32
नर्ञरङ् च ६२३	अशाभार ६	
बहुकी म ५१	भग्नएम वा १	
विकास व ७६	वतवपुरा च १९	
मञायह स ६२३	मतनु क २७१ व ४९८, १	£ 4.8
बञ्चारा छ ११६	बतलस्ता व ४४६	
वञ्चाना च ९	वतरती च १८४	
मठमी स ४२४	मतल क हेहर क हर्य ।	FRE
बर्ध्य श २२७	मनिकाय व ४९८	
महून स १४९	व्यविकास छ १७५	
महाग प १५३, प १३८	वित्रम क ४८	
महंगर ज ७८६	ৰদিবিধু দ ૮	
महेगा समाना थ ७८८	अनिधिक १११ ग ३७८	
ৰয় স ৬২	व्यविषयुगा स ८४	
बहेराया ज कम्म ज कर्ड	विधित्त च ९१४	
महोत्रम् च ७८६ सर्वेदम् सामग्रास्य १००४	विवाद व १२	
महम्मन कालना च ७७४ महस्य च ४५३ व्या ५८३	वर्तवारिता व ९२	
महराज ७०३ ज ७८१	मितियारी च ९१	

मतिराय १	६२ अनुस्य
मतियम च ९११	बबाना स ४६४
विवार क ५११	अवाह च २६४ छ २१७ च ५६४
<b>म</b> तिसी च २६५	बरंड प २४
मतीत क ११२ ग १५९, क १७२.	अर्थंडनीय श्र २२७
₹44	मर्ग्य श २२७
बदीव म ३७८	बरर च २२८ च ५५६
सरीय व ९११	मरना च ४१७
बतीवता च ९१३	सदर च १२६ व १४७ व २९७ व १४२
मतुराई छ १५८	मरवी च १३
बतुपना व १८	बरत्क व ३१५
सनुतः अ ४२३ च ९११ ज ९६६	बदराना व ९
सतुलनीय च ९११	बर्सन व ८ १
मतुस्तित पा ५७१ च ९११	अवर्धनीय व ४६५
बतुष्ट व १६	मचळ श १६४
मतृत्व व १६, छ ११४	मरक-गरक छ ४
बद्धि स ११६	बरता व १८३
मतील व ९११ च ९६६	बर्कावरधी श ३
बत्पंतता व ९१३	जरवायन कं ५ १
नत्याचार च २९८, वा ३ ४ श १६९	नवादा स १९
वत्याचारी अ ३ १ श १७	मराक्त १ २२४
मत्याग्य थ १९	मदानवी स १८५
भरपायस्यक ज ४२ हे जा	नदापत प २७६
अस्पुरित स १९	बरावती य २७९
बन व ९८८	सरितिक १२३ क २९७ क ४ % क
মবিক সদ্ধ্য প্ৰভাগ প্ৰথ	ANG A GOR A GOD A C A BR
अधिप्रिया क ४५७	4.2
सत्रेयक ३ ७ क ४५९, क ४६८	अधिन व ४५८
सन छ १८७	मरीहन ७३ वट
मचनास ४३४	बरीन ज २३ ज ३७८, त २ <sup>४</sup>
मयांन नेर क ५४४ न १३०	बहुर व ९७६
सवर्गिदिना क ५४६	बर्गित व ४१४
मदरता सं ४१४	बगुर व ६७८
भगगन १३	बहुत्य क ११२, व ७३ व ८

मन्द	२६३ अध्यवसाय
ब्रुप्ट इंदर५७ व ७३ व ८	अविकानाच ९१७ m ४६२
बरेती व २६६	अधिकार वा १४८ स १४९
मदेह क २७१ च ५४	मविकारी च १६८
वदा च ५७५	विवद्धतं स ३४९
नदी क २३५	अधिवस <b>व</b> १४२
मन्मृत च १७९ च ४१८	विषय व १६८ ग २२४ ग १८
मब छ १८७ छ १९१	अधिपति क १३४ ख ३४८ ख १६८
वयापि च १९२	ब २२४
नवार्वाप छ १९२	मिवराज स १४९
महाच ५१	जविवास व १२९
महि च २४८	अविदासी व ५५५
महिजा क १८५	अविष्ठाता 🖛 ११२
विदित्तनमा क १८५	अविच्छान च १२९, च १३
नहीत क ११२	अधीत य १८२ व ११६ श २१५
वयस्ट्री ह १४२ ३ २४७	अवीनताच १३७ श.२३९
मनक्याची स्म ४८६ स्म ४८७	बदीर न १२ व १३ व २२६
नवसा वा ४२७	अधीरता व १५ व १६
नेवपका क थ र	अवीर होगा म १८
नवसक्ष देश अव २ अ ४२९ ज ४	
मेनसवा च ४४१	बनीस्वर च १६८
विवस्पत व ४६	अनुना ≅ १९१
मनमाई च ४३ च ४४१	संबुतावन छ १७५
मनरगरभग८ न ६	अमेली अर्थ
मधर्म अ.३.४	अवैर्य म १२४
मेविशस्य १९ वा ९११	वनोगर्वि व २६२
विविद्यार छ १९८	अमोदमन सं ७२
मिन्निया च ९१३	अवोक्तीक क देहें।
मविक्यर <b>थ</b> १९७	जबीवस्य के २६ <b>१</b>
विविक्तात छ ६३	बनीरी के ४५४
विविक् होना व ६८५ व ९१७ छ। विविक्तांस व ९११	४६२ अध्यक्ष क ७९, घ ६६५ च ६६८, व ६८ अध्यक्ष धार ९ च २५६
मविकारण स १९८	नम्पन करना स २५६ नम्पन करना स २४६
मिन्द्राई स ९१३	नव्यवसाय स २८७

ज्ञप्यवसायी द	হুত মনকা	ů
वस्पवसामी झ २८८	बनमुख्य व १२१	
अध्यातम् क ५५८	अननुरस्त करना व्ह १२६	
बध्यारम शमायण क ५८४	बनगुरकत होना व १२५	
मध्यारमधास्य च ३२७	भनभास म ३५	
सम्यापक वा १४१	मगपन व ४६७	
बध्यापन च २५७	<b>बनपड़ आ</b> २४	
बच्याय स २९९	वनपेशिय च ४२१ इ	
कम्यास व ९७६	<b>म</b> नवन क २७६	
अध्यागमध्य अर्द्ध	मनबोक्या च ५१९, व ६ ७	
अध्यमाच २९	मनव्याहा स २६	
बमर रू ८१	यनिमन व ११२	
वर्णस क २७१ क ५४	व्यवभिष्ठताचा १४	
मर्गत क ११२ च १३४ क ३२८ क ३२९,	अन्यिकवित व १४व	
करेरे करण खप्तार वर्	अनगना स ५४६, व ५६	
<b>छ २ ९, च ९११</b>	बनमनापन क २८१ 👅 ५७	
भनन्तपतुर्वेधी छ २ ९	<b>जन</b> मना <b>हो</b> ला क २८	
सनन्तमूक में १४६	अनरस 🛊 १२८	
मर्गतर छ १९३	भगरसवा 🗊 👯	
मनंत्रवीमं अ २७३	<b>अन</b> रसा <b>इ</b> . १८२	
मर्गदना व ४१	जगरूप के ४६५	
सतम्यो क १७५	मनक्पवा अ ४६८	
मतव्यु छ ५ छ ६६	अनल कर ६ क १११ छ १२४	
मनपास १ १ व १४ व १६१	बनस्य व ९११	
सनपा क ६ ६	सनमया च १ ६	
अनम्ह वा ४६५	अनवट इ' ५३५	
अनगवना च ४५२	अनगणि छ १९७	
मन्यितंत स ५७१	भनवरत छ १६७	
सनचाहा च १४३ च ४२१इ सनचीरहा च ११२	वनवरिवत य १३	
सन्तरम् स ११२ व १६४ सन्दर्भ स ११२ व १६४	समस्मर व ८३१ <i>सम</i> ित म २७	
भन्तासस्य य १ ४	सनाराशिन ज १४६	
मनजाना ज १ ६ थ ११॥	समापार्श १६९	
बनम्याय छ १५% छ १५६	अनापारी सं १७	

नगञ	२६५ सनुबर
बनाव व २२५	अतिर्वेचनीय क ६१८
अनामी भ ११२	सनिस क २ ४ क २ ६ क ३१३
वनादीपन ज १ ४	क ११६ व ८४ व ४२
यताप झ १४ झ २ ३	सनिवार्यं च ४२१ आ
वतावाक्य च २ ४	मनिगार्येता भ ४२१ ई
सनावर च ३४८	वनिश्चित व २३
मनादर करना च १६९	व्यक्तिप्ट च २९
बनादि क् ११२	श्रानिष्टकारक व ११
बनावृत व १४५	मनी का ३५९ का ३२१ सा २६८
सनाप-सनाप व ६२५	बगीक क ३५९ क ३६५ छ २६२
वनामय स ३६	बनोकिनी ख ३५९
मनामिकास ६९, स ७३	बगीति स १६५ भ १६९
मनायास क १६८ क १ १६	वनीतियान श १६७
मनार च ३४४	अनीरवरवादिया क १२१
मनावस्यकः अ ४२१ इ	बनीस्वरवादी क ६, ७ ११९
मनावृद्ध च ३८९	सरीहक ११२
मनानृष्टि 🗑 २५३	जनुक्रपा च १९
चनायय झ २ ३	वनुकपा करना ज २५
वनामिष्य स.२.३	बनुकरण करना वा २९४ झ २४५
नेनासकत व १२३	बतुकूत च १५२ ग २२६ भ ३९ व १८४
नगायका करना क २७९	च २८५
जनासका होना क २८	बनुष्मवा व २७५
मनाप्रव स ८३	जनुष्टति स १३ स २४४
नितर च ३८८	जनुगत व ३८३ स २४६
समित्र वा ४७५	अनुमति श १४४
बनिच्छा थ १४८	समुगमम स २४४
শনিশিয়র খ <b>ং</b> ১২	बनुगामी स ३८३ ज्ञ २४२ ज्ञ २४६
मनिरव <b>छ</b> १५ व्या ८३२	अनुगीता क ५८२
मनियेष छ १	मनुगृहीत व २६५
वनिमेष देखना व ७२६ वनियत्रित स २३४	जनुषह प १९
वनियास स २६६, स २६६	<b>बनुप्रह करना व २५</b> सम्बद्धाः
मनिया क्षाप्र व	सनुधारी थ २२ सरकार स १८०
	सनुपरस १८६

सनुषधी 225 बच्चार बनुषरी ए ३८४ बनुयायी य १८१ स २४६ बनुबित ब ४२१ बनुरंजित स २२ मनुवन २१४ य २२ झ २४६ मन्देशित करना च २६, स २७ मनुताप च ४६ स ३४८ मनुस्कत य २६६, व १२२ बनुतानमा स १४७ बनुरका करना क २७४ बनुत्साह च ४४६ बनुरस्त होना क २७५ मनुबात च ४३८ बनुरक्ति व १२७ मनुदार च ३१ च ३१ मत्राम व १४५ व १४७ ननुरारता स ३९१ बनुरायना च १३९ बनुदिन छ १३८ बनुरामी ग २६६ बनुबद स २५८ बनुसवा ४ २६ व ४५ मनुनय व १७६ बनुक्य अ ४२२ नतुनय करना क १४८ बनुस्पता स ४२४ बनुनय-विनय व १७६ नमुरोब व ७३ अनुपन च ४६३ अनुवाद श्रः ३ १ सनुषमेय व ४१८, व ४६३ मनुवादी च ६९ बनुपमुक्त व ४२१ मपुराधन श २४ बनुपस्थित झ २५८ बनुसाधनपत्र स १८८ बनुपरिवृद्धि स २६ मनुषीक्तम चा २४८, चा २५६ मनप्राप्त 🐨 १९ बनुषीकन करना च २४६ बनुबंब च ८१२ अनुष्ट्य चार ३ बनुमद च ३८३ अनुष्ठान क ६२ मनुमनी च ३८२ बनुसंभान 📽 २५८ नगुमाद स १८७ बन्धवान करना खर्६ व ७९६ भनुमृत व १८४ मनुर्राचानकर्तां च २५९ बनुमृति व ३८३ ननुसनित्तु स २५९ बनुमति स २४ बनुसरम स २४४ ननुसान व ९६३ व ९६९ बनुतरम करना स २४५ बनुमान करना च ९६४ व ९६८ बनुसरना 🛎 २४५ बनुमान कराना व ९६७ बनुसार थ ४२२ ननुमानतः व ९६५ बनुनूया क ४५७ ननुमानना च ९६४ ननुहरना श्र २४५ भनुमित व ९६३ धनुद्वार च ४२२ च ४८३

<del>प्</del> रमूदा	<b>२६७</b>	वपराव
बन्द्रा च ४१८, च ४६३	वपकार ज २९, ज १४८ ज १९	.5
बनुञापन च ४१९, च ४६७	सपकारी व ११ स १७	
मनुद्रा च १६१	अपकार्य च ३१	
बनुष क १ ४	अपकीति व १५९	
मनैक्स च २८६	अपकृत ज १४५	
वर्गसनिक च १८६	अपकृति व ३ ४	
बनैसगिकता व ३८८	वपकृत्य च ६१	
मनोसा च ४१८	भपगति च ९४९	
बनीकापन वा ४१९, वा ४६७	सपमा च २७१	
मास २९७ व ५८४ ४ ६३ च २६	रु अपवात व २५७	
🛡 २२५	जपम का ४६७ का ४६८	
बमकूट छ २१६	अपचार व १५९	
बम्बावा स १६८, व १८	बगदु व १६४	
<b>म</b> सपानी <b>¥</b> ३८	व्यपटल्य वा ३५६	
बबप्रासन क ९८, ग १४८	कपड़ क १६४	
वया व १८२ स ४३३ हा २४९	अपस्य ग २४६ च २५	
बन्द स ५८४ छ ४ ६	सपस्य ८ व २४३	
बन्धत्र वा ९९३	अपनत्त्व व १४% झा४ ७	
बन्धमनस्क च ५६	वपनास ४ ५	
बन्धमनस्वदा च ५७	वपनाना व १८६, स ४ ९	
बन्याय स १५८ स १६५ स १६९	सपनापन व १४% हा ४ ७	
मन्त्रामी स १६७	जपसंस व २४	
मन्योक्ति च १९	नपन्नश्रं स २१८	
मनित व ८६	अपभाग व १४८	
मन्त्रीयम् च २५८	नपमानना व १६९, व ३४६	
मन्त्रेपसः वा २५९	अपमाणित ज १६ व्य वे४५	
बन्देयन स २५८	व्ययस्य व १५९	
मन्तेपन करना स २६	अपटब्स ५८४	
बन्द्रवट क्ष ५३५	वपरंत्र व १ ७ १ ११	
वर्णन वर ५६२	मपरत म ४६५	
मपनर्गम ३ ४ च ३१ मपनप्रिक्त ३ ३०	मपराजित के १६५ के १६८	
मपकर्मी च ११२ मपकर्षे च १४८	मपराम ज ३ ४ च ३१४ सन्दर	च ११६,
7114 4 446	41 77	

सपराथ सगाना	१६८ बस्ते
सपराम सगाना अ४४	अपूर्व व १२८
अपमानित होना ज १४७	अपूर्णेष १२५ घट ¥
मपरामी न ३७ व ३१८, श २२१	शपूर्व छ १७% व ४१८
अपराह्म छ १२९	अपूर्वता व ४१९, व ४६७
अपरिप्रह क ४७५ स ४४३	<b>व</b> पेसा व ४२१ ६
सपरिचित्र कर ६ ज ११६	वप्रकृष्ट व ८
मपरिनित स ५७१ व ४२१	नप्रशास छ २८४
अपरिमेव च ५७१ च ९६६	समतिभ स १२२, व १६४ स ४४५
बपस्य व ४६५	नप्रतिम च ८१८, च ४२१
अपर्योक १८५ इ.१९४ इ.२.२	नप्रशिष्ठा व १४८
वपवर्गे स ९	नप्रयुक्त स्त १९७
सपनाद ज १५९, ज ३ ४	बप्रतस्थ ४ व ९५
वपवादी ज १६२	मप्रसार करना व्य ४४
सपनित्र व ४१५ व ५४३	कप्रसम्बद्धाः वादेशे वाध्यः वादेशे
अपनिमता व ४१६ व ५४५	कप्रसम्भ होना ज ४२, ज ९६
अपन्यव करना क ३८%	वप्रस्तुत व १५८
अपव्यमी स १८९	अप्राकृत व १८६
मपश्चन च ४८	बप्राकृतिक व १८६
मपश्चम व ६४१	बप्राकृतिकता व १८८
अपराज्य कड्ना व ६४२	विभवता व १४८
अपस्मार च १८% च ५१९	नरेस छ १८
बपड्रव करता स ११	बप्कीकेशन श २५
अपद्य होना स २१३	अध्यस्य अस्ति ६ इत्र अस्ति ।
वर्षात व २	850
नपान के देश के देश के ८६ के ८८	अफुगानिस्तान प १२७
अपानवानु क २६४ व ६५	मक्रपुत क ९१३
अपानवामु कोवना व्य ६५१ व्य ५७१	वकरमा व १८, व १७
अपार क ५७१ क ९११	मफ्राम १
सपानन च ४१% च ५४३	अफ़्सा व १८३
सपायनवा च ४१६	जन्महरू <b>व १८५</b>
बपादिन च ४४५ च ५३२ च ५३८	मफसर वा वेद⊎ का १५ मफसनाधा चाप ८
श्री <b>तुष १</b> १२ ——— प्रशेष स्थ	मक्रतास म ४७ श १४८
सपूर्य ज ५४३ स २	च=अध्याप ०० व्य द्व€

	स्वसोधना	२६९		वनिद्यापित
	बङ्गोद्धना स ३४७		थनिश्च व १११ च ३६६	
Ì	बफ्रीम ब ४७९, क १९१		विभिन्नताच १३ च ६६५	
1	मर क १९१		मिश्र होना च ११	
٠	बनटन छ १२३		विभिद्यान व ८३४	
	सर्वतक्र छ १०२		व्यभित्रम्मपिटकं कं ५९२	
	मबरक म ४६		व्यभिवान कीय स ५	
	वर्षक स ४२		अभिनंदन व ४५	
	नमक्ताचा देश चान् । गण्डव		समिन्य च १३७	
	नवक्या ग ६६७		समिनव छ १७५	
	बनका यु ४		विभिन्नाय सं १७१	
	बनाबीक सं६६७		व्यक्तिमानक ग ४२९	
	नव्स व १६४		विमन्तु क ४२	
	बर्गालय क ६ ६		व्यविमान व ८८	
	नवेर क १५७ व ४५१		व्यविवान विकास च ९	
	मनेर करना क्ष ४५२		विभागाणी व ८९	
	मनीय ग ४२२, व्य १६४		व्यभियान व २८७	
	वस्य कर् ७ व १८८, व ४९४		अधियुक्त य ३७ क्ष १९७ ।	F 228
	मध्ययोगिक १२३ का ३ ७		मनियोक्ता व १६८	
	बन्द म ११२ छ २१९ च ४५	च ३	मनियोप च ११६, च ११८,।	e ici
	<b>₩</b> ₹ <b>8</b>		विभियोगी व १६८	
	विकास २६४		मनियम ज ४६३	
	मन्दिय पा ३१३		अधिविचित्र १६२ व च १६८	
	मनिया ह १६३		विवक्तिपत्त व १४२	
	बमर स ४२		मधिकाचना च १३९	
	बच्चा व १७४		अभिकाषा च १३८, श ३७१	
	बंद छ २३९		व्यभिकापी व १४	
	अर्मन छ १६७		अभिवंदन वा १६६ वा १५५	
	मयान व ८४४		अभिवंदगीय व १५८	
	समय य १७३ व्ह २४		अभिवादन व १६६ व ३५५	
	ममामा च ४६१		वभिवादन करना व १६७	
	ममान्य व ४५८		समियान्य व १७५	
	सवायक्ष २५८ ज २६ समितात च ४६३ क्ष २		विभिन्नाप व्य १७२	
	···-नाध मा वर्ष झान्		मभिषापित व १७५	

मनितारिका 99 भगर होना क २१७ श्रमिसारिका चा १५८ ममरावती क २१७ क २१८ मभी छ १९१ समस्य म १९ असीजित वा १४२ मगरेस क २२९ बमीय्ट व १४२ ब्रसार्थ कर २ ७ क २१६ बमबाना व ७६७ ममर्प स १८५, व ९६ बम्बपुर्वे छ १७५ ममेर म ४२२ जगर्यंच च ९१ सनर्थी व ९४ मधेदता व ४२४ बगत क (व ४१४ बर्म्बर म १३३ व ९८८ व ९८५ अम्यात स २३३ च ४ २, ज ९७६ बमस्तास च १४८ बस्यास करता स २४६ स २९४ बमकदारी स १४८ बगबा क १६३ म ३७५ बम्यासकारी स १ २ समस्मित्र व ४१४ बस्यामचे म १७८ बम्पर्वेना क ४५ व ६६८ समहर हे ७७ लगाच १४ : ७ १११ छ १६४ मञ्जभ६ व १ ७ २३९ बसक व ४४८ व ४६ अस्थानुत इत १५ अमंगक व २६७ व ४८ बगला स ४३१ बगार च २१% ज ९१४ बमबुर के ७७ बमन व ४९ असमाबट क १५४ धमनवैन व ४९ श्रमावस क १११ जगावस्या च १११ छ १४६ <del>छ</del> १५ वमनियाँ व ४१४ व ५४१ ममर कर ७ करश्च व १८३ व ४५६ अभित च ९११ **₩** १५१ बिमव क २४२ बमय्ता क २२१ विगत्ती रू १७९ मगरत्व क २२१ अमीर चा४ ५ व बमरतानं क २२५ अमीरी साथ ७ समस्पद न ९ अगुक्त वर ३६७ बनरपति क २२५ जगुद्र व २६७ बमरपुर क २६८ वमूर्वक ११२,व ५ य ६ ≅ १ अमरबेक क १५१ बमूर्तिमान क ११२ नगरलोक क २३८ जनुरुष सः ४९ समें या के इंडेस का पंदर का ईस्ट बगरत इ १५४ ३ ७ व ६ व ३६ व २२६ व १३ बमरती क ३७ त ३३६

वनुराष्ट्रि :	२७१ अवसना
T YYC, T Y45, TYOC T YC?	, बरवी ग४५२ ग४६१
# १५५, # १५७	बरमक व ४९९
बम्बब्दि सा २ व्	भरमान ण १३८
नमृतकरी क १६	सरर च १६५
मामा भ १७७	सररामा भ ७
बाक सं प्रत् के प्रके क संद के हैं।	
मस्बद्ध च ५	गर्रावर क २८४ च ३८८ च ३९५
सम्बदा क ५९	च ४५ च २६२
सम्बान व ३८८	भरत च १६८
मस्किका भ ४६	मरता छ १५७
मम्हीरी क ४५४	अरसाना व ७५४
मनमा च ८४१	मर्रीतक चा १७४
नवपायता व ८४१	अर्थारण २५३
मनन का ४१६ म ४७७ ग ४७८, का	<b>सरावना क</b> २७
नवस स १५९	मरावधी च २५९
नगरक साथ ५ आ	कराक ग ४४
नेपानकता स्र ४ ७	मरिय २७९, व ७१
नेपाल च ४६४	वरिषमेटिक च ५५३
नपुन्त सं ४२१ सः ८५५	वरिष्टक ३४७ य ६५४ च ⊨ च ८५
वयुग्न पा ९१९	म ३१४ म १५ म ४५८
नगोम्य न १९९, स ४२१	मर्ग्य ३१
वयोग्यता व ४ १	मधीय वा १४८
बनोच्या व ५७ व ५९ व ११	मस्माना 💗 २७५
₹ १११	बरन क १६२, क १ ४ क १४७ ख १४
नरंड च २६७	मा वेश मा पर मा पणवे भारत्रश्री मा
मस्य व १७६ मस्यो श २५	इत्रक स. रं. द. ५५० स. ४५८
नरना अ २५ नरनि क २९॥	444.844.844
मस्य च ११	सरमपूर स १४४ सरमाजिक स १४४
वरवाना च २६२	अवनधिका न १४५ अवगार्व च ३६
मरदनी स १८६	जनमान प्रभ
बरव स ६६५ म ४५२ म ४६१	मस्योदय छ १३९
वरवराना च ७ ७	मरसना व ७८१
	•

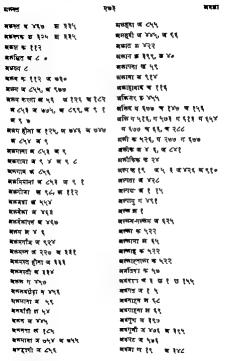
सरता करना	२७४ वरिका
मनता करता च १६९, च ३४६	जनरोड्न करना क १५६
सन्दर्भ क ११७ क ११९	अवरोही ख ७८, व ६५
बक्तरण स ७२	भवर्ग च ४२३
बबतार स ६१२	जनपंतीय वर ६१८
अवतार केना भा १५६	<b>म</b> वर्षेण <b>छ</b> २५३
अनवारी क १५७	सनदंग हर २
जनदीनें क १५७	जयलंबन स २ २
बक्तीव्यं क १५८	जबस्ति हा २६४
सरवात स २८ व १७३ व ४८ व	ता व्यवक्षेत्र क ३२३ व ८८
समस्पूरी च १११	जयमेशुक्र ११६
भववि च २६७ <b>छ १</b> ९९	यवलोकन का २५ वा ७३३
बनमी स २२४	वकोक्ता व ७२३
भववृत क ५५८	बवसिय्ट इ. ४९८, स. ४२९
मन्त्रेस क १६६ क १६८	सबसेय सा ५६१ वा ४२९
सवनित व २८९	सवस्य व ४२१ व
<b>अवनति करना व ९१५</b>	बावसर छ १ छ १५५
अवनित होना व ७ ८	सम्लाद ग १५४ व ७५२ ह १९
स्वत्र च ९४	जनसाम क १७२ य १५४ छ १४ <b>१</b>
<b>ब</b> वति <b>च</b> ९	ष ८२६
अववर्षं चा १४%	अवसात <b>हो</b> ना व १५५ व ८२१
श्रवमानना व १६९	नगरेर छ १५७ ज १६ ज २२ <sup>४</sup>
अवयव ये ११	भवस्या क ९९, य १४२, छ १४८, घ ९४८
सरतपक क १७	म २९
स्थरायन क २६	भवहिल्ला च १८५
ज्ञपस्य ज ७३७	भगदेखना व १४६ च १४८
अवरेन वा ६५	अवदेखना करना च १६६
जबरोप च १४७ व ७८६	जनतेना च ३४८
सररोपक व ४३६ व ७९	अवहेमा करमा ज ३४६
संबंधिका व ७३४ व ४७८	नगरिय ६६६
जनरोपित व ७३३	भगक्षा ८९,जपृष्ट्य इत् इत् ६ सद्
बहरोडी व वज्ह व वह	अवार होना ज ६ ४ झ ४४१
अवरोह स ७२	विविक्त य ६७९
अवरोहन स धरे	

धानकार	एकप् अस्टम
मविवार स १५८ स १६९	अध्विष ४१५ व ५४६
मनिण्डिय छ १६७	मधुद्धकप्रदेशे कार्यदेश काटपर काटपर
सविद्यमानता 🖫 २६	सगुद्ध करना च ५४८
सविद्या वा २३६ ग ८	महिता च ४१६
वित्रासी च ८३३	वपुष्टिच ४१६ व ५४% व ८४१
	अधूम व ३ ४ व ४८
वियम्त च ८६	सरीक क २८४ व ६८
मविमान्य म ८७७	संयोग म ४१५
मनिरक छ १६७ ज ५ ७	अरक रा ११९
मनिरमता अ ५ ९	सस्य च २४७
मनिसंब क ४४६	सस्यव ४ ८
मनिवाहित स २६	बसारी व ११७
विस्तरानीय व २५६	असुय ११९
मनिरमासी व २५६	समृदं म ५१६
मर्वेण श्र १८२	बरबीक वर १९७
बस्पकाक ११२, का ५५८	बरकेपा च २७ च १६
मध्यमा भा १७९०	अस्य ग ४५२, व २८
भव्यम क ११२ क २३८	व्यवस्य च ६६
मध्यमस्या छ १७५	अस्मत्यामा क ४४१
बन्दन स ५७८	वस्वपति क ४५३
वस्तुन व ४८	भरवपास प ४११
नवस्त च १९९ स ४२	भवनीय क ८१ क ८६
मधक्तता च ४ १ सर्	भरनपासा च १८८
मधनित स १९	नवारोही क १६२ च १५
मधन क ३९	वस्थिती कर्भ यज्भेत वर्श वर्
मणीत छ १९७ वर १२ वर १३	श्रविश्लीकुनाएक २५ क ३ ० क ४२७
वर्षातवा व १५	व्याद्व ४% अवर्ष कर्म
मसीति वा १५ वा १व४ सा १७५	मन्द्र भारत वा १८०
नग्राठीन य ३ १	साटक स. ६ छ
मधानीनता कर्श च २९८ मधिकि च ३४	भाटनातीय १४९ भारतपरीय ५४९, य ६३१ स ४१
माराध्य चा वृष्ट माराष्ट्र चा वृष्ट्	बाटन्या क १९४ बाटन्या क १९४
मगीत ज १७	मध्य च ६ ८
and a fee	and at a

बनका करना	एक४ जनिवत
मनवा करता व १६९, वा ३४६	वयरोहच करमा क १५६
वनतंत्र स ३३७ स ३३९	नगरोही का ७८ व ६५
मनतरम च ७२	जनर्थेण ४२३
मनतार स ६१२	<b>अव</b> र्षेतीय च ६१८
<b>सन्तार केना क</b> १५६	समर्पण क २५३
जनधारी क १५७	स्थलंग स २ १
व्यवदीयं का १५७	वावसंवाप साथ २
अवदीर्घ्यं क १५८	बवकि स २६४
बनदात स २८, व १७३ व ४८ ३	र्ग जनकेप क १२६ वा ८८
मनवपुरी च १११	समछेह क १३६
समिति च २६७ छ १९९	नपडोकन खर्भ ज ७३३
वयमी वर २२४	नवकोकना व ४२१
बरमूत क ५५८	वद्यक्तिक्ट क ४९८ छ ४२९
मननेश क १६६ क १६८	अवरोप क ५६१ क ४२९
बननवि व २८९	जनस्य च ४२१ ज
बनविकरमा व ९१५	<b>अवसर क १ क</b> १५५
ववनति होनाच ७ ८	जनसाय व १५४ व ७५२ झ १९
भवनंद च ९४	सबसान का १७२, वा १५४ । <b>वा</b> १४१
<b>अवित्य ९</b>	व ८२६
अवसर्वे चा १४%	अवसान होना य १५५ च ८२१
अवसानना च १६९	जबसेर 😻 १५७ च १६ च २२४
असमय ग ११	बनस्ना क ९९, व १४२, <b>क</b> १४८, <b>व</b> ९४८
बबरायक के १७	स २९
अवरामन क २६	सरक्षिरचा <b>वा</b> १८५
सर्दर व ७७७	मन्द्रेसमा अ ३४६ च ३४८
बनरेन म ६५	सम्बेजना करना च १६९
सन्दोष म १४४ म ४८६	मनदेणा च ३४८
श्वरोगक व ४०६ व ७१	जनहेंका करना थ ३४६
बस्रोतना म अवर्थ म अवट	नवारे व ६६६
सहरोतित स ७७७	मणाकड ८९ वप्१९ वह ३ व६ छ। माद्
वनरोमी च ४०६ च ४९	चनाक होना च ६ ४ झ ४४१
MAGE A Proc	जनाज्यामा चुव श्वाह समित्रक व्याधान
Je	

विवार	२७५ बदस
मनिचार स १५८, स १६९	मध्यिक ४१५ वर्ष ५४३
मनिष्यिम छ १६७	मगुद्ध म ४१३ वा ४१५, वा ८४२ वा ८४३
मविद्यमानता स २६	मधुब करना व १४८
मविद्यास २३६ न ८	मयुद्धता ज ४१६
मिनाची व ८३३	मगुवि व ४१६ व ५४५ व ८४१
सनिभक्त व ८६	असुम व ३ ४ व ४८
	सपीन क २८४ च ६८
मनिमाज्य च ८७७	संघीच क ४१५
मिनिरस छ १६७ वा ५ ७	वरक स ११९
मरिरत्नदा च ५ ९	मस्य च २४७
विसंद व ४४३	मध्यम इ.८
विवाहित स २६	असमरी च ११७
विविद्यमनीय ज २५६ विविद्यासी ज २५६	ममुग ११९
मर्वम म १८२	समृत व ५१६
मन्यस्य क ११२ क ५५८	मस्मीत स १९७
मन्त्रमा म १७९	सस्तेषा च २० च १६
मन्यम क ११२ क २३८	बारव रा ४५२, वर १८
बम्पदरमा झ १७५	मरदाव थ ६६ मरदाया क ४४१
बस्तत स ५७८	मस्याति क ४५३
नयपुत्र व ४८	अर्थात व ४११
मगरा व ३९९ स ४२	मरनगेष क ८१ क ८६
नगरता साथ १ लहर	बरवपाला च १८८
मगस्ति ॥ १५	अस्थारोही स १६२ च १५
मध्य ह १९	अधिनी क १५ स ४५४ च २७ च २८
मणंत्र छ १६७ व १२, व १३	वनिस्तीपुनारकपुर का के के अन्त
मधोत्रता म १५ मध्यति २० ० -	अवाक्षेत्र ५८ च व १ च व ३
मगारिज १५. च १३४ श १७५ मगारीय ज ३ १	मप्टमा६६ छ १८७
मानीत्ता च २१ = २९८	संदर्भ ६ ७
मार्गिता स १४	बप्दवारी हा २४०
विक्रिय कर ह	अध्यक्षीय ५४९, व ६३१ क्ष. ४. १ अध्यक्षी क १९४
मधीन व १३	संदर्भ सं ६ ८

वस्त 4७२ बद्धमधे भक्त सा ५२६ च १४९ वर्षातंकार स १८२ मस्तीय ३९ वर्षी ग वेटक ग ४२६ मस्य क ११२, व २२८ वर्षे स ५७५ मस्पता च ४६८ वर्षमात्रा स ८८ महसा म १४९ मर्जसाप्ताहिक च २९१ बर्फ क १३४ क २२५ क २९७ व १ मक्रींग का ५२३ प ४५ च ४ मर्काणी क १६५ वर्गका क्र ४ अर्थका ५७५ वर्षतक २६ क ७३ मधीिनी य १२५ बर्षन करना करु नर्वाच स ५७५ वर्षताक २६ व ३४३ वर्षण च ₹९५ वर्षतीय क २९ वर्षय करना व १०९ यची कर २६ वर्ष्टच्य १ चाप् रायप्दर कर≷६ वर्षि छ २८ वर्तकस १४ । स.२४७ ज ४२२ व ४९७ वर्षित क २८ ग६ ५ सर्वे च ५७४ च १७६ वर्षमा क २१५, क २९७ क २९८ में १ मर्जवार च ४३४ वयस्थित छ १७५ वर्तन च १८६ वर्षक २६८, स ४७३ म ४४८ म १ वर्षन करना के ६८४ के ८५८ महोत क २६ फ ४४७ वर्धी कर् महंबना श २४१ बर्धन के ४१३ के ४१७ व्हे २८, च २५४ असंकरण क ३२७ 44 2 4 44 नवंदार क १६२ क १६३ क १६४ मर्भग कर५९, कर९७ व ३ व ६, # tcc # tct # ts # \$7# 4 548 बसंहर व ४७३ मर्थ ६ च १८ मर्जनिया क १ मर्चदंश च ४१८ मसंबर क ४५५ वर्षरंड क्ष्माना स २२५ जलंबुवा क २४७ क २४८ व १७९ मर्थवीय च १९६ अक्रक ग ३७ ग ३८ भर्षप्रकृति श्र १४२ अक्रकनंता च २९ वर्षम्यक्ति सः १९२ संस्कृपुरी क २७ मर्परास्य स २३७ ख ६६९ छ ६३७, संसद्भादीता व २५३ # \$95 शक्काक २७ नर्गपास्त्रह च १८३ बसकापुरी क २५९ क ३७



जरका करना	२७४ श्रविका
वरता करता च १६९. <b>च</b> ३ <sup>४६</sup>	अवरोहण करना क १५६
मन्तरं क १३७ क ११९	<b>अवरोही वा</b> ७८, व ६५
अनवरण स ७२	भवर्ग ज ४२६
अनवार च ६१२	अवर्षनीय व ६१८
जनतार केना क १५६	अवर्षण छ २५३
वक्तारी क १५७	अवलेव का २ २
अवतीर्चक १५७	<b>अवसं</b> यन झार २
नक्तीमं क १५८	वदकि सं२६४
सब्बात स २८, म १७३ वा ४८ म	अवसेप क १२१ व ८८
मनवपुरी च १११	सम्मेह क १३६
सवित व २६७ छ १९९	नवकोकन का २५ व ७१३
<b>अन्त्री स</b> २२४	वयकोकना व ७२३
वक्पूट क ५५८	मवशिष्ट इ. ४९८ झ. ४२९
मनवेश क १६६ क १६८	बन्धेय 🕶 ५६१ 🕶 ४२९
बक्ति व २८९	वयस्य व ४२१ व
बदनति करना व ९१५	जबसर 😼 १ 🐨 १५५
<b>ब</b> क्तति होना च ७ ८	जनसाय व १५४ व ७५२ <b>व १९</b>
भवत्य च ९४	जबसान क १७२, व १५४ क १४१
अवति च ९	च ८२३
मबसवं चा १४५	जनसान होना व १५५, व ८२१
नवमानना च १६९	बनसेर अर्थक चर्च स २२४
अध्यक्ष प ११	जबरना क ९९, ग १४२, छ १४८, ब ९४८,
संबद्धक क ३७	<b>₹</b>
वयरायम क २६	भविष्णा वा १८५
मेंबदा व ७७७	सम्हेलना स १४६ व १४८
मनरेग ज ६५	मबहेकना करना व १६९
नवरोग प १७७ म ७८६	सन्देणा च १४८
मवरोपक व ४०६, व ४९	मनकेमा करना व ३४६
मनरोपना व ७७४ व ७७८	मनार्थं भ १६६
मनरोपित व ७७७	मनाक्षक ८९, वन्द्रुद्ध च ६ ३ च ६ ६
नगरीयों च ७७६ च ७९ नगरीय म	9 5 4
नवरोह च ७२	जनाक होता ज ६ ४ स ४४१
नगरीहरा च ७२	सरियक व ६७९

सविचार	२७५ अध्स
नविचार स १५८, स १६९	सञ्जिका ४१५ वा ५४६
नविभिन्नम क १६७	समुद्र म ४१६ व ४१५ व ८४२ व ८४६
मविधमानवा श २६	मधुक करना ज ५४८
मेरिया स २३६, ग ८	मगुबता व ४१६
मनिनामी वा ८३३	मधुद्धि मा ४१६ वा ५४५ वा ८४१
	मसुगण ३ ४ ज ४८
विगक्त व ८६	समोकक २८४ च ६८
मनिमास्य च ८७७	मधीच व ४१५
समिरक छ १६७ वा ५ ७	बरक य ११६
नावरक्षता व ५ ९	बस्य व २४७
नविसंव व ४४३	वस्मवंड ८
विवाहित स २६	मस्मरी च ११७
मनिश्वसनीय व २५६	अस्य ११९
विषयासी व २५६	समृत च ५१६
वर्गेय स १८२	मस्मीत स १९७
नम्पन्त क ११२ क ५५८	असमेपा च २७ च १६
मन्यमा च १७९,	बरव र ४५२ व २८
मन्यम क ११२ क २१८	बस्तरच य ६६
बस्यवस्था स १७५	नश्चत्यामा का ४४१
बन्दह स ५७८	मस्वपति क ४५३
नगरून व ४८	नरवपास ग ४११
नपन व १९९ ज ४२	नरकोष क ८१ क ८३
मधस्त्रताच४ १ स६९	भरवयासा च १८८
मधस्ति स ३९ मधन क ३९	मरवारोही ख १६२ थ १५
	सरिवती क १५ स ४५४ च २७ च २८
नवात छ १६७ ज १२ व १५ नवातता च १५	व्यवस्तीषुनारक२५ क३ क४२०
मराजि व १५ व १३४ स १७५	भाषाकृष ४५८ छ ७१ छ ७३
विवासीन वर १ १	बच्ट स ६ ६ छ १८७
नपानीनडा य २१ व २९८	मध्य न ६ ७ सरमानी स्टूप
विधित्त स २४	बप्टपाती च २४९ बारमारी स १४० च ८०० च
मधिष्ट च १ १	नप्टपरीय ५४९, य ६३१ च ४ १ नप्टमुती क १९४
वर्षाम व १७	वस्तुना कर्रह वस्त्रमास ६८
	and the state of t

मपनी	कृष्ट ससंदर्भ
भारमी प १०२ छ १ ३ छ १५६	अगनियाय ४ ३
मप्टावक च ५१५	असमी व ४१२
बदावक गीता ग ५८२	अगट्ट ज ३९३
अमेन्य स ५७१	अगर्यधीन य ६९२
भर्तन व ८५५	अगहरीय ज १९१
असमन व ४२१	अगह्मत च १८५
असमिति स १९	जनहाय स २ व
बनपुष्ट व १६ व ४	बगहिष्यु ज ८, व १९२
मनंतुष्ट करना व ४४	अत्रदेश व ३९२
सगनुष्टि व ३३४	मनाग्र व १९१
समनीय अर्थ वा १३४	सताइ छ १७ छ ४५
मनंदीची ज ३६	समाई। छ ४६
मसंबद्ध च ८५५	बसाधारन व ४१८
सनम्बर्धाः १९ च ९७३	अभाषारगता व ४१९
वस्यपं च १५	अनाम्य रोग स ५२
अमरवन ज ६ १	वसामान्य व ४१८
मनस्यतना व २९८	अमावधान के ११४ ज २ व
<b>श</b> तनकं था २ ३	असावपान होना ज २ ७
वसस्य च ४ ६	असाववानी व २ ५
अस्तरपता ज ४८	असाब्रियक १९१९
संसायवादी ज ४१	वसि क Y ६
असमान क ४१९	असित व २१ व ४८ अ
वतमंत्रस व २३१	बसीन ज ९११
बस्म व ९ व ४२३ व ५७५	वसीत व १७
असमता स १९४	वसीसनाव १७१ व १७३
मसमर्थे सं १९७ व ३९९ स ४२	अनुरक्ष १ ७ कर्र७ क्र४६ क
वतमर्वताणा४ १	बेर८ च १२ च १ क १४३ क १३१
वसमान व ४२६	अमूया स १८५ अ २६२
मसम्मत च १८५	थसीं क ३४
मधरक व ६ व ६५	वसोक म ६८
मसरकता व ६२	वर्धाच व २२७
मसरहा क ४६	बस्त झ ४व६
बसक वा ३९६ वा ४१२	बस्तवरू च १८८

त्त्रका	र <del>्थक</del> बहिवात
बस्तमना हा ४३४	अहंकार ग १३७ च ८८
बस्तर ग २३७	अहंकारी च ८९
वस्तित्व देना व ९४४	अपूर्वा च ८८
बस्त होता च ४३४	वर्षगरिता च ८८
बस्त व्यस्त स ४३७	अर्हनादी च ८९
मस्तुव १ ६	बहुद स ४२६
अस्तुति क २६	अहदनाया स १८९
बस्तूरा क्र ५२३	बहरी व ४४५
बारतेय क १८ क ४७५ स २ ६	थ अध्यक्ष १३६ क १४२
बस्य म १७ थ ९४ ग ११९ के ४	१ सहसङ व १६४
वस्त्रविकित्सा च ४३४ च ५४०	बहुम् ज ९९६
मस्त्र सस्त्र क्ष ४ +	अह्य च १३०
मस्मामार म १८५	वहनिधि क १४४
बस्वायी छ १५ । व ८३२	जहसमार <b>च</b> ीथ<
वस्थिम १५ ग ९९	<b>अहस्या क</b> २२२, क १८९
वस्विपंजर ग १	अहतान व २८
मस्पिर क २१८, व १२, व १३	महाता च १४४ च १९१ च १९८
वस्थिरता च १५	बहार क ४८७
मत्मेय व १५	अहिराक स ४४७
मस्प्रताल च ५४६	ब्राहिसा क ४७५ स ४३५
बस्पूरम म २९८	वहिंग सं ४४७
मस्बन्धंद व ५४३, स २३५	अहि क २९७ व ५५८ व २३ व ६६
बस्थस्य स ५४६, हा ४२	च ९ = च २६२
मस्याषु क्ष ४८	सर्मित सं २७% व २९
मस्राष्ट्रना अ ४९	शहिरपु म ५६१
वस्तानारिक ज १८६	व्यक्तिमा व २६८
वन्तामाविकता च ३८८	महिनेत छ १९३
मस्रीकार व १८६	सहिमधी न ६.९
मस्तीकार करना व्य १८७	बहिराज क ११
मस्तीनार्वे च १९१	सहिराना च २३२ 
बस्रीपृत्र च १८९, च १८२	सहित्या र १ ९ जन्मिक का १८०
मस्यी था १	श्राहित्या क १८९ जीवना स ४०
बहेत्र ५ व ८८	सहिनाध सं ४७

सहिषाती	एक्ट मानिज्ञाती
विद्याती र २७	गोपी क ४६२, छ २६८
महीर ग ३ ५	मीय-वार्ये व ६२५
महेर के १७१ व	साँग <b>वा</b> ४७
महेरी व ३४८ ग ४१३	मीपट चा ५५
मॉक्ता च ९६४	णीवठ च २८१
मानिक च ६४१	र्मीनला च ४५
महिस अ १९८	मीलू व ११९
मीच स ५८२, व १९, व १३९, व २१	o जीसू विरागाय १२
च १४ वा ७१२	नीपू वहानाय १२
नौव नाता च ४७८	नार्वरा भ १८८ च १९४
ৰাছ বতালা ছ ৮৬८	नाईना क ६२६
वीचकाकोनाव २	आएदिन च १ ९
वीवकानोकास १२	नात व १
वीचन ठहरना 😻 २९२	माक्ट व ४४४
ৰীৰ ফুচনা হু ৮৯৫	नाक्ष्पंच का २७६ छ ३९६
भीचानी चढ़ाताचा २३६	नाकर्षित क २७८
<b>मीय</b> मारता व ७६% व ९८७	बाकर्षित करना क २७४ स १९७
मीच करता व ७६१	<b>वाकर्षित होता क</b> २७५
मॉर्चे दिखाना व २३६	वाक्कन करना च ८५८
भौगत च १४५	नाकरियक च १ १६
वाँगसरेकी य ३६५	शक्तिक क १४
वॉपिक न १२ व	वाकांसा च १३८ स ३७१
मापिक के २७३ च २८१	नामांचित व १४२
শ্বিব জায় হ	माकांकी च १४
मीट थ ९२९	भाकार क २२, व ४५२
मीटना च ९१६	वाकास व ३
मीटी के एवर च ९२४ च ९२९ ख ९	
मीत्र प ८१ छ ३६१	बाकासपारी कर ७ कर्९७ करिटि
ৰবি ববসোধা ৭ ৭	क १४८ व ५९८ च ४ च १६
नतिनृति स ५ ३	बाकासर्वेच व १५१
मारोकन व १५ व ७१४ झ १७५	थाकास मंडल च २
नारोक्तकारी स १७६	आका <b>श</b> विद्या चा ६४७
शीवर व ४९६	वाक्सिवानी सं २३१

बार्डुचित	२७९ मावरमा
मार्क्षेतित म ६	भागवनुषा होता च ९६
नार्डुटन च ६२१	बागम क ५३४ क ५३८ व २, छ १८८,
नाष्ट्रस थ १३ ज २२६	ष १९
माहुकता च १६	सामगंशांनी क ११२
माञ्चस होता व १८	बागमन च ६६६
माकुलित स २२६	बायमन करना व ६६४
माइति क २२ वा १३ वा १५ स २३	मागर च ३६३
at sets	मायरता च १६५
नाकमन च १५९, च २८७ स २८	जाप होना भ ९६
मार्वात करना थ २९१	मागारच १ च १४ च १४१
मार्तात होना अस् २९२	आयात २३ य४९,य७९,त.३८
मान्नेदाच ५	W tcc
मामोग व ९३ व १७२	भागापीका च २६१
नाकोधित व ९५	नागापीका करना ज २३२
नामीयित करता व १७४	भागामी छ १८८, छ १८९
मानकांत व ७५३	जागी क १११
नाक्तीत होना व ७५१	नामे छ १८८, छ १९३ छ १९४
माबिप्त प १६	वापे बकेतना च ७८७
नायोप व १५९, झ २२	वागे बढ़ना व ६६५ व ६७१ व ६७३
माझेपक सा ५ ५	नाने नहाना व ७८७ च ७१७ च ९५५
मार्चडल क २२५	वागे रचना व ८९९
मानव क ६४	बालेय व ४४८
मानर ख २२५	माग्रह व १४७ व ७३
माना क ४६२	नाप्रह करना य ७५
वाचान च २६८	बापात व १२% व ७ ३ स २१४
बागातीय छ २८ ॥ १२	भ २८
मालेट क १७१ म	मापान करना झ ५८१
भागोरक क १७१ आ	भाषमत क २६
मानेटी म ६४८ श ४१३	माचमन करना शा १२ अत १२३
बास्या स २१ बास्यान स २ ८	आवरम य २०४
वास्ताविका स २ ड	वाचरण करना च २९५
वानप्रतिका स १६१	भाषागीय व २९६
4 648	भाषरताज २ ५

भाषार	<b>२८ शहनम</b>
बाबार क ५८६ व २९४	भाठ सिडियों क २६२
मानार प्रवृति च ३३१	माठोपहर छ १४४
जातार विचार क २९४	भावंगर क १२, ज १ ८
बाजार्गक १७ ख २४१ बा २७५	आवंबरी क १४ ज १ ९
नाम व १५७ छ १८७ छ १९१	वाहूम ३२१
बाजन्म छ १४९	माम् ख ८६ क ११८ व ४४२
भाजनाइस च २५ च ३८३	मामृता च ७७३
भाजमाइस करना 🗑 २५४	शा‡ा च ६४
बाजमाया च २५१ व ३८४	भाकी स ६६४
माजनूबा सा २५१ वा ३८४	वार्तक च ४३५, च ४९१ व २३३ व २४९
माजा न १६२	<b>भा</b> तंत्रित व २३७
बाबाद व १२७ व २४	<b>वार्तक्षित करना व २४७</b>
माबाद करता स २३३	वातकित होना व २३४
बाबादी च २२८ झ २३८	मातप प १ श १६५
भाषाची देशा स २३६	बारांगी क २९७
माजिय व १३६	आरुप व ५२
माविनी व ८	मायसक 🕊 ४५९
भाजी स १६३	भारतमी धीसाच ५९९
भागीवत छ १४९	शाविष्यकाट४ साट४
नाश्राच २४	कारियक न ३७९
भावा कला स २४१	बातिय इ. १११ क ११२
मातारायीय ३८३ । शा २४२	मापुरसभ्य व १२ व २२६
मात्रा देना ॥ २४१	बादुरता छ १५८ व १५ व १६ व ४४४
भाजापक म ६८	मानुर होना व १८
मात्रापम स १८८	मानुरी छ १५८, व ४४४
बाजारातक गा १८३ छ २४२, ज २४	_
माज्ञापित च १२१	आस्त स ४ ५
बाग द १५७	बारमक्या स २ ४ बारमयात्र स २१६
भाटा <b>४९५ ४९९</b> बाटी ग <b>९९</b> ४	नारमपादक ध २१७
भाउध ६६	भारमपती ॥ ११७
आठ अनि रोना य १२	बारगंग क २७१ ज २५
आउनी त ६ ८	वालवान २६
414	

बारमञ्ज १	८१ मान
भारमञ्ज क ७५	भाविकवि क ४६
भारमञ्जान क ५६	जाविकान्य <b>क</b> ५७९
बरमदानी ६ ७५	मावित्यक२४ क२७ क२२%
भारमता स ४ ७	क २९७ क २९८ च ६१६
वात्मनिवेदन क ७३	बाविनाच क ४८४
अस्पप्रभान चा २१	बादि पुस्य क ११२
भारम-संशंसा च ३५७	शारिम छ १७८
बात्मबोब क ५५८	मादेश स २४
मात्ममूक ११२, क १२३ क २७१	आवेशक च २४१
य २५	ৰাম ক ৭৬৭
बारमविद्या क ५६१	बाद्य च २३
भारमस्कामा व ३५७	आव स ५७% व २२५
भारमहत्वा श्र २१६	आवा व्य ५७५
मात्मा क ५५८ 🖷 ५७७ व ५, स १२	बाबादिस व २६९
मारिमक झा ४ ५	<b>बापार स</b> २ २
माबर व १२७	आपासीसी स ४८६
नानेस्स क ५ ४	शाविष् ४३७ व २२४
मस्ति च १४ १	बाधिकारिक ख १४
मारमियत व २२१ च २२३	शापितस्य अ १४९
मायमी गर स ३ झ ४ ४	आपीत स २३५
मायमीयत व ८७	आवीतताश २३%
मारतक २६ च १५७ व ३४२	जापुनिक छ १७५
मारर करना अ १६८	जातव के इंदर वा प्रश्ने वा प्रश्ने का प्रश्नेद
नावरणीय स २९, व ३५४	बागरकर व ४७८
मारर देना च १६८ व १४१	आनंदकारी में ४७८
मारला च १६८, व १४१	आनंदना च ४१
नारतात्व व १४४	भागव नेना झा १२५ बार्नरित पा १९, जा ५१
नारस्त्राच च १४२ नारर-ग्रसार च १४२	आर्गारत ज २६ ज २१ आर्गारत करना ज ४३
माराव स १६६	जानरित होना थ ४१
मानवरक व १६६	आगंदी वा ४८ वा ५१
माराबरव बारमा व १६७	आनगरी बैस क १७५
बारिक ११२, छ १७८ व ८१२	बान छ १२४ झ ४२३

समद	<b>२८२ अस्ति</b>
मानद स ९४ स ९५	शाम य ३५ थ ४६
भानतम १५ म २३ व ४०६	मामरण 🗲 १२७
माना च १६६ थ ८१३ स ८७	माना छ २८७ छ २९४ छ १८१
HYE! HEEK	श्रामार व २६७
भानीतिकी क ५६१	मामारी व २६५
मारा च ४५७ च ९९७	अगिरन ३५
मारता व ९९९	ब्रामीरपम्सी 🔻 २६२
मापना च २७१	ज्ञामीरी न ३ ६
नापानाज ७८	कामूरण इं १२७
मतिव ५	बामीय क २९४
माप्त स ४ ५	ब्राम्बंडर व ९२८
अस्तिकः व १	क्राम्पेतरिक व ९८४
भाररेटन स १८२	शार्षेषय स ८१
मार्थसन स ५४	ज्ञार्यवर्ष देना श ८५
साम प ४५१ ह ९, इ.४.८	ज्ञामंत्रिय स ८२
मारगीक ४८	ज्ञावल४ सप्रशुप्तवशुप्तवशु
मार्ग्य १	शायहा 🔻 🚉
भागते बाग प १	आनरस १८६ च ६६६ म १ २
भारत्वर यसंगूर क ५७७	श्रामाः करना च ६६४
मारा प २६६ म ५ ल ८८	ज्ञानरनी श १८६ स १ २
माराधाः छ १६८ व १ १३	श्राबररनन न ८५१
माप्ता व ५	आस्वापण ५६ ल ५१६
माल्यादकर ७	ज्ञानम स भी५
महित्र स ३६७	ब्रामरक्शानियर् स ४३
माप्ट इ. १. १	जामरम छ १४०
#4 0 \$12, 0 \$51 # A62	आयर्थ व ९३
मापराधे प १८	ज्ञानगढ च ४४ च १४१
मारतारा इ.३८	अप्रमारी च ४४
बारनार छ ३८८	हाबना व ४४ व ४५ शांत्राचार न ४३
बारण सं १६५ बारणती सं ६६	सामान्यस्य सः १५३
#*** # \$15 # 143	सामानादी के उन्न सामा राज्य रहेंद्र
ATTENT OF \$24	आर्थित संदेश

वानुब १	८३ वार्त
मामुख 🕊 २९८	मारवृत्र १३८
मानेबना च ८४५	बारणक ५४५
बामोद क ३७३ व्ह ४५	भारती क २६ क ३५
नामौदित च ५१	बारती करना क ३६
नामोची च ४८	बाखी बतालां क १६
बाम्नाय क ५६८	बार पार जाना भ ४१४
बाम करदर कर्य, कर ८	भारतक क १४८ स २९
बाजर्यक क २७	नारवंश छ १४८, भ २९
मासपूर्व क ७७	बारवटी स १६५
बाम्बरित स ४९७	बारवी के १२६ के १५७
मान स ३८६	बारा म ४८२ म ५१६
सामत व ५७३	सारायना क २६
मन्त्रकर्ण्यस्य सर्थसर्	
बायत झ २३५	बाराबित क २८
नाया व ४२३	बाराम बा ५४७ थ ९, थ १४० भ ४९
नावाद स २५७	at all
बायास स २८७	भाराम करना <b>थ ७६</b> ५
नानु न १४२, व १५७ छ १४८, स २९	मारि भ ७६
नायुव व २६२	बारी क ४८२ क ५१३
मायुर्वेस छ १४८, झ २९	शाद क प्रश्न
मानुबंध क ५५६ छ। २३७ छ। ४२८	जाक्त्यीवना सः १६१
ब ४५६ स. ४३	वारोग्य सं ५४७
मामुर्वेशे च ५१८	बारोम्पता स ५४८
मायुष्यान छ १५१ छ १५२	मारोह स ७१ च १५७
अभिता स ५६ छ १४८	वारोहम त ७१ च १५७ व २८७
मायोजन श १५७	# p <
नारम ख १४४ व ८१२	बारोहण करना अ ७१
नारंग करना थ ८१४	बाधेही सं घट च धर्र
नारमस्ति १६	मार्गेष प ६१
मार्थ्य दोना ज ८१३	मार्ट १
मार क प्रभूप कर वह जा हुपट, जा हरह	महिनिस्पर्ध
बारल स ३४	मार्टिस्ट मा ४
नारवा स ४१५	त ५४६

--<del>करने ता</del> 121 मान्य स ४८४ #F6 # 293 # 431 HITE IN EAC OF SE शास्त्र र दे MITT W 142 शास्त्र १ व १ ६ भारत करार का रेक्ट मानवा च ६३ भारे करना स १४३ आएरनाग च १६३ मार्गना च २३६ आरंग्स च ५ ल हो बलोब इपन च ुझ १८३ छ १६६ भारे होना स १४६ सार्ध च २३ आरोपक श १११ बार्गापना स ६४ म ६६ म २१० भार्य रेंग के ११३ बार्र कारत का कार कारत आएए वर्दे मार्पेश के ४४३ बारमण व १४३ भागेन्दि च १८ क्षावधान बागा व १६८ ब्रार्थनवाद क भुक्र भृष्ट आवाम इ १८६ भागं ६ १८%, म २३ स १६३ बार्स्स च १३६ छ २४३ अ २२४ साधायक व ४२१ मा F 80 बार्यावर्त प १८ बादस्यरमा व ४२१ ई मार्ग न १५२ आसम्बद्धीय व ४२१ वा जाबाबल ६४ व ५८८, व ६३० व ६४४ बानवन स १८३ भाततानी व ४३५ भाषाड लगाना व ६ बातराक म ३५० अ ३२४ भाषावही व ८५१ बातना स १२४ बाबारा व २०१ भारतल च १२९, च १४ च २ ६ बानम च १ ३ बातव च १ च १४ बाबारन व ५९९ भाविर्मुत करना व १४६ शांतदात प ४ इ ४४६ आविष्यसम् सः २८४ बानन होना व ७५४ वाविष्यती ग २८५ बातनी स १६५ व ४४५ व ६६ वाविष्वार श २८४ बातरय छ १६३ य ४४६ वाविष्णारक स २८६ क्षातस्य करना व्य ७५४ मापत होना म ७८ भाता च १६ सावेग सा १८५ व ४ व ९३ बाबार ह १९९, छ ४ भारतियन करना व १५२ आयेदनपन त २९ आकि न १७७ आवेश व ४ च ९३ बार्षका व २२९, व १४९ शांतिम 🕊 २६९

वासंकित करनाः	Ę	ia.	बास्त्रा
वार्तकित करना या २३५		वासकत गण्दद व ११२, वा१५	1
नायना य २६६		मासकत करना वा ४७२	
बासनाई च १४५		बासका होना क २७ वर १२४	
नाधाय म ४९, स २७१		बासिक्त व १२७ व १४५	
नासाच ७५ अ २१२ व		माचिनार्या [११] क ७३ क	
नाया देलना ज ४५३		मासिक रतना म १५१	
नायानात होता च ४५३		मासनकर्णसद् इप्	
नाया होना य १४१		बासन प्रहम करना व ४५	* 4 6
माशिक स २६६		बासन जमाना ज ७५	
मानिय स १७०		थासन मेना ज ७५	
नागी व १७		मासनाय ६ प ९०	
नागीर्वजन ज १७		बासनी क १७ इ.५८	
मायोगीर व १७		सामग्र प ९७६	
माधीबाँद देना व १७१ ज १७३		मानमान क २३८, च ६	
मानुग ४५२ छ १५९ व ४४३		मासमानी स ४६	
मारवरं स ४३८, स ४४		मानरा च २१२ च ४५४ हा २	9
वास्वयंविका होना व ६ ४		मानरा देगना च ४५३	٦.
नारवर्षतनक व ४१८, अ ४३९		नासद इ.२.५	
मारमगीनित हा ४४		माना च ७५	
नामन क ९९, स ५०१ च १३	4	मामान व ५८, व ६५७	
१४ चर्		भानानी म ६१	
माध्य ज ७३२ झ २ २		भागामी स २२१	
मापय नेता व ७३३		मानार छ २४१ छ २४५	
बारोगस व ८४६		मानावरी व ६३५	
ब्राह्मान स ६३%		मानुरा व १५	
मारवाम् स १३३		मागूना हीता थ ३३	
वारवासन व १३३		मागुरी च २६४	
बर्गासन छ ५१		अभीव वा ३५	
2.4.2 B 24		बारवर १. ५४७	
करते व १ ४ ह ५ ८ ह ५ १		मार्गिक के ११८	
वात म १३८ म २१२ म		कार्याचना चार्थ	
BLEAST A CAS		कार रीत हा ३ ४४	
बास्त्रकत्ते स स्रवत्		सम्बास ३४० झ. ३५	

अतस्यव	१८६ हरूनीसा
भारतपरं पर्शं सर्सर	इंदू क ३ ७ च १५७ च २६२
बारफोटक म ३५९	इंद्र क ५१% क २२% क २१६ व २२४
भास्य ग १५ <u>६</u> तहेर३	म १७३ च ४५ च ४८
मार्गार श १९४	इंड्रजाल का १२६ का १२७
बारवारन करना श १२५	दंशनिय क १९१
माहट च ६४४	इंतुकांत च ६
आहुन व ३४४ ज २७९	इंडबनुष व ४८२, छ २५२
माहार क ३९	शंस्पूरी क २३७
बाहार करना स ११७	इंड्यस्य च १२१
माहिता ज ४४७	र्यकोट क २३४
बाहिस्ता बाहिस्ता ज ४५	रंश्यम च २ १
महित क ८१ स ८२	इंद्राणीक १९४ क १९७ कर <sup>क</sup>
बाहुति करना क ८२	न्दर क न्दर क न्दर क छ छ८
बाहुरि स ८२	<b>पं</b> रायन थ १४७
माञ्चिक व्य २९९, च्र १३७	वीक्षिक ५९६ स ६१२ त ४६ व ११५
नाह्नान स ८१	न १६४ व १६% य १६६
माञ्चान करना वा ६ व	द्वीत्यनियह क १८
_	इंसन इ ४२१
	इंसान प २
इंबरेन ए १६५	र्वाक्र स १९४
इंगितं च ९८६	रक्ट्स ४ ८६
इंदुर क ६१	इक्ट्छ करना व ८५८, व ८१६ व ९
FOOT F YCC	इक्ट्रा होना व ८५९
इंची च ११२	वक्तारपी छ १६८, च १ १३
इंजीस क ६ ४	रक्षणास क १७१
इंतकाक श १५४	<b>१क</b> राम <b>श</b> २८४
इंतनाम स १५७	इक्रार व ४२५ स ४२७
इतनामकार च २८७ व १७५	<b>१६</b> रालामा स १८९
वैतवार व ४५४	श्वना ४ ९१९
स्वमार करता व ४५३	इक्कीता ग २५४
इंबाय क है क	<b>र्वधा</b> तर <b>॥</b> २४
वंदिय क १६६ वंदीनर म १८८, म १९४ म ४	श्यावती क १.६
Aller a tool of 420 A 8	८ इन्हा-पुरस् व १११

<b>रम्</b>	८७ इरावत
स्यू म २४९	विहासिक च १२१
इस्वत्वी च १९४	इत्तफ्राक व ८५
इत्लाकुक २९६	新 至 \$ { 2, 年 CY
रकान १२३ व १३८, स ११३ स	इनर-उपर व ९९२
## f	इपर-उपर करना च ८६३
रेच्छा करता च १३	इयर-उपरहोनाण १७ व ६८५ व ८६५
रण्यानिहील सा १४१	इवर की जबर करना च १६५
विकास व १४२	इनक्छाब स १७५
रेन्द्र व १४	दनकार च १८६
<b>रेवराइक क</b> ५२८	<b>र</b> नकार करना व १८७
इंबलाम झ २२	<b>र</b> नसान व २
इनकास व २२४	इनसानियत च २२१ च २२३
स्वहार स १९१	इनसफ स १६४
स्वाबत व १९४ स २४	शाय प १ ७
रबार क २६४	इनास्त्र म १४७
रवारवद अ २६५	इनकार करना व १८७
रुवत व १४४ व ३४२	इप्तित च १४२
इन्बव बतारमा च १४६	इवकीस क ५२९
रन्वत करना व १६८, व १४६	इवारत क २६
रन्नवसर भ १४४	इवास्त करना क २७
इम्बद देना व १४१	इमकतास च १४८
रञ्चाना च ४६ च ९	श्मनी च ४६
साम १३ क १९४ क २३८ व ४५९, च ९	
रतवार ज २५३	श्मामबाड़ा क ५१२
रतिमनाम व १३ व १३१	स्मारत च १४ च १४१
श्वमिनानी अ १३५	समित्ति ह १७९
रवर इ. ११२	इस्तहाम वा २५
रवसना च ७६ च ९	इस्तहान केना स २५४
रासात च ९९१	व्यक्त १३ कथप्र ४२ ५ वर् च २६२
र्ववृत्त स ३१९	इतारी न ४६२
रानहान स ११९	इसरा ल ४२७
रविद्वाच्य स १२	इत्तरत के प्रदेश

धवादना १	९ प्रोतना
धभाटनाक २७९, व १२३ अर व १२६	धनक्षपन व ७९, व १६६
च १२९ च ८५३	धनकृता ज ५७
उचाट होना च १२५	<b>उन्हेक स</b> १६४
जनाइना भ ८५३ च ९ १	जनस्त वा ३९५
धनाहा न ९ १	धवराना छ २९
स्वित व ४२	वनका क १५८
डक्स क ८६ क YV	स्वका चा २८
बन्यस्वर च ६५ छ ६६	जननापन <b>च</b> २९
उच्चता व ४२७ व ४४२	जवाड़ च २२६ <sub>१</sub> व ५६८
<del>सम्बद्धि करना स</del> २४६	जवाड़ होना थ ५७
बन्नाटन क २८१ १२८	चनावा छ १८१
सच्चाटन करना के २७९, व १२६, व १२९	जनियार छ ३८३
वर ८५३	चित्राका 🖝 १८३
धच्चादत होता क २८	क्रवेकर का १८१
सम्बाट होना क २८	चनेशापका का ८९
<del>रुप</del> ादित क २८२	वनेकी रात क १४५
श्रम्बादिय करना च १२९	<b>धण्यमिनी च</b> १२१
बच्चारच करता क २४६	<b>प्रणीत च</b> ा १२१
<b>उन्नेमना क</b> २२० अप ३०३ स ४५२,	वक्का सा १८ व ४४८
ष ४८७ व ५१६	उक्क्ष्यस्था च २९
<b>बन्द्रक्</b> या सं २६८	चत्तकता च ६८४
त्र <del>व्य</del> नाम स २९९ च ७१३	बित्रमाम ६ ५
विकट के हैंगे के ४९८	बटव च १४२
बक्त न ४९ न ७६ स १३६	बठना न ४५५ च ४७६ च ५८४ व
वक्रमपूर भ ६८१	and a add
धक्रकपूर भरता व ६८५	क्ठास्पिर ग ४१८
उक्रमाग ५२ च ६८३ स ३५१	चलता व १८६ व ७७
तकाम में ५६ में ५८१	उद्देशर व ५१ व ४५
तकालमा व ६८२ तताब मारता च ६८३	पदुन ४ न २६
उकाह च २१२	प्रमुप क १ ७ सम्मानिक क व ज
डकाहै च २१४ डकाही च २१४	पश्पति क १ ७ पद्राज क १ ७
समहर व ७० व ३६४	च्युरान कर् <b>छ</b> सर्वेद्यमा चार्

गुर	२९१ प्रतेत	11
बहर च २५४	प्रत्येष प्रभक्ष	
बङ्गाग६ •	जल्लाग प्रदेश मुद्द	
वहन इ. ६८१	ब्राहर्प्ट व ४४५	
उद्दाना च ८६७ झ ३ ७	संस्थित व ४७७	
बड़ा मेता हा २१	उल्लोच स ४१६	
महाम च १२९	उत्पोषक सः ४१७	
चढ़िया व्य २२१	उत्त्रमय स १५४	
बहित म ५५२	चरवनत व ७ 📞	
बंद स स ५५१	प्रसन्त श १३७	
वहेलना म ९०५	वचलता स ११५	
बहुक अर्थ ह	वत्तव व ४१८, व ४७५	
प्रदेशका कं≎ है	चरामगा व ४७०	
शुक्र ल्याना व ७८८	बत्तम रणोड क ११२, व ३ १	
चत्रामा च १५६ म १४५ व ६८६	व उत्तर्भागम १६	
SAX M X SX	उत्तरसार्दक नार्द्र वाध्य वाध	٩,
प्रतराव च ५६५	₩ 6	
पत्रसामि ४१५	<b>उत्तरदीना क ५८२</b>	
<b>प्रातवा स ४१८, स ४</b> ०	वत्तरदाना व ३८	
मगार व ५६५	क्तरदाविष व ६८१	
कारनाल २९४ व ७३१ त देश	t बत्तरसमी <b>थ १</b> ८	
पंजारा स ४६	वसरपुराम ४ ५९१	
यजारमा स १६४ स १२ स १३	थ अनरप्रापृत्तर भ २६	
ALL ALARC	वस्य क अर्ह	
वेग्यमा होता सं १८	अलगामान्यों भ २३ भ ३०	
क्यांचर्या स १५८ स १६२ स १५		
ere	क्षणपात स ६० स ४०	
नेगानगी नामा ज १८	वनाम्य व १३% व १३३	
रेणां सर्वेट संवर्ष	प्रमाणि के देशन के देवन	
Sadera M SS	वण्य व ५८	
ام سور سما مدر اف تعرف شد فيو	Same it. \$40	
क्षा करा करा करा करा क्षा करा करा करा	स्थान्य स्थापन स्थान्य होत्सा सं कतत	
14-11-4 21-6 24 2 C1 2 C1 2 61	रान्त्रक संप्रहें€	
1 1 4 4 4 5	इत्तरका स ३६६	

<b>प्</b> तेबित	१९१ क्या
पतेबित करना च २१७	खदर स ५२, ग⊯७ य ११व
प्रत्यान ज ७ ९	चराच व २२
चलान करना व ७४९	स्रदोन नामु क्ष २६४
बलिति य १४४ म ४४५ म ८१२	ख्यार <b>ज २३ व्य ५९, अ.</b> २ १
<b>चराम च ८१८</b>	प्रवारता ¶ २
प्रत्यम करमा ग १४६	जवास छ १६५ व ५६ व १२३
सलम होना क १५६, व १४५ व ८१७	चवास करना क २७९
चलक व १८८, व ४ ७	चरास होना ७ २८ श ११२
चलात स १६९, स १७५	प्रवासी क २८१ व ५७
प्रत्यती स १७६	खवासीन च ५६, थ १२३
प्रत्युक्त व १८२ व १९	<b>चवा</b> तीनता क २८१ व ५७ व १२८
वस्तम ग ४९, य ७६	उदाहरण स २६३
बत्स च २७३ च ३ ७	उत्तम ग १४४
चरवर्गे झ ४३	जक्गार व २२६
चत्त्वंत व १९५	चवुबर व ५१ व ४५
चरतंद <b>स</b> ४ <b>स</b> २ १	छक्तीब क ५५२
चरवा <b>इ</b> क ४८ <b>वा</b> १८६ वा ११२, व	चर् <b>वा</b> टित करना व ७९९
₹१६	पहंद व ७७
सत्ताइ वड़ाना च २१७	वर्षवतः च ७९
बस्साह में होना च २११	<b>वही</b> पन <b>च</b> १८३
उत्साह्यीन व २१५	उद्गेष्ट व १७७
चत्साइहीनता च २१३	चहेच्य झा ३७१
चल्यादित करना च २१ <b>७</b>	उद्याएमा स २३३
उत्साहित होना च २११	बर्बेद स २०
सासाही व २१४ व २८८	व्यव क १५३
<del>उत्पुक्त था १४</del>	समार इ. प्रदे । इ. ५६
बनकपूनक स १७% स ४	प्रकार करना भ रहे है
त्रका थ ५६५	श्रद्धार पाना स २११
रच्छापन व ५६७	<b>ध्युन्त करना च १९८</b>
सरक च ८	सम्मग् १४४ व ८१२
प्रवर्षि च २६४	चब्धावना च ८१२
त्रविकार ग ५९४ जरभात व ६ ६	चित्रकार २ सम्बद्धाः १००० स्ट २०००
	बचत व १७६ स २५७

<del>प्रतय</del>	454	<b>यपनागरिका</b>
उद्ययक २८९, श २८७ श वे वे	बामीलिंग स १९	
प्रवर्गा हा २८८	सम्माय १७६	
उचान च ९	बामुसन करना व ८५३	
उद्योग श २८७	उम्मूलिन करना व ८५३	
उद्योगी स २८८	अस्मियन व १४५	
व्यास च १३ व २२६	कारण है है दि प्रश्	
विमाता व १६	उपनर्शा व व	
प्रदिल हाला व १८	इपनार व २८	
द्वाप ज ४ व १६ व २२४	क्षरकारक के वेश अंदे≉	
वपदमा व ८५४ व ९०	क्षकारिया च १७१	
रवम स १७५	डानारिता व २८	
क्षाहरा व ७९९	कासारी व व	
क्वार स ३०८	सरकाय व १०१	
बपार काना व ७९९	उपरूत व १२	
द्रपार वैद्यास नरमा आ ४ १	बाहरि व २८	
इपार सेना न ४ व १९६	उराष्ट्र व १७२	
प्रवास संदर्भ के वर्ष	उत्पात स ४३५	
स्थाप १३	क्षाचार श ५४४	
दनीदा च ७६	बरवाग्यान्त्र स ४२८	
प्रमा च ८६	बरम प २२४	
पर्मात व २८८	बाजना व १५६ व ८१	3 22 224
হচণি ৰাধাৰ ২০৪ জ ৩৭% জ		
ৰস্মান্ত সংগ্ৰহ	यराज के वेचवे	
ৰমাৰ্থা লং পূপ্	करणा व १६१	
प्रमाण सरदर का प्रदेश	3 at 2.66	
वक्रीमहोत्तव च ५१५	प्रयोक्त स २४१	
रमगद्गासाम् स्थाप ११	थ ~रियास३ <i>१</i> }	
tv	राप्त्र सं १५८ म १७५	
प्रमणसारिकार्यकार्	स्वयानी शर हे ≥६	
Aut A C	रायन ४ २८) सर्विताय १८८	
Tarte & 153	कारशासाटट कार्यासाट सर्व	
हासारी के हैं। हासार के दिल के हैं शह	प्रान्तिकास है है	. 7 5 5 4 4
4 - 1 = 44	41. 1.41.4.4.4.4	

प्रपनिवद	66A	स्परा
सपनियद क ५४५, क ५५७ क ५५८	जपनीत क १.६	
<b>चपनाम ध १८</b> १	चपसम् व १४	
चपनीत व १५	उपनेब क ५३५ क ५५६	
उपनेन इ.४	उपसामा म १७	
<b>उपम्यास ≅ २ ४ श २</b> ८	धपसर्वं च १९५	
च <del>ण्</del> नासकार स १२७	<b>ध्यक्रम्य क्</b> रमा स ३५	
उपपति व २२७	क्पर्यग ७९, य ८ व १३८	
चपपत्ति स १९२	चपस्यान च ९२५	
<b>छपपली व २२८</b>	<b>ज</b> पस्थित व ३७४ ध २५७	
उपमावा व २२३	छपस् <del>षित हो</del> ना <b>व</b> ६६४	
<b>उपनोम स ३ ६</b>	उपस्थित रहना व १६१	
चपमीय करता श्र ६ ७	क्यस्थिति झ २५९	
उपयुक्त व ४२	<b>छपद्दवित च १८१</b>	
क्यमर व २६४ झ ३९३	चपहास व १५९, व ३७२	
<b>चपपुन्तता अ</b> ४ ७	छपहार झ २८२, ज २८४	
उपयोग झ ३ ६	खपाँग <b>क ५८५</b>	
चपयोगी कवा बर १	वपास्यान 🕊 ११९	
सपरमा झ २७४ व्ह ८५४	चपाचित्र १५३	
छपरनी क २७४	प्रपाच्याय 🗷 २४१ व २८८	
बपर्यंत छ १९३	चपानह् इ २९७	
वपरान स २ च २४ च १७९	कपाय हा १७	
पाराचड़ी व २६१	क्षपारमा व ८५॥	
बर्ग्य क ४२४	क्यामंत्र स १४%	
क्यपैक्परा व २६१	उपास क ५२ ः	
काकार स १११	अवस्था के के के देर य देहें	
क्ष्यरोक्त व ६१९	क्षपातना क २६	
बगल व २४७ व २३९, छ १५८	क्यासिका स २९७	
प्रयक्तम् स ३४९	क्याननीय वा २९	
उपना इ ४२४	उपाती क ३७	
क्षावन थ ९	उपारय क १९	
जावान क ५२	स्पेय के रेडर के उर्द	
कारान करना क ५३ व्यक्तित केला क ५६	क्ष्मियान २ व	
दगरिक होना व ७५	जीना व १८९	

वरीर्यात	715	इपिता
बरोद्यात स २९८	य २६५	
वकाना स १ ६	बमाइ ज २१२	
उपनाना हा १ ६	अन्दाज ४७५	
बकान व २१२	उम्मीद व २१२ व	
यबंदना १९ ५	बम्पीदबार हा २५१	
प्रवहाई स ४९७ स ४९९	धमेटना व ६७	
धवराई बाना स ४९८	दम छ १४८ श २९	
सबटन हु १२६	क्रतमध्य, सहस् गरेवेरे	
व्यक्तावह व ५७५	करन न ५५८, व ४५८ 🔻 १६	
स्वरता स ४३२	उरगार क १६	
प्रस्य स ४२९	इत्य थ ५	
यक्ततासर जर्द	उरवात य ५	
उदत पहना ज ९⇒	उरह च २५४	
प्रवास का ३६५	करती च ५५४	
वधार स १३	<b>अर्थनर ४</b> ५	
ववारना स २३३	इस्थिस ४२	
यशान व २१२	कर प ८४ ह ११	
यशान जाना झ १०६	स्रोचना न १५	
वंशान चाना सं १	डोब व ६५	
प्रशास्त्राता हा ८, स ००	कीइनर १२	
प्रदेने व १८९	संदेशना वर्ष	
- प्रमाना स Yat, स ६८४ स ६	हरेरा म १३	
m tec	वरीय र ५	
क्षमानकार स १८८	वर्ष <b>च</b> १५४	
इसम स ११२	वरी च २५४	
जनस्था अस्ति	वर्षु वर २२४	
श्वर्यस्य होत्रा व ४११	वर्ष च ८६	
यसम्बद्ध कहरू आहरू	उच्चेता व १६५	
रश्राप्तप्रदेश दृष्ट संदेश	वर्षे व्यवेष च वाट, च ।	
प्रकृतिस स ६८४	क्षां अ १८३	
उत्तर का १४८	प्रवेष १ प्रदार	
Bean of Cally	प्रसिद्ध <b>१</b>	
114 4 16" 4 500 4 ;	१९४ प्रदेशका १३१	

प्रवंत	१९६ झेंबानीचा
क्तंतपर पर्र	जस्मासी च ४८, च ५१
वर्षसी क २४८	छस्मूक १६४ ग ६५२. <b>च १६</b> ४
त्रवीं च ९	धस्य बोक्शा व ५७
सक्छन व २२४	सस्तेष थ १९
बक्रम्या क २७५ के ७८१	प्रसीर व १७३
सक्तमाना व ७८२ च ७८३	चपर च १
उसमाय च ५८४	चवाक २१५, क २२३ का४ ४ क्र¥ी0
उष्टमाच ९ च ६७५ च ८९	९. <b>चर२९ करवर करव</b> र
<b>म९५ स४१ स४</b> १	चपापति क ४ ३
चष्टमा-पुबरना झ ४ १	चन्द्र ग ४५
बन्दा व २८६, व ४२१ व ८४१	स्वाक ११९ च १८८, छ ६६ स १३४
उत्तटा-पकटी ब ४	प्रत्मत्व श्र ११५
<b>एकटा-पुकटा स</b> ४३७	उप्न <b>इो</b> ला सः १४१
<b>उस्टी बाना च ४९८</b>	क्यमायम् श ६९
बस्टी करता च ५ व ८९९	घणीय क २६८, क ६६७
फ्लटी सांस केना ज ७१२	चप्मन य ६७६
चनाइना स १४५	रुप्त 🗷 ६९, श १३५
चकाहता देना झा १४६	सम्मास ५२ च १२१ च १२४ 🛡 %
<b>उज्जी</b> यना थ ९ ५	व ९३ छ १३५
<del>रुलू</del> श्रम ६५२	च्यापम् छ ६९
चन्त्रक क YKY	<b>चसकामा च २१७</b>
स्रतयी क ४२६	प्रसास व ७१३
सम्बाध ४९ छ २८	वस्ताव अ १६७
बस्टी प ४९९	<b>उस्तारी व १६८</b>
चल्चाल ६१	बस्तूच क ५२६
बस्कव वा १४५	35
उल्क्रती व १५३	-
क्षम्भपन करना वा ६८६	क्रीय व्य ७५७
बल्तिनित च ३१	क्षेत्रता हुना थ ७६
बन्तमित होना थ ४१	क्रीयना ज ७५४ च ७५५
बक्ताच स ११४	क्रीसाच ८६ वा ४४ वा २९४
प्रस्तावास २ ६	क्षेत्राई व ४४२ व्यक्त वीका क ६५६
<b>प्रस्ताम व ४५ व ११२</b>	¥वा-शीवाज ५७५

क्रें <b>वा-स्वर</b>	२९७	ऋषि
≆ेंचा स्वर स <b>६६</b>	कष्या छ २६२ व १३५	
क्ट व ४५०		
मॅद्रस ५३२	ऋ	
उन प २४९	मुक्त ५४१ क ५४३	
क्ष्मत इ.४६४	ऋक संहिता क ५४६	
करहे स ५६८	ऋत्वय प ४४८, स ८, स ९	
स्वर त २८	ऋसाग्ध क्रश्चिक्षक्ष	
क्रणदाव व ६२५	चतातिक १ ७ क ३८४	
कड़ा स १६१	ऋतराज क १८४	
कर ग ५९४	क्रावेश क ५४४	
करविताद म ५९४	क्या ग ९२ क ०४ क ५४१	
स्तासप्रद सप्रदृष्	चनुवश्र वश्दका	
केषम व १७५	<b>क्ट्र</b> ना <b>व ६१</b> व २९०	
क्रमी व १७६	ऋग व १९८, ज २६७	
रून इ. २२४	ऋग सामा स ४	
क्ती हा २२५	ऋस भूगाना था ४ १	
कार व थ६ व ८६	ऋग्दर १९ ४	
कार बाता व ६८४	ऋभ देताल ४ १	
करर जाना व ७१	ऋण पाटनानः ४ १	
कार्यका ६ व ७३६	ऋण्युकास ४ ३	
स्तरा व १८, व १७	ऋम रेना भ ४	
सम्बन्ध म १९४	चरीन १९६ र ४२४ ज २६५	
कर्मानी च २१०	ऋगग ९, वर ४ ५	
Zir ter	च्युन €्षध्य छ १ छ ६	C W
केर्गनाम स ५१० १९४४ मध्य म	64	
ROLLING ALL	ऋपुगर स ४	
Maria de 23C	न्द्रुवनी श्र ५१	
क्ष्मियाणी स्टब्स प्रोप्त करण	चनच्चर १३८	
Erry ones	<b>प्रका</b> । ८	
ELAA A B ()	TETTO WIL	
Planter Mish	व्यवदा त्या वस्ता वस	1
ERA 6 403	भूपक्षेत्रम ४८ म ४८१	
. , ,,,,	ALC A ALC	
_	_	

एक	१९८	एसपी
Ų	एकतिबृह च १७५	
एक सं ५४७	एकविया व ९२	
एकबेका व ४९५	एका वा ८५	
एकसत्र स ३४१	एकाई व ८५	
एकनहीं श ६	एकाउटेंट वा ६४१	
एक्टक रेखना च ७२६	एकाएक छ १६८, ज १ 👭	
एकतंत्र क्ष ३४१	एकाएकी क १६८, व १ १३	
एकता च ५७९, व ४२४ च ८६	एकाकार व ४२२	
एकमञ्जद चट६१	एकाकारिता व ८५	
एकम करता स ५५९, व ८५८ व ८६६		
455	एकास क ४५३ ग ६५४ व ४९५	
एकन होना च ८५९	एकाखर क ५५८	
एकतित च ८६	एकारमकता व ८५	
एকসির কল্যে জ ८५८, জ ८६६	एकारण व ६१५	
एकतित होना च ८५९	एकाश्सी छ १ ६	
एकरच व ५७९	एकावकी श्र १९	
एकर्वत क १९२	गकीकरण व ८५	
एकनयन व ६५४ व ४९५	एकेंब्रिय ए ५९६ व ५९७	
एकनामिनस 🕊 ३७९	एकम अ ९५	
एकमामिस्ट 🕊 ३८३	एका इ १८७	
एक-व-एक व १ १३	एभसमस 🗷 २२८	
एक्नारनी छ १६८, च १ १६	एजेन्ट य ३७५	
एक में करना च ५५% व ८४% व ८७४	पृक्टिर च २९२	
एकरंग व ४२२	एक् य ८७ च ५१६	
एकसर करना व ८४५	एशी व ८७	
एकस्य व ४८३	एतबार व २५१	
एकस्पता व ४२४	एतबार करना च १५४	
एक्टा 🕊 ५७८	एननेक्स 🕊 ११५	
प्तसा व ४२२ व ४८३	एरंड च २६७	
एकाकी सारहरू	एसकी व ४५२, य ४६१	
एककिकार व १३८	एराक्त हानी न ४८२	
দ্ৰাৰ ৰ १३	एरावती न ४१६	
एकति च ६२२ च २२७	एकपी च १६९, च १७	

एसा	<b>१९९ मोतर</b>
एना इ ७८, ४ १८६	ऐब ज १९० स १७४
ण्नोरीयाँ स ४२९, स ४३३	<b>ऐबसयाना अ.४.४</b>
गन्दम स १८	एकी ज २६८, वा ३९५
एवजी हा २५३	चेंचा ग १६६
ण्हनान व २८ वा २९७	ऐवाम छ ११६
एम्पानमंद व ३२, व २६५	ऐपार ज १६७
2	ऐयारी च १६८
पे	<b>ऐवामी अ २९९</b>
ų,	ऐतार्रेस व ४२९, श ४०६
<u> ऍचानाना च ४६४</u>	ऐराव≂ झ ४ ६
मेंबना म १९७	एतना करश्य भ स्व १४८ व ८८
र्णेषना व ५५२ स ७४	D 5XX
पॅठन ६१ व ८८	ऐत्रवित क २५५
ऍडशर व ४८८	रोग प २९९
<sup>ऍठ</sup> दिलाना च ७६ च ९	<b>ऐधवाराम व २</b> ०
र्षेद्र व ६६ श १८८	गैरवर्षं व २६३ व २६८ च ३४२
पैठनशर व ४८८	र्वेष्यवैद्यान स्थ ५ अ
रें त्रावशावशावशावशावशावशावशावशावशावशावशावशावशा	एववपैराजनी वर ४ ५%
व स२८	
एकारच १	ओ
रेंद्रना च ७६	भोगार त ६५८
गरामा संबर	भीवारनाम क १६६
गरेशालिक स्था ३ क	जोरार्गनम् वः १६६
रेंग स १८३	मोग ग ६४
Tare or the or th	सारहूम च ४३३
Hayd at SAR	मीच च ३६ च १४
देश्य ह ८५	अनुवास कर ल
राज्य का है। विशेषा का ह	भोपणाई संप्र
Laps de Art	भोपनाना थ८ ५
रे <sup>रे</sup> ग्राम्बर सावद सावदर	क्षेत्रप्रदेश रूप के बहु हुए। जो जो
THE CASE AND A RES	क्षेत्राई समाभ ४ ८
4-4 4 4 5 5 E	क्षेत्रणाम स्ट
	श्रीपदद श्रद ५ १०

<b>क</b> श्मृत	६ १ मनर
कंदगूल व ३ ४	कहत व ५४
क्यर व ३१५	कई बारण १ ९
क्वरा च २५ च २५१	कउड़ी व ४९५
कवरास व ३५९	करम् छ ९४
कंदर्ग क २७१ क २५	ककड़ी म ३७२ च ३७३
कवती व २७	क्कमी <b>ड ३५१ ड ३</b> ५२
कराय १८ प १९	क्ष्मुद ग ४५१ क ५५१
संदुक क १७५	रुक्द्मती व ७८
कंत्र स ३३ य ३६	क्कुम व ८६, व ७५
कंबर ग १३ व १२३	रुकोला व ८९६
र्थमान १६ क ६१४	कस्कन रू १५१
क्वा देता व ७८७	कक्कुटी व १२५
र्णमा लगाना ज ७८७	कसन ५७ च ९ च १४८ व १४
कॅवेग क ३९९	क्याक १४ व.६
कप स १७५	रूप य १७
क्षेपकेंपाला व २३४	कनकम् भ ६११
कर्मकरी वा ५३ वा ६८	कवरकी के १९८
क्पन व ६८ व्य ७१४	क्ष्यवर्थी के नेहेंद
क्रेपाना ज २३५ ज ७१५	क्ष्वरकूट करना व १५६
कंपित व २३७	कपरमा श ९१
करना वर्ध व २३४ व २४५ झ ३५१	क्यरी व १४% है ४१
कंपित करना व ७१५	क्त्रसमाज्ञ ३२१ क्त्रहरी च १७४ च ११४
करित होना व १७ व ७१६	क्यारमा व ५५
संबक्त क ११८ क २९१	क्याल भ है द
बंधू म ४३५ म ४९४ स ६ ३	अपूर य १५६
क्षेक् व ४३५ च ४९४	क्ष्युर होना श ११९
वंदीय म ४९४	क्लीड़ी कर २ कराई
कस के ४४३ में ४५६	क्रमान २६ ग ३१
बंगपुरी व ११%	कण्या करना व ८८१
शंतारि क ३९९	भुज्या बाना क ५६५
<b>स्ट्रारण ३.९</b>	कच्छ सं४५२ म ५९% म ११ <sup>सं४ ७</sup>
क्रीहारिल य ११	बच्छा के २६६ के ४४६ व ५९५

1 1 w ESCI क्टमरैया च ४१+ च ४११ च ४१२ रण्डाक १४ स ४५२ **बट्टार च ४९** TO F YYE पटाई प ८८३ बंदना हा २६२ शराई व २३८ बद्या कर ४ इ १५८ इ १६२ रणनी ह २६२ स्टाश ग २ स्टान व ८८३ बाद्य प ११ पटार 🖫 ४१५ रवता क ४४६ व ५९५ पछद व ९१ बटारी ह ४१५ रणीटा रू २६२ बटाइ क वेर्र, व ४८६ व ४८० व १४२ पटिय ७८ व हर्ष बन म ६२ व ३९७ बर्टिबंध इर १५९ क्तराष्ट्र १ नटिसुव इ. ११२ भवताई ग ३२ मनरीय ४४२ बरी व ७९ व ११८ बटीर ग थर बनरीन हे ४८७ बटीला वीर च १४ बनयोगी हा ४८३ बदीसा नगर ह र बबता व २४६ बहुब १६६ ब २६४ इ.४३ इ.४६ बादमी स ४७२ बजाय १५४ \$ 48 पदार ग्राप्ट्र बरुवद च ११४ नवारी स १७१ बदुर प १६३ व २६४ इ १९ बदुरचन हा १९ बन्दन हरे १ छ २६ बन्दाच संबद्ध बहुता इ.४३ इ.६१ राजारी भाउर झार ६ श्राप्ताम १६ प ६६ TREASE FOLEYOR बहुनुसरी १९ ६ बहुबार का जा व दे ३५ TTT # 14L # 21 W 1 F T 11Y TY OW ERY बद्धार है बहरे कार अ १६३ बर्गास्ता 🖩 ४४ बद्द्योगई थ ३३ बरोरी ह ४४३ ALGIS BAR BE KEVE STENIS 141 ALEM & LEA ALIK SE A 44C 414414336 **መ**መ ካፈተይ መ ላላረ መ ካካ ALLIA ACO GACO Auditorial to the fits दरकात क हुंच 3 41 47 # (st

थोबती ,	1	बौहर
, बोसची क ६६२	ओराना च ९१५	
शोग व ९२४	मोसा छ २५८, छ २५९	
बोका ज ४२९, व ४६९	बोस्ड टेस्टामेंट क ५९८, क	17)
बोबाई व ४४१	बावरकोट इ २४८	
श्रोसापन वा ४३ वा ४४१	बोपनि स ५४९	
बोज स १९१ स १९२, व २६२	<ul> <li>बोपनिवास्त्र व ४२८</li> </ul>	
रदी सर्दास रेक्ट्र	बोवबीय क ३ 💌	
कोबराजी स ४	स्रोष्ठ स २४	
वोवस्विता स १७१	बोस 🛡 २५६ छ २५९	
क्रोनस्नी स ४	बोसाना च ८५३	
बोधारत क १५४	बोसारा च १४७	
बोलहरी क ३५३	नोहरा श २५५	
बोसइटी करना आ है ६	बोहरला च ९१६	
मोधरी न ५२	कोहार क १९६	
नोसा क १५४ च २८६	ब्रौ	
मोट के ४९७ व ७७२ व ९२४	બા	
कोट स्वाता व ७७३	बौकात स ३८७	
बोटा च १४७	कीवना च ७५५	
मोड़िया क ४६८	नीवट थ ५७६	
बोक्नाअ:२९ व १८६	जींनाई थ ७५७	
बोड़नी के २७४	शीवानाच ७५५ ज ४ १	
कोतमोत व ८ ५ झ ९६	जीवाना च १८	
बोतमीत हीना स ९५	मीटनास ९ स ९९	
मोदन इ ९२	मीटा स ९१	
मोपरना च ८९२	भीटा भागा श ९९	
भोवा छ २३५	मींटाना भा ९ म ९९	
नोधापन क २३६	बीचक व २६८, घर १३	
बोतपत क ५ ६	बीपट छ १६८	
बोप छ २८७	श्रीचित्व व ४ ७	
भोतवार छ २८५	शीबारक ४१ क ५५६	
कोपियम क १९३	मीटनास ९ स ९९	
मोर च ७५	শীতানা ল ৭	
भोरहन स १४५	शीवर च ३३१	

भौतारी	* *	मंद
मीवारी क १५७	संबी के ३१४	
मीरपुस्य वा १८५	कॅमी करना सं ७४	
नीमार्गेच १६६ ज २	कचन व ४४८ ज ३६ ज	¥4.
मीक्राय च ७९ च ८६	क्षेत्रम ५६६ क २१८ क	5 XE 229
नीजोगिक स २८९	गंजुकी व २१६ व २५५	्ष ५५८ <b>क</b>
नीपन्यासिक च ४१८, च ९७	295	
मीर च ५८४	क्षांक १२३ क २४२ व	166
मीर कही व ९९३	कवाच १५४ व ४९१	
मीरवग्रंग २२५	कन्स व १९	
भौरसग२५ ग२५६	कंत्रुती च ३९१	
भीकार व २४६, स २५	कनुरी करना च ३९२	
मीमामीला च ६६१	कंट व ४२	
मीक्या क ११	कटक थ २५	
मीयम स ५४९	कंटकाकीर्थ व २४१	
बीयनासम स ५४३	कटकारिय १२५ व १९९	
बीसान थ ८४	क्टफ्ख क्र २ २	
_	कॅटिया क ६२८, क्ष ५७२	
<b>46</b>	कंटी च २५८ क १६	
क्रम क हरेल का प्रश्ने का हरू	कटीला गमक रू १	
केंक्स के ११४ के १५१	कंटोप क्र २६९ 🛊 २७९	
चेंकरक १६२	क्ठग इत्र ग ३४ च २१	
क्षेत्राका गा १	कंठमाळा ख ५२५	
कुकाबिनी क १९४	कंठमी क १११ क १४६	
भौगादी च ५७	क्ठा क १११	
क्षणक ११४ क १५१	मंठी क ४२, अ १११	
केंग्लाक ११४ क १५	कंटुका क्र १११	
केंगली के व्वथ के वृष्ट	क्या के अर्थ	
कॅपनाचा४ ५ जैनके = ====	मंत्रास क्र ४५	
केंगही क ११४ केंग्स	क्षती क्ष ४२४ जोकेल का १००	
केंगाल साथ भू केंगालना का था।	क्रेडीस क्र ५९१ क्रम ५ २२४ म १८	
केंगासता का ४ ६ केंगाली का ४ ६	क्त गर२४ गर८	
क्रेंग्र व ४५	कंदम ३२, व ३७ घ म २३९	2 6, 4 8 %
	, m	

9 R क्यमृत कदमूल व ३४ कहत म ५४ क विशास्त्र १ कंदर व ३१५ कंबराच २५ च २५१ कउड़ी च ४९५ कंबराज व ३५९ कराब छ ९४ कंदर्य क २७१ क २५ ककरी व ३७२, व ३७३ कदली म २७ यक्ती क १५१ क १५२ कवा व ३ ८ व ३ ९ कक्द य ४५१ इ.५५३ कंदुक रू ३७५ कक्षमती य ७८ क्षत ३३ न ३६ क्कूम च ८६, च ७५ कंबरग ३३ व १२३ ककोरमा च ८९६ क्षाय ३६, ४ ३१४ क्षक्त इ. १५१ कंबा देता च ७८७ कमकटी व १२५ क्याच५७ च ९ च १४८ व ३ <sup>४</sup> क्या कराता व ७८७ कसाक १४ व ६ ६ कॅथेया क ३९९ कचग १७ क्यं स १७५ क्षक्ष व ६११ केंपकेंपाना च २३४ क्षपत्री क्ष ११८ कॅपक्सी स ५३ व ६८ कवरवी स २१९ कंपन व ६८ च ७१४ कवरकट करना ग १५६ क्याना च २३५ च ७१५ कचरमा श्र ९३ कॅपित व २३७ कवरी व ३७५ क ७३ करेंग्ना वर्ध करश्रेष संदर्भ संश्रेष्ट क्यक्या सं १२१ कंपित करना व ७१५ कवहरी व १७४ व २२४ कपित होना व १७ व ७१६ क्वारता व ५५ क्षण क १२८ क १९१ क्ष्माळ व ३ ९ 44 4 X\$4' 4 X\$X # 6 \$ कबूर व १५५ क्षेत्र ए ४३५, व ४९४ कपूर होता स ३१९ क्वोत्र ४ ४९४ क्वीड़ी कर ३ करेरई बंस क प्रश्ने क प्रश्ने क्षण्याग२६ व ३१ मंबपुरी न ११% कच्चा भरता च ८८१ वंतारि क ३९९ क्ष्मा बागा ह ५६५ कच्छान ४५२ स ५९% व ११ व ४ ४ महार ग ३ ९ सम्बद्ध के हंदी के अपूर्य के दूर्दा केंद्रारित ग ३१

1 1 W 9.00 कथ्याक १४ ए ४५२ कटसरैयाच ४१ व ४११ च ४१२ **ች**ቖ ጭ አላ ር स्टेहरू व ४९ कटाई व ८८३ रुसना क्र २६२ बहार्ते व २६८ क्षती क १ ४ क २५८, क २६२ क्छानी इस्टर कटास प २० बदान च ८८३ रम् च ९१ कटार इ. ४१५ कब्बा क ४४६ व ५९५ षदारी ह Y१५ मध्य च ९१ स्टाह् स ११६, व ४८६, व ४८७ व १४२ क्टीटा के २६२ कटिब ७८ व ४४५ कव च ६२ च ३९७ कटिबंब इ. ३५९ कनराज्ञ ३१ कटिनुष इन् ६६२ कनसर्दे स ३२ कवरी न ४७२ कटी य ७९, च ११८ कटीर व ७९ कनरीटा इ ४८७ कटीका गाँध म ३४ क्षरीदी के ४८७ कवता व २४९ कटीला नमक इ. १ कवकी य ४७२ क्ट्रच १६६ व २६४ क्र.४३ क्र.४६ क्वा व १५४ F 12 क्यांक म ४१८ बद्धंद च ३१४ क्याकी व ३७१ कट्च व १६७ व २६४ इ १९ कम्बलक ११ करहर कट्कफन इ. १९ करबाद ग ४१८ क्टूबा इ.४७ इ.६२ मन्त्राची व ३७१ श २ ६ क्टूक्टाव १ ६, व २९६ TERRETTY TYPE FYCE बटुतूम्बी च २९६ ASH A SHOUS SA S A B SASA कट्फळ च ७४ च २७५ #4 W W 234 कडोरा क ४४१ क्टोरमा इः ४४ बटबट श २६२ क्टोरी इ ४४१ मटचीराई व ३२९ पटना व १५४ छ १, व ८५४ भट्यका य १५१ बट्टा ग २६, ज ४९८ क्टप्रस व १६४ <del>ቑፚ</del>፞፞፞፞ቑ፞፞ዿጜቚ፞፞፞ዿጜቚ፞፞ዿዿዼ **पटप्रका च २७६** TETT TYCH TYCH भठकीहवा स ६५९, च १६७ पटवाना ग १५७ कठ बाप च १७६

कठवत	१४ दस
क्ठवर अ ४५१	क्यों क १९
कठिन जद्म ६५८, शाप्र	कण च १८८ च २२२, च ४९१ च २६६
कठिनफळ च २९९	च ५ ३ च ८९५ च ९१
कठिनाई च ६२	कपावसूत्र क ५६९
कटेक च ४९	क्य व २१२
कठोर व २४ व ६८	क्षतक व २१२
कठोच्छा च २१ च ७१	क्वशी 🛊 ५२५
कठोरपन भ २१	कतर छ दे२५
कडीत के ४५१	क्तरम्पॉत करना च ८८
कठीता रू ४५१	क्रारत व ८८२
कठीती क्ष ४५१	कतरना भ ८८
करक स ४५८, छ १७१	क्ष्वरनी झ ५१५
कर्कराता स ९८, स १	क्राचर्ष व ८८१
कर्कना स १७७	कतराज व ८८२
कर्मनाम क ४ ६	क्ष्वयंगा स १८१
कर्वामा च ८९४	क्तक स २१४
कर्वा क ६१	क्ष्यसमान ग रेकरे
महा न ६३५ क ३३४ क ३३५ क ३५५	<sub>।</sub> क्व∦ेच ९९५
4 6C 4 366	क्याहें व ९९५
फड़ारे च ७१	क्तार व ९२४ स २६४
कवा पढ़ना च ८१	करिक्या छ ५४
क्यापन व ७१	क्तीरा च ३४
क्याबीन के ४.५	क्त्व ४७६
क्ताइ क ४२८ क ४६	कत्तर्देश है द
क्नाही ड ४२८	क्वाक ४ ६
कदा होना व ८१	क्सी के प्राथ के प्रश्तिक नेप्रत
कड़ी क्र ५४४	करवर्द श १४१
कर्वाक ६१	कत्मक व १९८
कर्नार क ६२	करना क १८७
कड्यापन इ. ६२	करल म २१४
क्षेत्राच १९५८ च ४४६६ च ८५४ कर्म	कर्वतित् <i>च ५०</i> %
नकार्द क ४२८ नकाही क ४२८	वस स ६१७
1 4 141 a 2 10	कषक य १९८

कवन 1	१५ व्यक्ति
क्यन स २७१ स २७७ व ६१४	करसी म ३४९
कवन करना ज ६१६	मधा ४ ९
कनती वा २१४ वा ६१४	कदाई व १११
कवनीय च ३५८ व ६१७	कवाकार व ४६५
क्वाक वह बार्श्य बार ८ वार्श्य	क्याकारिता च ४६८
ण ६२१	क्याच च ९७३
कवा व्हता क ७७	क्वाचन व ९७३
कवाकोर व १२७	क्याचिन् 🕡 ८, च ९७३
क्यानक ख १३९	रुवापि 🗑 ८
ক্ৰাৰাক্ত ক ৬८	कवापि नहीं च १ ८
क्यामुख क २९८	क्सीम छ १७४
कवाबस्तु क ५९३ ज १३९	करीनी छ १७४
क्या बीचना के ७७	क्यु च २८५ व २२८
কৰাৰাত্ৰী হু ৬६	कबु रू ४५१
कवित व ६१५	कप्रुव में ५५८
क्योपकवन श्र २६९	कर् ख ४८
कव्यक स ५७	कम व ८९५
कच्य व ६१७	कनक वे ४१ च ४४८, इन २ २
कर्म व २६३ च ४१८	कनकटा व ५१७
कर्तक म २६३	करकीया क्ष ३७१
मद भ ३११ च ९	क्तवजूरा ग ५७४
क्रमित छ १९५	क्तची ग २
कदम य १५४ ज व व ४	क्मदोप क्र २३९
कदमवा च १५२	क्नपटी न ३१
करम १८६, १४१८, १ ६७७	वनपुरुषी व ६२४
क्टर व रह व इंग्ड	कार्यम ह ११
<del>वरताई ॥</del> २७६	क्लकोड़ा च १५६ क्लक्षकाई व ५७४
भरतह स २७४ स्वाह	समाय के द्रश्
क्यमं आहे १० के १६८ क्यमंत्राचा के १९१	बनामिका ए २६०
करत प १४९	वनायन ज १३३
नरसक् म १४९	कनिष्टिका व अ४
करता च १२५	विष्ठ स १२

<b>व</b> निका	१६ क्रोडी
कतिका च १६१ स ६९, स ७४	क्यासिनी क १९४
कती व ४८५	कपानी न' १६५
कनौनिका ग २१	कपास व १२६
क्तीयम् व ४५	कपित्रक्ष संदृष्, संदृष्ट संदृष्ट
कनुवादन स ३२	य ६१९
क्लेठा ज ४९५	कविक २९७ व ४१ न ४३५ म ५२४
क्नोर व ४१९ व ४७९	कपिकण्छ् च २९३
कतीहा व ४९५	कविश्राण्यका व २९१
क्रमण च २२१	कपिकेषरी क ३८
क्ताम € २ म ३ ८	ক্বিত্ৰ ব্য ২৬
कलीयी ख २२४	करित्व व ५४
कम्पकान २६ च ६४	कपिम्बर क ४१७
कत्याग२६ च ५८, च ६४	कपिक क १५४ क १६५ क २९७
कन्पाङ्गमारी क ७८	# \$ Y & \$ 4 W & # ? G # \$ W #
कल्हाई क ३९९	४३ च ५१६ व ५१२ ४८
कन्हाबर इ. २५४	कपिसमीता क ५८२
कर्त्ह्या क ३९९	करितास स २९ स ३६ स ३६ स ४४
कपट व २५७ व २६९ व ३६८	च २९३
कपटना ब ८५३	कपिकसूत्र क ५७
कपदी वा २६८	करिका स ए८ व ४७१ व ७६ व १८३
अपना क ११८ च २३६ क २१९	कपिकाकी व ७६, व १४७, १७१
कपड़ा कता स ७९	क्रमिय 🐨 ४६
कपर्वे क १७७ च ६ ५	कपिसता स ४४
कपर्यक्रक १७८ व ४३ व ६ ५	क्रीस क १८
कपविका भ ४९५	कपूत व २५२ 🖷
कपविनी क १९४	क्यूरण १५७
कपरी क १६५ व ६ ५	क्यूर कथरी व १५९
कपस्तूक क ५	कपूर हस्सै ङ २७
कपाट च १६५	कपूरी स २८, स ३८, स ५५
कपार न १ १	क्पीत व ५९८ ग ६३३
क्याल गरेरे गर्युत्य १ १ क्यालमृत क्र १६५	क्योतक के सेन्ध्र
क्यातिकास ११	कपोली म ६२५ स ६३४ स ६६ म
	198

क्वीस १	७ ६मसन्यन
क्पोक म २८	<b>क्रमदेग ५</b> २
कक्षम १२२ स १२५ स ४४२ स ४४३	कम भ ४२६ च ९१
क्रप्रनासरीट च ३९८	मनगरमा र २४८ व ४१६
नफ्रनवधोटी च ३९१	क्ष्मकर ग १ ९
मञ्जनी का १ ४	कमकरिन थ ३१
क्रफॉलक के ७३	समन्धा च १२३
क्रांम स ४८, ग ५२ च २३ च २६२	क्मबोर व ४९९ स ४२
में ५३४	क्ष्मकोर होना च ५ २
क्षम छ ११	क्मकोरी स १९
क्ष्मप्र क्ष. ३२५	क्षमठ रा ५९५, च ८
क्रवावणींगी के १९	<b>क्यटा इ ४०९</b>
क्यारता च ८५३	क्मती च ५१
कवि क २९७	क्मणी होना च ९१५
कविता भा १६८	क्मनैत श २७१
कवित्त सं १६८	कमनीय व ४६६
कविवास क २६८	कम पहला वा ९१५
क्शीय भ १६	क्रमरीत व ५७१
कशीकाये ४ स २२५	कनवीस्तर थ ६ ७
क्वीकी च २५८	क्षमण्य ४ ७८
समूर प ४३	क्रमरख भ ४७
क्शूतरम ६३३	क्रमरवेंच क २६५
क्यूतरी त ६३४	कमरबंद रू २६५
केश्य सं प्रहेट	क्रमध भ १४८
कस्थिकत स ४६८	कमरिया म ४३९
कम्बी स ४६८	क्रमक व ११४
क्षा क ५१२, थ २१	क्षमण क १२९, क ११९, म १८८,
कविस्ताम क ५१९, व २३१	<del>प २६२</del>
चमी च ८, छ ५, छ १५५	क्सक्रेश्वर भ १९
क्रमीक्रमी छ १९५	कमसगटटा च २७
कमी नहीं च १ ८	कमसदर च ३८९
वर्ष छ ९	कमतरक च १९१
कर्मपर भा १४	क्षमस्त्रभूति च १९१
ममब्त ६१ १	कमसमयमं क १३४ क १९९

क्रमताम	३८ इर रेग
कसकताम क १३४	कम्युनिजम् च ११९
कमकरास म ३८९	क्य छ २३९
कमक्तवीय व २७	क्याम च १३
कमसमूक व ३२५	अधास व ९६३
कमलनोति क १६३	करंत्र म ६४४ म ६४५ म १५४ म १६१
कमक रोग क ५१३	करंबक व १६१
कमधाक १६३ च २ १	करंद रू ४ ६
कमकारुति च १३४ च ३६६ च ३	
कमकास व २७	करकत थ ५६९
कमकापति क १३४	कर ख ४१ व ५८२ व ४४२ व ५९
कमकासम क १२३	पर्च४
कमली क १२६	करक स ४५८ व ४२ व ३४४ व ४२
कमकोद्सव क १२३	स रेपर
कम होता च ९१५	करकट य ४४५
कमाई च ३८६	करकता वा ४८२, वा ४७ स ३४७
कमाई करना स ३८४	करक्षमृत्ती स ४५८
क्मान क्षेत्र १ क्षेत्र ५ क्षेत्र ५	करकर व ५८९
कमानका रू ४ ९	करका च १ % छ २५८
कमाना च ३८४	करकी के प्रश्नेष्ट के प्रश्नेष्ट
कमानिया स २७१	करकस रू ४३५
कमानेवाडा स १८८	करन स ३९८ ॥ ६७ ए ७६ म ४९५
कमासूत च ३८८	म ११९ च १६१
क्सी व ९१२ स ३ १	कर बातना च ६५४
क्मीब क १४६	करण क ४३८ व १३४
क्मीता व ४२९	करणीय अ २९६, व ६६१
मगीतारत व ४६ व ४४१	करताव व १९६ व ६५२
कमी पड़ना व ९१५	करतारी ज ३९४
कमेटी ज ९२५	करवस व ६१
कमेश न ३८३ कमोदिनी च ४ ७	करतकथानि च ८४
कमीस के ४५५ के ४७७	करतथ्य च १९६
कमोरिया क ४७३	भरतास च ९६
क्योपै इ ४५५	करमून व ६५२
	कर देना ज ६५४

करपत्र	१९ करीर्स	ì
करवन क १५९	करिनी ग ४३६	
करवनी क ६६२, क १५९	करिक्रमुद्दां व ४८१	
करनभूत क्ष १३	करियास १ क ५६७ स ४८ म	
करना ज ६५४	करियाई स १२	
करनी च ६५२	करियारी क १८३, च १६२, च Yet	
करनेवाका व ६५९	करियोग न ७८	
करपट्टिका क १	करी य ४१५	
करपुष्ट व ६२	करीना स १५७	
करमे स ६१ च ७८ च ४४% व ४५	करीय व ९६५	
करम च १९, व ४५७ व ६५२	करीय-करीन व ९६५	
करमकरका व २७९	करीम क ११२, क ५२२	
करमचारी श्रा ३७५	करीक च ७४	
करमी व ३३९	क्रमा स ६१	
करमुखा व ८१४	क्षमाई क ६२	
करमुद्दी व ४८१	करन क ११२ क ४४७ ख १७९	
करमेनबर करना ख २५	करमा व १९	
कर केना अंदिश	कव्यानिकात व २२	
करवा क ४४५	करणाणिकि च २२	
करवाई स १९४	कर्मनाभय व २२	
करवाल के 🗡 🥞	करेंचु ग ४१५	
करनी क्र २१२	करेणुका न ४३६	
कष्ड्ती म २३६	करेरना म २९९	
करोडुक य ६२६	करेनागश्य गश्य	
कराई वा ३२	करेंच व ५६६	
कवही झ ४२८	करेका च २८१	
क्यमात स ४१८	करेंसी थ २८१	
क्यमाती सं ४३९	करोचना च ५७८	
क्यपस क ९९	करोड़ सा ६१४	
करोर व २८१ स ४२५	करोड्पदि <b>स ४ ५ आ</b> करोडना च ५१८	
कराया च १८१ करात क १६९, व २४३ म ५२१	करोगा व ५४८ व ८९६	
कराती क ११२ ज २४१	करांस च ५०८, च ८५६ करांस च ४८	
मरिंद व ४३८	क्रोसी क्र. इ	

कर्मेषु	।! <b>कांकि</b> र
कर्मचु म ४२	क्वेरी क्ष. ४ ६ क ५२५
कर्ष ग ५९२ क ३२६ च ५८ च ६२	कर्तरी चलाना भ ८८
कर्षट य ६४१ स ५९२, च ६२	कर्तव्य पा ६५२ जा ६६१
कर्वटी य ५५८ च ८१ च १६९ च १७२	कर्त्तव्यविगृह होना व ६ ४
<b>₹</b> ₹	क्ताँ क ११२
क्लेंग्रे इ ४१५	कत्तरि अ ११२ क १२३
करिटू म ६३६	कर्मम च २८५, च ३ ४
कर्तवाच १६ क ४ ६ च ५८	कर्षट इन् २१८ इन् २२१
कर्भवता च ५८२	क्पेंट्टिका क १
कर्वसास ६५५	कपॅर व १ १
कर्कोटक क ३२८, छ ३२९ क ३३९, क	कर्ष्ट व १५७
171	कार्र क ३४६, स ४८ स ४४८
कर्पुर म १५५ स ४४८	कर्म व ४५७
कर्णी के ४३५	कर्म-वीरियौ ग ११६
कर्ष स ३९८	भर्मकर क ११७
कर्ष स्वारमा स ४ १	कर्मकष्ट सङ्गा क १२५
कर्न बाना क ४	कर्मकार ग ३२९ म ३८३ ग ४८३
कर्नबोर क १९९	कमचारी च ३७५ ग ६५९
कर्ज चुकाना ख ४ १	कर्मठ च ६५%, झ २८८
कर्वदार ग ४२४	कर्मनाशा च ३ ६
कर्गत १३ करे क ४१८ व ५८२	कर्मेबूर श २८८
स ५४ व ४४४	कमिष्ठ व १५९
कर्महुद्दस ३	क्षमी व ६५९
कर्पगोचर करना था ६ १	कर्नेशियम १३५, व १३
कर्षेष्ठित्र थ ॥	कर्मण ६६१
कर्मवार व ३४१	कर्व व ६६१
कर्णपाय क ३४१	कर्ष व ५८९
कर्णपूत्र क ११	कर्रा करना व ५९
कर्णनेव क ९८	कर्राना स ३७
कर्निना म ४४३ ग ७२, व ३९८ छ हु। नर्तन करना व ८८	कर्पना स ३९७
मतन करना च ८८ कर्तनी इ. ५२५	करित होता क २७५
नर्तरिका क ५२५	नर्तककहरु सहक्ष्यप्रदेशभावितः नर्तकितं प्रदुष दृश्यविति
141794 # 313	कताक्षा चार्द्र भारति चारा

रतंरी वै	१३ वसार
कारी के ४४८ व ११५	<b>भन्नभीया च</b> २८
क्षप्रदास १५१	नगगर ल १३९
रमगद्द गप्४३ घ७-७ न्यूब्द व	मनवारित स ३४
\$40 @ \$5" @ \$50" @ \$50 @	बस्साय प्रश्ने हा स्पृत्र हा प्रपृत्रे
tcc = (1)	क्तर्यम ६ अ ग ६४३
कार्य प ४५३	बल्हांनरिया सर १५८
मनद्र छ २१	क्लाइ स २५२ ज ६४३
क्ल्प्ट्रें क १२८ स ६ ७ स ६ ६ स	वन्द्र कामा अ २८
दश्य म दश्य म ६५० म ६६३	वन्नट्वारियी श ६५
नपर स रे ⇒	वनगरायः व २८१
कारवता च ४३३	चलहर्जिय च ६२४ व्य २८१
बरुवार ज ५८१	वमह्यिया स ६५
वनवनानास ८ स १ ≉	क्ल्हा <b>व १८१</b>
बलगा च हैंदर्	ननहारी म २८१
बरायीचा म ५८२	नर्साहन श ६५
बरुवा इ. ४३५	बर्गाहरी सं६५
बल्ची इ. रहर इ. ४३५	्यमान्द्रभावस्य १६६ च ,, व १९६
बनसम् इ: ८६५	क्लाई थ ६
क्राप्तुत छ २१	वणावार नाथ भारत साहर साहर ।
कर्मन र स ३८ गढ म ३५	•
कामात्र च ८४१	वनावर व १६५ व है 5
बार्यन व ४४८ व ४४०	during at \$ 9
करण च ३	वार्मार्थि व १ ३
मगर इ.३१४	धनगरित स्त च
बस्त्य द १३	4444 4 3 4 666 # \$25
**** * 1 2 * 1 2 * 1 2	A all a lin
Add stal fit p 4	काराज मा १४८ काराज मा १४८
क्रम्भा । स्था क्रम्पास ४	कम्पूरा करी कार्य कार्य कर्य देवें
क्षण्या के 11	कमार्गल र ुत्र (हरू
क्लारे व 11	data to \$ ?
an of a ec	errete a e
** ** 17/ # 6 * 111	444 4 33

क्यारित ।	११ स्थापस
ककारित य ३४	क्रिक्स् क ४४८
कबास्ती स ५६	कस्किम्य ७ २१
कसाविद स्ट ४	नस्य क ५५% व २३७ व २ ५ व २६
कस्मिग १६५ व ६६७ च ७७ च १५२	<b>च</b> २५ <b>च</b> १३९
च ३७८	करपत्र क २४१
कॉकर क २९७ च १९२ च ३७८	करपापुम क २४१
कॉक्स्यबा च २९२	कस्पना च ९६९
कवियो च २९२	क्रमा करना च ९६८
कृति छ २१	क्रम्यपारच क २४१
कविकाच २७	क्रमक्ता क १४१
कविकाल क्ष २१	करपवृक्ष क २४१ व १९२ व ४४२
कक्रिय न ४६६	करपति करना क १७१ क १७२
णकिमक का ३ ४	करपावर्तन क ५८७
कविवारी च १६२	करियत व ९७
क्तिमुप छ १७ छ २१	मक्रमय व १४
कविहारी च १६२	कस्याय ४७३ ≇ २ ५
क्सीव २४	करवाच य ४४८
कतुव स ४८६ च ३ ४ च ३१४ व ५४५	कायानकारी ज ४७८
क्रमयता व ५४५	करवाणी क १९४ क १९८ व ४६६
क्ष्मिति न ६१५ व ५४२	सं ६४६ स. ५०८' श. तृह
क्कुपी व ३१५ व ५४३	कम्बाव २२, व २४
क्लेंडर स ६५१	कस्तोत्र व २४८
क्तें व ४१	सम्ह स १८% स १८६
क्लेंक करना छ ११२	क्रम्हारना झ ९४
कमेशाग ११ म १६६	सम्बद्ध ४८
कतेवर ग १२	कन्यित्री च १७२
क्लेवा क ४१	क्षार के थेर
क्त्रेमा करना स ११२	क्सरी ≅ ४२
कत्तीट क २८१	क्षत्रक सं १४४, क ७५
क्कोर ग ४७३	शनकगट्टा च २७
क्लोंनी कंटर, व १ ५	क्वीप य २९३
करक व ३ Y	कवायद ज २१६
वृक्तिक हैं ५४ के हैं ५५ के ४४७	क्यावस्ती धा २१७

<b>र्वा</b> व	३१३ इन्हरू
वविकार्त्व कथन्त्र सार्व्य मा रेवर	क्रमण च ११५
₹ २•	क्मबिन स १२४ म ३९७
र्याशा म १६८, स १६८	क्षत्रवी स १६४
वरिया वरना सं १६	क्सम हा ४२३
परितास १६८ स २ ३	क्समयाना व २३२
परियाज के १० से ५६८	क्सर अ ३९०
मधीड मा १७	क्यान है है की
क्स क २६३	<b>थमर्गाहास</b> ४
वरीर च १२३	वसरीत ४०९
वस्मन व ३ ४	क्यार्टिंग १६३ व्या २४
मानीर म १२५	बनावणाता व २४५
नाथीरत ४ १	वनार्यामा च ५२५
बच्चीरी के हैं	मनाम इ.५४
बाल्य संप्रदे व्यवध	क्षपुर च २५०. म १ <b>१०</b> त २२०
कारपोट व १२५	शमुख्या स ११८
बच बच ३५ - १६ ५३	समुख्यार म ११६
क्या ह है ६	एनेस च ३१६
क्यार म ७१ इ.४३ इ.५४	क्ष्मेंच्य इ.५४
कारों का ५५ का ०५	बर्गन्स्य ४ ५५
क्षांत्र क ९३४	क्भैनी प्र १ २
कर्म का रोग्ड से ४८४ ज	वर्गमा के पंदर ए प्रेम्क प्रपाद
बरण्डर मान्य क ४३	समीपी साम्म अस्य
बरावर होता छ। १३	वर्षाणे पर श्वना स्व १५४
क्ष्य देश स ५५	asks a ref
वर्गी स ५१	सम्पर्ध सः ५१५ सम्पर्ध सः ६१
सम्भातः स्था सः ह	dangangk III n 65
कर्म स ८३	erest r 141
THE WILL WAS TRAINED	ntali m er
कर्मा होता क्षा है ।	ataliai a ct
toge o tre	REAL MANER OF
tern at a	alat, uses, a \$5
बर्गाण वर्ग । ४	* II - II -

कहतरी इ	१४ व्यक्तिव
<b>पहतरी इ. ४५६</b>	कौनी इन्दर्भ च ११२
कहतून च २१४	कीगोधर व १६१
क्रहर रू ५	कौजीवरम च ११२
महत व २३४ व ६१४	कौतीहारस च १६१
कहनवत व ६१४	मीटा म २५ इ. ५३७ इ. ५४७ इ. ५५१
कब्ता व २०८, व ६१६ हा २४	क ५७२
H 4X\$	कॉटी इ. २१४
कहनाबत स २३४ स ६१४	कांब स २९९ व १६ व २६२ व ८०६
कहवा क १९४	कीवृता भारपं७ वाटर सा १२१ विस
कहाँ व ९९२	१३४ क १६५ क ३ ७ क १९८४
नहान ६१४ स २४	२२४ स ६२२ व २६७ व ४५१ है।
नहानी चा १३९ अ २ ४ सा २ ८	
कहानीकार <b>स</b> १२७	कांताय ४ य २२५, 🗷 ७८
क्यार न १ %, च १८३ स ४ ७	कांतार च ११ च २४३
क्यम्पित व ३ ९ त ३१ त ३८४	अस्तिक ३२ क ३९ च १९१
कहावत च २६४ व ६१४	4 145 4 xxx 2 2 4x 4 x(n)
कहाहुमा च ६१५	श १७१
क्राह्मिं छ ११	कारियान 🛡 ९८८
महीं व १९५	कांतिमान होना 🖷 २८९
नहीं और न ६९३	कांनिहीन सा १२८
पहाँकों व ५८	क्रोतिहीन होना स १६२
रेड्डवाच ६१	कावियक्त होना छ २८९
कहें व १९५	मदिर म ३१४
महाव ६१७	शरिष वा २८५
मीवा च १३८ झ ३७१	भौरो च २८५
कॉसी च १४	श्रीवर क ३९९
कोबाग ५७	क्षणिय ३६
कवित स ३१६ ल ३४६	कीना चार्ष
नीचल ४७२ स.६.१	कृति सं ४४६, क्ष ३४२
क्षेत्र व ३९ व ४ ६ व ४४८	कीमा व २३४ व २४% व ६८
कीवरेक प Yok ह ६६	म ७१६ श १४६
वीविया नमक इस्त्रेष्ठ	श्रीयन्त्रीय च ५८९
र्वाचीपुरी च ११२	वीय-योग च ५८९

क्रींचा	इत्प कलूनी
कीसा व ४५६	কাত ৰ १८
कारय व ४५६	काठ मार जाना ज ६ ४ शा ४४१
काक ग ६२२ य ६५४	काठ होना स १४५
कारकविय ६६३	काठी स ३९३
काक्तूंबी म १७१	काइना व ७४७ व ८५३ झ ७४
काकपण्ड य ३७	काहा का ५५ व्य ७४८
काकसी श्रा६८	काण ग ६५४ च ४९५
काका स १८७ भ ३५१	कातर व २३७ च ५३% स २७४
काकावमा म ६१८	कातरता व १६ व २२४ व २३९ व २४१
काकी म १८८	श्रातिक छ ५३
काकुशस्य क ३६६	कातिक ग ४ ५
काकुल ग ३७	काविक य १७१
कारा व ६५४	कारवायन क ५७८
कायब च ३ ५	करवायनी क १८५, क १९४ क १९९,
कामद भा ३ ५	करर
कारामुख्दिक ६८७ व ४९५	कारत्य व ६४६
काबर च २८१	कार्यवरी ख २ ८ य ६१३ म ६२४ इन
कारता स ६५४	ર ૧, જ ફ¥થ
काच ग ६ १ क १५ क ५४	कार्यविनी छ २४१
<b>गरवस्त्रव क</b> १४	कादर झ २७४
काळा क १ ४ ४ २५८	काररता च ३९१ स २७६
काधिन ग ३८	कान न २% ग १३% म ४४४ इ-३४१
काळी स ३ ७	कानसमूरा य ५७४
काम व ६५२	मान वाढ़ा होना च २ ६
कामर क्ष. १	कान देना च ६ १
कारण कंदि १	कानन व ११ अ ६५२
कानुष ६६२	कारपूरी जाटा क ६६
काट व १ ७	काताव ६ व ४६५
काट चाना श १२६	कामाणूसी ज ६२४
नाट छोट थ ८८३	कामी ग चंड
कार-प्रदिक्तना व ८८ कारका स १६८ म १६६ स १ का ८६	कानून झ १७८
कारना च १५८ स ५५५ छ ३ का ८५ व्य ८८ का ३८१	• •
A CC M 402	कानूनी सं १७९, श १८ स १८५

कारहा इ	हेद कारह
नगर्ग क ३९%, स ३६	नायभ्य च १२४
पारातिक के ११ के १६५	कामकी च ११३ स ५८
नारी सर ३ २	मामधास्य स ६५२
नारूका वा २२	गांगाचा च १२३
क्राक्रिया श १९९	शासाधी क १९४ क २ ७ व
काडिया निमाना श १६९	ter
काजी क १९४	वामास्या व १२३ व १२४
काफी होना व ९१६	वामानि इ. २०४
नाकुर होता थ ६७६	कामाभूर क ३ २
गारुपै थ २८	नामारि क १६५
नावतियन व ४	कामिनी या पाय दशके सा ५४
कावा क ५२१	कामित्त व ८७९
कावित व १९८	नामीक १३४ क २७१ क २८७
काविसेश्तवार व २५५	करे ७ व ६२२ व ६३६ व ६३६
कारिसेनारीक व ३५८	सद्द कार्य कार्य अपन्ति
काबू झ १४९	कामुक क २७१ स ६२२, व ६३८ व
काम क २०५ क २७१ व ६५२	प्रश्रेष प्रश्रेष स्थाप समित
नामकराई स ३९४	शाय ग १२
नामकानी ज १३२ ज ४२१ ज ६५९	कायम व व व
कामराजुव ११२	कायचित्र य ३ ४
कानचीर व ४४% व ६६	कायदावा २९७ झा १५७ झा १६८
कामजित क १६५	m twc
कामतक क २४१	नावकत व १६४
कामद क ११२ क २७१	कायममुक्तान का २५६
कामबार व ३७५	कायर अ २१८ ज २३% म २४४
कामरेव क २७१	कायस्य व ३ ३
कामदेव के बाग क १८३	कामरता व २४१ झ २७६
कामयेवा स १८५	कायान १२, य १ २
कामबाज का २८५	कामिक च १८० व १२ व
कामबेतु क २६५, व ४८२	मार व १८४
कामना व १६८ श ६७१	कारकुनिया य ३७५
कामनाधीहत च १४१ कामरियुक्त १६५	काराज व ६५१
Aut 2 644	कारत च ११६

बारच इं	१७ काम्प
कारत क १३४ कं १६५ क १२६ व	कासमेरव क १७
इन्हे स ३७१	काक्यापन करना 🛎 🤻
कारणमाला स १९	कासरा च ५ ८
कारपरदाख स दे७५	काकराणि क १९९ वर्ग २ व २६ व
करणार स २८५	<b>१४६, ७</b> २ ५
कारमारी ॥ २८६	काका व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था
कारा च १८३ स २२२	# 2 3 # 68 # ¥6
कारायार च १८२	काका कीरा 🕶 ८६
काराबृह च १८२	कामातीत 😿 १८१
भाराबास व १८९ व १८३ स २२२	कांचा नगर ह ११
कारिया ग ३७५	श्राकापन च १२
कारी ग ३९८ व	काक्षमुत्रंगा च ६१
कारीयर य ४ ६ ज १२२	काका हिरल ग ५ ८
कारीवरी स ३२३	কাতিক শ ২৩০
नाक्रा य ११७	काव्यक्त क ४१ व २९२
कार्व च ३१६	कालि छ १८५ 🛡 १८६
কালিক জাইও জাধুই ভাঙৰ ভাওত	
कार्तिकेस क १८८	काविका क १९४ क १९८, क ५७५
कार्यक्ष १४३ व ६५२, स ३ ३	कृ५७६ व २१ इन्ट६
कार्यभारत व ३१२ व ४२१ व	कास्त्रिया च १२
कामनिकारी च ३६७	काशिय के ११% के १४२
कार्याच्यक क १९७	काली करेटच कर १ कर १ करेरर
कार्यावस्था च १४९	क १४% व १ ६ म १२४
कामसर ५ स ११८ स १ स ५८७	कासी घटा 🛡 २४४
। प्रदेश संप्रकल के हें दे संदेश का ह	कालीन <b>च</b> २८६
बासमेंद्र से १८ई से ३,4९८	काली नाग क वे४२ काली मिर्ण क ७९
शास्त्रीय करता छ १	काक्षेत्र स २७४
कासम् ग ६४५	काल्पनिक व ९७
काकवर्ग क १५४	काल्ह छ १८५ छ १८६
, कामनाक क १६५	कावेरी इ ९
भावतिया च १४६ च २ ५	नाव्य के प्रभूष भारत आ १६२, आ १६४
नातपुरुव छ १	च १६८, च २

काष्य करना	itc <b>jeti</b> d
काम्य करना स १६९	कियुक्त क २४९, व २४९
काम्यकार च १२७ च १७१	किंगशली स ३८५
कान्यतस्य सं १७८ क	किंधुक च ७२
काच्यपञ्च च १७८	किकियाना स १२ व ५९६
कान्यमेगी का १७३	किंचकिंच च ६११
कास्य मर्गन्न स १७३	किटकिट च ६११
कारूप सुद्ध चा १७४	किटकिटाना च ९७ च २५९
कान्यरसिक च १७३	कितनी बार च १ १
कान्य-सामना चा १६१	कितव य ४१% व २ २ व २६८
काय क ४८९	किराम क २९६
नामी कंपण कंप८ च ११ च ११३	किसि व ३ १
काबीनाय क १६५	किसी बार घ १ १
काबीलक व २८५	किनका च ८९५
कास्य स ३ ९	किमकी व ८९५
कास्तकार म ३७६	किंगारा च २८१ व २६८
कास्तकारी स १ ९	क्तिरकार वेक २४६ व <sup>१४६</sup>
कासमीर व १९ च १२५	<b>₹</b> ₹₹
मान्ठ व १८	किछायत स १९३
कारमीरी व ३५८	कियकाय १७४
काम्ठकीट सं५५१	नियाण ६६१
काच्छमेदक ग ५५१	<b>क्</b> थार च १२
कासूनी च ४५ च ४६	फिमाय 📧 ११
काहित व ४४५	फिमारी स ३१
कहिनी व ४४६	किरम स १९६ स ६१८ म ६
भारी सांभर सांभ्यः संश्र	किरपित भा ३९
क्तिए ग १८१	किरसित व ४९९
क्रिकता स २४९	किरात व २९९, ग ३६४ ४ ११९
क्लिपे ग १८४ इन्हर्म	किरातिनी व १९३
विकर्तस्यविमूह होना थ ६ ४ र-पिन्के स्वयुक्त स्थान	किराया च ४१२, च ४१३ च ४१४
कितिमी के ११२, के १५९, के १६ किंगित में ९१	किरियास ४२३ किरोटक २२५ वा २३ व ८६ <sup>ह ३३४</sup>
क्रियस्य म १९ क्रियस्य म १९	# 116
क्तिरण गर्द क्तिया व १ १२	कर्पटी क ४१७

करीना	<b>३१९ क्रुं</b> डिसम
किपीना ग ५४८	कीतनास २९१
किसमीय ५५	श्रीमत चा¥ ८
किस्तिय च ३ ४	कीमती स् ४ ९
किसहटी य ६६७	कीमती पत्कर व ४८
दिकाच १७१ च १७२	कीर म ६१७
किस्सी य ५२१ स ५५	कीरति व १४२
कि किसम अर्थ	कीरतिकुमारी क ¥
किशार च १६५	कीर्तन क ४३ क ७६
किमामिस च ३५८	कीर्वन करना क ४४
किसमिसी स ५४	कीर्वनिया इ. ४४
किसक्य भारतः भारते भारत	कीर्ति व १४२
किसोर ग २४७ ग ४२२	कीर्तिमाण वर ३५३
किस वगह व ९९२	कीतिस्तवन क ४३
किसमत व ४५७	कीरु ख ४५७ इ ६२९, इ ६४६ इ २८०
किस समय 😻 ११	कीकना च ८७४
किसमिस च ३५८	कीका च १८८
क्रिसक्य व २३ व २६ व २६ व ३६	९३ कीस व ५२४ व ५९८
किसान य ३७६	कुंबर व २४७
किसानी स ३ ९	कूदे <b>प</b> ४ ८
किसी समय 💗 📞 💗 ८	কুৰিকা 🕏 ८৬
किसी स्थात पर व १९५	कृषित म ६ व ४८८
किस्मत व ४५७	कुषित कैस य ३९
किस्मवदर व ४६	हुन च १४२
कीचर ग १२६	कुंबन व ६४८
भीच व २८५	कंतर व ४३% व १ ४
कीचक व ८	कुंत्रके य ४१६
कीचड़ न १२६ च २८५	कंगी चाहे अर ५४९
कीवा च १८५	कुँग १८६ म ४३६ च ३३
कीट ग ५३६ व ५४८, व ५८४ व ६ भीकार्यक्र स ६६८	-
भीटपर्यम् ग ६६८ े भीजाम ५३६, म ५४८, म ५५४ म ५	* 114
भोड़ा मकोड़ा य ५३६	
स्रोडी स नेप्रते कार्डा नकारें। न नेपर्व	कुँडसिनी क २८९, थ १०८ कर्१८ कुँडसिमा स २ ३
11 1 3-3	Zeradi a k f

ुरंबती क ११४ क २८९,	त ५५८, दुबहुट व ६४४ व ६४५
य ६ %, म १७८ म २९२	<b>भूतपुर य ५१६</b>
हुंबा क ५४४ वा ४९८	<b>पूरा</b> ग ५२
कुदी क १ व क्ष ४१४	कुक्तिन ५२, ग ११३
कृत क १११ क ४१४	कुम्मात अ १५
कुंतकय ३७ व ३९	कुम्याति व १५९, च १५२
हुती क २२२, क ३१४ क ४१	११ य २७ हुन य ५
म १७७	कुषक्ताच ८२० स २४७, स १२१
ब्रेट के रेडेर से प्रशंप से प्र	
कुरवहन व ३६४	दुष व ५१
<b>ब्रु</b> रवेहमी थ १६६	<b>ब्रुटमी व</b> १६६
कुरत म ४४८	बुटबक ४४ व १५२ व १६७
<b>भुरस्त र</b> २९५	हुटगी न २७% के <i>८४</i>
क्रुयांग ५९९	कृटिया च १४२
कुस म ५८ म ६६ व २१४	
कुमकार म ३२३ य ६४४	व २६८, व ४८८
कुंसब र ४४ क ४६४ क	
ुष्पवात कार्यका प्राप्त	
- क्वमीय १.५,य१६४ म १ <b>७</b>	
क २१५	कृतिकाई च २६९
कुमीपाक क ३२३	कुटिकाई करना <b>च</b> २७
कुमीर यं ५७% य ५८	कुटी च १४२
कुषर, ग २४७	कुटीर च १४२
कुषरि स १५५	भुटुमाग ६ झार
कुरेगारी 📽 ५२	कुटुम्बीक १८ कुटेन वा४ ३
कुष १ सर्वेश्वर १ क	हुटमति च १६४
চুইনী পাই છ চুনী পাই ৬	कुट्टनात च ११० कुडिका क ५५८
दुवर्गस २९९, स. ११	क्रेशसम्बद्धाः क्रास्त्रः विकास के रीट
कुक्सीय ११ व १ २ व १	
कुक्ती व २४६	क्रमा व ४६५ ११
कुकुर ग ५१६ म २ १	कुम्मक क ३२ए, व २७

अवन च २५८, च १६२

13

**पुरस**ी

**उद्धरमता व ६ १** 

ŢŢŢ

198 कुरसी दुवना कुम्बाण ५३ स ६३ स १४९ कुबनाय ९७ चर५९ कुमान्यदासी ब ४६१ कुकाना च २६० क्रुपप ग १५९, म ४५७ कुमी य ४३५ म ५८० द्रुवरना च ८८ कुमकुम क ३२१ कुमरी ग ६६ य ६६७ कुतवाना च ९६७ कुवियाय ५१७ कुमावा म १८३ दुन्तवाना च २११ कुमार क १८८ क ३११ वि २४७ क्रुगहरू च १६४ गर्भ वर्द्ध व ६१७ स २६ हुता ग ५१६ श १ दूती प ५१७ कुमारपन स २७ हुन म ९९२ कुमारिकाय २६ इन् ७८ दुरिस्त ज १६१ ज ३ २ कुमाये इ. १६३ क १८५ क १९४ क १९८ वर६ - वर्ष्ट्रीयुद्ध ॥ ४१ बुल्मितस्य व ४६५ मूजकमा व ६८६ कुमार्ग च २४३ दुरात थ ४४६, इ.५३ कृमार्थी व ३ २ दुराची क ५३ कुनुयक १६४ च ६९% व ४ ४ ४ ४ ४ ८ कुनविन म ३२६ T YY 7 66 पुनवी ग ३२५ दुमुर्वम् क ३०७ कुपन म ११ च २४३ कुमुब्ति व ४ ७ व ४ ८ द्वप्रमामी अ ३ २ कुमुरिनीपवि ६ ६ ७ दुपित य ४ व ९५ हुमोदिनी व ४ ७ व ४ ८ दुपुत्र ग २५२ कुम्मैव व ४६३ दुष्पाष्ट ४७८ कुमहा य १८% व १८६ रूपी इ ४७८ कुम्हार य १२६ मुप्रवय झ १५८ **कुम्हारित य ३१४** पुषता व ५३ मुरंग व ४६३ व ५ ६ व ४५८ पुरहाज ६ व ५३ दुला ६ २४३ दुवही च ५३ श ६३ नुष्ती रू १५१ रू २७ रुवस व ५३ **कुर्राग्य ग** ३२६ पुषरी स ६३ दुरभी ग १२५ इवेट क २५५ पुरती व ६३१ पुरेलुंग क २७ **मूरवड य ४११, च ४१२** पुष्प हर् कर कर्ह दुरमी क्ष ५ ९

21th	¥88	कुतुनस् <sup>द</sup>
इसह च २४३	कुलीन स २	
कुरानंक ६१ क ६४	<del>ጀመ</del> ው ድ ላ¥የ	
कुर म १६७	कुस्माव इ. १४९, इ. १९७	
Jef & Xo	कुरका व ४६३	
कुरूप व ४६५	कुलकाकरनाय ११६ स १२	
<del>हुस्</del> गवा च ४६८	कुरसी व ४६३	
कुरेतमा व ५७८, व ८५३ व ८५६	कुरहरू य १ % क ४५९	
कुरैया च १६७	भुस्हाय १५	
कुर्ता क २४% क २४%	कुलहाड़ी क ५१२	
कुर्डी क ५ ९	कुल्हिया ङ ५१८	
कुर्वनम् म १६८	कुरस्याच ५२	
क्रम सं १६८ व १२. व १ व १२४		
च ८६ च १	भुवार छ ५१	
कुषकर्मक स <b>६</b> ४	दुनेर च ७८	
कुलकर्मकिनी स ६४	कुछ च ९३ च २६२ व ११६	
कुसर्विका च १५९	पुषक व १६३ व १६७ व <sup>१६</sup>	15
कुलटा स १६७ स ६६	कुरास्त्रोग व ४७९	
कुलमी व २४२	कुगक्ता व १६५ व १६८ व	rws .
कुमपति क ७९	कुणकर्मनक व ४७९	
दुक्का व ११७	कुमाण ११६	
कुसनुसाइट व १५	¶सात्तर ∓ ५ ८	
<b>हुब्गोर</b> न स ६४	कुसीनयर क ४९ <b>७</b>	
कुलमंत्र स २	मुख्यी व १२९	
कुकर्रती प २७३	Bes & Ada	
कुलमपूर्य २७२ ग २७३	कुम्पोर भ २८५ व १८६	
कुसमधी म २७३	पुषंगी स ५१	
कुलवात स २	कृशमय <b>थ</b> ६	
उन्हरण इ. १७९	कुर्मुमी स ३११	
द्वनहीं रू २३९	पुनुष व १२८, व १८१ स १३१	
कुसीय च ६८१	दुसुमाकर छ ८४	
द्वास व हरते स देश स हंपर	कुमुमपुर च ११८	
दुनिय क २३६, व ४८५	<b>कुतुमसर द</b> २७१	
दुनो व १८६, व १९९	दुनुमान्य क २७१	

<b>कु</b> मुमित	इ२३ हपाम
कुसुमित व ३८२	कृर व ६८, ज २१%, ज २४३ व ६६
क्रहेंग च २८५	कृत्ता च ७१ च २४१
क्रहरू का १३९	क्रीच८९ स
SET T CYC	<b>क्</b> री सगाना थ ८८७
<b>ड्रा</b> क्ता व ६४७	कृषिकाक्ष १९
हृहर च १९४ च २५	कूमें क १५४ क १५५ क ४४६ क ५७४
कृहरा च २५९	स ५९५ च ९
ह्रद्याच छ २५९	सूक च २८१ च ३१३
ब्रह्म सर्रा व दश्य व दश्य	<b>भू</b> नहाय १५
क्रिपिथ ७	क्रकास व ५३
मूचनाच ८२ स ६२१	इक्स च १ ४
मूंपी वा १९	कृष्णुक १२६
मून य ६२६ च ६४८	कट क १८, थ ६६६
कूंबताय ६१४ व ६४७	इतम्य व ११, व २६४
मूनीय १७	<b>इ</b> ग्रेम्पता <b>च</b> २६६
मूक व ६४६ छ ६४८	<b>इतमी च २६४</b>
कश्ता व ६१४ च ६४६ च ६४७	इत्याच १२, व २६५
्यूचा के ४७३ च १३७ च २४५	, कृतज्ञतावा२६७
व्य ५५३	क्रवनूप छ १८
कूत व ५८८	इत्तेतकर ७ करेश्य म १५४ कर ४
कतना च ६४७	कविक १६४ ग ५११ व ६५२
क्या च १९८	प्रती व १६६
क्ट म २६९. च २४८, च १४९	इतिकाच २७
नूदना स ५५२ व १५६ स १२१	इत्संक ९७ व ९५२
मूटरन क ११९, म ६ म ११९	क्षमिक १४ म १८६
मुद्र भ २६९	प्रतिमत्ता वर १८८
कृतना च ९६४	कृतम् सः ३९
मूरनाम ५२ थ ६८% ज ६८४	कृपणता च ३९१
मूरकोर म ६८१	इपनवा करना व १९२
मूच च ३ ७ मूचक ज ६२	क्रमधा चा २७ कृत्याचा १९
मूनकृषाना च ११५	हमा करना वा २५
मूबर प ५१	इपाय के ४०६
	2.0.2.014

ह्याणी इन	ु४ केरमी
हपानी रू ५२५	प १४ व १८८ व १४३ व १९४
इयापान ज २६	<b>ቖፘቒ ቖቒ</b> ዄ፞፞፞ቖዺጜኯ ቑ <i>ጚጜ</i> ፘ
<b>ह</b> पापूर्वक व २७	W 66
हपायतम अ २२	कृष्यगीता क ५८१
कृपाक्ष व २२	<del>पृ</del> प्पतुत्तरी च ११२
क्रपास्ता च १९	कृष्य∄पायत्र क ४६१
क्षपिन च ३९	कृष्णपस छ ८७ छ ८८
कृपिनवा करना च ३९२	इच्य नगरी व ११५
क्रपिनाई स १९१	कृष्य यपुर्वेद क ५४८ व
क्रपिनाई करना क ३९२	कृष्णपूर्व छ १९
इतमि स ५३६	हुप्नसम्बद्ध ४ ११
इमिष्त व ७२	कुल्बकोद्दित स १११
क्षमिली कर कर्दर	कृष्णवर्ष ग ८५ व ४८ व
इनिमोजन क ३२३	कुरमसमा क ४१७
इस व ४२६ व ४९६ व ५ ३	कृत्वपटमी ♥ ११२
हमाकार्य व ४९९	कृष्या क ४१८, व ११२, व १६६, व ११६
इन्तरा व ५३७	म १४३ म २९८
कृषांप <b>च ४९९</b>	कृष्मा नदी च २९८
इन्सानुक २४४ क ३११	इव्याव्यमे ५ २१२
इन्बानुरेता क १६५	भोक्याय ५९२
कृषित व ४९९	केंचुकाव ५९७
इन्सेर्यं सं६१	केंचुक व ५६६
इस्य वर्ष १६६ वर ४६६ वर्ष १	केंपुतीन ५६६
इनक म ३७६	नेंद्र च १२९
इनता च ९१२	मेकर्ष क १७८
इनवाई च ९१२	केन्द्रमा व ५९२
इनल व ९१२	क्रेक्ड़ासियी व १६९
क्षम प १३४ क ३ ९	केमी य ६ ९
कृषिका रू ५२७ कृषिजीवी व ३७६	केकीसिका न ६११
क्रम्ब के ११४ के १५४ के १५५ के १९९	मेरानी व १७ व १९६ मेरान क्र.४ २, व १, व ८,४
	मेशुक्र४ २ च ६ च ६ च २२ मेशुक्र४ २ च ६ च ७२ <sup>च २२</sup>
स प्रदेश संदेश संदेश संदेश	केरशी च १४९

केबार १	१५ क्षोकनद
केबार भ २३, स १२, स ११	क्रीकरनासंध् च ८९९
केरारनाव क ५८	कैकेमी क ३७८
केन क ५५८	<b>बैटम क</b> १९४
केम्र क ६३६ क ३५	कैटमनिय क १३४
केचवा स ४१२ स ४१३ स ४१४	मेरन म ४८९
केरान म २५८	र्वत च ५४
केबा म १४६ इ. २२६	क्रम म ५४
केति क २८७ व्ह १६४	<b>अंव श</b> २२२
केकिकरना क २८६	<b>इंदबाना च १८२ श</b> २२२
केबट स २९९, स ३४१ च ३ ७	∯यीय ₹७२, अर २२१
क्षेत्रहाप्र(१७ म.३९९, व.४	कैरव व ३९७ य ४ ७
केवल म २१५	र्केली के ८७
केमीच व २९३	र्वेष व ४९३
केबाइ च १६५	बैंगास क ५८, क १८२, क २६९, ब २६७
केवाही च १६५	<b>क्रैकाधनाय क</b> १६५
क्रिस क १३४ क २८९, क २९७ व ३७	<b>क</b> मस क १८२, क २३८
केशकर्यं सं १४९, श ७४	<b>कॅनर्त</b> य १४१
केसकीट म ५५४	<b>वैवस्त क ५५८</b>
केंग्रपास ग १८	कविचान स ४१२
केसरम १२२, घ३९ क १	कींचाना व ७१८, म ७१९
केसरी म ४५२ व ४९४	कर्तिक क्षेत्रक
केयर के ११२, के १३४ के १६६	कॉपल व २२, व २६
केसविष्यात स ७४	कोंह्हा य २८% च २८६
केस-कित्यास करना श ७६	कीहार य १२१
विधिनी क १९२	कॉइएएन न १२४
वेसरम ४६४ छ १ घ ४२ छ ९	कोइंग्लिय १८
वेतरिया स्व ३७ केन्स्री स ४०० स ४००	कोइसे स व ७
वैत्रतीय ४९४ व १२१ वैद्वरीय ४९४ व ४५१	कोरकर स ६१३
रेहुती य ५८	कोहका इन्ध्रभू कोई ये ४ ७ व ४ ८
क्रेग्री क्र ५२५	कोक क १६४ व ५१४ व ५९६ त ६२२
क्रेंगी करना ज ८८	\$. 856 210 a 660 a 460 a 424 b 4440
# a x55	कोशनर य १८८, म १९५

कोन्ड्यास्त्र	164	क्षेत्रुकार
कोकशास्त्र स ६५२ +	कोषित च ९५	
कोका ग २१६ व ४ ७ व ४ ८	कोमल व ३८९, अ	
कोकिक न दश्य म ४२, क द८	कोसल करना ज ७	
कोच म ५२ च ११३	कोमकता व ७	τ.
कीचना व ७३९	कौसकांनी स ५७	
कोचवान य ४१२	कोनक व ६१३	
कोट क २४७ क २४८, च	११९, कोयब्रा क्र ४२५	
म १७२ म १८९ म ९२४	रा, रामाकर्प कोमावर पहः	
कोटर व १५ व १४३	कोर ३ २११	
कोटि क ६३४ क ९२४	कोरक व ६२७ व ६२	9 m nu m 3/5.
कीटिक क ६३४	# <b>?</b> \$	1 4 /0 4 /- 0
कोट्याबीस सा४ ५ झ	कीय क २११ च ८	•
कीठ श्राप्त ४६४	कोरापन छ १७७	• •
कोठरी च १४८	कोरिय ९२४	
कोठा व ११४ च १४६ च २१६	कोरी य ३५९	
काठा च १४१	कोर्टच २२४	
कोड़र व १५	कोळ व २९९, व १६४	संदर्भ सं४८
कोड़ा व ५५२ क ३९६	F 05, F \$61 F	
की की काद २६ अने ९३२	कोबाह्य व ५८९	
कोड़ ब ४६४	कोलाहक करना व	15
कोच ग २	कोसी च २४५	
मेलवासी च १८४	कोबिर क १७ व ३६१	ł
कोताह व ४२६	कीस व २२ व ९२	
कोवाही व ९१२, व ४२८	कोशकार न ५४३ व	१४९
कीरंग्रह ४ ९, व ६७	कोगक्युरी च १११	
कोदो व २१९	कीषानार च १८१	
कीन थ ८९	कोचक १६७ गई ह	च २१५
कोन करना स ३११	कोष्ठ व ११४	
कोनाच ८९	कोप्जबद्धवा स ४६८	
कोप व ९३ च १७२	कोसनाज १७४	
कोपगृह च १७९	कोइ च २४८ छ ८६	
कोपनाज ४६ ज ९६ कोपन व १४	कोहड़ाव २८६	
71117 <b>4 48</b>	कोहड़ापान ङ १८५	

कोहनी है	१७ भीन
कोइमी म ५८	कतुभुक का २ ७
कोहरित ग १२४	कार स ४३५
कोहाता च ९६	भगवत स १८१
कींब छ २५५	कमधा ज १ १५, श ४३६
कींगा छ २५४ छ २५५	क्सामत व ९५४
कोमाय ६५४	कमानुसार श ४३६
कौटिल्य व ३०५	क्रमिक च ९५४ श ४३६
भौड़ी भ ६ ५ म ४९५ क १२८	मय-विकय स २९३
कीवनी क १४९	क्रम स २९४
कीय छ ९४	मन्य ग ९१
कीपीत कर अंक २५८	कम्याद क १४९, व ४९४ ग ६२५
कीसस्य व ७	व्यातवर्धी क ११२
कीमुदी च १६ छ १४५ छ २ ५	काति सं १७५
की मोदकी करें १९	व्यक्तिकारी चा १४६, स १७६, स
कीर क्र ४५	444
कील इस्थ ५ इस २, इस ४२४	काइस्ट का ५ २
कीस करना स ४२८	फिल्ड क १६९
कीया ग ६५४	चिमिय ५३६
कीवाठोंकी य १७१	फिल्हमत छ २१८
कीवा होता का २१७	किस्तान क ५
की चन्न व १६८	भीइना 🗷 १६६
कीरासपवि क १६८	भीकाक २८७ कं १९४
कीसस्या च ३६९	भीड़ा करना क १६६
कीराजी क ४८७	पीशासम च १७८
कौरिक के २२५, के ४६६, व ६५२ व १७	
कौशिक्ष्या कः १६९	भीत स २९५
नीपीतकी क ५५८	भीतक स १९५
कौरतुभ क १४७	मूख व १५
कौलुभमणि च ४८२ क्यापै स ३१	भूर ग ६२% व २४ च ६८, झ १६७ भरताच ३३ व ७३
क्री के ८६ के ६४% के ५ % व	भूता गरश्य ७१ ६ कोड्स ६३४ य४९ ग्रुड य५२६
43 4 56 4 640 4 6 2 4	म ५८१ च ४८३ च २१
स्प्रेया व ४५६	शोष स १८६ स ९३

भोग करना	<b>१</b> ९८ शीका
कोम करता च ९६	श्चम प ७
कोवित च ९५	अरमणीय भार
कोमित होता च ९६, च ९४	शमता व ४
कोधी व ९४	क्षमगा च ९
कींच म ६२६ थ ६३१, च ९३	बसाक १८, क १९४ क २९६ व ९
मतकंत्र ४ ५	<b>*</b> 4
नकति व ७५३	श्चमाई व ४
नकांव होता व ७८१	श्रमा करना व ९
स्क्रोति व ७५२	श्रमा-र्राह्त 🔻 ८
निमन्द्र व १९७ व ६ व ६५८	समाबार अ ७
क्तिस्टवा अर ६२	হ্মনাত্ৰীক ৰ ৩
स्थीय व १२	असमामृत्य च ८
मनीवत्य च २२२	माग व १०
नवेस व ५ स ३८७	सरसंप्रदेश सन्द ग्रदेश वर्गी
क्लेमित व ५२	च रद्द 💌 २२ व ८२१
क्टोम घ १ ९	शत्य करणा च ८१९
क्वित करमा स ९३	सम होना च ८२२
नवनित होना चा९२	सर पंच व १२, च २१६, व ८११
नवाम चा ५५	क्षरमा च ८११
स्वारक हेक करे हैं के कहे के छ र	
न्ताय स २६	साव स १४२ य २९२
स्थापपन स २७	साम क १३४ व ४९६
सम्बद्धः १२१ क १२४	शारक ३ क ४२६ च २८
समराष्ट्र छ १४३	किति छ २२ च ९
असमिपुर छ १५ व ८३२	विवित्य य ५९७
समिक क २१८, व ८६२	for * 950
समिक होना क २१९	शिम क १२४ क १५६ व ४४१
शत च ५२६	भित्रता च १५८, च ४४४
सब न १९२, च १६१	शिप्रहरत क १११ छ १९४ स ४४८
रात्राची म २९३	निप्रकृतता छ १६२
शक्तियम् २९२६ गृहेरु स्राप्तास्थर	शीय स ५४६ व ४९६ क ४२
सपाकर क ३ ७	शीपकाय अ ४९९ शीपता ख ५३३ च ५३७ ज ५ १ <b>ब</b> ३९
717777	वातिवास देव ल देव न १ .

और -	२९ <b>वनु</b> रहो
सीर क १२१ क १५५ च ४७ च २६२	सीग च ४५१ इट ४ ६ व्य ५६८
श्रीराणि च २६४	विंगाला छ २९ च ५४०
सीर्याचि च २६४	श्रंत व ६६३ व ५१२
भुष्य च ८७८	सँमही वा ९५
श्राम १९ म २६८ ज ४२९	र्शनसम्बद्ध
संस्ता स प्रदेश स प्रदं स प्रदर्श	कबर इ. ४.६. इ. ४१५
शुवाझ ११६	वंबरीट ग ६६६
गुवातुर झ ११४	व्यवस्था का का का राज्य करहा.
मुवासु स ११४	ण ७५ च १ ६ छ ११६ म ४३८,
सुवार्गत स ११४	च ८७६ च ८८२
जुनित क्ष ११४	वांत्रकाच्य वर १७६
सृचित होनास ११६	वांव चांब करना में ८७३
शुक्य म ११	र्वाट वर्षेट होता ज ८७२
बुरिकाय १२७ क ५२१	वांग्हर व ५६८
भूष क ५२६	व्यक्ति छ १६६, म ८७८
मीत्र प्रथम १२८ म २२५ च १	वंडिय करना भ ८७३
च १ २ च २ ६ च १२२	व्यक्ति होता व ८७२
ৰীসন্দিত আৰু ৭৭%	व्यक्तिस च १५८
सेम च ४७९, झ १९८	क्री प ४४६
मोनि च ९	व्यंत्र क ५९४
कीचित क १४९	वनि≭ ५३९ व १६७
कोनी च ९	विगक्त ५६९
सीम पार्ड पार्व सार्वश पार्वर	
सोमित व ९५ व २२६ व २६७	
सीम क २१८	सक्ता व ४६८
सीमनस्थ ४ २२९ सीर ग १४९	क हेर्ड स ४५८ क ४६८ च ४ च बरक्त १ क करंत्रहें कंतरब कई व
भीरकर्म ग १४९	5.0 m 516 m 543
रमा च ९	शायना प ७३८ व ९१४
, स्वेद क १८३ म ५६३ क ४७८	सरोत स ६४७ च २, च १
•	वज्यर म ४६६
<b>चैवार न १</b> २२	बनाना च ४०४ च १८१
व्यवाला व ४८८	#4mly # xco

चन्र	11+	404
सबूर व ५९	सनकग ५३२	
बटकराय १२% श क		
बटका व २२४ व २१		
सदपट व २७६	অপিন ব ४४६, হ ৭	.1
बटमल य ५५२	सपरित च १६८	
बटाई ह ५९, इ ७७	सपत भा ३८७	
बटाबट छ १५८ व ४	४३ अवयाच ९१६	
बटास इ ५९	कपरैक च १६८	
सटिया इ ४९९	च% स्व ३६, व ४ व	54
सदोसा ३ ४९९, इ. ५	१ इन्छाकरनाज्ञ ४४	
बद्दा इ ५८	खप्राच १४१	
बद्दापन क ५९	चपती च ३४	
बर्ग प ३११	बादर व ८४	
अपन्य के ४ ६	श्ववरदार व २ २	
चङ्यूपी क ११७	वनरदारी व १४ ड	१९८
सङ्बङ्गामा क १८	समाय १४१	
बहार्क क १९७ क १९९	. समीय १४	
चना होना च ७४९	सार ग ४६६ व ४६७ व	64 4 642
चनी बोकी चा २२४	भारमीम य ५१९	
चर्चम ग १५८	करचना च ३८% च ८	£0
चवम करना स २१८	सरवा स १८७	
वतन होता च ६५५, च ९		
# AfA	कर्यवर्षं व १३३	
बतय व २४९	क्षरतृताम १७६ व १	9.0
वतरानी म २९३ ग व		
बता व २१% व ३११	वायहान ५१९	
सती भ २१५	वस व ४१२	yet.
चनी प्≒र	सराय व ३९% व ४२	6 4 100
चरचवाना स ९८ चवान म ४४४	# 4x4	W
खरेड़ना ज ६७४ व ७४५	चराव करना च ५४८, व	3/1
बरोना क ४८९	<ul> <li>बराव होना व ९४९ बरावी च ४४% व १</li> </ul>	11. W TSW
वयोत क २९७ व १७१	चराश च ८९७	
	#74 4 5 7a	

चरामना	प्रवेद सारित	सपै
सरायना च ८९६	सस्राट स ४८४	
करी क २१५	बास थ १७३	
नरी सोटी व १३९	<b>पा</b> सक्त्रा च ६७६	
सरी सोटी सुगाना भ ३६	वस्तकारा थ ६७	
सरीपना स २९१	श्रास्त्रसाम् ११	
बरीद-फरीस्त स २९४	सासम म २२४ म ६८	
षरीच व २२६	बासचा सः अपनः, सः प्रदेत	
सर्वेश व ८९७	वासोटनाव ९१ व ९३५ स २	15
बरोप्टी व २३	कस्वी क ४९१	
सरोबना व ५७८ च ८९६	श्राद्वी च १९२	
सर्वे का १८७ साथ ८	कांचर क ५ ५	
सर्वे करना च ३८५	क्षीच च २८६	
सर्वीता स १८९	कीचा के ४६६	
चर्पर न ११	स्रीयी के १६७	
सर्व श १४६	व्यक्तिक १७१ क १७२	
सर्चय व १८	जीवानय ३ स १	
सर्पटा माप्ता भ ७६२	चौदानी इस २, स ८	
पर्यंद्य नेना व ७६२	व्यविद १२	
चर्राट अरना ज ७६१	करिया च ४८८	
सर्व क २६६ प १३६ च ३९८, ज ४		
भागका २९७ ग ५१३ इन्हे कर		
क्रप्रदेश समार वा २६८ स ३२०		
चतन च १३	जागी स ३१४	
कत्रकी ज १५ व १६ श १७५	साम सा ४४८ मा ४६६ वा ९५२	
रासस ब ३५५	साना ह १८३	
क्रमस बातना थ ४५६	मा माना च ७९१ स ११८	
मितिहाइन य १३८	साधा इ १८३	
सर्तियान श ३२	सार क ४९९ ८५३ मा बाहता झ २१२	
सित्यामाण ७२१ जट ९, ज	८९४ नायालनाम रहर वाही च २६८	
सती क १६५ इ: २१५ च २६८ सतीता ह ४६५ इ: ५५८	साम्या स १५४	
भनीती के ४९६	शांतिर च ४४२	
मारीका स ११७	वानिस्तारी भ १४२	

स्रातिरी -74 112 साविधी व १३३ व ३४२ नियों छ ८२ WIT F 433 शिवाय अस्मिर्फ बारिय य ३८३ क्षिस व २५८ शाय के ३६ विभाग व २६ WIT T YYE E BE ब्रिडकी च १६६ चानदानंग ३० झा है किताब स २५३ कानवानी स २ झ ८ कियाच १४ कानपान क ३८ विश्वमत स २४९ बानाब ४ क ३९, क४ व १४ क्रियमतचार प ३८३ व ३८८ क्रिडमच्यारी स २४९ स ११७ स १२५ स ३ ७ चित्रच४६ **च**१६ च४ व५६ साना पंकाता झे ८९ काति व ४०४ ष २२६ विकास क २८१ वा ३४ वा ५७ चानिक च ४४३ वानोचल ६८ विश्व होना क २८ सामोची व ६०९ विकास क ९६८ बार व २५ व १६ व २६२ किस उठना व १४९ विक्रमस्य च १ ३ व ९२४ बारिक व ८५५ विक्रितिसामा च ६३ म ६४९ बारी इ. ३५ विक्ता व ४१ व ८५४ स ११६ स १६८ बाबा प २११ बाक्कि क ५२२ बिक्सार रू ३६४ भानी व ४२१ च च ८ ४ विकाम ३९ बानी करना व ७२१ वा८ ९ क्रिसारी व ४१४ बालु व २१ किल्लामा सार सामिक प २२४ ग ३८ बिकाफ वा १८% वा ४२१ विष वाना क १७५ बिसीना क वेक बिनहीं के १ ७ अ २१८ बिस्की के १९१ किंचवाना स ३९८ विसक्ताव ६७६ विवाद स ३९६ शिक्कानाच ६७ विद्याना स १९८ किशियाना व ९६ बिवाद के २७६ से १९६ विश्वतिकाच ९५ व ६२२ सिमडी इ १ ७ छ २१८ शीप स ६९६ कीवनाक २७४ च १५ व ४७८ विज्ञमितियां न ३८३ व १८८ ज ८६९, ज ८९६ ज ९१५ छ ३९४ विनवाहर व २५८ 45

भीत	211	नुसट
वीव व २५८	<b>गुर्मा इ</b> १८१	-
सीजना स ९७ स २५९	चुरिट समा च ७६१	
कीम व २५८	चुकना स १६८	
भीष्ठना वं ४२, ज ९७ ज २५९	<b>प्</b> स म ३९, व ५१	
बीर थ ५३ इ १२३	चुंचकरमा च ४३	
सीरा च ३७४	<b>बु</b> सकिस्मत च ४६	
सीम इ. १४७ इ. १४८	सुधक्रिस्मती स ४५९	
बीसा इ. १४७	नुष्पविक च ४८	
वीस व ३४ व ९३	चुमनतीयी च ४५%, च ४६	
भीवा क ५५८	चुण्यू क ११२ चुण्यू क ११२	
मृत्या व ८ ४	चुणमिनान अप्तर	
मुननाता च ४४७		
मुजलाहर व ४४८	चुताहाल का ४ ५ का वा ५१ व चुताहाली का ४०॥	1444
चुनसी क ४४८	चुस होना व ४१ व ६४९	
चुटका व २२४	चुपामद क १	
मृत्वीच ३८ स ३ ६	जुगामद करना क ९९	
मुर व १	मुद्यामकी व्य ९८	
मुरदुवी म २१६	मुगी व ४५	
सुदगरक व २७४	मुस्क स १२८	
जुरगर्जी व २७३	मीनार व २४ व २४३ छ २१५	
चुरवतुर ज १० ०	नूषाराना व ११	
चुरा क ११२, क ५२२	भूर व १२७	
युदाई क ११७ व ४०७	पुटा इ १९९	
सुधी च ८८	सूटी क ५३७	
पुरवनिवास क ५९% क ५९६	सून व ९४ स २१४	
नुरी इ २१३ व ८९५	शून करना म १५८, श २१८	
मुर ग ४३३ म ४६% स १२	शून करवाना थ १५७	
गुल्युत म ५८ ज १२८	सूनी स ३४ ल ४॥४	
नुत्तुत्तहरू व ५८२	खूनी बवानीर सा ४ <b>७३</b>	
पुरस्य व ५८	गूब्यूरण ज ४६३	
पुग्रसाम च ५८२	त्रमृत्ती व ४६७	
नुस्त ४ १८१	मुगद ह ३	
गर्र व ४३८	मुग्र ग ६५२	

चेवसाम ३ सौंद न ५३७ सेनाव इर ३१७ सोंबरा व १५ बेडी म ४५२ बॉग्राच ५२६ च ५३७ सेत क ४९६ च १ २, च २२२ कॉंकाय ६ ४ च १९५ नेताव क २५३ कॉसना व ७३९ चेतिहर य ३७६ बोना ह १६१ बेती क १९४ च ५५ स ३ ९ **बोबबाद८६** चेतीवाडी स ३ % कोष क २५८ सेर व ४६ व ७५२ छ १४८ बोब करना श्र २६ चेमाच १३१ बोज कराना व ७९७ सेत क ३६४ श ३२६ कोजनास २६ स. ५९६ बेलना क १६६ कोजवाना सा २६१ च ७९७ बेजनेशाला क ३६५ बोट व २६८ व ३१८ व ३९५ व ३९७ बेंग्रवाड क १९४ क १७ सोटा व २६८ व ३१८ व ३१५ व ४१९ सेताडी य ४१४ क २६५ बोटाई व २६९ व ३९७ व ४४१ बेलाक व २८६ बोटी बरी सनला व ६४ बेलीगा क ३७ चोषना ४ ४४५ खेवट ग ३४१ सोशई व ४४७ चेना च ४१५ सोना व ७९४ व ८६७ चेंचरा च ४४८ क्षोपडी य १३ व १ १ व ४८४ चेतारी व २५९ बोध इ.४४१ च ५३२ बेह च ९७ बोब इ २८९, इ १९२ भौगी कर कोकनाव ७९%, व ९ ७ बीर न ६६७ च ८१ च ९१ झ १८७ खोश करहर प ४७९ कोइ च २५१ च ३११ भीरताहब ३ च ९८ च १ १ बीफ च २३३ र्वरकाही का १ व १२ श्रीफ करना व २३४ वैरवाही करना व ११ श्रीक्रमास व २४३ चैप स १४१ भीर ह ३१८ ह १२२ बेरात क ५९ क ५१६ व १९५ धीलनास १६ र्वरियत क ४७९ जीकामा स ९८ स ९६ स १ मॉइस इ २७३ स्यात व ३४९ चॉर न १२७ क्याति व ३५१

स्वातिप्राप्त	789	यमृत्रवर
क्यातिप्राप्त ज १४९	ण ५४३	
स्तात व २, व ११७ व ८३४ व ९६९	गेदा करना व ५४८	
इतास करना च ६२२ च ८३७	गंवापन वा ५४५	
श्यामी व ९७	गंबी पावान म ६४१	
क्याब व ७६६	गंदी वशान निकालना	at &x
स्वार व ३४५	गंतुम व २२८	
स्वाहित प ११८	मंदुमी स ११८	
स्वाहित्तमंद व १४	मंबच ४७१ क ६१३	t
ग	र्मचक स ४७१	
मंगा प २९	गंबकी वा १७ 🐿 १८	
रांगाजमूनी स ३३ क ३४२	गयमादन ग ६७७	
यंगायस च २९१	संबर्धक २ १ क २४	ा वा ५७ ग४५२
मंगाबर क १६% व २६४	सम्भूत्र ७ व	1441
चंगालाम व १५४	यंवर्वविद्या स ५६	
देवा काम होता ग १५५	र्गधर्विष्ट क ५५६	
बंगासागर क ५ ८, इ ४४५	र्याचयह क १११ क १	१६
वंगोत्री क ५८	यंचाना स १६% हा	146 # 145
नंब च ९२४	नंबार देश व १२७	
गंबन घ ८६	यंत्री प ४७१	
गंबा ह १९६ च २ ८ व ४८४		रश्य म वस्य
गोती म १०८ क २४२ व ४८४ व ११	(४ इट३७ व ११ व	र ५१२ ज ५६४
मॅक्सिय च ५१६	र्यमीरताच १४ म १	११४ अ५६६
संबर्ग ६१ स ८३ म ४३%	र्वेषई च १३३	
गंदकम् ५ २ व ५८४ इ देश व	३ २ वेशरण व ५६	
गडक स्था १६ म ५०० जनस्य । गंडरी श्राह १ गंडरामा साथ ११५	वेंचाना छ १, व ८६	
र्यक्रमाला व्य ५१५		a six a xir
पंत्रस्यक्षण दे र म अअ५	व १५८ व १५९	
े पतासभ र अधिर	वैदारपन व ५६	
पॅड्निर इ. २४१	र्गंशक ज ५५९	
मंद्रेयी च २५१	यक्र म ४६९	
स्रती अध्य अध्य अध्य	गउल्लामा च २ १	
. पटला सार्थान संस्था	रसम्बर्धस्य	
दद्याच १५४ स.४१% स.४७% व	कृष्टः नगनवरय ५९८,	4 44

मयन चुम्बी 331 गमनवस्त्री य ४४ गबराब न ४३८ गमनबुस म ६ १ गबक बार ३ गयनम्बन क २९७ यमधासा च १८७ गयनपति क २२% क २९७ पत्रा य ४३६ गगनभेड ग ६२६ मजाजीय य ४१ पगनमंडक च ६ गजानन क १९२ यगनायना क २४७ गबारोह म ४१ गवनेचर कर ७ व २६ पंजासन व ६६ गयरा क्र ४५२ यबीइस्टर३ मगरी क ४५२, क्र ४५३ वर्तेत्र करश्य व ४३५, व ४३८ मच च १७ गबेन्द्रपुर 🖥 🕏 यचकी साना स ४१५ गण्डी क्ष २२३ मचनका स ४१७ यक्तियन व ५ ७ यवस्का साना स ४१५ बटई ध ३५ वस य ४३५ गटक जाना स ११८ पदक के ४१ गटकना स ११८ सबक्यं व ६ ९ गटरनों कर बाना व ७९३ नवरंत न ४४६ बदाइन च १५४ यबदान य ४४७ यद्वाय ६ व २७ **प्रवास क** ४ ३ गट्ठर व ९२४ व ९२५ व ९३ नबपति स १४९ गद्ठा च ९२९ पनपुरता च १७५ नठकटा न ४१८ पवद स ४१८, स ४३८ गटन व ४६२ पनवदन क १९२ बठरी व ९२४ मनवीक क्ष ३९८ पठा च ४९८ यजवान क ३९८ वठिया च ५१६ पबर्गान व ४९८ मठियाना व ७८३ गबनद य ४४७ यहबहामा व ५९८ पत्रमुख क १९२ गबुक ज ५३ पत्रपुस्ता च ४९८ गद्रश्रं च ९२४ च ९३ नवमोती व ४९८ गब्दी क्र वेटन, व्ह ९२४ व ९३ पंबरदम 😎 १३९ पक्षाच ३११ पत्रच इ २३३ क १३४ पड़ च १७२

गङ्गक	३३७ पमन
मङ्ग्रह म १९८ वर	गतिक वेश्वे वा ६८ वा ७१४, वा ७४२,
गक्त ज ४६२	ब्रहरू
महना ज ९४४	पद स ४३५
मका च ३११	सवर ग ५१९
गढ़ वा ५१२	महरा क्र ७३ क ९८
मङ्गपत व ५१४	गरहपत्रीसी स २३
गईया म ६९८ म	गवहपत व ३६६
मक्रेसन ह ११	गवहपुराना च १७५
सङ्गास ४७ ज ७४ झा ३७७	मवहात ५१८ ग४६७ व ३६४
सङ्घ्या च ६११	गहा कथर क ९८ क २८५
महबद स १५८ स ४३७	यही य ६१
गङ्बङ्गाना च ८४३	गय स १६७
महबड़ी सं४४१ झ.४	गवकार स १२७
महवाना ज ६२९	गसकाच्य वा २ ४ सा २१२
मङ्हाच ३११	मचमीत स २१२
मङ्गाहा ४४५	यमा क २४९
महेरी ग वेश्व स व्वक्ष ख २५१	वर कर कर ११ कर ११५ छ १८५
यमना ग ५५३ स ५५६ स ५६८	नपक बाना स ११८
मममा करना ल ५६९	गपड़चीय व ६११
मननीय च ५७२	नपड़चीन करना व ६२६
रायरित क १६५, क १९२,	यपराप वा ६२५
# 44C	गप मारमा व ६२६
गणिकास १६ न ३९७ घ४ ४	गप इंक्सि व ६२६
मिन स ५५३	गणी व्य ६१
विश्वस्था १४२	गऊन वर ५ ६ अ१ ५ ७
निगत क्योतिय स ६४९	यवसम् ४: २२४
मेमिनगास्य स ५५६ मेमेश क १९२	यम्बरसाथ ५ शासाथ
नमा क १६२ वर्षेणगीता क ५८२	यम व ५७६ अ
तुन्त स तंत्र अ इत्य	गमनाना स १६९
गममान्य व १५४	यगणोर व १०१
रेंच ब ८२८	धमगीन द ५२
गावर्थ छ ३२	गमण १ २५६
•	न्त्रन कर्टा व १५४ चर्थर च ६६५

पसन खरना 114 गमन करना च ६६५ वर्जन व ४४८ छ २४२, प्र ५९७ गमी ग १५४ गर्जेन करना व ५९८ गम्य च ५७६ व गर्मना 🖛 ५९८ वर्षद ग ४३५ गर्तेचर५ चर५१ च ३११ यवा क ५९, क ४९९ यदें च ९७ 可不事 \$23, 年463 年YOC गर्बन य ३३ गरव व २७३ व ४२१ ई व ५९७ पर्वतियाँ देना व ७ ५ गरजना स ४४१ स ४०५ स ५९८ यर्थभ न ४६७ व २१५, व ४ ७ गरजर्मद क २७४ गर्मे क ५५८, ब्हा १४५, व ५२ व ११६ गरबी व २७४ म १४ ग ४२२ मरबूज २७४ नर्भपात न १४३ व मरद म ४७८ नर्मपातिमी च १६२ गरदन व ३३ व ३५ पर्भ खलान १४१ गरव च ८८ गर्मक्ती श्र ५२ मरबीका व ८१ नर्गसाव य १४३ स नरम स १३७ यमांबान क ९८. व १४३ परम होता छ १ ६ गर्माच्या ग ११६ यरमी साध्य १ साध शाहन निजयी सा ५२ परक्षक १८३ म ५६३ व ४७८ गर्मे झा १३७ चा ९५ क्यय ह २४७ यमें करता व ९९, व ११९ मरिनाक २६४ व ५१४ यम् अचना अस्ति ५ परियाना व ६४२ पर्म होना से १ अन् १४१ नदी च १६५ पर्माना झ १३९ द्ररीय स ४ ५ नर्गी बा ४५९ इन ६० वा ९६ वा १६५ वरीववाना व १४ गर्रा च ४६३ वरीवनिवास व २२ पर्वे चा १८५, वा ८८ वरीवपरवर व पुर गर्नीला च ८९ वरीकी साथ ६ गांचीय च १६१ वसकार कार्य करेश्वर गर्द इ गहिल व १५४ व १६ परहम्बन क १३४ प्रकरी च ३१६ व ८४१ बहर व ८८ पत्तती करना व ८४३ गरोह व ९२४ व ९२५ धक्ती द्वोगा व ८४३ यर्क व १२१ गतवन न ४७६

यतमा १	१९ गामनीर्मन
मक्तास १ ७ स १४६ स १६५	गाँठ लगाना च ७८३
गरुमुजा क २८७	संडीवणर क ४१७
गतान ३३ म ३४ ल ९१	गौदारचा व च ७३
मली च २४१ च २४५	सीव च १३३
यसीचा क्र २८६	याज च २८३ छ २५४
गसीब म ११५ ज ५४२ ज ५४३	गामना ज ५९८
मल मिलना व १५२	गानरम ३ ६
यले बमाना व १५२	राजुनौ च १७६
गर्भ का २ ८, वा ६२	गाण व २
मल्डा च २२५, ज ९२४ व ९२८	पाड़ी इन्डिक
मननहरी स ५८	याक्राग ४४ इन्दर्श झ ९१
सबनाग १५३	याक्य करना स ९ स ९९
मनाई चा६१ चा६३	याका होना झ ९२
गवाळ इ ५१६ च १६६	माड़ी इ ६८२
मबाह्य ३७१	वातक २४३ य ११, व १२, व ९
गवाही झ १९१	बाजव ११ च १२
यवाही देता श १९	याद्य इ ७३
मदेपमा स २५८	गान <b>च</b> ६
नवैदा सा ५७	नानविद्या 🕊 ५६
महत्र म ११ च २६२ ज ५६४ व ५७६	नाना सप्र वर्ष वर्ष वर्ष
महमा क्ष १२० व्य १८३	याप्रित व १ १
यहरा व २१५ व ५६४	नाजिली व २ ५
महराई व ५६६	नाम स २२, च २४
महबर च १५१ ज २२६	वात्रा च २२
महिर छ २३७ च ५६४	याय ग ४६९
महमा व ६६	गायक स ५७
महत्रदम ११ च १४८ च १९४ च २५०	गायकाचार्यं स ५७
च २५१	गायन श ५६ व ५७
पविव स प्रवृष्ट क प्रवृष्ट क हुन्त क प्रवृ	
गोग क १९५	दावर व चर् स ८ स २५८
पीरप १ ७ च १७६, च ७८४	नायव करना थ ७९३ व ७ Y
मॅडिनोमी च २८ नौड रोग स ५१६	नावरी कं १३ कं १९४ च ८१
710 (11) (1) 75%	धारतीर्थत क ९२

गविका 1Y. के स गाविका सा ५८ निरम्तार करना ॥ २२४ नार च २५१ च ३११ विस्तरह व ४१६, व ४१८ गारमा हा ७२ विष्ट बाटना श २१ गारा च २८५ विसाधः १३० व २३ व २० व ९४६ यारी क ६४३ W 997 नारहिस न ५४२ गिराना छ २४० व ८३ व म रे नार्गी कश्र य चर ... य ८०१ व ९०६ व १०६ गार्देश्य क है विचनी स २९९ माम ग २८ निर्दिय ६२६ च २४८ मानव ह १७ गिरियाक १८५. क ६ ३ घ ४ १ ठास्थित व ९७३ विरिषद क ३९९ गाली व १७२ व ६४१ à विस्थिति क ३९९ नामी-पहाँच च ६४१ निरियान च १५५ च २६ गानीगुला व ६४१ गिरीय क १६५ व १५ व २५५ व २६ गामी देना ज ६४२ **4 358** माल च ९१ पिरोह व ९२५ मानतक्या ह २८७ गिममिसी न ४६२ गावदी च १६४ गिलम इ १८५ नाही च ९६२ निसहरी ग ५२६ विज्ञान ६२३ विसास ३४% विनती व २२८, छ ५५६ छ ५६८ गिलाफ क २८९ निनना च ५६९ गिवास के ४४६ विनवाना स ५७ **पिश्रीरी क १९१** मिनी स ४२२ निस्ती य ५२६ गिर्स व ५८८ शीतक ५ भ ६ निर्योग्ट ग ५३ नीत गाना च ५९ विरविटान म ५३ गौतिकाचार व गिरबाबर क ५ ३ गीरक ग ५१%, ग ५१९, श २७४ विरदान व ५३ मीवक्पना क २**०**६ गिरमा व ८२ व ६९६ व ७ १ व ७ ८ गीवड़ श्रीसभा च ५७ च ४१८, च ८११ गीव ग ६२३ निर पड़ना व ६९९ ণীৰণি ক'ং ভ गिरफ्ताचै झ २२३ नीमा छ २३५

गोत वेर्द्रमा 223 नेहें नो ग ५६८, ज ४८ जा स ३३८ गोज क ६५ मेहें व २२८, व २२९ योज करना व १५१ वैद्यास ५०२ योजर स ५७४ तैया प ४६९ गोजिला म १७६ RTHY 1 गोजी इ: ४१७ क ५५५ योजिया के ११८ पैरकान्ती स १८२ योडाउन च २१६ रीरत स ३२१ **गैरमामसी ज ४१८** गोष य ८६ वैरमनासिय च ४२१ गोशमा च ४४५ योग रूवाना व १६७ गैरममकिन व ९७२ गैरमौबदधी भ २६ गोवहरी इ ११५ गैरवानिव च ४२१ मोहाई थ ४४७ गोहाइ ५४ मेर हाबिर श २५८ नेप्तानिये स २६ बोडारी इ २९७ रीरिक म ४४८, म ४६२ मोन च ९२४ स १ स इ तीरियत क्ष ४ ८ गोलना क्ष ४१६ र्मेस व २४१ व २४६ कोला स ४१७ धींड़ ग ३४९ गोता श्वामा स ४१५ वीदिन प ३५ गोतासोर स ४२२ बोद घ ३३ बोला देना स ४१६ धोक १३ कर३६ च २१८ कर९७ मोतिया हा ४ कर अगर्थ, यरण गर्थ यर्थण नोतीय के संध HANS MARK MASS MARKS योगच २४८,च ९२४ स १ स ६ **4 YC4, 5 YER, 4 4, 4 44, 4 46** योजियव के इस ४ मीर्था स ३७३ बोदय क६ ग १ ८ बोह्य इ.४२४ मोत्रना अ ७३९ बोरवां च २७८ योशन च १३८. च ११६ योरणे य ५१ गोरावरी च २९७ वोक्तिज १ ५ योशी य का गोरून म ४७६ म २ ३ योवन क ४७५ गोसुर व १८ योषुम च १२८ लंदम ५ २ गोवृति छ १४१ , गोष २१८ गोनंब २१ छ ५६६

युत्तमद १	प्रवृ
गुलबंद क २५३	यूपना व ८६४ च ८८१, स ९१
मुख्यन व ९	मूदव अ २२१
गुम्रयम्बो व ४१६	गुरा ग ८२
गुकाबंद क २५३	यूग भ ९९
नुकार म ३९८	बूर इ. १७
पुकारमामुन क १७८	मूलगा व ८८१
गुकाबी स ३४ स ५१	युक्तर व ५१
गुकाब स २३५	गृह न ११५
नुष्टामी स २३९	गुष्प य ६२३
गुस्क म ८५	बृह्च १३७ च १४
मुस्म स ४७१, म ११२	गृहसोबिका व ५३१
बुसक ज ६८	गृह्यति क १ ८, क ३११ व ३८२
युमुककाना च १५१	नृहस्य क १ ८
गुस्ताब व ८४	गृहस्याधम 🖛 ९८
नुस्ताची व ८६	मृह्स्पी कर ८ वर १ ९
गुस्त छ ६८	मुद्दागत ग ३७८
नुस्तकाता च १५१	मृद्वियो स ४ स २२% व ५१४ हे ९
पुरक तेना स ६९	मृही क १ ८
नुस्ता <b>व ९३</b>	मृहीत व १९२
गुस्तावर ज ९४	वेंद्र च २५
नुस्ता होना ज ९६	मेंड्री व २५
मुस्सैक व ९४	पेंद क २०५
गुह क १६४ क १८८, ग ८ व ११% व	बेंदा व ४२९, इ. १७५
इत्र ब ६२४ व ६२५	नेरा न ६ ५
पुराक्ष ४४६ च २५ च २५१	गैना थ ४२९
मुस कर्राच वटा	येम ह १६४
र्ष्त ११५	<b>पेय ल ६२</b>
र्गुया व ५१९	मैयपर च १२
मूंपारन च ५२	नेरना व ९ ५
नूंगी क १६१ क १६१	वेदानी स २९९
र्पू गुंबरना म ६५३ 	गैस्थर व ४६१
नूबर्ध ह ११ क्योंकिक ११	पेष्ट् च १४
गूडोला स १९	मेट्रॅनन न ५६८



गोनस १	rs शीर करना
गोनल ग ५६९, व ५७२, य ४८४	योसाई व ५८५
नोप य १ ५ इन् ३३१	गोसाकार व ५८४
गोपतिक १३४ क १६५ क २९७ क ३९९	गोसी कु५इ४ ५व ९३१
मोपब क ५५४	योजीक क २६८
बोपन च ८ २	गोसीक बाना में १५५
गोपना च ७९२	गो <b>र्खोकना</b> सी क २४
योगनाय क ४८	शोवर्धन च २६
मोपाक क ३९९ क ४९४ ग ३ ५	वीविष क १३४ क ३९९ व १६ व ५
गोपास्तापमी क ५५८	गविन्दपर ग ९
मोपित करमा व ७९२	गोक्त ग ९१
नोपी प ३ ६ च १४६	योच्छी च १३४
मोपीनाव क ३९९	थोसा <b>ई क</b> ११२
गोर्पेंड क १३४ क ३९९	नोबाका चर १
गोबर क ५१३	गोइ∉ग५२७
मोबर करनाय ११६	गोइन व ९१८
गोबरममेस व ३६४ व ४६५	नोहरा ड ४२४
मोभी व १७६ व २७८	गोहराना ज ६
योभना च ७३९	योहार व ५९९
बीमेर मध्य मध्य मध्य मध्य हरन	
मौर अप्रदेश	बोर्नू व २२८
गोरसपूरी पैसा ब ४२६	यी स १७
गोरकमुंबी न १७९	बी न १८१ व ४६९ म ४८१
भौरस क १९५ क १६२	योचा व १६६
मोर्गम व ४८ आ	यीमी बा १९४
बोधग ३६५ व ४८ मा	भीम ग ४२८
मोरी झ ५६	गीतम् क ४४७ च घ३
गोकव ४३ च ४६९	पौतम वर्म सूच क ५७०
नोरोचन च १८२	गीतम सूच क ५६६
मोस क १५८, व ५८४	गीतमी क ३८९, व १८२
मोक्कग२१ व १ २	नीता न १५३ व्याप्त कर का का अपने में १४८, में भी
योक कर जाना व ७९३	गीर सं २८, चा ३७ चा २४८, म ४९ म १५७ म ४४८, हा १ च ४८ मा
नोवाच १९४ वा४७१ व ११५८ छ ४ १	# 540 # sec. s /
न ११८ म ५८४	धौर करना च १६९



<b>पर</b> योगि	ixé	विश
<b>च</b> टमोनि <b>क</b> ४६४	ममयमाना न १५६	
वटबाई व ४ १	बमासान व २६२	
भटकार ग ४ १	बर व १४८	
बटा छ २४१	भरती व ४ च २२५	
<b>नदादोप छ २४१</b>	भराना शाहे सह दे	
पटाना स ५६	वरींदा च १४	
षटिका क १२७	वर्षय क २८७	
वटियास ४१ च ४२९	वयन करना व ९३८	
विद्याल १२, छ २९६	वसीटना स ३९७	
वटिहाई व ४३	पल क १ च १३६	
नदीक १४ छ १२७ स ३ १	षहराना य १५६	
नव्यवाना व ५९८	चौटी य १५	
बर्ग के हरेंद्र के हरेंद्र के हरेंद्र	मावरा च २९३	
विक्याल चा ११४ स ५८	चाट व २९९	
मही स ९६ छ १ छ १२७	भाटाय ३५ ज ९१२, ई. १	
मन चर्भ कर्श, गर्श, वर्श व	वाटिया ग ४ १	
प्रकृत स्वर्शक अवस्थ	बाटी व २५२ व २५३	
मतत्व अ ५ ९	वाटी रू ७१	
मनमाना छ २४१	मलक स २१५	
मनस्याम क ३९९ आह ३ छ २४४	यातकी स २१५	
ननसार व १५७	षाविभी झ २१५	
मनाम १८ जभ् ७	वाती व ८२४ व २१५	
वनापन व ५ ९	चाम च १	
मनावरी चा २ ३	भागस स २७९	
मनिष्ट भ ५ ७	वासक व ८२४	
ववज्ञाना च १८, व २४५, श ४४१	भावता क १७१ म १५८ व २१८	
भवयना दे 'चवड़ाना'	वासमेश करना व ८६५	
पन्यमा ज १३	पार स ५२६	
घरराहट अ १६	पियोरना छ २३१ व ५४९	
षमद्वाद ८८ पर्मद्व दिगाना ज	पिन व १४८, व १५४	
ममहारणानाचा वसदी व ८	पिनाना च १४९	
वनका ग १५६	षिणीणाच १५४ विधाय २८८	
	1741 7 766	

<b>बि</b> रमा	tva	र्षतम
विशा म वट म वट्ड म टप्ड रिक्ता म ६३६ रिक्ता म ६३६ रिक्ता म ६३६ में इ १५० में उद्देश म १ में प्रति म १ में प्रति म १ में प्रति म १८८ में प्रति म १४८ में प्रति म १४८ मार्ग म १४५ म १४८ मार्ग म १४५ म १४८ मार्ग म १४५ म १४८ मार्ग म १४८ मार्ग म १८८ मार्ग म १८८	बनमार ना भी उ मृत्या गा रहर मृत्या गा रहर	

चंपेती	कृष्ट सस्तर सारम
चेंगेकी क ४६७ क ४६९	चन्द्रशास क¥ ६
चंचरीक य ६७७	चंत्रापीड़ क १६५
पंत्रम क १११ क ११६ ज १२ ज १	<b>६ व्यक्ति क</b> ३ ६ व ६१२ व १५६ <sup>ह</sup>
₹ \$06	CO # (CE,# 174,# 114 # 11
चंचलता व १५	<b>ांप</b> ई स ३७
वंचन होगा च १७	चपक्च४ ६
चवता क १६३ म १८८ क २५४	र्चपरा होना व ६७६
चाष्यप् ५ गइ १	चंपाच ४ ६
चंद व ६६७	वंपाकसी इन्हेर्र
चंद्र के १४५ के १६१ व ५२४ व ४४	८, चपुचा१६७
म ९४ म २४३ म ६५८ छ १६५	चंदक <b>व</b> २८४ व १ १
चैक्ता स ३८	चेंचर क ५५२
चंडास ग २९८	चतव 🛡 ९९
बंदिका क १८५ क १९४ क १९८	पक च १ ३
चंदी झा६५	चक्द व ६२२
भंदूक प ६६७	चक्रपीयना छ २९२
र्मरतकार मार्ट्स क्षार	वकनाचूर व ७५३
चंदनपीका म १६१	चकछेरी च ६९४
चंदनलाल व १३२	चकराना झ ४४१
चंदतहार क ३३१ क ३४६	बक्ती क्र १६७ क्र ४६१
भैदमा ग ६१२, क्र २९५	शक्तावर्धवस्य
चयाक ३ ७	वक्कापन व ४३५
चंदोबा क २९५	जक्षक म १३४
मॅब्र के के बांधिक वादश्य, वाश्य	चक्रमाय ६२२
मध्ये वर्ष वर्	वकाणीय अ २९१
बाक्सा ४ ११८	अभितास १९४ व १६ म २३७ व ६ छ
चंत्रप्रमा च १६	IL SOA IL AA
শাকারন্থি দ ৭	चित्र होना व ६ ४
परमाक १ ७ च ४८२, च ५, च ११	वकोतराम १५४ व १५६
भडमाव्ययिक ४५८ भडमीतिक १६५	भकोर ग ६२१
नंदनार के ११७ नंदनार के ११७	पनकर के १ पनकरवार व ४८८
पत्रपार क १६७ पत्रपोक्तर क १६५	चनकरवार ज ३८८ चनकर मारना व ६६४ व ६९४
man, 2 11/	ATTACABLE A 11.

बस्रो ३१	(॰ चरमञ
मस्रो छ १६० m ४६१	बहुत्व व २४३ व ५४% व ५०%
बस मा २ क्षा ३५ मा ६५० वा ४५०	भही हर ३ भा रह
M 3 3 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	बरवता प्र. १३
भरर <sup>र</sup> य क १३४ व ३	भइता में ६८६ में ३ भ ५१
बदर्गी शामा सर् १५ हर १६४०	भइनेबाण म ३११
चंत्रस्य स ६६०	बहाउत्तरी सं ६१
चररण स ३६३	बारक के १५
चरण हा हुए	चपुरम भर ३५
माग्यसा इ.५. ८	पहुरुत्तर १ स२६८ स३६१ स.३६७
मार्ग र प्राप्त	ब्रमाण क्र ३६८
अभवा र १५३ स १३५	बर्गारी व १
पण्ड व १६५	चन्त्रां स <b>्</b> च ६८ स ६६८
<b>पश्रह १८३</b>	चन्त्रास्त्यः १ ६
चनारण हा १६	<del>बनुवेश</del> ५ र व ४०६
भरत थ ११	Hantigan 48
म हा ( ८ म ४०३	बन्द्र ध
AMBROK CED BEC	
W V C	भग्रेतीस इ. स. ६
मान्द्रीय १८ व ४४४	** X 4 111

चपता	1	५ सम्ब
चपसा क १६३	<b>प १८८ इ</b> २ ४	चमेशी व ४ २ व ४०३
₩ २५४ झ ६६		बार्मक के उराह
चपाती क १		चय प ९२४
चपेट ग ६३		चमन व ८६२
चम्पस इ २९७		चयन करना च ८८४
चनाई च १६२ ख	177	चरस ३६९ स ३७० म ६६६ म ६ ९
चवाना स ११९ स	१२६	चरका पहाना च ८४४
बब्दारा व १५५		चरवा ४ ५६४
चवैना क १४२		चरण न ८६ छ है
चमक स ४८५, छ :	(C)	चरवदाती व ४ व २२५
वमकवार छ २८%।	इ २८८	बरपरा इ ५६ इ ६१
चमक्ता छ २८%	4 06 8 4CV	चरपराना ङ ५७
<b>च</b> ८७२		चरपरापन इ ६२
चमकाना छ २९ व	५४७ स ७७	चरपग्रहृष्ट इ ६३
चमकीला 🛎 २८८		चरवी ग ९३
चमवाबक् ग ५२८		बरसा इ ५१२
वसवमाता 🖷 २८८		चराना व ८४४
नमचमाना छ २८९		वरित व २९४
भगवाक ४३६ क ४	**	परित व १ व २९४
नमटोची 🔻 २३२		भरित्रवान व ८५
चमका म ९		चरेर व ¥६६
चनड़ीय ९		मर्जी के १७२
चमलकार इ. ४३८		चर्च क ५ ३
नमत्कारिक श ४३९		चर्चा व १ ८ व ६२६ स ४६
चमत्कारी च ४१८		भवीं य ९३
चमलुख स ४४		पर्मकारण ३५१ इ. ११ इ. १११
चसन घ <b>९</b>	_	वर्षण ड १४२
चमरय५१ इन्ध् चमरौटीचर३३२	4	भवेग करला श १२६
चमाइन ग ३५२, व ६	E ia	मक क १३४ क १६५ व १२ व १४८ मकता-फिरता म ६७८
चमार ग २९९ व ३५	1	जलत स ३३१ स २९४ स १५८
चमारित न ३५२	•	च १५३
नमूच ३५९		भवनाय २७८ च ६६५ व ६४६

चनवार्नव्यक्तः ३५	it	वार्नुहा
चलवानीकामा च ६८८	चंदी ग १४ च ४४	
चरती र ४६३	सीर प ६०	
बस बस्ता द १५५	चौत्रा स ३३८	
मनाम १६३ म ० छ ५४	चर्चन प्रश्र न प्रश्	
वनावणी म ६६७	MITT T SI	
कराना प्र वर्ष प्र वर्ष प्र पर	पापर द १८३	
ग १५७ म ३५७	भाषाी स २४	
समावेदामा स १६	चार <sup>े</sup> णे स ४१	
पमारमान् व १३ व १३ स ६७८	भागी है १६५	
बार्च स १०८	बार ६ ५४५	
संदर्भी के प्रदेश	चाचा है १८३	
चाप र १०	भागी म १८८	
चारा १४	44.2.661	
चप ग १६	मान्या च ११	
पण्य म १८६	कारकार अ. ८	
TTT N STC	ڪيمڪيرامل ڪ ۾	
4144. A f 47 A f 41	कान्द्रारी अ १	
मानाना व ६४० व ६४	बन्धनी बाल व 🔍	
नाता है है जब ग १६ जान में १८६ नाव में ६८८ नाव में ६४८ में ६४४	मान ४ १५६ मानवा च १६ मानवार में ८ मानवारा स १ मानवारी में १	

चाय	३५२ विनाइ
भाग ठ १०६	विगनाः य ६४७
भार ब ३६९, स ३७० व ५९१ म ३६६	चिन्माङ् ग ४४८, ज ५९५
भारत ग ३५३ व ३९५	वियाद्या च ५९४ च ५९६
भारपाई रू ४९९	विषका च ४६
चारवाग च ९	वितम स २४८, स २२४
चाय हर ८ इ.२१२	चित्रम करना थ ३६९
चारम १८% क १२१ च १९ ज ४६३	वितना ज २, ज २२४ ज २२५ ज ३६९
चारता च ४६७	वितास १८५ व २ व ४६ व २२४
बारों स ५९४	विता करना व २२५
बावर्षि क ५ क ६, क ११९	चितावस्त व २२६
चार्नास्मल क १२१	चितानचि इ. ११२, इ. १२३ व ४८४
नाम न २ ५ व १ व २६९ व २९४	# Yto
च ६४४ स ६८ च ९५२ स ९५३	र्षितानिष्टीनता च २२८
स १७	चितित च २२६
पाक्क स १६	चितित होना च २२५ झ ३४७
नाल-पसन व २९४	चिरी च ८७६
चाळ चलना व २७	चिउँटा ग ५४
भारतमा स ३९	चिडेटी व ५४२
नातमाय व १६७	चित्रम क १४५
पाठवाबी व २६९	विकय ३६६ ड ४९७
पालनाची करता म २७  वा ८४४	विकना च ५७९
बालाक व २६८, व ३६७	णिकनाई व ५८१
पामाकी च २६९	विकताना व ८ ८
पाम व १३८ व २१२	विक्रमाहट व ५८१
नारत ह ६६ ह ९२	विकास स १ ७
चास ग १५७	विकित्सक व ५१८
नास करना स ६११ नासा ग ३७६ व ३७७ ग ६६२	विकित्सा च ४२८, च ४२६, च ५४४
नाहर १९६ व १३८ व १४५ नाहर १९६ व १३८ व १४५	विकास का भू था वा भू था विकास का भू
नाहना न १३ च १३९ च १४५ च १५१	विकुर स ३७ त ५२६ त ५३६ व ५५५
चाहतेवाका च १४	म ५९७ विकास व ५७७ व ५७९
भाइसून्य व १४१	चित्रुर व ५२६
पाहेचर १	विमार व ५९५

<u> </u>	141	विराजीकी
विष्याहरा ग प्रश्ने स कृत्य ज प्रवेष स प ट विषयास १८८ विष्यास १८० व्यप्त ० विण्यास १८० व्यप्त ० विण्यास १८८ व्यप्त ० विण्यास १८६ विण्यास १८६		11

विरस्वामी	soy <b>व</b> द्रिया
विस्वाधा	हैर्सक बीमरा
<b>चिरस्यायी क २१६ व ८११</b>	चीत्कार थ ५९२
विरहटा ग ३४८	चीत्कार करना ज ५९४
विराम अ: ¥९	भी <b>यहा इ' २२</b> १
चिरायदान क ४९१	भीवता व्य ८९३ व ९१४
विराना <b>छ १७</b> ४	चीनच ४५८,इ४ २ <i>३४८</i>
निययदा व १६५	चीनिया बादाय च १७१
विरायु व ६९ ७ १५१	चीनी क १७२
विरेमा न ५९८	भीन्हनाम ११
লিবলৈ স ২৭৭	वीन्द्रपहचान व ११६
चित्र य ५९१	चीर संपुष्ट च ४५८ क रास्त्र क
विक्रम का ४८५ छ २८७ स ३७६	<b>२२१</b>
বিভক্ষায় ३৬৩	बीरमा व ८६३ व ६३६
विसमयी क ४७१	<b>वीरफाइवा</b> ५४
चिक्रमण क ४९७	बीरा स ५२६ च ५४ 🕏 २१८
विल्लाग ६४९	वीस क्षमा व ९३३
विस्तरों व ५८९, व ५९२	कीक ग ६४९, व ६६७
विस्कानाग५१८ व ५९ व ५९४	नीकर व ५५३
वर ५९६	चीसह ग ६४% य ६६७
विस्साहट व ५८९, ज ५९२	र्युवाल ४९२
निस्कृत स ४८५, स ३७६	र्णुबक्त व ४५६
विसहकता स ३७७	<b>पुनाना च ७१९</b>
विहरताच ८९२ च ९३७	<b>बुक्तर व</b> १२२
विहराना च ९८३	बेस्स्टेड ३/१९
भीटा य ५४	भुगद न ६५२
भीटी ग ५४२	पुत्रसभोर म १६३
भीत व ५९२	<b>जुरमकोरी य १६४</b>
भीतना ह १५३ ज ५९ ज ५९४	
प ५९६ स १२५	पुगती करना च १६५
भीत्र स २९७ क ३७ क ४१८	भूपती क्षाता व १६५
भीद्र म ८८	चुन्ता च १६६ सम्बद्धाः स्टब्स
मीइना व ८९३ व ९३६ मीइन्सर् न ४३४	भूगुणी व १९४ भूटगी व ६३०
भीवा न ४५९	वृद्धिः व ४२

भूटेंब	844	चेहरा-मोहरा
पुरेस स ४८६ स २७९	भूकामणिक १६५	F 176
पुरेत क १५२ स १५	<b>पूरी क ११४ क</b>	194
चुक्तिहारा प ३५७	चूत ग ८२, भ ३०	ι
चुरिकारित म १५८	भूतक् म ८२	
<b>बु</b> तना ज ८८४	भूग क ६६ क १८	CC .
भूननेवाचा च ८८६	चुना झ १८८, झ ७	१८ च ८११
चुना हुआ म ८८५	चूनीच४८ इस्	: ₹₹
भूगिया व ८८५	भूमना च १३९	
चुनीटी के ४८९	भूर करना स ५५२	
भूगीता अ ५९३	चूरन ख ५५१	
चुनीती देता च ५९१	भूरमा क ११५	
मुखी घ ४९१ क २१३	चूर्ण का ५५१ का ७	¥ 44
चुन च ६ ६ च ६८	चूर्य करना श्व ५५:	
चुपचाप व ६ ८	चूलहा क ४२	
नुष्या व १९४ ज ५१९, च ६ ७	<b>पूल्य बकाना श</b> ंट	7
मुजीवं ५२ व ६ ९	नुसना स १२६ स	18X
चुमता जनान स २६८	पूराक १९३ व	148
ুমুননাম ১৬ ল ভার, ল ৬১	विकास ५१	
E in	चीट य २२४ य ३	a
<b>भु</b> तानाच ७३९,च७४१	चेटक स ६८६	
भूरनाभ ९२	नेटी म ३८४	
पुरानास ५ छ २१	्योगमध्य भाट	
<b>पुलबुका ज २६८</b>	चेतन क ११२, ब ५	
युक्तयुक्ताना च ६४६	चेतनाय १३२, व	५ व ८३७ वटर
मुक्तुवाहर व १५	चैताना अ २ ८	
युक्ती इ. ४२	चैताचनी देशा था २	
पुरुषवाज व १७१	चैन व २४७ व १।	LP & BAL
भूषी स ५१	चेस ग ३८१	
मूक व रेश व दरह	नेरी क १८४	
पूरुता वा ८०६, वा ९१५ सन्दर्भ ४००	चेता ख १४२	
चूना स ६४० सम्बद्धाः ६४०	भेल्ह्यास ५९१ इ.स.च्याच्याच्या	
पूरा क ५५८ छ वेदेव क वेदेश क व्य		
Thra a tal	बेह्य-गोह्य व ४१	rt.

<b>पं</b> त	144	चौरत
नंत छ १९ छ छ छ ८५	भोरी भागास २११	
चैतन्य क ११२, च २ २, च ३३६	भोकान १२, इन्११	
नैतन्य करता च २ ८, च ७७	चोला कोइमा ग १५५	
चैतमा होना च ७६९	चोली क २६९	
<b>चै</b> तन्यदा <b>च</b> ५	चौंकाना च १२६ व	
नैवहा 🖷 ४	चौषियाना छ २९२	
चौतीस्र४ इन्दर्≉	चीकच १४५ च २४६	
चैत छ १७ छ ३९	चौकड़ी छ २३ व ६८१	
चैन छ २४० च ४९ च १६६	चौकमी बरमा ग ५२	
भौतेंच च ५९३	<b>पीकताथ २२ व २३७</b>	
वैसेंग करता च ५९१	चौक्स करना व २ ८	
चौंच य ६ १	चौकस होना च ७६९	
বুৰি লাধাৰ ৩২	चीकसी चर्	
वॉवाय ६६७	चौकसीकरनास २ ५	
मॉननाच ८९३ च ९ १ च ९३४	चीना क ६२ व २५ क ६२८ व १	Ç4
म ९३५ च ९३६	जीकी कहर, बाहरश कहर धर्म	
चॉवस्क व ४९२	च १३ च १८४	
चोक्दर व ३२२	भौकीदार च ३७२	
योगा कर ६ 	नीकीदारी करता <b>॥</b> २ ५	
चोंच प २	वीकोना व ५८७	
मोचमा दिखाना स ७६	चौगान व १४%	
मोट स ५२६ क ७ ३ झ २८ कोट सरका स २८०	चौगुनास ५९३	
कोट करना स २८१ कोट काना क ७ ६	भीश्रम छ २६	
नोटा क १७३	भीवा च ४१४	
चोटिक श २७९	भौड़ाई व ४३५, व ५७४ भौजा क ४३५ क ६५४	
बोटी न ४८ क १२५ च १४९	चीकृत अंध्युक्त अंध्युक्त चीकृतम् चंध्युक्त चंध्यु	
चोरत क २८७	नीतरा च १५५	
चोदना क २८६	नीय का ५९% छ ९९	
चोराई क २८७	नीना च ५९२	
चोर ग ४१८	चीवाई वा ५९५	
कोरी कर ६	भीवापन स ३५	
चोरी करना स २१	भीवस क १ ९	

सम्बद्धी पौरा 140 भौतह क ६१९ श्रदका वर्ष ९ चीपड के ३७३ क्याच ९ चौपाहर च १५५ 965 W 1 1 करवी स ६ १ नौपाई चर ३ क्यों वा ६ १ चौपाया च ४३ मीपाक म १४७ म १५४ म २०९ war in 114 भीने ग २८५ छवी 🗷 ५५५ चौमासा च ७२ क्य म ४७७ क्ट ब १४६ ब १६८ चीमुहानी च २४६ चौरंगा च ५३ इत्तरी इ ५५४ प्रता ग ८७ चौरस व ५७७ ब्रहा इ ५५४ चौरस्ता च २४६ **छत्तीसम्ही स** २२४ षोरा स ३५७ स ३५८ व २६ व ४९% ¥ 126 BT F 448, F 44Y चीयाँ च १२८ **ध्रद स ५९%, च २१ व्य ९२४** चौराहा च २४६ क्ष्मण व २१ चीवा व ९३२ क्य व २६२, स ३८३ भीवर क १७३ छची व १६८ भौत्रस्य च २४६ क्रम क १ क १२१ क १९४ ष्युवर्षस्कार स १९७ क्साइ ११४ Œ खपाकर क व थ **घरण ५१८ ण ५१% च ५५% च ११८ - अवय च २ ३** स १९८ स २ १ स २ ३ स २३७ अपर म १६८ ¥ १५१ म ११८ म १८ श्रदिभ १ स ४६७ BAR & SAS धनीसा व ४६३ **छें**टना व ८५४ स्त्रीतापन व ४६७ छेटा हुमा च ८८५ खना चा६ कई च ५२ करना भ १४६ एकना व ३७ इस्त व २५७ व २६९ क्रमा व ६ २ क्षत्र करता शार ८ छनुषी य ४४ धनर्थाय २६९, वा ३ ८ **प्रकृत्तर ४ ५३३ धनकं**र करना चा २७ व्या 🚓 🔾 करकता च ६८५ धक्रप्री व २६८

<b>धर्मा</b> इ	१५८ क्रिया
धननागर्ध चटार्शसर्ट	कानगैन च २५
<b>क्रमती इ:</b> ४६२	शाता च ८७१
स्क्रींग व ६८१	क्राय स १९४
कर्णांग मारमा च ६८६	क्षापना वा २८८
क्रमिया क्र १९२, व २६८, व ३६७	क्रमाध १९४ घ २ ६
क्रमीय ४१६ चर् <b>६८, च</b> ३६७	<b>डापासामा स</b> २८६
BEST # \$15 # \$46 # \$61 # \$68	खाय <b>ि</b> क ३ २, <b>क</b> २९४
≇स्ती व २	बार क ४२६
<del>व्यवे</del> शर क ४८८	इस्स व २
<b>व्हर्स ६</b> ०	श्वास्य इ २२४
<b>स्विमां स</b> १९४	आधा स ४०० स ३२१
स्रोत क १६६	क्षावणी च १३ च १३१ व १३१
<b>श्रंट स</b> ४९९	₩ ₹ %
स्रोट करता स ५ म ४९६	क्रिक्ती क १९८
करिया क ५७८ क ७४७ क ८५३,	क्रियुणीय ७४
च ८८ च ८८४	क्रिक्स च ५६५
श्रीय म ८८५	<b>डिएका</b> पन <b>व ५६७</b>
श्रीरत क ५३% क ५४२	क्षिकरनाच १४६
झीशेष क ५५८, क ५५९	क्रिकोरपन व ४४१
कहि क २९४	क्रियोच व ४२९
<b>बार्ट स</b> ४५३	िक्टरमा व ६८५
काम व ४९१	क्रिटबाना में ८६५
क्रापल ग ४९१ क ६३५	क्रिटपुट व ५ ८
ALC: 2. 546	फिरामा व ८६५
धावन इ २१८ च १६८	क्रिक्ना स १४३ स ११८
छात्रमा व ५५४	क्रिकाय करना स १४३
ष्टाह्मास ५ व ८६८	कितराना म ८६३ च ८१५ च ८३६
वाना र ५५४	स ८९२ स ८९३
राती ग ४९, ग ५	धित्मा ज धरेट चिक्रा क के के के
राती ने संगाना व १५२ सम्बद्धिक स्थापन	िक का का उर्देश
णाववृत्ति न २४४ 	छित्र वाणा ग्र7१३ छित्रार थ २९९, व ३ २, स ६६
त्राचानय सा २४% च २ ०	क्रियारा व १९९
णानना सा <b>वे</b> ड	1941 d 477

फ्रिग्ड इं	९९ श्रेयम
क्रिनात व २९९ स ६६	<b>स्</b> टब २३
ष्ठिम-भिन्न च ९३९	सूटनाव ८५४ श २३१
किम-भिध करना च ८२	<b>पू</b> ग स २१२
विवस्ता क २ १	भूत क १६१ स ४१२
चिपक्छी ए ५३१ -	क्ष कर करता क्र ५४५
क्रिपता च ७९१	र्धेक्या व ७८२
क्रियाना व ७९२	धेव च १५% च १९४
क्रियान के ४९७ व ८१ व ८२	क्रेमना व ७३९
<del>प्रिक</del> शाच २	<del>डे</del> ना क १६४
कीटनास १४३	केर व ४९२
ভীলাভ ৭৮ জ ৭૬३	<del>छे</del> रना <b>व ११६</b>
<b>डीटना व ८६३ स ३१४</b>	ग्रेमना च ८८
<b>धीन भ ४९% श</b> ४२	कोकड़ाय २५
<b>फीननाच</b> ८५३ स.२१ स.२११	कोट व ४३८
भीपाग ३६	क्रोटा व ४२६ व ४२९ व ४३६ व ४३८
भ्रोपीय ३६	कोटाई व ४२८, व ४१
कीमी व ३१	कोड़ना न ९, न १८२, व ४४१ व ४४४
क्रीक्रमा च ५७८, च ८५३ च ८८	स ४९४ स ८५६ स ८६८ स २३३
<b>मु</b> टकाना स २३३	क्योरना स २१
<b>भूटकाय स</b> २३	क्षोय य २४७ व २५
<b>कुटकारा</b> देना स २३३	क्रोरी म २६
<b>कुटकार्य</b> पाना में २३१	कोचना व ९७८
कुटना व ८५४	कोसर व २५% क १४३ क १४५
कुटाई व ४२८	कोहरा व २९
ब्रुटी क १५५ कर १ स २३	क्रोहाका च ३६३
<b>कृ</b> श्ना थ ८५४	ছবৈ হ ৬¥
मुहाना स २११	ভাৰেন ক ৬খ
<b>क्</b> यहा स ४१३	चींकमास ९४ और र ४०.३
कृत्र व २९८ कृषे कर क्ष्मभू	चौनास¥३१ —
Atta a 141	न चय छ २६२
Man at C. A.	चंगचढ़नाच २८२
ध्यो ह १२९	वन व १७८
	,

र्चनस :	tq. •	įσ
चौग्रक च ११	जनकरना क १९४	
चंपला च १६६	पगरीस क ११२ क १ <b>३</b> ४	
जंगली छ १९ व ५५६ च ५५७	वयसार्थ क ११२, क ११४	
वंगी व ४२५	ममन्नारपुरी क ५६	
र्षेत्राय ८४	विवसमाना छ १८९	
वंविया क २५९	जगमणाहर ₹ २८७	
बेंबना व ४६९	जनहरू १ व ६९२ झ २५५	
भेजनाता च २५५ च ७२५	ज्ञानाच ७७	
मंत्रीर म १५१ क १४६ क १४९ क		
A 12 425	बनस्य ग २९६	
भंतर क १३१	भण्याय ४२१ श ५४	
मंतु वे 'जीव'	यण्यासाना च १५	
भंगी स ६५१	भग य ३६६	
भीपर अन् २७	वयमान क ८७	
नवुक क २८९ व ५१३, व ५१९ व १९९		
मेंनुफ्त व ४	बटनाच२७ स२८	
वंबूद्वीप क ५८७	बदाय ३७ व ४३ म १३ व १६	4
मीम भ ३५३	६७ च १२७ च २९१	
जैंगाई च ७५६	वटावारी क १६५ व १६ व ४८०	
चॅमीरी च १५४	षद्यमाची व १९३	
पदि प २४ च २३७	वहासूस ६२३ च १७७	
गर्फ स १४	जटित स १२५	
बांधी ह १५	बटिक व ६५ व २६२ <b>व</b> ४८७	
मक च धरु च इत्र वा इत्र	बाठर बा ४६६, य ५२ म ११६	
मकड़ा स २६५	पठराम्ब छ २७३	
बकार क ५ ७ क ५१% सा ४१	वटरानि स ४६६ क २०७	_
म १९५	बहुब १३ व ३ २ व ४५८ व १६	·
वसीय व ६२४	वर केर्ड्स वर इंकड	
बक्मी श्र २७९	बहुता ब १८५ म १९९	
सम च १३	यकृतास ३२४	
बगम ब २	पड़्ह्य स २२७ च २३२	
मनव क १६% क ३१३ च १ ३,७ १५३		
भपवीच ९ च १ व	चिद्रव स ३१५	

वर्गीदार वड़ी-बूरी 325 षम्भ सेना ग १४५, ष ८१७ पड़ीबूटी म १३३ पदवा स ३२५ बन्माना क १२५, बा ११५ चर्रमा स ५३ बन्माप्टमी छ २१२ पतमाना च २६२, व २ ८ काम क १६५, म १७४ ग २५ वत् म ४६७ ङ ९१, ङ ३२४ 94 # 35 # AS क्यमा क ३९, क ४९ पत्वा व ९२५ खबिष च १ ०५ पाठा स १६९ बदर्गात क १९९ वद छ ९ बरवर्षे क १९९ वचतव 😾 १९५ यन म ३ व ९२४ छ ४०४ वदशाय १३ यनकं क १७६ सं १७४ दवरवस्त स ४ बनर्जन सः ३४ क्रवरतस्ती व ९४४ श १६९ बनता पार्टी क ३४६ ब्रवास व ९७४ व ९७५ बनन करेरेर, य १४४ त १७४ स ५३ वाबान सा २१३ ग २७ वा ६१४ बननाम १४५, व १४६ बम क ३१७ **ब**ननीम १७७ प ४२१ च १६६ क ३२४ धमपुरिया 🗷 २११ मनपद स ३४८, च १ ७ भगना च ६८६ च ८५६ स १४५ वनप्रसिद्धि स ३८५ # 984 भनमंग १४४ अमङ्गरियतं च ३६ चनमना च ८१३ चना स १८१, च ४११ व ९७४ वनवाना व ११५ बना करना च ८४८ चनवरी छ ३८ जमाठक८ भा ६३६ भननास च १३ च २२ च ९२५ जनावार स ३५४ वनयति स १८५ बमारारित व १५५ पताना ग २२५ च १७७ बयाना छ १ व ६९१ व ८५८ व ९ २ मनार्रत क ११४ क ३९९ श्च ३१५ मनुष च ८१ बनागाहारू छ १७३ यनेक कर ६ व १५ वभागत क ८ व ९२४ व ९२५ बसत 🖛 ५३ षत्रायतुक्तत्रकमा स ३४६ क्षक व १४४ च ८६३ वमानमोटा व २१%, य ४७९ वस्मदित इस २३ वजावड़ा व ९२४ च ९२५ च ९२७ पत्म देता क १२५, व १४६ वासीकांव व ३११ वरमना क १५६ झ ३१६ वामीबार ग ३७४

-वमुर्वद 928 बम्दि म ४८६ चर्ती वा ३९ बमेटी ए ५५६ वारी वा ८९५ बम्नोबी क ५१ पार्रोड स ५३९ वर्षत क २२८ क इ ७ क ४२५ व वर्षती ब ४३४ व ५४ २९ बक्र व ४७ व रहर वक्षपर ग ५७७ म ५०४ 祖太太子大子在出台公本大台大在台で वस्तविकित्सा व ४३२ भ २३७ च २८८ बक्रव क ३०७ म ५४%, म १८५ वरकाव्य क ५८ य ३२८ व ३८८ व ४८३ व ४१ वगद्य क ४३९ चयनाक क १३१ क १४६ वकवात व ३८८ वयहिंद व १६६ अस्तरमञ्जय च २६९ पर वा ३८ सा ४९१ मा १३ बसर क २१९ वरवेत पश् बस्तर च २६४ छ २३९ बारत सं १७४ स ३४ बक्किव ५२, द २६४ थसन का अनुष्क का २८२ वा १६१ वर्द्धपत झा ३५ करर का ३७ भक्तनास १४ स १५ नरवा क्र १८९ वसपान क ४१ के १८१ बार्यो च ३१ बसपान करना श ११२ जलाहर १४ जसफावन व २८४ बास्त्र सा ५६२ वक्तवायुक्त ३२५ बरव करना स ५६३ जरूसा व ९२५ यमानाच ८३१ स १ ६ स ११ चारतन क २६६ क्या करहे साहक प्रकारत के ४२वे भक्षासम्बद्धः चरशः चर् वयनान १३ छ ११ वरातंब क ४४१ वातीय व १४५ वसील करता व १४६ वराष्ट्र व्ह ५३९ बरीया श ३७२ वासीस होना व १४० वकर व ४२१ व धारेवी इस्ट्रेट वस्ता व ४२१ है बलीकान ५९६ वस्री ज ४२१ वा वल क १५९, व ४४३ वर्तर श ३४ वस्तात छ १६४ व ४४८ वर्ष श १० बलवाबी छ १६९, व ४४४ वस्ती छ १९८, छ १६१, व ४४४ वर्षा इ. १८

बासी करमा	१६१ श्रापूचरी
थस्यीकरना <b>छ १६१ च</b> १८	वाच च २५० च २५८, झ १६२
मस्यी मचाना च १८	वाँचना स २५४ च १९६ स १५४
<b>अस्पना च ६१३</b>	वाँच-पहतास स २५०
परवार म ३७३	जीत के ४६१
क्षर में २३६ सा २६६ का ४४३	जीववान क ३८४
वदिका इ. ४९७	मा क १६७ य १७७ य २५
जनाई स २६६	बाई गर६ प ४ ६
जबान स ३२	बाकेट क २५१
भवानी स ३३	जायना व ७६९
अवाय अ १६७	वायरच व ७६८
जवाबधेड् म ६८	वाक्स्क व १४८
जनायदेशी व १८१	কাৰতি ৰ ৬६८
वकाहर म ४८	<b>वानीरवार ग</b> ४ ५ <b>व</b>
बनाइरवाकेट के २५१	भाषति व ७६८
बवाहराय व ४८	जायक य ४२६
असन व ९२५	वाचना व १९६
वसुनिव कं ४ ९	वाज्यस्यमान ४ २८८
बस्ता व ४५५	नाटु च २२४
बह्तुन क ११८ क ५३२	आह क ७५
महर में १८३ में ५६३ में ४७८	बाहा छ ६७ छ ७५ छ ८ छ ८२,
जहाँ व ९९	श्र १३६
मही कहीं च ९९४	जाहा बुचार व ४९४
महाबद्दाम ५८ च ९०१	आस्त्र व्रदेश य २५ व २९० स ३
बहाब इ १८	ष ८१८
यहान च १ ६	व्यक्तिक ६९६ व २४७ व ४२२,
महास्त्र पार्थ पार्द	ग ४५६
पहीन व १६१	बाउदेर क १११
महेत्र स ४१९	वाता च २६
यहनुक १३४ भाग २	वानिवार≉श्वर्दश्यः घ८१५
मायतः य ९१ घ ४७८, च ५५६ च ५।	有 表 iso print in 162 by 634
वर्षि म ८४	रण अन्तर वर्षक झा ३२६ बाह्मपर च ४ % झा ३२७
व्यक्तिया इत् २५९	जारूपरी स ३२८

बाम १	दूध विलेगा
पात न ८४ च १ ह	बारक म २४% च १८
वानकार व ३६३	बास के ५६१ के ५७१ व ९२४
वानकारी ज १ ३ व ११७ व ३६५	वासिम् सं १७
बानकी क ३६७	बाबी क्र ५५८ क ५६१
षान चाना गं १५५	बावक क ३२४ स ३३५
भानना च ११	थानाकि क ५५८
वानपहचान व ११४ स ११६ म ११७	वानित्री छ २२१
बानपङ्गानी च १११	श्रापुरा 🔻 १७७
भानवर ग ४३	थाहिर करना व ७९९
वाता कर कर ५ क १८४ व ६६५	बाह्मची च २९
<b>4 11</b> 0	विष क ३५
भानानुष्ठा व १५	विषयी स १४२ स १९
चानी ग४ य २२५ व २६७ <b>व</b> १५१	
भानु <i>ष ८४ न ८</i> ५	विक्वा१८वर्स
<b>बा</b> र क ४८, क ५१	जियर व ६ व ११ व ११६
শ্বাদ্যালী স্বাইণ	ब २ ९
मापर क १ ८	जिवियागर र
बान्ता 🛍 १७८	विवास व ११६
वास के ४४३ के १ के १२८	बियं क १८८, ब २८८ व १९
बामर्वेद क १८४	बितेणिय क <b>१८</b>
बामा क २१८, क २५२	हिस्स क
चामाता व २६३	विद्यासम्बद्धाः व ७५ व ८१
<b>वा</b> मिन स १८७	तिही सं ७४ जिलक ११४ क १९७ क १५ क १५८
वासुत्व४ व४१	B AND & ACK & 415
मामृतीका ३ का ४५ का ४६	
बाक्त इ. ५१ झ १२४	वितिस् कं १६ वित्स कं १६
वामका केना छ १२५	विकासिक का ५२८
वागकेशरक ५ क ६ श १२७	शिमीकंद व २११
कामर व ४२	विष्णाण ३८१
वामका च २५ वामकत व २२	विस्मेदार व ३८
पामा ग २२५ च १५	शिग्मेवारी च १८१
जार य २२७ क ५७१	विग्नेवार व ३८

जिम्मेवारी ।	६५ नृशार
विभोगाँ। च १८१	जीवनस्य अः १२१
विवापैकी च ३२३	<b>भी</b> नंदीनं च ९३९
विधायती स १६९	श्रीनंधीनं होना य ९३३
विवासोत्री स ३२६	श्री कसवाया व ४७२
वित्र क ¥ ८, च ११९	धीवक १६४ स १ य % स ६ न ७
विराणि व ५०१	म १९ म १५
विस्त म ९०	बीवज्ञुन ४६
बिल्यत व ३४८, व ९४९	भीषटे <b>ण २</b> ९
विस्त्रत बठाता व १४	श्रीववारी व १ म ४३०
जिल्लाक ११४ क २१५, क २९७ क ४१४	वीयन सं ९२, व १४२, य १२९, म २५५.
बिस चमह भ ९९	<b>5</b> 840
बिस्म व १२	जीवनकाम प १४२ श २९
जिस्मानी ग १२ व	भीवन पाणा में १४५
विह्याग २७ व १३९	श्रीवन भर क १४९
भी ग १५	जीवनी <b>च</b> र ४ क २२
भीवाग२ ३	जीवारमा ग ५ ग ७
चीनी च २ २	बीविक्युविका छ २१७
चीव च २८८	जी हटना ग <b>१</b> २५
जीवना च २९६	जी ह्टानाज १२३ ज ज १२६ ज १२९
चीन कंप्एव कंवरवं संवे	भूमी म ५५४
जीमा च १५७	जुनाही व ४१५
भीमगर १ ग २७	मुकास स ४७५
भी घर भागांचं १७	जुनित स २०
चीमी ग २७	व्याचार् करकर्रामध
भीमनास ११७	<b>भू</b> तम् थ ६७१
भी मिनवाना च ४९८	जुगराधिकाः <b>च</b> ा १२१
थीमृतवाह्म व २२५	भूगवमा च ८५८ १९ सम्पन्नी स्थाना स्थापन
भीताम २२२ च २२३ च ३९ क्र.४ भीताम मार्गेत च प्रस्थ	१ जुपाकी करना स ११९ पुगुत का ३०
चीरा धक्रेय व २२२ 'चीरा स्थाह व २२३	जीवें संदर्भ के इंदर के इंदर जीवें संदर्भ
भीरों का ५७३ भीरों का ५७३	णुत्पा सा १८६ ज १४८ उद्देश रहा के १८६
वीचेच १३५ च ९३५, इस ३४ ३५ ३	<u>-</u>
भीनंतास ३५	णुक्तार का १९४ मा २६२

चुतार करना	१६६ <b>र्</b> सा
<b>जु</b> झार करना च २८२	<b>मू</b> क्षना <b>च</b> ९८ म २८२
जुतार कर १३	भूद म ४३ च १२७ च १२८
<b>जुटना क</b> २८६, व ८५९	मूक्त क ४९८
जुराना व १५२ व ८५८ व ८६६	MAI & ASC
व ८०४	भूकाग ४६
बुठारना भ १२५ स १८२	जूडी स ४९१ स ४९४
मुद्रमा च ८५६ च ८७४	णूता क २ <b>९७</b>
चुड्याना सार् १ सार्थ	बुती क २९७ क २९८
चुकृताज ३७ स १ २ स १४२	कुन छ १८
मुद्राह्माम ८७५	बूदी व ४ ५
मुवाभ ८५५ झ ४ ६	चूंस क ४४६ क ७५६
चुदाई व ८५६	जेंबनाधा १७१
पुराई करना व ८५३ च ९ १	वेठ व २४२, <b>क</b> ४३, क ७ व व ४१
भुवा होना व ८५४	बेठच व १४२
पुन्हार्देश ३ ७ च १६ छ १४५	बेट्ना छ ४४
जुमा 🐷 १२१	चेठ् <b>छ</b> ४४
नुमायत छ १२	वेताक १६४ व २९
भुक्ता स २१२	वेनाव २९९
चुननात २२४ व	वेश क ४९६
भुरमाना च ४१८	श्रेषकट व ४१८
<b>प्</b> रनाना सनाना श्र २२५	थेव <b>मरना स</b> १८६
भुमुं ध २२	चैदी प ४६८
पूर्वत क २६७	<b>लेश्सम क</b> ५ ४ क ५१८ <b>क</b> ५१९
मुमपिती स ४५६	मेक च १८२ म १२१
मुनारे छ १८	बेबर क १२७
पुकाक्षा स ३५९	मेंट क १७ क १४
पुरम स १६९	चेहन न १३१ व १६२
पुन्मी झ १७	पीत क ३
पुरुषक स ३५४	वैशो क ४७२
व्यं व ५५४ व्यं व ५५४	वैशिनिसूत्र क ५७१ 
पूर्वाय ५५४ सम्बद्ध	वैभिनीय क ५५१
पुर्म १३  स ५५४ वर १११	वैद्यास्ताय १६७
पूर् प २३८	वीताय ४२२. व १ रै

भौ दिंब करनाः १	६७ वाप्ति
पैहिरकरनाम १६७	भोर कालना म १७८
ऑक म ५९६	योरदार स ४
जींबरी च २४५	षोरमा व ८७४
को जर १ जर ४	<b>फोरगोर स १८</b>
भौकाम ख ४७५	जोक्स अस्त २२५
मोबास ६४५, व ९५७	योजनाज ४५३ व ७२३
यासमा च ९५६	जोचय ४ म २१२
जीवाई ज १५७	<b>पोत-सरोत थ २१२</b>
भीय क ६६	षोय कानाझ १६
फोस-टोट करना क ३६१	षांचरेनास ९ स ९९
भोपवाना च ८५८	जोधन क १११
<b>पोनाइ श ३७</b>	भोगमें बानाज २११ स १ ६
जीपाइ करना घर ८५८	कोषिताग४
भौमित क १११	मोह वा २५८
मोगिया च ४३८	जोइनाख २५८, ज ४५३ व ७२३
योगिक ६४ क ११	भी भ २३६
योगोस्पर क १६५, क ३९९	जीवाम २२५
मोड़ ख ५५८, घ१ ७ श ३९३	मीहर व ४८
मोड़ काना क २८६	<b>जीहरी</b> न ४८
मोहनाच ५५९, अ:१५९ व ८७४ व	
<b>८८१ च ९ २</b>	बात करना च १.९८ च ११
मोबाक २९७ च ८७५ च ९ ४	शासम्बद्धः
मोड़ी सरभ सर% ङ ३७७	बाता व १११
भोकी-पाड़ी म २८	साम कथ्ये कंप्हरे कप्दं वा रहे छ
भीत क ५५	ग १३२ च १ ३ च ३६५
भोतनाका १११	शानगम्य भार ७
योग व १९४	शान देना अर १६२
कोल्सी व २४३ व २४४ व १४५	
# 6x4	ज्ञानवान च १११
मोन्हाई क १ ७	कानीकरण्य ७५, <b>करूर वर्</b> रर
कोयन स ३३ कोस स ४ स २२९	ण वेदव आर्वेकिय च १व५ च १व६ च १व९
कोर क वृथ्ये सा च ९७४ स वृट	काप्तिय १६८ व १६८ व १६८ काप्तिय १६

मृप्त होना ह	०५ होसं
तृष्य होना व १७	तेही ज ९४ ज ८९
वृत्तिच २६२ व ३३	तै वरमा श ४२६
त्पाज १३१ भ १२२	वैतिरम५९२ म६२९
नुवाबंत झ १२१	र्तनिरीय क ५४८, क ५५४ - १ ५५८
तृपित च १४ छ १२१	हर २५७
मुचित होना च १६०	वैवारज १८४ ज १७४ ज १७६ ज ४९८
तत्ताच १३१ झ १२२	र्वैवार गरमा ज ९४४
तेय इ.४०६	रीयार होना शा २ १
वेज म ९६ ग १२९, छ १६४ छ २८०	र्वधारी व ३७५ म ३७०
ण रेटरे जातुरु जा रेक्ट जा ४४३	रीत्यास ४१८ स ४२
मध्यद स १८ स १७१ स २६६	नैयक स ४२१
तेज करना स २६७	र्वल इ. १११
तेरवर्णन व २५२	र्दैभवार य ११९
वेबसाव इ. ८२	तैनवर्ग ११ ६७
<b>टे</b> रवारस४ ज्ञा१७२	रीत व *३
तैयाची वा ६२८ झा ६७२	नैसाम १२
नेवारण झ २८५	रीने कर १
वेदीच १५८ च १६२ च ३७६ च ४४४	साद है। हैन
नेरम क १०८	शोत्यामा अ ५६१
रेग्ड स ६१८	दोरण सर्व
नेग अ	रोहराक १३५ व ८५१ व ८३६
रेलक १११	नीपाड १११ व ११४ व ११५ व ४१५
रेमास ५३१	च २८१
LEAST # 446	नीपर्द स पर्
hengan (a	मीजना क भूदर्
केल सराज्य स. ५	epontal at des
A 261	रीपाच २०३ स.६१७
<sup>34</sup> P3 # 11 M	नीप ४ ४ ३
Aut. 4 524	मेचन म ७१८
Automat 20 4 206	रोष व १६३ 
क्रम क.स. कृत्य क.स.स.	मध्येत्रीय च ३६४
	and the second
<sup>क</sup> रणकप्रद	भेग्द्रे स ४८६

ग्रोरच	14	स्थित
चौरण क १६५	बस्त व २३०	
ठोन व १५६	भाष देगा स २३३	
वीतन च ९५७	बास अ २२४ अ १२९	
वीतना व १५६	त्राम खाना व २१४	
बोगक इ.२८५	मासन ज २४९	
सीय व ३३	वासना व २१५	
वीयमञ्ज अ ३५	मासिज व २३७	
चोहका स २८२	क्षिय ५८७	
वीच क्र ३३१	प्रिक्य १८ व १७९	
सीमी ज १ १४	বিদান ভ হৈ	
वीर वा २ % झ ३७	विशासक छ १७१	
वीरेत कह ४	विकालदर्शी 🗷 🕬 रै	
योग स ६४५ स १५५	विकासवेता छ १०१	
वीसना व १५६	विकोण व ५८६	
वीमाई व ९५७	विक्टक १२ क १४ व २५६	
वीतिया इ २५७	विमुखा क १९४ व्ह ५८८	
वीसी क २५७, क ५४७	रिवदा क ३९५	
स्यत्र व १८	निरिवक २३८/व १	
रमन्त्र व १९३ छ २३२	<b>जिदेश क</b> १९२	
त्यान क ६६ व १८ व १९५	विदोय स ४४२ स ४९६	
रमाना च १८२ च ८६८ स ४१	त्रिवातु क १९२	
रमानी क ११  च १८१ रमान्य च १९१	तिनेत्र क १६% क १७% में <sup>४५९</sup>	
सॉब१२	विषयमा 🕶 २९	
स्मोधी पद्माना व २३६	निपाठी य २८५	
रबोस्साक छ ३३	निपुटच १८ च २५८ च २५९	
स्पीद्यारक ६ अस् १	त्रिपुटी व २६७	
त्रपा अ इ२१	निपूचयों क १६५	
मय स ५८७	निवधीय ५३ किलोपी करण	
चयमासिक क २९१	निर्धनीकार् ३ निमुक्तनसम्बद्धाः	
चर्यों क १९४ क ५३८	विवृत्तिक १९४ क १९८ क १९७	
जनविष च ६१८	निक्रीकीनाच क १३४ क ३६८ <sup>क</sup>	144
मनोरधी छ १ ८	विकोचन क १६५	

विकेशी 140 वही तिवेमी च ११७ च २९६ पणइयद्गास स्ट विदेशी ग २८५ पन्हाना व १९९ तिसंद का ४० ग ५२१ मध्यक क्या करना न ११८ भीषिस ५८० याचना च २३४ मिटिक १८६ जन् १ जटपर् यरपर करना ज १३ नेता छ १७ छ २० परपरना ॥ १४५ वैनापुर का ३७० परवराना ज १७ व २३४ व २४५ भोग्य स १३४ बग्वस्तर व ६८ वरिया है ४४० मंदर के १६८ के १९४ रवर संद अस्तर । बर्राता च २३४ च २४५ रावायण न १३९, व.२ बन च १ ल्या व १५८ व १६२ व १४३ धनदग्रमयाथ च १५ लॉरा ए १५८ च ४४३ बारी च १ च १३ रक्टा व १६५ क २९८ वर्षा स ७ बरमा च ४ वनिवाश १५ .. श २५४ संस ए ५३९ परिया व ७८८ यमन थ ७८६ बारी स ३ % र्वाबाज ६ ६ छ ६७९ बात क १६ क १५० व ४०० व १ दशमा व ७५१ 4251 ERIE 665 # 043 पाता प १३० प १८४ पवाप क्ष ७५३ बाम व ७३८ बंदाता स २९१ समारा सं ७३८ म ७८८ हा १३४ 44×52 # 448 बर्गात है पर esian mills mails RING VIEW WAY बराबर हुर समय स ७६५ WITE YE ब्रुविक के करेंड र्दिंग च हा 26 14 4 4 5 5 E क्रिकेन म १३६ च १८६ ۵,423 هماء ferren etan era TTTY EYES fenerati mas 434 4 435 dice at a £ \$ \$ tantis 464, 4 235 TIPE \$1 # 16 4C X 148

नुसीनुसी	३८८ इपिज्ञाना
<b>नु</b> दीमुडी अ ३५६	बंडपाणि क २३८
पुड़ीपुड़ी करना च १४९	र्षंड क्रयांना स २२५
<b>पुन्ही क</b> ५३८	संबन्त च १६६
बूक य १२२	वॅबित करना स २२५
नुकना च ३६ च ८९९	वंडी क १६५ क ३१७ व ४२४
<b>पूरी पूरी करता च ३६</b>	र्यंत ग २५
यू यू करता व १४९, व १६	र्वतच्छद य २४
चून क ५३८	वंतवायन च ८१ ३ ५५९
मुनी क ५३८, क ५३९	संतुल व ५२६
<b>बृत्ही क</b> ५३८	रेंतुका च ५२३
<b>मू</b> रना ग १५६	बेंतुकी व २५
मूल व ४६५	बंपति य २४१
बूला ज ४९८	रंग ७ २१६
<b>न्हर क ९७</b>	बेंबरी इ: ५३४
मेरीगामा क ५९६	रंत प ६७६, स ३६१
मैला क्र ४९५	र्वधन इ.४.८
मेंबी के ४९६ के ४९४ के ५५८	संदु ग २५
योक ज ९२४ व ९२५	<b>रं</b> प्टान १३
नोहान ५ ३ च ५१	<b>र्यस्ताल १</b> ६९
बोड़ापन वा ९१२	<b>रण</b> २ १
मोड़ा होता च ९१५	राज क १४६
भोपना श ३७८	दिश्वन च ८१
योर म ९१	在祖 走 \$ \$ \$ & \$ \$ \$ # # # # \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$
मॉरिय ९१	ण ३६३
τ	यसता व १६५ व १६८
	बरामुता क १८% क २८५
र्षन सा ४४	वक्षिय छ १५२, य १२६ च ७६ च ७६
दगम व १२४	च ८१ च ९८
रमा च ५८९, ज १७५, ज १६२	इनस्य वर ७४५
44 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	
हरू सार्वे के इंग्लंड का क्षेत्र आ	रमानाज ज २६८
रंडनीय स २१६	वप्रावानी ज २६९
4774	रणिमाना स ३७५

राव करना	३८९ रसिता
राव कामा च ८३१ स १ ३	स्यार ग २६६
राव होता छ १ ४	दमामा श १११
रहियत ज ४९	रया व १९
रपुरत ४ ५५१	दया करना व २५
स्तक व २५६	ध्यानियान ज २२
बनविस प १२२	दयानिधि क ११२, व २२
दत्तारेय क १५४ क ४६८ क ५५८	स्यागम् व २६
हन न १६२ न २१८	रवापूर्वेद व २७
द्रश्चित म १६५	श्याद्वै च २२
स्रुल ४४६	दयान ज १२, व २०१
विष ह १५६	दवाकाव वा २२ वा २६
र्रातपुत्र का १ ७ च ४८३	दर स ६४६, इ.२८३ च २५ च २५२,
श्योषि व ४५२	च १११ च ४६५
दमु क ४५१	दरक्ता च ८९२
रमुत्र क १४६	दरमा द २
राता व ६४	दरदाद् च २२४
ena w t m tcl	रत्य व ६१०
रक्तरा व २४६ झ १०३	दरनी द ११३
दस्य जाना च 🕫 🐧	स्तरम ४८४ इ.५ इ.११०
स्तरास ८२ स २३१ स ८ ३	रारते च 4
दशना ४८१ म १९१ स १४७	रावन १८ च ४/१
दशाय म १३८	दण्याचे स १९६
ररीय सं५ ६	राष्ट्रार च १३४
रव द ५१४	रावारी स ३६६
ER & IC & SIX & ALS & SC	
est michies	siania ten a ten a ten
TET # 1/3	ररस्य व १३१
रक्षण है ३८ जब है हैं।	रान्य व १५
रवर्गाना च १११	राम व १
4411.	
CALL M \$74	दरण रहना थ ८ १ द <sup>र</sup> ण संप्रक
रशास ४	Authorities de la contraction
*****	1.7. 41 (41)

<b>न्नीन्</b> डी	१८८ श्रीयाला
नुहीनुही च ३५६	वंडपाणि क २३८
नुकीसुकी करना वा १४९	र्षेड समाना स २२५
<b>पुन्ही क</b> ५३८	संबनता चा १६६
भूक य १२२	वॅक्तिकरनास २२५
भूकता च ३६ च ८९९	बंबी क १६५, क ३१७, व ४२४
<b>पूरी पूरी करना च ३</b> ६	र्थत ग २५
मू भू करता च १४९, च ३६०	रंतच्छर ग २४
मून के ५३८	बंदनायन य ८१ के ५५९
चूनी क ५३८, <b>क्र ५३</b> ९	<b>बंद्रक च</b> ५२३
मून्ही क ५१८	रेंतुला च ५२३
<b>भूरता</b> स १५६	बेंतुसी व २५
मूल च ४६५	बंपति य १४१
मूखा व ४९८	रंगक २३६
<b>पूहर छ ९७</b>	र्वेवरी क ५३४
नेरीनाचा क ५९६	बंध न ६७६, स ६६१
बैका क्र ४९५	वंशन क ४ ८
बैसी कप्रदेश कप्रदेश कर्ष्य	बंद्ध व २५
योक व ९२४ च ९२५	रंदान १ ६
मोहा च ५ % च ५१	र्थसमाधा १६२
मोड़ापन ज ९१२	बण २ १
मोक़ा होना च ९१५	रहत क १४६
मोपना स ३७८	दक्षिम च ८१
मोर प ९१	दशक ११४ क २ % क ५७% व १४%
मोरिज ९१	ण वदव
হ	बसता व १६५ व १६८
	रसमुदा क १८% क २८%
र्वग श ४४	वसिन स १५२ ग २२६ च ७६ च ७६
दनस च ९२४	च ८१ च ९८
देश व ५८६ स १७६ स २६२	बलस व ७४२
बर कर र कर रहेश करहेश के प्रश	
र १५५ घर घररण स न्रथ व	बगावास थ २६८
र्थरक स २ ३	यसमानी ज १६६
रंडनीय स २२६	वनिमाना वा ३७५

```
बहुनास १ ४ स १ ५
                                 बातील क ५५९
                                 वात्री न ४२३
बहत्तमा ज २३४ स ३५१
रहताना च २४७
                                 बाब वा ४४९, वा ४६५
रक्षत व २३३ व २४६
                                 बादा व १९. म १६२. म २१८
रहसत साना स २३४
                                 भावी य १६३
                                  बाहर ग ५९३
रहाड य ५९७
बहाइना य ४९५, च ५९८
                                  बाब म १६२. म २१८
बहाना च २८१
                                  बान क ५९ क ५१६ च १९५
बड़ी क १५६
                                  दानकर्ताव २ १
                                  बानपात्र च २
बहीबड़ा क्र १३३
बहेन क ४१९
                                  बानपुष्य क ११ व
बाँत न २५
                                  बान सेना च १९७
बाँठ पीसना व ९६
                                  बानव क ३४६, क ३४७
                                  दानवी क ३४९
बांद्छ च ५२३
यांगी च ९८
                                  धानगीच व २ १
बाइवा क ४१९
                                  शनबीचरा व १९५
शाई छ १
                                  बाना व ६२ क १४२ क २१६ क २१७
 बाळका४१ ग२१८
                                   8 334
 बाजवी म २२८ म २२९
                                  दानी वंद १
 बाएँ ज ९८
                                  वानवा ३८ वा ४८ वा ४५१ क ५२१
 राख थ १६४
                                  स ९२४
 বান্তিত স্ব ৬४३
                                  बामाद य २६३
 शक्ति करना च ७४१
                                  वामिनी क वेरद, क ५२१ छ २५४
 शासिक होता ज ७४
                                  बामोबर क १६४ क ६९९
 बारा क देश स देश
                                  बाग स ३८ वा ४१९ वा १९५
 बाब पडना सः ३७५
                                  दायना च ४१९
 बागी व ११५
                                  शायरा व ५८५
 वादिम च ३४४
                                  शामारगर्भ ग ४२ शर्
  राइ म २६
                                  बागी य ४२३
  बादी ग १२, ग ४६
                                  बार व २२५, च ३११
  राजम्य व २
                                  बारक व १४७ ग २५
  दाता चर १
                                  शास व २२५
  रातारण २१
                                  दारप ॥ २६२
```

<b>र</b> रिया	₹९•	प्ग
दरिया च २६४ च २७१	दलवादश स ३५९	
दरियासत व ११८	दव म ११ छ २७५	
ररिमान्त करना व १ % छ २८३	दवन प ४२३	
दर्जन सा ६१७ वा ९३२	स्वता च ४२३ स १४१	
पंजित ग ३३८	बनदी क ५३४	
क्यों ग ३३७	श्या क ११८ ज ५४४ ज ५४९	
वर्ष पा YCY पा भ	ववातामा स ५४३	
वर्षे करता स ४८२, स ३७७	वशास भ ३१	
वर्षमंत्र च २२, छ ५ २	दश का ६१२	
बहुरव ५९६ च ४६१ च ४८३ छ २३९	बरावंठ क १९०	
वर्ष व ७९, व ८८, व २४९	वयार्थय क ६९	
बर्गेश क १२६	रवर्गर क १९	
वर्षी व ५५८	रयक वा ६१४	
यमें म ११६ क ५ ८	दछन थ २५ इ.४ ८	
बर्रा कर्ष अवश्र अवश्र	वसमी छ १ ५	
वर्षे इ २८६	वसम् वा ५१३	
रचं छ ९६ छ १११ च ७३३	वसरव क १६८	
रसंक क ७३४	वसहय छ २ ६	
वर्षेतकपृष्ट्यम्बर्ग्यक्षम् स्ट्राट	रया स ५४५, स ९४८	
वर्धन करना व ७२३	श्यानन क ३९	
दर्धन कराना ज ७२५	यस वा ६१२	
वर्षन देना अ ६६४	बसर्ग स ६१३	
वर्षनद्यासम् च १२७	वस्तक व २५६	
वर्षन होना थ ७२४	दस्तकार स १२२	
वर्शनीय व ४६६	वस्तकारी स ४२३	
वसित व ७३५	बस्तामा क्र २६८	
वर्षी क ७३४	वस्तूर वा ९५३	
वत ब १५६ व २१ व १८४ व १९१	पस्ती क २५५	
<b>क</b> ८८ व ९१४ व ९१८	बस्यु व ४१८	
बक्रमुद्भुगी क १११	बस्युवृत्ति क २२५	
बक्रवक व २८६ का ५ इ	बहु म २८२, म ३१	
वक्पति स १५८	बह्माना सं १ ६	
रकरक स १५९	यहन क १११, सा ५८७ ॥ २३	

च्हा	121	शरण
<b>रह</b> नाझ १ ४ स १ ५	बातीन क ५५९	
बहुकता च २३४ श ३५१	बाबी ग ४२३	
बहुकाना व २४७	बाद सा ४४९, सा ४६५	
रहरात व २३३ च २४६	बाबा ग १९, य १६२, व २१	6
दह्यत साना व २३४	माणी ग १६३	
बहाइ व ५९७	बादुर ग ५९३	
बहाइना ग ४९५ ज ५९८	बादू ग १६२, ग २१८	
बहाना च २८१	यान क ५९, क ५१६, व. १	<b>5</b> 4
बड़ी क १५६	यानकर्ताव २ १	
बहीयका क १२३	दानपात्र व २	
स्क्रेंज क ४१९	रानपुष्प क ११ व	
बौद्य ग २५	चान सेना च १९७	
शैत पीसना व ९६	बानव क १४६, क १४७	
दांतुल च ५२३	यानवी क १४९	
र्शामी व ९८	बानग्रीच ज २ १	
बाइना क ४१९	बानग्रीकरा च १९५	
राई छ १	बाना य ३२, क १४२, क र	११३ क २१७
शकक ४१ ग २१८	<b>₩</b> २२५	
बाजवी व २२८ च २२९	यानी चं २ १	
बाएँ च ९८	दान वा १८ च ४८ च ४	न्दर क ५२१
राख म १९४	ब्र ९२४	
হাজিল ৰ ৬४३	बामाब ग २६३	
दाखिक करना च ७४१	वामिनी क ३२८, क ५२१	ष २५४
दाविक होना में ७४	बामोगर क १३४ क ३९९	
बारा व ६१४ स ६७४	नामक १८ क ४१९, व	१९५
दाव पड़नाब १७५	बायमा स ४१९	
यानी च ३१५	दायरा व ५८५	
बाहिम च १४४	बागाव ग २५ ग ४२ ६	1.4
बाइ न २६	बायी व ४२३	
बाड़ी य १२, ग ४६ बातस्य व २	बार व ११% च ३११	
बाता चर १	बारक व २४७ व २५	
यातार भ २ १	वास व २२५ साम स २६०	
	बारप म २६१	

वारिका	१९२ सि
वारिका व २६	विकारि देता <b>व</b> ७२४
वारिव साध ६	विसाळ व ७३६
गासिह्य का ४ ६	रिकाना वा २५%, वा ७२५
बाद म १८ इन् १ चान १	विकासाह्यसाथ ७३५
बार्ग्नीमी क ८६	रिवानटी वा ३ ९, वा ७३६
बावन क १३४ क १६५	वियुक्त व २
वास्तवकूम सः २७४	विषयर का १६५ का ४७६ का ४० <sup>४</sup>
वास्त्रस्यी म ११३	म १८६
बारू क ५४९, च १८	दिगंबरता च १९
बाक व २५२ झ ६९ झ ९७	विभाग सा६ ६ म ८७
वासवीनी क्ष ८३	विवि क ४५१
राकान च १४७	दिविमान २२
रायम क ५२९	दिन कर च १३६८ क १४२
व्यवागीर म २७९	विनकर क २९७
वावानित क्र २७५	विनवित छ १३८
गानाच स ११	दिलमणि क २९७
बाबातक क २७३ क २७५	रिवांत क १४१
बास म २९६ ग इप्रह म ३८३	रिनास च ४४९
चावता स २४९	निर्मीण ४६६
बासी न २२५ व २९७ स ३८४	विनेश क २९७
बासत्व स २४९	दिनीमी 🕊 ४८१
चर्ला व २८	विपना क्र ४९
बास्य क ७३ स २४५	दिसाग्रग १८,व १६१ व ८८,
बाह् स ४५५ छ २८२	ण १९२
बाह्मा च ५५ झ १ १	विमाण चराच होना च ३३८
याह तरिकार करना था ८६१ याहिना भा ९८	विमार्गवार व ८६ व १६१
विक्र वा ५२	दिमाग कड़ाला च ३६९
दिकपात च ७७	विमाती व ८९, व १६१
विकास व ७२४	दिया क ४९
विसराना व ७२५	विवासकार्षे अ ५४६
विकास व ७३७	विरमाम <b>वा</b> ५४४ विरमामी <b>वा</b> ५३८
विवकाना का २५% वा कपृष्	विकास १३३

रिक्ष चौंचना	३९३ वीपिका
विक्त सीचना क २७४	विषा व ६१२. च ७५
रिक्रगीर वर ५६	दिखाणिय च ७७
रिक्चना च २१४	क्षिमा होना य ११६
रिक्रमस्य भ ४६३	क्रिप्टि व ७२२
रिकामगर्दे वा १६६	विसम्बद्ध 🛡 ै ६
विस्तार म २६६ च २१	विसिट 🖤 ७२२
रिकादेना वा १५१	रीशक का न्४१
रिसन्द्रकाथ क्ष १७१ व	बीताय व्य २५७
रिक में रजना में १५१	बीसा 📽 २६८
दिसद्या च १५%	बीक्या देना चा २४७
विक केना क २७४	<b>शीका</b> धाना वा २४६
विकार क १५५	बीखित 🗷 २४२
रिकायर च २१४	शीठ व भरर
दिलाचा च १३३	दीदा व ७२२
क्तिर व २१४	शोरी गरर
दिस्टमी च ३७२	शीलकर काम ५ वर्र मा ५६
दिस्क्यो क्राता च ३७३	<b>स</b> २२
दिस्कारीयाज व ६७१	बीनता व १९१ क ४ ६ व ७५ व ८
दिल्ली च १२२	शीनवार्द च ४ ६
विषंत्र क २४	दीनल्य वा ४ ६ व ८
दिनंगत होना व १९५	बीनप्रतिपाचक व २२
दिय क २१८, च व 🏴 १व६	बीनवंधु क ११२
विवस छ १६६ छ १४२	बीनानाचं क १६२
विश्राम भ ६५२	शैनार च ४२२
विवासता वा ४८१	बीप क वे । क वेश, इ ४९
रिया छ १३६	वीपक के २०१ वा ८३ के १ के ४९ वीपकाषार के ४९१
विश्वाकर २९७ च १	वीपशास करता क ३६
स्विया च २ १	
दिस्स स १७७ व २१६ क ८८, व	गीपना ● २८९
ज ४७४ विस्तवसुक्ष च ४९६	यानमास्त्रका के ते ह
featel at Ago	वीपादनी स १ ४
रिस्ताधार्थं म १९८ क्र ८६	बीरिका के ४९

रापित RYY बीपित 😻 २८७ 質更 御 もどそ धीख इ ११ क २८५ इंदिन भ १३ छ ९६ रीपा होना छ २८९ दुकान स २८५ बीचित स १६१ म ४५६ म ४६७ म हुनुस क २१८ क २२८ ४ २२६ S a see a fee a rea at sox 1#5 हुच क ३२६ क ४९१ बा४ ६ व १ वीष्टिमान छ १८८ दुसहाय ५ बीरिवमान होमा 😻 २८९ दुसर व ५४ रीवाचा स २९८ **दुव्यदाई होना वा** ४८२ बीसक ए ५४५ **पुष्परा**शक व्य ५४ बीयट इ ४९१ कुम देशा व ५५ बीमा क ३५ दुवना स ४८२, स १७७ रीर्वेग ४५ गर्वे सं४२६ सं४३१ दुशाय वा ५४ W 448 दुसाना स ४८२ व ४५ रीपंक्ष स ५१५ शुकारी व ५२ यीर्वकाय क ४३१ दुवित च ५२, व ५६ बीर्वजीवी 🕊 १५१ सा १५२ दुविया चा४ ५, घ ५२ **बीर्वता च ४२७** दुक्ती वा ५२ वा ५६ बीर्वदंतक व २६७ दुव्यी करना क्ष ४४ बीपैबाहु ज ५२७ <u>कुमना भ ५८५</u> बीबाँमु स ६५४ च १२५ छ १५१ पुष्प क १५५ बीवट क्र ४९१ कृषित व २२६ बीबा क्र ४९ कुषितदी का २२४ का २२९ बीमान सः ३५७ बुविवाई व २२४ शीनाता च ३३५ पुतकार थ १५६ बीवातापत व ३४१ पुत्रकारता व १६० व १६१ बीवास च १५८ बुबी क २३३ म १९० दीवामी छ १ ४ दुविया च २८ बीसना ज ७२४ दुनियाण १३ इन्द्रभी स ११३ षुनियादार व १६७ रुमा व १७ पुनिवासारी स ३३१ व १६८ हुना करता ज १७३ पुनियानी च ३६७ दुवा देता वर १७१ वर १७३ कुपटा इ. २५४ इ. २७४

इपटटा इ २३८, इ २५४ इ २७४ बुर्वात क १६५ **र**पहरिया छ १४ दुर्वेष च ४५८ दुवकता व ७९१ क्वंत व ४९९, स ४२ दविषाच २३१ द्वेंकतास ५३७ ज ५ १ झ ३९ र्वण व ४९९ स ४२ दर्बक होना च ५ २ दुवसायन च ५ १ बुर्माग्य च ४५८ दम ग ४३४ दूमिस स ५ दुन्त क १६५ इमिक स २ ३ दुरंगा स ४९, इ. २६४ हुर्नुचाय ४५२ दुख्यमा व ७४७ दुर्वोचन क ४६६ दुर्यमग्रह रू १६ दुर्जभ व ४६३ द्रुपप्रहु व ७३ दुर्वाचा क ४५६ क ४५९ क ५७५ द्रुपप्रह करना व ७५ क ५७६ द्वपार व २९८ दुषकी क १६१ प्रवासी व २६८, व ३ १ दुलचाना व १५१ दूराव क ४९७ दुष्ट्रम् स २६५ दुस्ता च ८२६ दुष्टा य २६४ दुस्त करना व ९४४ ज ७७ बुनही य २६५ दुसती व ९४ बुकाई क्र २९ दुर्गम क १३ कुकार वा १४५ दुर्बंच करना स ६६६ इकारना च १३९, च १५१ दुर्ग व ११७ व १७२ रुलाया व १५५ द्रांत स ४ ५ स ९४६ स ९५१ दुलारी ज १५६ दुर्गति क ३१% व ९४९ युविकाच २२४ दुर्गम क १३४ व ११ व १७२ व ५७६ दुवासा क्र २९१ दुर्वो स १८५ स १९५ स १९६ स १९८ बुश्वरित्र थ दे २ ₩ 155 दुश्मन व २७९ दुर्वनमुक्त व ४७६ बुरमनी व २७६ दुर्वत व २६८ व ३ १ दुरमणी होना व २७९ दुर्वनता व २६९, व २९८ कुष्पर व ६५८ हुर्मय क १३४ क १४७ दुष्पर्म व २६८, व ३१ दुर्दण व ९४९ दुष्कर्मी व ११२ दुर्रधामान्त व १५१ दुष्ट व १६८

154

दुव्य

बुपद्दा

<b>Testi</b>	३१६
पुष्टता व २६९	<b>बू</b> यम् सगाना प ४ ४
दुसाम ग २९९	श्यनीय व ११९
बुस्वाह्य व २१	क्षतिल का वश्क्ष का ¥१क्ष वा ¥श्क
दुविता व २६	द्वय स ५८४ व ५८५ व ४१
दुकान च १३८	दूसरी बगह व ९९३
दुकानचार य ४	married for 32
द्रव छ ९६	बुढ़ वा ५४७ वा १३५ म १० हमी
हुन का बोर छ ९७	झ ४२७
रूत स १६९	बुद्धिरचय त ४२७
बुतकर्मे स १९५	बुद्धारित च चर
बूटी व २७५	बुझन य ४८५ व ४९८
द्वयं यं भं क्रा १५५	बुद्धांपता व ५
बूता वा ५८५	बुध स १९, ज ७३४
दूब भ ११४	
बुरीय ज ७२७	वेश्यकाम्त स्त १६८ व. (११ व. ।।।
<b>बुरदे</b> ची ज ७२८	बुस्यशान ज ४६१
बूर व ९७ <del>७</del>	बुच्टि स १९ व ७१२
दूर करना व १२६ व १८२ व १४	
व कर्म व दर्द व दर्द	बृध्यित्त करना ७२६
बूद बाना व क्रान	बृष्टिवत होना व ७२४
पूरवर्षक व ४२७	बुध्दिबोचर च ७२३
<b>बूटरर्शक यम क</b> ५५७	वृष्टिनोचर करना व ४११
बूरवर्षिता च ७२८	वृध्दिगोणर होना <b>भ</b> ७२४
बूरदर्शी क १७ व ७२७	वृध्धि केरना च ७२६
ब्रुएमीय के ५५७	भूष्टांच <b>व</b> १५  च २६६
दूर हटाना भ ८५३	वृष्टि समाना स १६६
बूर होनाचा १२५ धा २१६	
दूर्वा न ११४ च १५९	वेसका सं २५४ सं २६ अ. ४९६
पूलाह प २२४ व २६४	व्याधन् व्याधने स्था ५
पूर्णा व २६५	वेकागा-मात्रना व २५४
बूस्हा व २२४	देखनेवासा वा ७३४ देखनावा सा २५ वा ७३९, वा १९०
बूबक म १३ क ३१	रक्षशास्त्र सं २५ में १६८ सं १६८ ९७ वेकरेक सं २५ में १६८ सं
दूरमा साजवर मा वश्य मा वृहस्य व	देश देशारेक स्ट के ११४

वेक्ररेक करना	३९७ वैपस
देखरेल करना झ २ ५	वेदमता म ४ १ म ४४१
देखकाना व ७२५	देवसोक क २३७ क २३८
वेसदैया च ७३४	वैमवाणी का २१९
रेबाळ च ७३६	देवांयना क २४७
वेबादेसी ज ७१२, ज ७३३ ज ८४८	वेवासम क १९
वेकाना च ७२५	देशी क ५५८ सा ५१ वा २६५ वा ३७३
देमची क्र ४२९	देवी गीवा क ५८२
वे देना च ८६७	देवेन्द्र क २२५
देनबार वा ३९९, व ४२४ व ४२५	वैवोत्यान छ २१
देना स ३९८, वर १९९	रेंड स १४८, य १ य १ ४
देने बोम्य च २	रेबालर च १ ५
देनेवाका च २ १	रेगावर च १ ५
बैर स १ स १७५ स ४५१	देह ग १२
देर समाना च १६ च ४५२	बेह्पाठ व १५४
रेपी च १, च १५७	देहरी च १६२ च १६३
देवही च १२२	बेहबी व १२२ व १६२ व १६३
देव कर ३ कर ७ क ३४६ क४५	। बेहान्त म १५४
देवती क ४ ७	देशंत होना य १५५
चंबकीनंदन क १३४ क ३९९	वेद्वात च १६६
देववयः क ३५७	देहाती च ५५८
दैनतव क २४१	देशतीयम् व ५६
देवता करण इस्टर	देवानसाम १५४
देवलाक २ ७, क १२१	रीताक १४६
देशवात क १९	वैत्यपुर क अभृष्ट चान्
देवदार च ८७	दैस्परात्र च २
रेनद्रत क ५२३	वैदीप्यमान छ २८८
वेबनदी क २५३ च २९	वैनरिनी चा ३ ३
देवनागरी किपि स २२९	बैनिक का २९१, छ १३७
वेनमापा च २१९	वैनिनी ख ३ ३
देवर व १४३	दैस व १८% व १९% व ४ ६
देवरानी क २२७ देवरि क ४६३	र्वेण स १५२, वा ४५७
केतल सः १० सः अवत्र वर्गाय कः वर्गत्	वैवानि व ४५७

रंकत र	९८ प्राविमे
<b>रैनत क</b> २ ७ <b>क</b> २२	वोहर ग ५२ ≢ २९२
<b>वैविक क</b> २२	योहा अप २ ३
<b>रै</b> वीक २२	बीहाल ६७३
वो 🖫 ५८२, म ५६	सीम् <b>वृ</b> प करना व ६९४
दोसी ज ३१८	बीवृता वा ६७२, वा ५४४
दोगला ए २४९	वीहाना च ५५८ ल ६४४
दोचित च २२६	भीना च ४२४
योजस्य क ३१९, क ५३२	बीरी के प्रदेश के प्रदेश
बो दुक होता <b>व ९३७</b>	बीक्स चा ३८
बोबना व ४११	शी <del>ततका</del> मा च १४
बोता च ४२३ झ ४४९	दीक्तर्गत साथ ५ व
बोगों बा ५८३	दोस्तरमंदी <b>क</b> ४०७
बोपहर 🖷 १४	वीहित्र ग २६१
कोरंगा च ४९	युक्त २६८ क ११६ क ६ व १
बोका म १२४	बुक्तिमा 🕊 २८३
बोलेय क ४४६	शुम्त क २९७
दोशम्या छ ११७	शुक्रोण क ११८
सोव च १९६ स ४४१ स ६१२ म ५१	
चार ४ चार¥४ व ११६ <b>व १९</b> ०	
स २२ च ३७४	धूतकीहरू न ४१५
बोपपुक्त भ ३१८	बूतनृह च २१८
दोवहारी भ ६८	बोत छ १८६
बोवा छ १४६	ची क २१८
दोपारोपण ज ४०४	इस इ: १६२, छ २११
थोगी मुरेक जरे ६ जरेश्य स्थ	
थोदी ठहरामा वा ४ ४	प्रवास के २३४ प्रतिस होना वर १०७ वर १४६
दोस्त ग २७८	हबीमूत होना स र ७ स १४६
बोरनामा च २७५	But at \$5 E fa E AlC E All
बोस्तामा द्वीना व्य २७८ कोर्न्स	प्राचा प वेश्वे
दोस्ती इंट्र क्रहेरेड, व्याप्तक्ष दोह्या गढ्ड	शासक क हैंद्र
राह्याय ६३ बोह्बीक्ष करहा	हाबिक स १५५, स ४४८
बोहर च १६८	प्राविद्धी व १८६
AIGA A EAC	

चनु	ও বাৰ কা কৰা
मनुष १६६ इ.४ ९ च ५८ च ६	७ वर्गका का १५ का ११ म वा ११७
मनुर्वर झ २७१	पर परेर
मनुषारी म २७१	वर्गकरनाक १५
मनुबंद क ५५६ स २३७	धर्मक्षेत्र च २ ६
बनुष इ.४.९	धर्मभ्यतीक १४ च ३ ९
बनेश क १३४ क २५५	धर्मपली य २२५
वज्ञासेठ वा ४ ५ इस	पर्मराज क ११७ क ११८ क ४१४
मत्य म ७५ भ ४६	क ४४७ च १६६
भगवंतरि क १५४	धर्मेशासः च २ ६
मम्माम ११४ स १७४	वर्गवास्त्र क ५३५ अस २३७
मन्यापड्नास ३७५	वर्मणील क १३ क १४
नसक व ६४४	वर्मसंबंधी क २
मसकाता वा २३५ वा २४७	धर्माबंबर क १२
वमकी व २४६	वर्गातमा क ११, वा ३ ५
ममकी देता च २४७	यमीन्त्रशाका १६, भा १६५
वमनी व ९७	वर्गवितार क ४१४
बस्मपदक ५९६	वसीका १६ का १६४ वा ३ ५
बर क ११४ कर ६ क १९६ स ४८,	
ल १५४ च २४८	बरक सार्८ व ७१ मार् ६ म ४९४
मरल क २९७ व्य ९	च ४८ च
नर्गन् च ९	वयस्ता स २९
मरनी च ९ च २४८	वसाना व ७३९
मळी च ९	मास स २४% शा १७१
चरना झ २२४	वाक अमाना कर्य व २५१
भरता देता भ ७५	माक्रम च २५२ ज ३४९
भार पक्षक स २२६	भाग है ४८
बद्ध व १७३	भावा क १३४ क १६५, क २९८ क १३०
बयान ११६ च ६ च ९	बातु स ९५ व १२४ व ४४३ व ४६१
वरतस्य ४ ९	भाग्य ६७ अ.च. ११
चरामा स ११	मानी चा ३५९, ग १७७ म १८२ म ४४
त्रयदायी च ८२५ वरित्री च ९	म ४६९ च ९
गोरणाय ५ गरोहर स. १.५	मान म २३ इ-१४८
and a to	मान का आवा ड १४८

मानी ४	≁१
चामी वा ४१	भीमरित ग ११
बात्य व २२५	थीनाय ४४% <b>च ४४७</b>
बाम क ५४ क १३४ क ३८, व १४	भीमा करमा <b>च</b> ७२
वामित स ५६	थीमान क १७ च १९ व १६३
माग स ४२३	चीमेचीम स ४५
भारम क १६५ च २, च ८६४	भीर कर ज़रुद ज़रुद्द
गरमकरना व १८३ श ८	र्पारम च १३३
मारना व १३२, स ३६२	पीरता च १४ च १३३
भारणी च ९	<b>पीर प्रधात का १५१</b>
बारवार स २६६	चीर मसित का रूप्त
<b>भार देना अन् २६७</b>	<b>भीयमीय € १६१</b>
भारता भ १८३	शीरे <b>वीरेव</b> ं ४५ वा १ १५
<b>पार्थमंत्री ४ ९</b>	<b>गीरोबास च</b> िर् <b>र</b>
नारा म ७२, म २७३ म २७७ म ९२४	वरोक्क्स च १५१
म १७८, म १८३	वीवर स ३१ व ३४१ स ३४७
नाराबर छ २३९	कुकवुकामा स ३५१
गारी व ३५९ व ५२४	भूकपुरी ग १ ९ अ १११
मानिक क १८ वर्ष क्षा कृष्	भूपुका का ११
मानत थ ३६९ स ३७६	पून भ ३६७ व ३६९
वावता व ६७२	पूरा चढ्ना श ३९२
माना म ७१ वः २८७	पुत्रवामा व १३५
नियकास २२७	चून होनास १९२
विकास १५८ वर ३५६	भृति व ५८८
विकतास १४१	वृतिवादित ग १६२
विकास स १६९	भृतिसी ग ३६१
पिस्तार क १५६	मुरंगर म ७१
विषयास्या च १६	पुरस्ती छ २ व
विरक्तियों ज २४व	नुसाकपड़ा रू २२
विरवित्यों देना व २४७	मुक्तमाना व ५५१
मीगहा य २५% व ४५८	मुनीय इ. ६९
भौगाबीमी स १५८ क्ष १६९ भौगाबारी स	प्रकृष कशांचर
पीनानुष्त्री स १६९	भूपरीय शरना क २७
पीमर ग ३ ६ व ३४७	बूपवत्ती क १४

मूमकेषु	४ २ वैमाकरना
वूमकेतुक १११ कथ २, च २२, च ७	affacelt ac 4.9ts
मूम क १६५ क ३४६	भीतमान्द्रमाध्य
मूमवर्ग क ११२ स १४	भीरहर च १७३
मूर्त ग ४१५, ग ४१६, व १७७ क व	र्णीसाचा १ ३
प १६८, व १६७	व्यान क १८, य १७७ ज २ ज २ र
भूतेता च २६६, ज २ ६	च ८३४
मूर्वताकरला <b>च</b> २७ स.२.८	ध्यान करना क ३६ व ३६९
मूक म ६८५ म ३९१ म ९७	च्यान देना चा६ १
मूक पहाना व ५७	व्यानोपासना क ६२
चूत में मिक्ताव ५७	व्योगस १७१
मूस इन २१२	भूव का ११४ कर ६ कंप्रदेश व वर्ष
मुखर न ११९, य ४५ म ४५७ च ९७	छ १५
मृतराष्ट्र क ४३५	व्यक्त १७२ व १५४ च ८२१
मृतिक १८, कर २ क ३ % स १८५	व्यसिक च ८२४
म १३३	ष्यंतन व ८२१
<b>मृ</b> ष्ठ <b>थ</b> १५२ च २२६ च ८४	व्यविमाक १७१
मृष्टवाम ८६ भा२१	ष्वंसी व ८२४
मेतुन ४६९	व्यवग ७९, क ४ २
मेमी का ४२४	म्बर्ग इ.४.२
मैर्ग सार्वक प्राप्त १३३	मानिकर ५ वा ६४ वा ८४ व ५८८
<b>पैगेवान च १३५</b>	म्मनित करना च ९१
र्ववत स्र ७	म्यनित होना चा ९२
नोमाना च ५५१	<b>ब्लस्तक ८२५ च ९३९</b>
भोसाम २५७	व्यक्ति छ २८४
मोलादेशाच२७ झ२८,झ२९	
भोजीनाव म ४१६ म ३६७ थ २६८	দ
मोती क २६१ क २७१	
योगास २९ वा ५४६ वा ५५	र्गगईँ ज २७३
बोबिन स ६६७ ग ३४५	नंत्रहें नरना व ७५
भोगी ग २९९, स ३४५	नगणकृष च ३८९
पोरमह्य ४ १५८	नेपपना च १७२
योषना व ५५	मंत्रा कः १६५, ज २७१, व ३८९
भी म ७१	नेगा करना व ७९९

X \$ नगर नंदापन र्नमापन व ३९ मान्द्रशा २ ७ नंबई व २७२ मक्तवज्ञान म ४१८ मंबई करना व ७५ गक्रमुस्सी क १२% मक्त्रेसर इट ३२९ नमा च २७१ च २८९ नक्रक कर १३६, का १६७ स. २४४ नेवा करना च ७९९ मक्तक करना चा २९४ श २४५ मंबापन क ३९ मक्रधी वा ४१३ वा ९७ मेर क १६४ क ४०८, य ७६ य २४६ मक्रमणी शा २४६ स २५ स ४१ नवक का १४१ का २७१ में २५ नक्सा स ३१७ नक्या सींचना च ६१६ नंदक्यिंद क ३९९ नकसीर भा ४७६ मंबदुमार क ३९९ मंदन क १३४ क १६% क २३२ क २७१ मकार पा १८९ नकारना व १८७ म २५ नदनकानन क २३२ नकुरू क ४१६ वा ४९७ ग २५ - म ५२९ मंदरानी क ४ ९ मसम क ६२७ में ४८३ च २६ नसननाथ क ६ ७ मंदलास क ३९९ नंदित च ५१ नक्षम विद्या ख ६४७ मेरित होना च ४१ मलाक १६५ छ १४६ मॅरिनी क १८% क १९४ स २२% तकम ५७% स १८% म १८% म १८ ग २४५ व २६ भ १८२ गरवा च ६१७ मंदी क १३४ क २७१ च ६५ नक्तीर स ४७६ नंदीगम म ४८१ मान का ६२% वा घंध वा ११% वा ८७६ मंदोई स २४४ नकाम २६ मंबर स ५५६ स ५६८ नजरा भ १५ मंबरी ज १५ मधरा करना व ७६ गर्गेशी च ६१ नकायुष य ४९७ नउमी छ १४ मधी ग ४९४ न ४९८, म ४९९, न ५३२ नक्षिकती च ११८, क्र १९८ अव क २९७ स १९८, म २, म ४८ नकटा वर ५१८ # RXC नवटी व १२३ नवन कर २ नवड्वाश ग १६१ नगर व १८९ मनप्रमी म ६८ नवानि इ. १ ७ च २५५ नरफल इट ३२९ मगर च ११५

नगरकोट Yek বৰ नवरकोट च १३९ मटबटता व २६९ भगरवासी व ५६१ क ५६२ मटबाटी व २६९ नगरी च १३५, च ५६२ नटन स ११७ मनाका च ११३ नटना व ७५ मिगमाना च ९७८ शटराम क १६५ नगीना च ४८ गटकं **च ४३६** नमीनासाख ए ३९९ मटी का १२६, वा ३९४ या ३९६ मा १२६ नगॅड च २५५ नडी ग ९७ मम्म ६ ३८९ गत क ४७७ व ११ क ५ मान करमा क ७९९ मत होना 🔻 ८२ मलता व ३९ नवाई स ४ ३ मचनियाँ चा १२२. ग ३१६ विविष्ट ग २५७ শৱতীক मिलिनी ग २५८ ग २६२ नवशीकी साथ ५ मतीया स ३८९ नवर व ७२२ स २८३ मधा इस १२९ नवरमंद च १८६ नवता य १८. वा ६८३ भवारबाग म ८ नविवाह ३२९ सक्तर क्याना क १६३ नचना ग १८ नवराना च ७२३ सं २८३ नव्ती क १२९ नवता व ४७५ सद क १३४ क २६६ च २०१ मबाक्त च ७ नवी बा ६१८, च २७१ नकात ग ९ नदीस च २६४ मबाय व ४२२ व ७२९ शनदास २४५ मजीर च २६६ ननशोई ग २४४ मञ्जूम 🕊 ६४७ **गनिजीश म** १७३ मन्गी स ६५ मनिबाससूर ग २४ नपम च १६८ पतिहाल न १७३ नज्जाय व ७२९ मन्हा च ४२६, व ४३८ नट क वेपर क प्रवेष का १२२ का १४६. मन्द्रापन च ४२८ त २९६ म वरहे य ६९६ म ६८ मन्दियाचा 🕊 ५५२ म १२१ क २५ नपुसक च २२ मटई म ११ नपुसकता च २२४ नटबट व २६८ नप्तृग २५७

गक्ररत ४	০৭ পূৰ্বৰ
नक्तरत प १४८	भगोना क ९८
मफ्रस्त करना व १४%	मझ व ९२, ज ७८
नफ्राझ ३ २	नमता भ ८
नक्सस्य व ७ म ४६४	नय अप ३३१ ग २८२, च २७१
मधीरी च १११	नमन ग१९, म २१
मध्येस व ४६६	नया छ १७५
नवी क ५२६	नयापन स १७७
मध्य प ९७	नरक १३४ क १६५ क ४१७ ग १
माम क १६५ च ३ च २६२ छ ४७	म ४५२
छ ४% स २३% छ २४५	नरक क ११९, क १२२, म १
नवपानी कर ७ कर्९७ करे ७	नरकमोग व ९४९
य ५९८, च ४	नरक मोनना क १२५
ममण्यक २४३ ग५९८, च २६ छ १३९	नरकमोगी क ३१९
मधर्मकत च ३	नरनाचयच क १५४
सम कं ८१ छ २३% स १४४	नरमाह स १४९
ममक क २८, व ४६७	नरम व ६९
नमकीन क ५२ व्य ४६३	नरम करना व ७२
समगीनी इटं ५३	नरमा <sup>ह</sup> ंग ७
ममन व १६६	नरमाना च ७२, स १४६
नमना च ८२, ज १६७	नरमी ज ७
नमनीय ज १५४	शरलोक च १ ३
नमस्तार व १६६	नरनिंह क ५७६
नमस्पार गरना व १६७	मरमो छ १८१
नमलीत इ.२७	नराभिष स ३४९
नमस्ते व १६६	गरियाना च ५९
वसम्ते गरता ज १६७	नर्देश साथ १४९
मनावस्य ० स५ ८ स५ % स५१	नरेम स ३४०
नभावणाना च ५११	सर्वे क ११९
मनाव गरमा मा ५१३	नर्वट व १२१
नगाने देगरावाद व ५१ समाना च ८३	मसनक १६५ स १२२, स १९३ म १९५
विभा होना व ८३	य १२१ नर्रेणी साहरहे साहरूप नाहरू
नामा स १६३	नाम व्याप्त स्थाप स्

नर्मेदा	४ ६ ग्राबूब
मर्मवा च २९९	नवान २५७
नर्मी च ७	मस्तर इ. १
नस म १२१ म ६३८	नस्बर व ८१२
नसक्तर क २५८	गण्ड व १ २ च ५६८ व ८२५ व ९४६
मसिम च ३८८	मध्य करना क १७१ व ८२ व ९४३
निलिनी व ४ ७ व २७१	गप्ट अध्य च ८२५ व ९४६
नवस्वर छ ३८	मप्ट अप्ट करना च ८२ व ९४%
तर क ९४ वर ६ ६ व १७५	नष्ट झष्टहोना क ५७ व ९४५
नवज्ञात ग ४२२	नष्टहोताच५७ ज९४५ स१४
नवमासः ६११	नसंग १७ ग ९६ व ९७
नवमा भक्तिक ७३	गयक स १
नवनाच ८२	नगीन व ४५
नव निभियों का २६२	नधीहत सा २१५
नवनीय क ६९%, क्र १५८	मसेनी च १५७
नवनी छ १ ४	महरती कह कथ्रप
नवस् सः ६१	महत्ताना ध्र ७
नवपुतक स ६२	नहाना स ६८ स ६९ च ७१
नवयीयना ऋ ६११ झ ४४	गीनमा व ६८६ व ६८६
नवरणी क २७१	र्गीय स २१
नेदरल घ४८	गरि क ५७६
नवस छ १७५ व ४६३	नान १
नवस्था छ १७७	नाद्देश १११ वा ४२२
नवी ख ६१	नावन म १११
नवानाचा ८३	गाउम्मेब ज २१५
नवासा व २६१	नाजमोरी व २१२ वा ज २१६
नदीन छ १७५	माच्टकेंप 🛎 १४
न्योनता छ १७७	माइन न ३१९
नवेर झ ८१	गाम ग १११
नवेद देना झ ८५	नाक करहेट सं १७ स ५०% च है
नवेता छ १७५	नास्त्रटा व ५१८
नचोरा स १६१	नाका ग ५७९
नम्य छ १७५	मारुवितयत ज ४ १
मम्पता छ १७७	नालून ग ७५

नाय र	िक नामवरी
नाग क देर्छ स ४६५ म ५५८ म ४५७	। भार्यस्थल स १६६ च १६६म च १८६
च ४५८, च ४६१	नाकी य ९७
नागकेश्वर व १२२	मार्गाक्ष ४ व
मागक्ती व ९८, क ३२९	नाताकती स ३९
नागर व ३४८, ४ २४ व ३६३ व ३६	७ मातिन व २५८, ग २६२
नागरमोचा च १२३	नाती ग २५७ म २६१
मागरिक ज ५६१ च ५६२	भारोदारी <b>अ</b> ४ ३
नागरिकता च ५६३	नाचग २२४ म ३८
नायरिक शास्त्र 🕊 ३३२	नाद च ५८८
नागरी च २२२	गायान च ११२, स ६
नागरी किपि ब २२९	शायानी ज १ ४ च ६६६
नायकोक क ३३५	नाना स १६८, च ८३, च ७४१ च ८६८,
नागा क ४७४ छ ७	4.4.4
नायित ग ५६	गानिकाच व १७३
नाच च ११७	नानी व १६९
नाम करना च ११८	शालहा च ४३८
नाचवर स १२५, व १८६	नाप क ३८९ च ९५७ च ९६९ च ९६२
माचना च ११८, ज ६७२	नापाक व ५४२
नाथनेवाणी चा १२३ य ३९६	नापाक करना च ५४८
नावमहरू च १२५ च १८	शापित च ६११
नाचिकेता क ६११	शानरावर व ५७५ च ५८
नाणीय म ४२९	नानिक १६५७ ग५४ य २९२८ छ ३
नानुष २२५	शामी व ५४
नाविदम च १४४	नामंबूर व १८९
नाजी वा ३४५	गार्नभूर करना च १८७
माबुक म ६९	नाम च २६२, च ३५१ छ २१
नाटक का १३५, का १३६	मामकरच क ९८, व १४७
नाटभरार स १२७ च १६८	मासमय व ३५
नाटा व ४३६	शामवारी भ' २२
नाटिका चा १३४ नाटम चा ११७ चा १२१	नामके अप २२
नाट्यका च ११७	भागरी व २१२
नाट्यवार ख १४६	नामवर ज ३४९, ज ३५३ नामवरी च ३५१

नामबाका	४८ श्रहीकरना
मासवाका श २२	मालायकी च ४०१
नामस्मरण क ४८	नाली च २४५
नामस्भरश करना क ३९	नाव क १८१
नामाभूस ज १६	गागाविक्रमधः ज १ ४
नामी ज ३४९, श २२	नावाकिक व ११२
नामुनासिन च ४२१	सामिक च ३४१
मानुमक्तिम व ९७२	भावे <del>क स</del> २ ८
नाम्नी स २२	नाय क १०२ व १०४ छ २२ व ८२१
नागक च १४७ स १५१ च १५३	
च ३३५ य २२९	नासना क १७१ व ८१६ व ८२६
गामिका का १५%, का १५%, का १५४	<b>स</b> २१८
च १५८ च १५६ च १६१	नाचनीय क १७३
नारंकी वा ३७ व्ह ४	नासपाती व ३४७ व १७६
गारंजी ख १७	नाचनान क २१८, व ८३२
गार क ५६२, ग ३३, था २६२	नाधकान द्वीता 🖚 २१९
नारकीय क ३१९	नास्ता क ४१
नारर क १५४ क ४६६ क ४९६	नास्य क १७३
क ५७४ क ५७८, व १६१	नासनाकर⊎र व ८१५ ।
भारव होना च १६५	गासमझ <b>च ११२ अ ३६४</b>
नारा के २६५ च २७२	नासकती च १ ४ च ३५६
नायच क ४१२	नोसाय १७ व १८, व १४९
माराज म ३६ व ४	मासापुट ग १८
नायव करना च ४४	नासाम्ब ग १२६
भारतकारी व ३४	नातार्था म १८
माराज होता ज ४२, व ९६	नासिकास १७ ग ११
नाराणी व १४	गाधिकम क २५
नाराम क ११४ क ५५८ थ ५७	गारितकक ६ क ११९
नार्यमधी चार् मारिमक चा६	नारितम्बा क १२१
नारी न ४ य ९७	नाष्ट्रमधार च ५८
माण भ ६८९	शाह्यवारी च ५८२ शाहर ग ४९४ स ४९७ व ४२४
माळा च २७२	माही च १८९
नाकारक म १९९	भाही करमा ज १८७
	mg ran a ser

निर	४०९ निरम्प्रति
निरंभ १६१ म ७५८	विकियाना <b>च ८</b> ५३ <b>च ९</b> ७
निवक व १६२	निकेत च १ च १४
निदमा व १६	निकेतर च १४
निवनीय च १६१	निकोटमा भ ९ १
निया च १५९	निक्वय्द्र व ४२९ च ४३९
निया करना च १४९, च ३६	निक्चयता वा ४३ वा ४४१
निदासा व ७६	निकारना 😸 २९
निदित व १५४ च १६	निविक्त व ८७९
निधाण १६१	नियम क ५३८, च १३५, च १३६,
নিৰ ল ৬	₩ २२५
निष्ठंक ज २४	निगरानी स १६२, स १९८
नि भेयस व ९	निगक्तना स ११८
निसंकोणी च ३२४	निमह्यानी स १६२
नि चंतान ज्ञ २	नियाह व ७२२
नि संदेह व ४२१ व	निष्ठह क १३४ क १६५
निचार ह २५, इ ८४	निष्योक्षना स ७२
निकट व ९७६	नियोक के २१८, के २७४ के २९६
निकट बाना च ९७८	निकायर स ४३
निकासाच १६५ ज ४२१ इ.च ४२१ :	ড বিষয়ক্য ৰঙ
म ६६	निवात स २३
निकर ज ९२४	निजी इस् ४
निकलना ग १४% च ६६% च ७४	
<i>च ८</i> ५४ च ८९% च ९	निटल्स म ४२१ व म ६६
निकप क ५२	निदुर ज २४ भ ६८
निकसमा व ६६५, व ८५४ ज ९	निद्राई ण २१
निकार्य सा ४६७	निदुरता ज २१ ज ७१
निकास व ९२४	निद्धार्थण २१ ज ७१
निरामना स ५६ ग १४६ घ ७४	
ष ८ ५ ष ८५३ व ८६८ व ९	
वर्ष	निर्तेष य ३६, व ८२
निकासा व्य ७४८, स ९ ३	नित छ १३८, छ १९७
तिकासना व ८५३ तिगाइ पहना झ २४	नित्य छ ११८, <b>छ १९७ च ८११</b> नित्यप्रति <b>छ</b> ११८
रात्ता व्यक्ता का देव	।गप्यात <b>छ</b> १५८

नित्पवी <del>वना</del>	४१ — विर्स्क
नित्मयीवना क ४१८	निभमा भ २७८
निरयश छ १३८, छ १९७	निमंत्रण स ८१
निवारना स ७२	निमंत्रण देना स ८५
निवरता ज १६९ च ३४६	निमंत्रित स ८२
निवाम छ ६९	निमञ्जन स ६८
निशन च ४३९	निमण्यन करना श ६९
निविधा च ७५८	निमन्त्रित स ९६
निज्ञा वा १८५ वा ७५८	निमित्त छ १२१
निदायस्य व ७६	निमित्त व ६५६
निज्ञायमान व ७५९	निमित्त बान 🖷 ५
निहास च ७६	निमिप 👿 १२३
नित्रा केना च ७६१	निमीकन ग २२, व १५४
निश्चित व ७५९	निमेष ग २२, ध १२३
निदित होना व ७५४ व ७५५	निम्न च ८५ छ २३७ व ४२५ व ४३६
निवत का ४ ५, स १५४	निमताबध्य बध्धर
निधनपति क १६५	नियंभित सं १८१
निमन होना व १५५	नियत क १६५
निमिक २६७ साई ९ सा २६४	नियद करना ज ४२६
नितनी स ४७७	नियवाण्ति सः १४४
निनाद च ५८८	नियति क १९४ च ४९७
निपात म १५४	नियम क ११ ज क १३४ क १६६
निपात होना न १५५	बादवर जारुपद सार्ष
निपुत्र व १६७	नियमन च ७
निपुगवा व १६८	नियमबद्ध स १८१
निपूर्णकार	नियमानुकूल श १८
निपूर्वा भ २	नियमित स १८१
निर्वेष स २ ४ स २ ७	नियसना व ९७८
निर्वयनार स १२७	नियुव ल ६१३
निवस ३७ छ ३ ९	निरंजन के ११२ के १६५
निवटना च ६५४	निर्धार छ १६७
नियम हा ४२	निरमना ज ७२३
निवाद क १३६ स ३८५ विकारक क १३३ क १४५	निरमसमी व ११७
निवाहना च ६२२, झ १५७	निरर्षक व ४२१ ६

निरवंशी	४११ निर्वाचित
निरबंधी म २	निर्णय स १६४ स ४२५
निरवर्जन स २ ३	निर्णयासक स २१
निरस इ ४८	निर्देश का २४
निरस्ता क ४९	निर्वयता च २१
निर्धा करना च ८९८	निर्वनी च २४
नियकार क ११२ क ११४ स ६ च ३	
निरावर च ३४८	निर्वोगी व ३१७
निरावर करना य १६९	निर्धन स ४ ५
नियमारस २ ३	निर्यनवा स ४ ६
नियना च ८९८	निर्वारण स ४२५
निराक्षंत्र क ५५८	निर्वारित करना स ४२६
नियका च २२६ च ४१८	निर्वेक स ४२
निराकारन ४१९	निर्वकता स ६९
निरास व २१५	निमंग च २२७ च २४
नियम्बता व २१२ वा	निर्मयता च २४२
नियसाण २१२ वा च २१३	निर्मीक व २४
नियमयञ्चर ३	निर्मीकता व २४२
निरीसण स १६२	निर्मेस क ४८३, व ४६ स ४१४
निधिश्चम करना च ७२३	च ५४१
निरीसम कराना व्य ७२५	निर्मेल करना श २९
नियस्वरवादिया क १२१	निर्मकता अप ५४४
निधेरवरवादी क ६, क ११९	निर्मेखी मः २१२
निपेष्ट् च १४१	निर्माण करना क १२५, व ९४४
विदन्त क ५५५ ख २३७	निर्माता च ८१६
निरोम च ५४७	निर्मित क १२७
निरोपता स ५४८	निर्मित करना क १२% व ९४४
नियोगी स ५४७	निर्मोकस९ य५६६
निर्मुणक ११२ क ११व क ११४ निर्मोग क ५८८	निर्मोही च २४
निर्मन कर ७ च २२६	निर्माण भ ३२४
निर्वेका एकारधी छ २२३	निर्मेण्यता च ३२६
निर्मार क २७३	निर्वापक च ८८६ निर्वापन करना ज ८८४
निर्मरणी स ३ ८	निर्वाचित क ८८५ निर्वाचित क ८८५
	errand de cod

निर्वाच	A\$\$	निस्तेव
निर्वाच क ५५८, ग ९	निशीय क १२९, क	tat a tat
निर्वाच होना य १५५	निशीषिनी छ १४६	
निर्माहक १३६ स ३५८	निरमय का १९ स	¥24
निर्वाह करना व ६२२	निरुपय करना स ४३	
निर्वाहना झ १५९, झ २		
निवेद स १८५ थ १४ व १	८ निस्मित्य व २२७	
निकस च १ च १४	निर्दिचतता च २२८	# \$5Y
निवारव करना व ७७५	निस्तित करना ध ४	
निवास च १२९ च १४	निस्चित्ततः च ४२१	
निवासस्वान च १२९ च १		
निवासी व ५५५	निर्पय क्र ४११	
मिव् <b>ति व ९</b>	नियंगी स २७१	
निवेदक स २५१	नियाय स ७	
निवेदन च १७६	নিবিত্ৰ ৰ ৬৬৬	
निवेदन करना च ६१६	निवेश चार्र वाक	16
निवेदित स २५२	नियेव करना व ७७३	
निवेश स १५१ च १३१ च		
निसंक व २२७	निष्काम च १४१	
निसंक होना प ११८	निष्ठुरय ५१३ व २३	46
निसाक ९	निष्युक्ता व ७१	
नियाकरक १६५ क ३ ७	ग ६४४ निष्यात व ३६३	
निसाचर क १६५ क ३४		
म ५१% ए ५५८ व ६२२	म ६५२ निचाए क ४८६	
नियाचयै क ३४९	निष्ययोजन च ४२१ व	:
বিয়াৰ অংশ হ'প	२, व ११४ निशासना व ८५६	
AR ASA	निसृत करना भ ७४७	
निधान पड़ना स १७५	निसेनी च १५७	
नियामी च ११४	निस्तम्ब च ६ ३ च ६	4
निधि च १४६	निस्तम्बद्धा व ६ ५	
निधियर क ३४६ क ३४		
<b>₹ ? ₹</b>	निस्तार य ९, ज्ञ २३	
निधिवरी क १४९	निस्तारना स २११	
निधिभासर क्र १४४	निस्तेत्र 👿 १९५	

मिस् <mark>पृह</mark>	X5.j	नुमाद्य
निसृह व १४१ व १८१	गीय इ.२.१	
निस्पृहा च १८	দীত্যদ ক ३५	
निस्फं स ५७५	शीराजन करना	<b>₹ १६</b>
निद्दारना च ७२३	<b>गीरोग स ५४७</b>	श १६
निशास होनाच ३७ ज ४१	मीरोगवा म ३७	)
निहुरना च ८२	गीक क २६६	を まらぐ 血 入ぐ血 éán
तिहराना व ८३	च ६% च १	२४ च ४७८, च ४८८,
निहोरा च १७६	₩ #¥ # ¥ #	: <b>ar</b>
नीद च ७५८	गीसकंठ का १६५	648.6
नीट सेना अ ७६१ व्य ७६५	गील क्ष्मल क २	CY TISY
मीम स १९ म १६१ च ४३९	शैक्तपाय ग ५	¥
नीचता म ४४१	नीसग्रीय क ११	
नीया छ १३७	मीसम प ४८१	प ४८८
मीवे च वद, च ८५	नीममोहित क	<b>₹८% ₩ ¥</b> %
नीचे बाना वा १५६ ज ५१५	गीलांबर च २	
रीवे लाना व ७२१		। १ ६७२ म १७५ म २२३
नीइगद ४ च १९५	य४६० य४	95 M RC
गीति साहद साहदशास हुन	नीसापन ल ४५	,
नौतिमास्त्रं सः ३३	नीकिया ख ४७	)
नीय म ४१८	गीती व १२४	# <b>2</b> ¥
দীৰ ঘ ও	शीकोत्पक व ४	6
मीबी क २६५, हा २७१	नीमधाच १७	i
नीनू म ३५५ म ३५६	नीहार छ २५	१६ छ १५७ क २५ <b>६</b>
नीन म ७	ष्य २६	
मीयन स १७१	সুৰসাগ আ ३५	化用电池
भीर च २६२	भूतमान गरना	21. X, I. E.
नीरज प १८८, प ४८६	नुकीना स २६	•
नीरद छ २३	नुस्य व १ ७	
गौरवि च २६४	नुसूत स ६४७	
नीरश्च ६३ स.६७	बीति व. ४५	
नीरवना अंद ५	नुत्रत य २४६	
नीरम ४ ४८, स १२८	শৃশা-অ ৰ ৬%	
नीरनता के अन्य सर्वद	मूत्र य ३५. य	रिज्य

नूत	YĮY	गीवार
नूतन छ १७५	मस्तनाबुध करना व ८२	
नूतनता छ १७७	मैचल क १४८, व २१	
मृत ४ २८	<b>नैमात्यकोम च ७६, च ८४</b>	
नुपुर क १३५, क १६१ क १६२	रीन व १९	
नृत्य च ५ स ११७ च ११९ च १२१	नैतृज्ञ १५८ ज्ञ १६१	
भृत्य करना स ११८	नैयायिक क ५६७	
मृत्यकी का १२३ ग ३९६	नैयस्य व २१२ मा	
नुरवसाका च १२५ च १८	नैसर्पिक व १८५	
मूप का ३४९ ग २९२	मैसर्पिकता च ३८७	
नुपति क २५५ वा १४९	मेहर य २३४	
गृसंस ज २४ स १७	नॉचनाच ९१ च ९३४	
गृपसदा व २१ छ १६९	नोक बा४६३ शा २६८	
मृसिह क १५४ क १५५	मोकर न ३८३	
नेक दे 'जण्डा'	नोचना च ८९३ व ९३५	
नेकनाम वा ३५३	नोन क २८	
मेकी व २८	<b>शोगाम</b> ४७	
नेपरोपैशी का ४२%, का ४३२	नोनियाँ च ११७	
नेवा क ४१४	नोनी व ११७ क १५८	
नेबाव २३	नी च ६ ९, स ६८१	
मेटा च १२३	नीकर ग १८६	
नेदा क १३४ ख ३३% च ७	मीकचनी प १८४	
नेवानियी स १५१	मीकरी वा २४९, वा २५५	
नेम व १९	गीका क १८१	
नेमच्च्य व २२	गीकार्थक क ५६९	
नेत्रमळ ग १२६	मीअवान शः ३२	
नेनविद्यान व ४९६	भीटती च ११६	
नेवास्यु ११९	नीवत चा ११३	
मेनूमाम २७७	भौमो चा१ ४	
नेम क ११ व	शीरंगीसाथ व १४८	
नेमिनाव क ४८२	गीवका क १४६	
नेमार्ग च १९७	नीनी च ६१	
नेवर व ३३५	गीया य २६४	
नेवका य ५२९	शीसावर च ४६४	

=	पस्त	Yę	५ प्रसना	
F	यस्त झ २३२		पंचाव के ५९८ य १५४	
	याय क ५६२, 🖛 २१	१७ स १६४	पचपात्रक १३	
#	पायक्ती स ३६६		पंचमका ७ वा ५९७	
	यायपुरुत स १६८		पंचमी छ १	
,	पावाभीश ग ३६६		पेंबरंग स ३४३	
*	पायातम च २२४		पेषकड़ा क ३३१	
	याबी स ३११ ज १	<b>(</b> 9	पंचार क २७१	
		स ८९५ व १७३	पंचान स ६५१	
	HY 5		पंचायुक्त व २६७	
1	मुटेस्टामेंट क ५९८	<b>* (</b>	र्वचात्रम क १६५, स ४९४	
	यून व ९१		पॅचिमी छ १ 💮 छ २२४	
	युनवा व ९१२		पंछी व ५९८	
	स्त्रपद ख १९७		वकरग १२, ग १ व १ ४	
	म्यून होना ज ९१५		पॅबरी व १ ४	
	न्यीछावर स ४३		पत्रा व ६ २	
	म्यौना स ४१		यम्म 🗣 ५९७	
	म्योतना स ८५		वेहा क ८८	
	म्यीला व ५२९		पंडाल च २१६	
		प	पश्चित क १७ क ७८, व ५३६, ख ६५ म २८२	
			Afternoon on the contract of t	

यक्ष के ४ पींच्यादम य २८३ बर्ब प १८८ बहुय ३८ स ६० स ६१४ पश्चिम ३ च ९२४ च ९२५ हा २६४ पहुरु व ६३३, व ६६ व ६६७ पंत व ५९९ पब्की ए ६६१ पवा इ ५३३ बहुर व ५७ अर ३३४ पंता करना स ३८ वसका करता सार्था वेगी स ५९८ म ६७ - इ ५७३ यदी वर ६९३ पगुड़ी व १८४ पार् न ६२ बदत स ९२५ झ २६४ पॅबरमा ज ४२ पानि म ९२४ म ९२५ म २६४ पनरा १ २४६

नमुष ११ व ५३१ वेनमी व १४ पर्व व ५१२ वेंहदकी ज व नव स ५९६ व ३६० গালবার ১৮

पक्र	४१६ स्रोत
पक्क स २२३	पगोद्य क ४९९
पक्षमा श २२४	पंचकता घाट ७
पकड़ी स ६७	पमलही क ३३१
पक्ता श ९२	पचीमी स ३३
पकामा श ९ झ ९९	पञ्चीकारी करना स ३१४
पक्काल ५२२	गम्छिम च ८२
पत्रा शर ५१	पच्छी च ५९८
पकौदी क १६४	पछराना स ६४७
पक्काच १७ ज ६८, ज ८२६	पछतामा झ ३४८
पक्का रंग अर्थ ४८ अर	पछारना व ५५
पस्य शा ५१	पहुंचा क्र ११४ ड १५४
नत क १६५ स ५८२ व ४५ व ५५	
D < 1	पछोड़ना ज ५५४
पक्षाबाद छ। ५२३	पश्चीय १ ४
पक्षी ग ५८९, ग ६२५	पट व १६६, इ २१८, इ ४९%
पसंख्या ३८	च १६५
पर्वती च ३ ९	बटतर व ४२२, स १९१
पद्म 😈 ८६	पटतरमा स १९५
पचना ग ५९९	पटना च ११८
पचनारा छ ८६	पटरानी <b>वा १५१</b>
पंचारज चा १ २	पटरी का १११ का ११% मरह का १९६
पद्यान च २४७	पटल स १९९ स १ % स १८४ ह
पचारमा व ५५	१९६ क ४९७ च १६८ <b>च ९</b> १४
प्रवाधनी न ३९२	पटसन व १२८, इ २२९
पश्चेक् ग ५९८	पटिया वा १११
पम ग ८६, भ ६६७	पटी अ १९५
पगवरी च २४४	पट्ट च २२३ च २७% व २८१ च ४८५
पन्त्री छ २३८	स १६७ स ४४वे
पयना स ९५	पटुकाम १२७ म १९८
पर्यामा व ११८	पटुका क २६५ क २७४
पना क २७४ वर ५६२, सा ९६ पनुष्यमा सा ११९	पद्धा भ १६८
प्राची करना झ ११९	पटुल म १६८
110 5211 41 563	पटेकास ३१२

पडोसना	४१७ पर्म	
पटोसमा ध २४७	पत्तरी म ३३८	
पद्ट च १११ क २१८, क २७४ च १	१६५ पत्तवाभाद९९,जभु	
पट्टमिंह्यी स ३५३	च ५७१	
पद्टिका भ १८४	पत्रकृत क २६४ क २६६	
पद्दी ब ३११ म १८४ क ७	प्तवार <b>इ</b> . ५६७	
पट्टीबार ग ४२ आ ६	पवा स १८४	
पह्टा व ४९८	पताका क दिशे क दिश्च के र	
पटन च २५६	पता क्यवाना स २६१ व ७९७	
पटन-पा <b>टन च</b> २५६	पता कपाना च २६ व ७९६	
पठन-साठन करना च २४६	पति 🖛 ११२, व २२४	
पठाना झ ३५२	ग ३८ च १८५	
पद्मवा झ ३५५	पविव क ३१९	
परवाक का २५ का २५८ हा १६२	पितवादन 🛊 ११२	
पहना च ६९९ च 😕 ८	पवित्रता 📽 १८% 🖣 २७२	
पड़वा ग ४८७ 🗃 ९५	पतियाना व २५४	
पहास भ १३	पतीका इ. ४३	
पड़िया न ४८७	परीक्षी क्ष ४३	
पहना स र४६ स २५६ म २७८	पतुरिया <b>व ३९७</b>	
पढ़ाई 📽 २१८	फ्लोहय २३३	
पहाना स २४७ स २५७ स ८४४	पत्तक इ-४४८	
पड़ा किया व २३९	पता व २१ क ३३	
पहिना न ५८७	पत्वर व १४७ क २५८, व ६८	
पण का ३८ क्ष २८% क्ष २९४	पत्त्वर होना झ १४५	
मध्य च १६६ च १३८ स २८%	पत्ती 🐿 ३६१ म २१	
स २९४	पत्नी य २२५	
पष्पधासा च १३८	यम क्रिक स्थाप स्थ	
पत्तम क २९७ थ ५९८, य ६६८, व ६	• •	
न ६७ म १६२, न ६८१ इ.६.१	वनकार स २९२	
पत व २२४	पत्रसाहरू स ३६९	
पतमङ्ख्य ८२ पतमर होना व ८११	पनाचाइ ५ चा६५१	
पतन होना ज ७ ८, च ८११	पविकास २९ स २९१ म २२१	
पत्रसम्ब ५७२	पत्री य ५९८, य ६२५, य २, भ ६९, म	
	ICC, IF YEY	

पंच १	ne m	ďΤ
पर्य च २४१	पना क्र १४	
पमरी स ४६२ इ. ४४७	पनासी संदर्भ	
पंचिक वर ६९३	पना¥ झा२ २	
पथी वा ६९३	पनिश्च स ३७७	
पथ्य इ २९	पगीर क १६४	
पर स ५८२, ग ९, न ८६, च १ ६ ल		
२५५ श २५६	यसाचा ३ ४ च ४८६ ड १४	
मवक च ४८५ इ ५६	पपरा इं १२	
प्रवास म ८८	परीता म ५७	
पदनाम क २९७	पपीक्षा व ६१५	
पदमी च २४१	पम च २२५ इ-१५५	
पंचातिक स ३६५	पयश्च २३९	
पदार्पम करना म ६६४ ज ६६५	पयोक्ट स ५ स ४७७ स ४७८ म ६	
पदार्थ क ५९१ क ४१८	म र४९ म २४८ म ३१६ म ११	ð
पत्रति स २ ५ च २४१ च ९५२ स	पर्योधि च २६४	
१५७ स २६४ स १७	पर्योतिषि च २६४	
पय क १४४ क २६६ क १२८ क	पणंत्र च १ १२	
१२९ क ४९८ व ५७४ व १६७	गरंपरा च ९५३ छ १६१	
म १६८ स १७५ स ६६८ म ६८८	परंपरायत 📽 १८२, 🖷 ९५४	
म ४५८ च २६२	ंबर का १२३ का १६% मा ६ वा ५६ <sup>६</sup>	
पचनाभ क १६४ क २९७	<b>₩ ११ ₩ १</b> २	
पमाक १६३ च ४ ९	पर्सं इ ४५७	
पद्मानती क १६३	परकीया च १५६	
पश्चिमी स १५५	परवावा२५	
पण च १६८	परकता व २५४	
पमारता व ६६४ व ६६५	परकावामा अस २५५	
पनकृष्या स ४२२	परकारीया प ४८	
पर्मपर्मा वा २ १ क्ष ३१०	परका च २५१	
पनमरित ग ३१	परमा ज ९५२	
पनहास्य व ३ ९	परचूनिमा ग ३२७	
पनहारी स ११	परणूनी य १२७	
पनहीं क २९७	परकाही क २९४	
पनस व ४९	पर्स्तन स २३५	

<b>रातंत्र क</b> रमा	४१९	परिप्रह
परतंत्र करना स २३७	बस्स स ४११	
परवंत्रवा स २३९	परसना भ ४१२	
परता क २९६, क ४९७	नरसाल स ३१ छ ३	२
बरदा करना व ७९८	<b>परतों छ १८४</b>	
बरदा स्रोतना च ७१९	बरम्त्रीनामी व ३ २	
बरदाना च १६१ म १६२	वरा क ५६१	
परदेश च १ ५	पराय च १८५ च ३	52
परनाना न १६७	पराग केशर म १८५	
करपीइक झ ४४८	पराधन व २१२, स इ	८ हा २७७
वरबोधना स २६२	परावसी ज २१४ छ ।	
बरब्रह्म क ११२, क ५५८	थराज्युल व १२३	
बरम क १६४ क १६% म २१	परावयं वा २८९	
बरमपूर्य क २९	पर्याजित होना ज २९२	
बरमस क १४६	पयदा इ ११२	
वरमहोन क ११२ क ५५८	नपात हा ४१९	
परमाणु ज ८९५	वरायीन सः २१५	
परमारमा क ११२	परापीतज्ञा स २३९	
बरमेप्बर क ११२, क १३४ क १९	<ul> <li>पराना व ६७२ व ७</li> </ul>	<b>XX</b>
₹ Y6	परामान व २८५, व	८२३
<b>नरवल प</b> २७५	पर्यमूत व ८२५	
बरलोक दे 'स्वर्त'	पर्यमूत करना च २९:	ŧ
बरनोक जाना स १५५	परान्त होना व २९	₹
वरनोक निभारना व १५५	परामधं स १५५	
नावर व २७५	परामा शा ४ ६	
<b>परवरिय ४ १३६</b>	वसमायन स ४ ८	
बरबरिय बरवा स २	वसार क ५७६ क	400
नरकरिय पाना हा ३ १	वसान्त्र व ८२५	
परका ॥ १३५	वधान करना क २९३	t
बरबरणा स ११९	पराप्त होता अस्टर	
<b>परवासरी अ</b> १ ४	परिंदरगृ अरथ	áλ
बरवाना ग ६३ च ३३५ स १८०		
नामार म १२४	परित्राक्ताव २१	!
नसम्बद्धाः सः १५४ वः १५७ वः	स्य कल्ट्स प्रकृ	

परिचय	rç <b>राज</b>
परिचय सार ९, चार ३ व्या ११४	परिवीसन सा २५६
म ११६, म ११७ म ८५१	परिधम 🗑 २८७
परिचय करना च ११	परिषमी स २८८
परिचय पाना च ११	परिषद् च २२३ व ३३६ व ३६६
परिचर्याक २६, झा ५४९	परिकार क ६२७
परिचायक वा १२	परिवार्थ क ३५३
परिचारक म ३८३	परी क २४७
परिचारिका य ३८४	परीक्षक वा २५२
परियाजक साह्य	परीक्षण का २५ का २५४ का १६२
परिचित्र व १ ५ व १११	परीकाचा २५ वा १६२
परिचित्त होना च ११	परीक्षा करवाना च २५५
परिच्छेद स २९९, क २६६	परीसापण च २६६
परिवास व १५	परीसार्वी अर २५३
परिचय ग १५१	परीक्षा केना क २५४
परिणय करता झ २४	परीक्षित क ४२२, <b>व</b> २५१ व १८४
परिचाम स ६८९	परीसान व १६
परिणामतः च १ ६	परीयान करना च ५५
परिनामदसी व ७२७	परीचानी च १६
परिस्थाग च १८	पहच व २४
परित्यास्य अ १९	पक्ष्यता च २१
परिवास के २१८ के २३६ के २७१	परमत्त्र व २१
पर्यिष इ.२१८, इ.२१६, च.८	पस्या भारतके चर्च
परिपक्त स ९१	वरेई व ६६४ व ६६१
परिपाटी व ९५२, झ १६१	परेटा क १११
परिवासक क ५५८	परेवा ग ६३३ व ६६
परिमक्त का २८७	परेतान म १३ व १३६
परिमाण व ९५८	परेतानी च १६, च १३०
पर्तित स ५७२ व ४२	पद्ध इ. ११
परिवास ९५ स १५६	पर्ये छ १८४
परिवर्तन स ६	गरीय ज ८२७
परिवार न २४६ स ३ ॥ १ वरिवेश च ८	परोग्न स १६१
परिवेश च ≧	वरोरा थ १७५
41444 <b>4</b> E	नरीय क ११२

ordelt 855 बसीता पहेंटी व ६७ पक्षांदना म रोग्ध पक्षोचना 🖩 २४७ वर्षास २६६ पर्याच क १६४ क २१५ क २२५ प्रस्तव व २१ घ २२. घ २३ च ३१३ # 28¢ # \$\$¥ वर्ष म ७२ इ १९ प्रसाड ५४९, च १६५ पर्वकृष्टी च १४२ प्रमुक्त १३४ के १११ के ३१३ के ६१६ पर्वसाका च १४२ क २६३ थ ७१३ पर्यंत # १९९ पदनकुमार क ३८ क ४२५ पर्यटक च १८६ पदनसूत क ३८० क ४२५ पर्यटन व ६८७ प्रमाण कर्ष के का देश के देश पर्याप्त होना च ९१६ पवित्र क १६५ क २८८, म. ११६ च परेक ६ म ६८ करर कररू २६२ च ४२६, च ४५० छ१५७ छ # 2 8 PYL & YEX & 4XE पर्वंत च २४८ वित्रता च ४१५ व च ५४४ पवित्र स्वान क ५४ पर्लंग इ. ४१९ मञ्रू कट रहे कर २ ७ य ४३० बल न २२. य ९१ छ १२३. छ १२४ पर्काय ११२ प्रमुपित क १६५ क ६११ पलक म २२ छ १२४ नशुपविनाच क ५८ पक्रक मारताच ७५५ वद्योपेस व २३१ पकटन व ३५९, व ९२५ वरण क १७४ क १९३ प्रकटना व ६७५ स ४ १ स ४ २ परकावाप झ ६४८ पसटिनिया च १६५ वस्त्रात् च ८२, छ १९३ पलका क्र ५४% विविध के कहा के किए के ८२ बलनास २ १ वस्य ग ३७ TEU F 485 वस्मीमा 🛊 २२६ पमस्तर च १७ वसंघा व ९६० मका म २८१ इ ५४९ यसंद पा ४०१ वा १२३ म पतानी च १६८ यस सा ५२७ वसायक च करेर वक्ता व ८६५ पलायन करना वा ७४४ पद्माना स ७२ प्रकाश क १४८, व धर पनारता च ८६३, व ८७ पतीता इस्टिस पधीवना व २५ श १४६ THE E YES वतीना ग १२१

पस्त	R6d	वाक्स्सीवर्ग
पस्त व ७५३	पहुलाई स ८४	
पस्तहिम्मत झ २७४	पहुरा स २८३	
पहचनवाना च ११५	पहेकी वा २७	
पहचान का ४४ वा ११४	पश्चिम ५१९	
पहचानना च ११	पाची य ५९८, व ६७	
पहनना स ७६ स ८	पश्चिम ३८४	
पहनाबा अ २३६, श ७९	गांच स ५९६	
पहर कर कर २८	पांचमन्य क ११८, इ. ३	11
पहरा च १६२	पांचर्या व ५९७	
पहरादैना झ २ ५	पांचाची क ४१८, <b>व</b> १९	
महरबा ख १७२	पॉक्ट व ६३३	
पहरेबार का ३७२	पांचय का ४१२ आ ५९६ र	ra
महरेवारी स १९८	पांडवनीता क ५८२	
पहरेदायै करना 🖝 २ 🥞	पांडुक ४२ सः ५१% म	44 814
पहिच्याम रा ४ ९	पांबुद्धा 🕶 ३९	
पहला स ५७८	पांबुर का २८ का ३७ म	44 A.a.
पहके क १७२ क १९४ वा ८२७	म १६७	
पहाड़ च २४८	पश्चिम श्र ५१६	
पश्चाकी च २४८	पां <b>बृक्षिपि च</b> २९% स १८०	i
पक्षिणान वे 'परिचय'	पांके च २८९	
पहिचाना ज १ ५	पाच्छेय व २८९	
पहिली क ९७	पांठ स 🤻	,
पहिनना स ८	पांती व ९२४ व ९२५ स	£63,
पहिनामा क २३६	पांच व ८६ भ ९७७	
पश्चित के रेक्ट से क्र्	वांबका क २९४	
पहिचना क २१६	पांच पड़ना स २४८	
पहिकास ५७८ प्रदेश व ७४२	पश्चिम १५८ म १८६ ह ५।	14 4 14
पहुंचाय <b>१</b>	पश्चिम व ५४२	
पहुँचाना झ १९२	पाउडर वा ५५१, इ. १२२	
पहुंचामा श्र ३५५	पार्रिशम व ८, च ९	
allel to say to sade	पाकाग ४२२ स ६ ५ पाक-काग ६७	
पहुना म ३७८	पाक्कामिनी सः ५	
-	-	

पाकर	४२१	यान
पाकर म ६७	पाठा ।	# Y <b>9</b> 6
पाकशास्त्र च १९८	पाठीव	ग ५८७
पाइदासन क २२५	पाठाप	च १७७
पाकस्पती च १९८	पाका प	ष १३७
पाका 🕊 ४७७	पाका	न १९७ च १३७ च ४९८
पाकेट क ४९६		क वेश सा ५८२, य ५९
पाक्षिक या २९१	पाणिप	ह्य ग १५१
पार्वाड च ३ ८	पाणिक	ह्य करना श २४
पार्वाडी व ३ ९	पाल प	178
पाचा 📽 ८६	<u> থাবক</u>	यश्थ प्रकृष
पासर म ६७	पातक	(भ ३१६, ज ३ ६
पाकासाय ११५ च १		मी च २७९
पासाना होना स ११६	পারবা	हि ब्ह १४९
पाम क १८४ क २३८	पान ह	नाव ७८, व ८११
पापल व ३३५ व ३४	व ३६४ पातास	क्त रहर क हरू क रहरू
पामसपन व ३३७ व	8x5 m 546 = 10 s	१७ च २५१
पानक होना च ३१८	पत्ती ।	भ ५१
पाचक ग ४ २	माम व	र १५ व २१ क ८२ इ.४२७
शका य ५५	पृथ् ।	<b>८९५ क ३११ क ३१३ च ३</b>
पावाना कर्द्र	₹ 5	१४१ च २६२ च २६३, च २६४
पाजीयन ज २६९	य ६	\$2
पाडीपना ज २६९		£ አጽብ ፈ ሪአብ
पानेब के १३५ के ११		नं च २६४
पाट म १२७ म १२८	पाय व	१६७ स २९% स्राप्तास स ५९%
पाटन च १६८		६, वा ६५
पाटल घ ४४२		AR 560 R 566
पाटलीपुत्र च ११८		# 448
पाटव क ५४७	पारप	
नाटी व ३११ ह ५ पाटीर च १ २		में व इंदर
पाठल १७४ च २९	_	लक साथ १
बाटगाना स २७४ व		क्रिक इ.२९९
काटन स २५७		¥ 66
	314.5	126 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2

पस्त	<b>¥</b> 9२	गहमासिके
पस्त व ७५३	पहुनाई <b>स</b> ८४	
पस्त्रहिम्मत स २७४	पहुरास २८३	
पहचनवाना च ११५	पहे <b>जी</b> स. २७	
पहचान का ४४ वा ११४	पांच न ५९९	
पहचानता च ११	पांसी ग ५९८ व ६७	
पहलना श ७६, स ८	पांसूरी न १८४	
पहताबा क्र २३६, छ ७९	पांच स ५९६	
पहर च १ च १२८	पश्चिम्य क १६८, क ११	1
पहरा च १६२	पांचवां च ५९७	•
पहरादेगाझ २ ५	पांचासी क ४१८ वा १९४	
पहरका स ३७२	पॉक्ट न ६३३	
पहरेबार वा ३७२	गांवसक ४१२ च ५९६ म	4
पहरेरारी श्र १९८	पांडवयीता क ५८२	
पहरेदारी करना झ २ ५	पोद्रकथर च ५१६,ग ६	<b>4 414</b>
पहलवान व ४ ९	परिवास ३९	
पहला क ५७८	पांदुर च २८, च ३७ ग	द्भ ४ करू
पहले क १७२ क १९४ व ८२७	W 240	
महाकृष २४८	पविद्याग वा ५११	
पहाड़ी च २४८	पांड्बिपि वा २९५, स १८६	
पहिचान है 'परिचय'	पांडे व २८९	
पहिचानाचा १ ५	पाम्बेब य २८९	
पहिंची क ९७	पांत व १	
पहिनना झ ८	पांती ज ९२४ व ९२५ व	sta
पहिलामा क २१६	पांच य ८६, व्य ६७७	
पहिरम इ. २७१ श ७९	नावड़ा क्ष २९४	
पहिरामा ४ २६६ परिना स ५७८	पांच पहला स १४८	11
पहुँच व ४४२	नांसुय १५८, व १८६ इ ५३	1 4 10
बहुँचा स ६	पांत्र व ५४९	
पहुँबाना स १५२	नाउहर न ५५१ में वेरर	
पटुंचाया ॥ १५५	पार्वागय ८, प ९	
बहुबी हा १३४ हा १५१	याक्य ४२२, <b>व ६ ५</b> पावड्र च ६७	
पटुना व ३७८	पारपानियों सं ५	

**838** पान पाषर पाकर व ६७ 91ठा च ४९८ पाक्यांचा भ १९८ पाठीन न ५८७ पाकसासन क २२५ বাতম বা ইখড पाकस्वकी च १९८ पादा च १३७ पाता म १९७ च १३७ च ४९८ पाका च ४७७ पाणिक ३४ व ५८२, ११ ५९ पाकेट इ. ४९६ वाणिपद्रम व १५१ पाधिक स २९१ वाचित्रहर करना श २४ पासब क ३ ८ पासंबी का ३ ९ पात व २१ पास क ८६ पालकपश्४ का इ.४ पातकी च ३१५, च ३ ६ पासर प ६७ पात्रयोगी व २७९ पाकाना ग ११५, च १५२ দালঘার 🖷 ३४९ पासाना होना ग ११६ पात होना ज ७ ८ ज ८११ पाग क १८४ क २३८ पाताक क १३१ क १३५ क १३६ पागस च ३३५ च ३४ च ३६४ मानाबापन ज ३३७ व ३४१ व ३६६ क ११७ च २५१ भागस होना ज ३३८ पाती च २१ पायक न ४ २ पाववादि पर्व कटर, कप्रदेश पाय के २९७ के १११ के १११ के ३ पाछा न ५५ पानामा क २६४ बरभर बरहर, बरहर बरहर पाडीपन व २६ ज ६९३ पाबीपना व २६९ वाबर इ. ४७%, च. २४७ पानेव ह ३३५ इ १६२ पायोगि व २६४ पार क १६% व १९% ब्यू५०४ व्य ५९% पाट च १२७ म १२८ पाटन च १६८ म ८६, वर ६५ बाटस ब ४४२ बारबार इ २९७, इ २९९ पाटसीपुत च ११८ पारना ज ६५१ पारब क ५४७ पारप व २ पाटी थ ३११ ह ५ ७ नारधाह श ३४९ पाटीर च १ २ पानकृतक स २ ३ पाठ स १७४ स २९९ पार्वा क १९७ क २९९ पाठवाना स २७४ च १९९ शाबा क ८८ बानमस्टङ्कर इत्तर हरू भारत स २५७ 15

पान करना	RAR BANK
पान करना स १२६	पार्टी स ११६
पान सुर्वी क १८९	यार्थं क प्रश्च वा १४९, व ८६
पाना म १८६ स ११७ स ३ ७ स ३५	_
पानी च २६२, छ २२९, छ २४५	वार्विक सा १४९, वा २९२
पानी छतरना च ५ ३	पार्वती क १८% कर २ ह व ११%
पानी कतारना वा ३४६	म १६२
पानीबार # २८८	पार्वेदीय च १५९
पाप वा वे ४ वा वेश वा ४१% जा २२	पार्ख्य ए १०४ वर्दर म १७६
पापाचारी व ३ ६	वार्स्थनाय क ४८२
पापकृष्ट १२ ४ १२१	वार्यंब 🖝 ३५७
गापनाक्षक क १६५	पास स १३, स १८२
पापी क ११% व १ % व ११८	पाकक व २५% स २५% व ११%
पार्वराज क २९४	स १९६
<b>पाय ग ८६ इ</b> . ५ ४	पाककी म ३२७ म ४६८ क ३९७
पासका स ३८३	पासन क १३६, श ३५८
पायणामा क २६४ क २७७	पा <b>जन करना च १</b> २२
पासमा अ: ११५	पासन करने बाका ग १७५
पासस क १२३	पा <del>वन-गोवन क</del> १३६
पाबा म ५५१	पासम-पोषण करना म २ °
पारंगत च १११	पासना क १३% क ५ % व ६१%
मार व ४५९ इन् ४	श्चा २
पार करता व ६८६, व ७३९, श २३६	
पारणी चार५२	पाका-पोसा चाना स २ १
पारण अ २३९	पाकिटिक्स च ११९
पारसी 🖛 🤻	गामिन होना स २ १
मारा च ४५९	वासी ग ५०४ अ १२
पाराबत में ५२४ ग ६३३ ग ६६	या सेना शा ११७
पाराबार च २६४	पाम का ५७४ का १९५ पामक का २८९, का २९७ का ११८ छा २१६
पारिजात क २४१ व ४१७	तानम क १३४ क ३१८ क स्रोत
पारितौषिक स १८४	सार ह जा प्रश्ने का भूप है जा है।
पारियमिक स ३९४	
पारियर का १८ चा १६६) सा १५६ पार्क का ८	ला है है। पायनधाल प्रदेश में व्यव्पेट
11770	district a cross of

पावना १	र२५ पि <b>धृ</b> बता
पादना स ३ ४	पिछीरी इ. १७४
पावसगी करता व १६७	पिटक व ५९६ स ५२२, इ ४६९
पावस छ ७२	पिटाई ॥ २८
पावा क्र ५ ४	पिटाई करना स २८१
पाग क २९१	पिटारी व ५५१
पार्पित क ११ क ५५८	पिक्ट क ५ ६
पायाच च २४७ छ २६१	पितर य १६६ च ३७
पालंग च ९६	पिता ग १७४
पान व ९७६	विवासह क १२३ क १६५ क ४६४
पासा छ ३७४	क ५७८ व १६२
पासी व २९९	विचल ४४२, ल ४४४ व १२४ व ४५१
पाहन च २४७	वित्तपायका थ १८६
पाट्टम भ २ ३	पिती स ४५६
पाहुना य २६६ न ३७८	पितृ ग १६६, च ३७
पाटुनी स ८४	विनुष्य य १८% य १८७
पाहर हा २८२ झ २८३	पिश्र म १७४
पिनस ३७ य ५३२ य ४५४ य ४७३	पिनाकक १७६ च ४६१ इ.४.९
पियतक देश साहक संभूश्य सभूत्र	तिमाणी क १६५ क १६८
म ६५२ च ४५४ स १३२	रियामा झ १२२
तियम मीता क ५८२	विरामु झः १२१
पियमान १६३	रिगोणिश्य य ५४२
विकर सार्थं साहर, बाहर र मा४७३	पियस च २६२
स्विय १२, य १४ व ४७५	रियमान क ५५३
रिद्याम १२ इ.२१५	तिय व २२४
रिक्या इ १६८	नियसई म १
रिंदी च ६८ इ २१५	रिया म २२४
रिक य ६१३	रियात च ३६६
विष्णान हे ४७२	विदाश ४ ४४३
रियमना स १ ० श १४६	वियान स १२२
रियरताच ≛ा १३२	रिनर्दे ग ५४८
रिश्ता म १२८	रियाचन २ ३ क ३५ व १०३
रिक्षणा व १८१	सिम्बर्भरः व रुप्त च १६३
विद्योरमा व ५५४	सिप्तता व १६४

पिक्ता 854 पिस्ता क ३६ पीनस 🖩 ४७५ पिसान इ ६५ पीना क एर्थ, स १९३ पिस्ता च वृङ् पीप सा ५१७ पिस्सू न ५४८ पीपक न ६६, न १८८ पीकाग १२२ पीव शा ५२७ पौकरात क ४७२ पीय म २२४ पीकमा च ६४७ पीयूप क १४२, क १५५ पीछा ग ५५ पीरक ११ वा ५ पीका करना व ६७४ पीय व १७ व ५ पीछे छ १९३ म ८२७ पीस व ४३५ पीडे चलना झ २४५ पीलबाना च १८७ पीके हटाना क २९१ क २९२ पीलवान व ४१ पीटना ग १५६ का २२५ का २८१ पीला बा ३७ बा ३८ व ११२ व ४०२ पीठकट क ३१४ न ५५ क ५ ६ पीकाचंद्रत व १६१ पीठ ठॉकना स 😮 🏮 पीकापन स १९ पीठमबं न ३९८ पीकिया का ५१३ पौठिकाक १७ इ.५.९ **पीव व** ए२४ पीठी 🛊 🖢 पीवर का ४३%, वा ४९८ पीड़क ज ५४ पीपरता व ५ पीड़ा क इरद ख ४८४ स ५ पीसना 🕊 ५५२ पीड़ा देना झ ३७७ पीइर २३४ पीड़ित क ५४%, व ५२ पुंसम ग ४८३ पीक्रा क ५ ६ पुर्गायक क्र १९२ पौड़ी हिंद् ५ स पुनरीक क १११ न ४५४ व ४९७ पीत बा ३७ म ४७३ म ४९२ स १४३ म २३ - म ३८८ म ३६६ पीत कमळ च १९६ A RAR & CC पीतचंदन व ११३ व ११३ पुंचरीकास क १३४ पीतवा स ३९ पुरवजी स ६६ पीवल व ४५४ पुरंस च व पीतांबर क १३४ क ३९९ पुस्तव व २२१ पीताम च १६१ पुसल्बाहीन वा २२ पीत च ४९८, स ३६ पुस्तवन क ९८ पीनता व ५ पुकार व ८९९

दुब्दला	χźω	<b>पु</b> रशरणी
पुरारमा च ६ •	पुरत्नार व १४२ म २८४	
पुलराज म ४ २	पुरायक वर्ष क १६५ क ५	まん 本 427
पुचनारना व १३९, व १५१	स २३० म ११ ,. य ६२३	!
नुष्य व ४३४	<b>पुराग</b> ीनी स २ ६	
<b>पु</b> तार स ६	पुरातक १३४ छ १७६	
पुत्राधिक १५ क ३०	पुराजना 🗷 १७६	
पुर्वेया शरना क २७	पुराना छ १०४	
पुटच १०० च २२ : ह २०१	पुरानातन छ १७६	
पुन्न का ११ जा जा ३ व व ४१४	पुर्वार वा १६५	
पुच्यवृत्रि च १ ८	ुरुवाद ३ व ११६ व ११	<b>५ च २३१</b>
पुन्यसान व ४६	पुरीय ग ११% च २६२	
मुख्यानीर के १३ के १३४ के ४१४	पुष्ट करें	
कुमनी स २१ ड ३७६	चुरव क १६% क २०७ स ३	। स.चु६
बुमानिया य २१ व ३३६	य १२४ च १६४	
<b>पु</b> ष व २५ व ६२२	पुरत्त्व व १२१	
<b>पुत्रवर्</b> ग स <b>२३३</b>	पुरचार्य व २ ९	
पु <sup>र्</sup> तवा र १०६	पुरस्तिवन ११२ व १३४	इ.१००
पुनेर्पण यह व ८३	पुण्यसम्बद्धस्य ५ ५	
दु <sup>र्</sup> ना च १८	पूर्णसाम हा १५३	
पुरुष १ असर ११ छ १ ३	बुर्गेरिय व ८८	
पुरुषेव र ३५	पुर्वत्र थ १६	
नुस्तु का ११४ का १९% व १० व	•	
दुनिक १११	पुल्य न ४१ म ४८	
नुष क ११ म	र्वेभाव व ११० व ०३८।	4 25
पूरण्य । स १ २	पूर्वर र ०	
dict a fin a sid	पूरियाय स्थाप व	
diatoral aftent		
4 (4	Trees HA	
दुरसम्बद्धाः दुरमानस्य	Trans.	4
4 44 4 11 4 16 5	Tana et a fis a i	
ALLIGATED A SES A SE	<i>न्यस</i> ्थक्त कर्	
Strang & des	प्रयासीय र ⇒य प्रश	

पुष्पत्त व १९५ व ३४६ व ४४८३ पूर्व २५० व ४९४ च ४१४ च ५४१ ምጃጣ ሲሄን መጽሳሪ ክንዩ ክሄ পুৰবা ৰ ২১৮ ব্ৰুবন্য ল ৭ प्राताचा वे५९, ल ५३६ च १९३ प्र २६ क्षिक्र २ पुनरे च ११ पुणन १२८, च ६८, च ६८१ च २७ पुरुष २८० 4 34 प्रापाण १६४ छ २४५ पुणार विमान हा ३७९ प्ररम य १५५ पुष्पमुष्ठ च १८७ परनमानी छ ११ पुणस्य च १८५ पूरना व ६७ नुगराटिका घ ९ पुरव प ८३ पुणित व ३८१ प्रत न १३७ व ८०५ व ८०५ पुणित होता स १६८ प्रयास्तावटश्वाधक पुरतक स २९६ प्रसायका अ ५१६ पुरतराज्य च २११ इचहोना व ६५६ व ८२१ व ९१६ पुल्लिका व्य २९६ तर ३ २ प १४७ पुहुष च १८१ पूर्व कर ९ र्युष स ४३४ पूर्व क १६४ क १ % च २६२ व ८ % पेनीस १८ स १८१ म ८७१ प्रवा ११९ पूर्व करता व ८१ प्रगाम १९२ व ९२४ पूर्णक वार १६ पुष्य ११८, व ११६ पूर्णमांची छ ११ पुछ्वाछ व ११९ पूर्णकपेण व १ १६ प्रधनाय १९ पूर्व होता व ३७ व ६५५, व ८२१ पूजन क २६ व १४२ पुलिया छ ११ छ ११५ पुननाक २७ व ३४३ पूर्व क १९, च ७६, च ७६, च ८१ पूजनीय क २६ व्य १५४ R SAR पूनाक २६ व १४२ पूर्वहरत क २९७ पुत्रा करना क २७ पूर्वजय १६ व २१८, श ५ पुनित क २८, व १४४ पूर्वजन्मा न ११८ पुरुष क २९, व १५४ ज ४४ पूर्वपुरम स ५ पूज्यतीय कर ९ व ३५४ पूर्वा च ८३ पुण्यपाव व १५४ पूर्वाल्डक १२९, क १३ क १३२ प्री\_कर ५ करर कररर पूर्वाप्रसगुनी भ २७ च १८

¥76

वृष्टियपुरी

3प्तन

पूर्वानाप्रपरा	४२९	वैठा हुमा
पूर्वामाक्रपदा च २७ च ५३	पेट रहना ग १४१	
पूर्वाचाह च २७ च ४७	वेदारी इ. ४८४	
पूर्वोक्त च ६१९	वेटी ग ५३ क ३६५ क ४८६	
पूला ज १२४ ज १२९	वेटीकोट छ २७५	
पूर्व ६४ छ १० छ ५७	वैद्या च २८६ ४ १८५	
पूरम क २९३	वेड्य २ च ५	
पूरा थ २१५ कर ७ क १ % व ५		
<b>च</b> र	पेड़ लगता स ३१७	
नुष छ ५० छ ०६ छ ८१	वेरी च १४	
पूर्वा म ८५५, म ७०	नेषु संपष्ट सं ७० सं ११६	
पूचर करना व १८२, व ८५३ व ९०		
पुषरता भ ८५६	े पेरस्य २ ७ स २६६ स ३	28
पूचक होता व ८५४ व ॰	वेममा च ७४१	
पुत्रा व ४११	नेग च ४४८	
पृथिकी स २३३ च	वेदवाई च ६६८	
बुद्र स्टार क १५४ क १६५ क ३१।		
च ४३५	रैपास र र	
बुबुलाय स ४१८	नेमानी य १६	
वृदयाना ॥ ५	नेप्यास मा ११७	
कृष्णी स ५३३ इ.४८, इ.८६ स १	नेगाय सम्बाध ११८	
मृत्योगत च १ ६	रेगी य ६ व	
कुरा म ३०४ म ५५	नेरार छ १७२	
वेच प्रदेश व्यवस्थ	वेरेन्स व ३३५	
वेदेन्य अ ६५८	देहबर क भूत्र है के भूत्र	
Professor Comments	42 x 244	
र्वेषण झं ८	देश का उत्तर	
रीत्र स ११३	<b>የተ</b> ነዋ የ ካ	
नेतरी च १४६	रेग्ग ए अध्य ए अध्य	
रेजग ४ का १	देशका इ. ३६४	
रेश भाग र	र्रम सार अध्य	
t-4+1 x (() x 1x	EMENICE HE	
रेट बन्नान ११६	G-man 28 2-2-6	
रेट च ना च १४	for service	

पैबल फीन का ३६१ F 161 पैरा स ३६८ स ८१८ पोतक ग ४२२ व ६ ५ पैराइस ज १७४ पोतकी ग २५८ पैदा करता च ३८४ म १४६ पोर्त्त वेना व ९४३ पैवाबार व २२४ पोतका क ११% क ११४ पैदा होना म १४५ व ८१७ योठा क ३१३ य ८१ व २५७ पैना स २६६ पोती व २५८ **पैना करना स** २६७ पोवाक २९६ पैमाइल अ ९६२ पोबी स २९५, च २९६ पैमाना च ६४५, च ९६१ पोबीमा व १८९ वैद व ८६. व १३८ योगपंची क १२, क १४ पैरगाड़ी के ३८६ योगका चा ५२४ चार्ट ६ पैर इता व १६७ पोपलीकाक १२

पैरला स ४१८ स ४२ पीय च ४३५ पैर भारी होना व १४१ धोर व ६८ वैरी क क्ष्म, क क्ष्म पीस च ९३१ पैसामा३८ सा४८ सा४२६ पोक्रदिकक का १११ पैसाना च ७४१ पोकाष ८ ६ पीकियाता च ६७४ पोकान क ९४ मॉनड व ५३६ पोबान ५६१ पॉक म ४३४ पोक्षाक क २३६ स ४९ पींक्रना व १५२ पीपण क १३६ पौक्रियामा भ ६७४ पोपन करना स २ पौँटाम १२३ पोषण पाना अस्त १ पीमा प ५६१ न ६ ५ गोपणीय क १३७ पोकाय ६७ पोषित होना स २ १ पोलस च ३११ पोप्य क १३७

पोक्यक व ४५२ योध्यपुत्र व २५५ 🖫 २५६ पोचरी च ११८ पौसनास २ गोष म ४२९ पोत्त पाना स २ १

चौर	cent	Ais		प्रचंदता
थोर	क्तारं ग ११६		प्यार व १४५	
योग	धीर ग १०६		प्यार करना न १३९, व १५१	
dle	ता च १९१ क १०१		प्यार करने वाला च १५३	
क्ट	ता व ८६४		प्याग न २६६, य ३९ ज १५	14
पीड़	र म ५४९		प्यारी थ २६७ व १५६	
पीर	ार ≡ ४२१		प्ताम झ १२२	
धीर	नास ४२		प्यामा ॥ १२१	
म्/ीम	ति व १९०		व्याता इ. ४४३	
<b>e</b> ft	त्र म ११		प्तवी इ.४४३	
প্রা	ताय वर्षे ये वर्ष		प्रदेश वास्ता च ४९९	
पी	हिना व ७६६		प्रकृत होना क १५६	
यी	इ.स. ४१९ मा न १५७		बररव न १३५ व २१५	
पौ	री ग २५८		बल्दीता १४१ मा १४३	
শী	चा च ५		वेचार स <b>ं</b> ३	
40	न का प्रदेश के प्रभूति के भूत्रक व	1	यशाम व पर्दः, व १ । च २८३	# C12
	म ७ स २६३		धरागक सः १९५	
	ता इ. ४१३		बसायमा व ८६३	
	नार च ३८		वंबाल्डीर व १७६	
	ती ह ४३३		ब्रह्मान क हैं।	
	रे ल ५३६		द्ववास्थात व १४	
	पत्र ११६ व ११६ म ५६१		ब्रह्मान सं ५८५ हा ५५२	
	THE W YES		प्रकार म ह	
	पित्य के भद्र के वस्त्		Majoria & C	
	Me 4. 163		बर्गांद्र वर्ष्ट्र	
	ής το μ 1		Eline and a 44	
	* * # 1c		which is it is	
	(पंडणी च ११ रेश म ५३४		Zanki 4. 6. 6	
	Printer			
	dat & fee		Autom at \$65	
	प्लाह क हैरे		ब्रान्ड क ५६४ व्याप्त क १५	
	are at a		TTERTORINE TY	
	TT # 111 # 115, # 1ct		इंदरण व 1 ।	
	***************************************		*** / * **	

वालया प्रविद्ध करना XXX प्रसुत ज्वर सं ४९३ प्रकिष्ट करना ज ७४१ प्रवील व ३६७ प्रसूताम ४२१ स ५४ प्रवृत्ति च १२३ व प्रसुन च ३८१ क ८८ प्रवेश ज ७४२ प्रस्तार च २४७ प्रस्तावना 🕊 १९८ प्रवेश करना च ६६ प्रस्तुत व ३७४ व ३७६ स २५७ मनेश्व कराना च ७४ वा ७४१ प्रस्वात स १६४ व ६६७ प्रवेश पाना च ७४ प्रचंत्रक क ९५ प्रस्थान करना व ११५ प्रमंतरीय अ ३५८ प्रस्वेद ग १२१ प्रहर चर् ६ च १ च १२८ प्रशंसा क ४५, थ ३५५ प्रश्नीस करना व ३५९ प्रहरी स ३७२ प्रकृतित च १९ प्रसस्त च ९६ प्रसस्ति व १७६ व ३५५ प्रदूषन का १३% मा ३७२ मस्त क ५५८ क ५५९ स २६५ ज ११९ प्रहार भ २८ प्रहेकिका सा∜ु चा२७ प्रस्तरम स २६६ प्रसंव क २८७ छ १ व ६२१ प्रकार व ४५ प्रसंब करना क २८६ प्रांगय च १४५ प्रवस अर १९ प्रान्त च १ ६ प्रसम करना व ४३, स २४८ प्राकाम्य क २६४ प्रसम्बद्ध व ४७ प्राकृत स २१८, व ३८५ प्रसम्रताच ४५ प्राष्ट्रतिक व ३८५ प्राइतिक विकित्सा स ४३१ प्रसप्त होता ज ४१ ज ३७ ज ६४९ प्रसम्बद्धाः सर्थे सर्थे सर्थे सर्थे धारकवर रा २ ८ प्रानैतिहासिक श ३२२ श ५३ प्रमत्ति होना व ८६५ भाषी च ८३ प्राचीन व ११९, छ १७४ प्रमेव करना ग १४६ प्राचीनमा छ १५६ प्रवाद ग १९१ रा १९२ ४ ८२ मनान पाना स ११७ प्राचीर च १३%, च १५ च १४९ माध्य छ १७४ मवाभिशा य २६८ बालकररहे के वर्ट के व्हेट की है प्रमार व ५७४ प्रशिद्ध सं ३४८ स ३५१ स ५ ६ म १२४ ब्रायप्याग च १५५ प्रमुप्त म ७५ प्राणपारी व १५१ प्रमुख में १४४ में ८१८

प्राचिप्रय	४३५ प्रोक्टेतर
प्राचप्रिय ग २२४	प्रियंपु क १५२, स ४४
प्राण बचाना श २३१	प्रियम २२४ च ४ १ ज १५५ ज ४६३
प्राम केना भ २१८	त्रियतम स २२४ ज १५५
प्राचनायुष्ट २६४	शियतमा च २६७ <b>ज १५६</b>
प्रामात य १५४	प्रियदर्गी ज ४६३
प्रागांत करना स २१८	प्रियभाषी थ ६३६
प्राचान्त होता य १५५	जियबर च १५५
प्राणाचार ग ३२४	निया ग २२५ ग २६७ व ४ १ च १५६
प्राची स १ ग ६ ग ४३	मीतम ग २२४ ज १५५
प्राचेश व २२४	मीतमा क १५६
प्राप्त छ १३९	मीति क २८% क १ % ज १४५
प्राक्तिरदिक क ३११	प्रेषायुद्ध रा १६६
प्राथमिक छ १७८	मेंच क १५
प्रादुर्माय के ८३ के ८१२	वितिनी क <b>१५</b> २
মাত্র ল খং	प्रेम व १४% व १४३ व १५१ व १५७
प्राप्त करना व १८६ स ३५०	प्रेम करता ज ११९
प्राप्ति क २६४	प्रेमनाम पा १४५
प्राया छ १९८ ज १ ९	प्रेमासियम् अ १५
प्रारम व ८१२	प्रैमिका च २६७
प्रारम्भ करना च ८१४	प्रेमी स २६६
ब्रास्टिक छ १७८	प्रेममी म २९७ १५६
प्रारक्य च ४५७	प्रेरक व २१८
प्रारम्पद्दीत व ४६६	प्रैरणाव ४ व २१६
प्रार्थना व ४५ क ५ क १७६	प्रेरणा देना व २१०
व्याचेता गरमा स २४८	प्रेरित करना थ ११३
प्रार्थेतानाथ स २५	हेन म १८६
प्राचित्र स २५२	प्रेमिटिया ११५
प्राप्ती स २५१	प्री <sup>निक</sup> स क ५ १
a.v.c. a. 4" a. 5(+	श्रीमार्ष व २१८
प्रमुख च वरे	क्रीमार्ग व ५१६
प्राप्तिक स्व १४	भैजिट्डि बरना च २१०
क्रमात्र १९, च १७१ जिल्ला म २०६	भेगारर न १८
641 415 TE T # # # #	क्रीनेगर वा २४१

प्रचार करना च ८६३ च ९५५ प्रवान ग १४४ स ५३ प्रवास १७८, म २४६ মৰতেৰ ভাইখ

प्रमापित क १२३ क २९७ क ३१७ # 405 A 508

प्रवापकी संपर प्रज्ञा के १७

प्रकास १३ स १३२

प्रज्वलिय स १८ प्रज्वस्थित करतास १ ३

प्रवास १९७ स ४२७

प्रच करेना स ४२८ प्रवत व ७८ प्रशास मा ९, व्ह १४%

प्रकारी ए २२४ वा १५३ प्रजब के ११२

प्रधास व १६६ प्रधास करता व १६७ प्रचाकी स २ २, ज १५२, श ३७

प्रचेता व ८१६ प्रकारी स १७२ प्रताप म १ म २७३ स १७१

प्रतादित स २७९ प्रवास्थ स २ ६

प्रतिकार सा २६७ प्रतिकृत व १८५ व २८६ व ४२१

प्रतिकृतता व २७६ व २८६ प्रतिकास ४२ स ४२३

प्रतिका करना श ४१८ प्रतिमापत्र स १८९ प्रतिबिंग छ १३८ प्रतिप्रदिता स २६१

प्रतिपन्नी ग २७% स ३६% व २८२ प्रतिपदा क ४९१ # ९५ प्रतिपाक्षक व ७८९

प्रतिपालन भ ६२२ अतिकास क ७७८, म ४८६ प्रतिशस्त्र क्यामा च ७८८

प्रतिवसी व २८४

प्रतिबिंग क २२, क २९७ प्रतिभाग १३२ मतिम् स १८७ प्रतिम व ४२९ प्रतिमाक २२

प्रतिमानार भा र मितमिति क २२ मितिबाद बा २६९ प्रतिवादी य १६९, व २८४ मविषय स ६३

प्रतिष्ठाक २३ वा ३४२ मतिष्ठा वेगा व १४३ प्रतिपद्धन क २३ प्रतिप्ठापना का २३ प्रतीक न ११

मतीसा व ४५४

प्रदर्शक व्य ७३४

अतीक्षा करना व ४५३ मतीसाक्य च २१ प्रतीची च ८२ प्रतीति व २५३ प्रत्येवा इ. ४१

प्रत्यक्ष करना व ७२३ भवा व १५२ मद वा २१ महर स ५३३ म ५३४

प्रत्यय	भा	য়ৰিত
मत्ययं सं १९२	प्रमाती क ५५९	
प्रत्याचा वा १४४	प्रमाय व २४९	
प्रत्यकर ६ छ १४१	प्रमावसाली सं १७२	
प्रदर्शनीय ७१ व ७३१	अनुक्त ११२ क १६६ क २	२६ स <b>१</b> ४९,
মহতির জ ৩३५	स ४०५ झ म ३८० ४	xye
प्रकार सं ५७८ छ १९४ व ८१२	प्रमुका स १४९	
प्रदाता व २ १	प्रमृताई स १४९	
प्रदान व १६५	प्रमुख स १४९	
प्रत्यंत करना क १९९	प्रयाभ स १९२	
प्रतिक इ.स. १८३	प्रमाण देशा झा है ।	173
प्रदेश स १४८ व १ व १ ६	प्रमाचित्र करना श १९३	
प्रशेष व १२६ छ १३१ छ १३६ छ १	४१ प्रमादक ६१	
प्रदुष्ट कर्ष्ट कर्ष	प्रमुख स ३३% व ४ ४	
प्रधान स ३३५	प्रमृद्धित व ५१	
प्रचान मंत्री स्व ३५६	प्रमेह स ४६१ थ १४८	
प्रवासायाग्य स २७६	प्रमोद वा ४५ व ४५	
प्रतिवाद इ	बयल्य सं १४४ वा २८०	
अविनामद् क १२३ व १६१	प्रयास के ५८, व ११६	
बहुम्ल व १८२, य ५१	प्रयाग 🖛 २८७	
प्रयुक्तित करना क ४३	प्रदान स २८३	
प्रकृतिकत होना व ४१	घयोगका ३६	
प्रश्यम १७५ ल २ ७ स १५७	प्रदोजन हा १ ६	
प्रकृषक सं १८४ में १७५	मन्यक्ष १७२ सं २२	
प्रदेश गरना ॥ १५९	प्रतय करना क कि	
प्रश्चमती ल १८५	जनाम च ६११	
प्रवच्यार न १ ३ स २८०	शिमा करता ग १२ अ	रा वदर्
प्रवर्गाम स १०६	य ६२६	
प्रकारना ल २६२	<b>प्रकार क</b> ५३८	
करान व १११ व ११६	मदान चरहे चर्	
क्रावर्ष कर र च र छ		A 33 A A
प्रमाणक अस्तर्भ हा सर्वे संदर्भ		
34. a ft	वेगाँडि वाना क्ष ४६ गाँगर सामा	
	प्रस्ति संकर्ष	

प्रविच्छ करना	४१४ प्राक्यापै
प्रविष्ट करना व्य ७४१	मसूत ज्वर स ४९१
प्रशील व १६७	प्रसूता व ४२१ स ५४
प्रवृत्ति व १२३ श	प्रसूत व १८१ इ.८८
प्रवेख च ७४२	प्रसार च २४७
प्रवेश करना च ६६	मस्यायना व २९८
प्रवेख कराना व ७४   व ७४१	प्रस्तुत व ३७४ च १७६ स २५५
प्रवेख पाना ज ७४	प्रस्थान था १६४ वा ६६७
प्रशंसक क ९५	मस्यान करना व ६६५
मर्मसनीम 🕶 ३५८	प्रस्तेष स १२१
प्रसंसाक ४५८ का १५५	प्रकृत चार् कर् च १२८
प्रथंसा करना क ३५९	महरी सा १७२
प्रसस्त 🔻 ९६	महर्पित च १९
प्रसस्ति वा १७६ वा ३५५	प्रहुतन का १३५ का ३७२
मन्त्र क ५५८, क ५५९, क २६६, क ११९	
प्रकारण च २६६	प्रदेखिता वा ५ वा २७
प्रतंगक २८७ 🖷 १ 🖷 ६२१	স্ত্রাহ জ ১৭
प्रसंग करना क २८६	प्रांत्रण च १४५
मसम व ३९	मान्त प १६
प्रसम्भ करना व ४३ स १४८	माकास्य 🕊 २६४
प्रसम्भवित्त व ४७	माइत व २१८ व ३८५
प्रसन्ताच ४५	माङ्गरिक व १८५
प्रसन्त होना वा ४१ वा ३७ घा ६४९	माङ्गविक विकित्सा स ४१२
मसमय १४४ म २४६ म २४७ म ३८१	शक्कपण स २९८
स ५३	<b>भागैतिहासिक वा १२२</b>
मसरित होना च ८६५	भाषी च ८१
मसम करना ग १४६	प्राचीन का ३१९, का १७४
मसाव सा १९१ सा १९९, इन् ८२	भागीनता 🗰 १७६
मसाय पाना का ११७	प्राचीर च १३९, च १९ च १८९
मसाभिका च २६८	भावत क ६०८
मसार व ५७४	प्राणक १२३ क ३११ क ३१३ क ३१६
प्रसिद्ध व ३४९, व ३५१	च ५९६, स २२४
प्रमुख व ७५९	जाबप्यास्य व १५५
प्रमुत व १४४ च ८१८	प्राण्याची च १५६

प्रावसिय	४३५	प्रोफ्टेसर
प्रामप्रिय व २२४	प्रियंतु इट १५२, स ४४	
प्राच बचाना स २३१	प्रिया २२४ व ४ १ व १५५	WYER.
प्राम केना स २१८	प्रियतम ग २२४ व १५५	
प्राणकायु छ २६४	प्रियतमा य २६७ व्य १५६	
प्राचीत य १५४	प्रियवर्धी च ४६३	
प्राचीत करना स २१८	प्रियमापी च ६६६	
प्राचान्त होना य १५५	<b>प्रियंबर च</b> १५५	
प्राणाचार य २२४	प्रियाण २२%, <b>य २६७ म</b> ४ १	व १५६
प्राणीय १ य ६ न ४३	जीवम व २२४ व १५५	
प्राचेखन २२४	प्रीतमा च १५६	
प्रातः च १३९	प्रीतिक २८% क ३ ९, च १	84
प्राविपदिक क ३११	प्रेसागृह चा १६६	-
সাধ্যক্ত 😻 🖫 🖰	प्रेंत के १५	
प्रादुर्मीय कंट ३ च ८१२	प्रेतिनी का ३५२	
प्राप्त स ४९	त्रेम क १४५, क १४७ क १५६	च १५७
प्राप्त करना ज १८%, श्रा ३५	प्रेम करनाथ १३९	
प्राप्ति क २६४	प्रेमनाच च १४५	
प्रायः छ १९८, व १ ९	प्रेमास्तिगण चा १५	
प्रारंग व ८१२	प्रेमिकाम २६७	
प्रारम्य करना च ८१४	प्रेमीय २६६	
प्रारोभिक छ १७८	प्रेमसीम २६७ १५६	
प्रारम्ब व ४५७	प्रेरक व २१८	
प्रारमहोत म ४६१	प्रेरमा अप्र वर २१६	
प्राचेंना के ४५ के ९५ वे १७६	प्रेरणा देशा व २१७	
प्रार्थना करना स २४८	त्रेरित करनाम २१७	
प्रार्वना-पत्र से २५	प्रेम चा २८६	
प्राचित्र स २५२	प्रेलिटेंट च ११५	
प्रार्थी स २५१	ओटेस्टैट क ५ १	
प्रात्म्य छ २५९ छ २६	मोत्तार्क व २१८	
प्रापृद्ध क ७२	मोलाहन व २१६	
ब्रासंगिक च १४	मोत्ताहित करना व २१७	
भ्रामाद क १९, च १७१ रिकालक कर ३००	प्राप्ताहर न ३८	
निमयस स २७६	प्रोक्टेनर च २४१	

<b>মী</b> ক	प्रकृष्ट् करानी
प्रीकृश ४१	फटकन् इ. ४६३
श्रीकृताचा५ ह	फटकमा च ५५४ व ८५३
प्रीका सा १५७	फटकाना च ३६१
प्तकाग ५ ५ ग ५२४ च ६७	फटकार व ३५६ ज ६३९
प्डाट स १३९	फटकारता च २४७ व २४८, व १६
फास्टर च १७	च २५२ च ६४
व्यविद्यास ११२	फटना सा ४८२ स ८९४ स ८९६
फोग सा ५ ९	म ९३७ म ९३३
फेट क ४४२	फटकटिया इ. १८५
	फटा य ५६४
42	फटी च ५६४
फॅबना व ७८१	क्य च २१८
फेंबाक ५६२	फ़क्कता च ६८५ ख ३५१
फेंकियाई व ५१	<b>क</b> क्फड़ाना व ६
फोसनाव ७८ व ७८१	फन ग ५६४
केंग्राच १२२	क्रमभर य ५५८
कैंदाना च ७८२	क्रमील क ३६
फदलांग चा ५७३	क्रमीय ५५८
फ्रम् चा२८	क्रतह व २८८
क्रकीर क ११	प्रवहनाय होता च २९३
क्रमीलि च १११	फविया व ६६८, व ६६९
क्रमीचे क ६६	फतुही क १४२, क २५१
क्रम्र व ८८	कम बा २३५, य ५६४ व ३९६
फ्युबाध २३	क्रफोका क ५२१
क्यूनहरा छ ७१	क्षतीसा व ४६६
पन्तरा छ ६१	फरनमा व ६८५
फ्रवल थ १९	करकार च ८५६
फबिर क ५ ९	फरफरामा म ६
प्रवीहत व ९४९	फरमान स १८८
प्रमूत के ४२१ ह	फ्ररमावरदार स १४२
प्रमृत्तवर्षं त १८९ चट ग ५६४	ऋरणावरवारी श २४३
बटरम १ १६४	ऋरमरी छ १८
• >1-	क्रायस्य वर ३४४

<b>क</b> रिमा	४३७ फ्रिक्मॉब
फरिना क २७४ क २७६ क २८	क्रमार म १७५
फरिमाद स १८४	क्रतावी स १७६
फरिमाबी न ३६८	फसलाचा २८
फरियाना व ८५४ स ७२	करक व २२४
फक्ता क ५३१	फीक व ८७६
फरहा के ५६१	फीर व ६८१
फरही क १४६	प्रविद्या च ६८३ च ६८६
फरेंदा व ४१	कांकर व ५ ८
ऋरेजी व २६८	कींची स २२९
फ्रतेका स २९२	क्रावंटेनपेन साथे धासायेगर
क्षत्रं व ९६९	फास्ता व ६६
फर्न करना च ९६८	काम व ११६ छ २ ३
फर्वीव ९७	फागुन छ ६
प्रचीय व १८३	कारक च १६५
फर्ग ५ १७	काटना च ९३३, स ३४७
क्रम ब ५९१ म ३४२ म ३५७ इ.४	(eb: पाइनाच८९३ च९३४ च९३६
इ ५२७ स १४२ छ १८९	क्रीयशा व ९५३
फ़क्क क २३८, व ६१ म १२२ झ	
* X A A 649	कारता व ९३६
क्रस्ताच १ ६	कास क १६५ व ६७७
युसर म ४९	कावसर्व क ४५
फ्लवा म ६३	ग्रामसाम ६३
क्रम्पे व १४१	फ्रांकिय वा ११८, वा ५२३
फुर्मान मारता का ६८६ कुकानम का १४४ का ७७	कालुगक्र प्रश्च व ८३ व ८६ छ ६
क्षांच व १४८ म १५७	G fo E o
9कासेन क २३१	सावहा म ४४६ क ५६१
फ़्तित क्योतिय स १४९	कासितम सः १४४ कासिस्ट सः १४५
क्रमी गर, भ ३१	किनर करना ज १२५
कतीया इस्थ	फिल्प्सित व १३९
प्रस्प व ३ ३	क्रिक व र्प
क्रमण म २२४ छ १	क्रिक करना थ २१५
प्रसत्ती 😻 ६५	क्रियमंद च १२६

क्रिकमस्त	ASC	क्रूम
िक्सारत ज २२६ पिटकार ज वेग्र. ज इव्र पिटकारता ज वेग्र. ज इव्र पिटकारता ज २४० ज व्य पिटकारी प ४४६ पिटकारी प ४५६ पिटकारी प ४५६ पिटका प १२६ ज १ ७ ज ज ११६ पिटका ज १२ ज १७५ पिटका ज १२ ज १७५ पिटका ज १२ ज १२४ पिटका ज १२ ज १२४ पिटका ज १२ ज १२६ पिटका ज ११ पिटका ज ११८ पिटका ज ११ पिटका ज ११८ पिटका ज १९८	प्रदेश्य क १४४ प्रमुखी क रचन प्रमुखी क रचन प्रमुखी क रचन प्रमुखी क १६१ क १ ६, प्रस्ती क १६४ क प्रमुखी क १६४ क प्रमुखी क १६४ क प्रमुखी क १६४ प्रमुखी क १६४ प्रमुखी क १६१ प्रमुखी क १६१ क १ प्रमुखी क १६१ क १	7 t t t t t t t t t t t t t t t t t t t
फिलायकी का १२७ फिरक का २ १ फिरकमा का १२८ का १९९ फिरानाइट का १९८ फीकार का ५५० का ५५ की का ४२ फीकार का ४८	फुकिया क १२९ फुकिक क ११२ फुकिक क ११२ फुकिकारा च ८५४ स फुक्रार च १५६ क १ फुक्रा क १६६ च १३ फुक्रा य १६	# 62 # 586 # 62 # 586 # 65 # 586 # 65 # 586 # 655 # 655

<b>फॅक</b> ना ४	६९ बहरमुहा
केंग्राम १८५ व ७ २, व ८०१	फ़ीबदार च १५८
W CEC H YES	फ्रोत प ८२८
फेटनास ९३	फीसाद म ४५२
पेटा इ. २६६	फीर स १५९, वा ९२५
फेन ग १७ इन्दर च २६६ च २८३	फील व ४४३
फेनिक व ४२ घ ८५	_
फ्री इ. १२८	य
फेकड़ाग १९	बंक्य ६ व ६४
फर क १५५	वेदायद चद्
फेर काक्षमा क ३६	बंग च ४५७
फेरनाझ ३८	वेंगलाच २२१ च १४१
फोर पड़ना क ३५९	बेंपुरी इ. ११४
फेरफार स ४	बंचक व ४१८, व २५८
फेरवासा क ३५६	वंपक्ता स २ ६
फेरी क २	र्यपनाशः २६
फेरी देशा ज ६९४	वैचाना स २३३
फनीज ३१	<b>वं</b> युक्त घ ९२
प्रैयानी च २	में साथ १
प्रैसमूद्ध स ३८९	बैटनाच व ८८९
र्यनाच४३४	वैद्या व ८८८
र्फनाना च ८६३ म ८६५ म ८३१	मैटाई स ५६४
र्यमान संप्रदेश साध्यक्ष संस्था	बंदल व ९२४ व ९३
पोंचा स ५२१ म ५२२	बराय १९
भोदो न १३	वडिस च ९२४
शोदो सीचना च १६	वंश क्र १५१
पोहना च ८५३ च ८९४	बंद स १९८, व १ ७ च १८३ स २२१
क्ष्मेद्रास ५२२ फोड्मास ५२२	वर करना क ७९८ वंत्री क १६६
प्रोता ग ८१	न्यसम्बद्धाः वीरमोधी च २७९
कोनीबाक स ११६	वस्त्रार च ४८३
गोल इ १६३	वरनीय ज १५४
कोरन देना ॥ ९४	बरर व ५२४
और गरे५ क ९५४	वरस्मा व ४८२
	•

र्वपरी '	r T
बंदरी व १२५	वंबा च २७३ च २७३
मंगा ग ३७२, य ६८३ स २२१	बेबर प ७
विदिगृह से २२२	बंद्यान २४६ म ८
वेदिया छ ३२८	बबाब म १४६ स ५
वंदिस करना च १६९	वंशपरम्परा म २४६
वदी ग १५% स १७२, क १२८, श २२१	बंधमोचन व २१८
मंदीकाना च १८ए	मंधी था ११२ ¥ ५७२
मंदीपृद्ध च १८२	<b>मंत्रीणर क</b> १९६
नरीयन प १५३	वंस च ८० स १
नंदीनान स ३७३ छ २२१	बॅह्दी इन ५२२
मॅद्रकची वा १९५	बक क २१% व २८ म ६५
मॅक्ट के ४ ५	वक्क्षक करना च २८ च ६१३
महरूपी का १६५	बक्ता व ६११
मरे च १६६	शक्तक व ६११
मंदोनस्त स १५७	वक्तक करता व ५१६
मॅच स १२, झा २३५	शकरा ग ४९१
मेंच जाना च ७८	वकरी स ४९२
नंबन के १६५, च १८२, च १८३	वक्ररीय छ २२६
व्य भद्रभ व्य २३९	वक्वार व ६११
संबद में आलगा व ७७९, व ७८३,	वक्नाद करना व ६१३ घ ६२६
श २१७	वकवाडी च ६१२. च ६१५
बंधन में होनाव ७४	वक्तास व ६११
बंबतविद्दीत सं २३४	वक्ताधी च ११२
वैधा स २३५	वक्ताय ९
र्शम् स २१४	बधुणी च ११६
र्यपुतासर सरह	बहुता मा अर्थ व अर्थ
र्शनुस्य मार्टमार्ट	बहुता न १५
संयुक्त स १२	बदुती ग ६५१ वरेन ग ४७४
भेंबुवा सं १७२, आ २२१	सकेशान ४७४
वंपूक व ४२५	बाद च ए१ व ६
अंतुरपुष्प च ९	जनत ४ ४८६
इंध्याप वे ≱पूलित चं१५२ चं१५३	बच्छ स ६४३ ज ८९
Milion a see a see	

बबरा समना	ररर बर्स
वसरा सगाना प ८८७	अक्तवाग ४५६ ग४८
वसान व ३५५	वछोड़ाग४५६, य४५७
मकानना च ३५९	वजना च ९२
बचार च २१५ च ९२४	मणवजाना धः १६५
मिल्रया करना क ८८१	बनाना च २३६
बबीर क १२६	बबाना च ९२, च ९६
बबोड़ा स १७५	बजाने वास्ता य ३८९
बच्चेरना भ ८६३	मजाय स २५६
बावियम स २८४	बय व ९७
वन स ६५	वसमूचं व १९४
बगर च १४५	यसना च ७८ च ७८१
बगराना च ८७१	मना व १२२
वरकाम ५७	यक्षाच्याच ७८१
बनकवंदी क २५	बट च ६५ च २४१
बमकाक २ १	बटबरा रू ५४८
बहारत स १७५	बटना क १२१, च ६७
बग्रावदी सं १७६	बटमार व ४१८
नग्रीचाच ९	बटनारी सार ६
बगुका ग ६५	वटा हुमा चा ६४४
बगुनामयत व ३ ९	यदिका क्र ५ क ६ क १३१
बमी के १८७	E SAA
बनतता ग ४९८, इ. ३४७	बटिया क 📞 क ४७४
बचार क ७४	नदी म % रू % हा % रू १३१
बवारता स ९४	बहुक ११ व ४२२
वर्षेती सा २२४	बद्धी इ ४३१
सचत झ ४२९ सचन च २७१ स ६१४ अ: ६२१	बदुवा क ४३१ म ५५८
वचन देना स ४२८	बटेर ग ६३ भ ६६७
बचाना च ७०५, इर २३३ सर ६८१	बटोर च ९२७
बचाव श १ ८	बटोरमा व ५५२, व ८५८, घ ८६६ च ८६९
बच्चा ग २४६ व ४२२ व ६ ५ स ३	
बण्यारानी म ११६	बददाम २० इस्४०४
बडका ग ४३१ व ५५६ व ४८	बहुदू य ९६ इ ५५८

बङ्ग्यम	JUS	बब्
बङ्ग्यन व १४२ व ४२	बदबबान कडूना च ६४२	
बढुबढ़ाना च ६१३	बरबाट व ४३९	
बह्बामक 📽 २७३	बधन ग १२, ग २॥	
महद्दशाम ५	बद्दहनीय चा३ १	
बढ़ा क ११२ व ४२५ व ४४	मनतङ्गीवी भ २९८	
महाई च ३४२ च ३५५ च ४४२	बदन तोक्षा श १७९	
गड़ाई करता च ३५९	वरनग्रीच व ४६१	
बड़ा दिल 📽 २२८	वदनधीयी च ४५८	
बड़ा भाई स १७५ ग २१८	बदनाम चार्द चाहेर	
बढ़ी के १६१	वदनामी व् १५९, व ३५२	
वड़ी इकावणी क ७८	वस्क्रेल व ११	
बढ़ी बहुत गं२ २	वदव् दे॰ 'परिविष्ट' क'	
महदम ग ३१२	बदब् करणा श १६६	
महर्म १६१	बदमाच व २६८	
महता भ ६६% म ६७१ म ९१७ छ र	१   वदमाबी व २६९, व २७१ व २७२	
बहाता व ७१७ व ७८७ स १११	बबरंग झ ३४२	
महाबा च २१६	वदरिकायम क ५६	
बढ़ाबा देना व २१७ व ७८७	बद्रीनाय क ५८	
विद्याकर् च ४६३ च ४७५ झ २९।	o बरक काना व १८२	
विमिक्त सा २८६	नरकास ने	
नतकाना च २६२ व ११५ व २ ८ व	र मनती क २३९	
६१६ च ६२३	बहसस्य च ४६५	
नवास क देश च ५१६ ब ५१८		
<b>■</b> २६३	बरी छ ८८	
नवीसी के १४४	बढ स ११५	
बतक व ६४३	वय स २१४	
नती ड ४ ४ ड ४९	अम करना न १५८	
मणुनाभ १३	बचना य १५८, इ. ४८५, छ ११८	
मर्ज ३ २	क्षवाना य १५७	
वर्षकरमञ्ज व ४६१	वधराना च २२५	
नविक्रमती स ४५८	विषक्ष न १७१	
नश्चलन् भा दे २	विषय व ५१६	
बरंबबान च ६४१	श्रमुय २६६	

ववृद्धे	४४३ दरवात
वजूटी म २३३ ग २७	वपीती स ८
मप्य झ २२८	क्षमाग १७४
बन व ११ व ४६२	अवर ग ४९४ झ ४२५
बनचर व ५५७	बबुका ग २४३
नगन म १८८, ५५६	बबुक्त व ७३
बनसाऊ व ९३	बाधुवाहुन क ४२४
बनना स १४८, व २७८, व ६५५	व वमन व ४९९
९४७ स ७६	वमन करना स ५
वन पढ़ना भ ६५६	वसपृक्तिस च १५३
वनसूमि च १	वयना स २८६
बनमानी के १३४ के ३९९, छ २३९	बया ग ६६७
वनमुनी प ६४८	बयान छ १९१
बनवाधि क ३९९	बयान करना च ६१६
बनवासी च ५५७	वयाना व ७६७
वमस्थली व १	क्यार 🔻 २६६
वनस्पति व १	बर ग २६४ च ६५, इन् १
बनावट वे ६८ वा ४६२	क्छान य ३१६. य ३१८
- ननामधी में ३ % व ७३% व ९४	। वर्षस्थ ४१% स ३१७ स ६६७
बनात रू २३१	वरकमा च ८५४
नेनाना से १५ व ३७३ च ८१५ ज ९	रेर <sub>े</sub> वरखास्त करना व ७४७
भ ९४४ स.९. स १५९	बरगद म ६५
मनानेवाला न ३९८ व च ८१६	वरवता व ५३४
बनारत च ११३	वसान के ४२७
बनायक्षे स्थ	बरवास्त करना व १८१
वित्रवाहत य ३२८	बरना छ २८९, व ६७ झ १ ४
वितिशापि ४ च २२५	बरुप क १८६, छ २६
विभाग व ३९ य २९४ त ३२७ य ३	
वनियादन स २९५ क २४२ वनैता भ ५५६ च ५५७	बरमा क ५१६
वनतः च ५५६ च ५५७	वर्षाट व ११२
बन्द अ ५५६	करम छ २७ करमपीट छ १४७ इस २३
बपुन १२ व ४६२	बरसपाठ छ १०७ झ. ५० बरसमा छ २४६
स्पूर्व सं ४ ५	नरतात छ ६७ छ ७२
•	1/212 - 10 0 01

ı

वरधाना	अर्थ अस्तर
<b>बरसाता क २४७</b>	वरिक्र करना च ८१८
बरसींहा छ २४३	वसंद च ४४
बरसाठी छ २२६	वक्रकावर कारश सावनुद्रवारहे
नेप्सान ६९	स ६६ स ९ ४ स १८ स १४६
करती य ५३४ न ६ ९ ग ६४४	# 166
नरात व ९२५ श २८	वक्त साना च ६३
बराबर छ १९७ च ४२२, व ९७७	वक्तम थ १२६
मरावर करना च ५७८	वसराक <b>फ</b> ेर्
नचनचे च ४१४	बक्रदेव क ४१ क ५९
मरानदा च १४ <b>७</b>	मकना चा २८९, वा १ ४
बयह म ५२६	वस्त्रपूर्वक का ९७५
वरियाई च ९७४	सक्रमार क Yt
बरी क १२६ क १६१	बच्च च २२४
बस्य का २८९ च ७८	बसराग क १५४ क ४१
बरनीय ४५	बर्क्स स ४
बस्य क ४५६ क ९२४	वक्या सं १७५
बरेक ग ३४५	वसमार्द्धाः १७६
बरोह भारद	शक्रवान व ४९८, स. ४
बरौती प ४५	वज्रहीन सा भेर
वर्षेत् च ७७८	बका करदर वरदर वद वदर
वर्णनाच ७७५	वक्रम्य व २५४
वर्षमान झा २५७	वसार्व ९७५
नर्दी पहलाक ५३	<b>श</b> णालार च २९९
वर्तन इ. ४२७	वकाहक के १५१ के २१
बर्फ क १५९, क १६	यक्तियात् काइप्र काइप्रकारभरे
वर्णहोनास १२	W YN
मर्नर म १६१ क्ष ३१ म ५६८	विक्यान व १९५ वसियाटिक च ३६४
वर्षात् च ८२५, च ९४६ वर्षात् करनाच ८६७ च ८२ च ९४१	
म २१३	वधीन प्रभूग ४८६ न ४९ व ४९५
वर्षार होताच ५७ व ९४% स १	Y EY
वर्षारी च ८२३	मानकार हा २१८
बर्राना म जन्मम १५१	बस्तम प २२४

वस्मीक	<b>भाग्</b> वीवना
बस्मीक ॥ ५४५, च १९४	बहाद च २७५
बस्क्रिय ६ म ७	वहिनय २१ व २ ९ ग २१६
बस्सी च ६ य ७	वहिरंग च ९८३
वर्गहर छ २९७ छ २६८	वहित्र व ५१६
मवासीर क ४७३ क ४७५	बह्वित क ७४८, व ९८१
बग स १४९	बहुत ज ४२५ च ९११ ज ९२४
वसंत छ ८४	बहुतायत ज ९१३
वर्षतपंत्रमी छ २२४	बहुतेस व ९११
वर्तती स ३७	बहुपंथी प ४२१ व
बस ह १८४	बहुमा च १९८ च १ ९
वसना व ६८९	बहुनून स ४६१
वसा व ५६९	बहुमूस्य स ४ ९
वसाना व ६९१ स ३६६	बहुरना च ६७५
वनियाना स १६५	बहुरि छ १९६
वसिष्ठ 🔻 ५७६	बहुरिया स २६६
बसुधा १११	महत्तक १९% क १११ छ २ ६
वसेय व ६९	म ५११
बस्ती व १३३ व १३४	बहुसन्ना व ९१६
बहुवना व ६९५ ज २ ९	सा य २२५ ग २३६
बर्तस्य १ स्वर	बरेहा च १९२
वहनोद्दंग २ ३	बरेनिया ए १४८
बहर स १९८	बहोरला स ३ ८
बह्नाना स २ ९	बाएँ ज ९७९
बर्गी इ १८६	बॉस्ड वेवेवे छ वेवेग इन्हरू चार्
बर्ग स १२९	वीराम च ६२
बहादुर स २७३	गौरा ज ६५, व ४६३
बरादुरी हा २७५	बोहुत्त च ६४
बहाना व ८६७ च ८३१ छ।	
π ¥ ξ	र्वापत सं ३६४
बहारेबाद य है	बौरह्यन अ १६६
बहानेवादी स ६७३	बीव देना य ६४६
बर्गर छ ८५	वर्गम्स स् २३४
बगारना व ५५३	दोषना स २४६

बरसमा	YYYY HERE
बरसाना ७ २४७	वर्षक करना च ८३८
<b>गरर्वीहा क २४</b> ॥	वसंग्र प्रभ
बरसाती छ २२६	बक्रक केंद्र के प्रदेश संदर्भ है है
नप्ताग ६ ६	W 45 W 4 Y E 36 E 70%
बर्फी स ५३४ स इ ९, स इ४४	HT BCC
नरात च ९२५ झ २८	मक्र भागा ज ६३
नराबर क १९७ क ४२२ व ५७७	वक्तगम न १२६
वरावर करता च ५७८	बसवाळ क ४१
वरावरी क ४२४	वस्तरेय के ४१ के ५९
नरामवा च १४७	वसना <b>छ</b> २८९, झ १ ४
वर्ष्ट्र व ५२३	वकपूर्वक स ९७५
वरिनाई च ९७४	वक्यक्र क ∀१
नये क १२६ क १३१	वसमा व २२४
बस्त क २८९, च ७८	बक्रयम् क १५४ क ४१
बरनी ग ४५	वसर्वत सा४
बबम क ४५९ वः ९२४	वसमाधारे ४५
बरेक ग ३४५	वक्याई श १७६
नरोहम १९	वक्रमान क ४९८, श ४
वर्रतीय ४५	नकड़ीन स ४२
वर्जन व्य ७७८	बका क १६६, म १६६ म ६८
वर्षेताच ७७५	वकार्य च २५४
वर्तमान स २५७	वकात् व ९७५
कर्ती पहलाक ५३	क्षारकार व १९९
वर्तन क ४२७	वकाहक क १५१ क २३
बर्फ क्र २५९, क्र २६	शक्तिय°, काहे∀ कहे¥ <sup>ह</sup> ं
वर्फ होना धा १ २	N. 大利
वर्गर म १११ क ३१ वा ५६८	वसिवात व १९५
वर्गात वा ८२५, वा ९४६	विक्रमाटिक व ३६४
नवरिकरना च ८६७ च ८२ व्य ९४।	। विकटन ४५ घ¥९८ वे
स २१३	वक्षी कथ्य स्थ्य स्थ्य वि
वर्षात्रहोताल ५७ वाष्ट्रभुक्षात् । सर्वातिक ८००	
वर्गाची च ८२६ सरीमा व्यादश्री स्टाप्टर स्टाप्टर	मल्कत क १२८
गरीना भा ६१३ च ७६७ झा ३५१	वस्थ्यम ॥ २२४

वानप्रस्वाध्य	४४७ बासना
बानप्रस्थाधम क ९८	भारी ग ११% <b>ण ९ इट १४   भ १६</b> ६
वानप्रस्मी क १०%	च २८१ च २८४
भानर ग ५२४	शारीकण ५३ जा ५ ५
वाना च ४ २	शारीचागार वा ४२१ व
मानी का १३ जा ६१४	बार्ता व ६२१
मानैत स ३६४ श २७१	बालस १७ ग १८ ग १९, व ४११ च २८
बाप ग १७४	<b>∓</b> ₹₹
बार्ग १७४	कालक गरेकेंग संदर्श प्रदर गक्ष्यरू
बाब स २९९	ग ४५६ घ २ ६ इत्र
शावचीं ग¥ २, ग४०३ इत ८८	बाकवि ग ४३४
शावणींचाना च १९८	बाक्या स ११
बाबा य १६२ म १७४ व १८९	वास-वच्चे स २४६
वाबीरंग च २१५	बास्य ग २२४
्बरबूत १७४ व २४३ व २९	र <sub>ि</sub> काक्स <b>कीरा व १</b> ७४
म १८	बाक्सामा ४ ग २२५ व २६ व्ह ७८,
बाम व ९७९	æ ááx
भामा ग ४	बाळाई ४-१६०
बाम्हन ग २८२, झ ८८	वाखावर इन् २५२
बायन स २८६	वास्ति क १८२
बायस ग ६५४	वालिका ग २६ 🔏 ९८
नामी न ९७९	बाली न २८ क १६ क ६४
बार में ५६७ स १७ छ १, छ १२४	गालका च ९८
बार-बारच १९	वानू च ९८
शार-गार नहना च ८१८	वास्पीक क ४६
बायर् व ६१६	बाल्गीकि समायण क ५७८ क ५८४
शास्त्रीहा ग ५ ३	बाबता ज ११% अ १४ - ज १६४
वाए। व १ ९	वाणकापम् वा ३४१
बाय र १३१	वायका होना ज ३३८
बासही क २ २	वासिया ज ५५५
बारान स २८ बारिन म ३१४	बाण व ११९, छ २६२
बारिय क १३४ छ २४५	ৰাদ"ৰ ক ষ্
शारित होता छ २४६	बागन इ ४२७
and the state of t	बानना स २१८ स ३६९

र्वाध्य	ALÉ BOM
बीका य १६८	वाणि स ४५२
मॉक्टिय च १४२	वाजीगर ग ४ ७
गौंश घ ६	बाबुश ५६ व ५९६ झ ३३३ झ १५
बटिया १४३, क ५४८, व ८८९, व ८९	बाजूबन्द २२२ क २५
बॉटना च ५४२, च ८८७	बाट क ५४८, व १४१
बॉट-वसरा व ८९०	बाट देखना च ४५६
बौदा स ६४६, च ८८८	वाटी ड १ २
बौदी ग ३८४	बाइव य २८५
र्वाच च २८७	वाहा च १९१ च १९१
र्शामना च ७८३ स २३७	बाड़ी क २६९
बीधन य २१४ थ २७८	बाह् च २८४
मॉनी चा १९४	वालक १११ सं४४७ व २ ६ इ४१२
श्रीस भ ८	वाभिन्य स १८५
वीसपूज व २३१	बात का ४४२ क ५१६ क २६३ व १ ५
वांसुरी वा ९८ चा ११२	स दश्य स दश्श स ३८६
बाँह स ५६ क २४४	बात करना थ ६२३
मामदब व ३	शासनीय क २६% च ६२१
ৰাহৰিভ ক ৭৭৬ ক ৭ ৮	वातचीत करना व ६२३
बाई क ५१६	वासङ्गीन च १
बाई केना च ६१८	वाय क १९२
बाईसिक्स क ३८६	नारसाह स १४९
वाकी सा ५६१ सा ४२९	नायसादी सं १४८
मास्य क ४८६	बारक छ २१९
नान म ६ क १९४	नारात्र च ६२
शामधोर क १९४	शासानी साथ वाथदे वा५८व
मानी स १७७	वासी सा ४७४
मानी च ६१	वादी बवासीर का ४७३
बाम ग ४९७	वाबक व ५४ व ४७६ व ४९०
मामाकरे संभ्दर	वाचा क वृत्दु वा भू वा ४५५ वा ४८६
बाम ग ४५२, ग ६२५	वाना बासना ज ४५% व ४५४
बावस म २४५	वान च ३५७
गाना स ९१ वा ९४ श ९५ वा ९६	
in a is	वानप्रस्य क १

वानप्रस्थाथम	४४७ वासना
वामप्रस्याभम 📽 ९८	वारी संदर्भ क. १४ प्रदर्
बानप्रस्थी क १ %	च २८१ च २८४
बानर ग ५२४	बारीक ज ५ ३ ज ५ ५
वाना च ४ २	वारोजगार व ४२१ ज
मानीक १३ च ६१४	नार्ता व ६२१
वानैत का ३६४ स २७१	बाह्य १७ स १८ स १९ ग ४३१ च २८,
बाप स १७४	¥-7₹
बापुग १७४	बालक्य २४७ व २५ ग ४२२ म ४४९
बाब भ २९९	स४५६ व २ ६ इ २३
बावर्षी म ४२, स४०३ छ ८८	बालवि य ४३४
बावर्वीचाना च १९८	बासना श ११
बाबा ग १६२, ग १७४ ग १८९	वाल-वच्चे म २४६
वाबीरंप व २१५	बासम व २२४
बानूग १७४ व २४%, य २९	२, बातमधीरा व १७४
ग ३८	वास्ता व ४ य २२५ ग २६ 🛭 🗗 ७८
बाम व ९७९	<b>±</b> <i>11</i> 4.
वामा ग ४	नासाई इ १६
बाम्हुन व २८२, झ ८८	नामानर इ. २५२
बायन स २८६	वासि क १८२
बायस ग ६५४	वानिकाग२६ वर्
बार्या च ९७९	वासी च २८ क ६६ क ६४
बार य ५६० य ३७ <b>छ १</b> छ १२४	वासका च ९८
बार-बार ज १ ९	बाल च ९८
बार-बार कहना च ८३८	वास्मीक के ४६
बार्स् च ६१६	बास्मीकि रामायण क ५७८, क ५८४
भारहतिहा ग ५ ३	बाबसा च १३% च ३४ - च ३६४
बाए। व १ ९	बावकायम् ज ३४१
बार्च छ १६२	वानका होना च १३८
बायही कर र	वाधिरा च ५५५
बारान स २८ बारिन म ३१४	बाय र ११ ५ छ २६२
बारित क १३४ छ २४५	बासरेथ क १९९ बागन क ४२७
बारिस होना छ २४६	वानना क २१७ बानना क २१८ झ <b>३</b> ६९
2000 000 101	चन्या का दहित वा वृद्द

वायमती १	nr2	रिष्
बागमती व २३१	विचारच २	
बासर क १६९	विचारमा च ३६९	
गांधी छ १७४	विचित्र च ४१८	
नामुक्ती का ३३	विभिन्ता च ४१९	
बाधुरेन क ३११ क ३९९ क ५९	विच्यान ५७३	
बाहर च १५२, च ९८१	विश्वकताक २८ व ६७६ व ६९	٠.
बाहर करना स ५ स ७४७ स ८९९	विकासन कं ५ २	
नाहरी च ९८३	विक्रिया क १६१	
बाहु स ५६	विस्था क ११५ क १५९	
बाहुक क ४२७	विष्टुकृता व ८५४	
बाहुनूक रा ५७	विष्णुमा ग २६८	
बाहुयुद्ध श १२९	विश्वीना क २८२, व २८५, व २५	
बाह्य व ८५५ व ९८३	विद्यनेस स २८५	
बिन्द इ. १२८	विजय च २८८	
विनदी च ५७३ क ३१९, क ३२ - इ.३२८	विजयी के १६१ के १४२, छ २५४	
विदुष २६३	निमाण १६१	
विवाच २९५	विदिया व २६	
विकट स ६	विदास व ५२१	
विकटता व १७९	विवाना 😎 🤻	
विकास का १६९	वित्त 🖷 ३८	
विकल व २२६	विदन्त य १६१	
विकास स २९४	विवरता व ८९२, व ९३६, व ९३७	
वित्री स २९२	विदाय १५३	
विकी करना स २९	विराई व ६६७	
विसरता क २८ - च ८६५	विदारमा अ ८९३	
विसेरता व ८६३ व ८७१	विवारीकंद च ३२४	
विनक्षा च ९३ व २४८, व २५९, व		
२०९ व ९४५	विषता क १९३	
विवदा सं४७६ व्ह वश्रद्	विश्वना ग २७१	
विवाह ज १७६	विवास के १२१	
विषाद्भा क १७१ च ९४३ विषाय च ८१३	विषायक च ८१६	
विषममा व २८ . ज ६७६	विविक्त १२३	
11 P. 37 FIRST	विषुक्त १२३ के ११३ व १५०	

मिनशी ४४४	<b>t</b>	नीव दावना
बिनदी ज १७६	विसैदार्श्य म १९४	
वितसता च ८२२	विक्रोकृता व ७२३	
विमसाना व ८२२	विसोदन क १५९ व	
विनाझ २५८	विकोइना अ ३५९	
विपत्ति ज ५	विस्तित च १४१	
विवाह स १५१	विल्ली ग ५२१	
विविधाना प ४८४ स ४८९ व ४९३	विस्सीरी पत्वर व ४९६	
व ५९	विस्व म ५२, व २ ८	
विक्रोक क १६४	विवर व ८९४ च २५१	
विश्रंग क ५९४	विवस्त्रत क १ ४	
বিমৰ শা¥६০	विवाह ग १५१	
विसा स ६८६	विविधाना प १२	
विमीयल क ३८६	विषेक्त सं १६४	
विमुक्त १२३	विपथर ग ५५	
विवासी करना स ११७	विसरता च ८४३	
विरवाम २	विसराना व ८४३	
बिरह म ६३७	विसात वा ३८१ स ३८७	
विद्धीम २६८	विस्तरक १६५, इ. २८२	
विद्यनना व ७५	विस्तारमा च ८७१	
विधायरण २१४ स १ स ११	विस्तुश्या य ५३१	
विधयपना झ १२	विष्ट्रवार वर ४६५	
विद्याना च ४६८	विद्वान च ११८	
विसंग म १५७	निहिश्य के २३८ के ५३	
विक्रमना च ४५२	विहीशना व १४४	
विसंधारिक सर्व सर्वर	बीयना व ८६३ व ८७१	
विक्रम म ८५५	গীপ জ ৩ কা ৭८५	
विस्तराना च ८५३ च ८८४ च ९ ७	बीचिच २७८	
विकटानाम ५७ साथे २ विकविकामाण ५३७	बीक्रमा व्य ८८४	_
विकासनाक्षर ७ विकासनाक्षर ७	नीन का १४३ व ९२, स	१२% च ॥२.
विकायती व ३६५	च २२५ जीवक च ९ च ३५५	
विकास म ५२१	नानकण ५ न इन्प् जीजननिया साध्यप	
विलागी व ३ २	मीन दावना श ११४	

बायमती ४१	<b>5</b> C	विषु
बापमती च २३१	विचार ज २	
बासर क १३९	विधारमा च ३६९	
वासी च १७४	विभिन्न च ४१८	
वासुकी क ११	विविश्वा व ४१९	
बामुदेव क १११ क १९९, क ५९	विष्णु व ५७३	
माहर म १५२, म ९८१	विद्यासमा कर्ट च ६७६ च ६९९	:
बाहर करता स ५ म ७४७ म ८९९	विद्यावन क्ष. ५. २	
बाहरी च ९८३	विक्रिया क १६१	
मञ्जू न ५६	विकृता क ३३५, क ३५९	
बाहुक क ४२७	विष्मुता व ८५४	
बाहुमूक य ५७	विक्रुग ग २६८	
बाहुगुद्ध स १२९	विजीता क २८२, व २८५, क २५	
बाह्य व ८५५ च ९८३	विवनेस स २८५	
निन्द क्र ६२८	विजय च २८८	
विलीस ५७३ क ३१९, क ३२ - क ३२८	विवती के देवर के देवर, के रूपे	
निद्व च २६३	निम च १६१	
विवाच २९५	बिटिया य २६	
विकट व ६	विद्याल स ५२१	
विकटता व ३७९	विवास 🛡 🎙	
विकास का १६६	विच भा १८	
निकळ ज २२६	विरम्य व १९१	
विकास स २९४	विदरमा च ८९२, च ९३६ च ९३७	
विभी श २९२	विद्याप १५३	
विशे करना श २९	विदार्थ म ६६७	
विकासा क १८ क ८६५	विवारमा भ ८९१	
विचेत्राच ८६१ च ८७१	विवारीकंट च १२४	
विगक्ता च ९७ च २४८, च २५९, च	विधा क २३% व ३९६	
रिवर् म ९४५	विचना क १२३	
विगक्त स ४७६, स ९४६ विगक्त स २७६	विषया न २७१	
नियाइना क १७१ च ९४३	विवास क १२६	
वियव व ८२७	विभायन थ ८१६ विभि क १२६	
विचलनाक २८ व्याद्ध	स्थित १२३ का ३१३ मा १५७	

<b>विकरी</b>	४४९ बीच दासना
बिनदी ज १७६	विश्वैदाक्त म १९४
विवसना च ८२२	विज्ञोकना व ७२६
विनसाना च ८२२	निकोड़न स ३५९ व
विना स २५८	विकोड्ना स ३५९
विपत्ति व ५	विस्तिम च १४१
विवाह ए १५१	विस्सी य ५२१
विविधाना न ४८४ न ४८% न ४९	३ विल्मीरी पत्वर व ४९६
व ५९	विक्थाप ५२, च २ ८
विम्बोक व १६४	विवर च ८९४ च २५१
विभंग क ५९४	विवस्तत क्र ३ ४
विसव व ४६७	विवाह य १५१
विमा छ १८१	विविद्याना व १२
विमीयन क १८६	विवेक स १६४
विभूक १२६	विषवर ग ५५
वियाची करता स ११७	विसरमा व ८४३
विरता घ २	विवयना व ८४३
विष्ट् च ६३७	विसत्त स १८१ श १८७
विष्ही व २६८	बिस्तर क १६५८ ४ २८२
वियजना व ७५	विस्तारमा च ८७१
विरावरग २१४ स १ स ११	बिस्तुद्रमा न ५६१
विचयचना छ १२	विद्याम व ४६५
वियना व ४६८	विद्यान छ १३९
विसंय व १५७	विद्रिश्त क २१८, क ५१
विश्ववता व ४५२	विहीदाना च ३४४
विकथ १९४ च २५ च २५१	बीमना व ८६६ व ८७१
विसम् व ८५५	बीच छ ७ च ९८५
विस्तराता च ८५३ च ८८४ च ९ ४	
विकटानाच ५७ स४ २	बीछना थ ८८४
मिलविकाना न ५३७ विकसना स ६ ७	बीज का १४३ ग ९२, ग १२९, घ ३२.
विकासती संदेश	म २२५
विकास ग ५२१	शीवक्षा ९ पा ३५५ ब्रीवर्णनात का ५५४
विनामी च ३ २	हानपाचय च प्रव नीज डासमा स ३१४

मीर	Υų	बुध हम्म
भीट म ११५	बुसाना ल २९२, स १११	
भीता क १९१	बुक्तीयक सा २७	
<b>बीड़ी क</b> २. इ	बुक्की स ४१७	
भीवना धा २	बुढ़ाना स ४१६	
बीता हुवा च ८२७	बुहुवास ४२२	
नीता हुना वर्षे छ ३२	बुकापा स ३५	
मीमी च १४१	बहिमा श ४५	
भीत स १८	बुडीसी स ३५	
बीनना व ८८४ व ८९८	बुत क २२	
मीनाचा १८	बुक्तपरस्य क २५	
भीनी ग २२५	बुवपरस्ती क २४	
नीमत्स व १५४	बुवाना स १११	
मीमार च ५४६	बुत्ता देशा ज ८०४	
बीमाची क्ष ४३५	्युद्ध क १५४ क १५५ क ४४७	च७≇
बीरम २१४ ग २५ अस्व ३४	111	
<b>पीरवहूटी म ५४६</b>	मुख्यार क ११५, क ११५	
बीरमृमि च २२२	बुक्किक १८ ग १ ८ म १३७	य १३७
बीचन व ५६८	वा १६२	
बीयत होता न ५७	बुद्धिमान् व १६१	
बीस स ६२५ व ४२५	बुद्धिमानी व ३६५	
मीहरू म ५७५	शुक्रिवाल् च ३६३	
सुव च २६३	मुक्किहीन च १६४	
नुष्पामध्य मध्य मध्य मध्य		
मुदेशी स २२४	मुक्क वर १६४	
मुकाय २६	मुबकर ७ कर ८ करेरध	1 40
मुक्ती स ५५१	गुववार क ११९	
बुक्ती करता व ५५२	बुरा व २६ व ११ व १५४ व	2001
मुक्तमा क १२१	वाक्ष्य वृद्धः वा४७६ व	****
मुक्ताग ११ मुक्तार का ४९१ छ २६२	WY Y C	
मुजारका करहर छा २७४ मुजारका करहर छा २७४	बुराई व २९, व १९७	
मुजरिक्की ज २४१ स २७६	बुरासका कहना व १७४	
बुद्धती स २७	बुदा कराना ४७ सरस्य सम्बद्धाः	
<b>4</b>	<b>मृ</b> रा समय <b>छ</b> ५	

नुस्म	Yes	वेद्यीफ
बुरस क १९	बेंट क ५५१	
सूत्रं च १७३	वेंद्राधाद चाद५	
बैक्द व ४४	बेंत व ९२	
बुक्युक्त १२८ व ११७	में शीक ३२	
बुक्ताना वर्ष शाटप	नेजंदाय च ९६६	
बुखावा झ ८१	नेसम्बद्धाः व ३६४	
बुकावा वैना छ ८५	नेजनसी ज ३६६	
बुह्वारना ज ५५२	नेमस्यज्ञान्य व १	
बुहारी क्ष ४७३ व ५५३	नेबल्बी ज २९८	
मुंद भ २६६	नेमाधक म १४५	
भूषानांची छ २४९	वैशावक करना ज ३४६	
युकाग२ ६	वेदंसाफ ऋ १६५	
बूबड़ स १६३	बेह्सप्रकी हर १६७	
बुवड्बाना च २२५	बेहरबत वर १४५	
बुवाज ४६५, ज ५१७	बेहरवत करना च ३४६	
मूस <b>च १६</b> २	बेहरमत होना व १४७	
बूसनाच ११	वेदम्बती व ३४८	
बूट इ-२९७	नेएतवारी व २५६	
बूबना स ९५ स ४१५	नेकदर वा ३४५	
बूबास ३४ स.४५	नेकररी व १४८	
बूच क १७२	वेकरार व २२६	
मृत्य च ९२४	वैक्खा व २२६	
शुक्र वे पेड़'	नेकसूर व ११७	
बृद्धस १४	नेकास ज ४२१ ड	
मुक्ता स ३५	विकामी थ ६६	
<b>मृश्यिक स ५७३</b>	वैकायरगी व २९८	
<b>मृ</b> ष <b>५</b>	नेरायका श १८२	
बृष्टि छ २४५	मेकारण ४२१ छ	
बृष्टि होना छ २४६	बेषम स ४३७	
मृहम्पति क ५७८, च १९	नैसवरज २ व	
बृहरारम्पक क ५५८	नेतानरसाना च ७६२	
वहरव क २२५	नेस्रवरी चर्	
बेंग म ५९३	नेप्रोफ़ ज २४	

मेचीऽरी	४५२ वेतरी
वेकीफ्री व २४२	बेमटा ग ५४१
बेग इ-४९५ छ १५८ ज ४४४	नेगेक व ४२६
वेदानास४६	<b>बेगुरम्बत थ ६८</b>
वेगान(पन झ ४८	थेमुरम् <b>क्टी ज</b> ६८ ज ७१
बेगुनाइ च ३१७	वेगीसम् ७ ६६
नेजनाज्ञ २९	नेरंग स ३४२
मेचैनी ज १६	नेर व ४२, व २७६ छ १५७ व ४५१
वेटास २५ क ४२२	वैर करना च ४५२
बेटी ग २६	नेरवा क १५४
मेठीक न ४२१ म ४७६ म ८४	बेरल रू ४८
बेबाक १८१	बेखन ज २४
नेडीक ज ४६५	वेख्नी च र१
बेडंग ज ४६५, स ४३७	बेच छ १
नेडम ज ४६५	नेचना च ८५३
बैठ स ६२, ४ ५५५	वेरोण श १६
मैवरतीय स ४३७	वेरीवगार क ४२१ व
नेतास क ३५	नेर्रा च २७१
मैतुका व ४२३ च ४६५	नेस व ७ व ५२
मेतुकापन <b>व ४६८</b>	बेकवार य ३८७ इ २२७
बेंद्र क ५३८	नेसाबा९७ वाई ६, प्रप्त हे क्रप्रहे
बेदान व ६१७	च-२६७ छ १ छ १२५
बेदी य १६	वेयरुक्त व १६४
वेषहरू ज २४	वेशकूकी ज १६६ ज ५६
वेषना व ७१९	नेवान २७१ ज ४८
बेना इ. ५७३	मेवाई या अप्
वेनी थ २९६	मेरा च ९११
वैनीरी सा २५८	वैशकीमत ल २९७
वेपका सा २४	वेसरम व ३२४
बेकायदा व ४२१ इ	वैरारनी ज वश्द
वैधिक ज २२ <del>७</del>	नैयी च ९११ म ९१३
वेफिशो म २२८	बैगुमार च ५७१
बेबसी म ११७	नैसन् इ. ७१
वेमका इ.४८	मैनबी स १४

बेसर	<b>খ</b> ণ্ট শীৱ
मेसरग ४६६ इ. ३२९	बॉय क ४१७
बेसाहना भ्र २९१	बोक्काच २०
बेसुव अ २ ३ अ ८४२	मोसार व ४९१
बेह्य व ५७१	बोह्य प्रशुक्ष ५१४ व घर व
बेह्मा च ३२४	ब ९२४ व ९२९, व ९५९
बेहवाई ज ३२६	भोक्त चतारमा च ७२१
मेडोसी स ५२% व ५१५	बोशना च ७२
बैक्टक १६४ क २६८	बोसिक म ५१२
वैद्वंटवासी क २४	बोहा म १७९, म २६
मैंग अ ४९५	बोद्धी स ५४
वियम च २८९	बोत्स रू २
वैवनी क ४५	बोदा व १६४ व ४४५, छ १६५
बैचंदी क १४९	बोबकपर वरश्रुवार १ वरश्
वैजनी स ४५	बोवक के १२
वैजयंत क २११	वोक्सम्य च १ ७
बैजा म ८१	बोधना व २६२
बैठक च १५४ च २ % च २२३	बोबियवा क ४९७
बैठना म ७५	शोषिमी क २९९
बैबाना स १२४	मोमिनुस क ४९८
वैसवाकी का २७३	बोला ज ८७१ का ६१४
वैदास्त्रिक व ३५३	शोडिम 🕊 २४५
वैवाबिन क १५२	शोल सा६४ च ४८
बैतुश्रमुकर्स क ५१९	वीसपास क २३३
<b>बैतुसङ्</b> राम <b>क</b> ५२१	योसता ज ६१
<b>बैरमध्यः, अपद्दर अप्तक्ष्यः स</b> हरू	वीसना व २७८ व ६१६ व ६२३
बैर होना थ २७९	बोलामा भ ८१
वैराग क ६६ व १८	बोती व २१३ च २२२, प ५८८,
वैदागीक ११ व १८१	वर ६२१
बैधे व २७९	गोमी-दोसी प ६१७
बैस प ४८३	वोसी बोचना क ६३८
बैसपाड़ी के १८९	बोहित क ६८
वैसवादी सा २५४	मीवार व २५
वैद्याची च ४२	बीद क १ क ४८५

वीना व	म् <sub>र</sub> क्य
बौना ग ४३९, ज ४३७ च ४३६	बहागारी क ५६४
बीरम ७ च २८	ब्रह्मासूत्र क ५५७ क ५६२ म १५
शीयह च १¥	ब्रह्मस्यान क १९, क १५७ क १५८
बौसी च ३१२	ब्रह्मांड क ५७४ क ५७५ क ५७६ व ८
स्यंग च ६१७	चर र
स्र्यंग कसना च ६३८	ब्रह्मा क ८५ क ११२, क १२३ क ११४
व्यवहार श २८५	क १५४ के २८२, के ४७७ च ४८
स्याचा य १४८	श्रद्धाः का दिन छ २५
म्याचि स ४३५	ब्रह्मा की राजि के २६
स्थाना व १४६	<b>ब</b> ्धानीक १३ कर⊎ कर दे
स्यास क ११४	म ४५४
स्याह् स १५१	शाह्यक १२४ व १५२
म्याह्ना झ २४	बाह्यम क १३४ क १६५ क ११६
म्याहा श २५	क ५४% व २८% व ८८
गम स २१४ व ९२४	ब्राह्मणी व १८१, व २८३ च १९४
धनैरवट क १९९	काह्यमुक्तुनं छ १३४ छ १३९
क्षत क ५२	शीकृ का १८५
व्रतमंग्रह ६	शीकृत्दीन व १२४
वत रहनाक ५३	बीक्षशिनता च १२६
वतीक ११	शीही च २१
वसंत १९	वैससेट क ११४
बद्धक ११२ क १२३ क ५३८ क ५५८	क्हारब ह २७
क्ष्म संदर्गक्ष	भ
बद्दावर्ग स १ क ४७% स ४४%	
वस्वारियों क १३ क १८% क १९४	
R 146 A 145	व ८०६
ब्रह्मचारी क १ १	र्भव वरना प ८७३
শহামান ক ৬৮ ক ৭৩ সংখ্যান ক ৬৮	भंगराभ २ १ क २३
बद्धामानी वा ७५ बद्धागा स ९	भॅगरेंगाड १३ भगीग २९९ व ३५४
क्षाप्त क रूप क रुप्त क प्रदेश	
TYLO TYOC	मंदर्ग स ४६
बद्धपति स २६	भटा च २७६

र्घंडार	Yqq	मनुदापाय
भंदारक २६७ च ८१ च १९८ च २१५	भगवाक १४	
भंबारा ग ५२ च १८१ च ९२४	मगवान क ११२, क १	¥ ∓ የ६५ ቖ
र्मदारी झ ८८	१८८, ₩ २९९, ₩ ४४	% ¥.XCX
भेंड् साग ३९८	भगाना व ६७ व ६७	४, ज ७४७
प्रेंबर ए ६७७ च २७९	भगिना य २ ४ ग २ ५	
भॅगरी च २७९	मगिनी गर १	
महमा ग २१४	मगोड़ा च ७४५, झ २७५	ť
भवाई व २१८	समीती कर्व कर्रु	ſ
प्रदुशाच ३६४	मणु व ७४५ स २७४	
अदुवाना च ६ ¥	मम व ८७८	
मन्त्र क ६ ,, इ. ९२	भवन क १८, क ४३ क	¥6
मन्तिक ७१ स ६ ६ म १४८	भागन करना क ३६, इ.४	rs.
मस्ति करमा क ७२	मजनक्रम स ५६७	
मस्तित क ७	भागता क १९, व ६७३	
प्रतिस्थाद क ७१	सबनीक का ४४क का भू	
महादाहा १७	अयमजाना सः १६५	
मध्य म ५८४ हा ४३	भटल ३९४ स ३१५	
मगक २९७ च २ ८, क वे ७ ख वे८	मध्यदैया च १९९	
मर्भाट नटर च वेट ज ४५९	भटनना व ५२२, व ६९।	4
भगई क १०४ क २५८	गटन नेवास्ता ज ६ <u>९६</u>	
भगवा स २	भट्ट य १५१	
मगत् व ६	भट्टारक क २०७	
भगति क ७१	मही सं ४७९	
সম্বিৰ ক 🗢	महत्त्रार छ २८८	
भवता त १ ४ च ६०२, च ६७६		
ALL A DLE	महत्राना व १२३ भ	
मददन क ११२	भद्रशीमा छ २८८	
भाग्यत्व ११२ क १६५ कर । कामा		
मत्त्रम् समा र ७६	ब्रह्मुबिन स ३५	
अंतरतीक १३ क १०४	अधिक स्टब्स	
मन्दर्भ होत च १८८	भनीनात २२२ भनीनीय श्री	
मन्दर्गेग व ५५० क ५८१ क ५८		
	रे भनुषान्य इ १८५	

पर्ग	Yet 1	ल
मबर्द म २३४ छ ५	संवाहुण २२१	
मरेस व ४६५	मर व २९९, ज ९५९	
मबीहाँ छ ५०	मरण क १३६	
महा चां ४६५	भरम-पोधन करना श २	
महापन व ४६८	मरणी च २७	
मझ क १६५ व ४८३	मरतास ३७३, व ६२७	
महा क १९४ व ४६९, व १२४ व १४६		
म ७८ म २१७ म १९६ इ १	भरता कर ६	
44	मरतार ग २२४	
भमकना घ १८	मर <b>दू</b> क ए ६२७ ज ६६७	
मनरता च २६४	यखाब य ६२७ च ७३	
ममराना च २३५	गरना ज १७ ज ७२ ज ८१ स १४६	
मन्मक् व ९२६	स ११८ स ४११	
मयकर क १६९, व ६२५, व २४३	मर्राम् ३ २१६ झ ७९	
म ३७८	मरपुर भा ८७९	
मर्गकरता ज ३७९	मरमराना स १९९	
मम चा १८६ सा ४३६ वा १२४ वा १२६	भरचान्य करना च ५४८	
म २११	भरमना व ६८८, व ६९५, व ८४३	
मय आसामा वा २३४	भरनामा च २७	
मनव व २४३	मराष ८ ५	
मम विचाना च २४७	मरापूरा वा ८ ५	
मनगणक क १६४ वा १४४	मक्दिय ६२७ क १११	
मयप्रद 💌 २४३	मर्ग्स पूरी क १११	
भयमीत व २३७	म <b>स्का ड</b> ४५९	
मयमीत करना भ २३५	भरोसा च २१२ व व २५३	
ममनीत होता अन्दर्भ	<b>स</b> २२	
मममोजन व २४४	मत्तीक ११४ व २२४ के १ ५	
भगहुन ए२१	मर्त्तार म २२४	
मनानक क १६९ का १७९ वा २४३ वा	भत्त्वेगा ज १५९, ज १५६	
Rac	भरांशा ण ७ ,	
मयानकता च १७९ ममाबहुच २४३ च ३७८	मलजनसाकृत व २९७	
भवाषह्या व १७९	असास नेप्रत चंदर चंद र चंत्र(र	
	ब ४०५ व ४७६ व ५६९	

मताई	धप्७ माङ्गा
भनाई व २८ व १ २, व ४७९	भीवर क २
भसेमानुस व १	मौबर चुमाना झा २४
महत्त्रम ५ ग ५१६, भ २६७	मौबर केरना क २१
भवक १६५ क २७१ च १ ३ छ २३९	गाईवर ८ वरश्रुगरश्४ मेरश्रु
भववाप क १७६	म २२ म २८१
मवरीय ज ९९९	भाईबारा न २१७ श १
भवन सा ८, च १४ च १४१	माई जी थ २४२
भवन-निर्माणकमा क ६	मार्क्त्रिक छ २२१
भवर्गजन क ११२	माईबंधु हा ४
भवान ज ९९७	माग्लं ५६४ ल ६४६ व ४५७ व
भवानी क १८५, क १९४ स २२५	४५९ व ८९
भवितव्यना छ। १८९, व ४५७	भाग करना व ८८७
भविष्य र ५७४ च २६६ छ १६ <b>९</b>	, मोगजानाज ६७६
₹ १८८	भाव देना न ५६५
महिप्यदर्शी छ १९	भागना म ६७२, व ६७६, व ७४४
मध्य छ १८९, च ४६३	भागनेय य २ ४
मन्यता व ४६७	भावकम स ५६६
भमुर म २४२	मागवत क ७ क ५७४
असिड च ३२५	भाषिनेय य २ ४
भरम इ ४२६	मागी क १९५, य ४१९
भरम करता झ १ ३	मागीरची 🔻 २९
भन्म होनाझ १४	माम्य भ १५७
मस्मीभूत <b>छ</b> २८२	माम्पवान ज ४६
সহ্তৰাৰ ৩	मान्यसमी व ४६
मीप इ. २. ४	माध्यहीन व ४६१
भागाम १ ४	मात्रक स ५६६
मोत्रीय २ ५	মারণ চ খনএ
जीत व २०६	नाजना अ ३७२
मार ४ ४२७	मानी च २०४ च ३२६ छ १ ४
भारपुट य १११	मन्य १५३
चीर ग १३६	मार इ.४३९
भारत इ.स.च. च. २११	माशास ४१९ स ४१३ स ४१४
मोशर व २६७ च १८१	म ४१५

भाग	४५८ विद
माग स १३५	सामना क ५५८ व २, व ३ व २१४
मात ह ९२ 🖷 १३९	मार्थ पक्ष चर् १७८
मानी क्ष ५१७	माबसनित 🖚 ७१
मार्थी छ ३७ क ४९, छ ७३ छ ७४	माबी स १८८, झ.१८९, व ४५७
माहपर छ ४९	मार्याण वा २७२, वा १७७
भानं क २९७	माप्षदाता स २७९
मानजाग२ ४	भाषण बेना वा २७८
माना च ४६९ च ९ ६	भावणपद् च ६१
मानुक ११४ कर ७ कर्ड७ चड	भावतिर व १ १
भाग क २६२	मायां करें बाट ८ व २१६ व २२१
भागी ग २१९	भाषातत्त्व क २१४
भागीरंग च २१५	भाषाविज्ञान क २१४
भाविती सं ४	भावागिकानमेत्रा व २१५
माय ग २१४ च व	श्रापाचारत क २१४
भावपंत्र २१७	भाष्य 🗷 🤻
भाषा च १५५	भारत सा १८५ च १ च २८३ च २८७
मारक ११४ च २४७ च ७२ अ	मासना 😇 २८९
मीर बालगा जंधर	मासित क २८८
माराजक वरते क्रम्य क्रम्त दे दे दे हा प्र	र भास्कर का १६% का २९%, का ३१% व
भारतीक १३ चा १६५ चा १९८	5 #ARC
मायाभ के ४४	भारबर क २९७ छ १३६ छ २८८
मारा च ४१४	विशी व २८२
मारी व ५ ६ व ५१२ व ४२५	शिक्षु क ५५८ स ४२६ म १६८
मारीपत च ४२७ च ५१४	शि <b>ल्कच</b> ४ ५.ग४२६
मार्गवक ४४४ क ५७५ क ५७६ च २	भि <b>भूगीया </b> ५८२
भागाँग २२५	वि <b>व</b> र्मधा ग ४२६
मालगर्६ गर्	शिकारित ग ४२७
माला क ४१४	मि <b>वारी वार्थ ५, वार्थ</b> २६
भासून ५	मियना 🗷 ९५
मार बा १६ए बा १८४ का १४६ वा इ	
च इ च २५३	मियोणा स १४३
नामज क २७१ श ११९	मिजनाश ५
मानता स २६७ च १५५	मिहग ५७५

निकृतः	४५९	भुक्तवाना
सिक्ता क २८७ क १५२, क २८   अ	भीवस ४९७ स ५१३ इ. २	ब २३७
२८२ च ७ ६	बा २१९, हा २७४	
भिषयना स ४१६	भीरताच २३३ च २४१ झ	२७६
मित्ति च १५८	भीत व २९९, व १६४	
भिनक्ता य ६७४	मीसमी क १८८	
मिनना स ९५	भीपण क १२३ क १६५ व	YEC
विनिधिनाना य ६७४	च २४३ च ३७८	
मिनुसार छ १३४	भीपनता च ३७९	
निम च ८५५ च ९७७ स ४ ६	मीप्पक १६५ क १४८ क	हर् <b>५, क ४३४</b>
मिमता स ४८	म १४३	
गिरकारा व १२३ म	भूजेव व ५५८	
मिछनी क १८८	मुक्काइ श ११४ श ११५	
मिळाबा च २	मुक्तमोदी व १६७ व १८१	₹
নিহত হ ২३८	भुकता क ५३	
शिवक का ५३८	मुकामरा स ११५	
भींगा स १४४	भृषाना स ११६	
भी व २३१	मुगवाना च ६९४	
भीख दे 'परिचिष्ट' क	मुर्चेय य ६६७	
भीगना स ९५	मुजंग व ५५८	
मीजना छ ९५	मुज्ञंगम च ४५८	
भीड़ व ९२५ व ९२६	मुत्रीयनी ग ५६	
मीत च १५८, च २३७	मुजवंड य ५६	
भीवरं च ९८२	मृजवंशक १३१ क १५	
भीतर वाना व ७३८, व ७४	मुवा व ५६	
मीतरी <b>च ९<i>८४</i></b>	मुनाधी क्षत्र क्षत्र ५	
मीति च २३६	भूजीना क १४२	
मीन क ११४ क १६% के १६% क	११% मृह्टा च २४६	
电决名数 电大台中间记录 血马大多	मुख्या क १५६	
# ¥24 # ¥44, # 482	मुलवा म १९८	
मीमकाव व ४२५, व ४९८	मुनना स ९४ स ९७	
मीमता व १७९, व ४२७	मुखाङ १ ६	
मीमरेनी एकारधी क २२॥	भुक्रवानाव्य २७ व्य ७९४	A 533
मीरण २३७ च ९२६ स २७४	<b>स</b> न् ९	

भुकामा १	ा६० भस⊱कारण स्थान
मुनानाचा६ ४ इत २०८	मृतिक १३४ क १६३ क १६३ १६६
मुक्ताना देशा ज २७ स २ ८, स २ ९	<b>▼</b> 48 <b>♥</b> 26
भूगने सा६१०, भारा व चा२६२ भूगाल चा३४९	मृतिनी क १४९ क १५२
मुग्रिक १८७	मृतेस्वर क १६५
	मूर्वेच स २८२ सम्दर्भ १३४ क ३३ ख ३४९
मुगुडि रामायम <b>र ५८४</b>	A
मुमुबी क १८७	4 5AC
मुम छ २ ९, २१४	भूनना श ९७
मूंकश ११६	भूना इत्रिंद
भूकता ग ५१८	मूप व १४९
मूजनास ९४ स ९७	मूपति दा ३४९
मूचरचर	मुतास धा १४९
मूर्वदेव १११	मूर्यक्रम च ९
मूरु स ११३	मृशिवर व ११
मृतः सं ११३	मूनिकर स ४(१
भूगा झ ११४	भूषिका य २९८
भूता होना स ११६	भूमिया क १६७ स १७१
मूगमें क १३४	मूनिशीयी य २९४
मूनर्भगास्त्र सः ३२६	मृणितंत्रका क १५७
मूर्यात् स ३२३ च ६	मृत्विहार <b>व १८</b> ४
मूर्गानिक सं ३२४	भूष संभी संस्थ्य स्थान
भूषर क १६५	भूयान न ४४
भूता इ. १४२	मृटिक १२३ क १३४ क १६५ क ११५
मूत्र र रेस १४८ क १५० च २६२	
व १६८ व १७२ ज ८२७	भूतीरव च ८२
मूप प्राप्ता र ३६१ स ३६	मृत म ८४१
भूरराम छ १७०	मृत शरमा व ८६३
भूत सारमा क १६१	भूगपुर व ८४१
मृत्रताच क १६५ क १६	भूगपृत्र होगा व ८४३
नुष परवता व ३५ जन्म	भाषा च ११५ ८४१
मृत्यः थः का सम्बाधः १५९	प्रमास चर्मा प्र ८८६
सूत्र सामाया के हैं। भार सम्पत्ति हैं ग्री	and 4 (4)
- 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	भूना भग्ना म ८४०

मूनोक ४१	११ भीरम
मूबोछ व १ १	मेरि वा ११३
मूजन क १३४ क ३२७	मेव भ १४७
मुपाइट के के देव	चेवज क २४ क ८६ च २६२
মূদিত ৰ ৮৬২	मैत व ४८४ व १६४
मूखा कर ९ क २१४	भैसा प ४८५
मूसी क्ष २१४	मैन पर्४ गर्भ
भृसुर ग २८२	भैवा व २१४
मुख्यामी ग १७४	भैपादून छ २११
मृंबय ६६५ व ६७७ च ४६ क ८२	मैरवक १६५ क १६९ क १७ क ८६
* 4	च २४३
मृतीक १७४ स ६५ स १४५ क २ ४	मैरपी क २ १
मृष्ट्रदी व ४४	मैपम्यापार् सः ५४६
मृतु क १६५ क ४४४	मॉकनाय ५१८ वा७६९
मृगुनंदन क ४४४	मॉबर व ४६५
मृतृताय के वेडर्ड	भोंदू च १६४
मृतुराम क ४४४	भोत क १८७ य ५६२, व २९९
मृबुरेका क १४८	योग करना क २८६
<b>मृतुब्दा</b> क १४८	मीयनाक १२% शा ३ 💌
भूत्व य १८१	मोपनीय क २८८
मृत्याग ₹८४	मोग व्यवस्तास ११७
मेंट व ७१३ व ८४८, श २८३	मोगनिसास क २८७ व २९९
मेंटना व १५२	मीपविज्ञास करना क २८६
मेंड्र ग ४८८, ग ४९	मोगीक ३३ व ५५८ च ४८ च ५१
मेंड्राम ४९ व २७ व २८२	ण १ २
मेख वा १४७	जोव्य व २१५
भेव बनागा व १४८	मोव्याय ६९७
मेजना श. १५२ भेजास १५५	मोजन क ६९, क ४
भगास १९५ वेदियास ५१४	मोजन करता वा ११७
मेर म ८५६ छ १८६	मोजन बनामा घा ८९
मेरन के ४१ के ९१	भीवनाव्यं च १९८
मेरिया वा ३७७	मोबपण <b>च ३</b> ५, च ८२ मोबपुरी च १२४
da m ose m sum	े के प्रदे भारतीय जा नेदेश

भोदिया	265	बंदाय
मोटिया च ६२	भ्रमी व ६९६	
भोर छ १३४ छ १३९	भ्राटक ४६ व ९४६	
मोला च ५८	भ्राप्ट करना ज ५४८	
मोकानाच क १६५	भव्या स ६६	
भोकापम ज ७१	भ्रांत च ८४२	
मोकामाना च ११२	भावि व ३४१	
मोसका ग ८	भ्रांति में पड़ना थ ८४३	
मी न ४४	भाताग २१४ ग २१५	
भीड़ा च ४६५	भ्रात्व व २२१	
मीर ग ६७५, स ६७७	भाषूना च २२३	
मौरा य ६७७	भावनाया व २१९	
मॉह ग ४४	चातृस्य श ११	
मौगोलिक स ३२४	भूष व १४	
मौबक च ६ ६	भूग ४४	
भीवस्काल ६ ६ छ ६ ३	**	
मीबाई व २१९	म	
मीतिक क १६५	मॅनता य ४२६	
4 ACS	मॅगपोवनी स ४८	
मीन च १४	मॅननीय १५१	
मीन च १७	मेंपनी लेगा व १९६	
भीमबार छ ११८	मंगल य ४२६	
मोयना इर ९७	संबस क ४९६ च ६ च १४	#
भौदेश १२	Wol	
भव है. परिणिय क	भंगनगरी व ४७८	
भागम वर ६८७	मंगलप्रद व ४७८	
भ्रमण करना ६८८	मंगलवार छ ११% छ ११४	
भगता व १८८ व १९४	मयला क १८% स २०२ म	£61
भन में दानता थ १३	E 5	
घम वें दाशा अ <i>ट</i> ा३	र्थमनामुनी व ३ ७ 	1/3
भगर ग ६३३	मनम्या च २६५, थ ६६ च ४८. च	
भ्रमरी क १८५ स ६७३	स २१० इ	
भ्रमित्र व ६ ६ व ८४२ भ्रमित्र शेलाक १९४० ८८२	में बर्गाना स १५१	
प्रतिप होता स ६९४ स ८४३	नेराना म १५१	

मंच YES मदर मंतर क ९२ मंच च १६६ म ख २८ क ४९९ **₹** 4 4 मंतर मारमा क ३६१ मीचका इ.५.५ मंत्र क १२ में विया के ४९९ के ५ ५ मेत्रमा स १५५ मंबरिका म ४८३ मंत्रजानुह च १७५ मंबरी व्य २९९, घ २८ च १११ म १८१ मंत्रमाबाता स ३५७ # YCE # 294 मंत्र पड़ना का ३६१ मॅजित्व स १५४ स्विक्तचरुक चरु५ मंत्री धा १५७ मंजीर संर्थ ५ क ३३५ क १६२ मेंबीय व १ ५ मंचन स ३५९ अ मंत्रम करता स ३५९ सब्ब ४६६ मंद च २१ छ १६% व ४३% व ४४% संबुध्य व १७० व ४६३ at Aug मेबर व १७९, व १८८ ज १९२ मंबर करता च १८३ च १७८, च १८६. मेरताक १६३ व ४३ व ४४१ मंस्कृति व १६४ मंबरी व १९४ मंत्रुताम २२, अ. ४८६ मंदर क २१८, वा ४४७ मंद्या के ३७२ मदस्यर क्ष ६८ मंब होना ७५४ मंद्यार म ९८५ मंदा वा ४४७ मंड य ५९३ ड ९३ मंदन क ३२७ च ८ मंदानिनी क २५३ प ५९४ मंदानित 📽 ४६८ मंत्रप म ४३१ म १३ मेदारक २३८,क २४१ च ४३५ च १ ० च २२१ मेंबराना च ६९४ of Alle मंद्रत क ५५८ च ३४८ च ८ च १२ मंदिर क १९, च १२९, च १४ व ५८५ व ९२४ व ९२५ मरी छ १६३ मंबसाकार व ५८४ मंबोवरी क २२२, क ६९७ मंद्रको क १६५, क २९७ म ६५ व ९२५ मोतरगर चा ६५ चा ६७ मेंब्बा च २२१ नया स ३७१ महित च ४७३ मेंहकना श ३६६ मही म १६६ मेंहगी छ ५ मंद्रकाण २४१ मेंबुबा च २४१ मंद्रक भ ९ म ५९३ मई 🛡 ३८ र्मबृक्ता म १९८ मतर 🛊 ११७

मक्ड्रा ४	६४ सम्ब
मकड़ा स ५३८ न ५३९	मच क ८१
मक्की प ५३९	मसमस क २३४
मक्तव च १९९	मसमती व ४३६
मक्रवरा क ५१२, च २२९	मचमली कीड़ा य ५४६
मकारण १८६ च ३९१ च ३९२ च ४१४	
मकर कर्देश करेटद कर्य	
५८ मन्दर ग ५८४ च ५८ च ६८	
मकरकेतु क २७१	मग च २४१
सकरण्यक क २७१	मगबाय १८
मकर संद्र्यन्ति छ २१८	भयन च र
मक्य ग ५३८	मयद इ १७७
मस्यक्त च २६४	मयदक इ १७७
मक्षी व ५३९ ग ५८	मयव य ३५३
मकसङ्ख ज ४७६	मधन व ३९, व १२१
मकाई च २४६	मगर य ५८ थ ५८१
मकान च १२९ च १४	मयरहरू इ ८६
महुद अ ११७	महरमण्डा व ५८ य ५८१
मकुनाय ४३९	मग्रीत क ५ %, च ८२
महुनी कं १ ३	मगरी व ५८४
मकोइमा च ३५१	मनरैका इन्टर्
मकोड़ाय ५३६	मनसिर 😇 ५५
मक्काक ५१८ क ५२१ व २४६	मगही 🕊 २२४
मक्कार अ २६८	मध्य १८
मल्कारी च २६६	मल व ३९, व १२२ व ११८ म ९६
मस्का मोजञ्डमा क ५२१	सम्म होना वा १२४ स ९५
मन्धन ४ १६८	ममबा क २२५
मस्यत मस्त्रा च ९९	भववानित के १९१
मक्की न ६७२	मवाभा २७ च ३७
मक्कीभूम स ३९	मच्छमाज ७५
मक्तीवृधी स १९१	मक्ती स ४९७ स ४९९
मस्त्रीवृती करता व १९२	मिषया ४ ५ ५
मन्तर स २७४	मण्ड प ५८
मिल्लाग ६७२	मच्चाइ व ६७६

मक्कर	४६५ सङ्घन
सम्बद्धर ग ६७६	मटनैका का ४३ हा ३३४ छ ३३७
मच्ची ग ५८४	यटमैकापन <b>च</b> ४४
मछरटोडी च २३५	मटर भ २५८
मक्रपहरूटा च २१५	<b>मटरपन्ती व ६८७</b>
मछबी क २७२, व ५८४	मटियामेट करना च १७१
मञ्जाग १४७	मटियाच्या आ ६३४
मकरूर प १८३ ग १८५ व १८५	. मटीका स ३३४
मञ्जूरनी ग १८४	महरी च ९६, च १ ४
मबद्री स ३९४	महता क १९२
मबबूत स ४ स ४१	यठ कट च १२९, च २ ६
मसमून 🗷 २९७	मदाबीच क ७९
मबस्सिस च ९२५	मटिया 🖷 ८० 👺 ३३४
सबहब क १	महर्ष च १४२
म <b>बह्बी</b> क २	सङ्गाच २२१
मबाङ ५१ च ४५ स १२४	सब्धा व २४१
ন্ত্ৰাক আ ২৬২	मझोर च ६६
ন্ত্ৰক বহাৰা আ ইঙই	महीकाट च १४२
मबार क ५१२ भ २२९ भ २३	मणि च ४८ च ४८६
मबाक्तास १२५	मणिक इ. ४५५
मबीठ व २ २	यनिमाला के वेवेर के वेपयु के वेपट
मजीय सं ९६ सं १ ५	मर्तम म ४३% छ २३९
मबूर ग १८६ म १८% म १८६	मर्द्रमी ग¥१०
मबूणि म ६८४	मराक १ वा १४७ वा १५५
मञ्जी चा १९४ मनेशार क ५ क ६ क्षी १२७	मराज्य च २७३ स ३७१
मक्यारी ह ५१	मतक्रमी व्य १७४
भग्यन सं ६८	मतकी का ४९९ मतकी कामा का ४९८
मन्त्राम ९२, ग ९५, च ३३ व ३.	
मस च ९८२, च ९८५	भ्रतनाकापण ज ३ <b>१</b> ४
मझनार च २८	मिं चा १८५, ग १६२
सटकता व ७५ व ७६	मिश्राप्ट क ३४८
REST E YOU E YOU	মধিৰ্ণাল আ বৃহ্
सटकी ड ४७७	मत्क्रुण ग ५५२

मस ४	६६ मनूजिया
मत्ता गिर्भ व पंटब्स् व दृश्के कर र व दृश् मत्ता व दृश्के मत्ता व दृश्के मत्ता व दृश्के व दृश्के मत्ता व दृश्के व दृश्के व व मत्ता क पृश्के व दृश्के व दृश्के व मत्ता क पृश्के व दृश्के व दृश्के व मत्ता क पृश्के व दृश्के व मत्ता क पृश्के व मत्ता क पृश्के व मत्ता क पृश्के व मत्ता क दृश्के व दृश्के क दृश्के व व पृश्के व ८८ व दृश्के दृश्के व दृश्के व दृश्के व	, मदीन्याता च ११४ मित्र छ ११५ मच छ १ ५ मच छ १ ५ मच छ १ ५ मच छ १ ५ मच १८६ म ११६ छ १६ छ ४४ च १८६ म ११६ छ ४४ च १८६ च १६६ छ ४४ च १६६ छ १६ छ ४४ च १६६ छ १६६ च १६६ च ४६ मचूना छ ४५ च ४६७ मचूना छ ४५ च ४६७ मचूना छ ४५ च १६५ मचूना छ १६५ मचूना ६७० मचूना छ १६५ मचूना छ १६६ मचूना छ १६५ मचूना छ १६६ मच्छा छ १६६ मचूना छ १६६ मच्छा छ १६६ मच १६ मच १६६ मच १६ मच १६६ मच १६६ मच १६६ मच १६६ मच १६६ मच १६६ मच १६ मच १
म ४५, म ८८, म ४०२ सरद म ७८५	मधुमेह स ४६
सदराहर ग ४२८, च ७८९ सदर देगा व ७८७ सदर देगा व ७८७ क २१ सदम्म देश ग ६२४ म ६७७ व ४२ क २१ सदम्म च ३३१ सदाम च १९९ सदाम च ८९ सदाम च ८६ सदार ग १ सदिर क ९ सदीमा क ५६ सदार म १	समूर व इद व २५८ व ४५७, व ४६ क ४४ क १९६ व ६८ व ४६० समुद्रात व ४५ व ७ व ४६० समुद्राती क ६३६ समुद्राती क ६३६ समुद्रात १६६ व २६२ व ११० व ६१ व ११५ समुद्रात क १६६ समुद्रात क १६४ समुद्रात क १६४ समुद्रात क १६४ समुद्रात क १६४
नवराय च पहरू	समूलिका ४ २ ५

मध्य ४	६७ सम्मच
मध्य व ९८५	मनिक्रास म ३५७
मध्यम 🕊 ७	मनिहारिण य ३५८
मध्यमा ग ६९, प ७२	मनीयी कं १७ कं ४४९, व ३६३
मध्यवर्षीकाल 🗑 ७	मनुक ५७८
मध्या 🕊 १५७	मनुक्रां व १६
मध्याक्ष च १२९, छ १३ छ १४	मनुज य २
मनगररे नरहरे गरहरू गरहरू	मनुवाद क १४६ ६ १४८
ष १२३ व	मन्बैबच्चश क ६
मनके प २ व वे श ४ ४	सनुष्य ग २, इब ४ ४
मनकाका४ का४१	मनुष्यता व ८७ इत २२३
मनगढ़ना ज ९६९, च ९७	मनुष्यत्व व २२३
मनज व ९६९	मनुष्य होना क २१९
मनत च २४८	मनुमाई व ८७
मनन करना वा २४९ वा ३६९	मनीगत क २७१
मनगर्वाच क १६४	मनोयति व ६
मनमायन व ४६६	मनीज क २७१ वा ४६३
मनमाना स २३४	मनोबाच ४७३
मनभानी व ९७	मनोज्ञाच ३ च ४ ३
मनमोटाव व २७६	ननोनी <b>त व</b> ं ४७१
मनमोद्दन क ३९%, व ४६३	मनीरंगन क १६४ क ३७३
मनगैनी च ६६१	मनोरंजन करना क ३६६
मन्दीचन क ४६६	मनोरम व १३८
मनवायन ज ५६९	मनोरम व ४६३ च ५६५
मनसिव क २७१	नेनोकिकार च ६
मनस्तिती व २७२ व ६	मनोनेय स ४
मनस्यी च १६१	मनोवैशानिक स २१
मनहर च ४६१	मनोणुष्ति अ १
ममहत्य व ४६६	मनोहर व ४४८, क ११ व ४६१
मनक्षा व ४६७	मनोहरता व ४६७
मना करना च ७७४ च ७७५	मनीती के ४० व १७६
मनाधाः ॥ २८४	मगैती करना झ २४८
मनाही च ७७८ मनियामा ४ व्यापेट व्यापेट व्यापेट	मनीती मनाना झ २४८
मनियाक्षे कश्काश्यक्षक वृक्ष	सम्माण का १७१ म ५४

मन्बंदर	४६८ सम्बार
मन्त्रवर 🛎 २४	मराहम पर ५४१
मक्रकर क्ष २५३	मरह्काच २ ५
मम भ ९९८	मरहूम च ८२९
ममता च १४५	मरहुम होना म १५५
ममस्य च १४५	मराठी च २२१
ममनून व ३२ च २६५	मरास्र क १२८, व ४३५ व ४५८ व १०७
मिया समुर य २३८	मरिष कं १९, कं ९७
मनीरा इ. ३.८	मरी वा ५ ७
मनेरा व १७२ झ १९	मरीचिक २९६ च ६, च ४४ छ १८०
मर्थक क ३ ७	मरीणी क ३ ७
सयका १४ व ४५	यरीव स ५४६
सदकाम २६४	मरत क २१% क ३१३ क ३१% व <sup>४८</sup>
मयत कर्ल १ क्र १४	W 568
मयनफल घ २१	मस्त्रभ च ९९
मयभूता क १९१	मदमुभि च ९९
मया स ५४४	मरता प ११४
सबूर स ६ ९, च १४४	मस्त्वसं च ९९
मय्या व १९	मरोड़ हा ३८८
मर क ११८	मरोहना व ६७
मरकट स ५२४	मक्ट न ५२४ व ५१८ व ५१६ व १४४
मरकत प ४८१ च ४८६	मकेरी व २२५ व ५३६ घ ३९३ झ १६
मरबट च २२८	यर्ग भ ४१५
मरक स ४३५	मत्पेक २१८, ग १२
मरन वा १८५ न १५४	सर्वेत्रोक चरु चरी
मरमभड़ी १५४	मर्वे या व व १२४ व २१% व १९१
मरद ग १	मर्थन करना च ८२
मरवानगी च २२१	मधुम प व
मरदाना च ११९	मर्पुमी अप २२३
मरनाम १५५	यमं स १८६
नरमी छ ६९	मर्गंधे घ ११३
मरागद स ९४	मर्भवाषय स १८६
मरवामा ग १५७	नसन् ११५ च ९४६
मरना म ३३४	मनप्रारंग ८२ न ८३

बसन्त् ४	६९ मतीन
मलना छ २९, व ९३८ स ९३ स २४७	मधरिक च ८६
मकमास छ ६३	मशक्य स १५५
मसम्या च १३	मधहरी के ४९९
मसमासम च २२१	मस <b>हर व ३४९</b>
मतमुक्त व ४१५ व ५४२ व ५४३	मसहरी च ३५१
मकहूम चा ५४१	मधान 🔻 २२८
मबाई क १६०	मधाल क ४९३
मकावरीच च ४६८	मधीन खा २८२, ३६ ५५६
मकाह ग ६४१	मरूक चार्र २

सकाहित व ३४२ मसक य ६७६ मिलकाई क ११७ मसक्त्रा व ९३६ मिक्तिक ३१ अ. १६२, अ. ४१५, मसक्कत श २८७ म ५४२ म ५४३ म १२८ म ३४२ मसक्ताय वा १७१ मिनिनता च ४१६, च ५४५ मसक्रापन व १७२ मिकिनियाँ ग ३४४ मसक्रेबाब व ३७१ मक्रियामेट करना क १७१ मसचिव क ५११ मकीन वा ४१५ वा ५४२ वा ५४३ मधनद 🛊 २८८ मबीनता व ५४५ नसल 🕊 १६४ मसीन होना सं १६२ यसका छ २९ व ८२० स ९६ मक्षेरिया स ४९४ मसका 🕊 २३४ मस्क्र ता ४ ९, व ३६७ व ४६५, क्र ४१४ मधनिया श्रा १८६ मस्बयुद्ध स ६२९ नताम ६७६

मल्बाह्र य ६४१ भसान क १५ मस्किन्। य ५४ व ४ १ नताल क ४९६ मबाद ख ५२७ मिसिक ११ वा १ ६ मवास च १४ यशिकृपिका वा ६१ मबेसी वे 'पर्यु' यधियानी ख ३१० मवेधीकाना च १६१, च १९३ भरियाम स ३१ मध प ६७६ यसिविन्दु क ३ ३ मधक न ६७६ मती चा १ ६ यसक्त स २८७ मतीय कः ५११ मसक्ती स २८८ यसीत 🖛 ५११ मरायुक्त वर १२२ महीन 🕊 २८२

मतीहा	Ye W
मसीहा क ५२	महराय १९, व १८३
मसूर व २५६	महराण य ४ ३ झ ८८
मसूरी 🖝 ५१	महराणिय व २८१
मसूल स ४१६	महरानी का ५१
मसूच च ५७९	महरिक ४ ९
मस्चता च ५८१	महरी य ११ व १८४
मसीबा झ १८६	महर्वभ १३
मस्करमा८ धार	महर्षि क ४४९
मस्करी व ४२६	सहस्रवाश वाशावाशावाश
सस्कष्टीक ११ व ५११	महत्त्वाच १३७
मस्जिदक ५११	महसूक का ४१ का ४११ का ४१६
मस्त च ३९ च ४८, च ३११	म ४१६ म ४१५
मस्तक व १३ ग १६	यहा च ४२५
मस्त होना अर ३३३	महार्थण १३
मस्ताना म ४३४ च ३११ च ३६१	महाज्य य ¥१
मस्तिकाय १८ ग१३१ वा ३६२	महाकार्य क १९२
मस्ती च १२८, च ३३४	महाकाक क १९५
मस्ती में अनाच १३३	महाकाणी क १९४
महुँगाई स २९९	मधाकाम्य व १७६
महेंगी स २९९	महाजन का ४४ का४ ५ व व २९४
महत्त क ७९	म ४ ४ व ४२५
महम क ७९	महत्त्वक क ३३६ क ३३७
मह च २६२ च ४१५	बहारेव क १६५
मक्कामा स १६९	महावेगी क १९४ क २ २ <b>च</b> १५१
महिमद का ५११	महातीप च ९१
महत च १६२ च ४२५	महान च ४२५
महती भ २७६ क २	संबंधिया का बेजर का अरंक का अरंड
महत्तर व १५४	महानिक्रा १५४
महत्ताच ४५७	महापद्म क २६६ क ११८ क ११६
महत्व व १४२	च २९७
महत्त्रमीय क्र १२२ सरमा अस्तर	महापुराण क ५९१
नदमा अरहपुर महक्रित चाह८ चाह२म्	महाप्रकर क १७१
indian a to at 454	महाबन घ १२



मॉर ४७२	र पानी
मॉद च १९४ च २५ च २५१	मात्रा वा २२७ वा १५८
मधिय ९१ न ९५ ७ ६५	मानिक वा २ १
मरिक्र व ३९, व २५४ व ३७८, व ४५८	मामाय १३ ग १६
मधिकवा अ ५	माया पण्यी करता व ३७
मसिविकेता य ३६३	मात्री च १४५
माई य १७७	मानन क १३४ क ३९९ म ४९ <del>व</del> ४१
भावन क १५८	<b>₩</b> < <b>X</b>
मागव च १८७	सामनी कर्द्य च १११ व ११२ व
मानगी व १८८, व २३५, व ४ ४	४२१ क २ ५
मान क १० क ५८, क ७६, क ८१	मानगीक्या च ४११
मानी 👿 ५९	गाबुरी के ४५ के ८९ वे ४६४
माविख क ५४६	माजूर्य का १६१ का १६१ का १६%
माजुष्टत व २११ च २१४	च ४५० च ७
माधिन ग १४२	माबी क १६६ क १९९
माझी य १४१	मान च १९४ च १४२ च ९६१
माद्य न ५४१	मानपविता स १५९
माठी व १२, च ९६	वानचित्र स ३१७
माञ्च इ १६२	मान जाना च १७८
माका च २२१	मानता क ४७
मानिक म ४८१ च ४८४ च ४८७	मानवंड व ९६१
मार्ताक २७१ ग २९८, व ४३५	मानना चारपर चारपद च रेटर
मातवर श १७४	म २५४ म १४३ म ९६८ म ९६९
मातहत स २३५	याननीय व १५४
भावहरी स २३९	मानपत्र च २९३
माताकर६३ अपपर गरफण गरे८१	मानव क ५७६ ल २ व ३
य २९३ म १४७ म १८३ म १९३	मानगी य ४
मावासङ्ग १६८	मानस क २७१ क ५८६ च ६ व ११
मातामही य १६९	गानसिक चा १८० चा ४३६
DESCRIPT FOR THE TOTAL	सामसिक रोग का ४३७



मारा १	nove flor
मास स ११६ व ९१ व १५	गित्र का २९७ का २९८ ग २७८ प YY
मासा चा ५ २ स २१	मिनवा भ २७५ भ ८५६
मासिक का २९१ छ १६	विधिक्ता च १२४
माधिक वर्ष य १२८	मियून च ५८ च ६१
मासूक का ४१३	मिम्या वा ४ ६
मास्टर च २४१	विष्याचारी व ४१
माइ 👿 १५ 🐨 १८	मिमत च १७६
माइबारी छ ३६	निधत करना स २४८
माहर क १८३ च ४७८	मिभियाना व ४८९
मा <b>हेल्न</b> री क १९७ क २२४	मिमोरमा च ६७
सिवासी इस २	सिर्वात २२४ स ३५६ स ३८
मिक्बार ज ९५८	मियाच 👿 १९९
निषमी वा ४९७	नियाची बुखार का ४९२
निचली आता क ४९८	मिरमी च ५१९
मिबर्गम २२	मिर्च क ७९
मिणानं व १	मिर्चा <b>क</b> ंदि
निवास संदक्षता व ८१	मिर्वेद्द क २५
सिजान च ५५८	निसमी ग १७४
मिटना च ८२२	विसम् च १८६ स ८४८ स ८४६ स
मिद्यमाक रेक्ट च ८१९, च ९४३	24
िनिद्दी गारेश चर्च चर्द शारश्र	मिळना व १५२ व ८४८ व ८४६ व
मिह्टी करना च ९४३	C4 87 C8
मिक्ट्रपे क ११	विचाच ९ ४ झ ८६ स ३४९
मिलाई के ४% के १६६	मिकान स १९१
मिठास क ४५	मिकामा व ८४५ व ८५८ व ८४४ व
मितकाना था ४९४	९ २ स ९३ स ३०५
मिवली <b>च</b> ४९७	मिलाप वा ट्रांट, बा ट्रांच, बा ट्रंप
मित्रकी भाना च ४९८	मिकामा हमा च ८४०
मितस्यम् सः १९३	मिलायट व ८४६
मिवण्यम् । भ १९३	मिलायट करना व ८४५
मित्रमामी वे परिशिष्ट क	मिलानटी थ ४१३
निवार्द्ध प्रथम्	मिस्र प्रश्च स्व
निविक्ष ५ का १३६	<b>₩</b> 200

निमय , ४५	<i>ते संदे</i> ह
मिम <b>न च</b> ८४६	मीकित स १९ च ८४७
मियम करना ज ८४५	मीसी क ११६
मिथित स १९७ व ८४७	मुंजण २९
मिमी इ. १७४	मुंड क ५५८, य १६
मिप्ट इ ४४	मुख्य ग १४९
मिष्ठास क १६६	मुंदमाशी क १६५
मिष्ठभाषी च ६३६	मुंद्या ग २७५, ज ४८५
मिस स्ट १७३	मुंधी च १३ च १७९
मिसाई क ५३४	मुंतिबय क २८७ ग ३७५
मिसास व २३४ स २६३ स २६४	मुंबरी क ३५८, क ३६३
मिसी का ७ स ३२२	मुगील २४१ य ३ ३
मिली के १७४	मुखिनाइन म ३ <b>४</b>
मिस्स व ४२२	मुद्द ग २३ ग १३८
मिल्सी इ. ११६	मृह्यम च ११
मीचना स ७९८	मृह्योरी करना व २८
मींबनाझा २४७	मृह्तोड़ जनाव स २६८
मीतना व २४७	मुँह योना ध १२
मीनना 👿 २९	मूँह फेरना भ १४९
मीबान 🗑 ५५८	मुँह सिकोइना वा १४९
मीजान करना आ ५५९	मुवाक्र व ६
मीठ इ. ४४	मुबाधिक व २८५ व ४२२
मीठा छ १६६ छ ६८ छ १६५	मुवाफ्रियत व ४२४
मीठा नीवूष ३५३	मुक्रायना चा २५ स १६२
मीक्ष पापक क १२	मुक्तमा स १८४
मीठा मात क ९५, क १९६	मुक्त्मा ख २९८
मीठा स्वर स ६८	मुक्त्र व ४५७
मीठी क्योपी के ११७	मुकरमा व १८७
भीक्षे चटाई इ १६८	मुक्री स २७
मीन ग ५८४ च ५८, च ७ मीनाती स ५९	मुनाबिस म २७९
मीनार च १७३	मुकाविका श ३९३
मीनांना क ५६२ व २३७	नुराम च १ च १४
मीमांसा सूत्र क ५७१	मुद्रेय क १३% क १६६ क ३९९
anna No a Int	ALC & \$40



मुहसाबी 806 मुह्तानी च ४ ६ ॅमूर्यत करर, सा १३ मुहम्मद क ५२४ मूर्स च ११२ व ११५ व १६४ मुहर च ४२२, झ १९४ मुर्वेठा व १४ व १९६, व ५६ मुहर्रम 🗑 २२७ मूर्ज बनाना ज १७३ मुद्दस्ता च १३७ मुच्चेना 😮 ७४ मृहौसा का ४५२ मुच्कां सा ५२९, सा ५३५ मुहाबरा स २३३ मृतिकरुक्त रुक्त ११ क १३ व १२ मुहुर्त च ६४९, च ५६, इट १ छ १२६ म ४५९ र्मूव व २५७ पूर्विकना च ९ म्बद्धनी व ३७१ मृतिकार सा १ मुँगाम ४८१ च ६ २ मृतिकारी स ९ मूंखन ४७ मृतिपूजक क २५ मूंब व २ ९ मृतिपूजा क २४ मुँकग १३ मृतिस्वापन क २३ मुँड़ना क्ष २८ मुर्खाग १३ मूंबी व १३ मुख्य १३ व ३ २, व २७ व ४६ मूँदना व ७९८ ज ८३५ मुख्य ५१९ मुक्क व १७४ थ ३ ४ थ ३ ५ मुक्ताव ५२ मुलयन वा ३८१ वा ३९६ मुक्त पर ९ मूली व ३ ४ व ३ % झ २२९ मूठ क १६२ व ६५ मूल्य घ४८ नुठ चलाना क ३६३ मृत्यकात स ४ ९ मुठी व ६५ मुक्क य ५१२ मुद्र च १६४ मुखा ॥ ५३२ मुख्ता व २१६ व १६६ मुसना झ २१ झ २११ मूत य ११७ मुसल इ ४६५ नृतना न ११८ मृगवधी यधीश्यभ्भवभू नूत्र य ११७ व ३२ मुत्रदोप का ४६१ मृत्रवर्गय ५११ मुर्वेदिय म ७९ मृगकाला व ५११ मूर प १३ च ४६ नुगनामि य ५१२, इ. ११ नुरात १४ व ३६४ मृत-ीती स ५९ मृग्तान् व १६६ नुषमर इ. ११



मेवा	¥۷		श्रोबर सार्वास
मेबा च ६५७		मैषुन क २८७	
मेवाड़ी व १ ७		मैथुन करना क १८६	
मेबात व १५७		मैशा क ६६	
मैपस ४९ च ५८ च ५०		मैदान चर १ च १२२	
मेष संदर्भत छ २११		मैदान होना म ११६	
मेह्र चा २३९ क २५१		मैन क २७१	
मेइतर य १५४		मैनफ्क व २१	
मेहवयानी व ३५५		मैशाव ६२४	
मेहताय क १ ७		मैन्हिकट च २९५	
मेहनत क्ष ३७३ मा स २८७		मैप स ३१७	
मेहनवाना क ३९४		यैना प १८	
मेहनदी झ २८८		मैदा व १७७	
मेह शरसना छ २४६		र्येक व्य ५४६	
मेहमान ग ३७८		मैकाय ११५ च ५४२ स	110
मेड्मानदार य ३७९		मैला करना च ५४८	
मेहमानदापी झ ८४		र्मकापन व ५४५	
मेह्मानी सं ८४		मैका पानी 🕊 ११९	
मेहर थ १९		भों व ९९६	
मेहरवानी च १९		मोक्यमा स १८४	
मेहरवानी करना च २५		मोका छ १५५	
मेहरावा १२		मोल व ९, व १५४ झ २३	
मेइरी व २२५		मोक्स य १५४	
मै च ९९६		मोला रू ५३६	
मैंचान २६४		मोगराय ४ १	
मैनबिन छ २९		मौधना स २३व	
मैनावकी क ५४८ क ५४% क ५५८		योबाय १ ९ व १२४ व	(#%
मैत्री व २७%		मोछा ग ४७	
मैंगी होता व २७८		मोजही ह २६०	
मैत्रेय क २९७		भोजाट २६०	Y
मेनेयी क ५५८		मीह छ १३२, व्य ४९८, व १	
मैचमरीचन रर ५५३		माटक इ. २२३ मोल्ट इ. १८४	
मैयमेरितियन स ६४३		मान्यस्थयः मोटर नायशिक स्थि	
मैक्ति क १६७ स १२४		4101 41414 44 44 14 1	

भीर मोरस YZZ मोर्चा व १२५ मोटरी व ९२४ च ९३ मोलवी स २४१ मोटा ब ४९८, ब ५ ४ म ५ ६ मोटाई व ५ मोडक २७१ च १८५. च २३६ च १३९. मोटाना पा ८ ८ W 23% मोद्यपन व ५ मोहक कर पर कर ५६% करण क मोटा-मोटी व ९६५ 355 E 7 5 मोटा होना च ८ ८ मोइन रू २७१ क २७६ क ३९९ इन् २ मोटिया ग ३८६ मोहनयोप इर १२२ मीटे तीर पर ज ९६५ मोद्रममाला क ३३१, क ३४६ मोडिनी क १५४ मोटद्यपित स १६४ मोदना व ८३ मोहना क २७४ क २७५ व १३० व ४७२ सोंबाइ ५११ मोधम्बत ज १४५ मोडम्बरी व १५३ मोतियाधा ३४ वर ५१ सा ५२. घ ४ १ मोती म ४८१ म ४८३ मोहर स ४२२ मोहर्रम छ २२७ मोठी बर म २३१ मोबाच १२३ मोद्रित क २७८. व १२२ मोबी व २३८ मोहित करना क २७४ व ४७२ मोडिन होना क २७५ व १३ मोद्र क्ष ४५ मोहिनी य ३६% क १९५ मोनक इन्द्रिय हा १७५ मीका च १ छ १, छ १५५ मोदिनी घ४ ४ मौक्तिक च ४८३ मोदियान्य य २१५, य ३२८ मीत्र ह १६४ च २७८ मोदी ग २९४ व ३२७ मीनस्या च १६४ मीज में बाता व ११६ मौनियाँ छ ४८४ मीता च १३३ मोम इ. १४ मीनी व ४८ वोविया इ.८ मौब्दा २५७ मोर क १८९ व ६०९ व ९९८ योज्यमे स २५९ मीरनी ग ६१ - इ. ३२९ मीन्द च्या स २६१ मोरपनी स ४६ मीतन १५४ भोरपुष्ठ य ६११ मीन वर ८, वर १ मोरमा इ १८४ मीनदरी स ६ ७ बोरन ह रूपर मीती व ६ ७ मोरी व ६१ मीर प ३३

मीक्सी	४८२ शुंद
मौस्ती श ८	यहोपनीत कर ६ व १५
मीक्यं ज ३६६	यति वे "यती"
मौतनी च २४१	यविश्रमें क ६६
मौसभी न ४२	यतिनी स ४८
मौलिय १६,व १ १	यतीक ११ य २७१ स ४८
मीसम् छ १	यतीम ब्रा१४
मीसमी प ३४६ छ ६५	यतीमधाना च २ ४
मीसा व २१	বলে স <sup>ৃ</sup> ষ্
मौसिबाब्द स १८	थम ज ९९
मीसिया व २१	यमतम् अ ९९१
मीधी य २११	यवार्वण ४ ५, व ४२
मीवेष च १८	য <b>ৰাবঁ</b> তা <b>ব</b> ४ ৩
म्याळें करना य ५२२	यदिप वर ५
म्यान है। परिशिष्ट ह	यदाकरा छ १९५
म्बेष्ट्रय १५६, ध ११	यदि च १ ४
-	यदुगल्य क १९९
म	यदुनाव क ३९९
र्मन स २८२ क ५५६	महुपति क २९६
सक्रीत व १५१	यदुराई क १९९
यक्कीत करता ज १५४	यद्यपि व १ ५
सकीत रसना व्य २५४	यसकारश्यकप्रशतका समार्थ
मक्टव प ११ ग १११	क ३१८ व ५७८ व ६१८ व ४८
सबकर वे कश्यक कर्यक	यमक्क ५९३ च १९
मस्मा सं ५२	यमगीवा क ५८२
मगभ 🕊 २	वस्य व ९२६
में जान के ८७	समयिक पर ७३
मनुर्वेद क ५४४ वा २३७	वसवितीया छ २११
साक्र ८१ क १५४	ससन क ११७
यञ्च करता क ८२ यञ्चकर्यां क ८६	यमपुर क ११९
मसपुरुष क १३४	यमशाय क वे १७ यसक वा ९२व
सक्रमंबर क ८९	यमीक ११
नववाना क ८९	समुताक १९४ क १ १ च १९९
•	against a second

यद	YCĘ	যুদিবর্নিতী
यव छ २३६	याय करना क 🥞	१ म १६९, म ८३७
सबन क ५ % स ३५% च २२८	प ८३८	
संवित्ता क ४९७	यादवास्त च ८३६	
यस च २६२ व ३५१ व ३५५	याद विकास ज २०	G 4 619
यस माना च १५९	यावन क ३९९, ग	<b>1</b> 4
महारिकती क २ % क २६	याम क १७८, व	२८४
यदस्यी ज ३५३	याम क २८७ छ १	# \$50 # \$X\$
यधी व १५१	यामिनी 🐨 १४व	
यदोना क ४ ९, व ४५९	बार ग २२७ व २	७८ व ९५९
यदोत्रस क ४९४	याराना च २७५	
মতি শাব্ধ সংখ্য	यारी ज २७५	
यहाँ व ९८८	यीषुक ५ २	
सहयो क ३	युक्त व ४२	
याधिक स २८२	युक्तिवा१९ श	₹ <b>u</b>
याव १३	युक्तियुक्त व ४२	
साम ¥ ८१	युन स ५९१ छ १	₩ ts
याच्छ म ४२६	मुग्न च ६१ ग ५८	ov.
याचना ज १९६	युद्ध स २६२	
याचना भरता च १९६ छ ३५४	मूब करना व २८२	
याचित स १५६	युवसीन च २२२	
यामक क ८६, क ८७	युक्रनार स २६५	
माबन क ११२	युक्षभूमि च २२	
याजवस्य क ५५८	युद्धस्थमः भ २२२	
मात्रिक क ८६ मा ८७ च ६६	च ७२. मुचिष्टिर क ४१३,	<del></del> ድ አ
म ८१ म ११६	मुक्क श ६२	
यातना क ३२६	युवती म ४१५, इ. १	2 MAX
यातमा मीवना क १२५	गुवराम स १५४	
यानुपान क ३४८	युवाश ३२	
यानुभानी क १४९	यवावस्या स व ३	
याचा च ६६७ व ६८७	यूप स ३५९, ज ९	δ <sub>K</sub>
मात्रा करना च ६८८	यूपप स १५८	
याची ज ६९३	युवानी च ४२९, घ	
यार क १८, व ८३४ व ८३६	यू निवसिटी स २७	¥

र्योही ४.	टर चींबा
वॉही व ४२१ ई	रंगस २ साध्युक्त स्थयु
योग क ६२ क ६६ क ५६२ क ५६८,	रंगक्षेत्र च १८६ च २२२
स १८ च ५५८, स १७८, स १७	रंगगृह स १६६ च १८६
योगहर्गन क ५६८	रंगजीवक भा १४ सा १४६
मीननाय क १६५	रंबत स २
यौगनिहा क १९४	रंगदार स २२
योगमाया क १९४	रेंग्ना स २३ स २७ ज १२४ व ६१६
योगधास्य क ५६८	रंग वरसमा ज ६६
योगसामना क ६३	रंध-विरंगा वा २२
योगसूत्र क ५६८	रेनभवन च १७८
मौनाम्यास 🕿 ६३	र्राज्यि स १६६ च १८६ च १०६
मोयान्याची क ६४ क ११	च २१९ च २२२
योगातम क ६२	रंबर्गण स १६६ व
योगिनी कं१९४ कर २ इ.२.४	रंगरेज स २१ प ३६
मोमिराज क ११	रेंगरेमी क ४५
योगी क ६४ क ८४ क ११० क १६५	रैयबाई स २४ स २५
400	रेंपवाना स २६
योग्य त ३९४ वर ३९८ ज ४२०	रंगवासा द्य १२५ च १८६
योम्यदाज ३९६ व ४ । श २५४	र्गमात स २१
योडा स १६४	रंपरथम सा १६६ च १८६
योनि य ८० च ३८, च २६२	रैवाई च १४ स २५
योजिनस्य स ५३१	रैनाना रा २६ च २७
योनिसाद रा ५३१	र्शनदी इ. २
योग छ १३६	रंपी य १६ व ४८
बोनिया छ ११८	रंगीत स २२
मीपुत्र रा ४१९	रेंगीला स २१ व १६६, व ४८, व ४६३
मौपेष क ४१६	र्वभ ५ २ व ९१
मीरन गुरु	रंगक्रम ५३ व ९१
भीवनगरिका स १५९	रतसप्रवर्ष सम्ब
₹	रजन स २५ व १२४ व ११र
	र्गमान २७
रहताः वर ५, इ.स.	रंश्यी सह ६ वर्त्प वर दहर
रस्ता व ४ ६	र्शाशास वर व वरः व १६२

रंगित करना	४८५ रहेगी
रंगित करना व २६, व २७ व ६१६	रक्तप्रसम म ४३५
र्रिज़नी व ४२१	रक्तवर्णं य ५४६
र्रोबस्र व २७६	रक्तसार व ८१, च १६२
रंगीशाक्ष अपुरुष ५६	रक्तहर म २
रवा स १२४ य १७१ स ४८	रक्तांग व १६ व ६ २
रेंद्रापा स ४९	रक्तांकी य २ २
रंगी वा १२४	रक्ताव २ २ म ४६७ व ६ ६
रॅंड का स २७४	रल्याचा ग ४८६
रॅबना स ९२	रक्ताविसार 🕊 ५११
रेंगा छ ९१	रम्ताचे 🕊 ४७३
रंघ क १५९	रक्ताकुष ३१७
रंघ करना व ७३९	रिश्तिक म २६४
रंमा क १४८, व ३४९, व ४८२	रम्लिकाम २४६ म ६ ६
CLEC RIDE	रस्ती व ६ ६
रहित साथ ५ जा ग ३७४	रक्तोपळ व १२५ च ३९५
रजवार्ड स १४%	यसकर १ कशेरल बर्स सं१९६
श्रहम च १४	रक्षक व ४२% श १९६
रकानवार प ४११	<b>च्या श</b> १९८
रकाबी क ४४२	रमानीय क ११७
एकीय न २६६	रसा क ११६ स १९८
्रत्तक इत्र गर्भ गर्भ व इत्	१५ स्ताक्लाव६२२, बर् घर्
माप्त्र कर कर ८ कर	रसामन्त्रमं छ २ ७
रनतकंट व ६१३ व २०६	यक्तिणी म १९
रमतस्य न १११ च ११७ च ६ ७	रक्षण क १३७ छ १९९
रस्त्रपीय क १४८	रक्षता अ ७७३ स २
रमतर्थरत में १३२, के है	रक्ती व २२८
रस्तभूमं इ ३ ९	रक्षणांका का ३७२ धा १९६
रसवा च १६	रणगामी स १९८
रस्तनासकं में १६७	रक्षवाभी करना अन् २ ५
रक्तपुष्प व १४४ व ४११ व ४	
अस्तामा स्थापना संभिन्न	रक्षाना स २ ५
रसतपुष्पी में ४२१ रस्तप्रवर के ५३४	रविशास १९६ एवेची व १२८
	रवाका व १५८

रमञ्जन	<b>४८८</b> रहांत
रमजान ए २४९	रविकोचन क १३४
रमन व २२४ क २७१ क २८७ व १५	५ रिनियंक्ष क १६५
रमन करना क २८६	रविवार छ ११५, छ ११६
रमणी बाध्य साध्य	रविविव व ४८७
रमनीय 🖷 २८८, ज ४६३	र्शनतुबन क ११७ क १८५
रमनीयवा ज ४६७	धनिह्य क १ १
रमदाना च २७२	राष्ट्र व २६२
रमन क २७१ क २८७	चरिय य ४५, च ९, छ २८७
रमाक १६३ क ३५७	रतकारण्यः वादः वाद्यः वाद्यः
रमाकांत क १३४	म ४५६ व ४७८ व १४१ में हैं।
'रमानिवास क १३४	बारदर्शकार कार्यन कार्यन हर्य
रमायन क ५८३	at \$5A
रमारमण क १३४	रसगर इ. ५
रमेश क १३४	रसजा ग २३ म २७
रमैंग क १११	रसर इ.१६, इ.१७
रत्य व ४६३	रखरोप च १९६
रम्याच ४ ९ छ १४३	रसमातु व ४५९
ररना न ६३७	रतना स २३ व २७ क १५९, व ७१८
रवर्ष व ६३६	बदरर गर्
रत्या व ६३६	रतनाच प ४९९
रचंब४ ५	रतनावक क १६५
रमी ज ४५	रसपति कर ७
रव क ११२, क २९७	रसफन म ६
रमना क १९	रममव य ९४
रवा व ८९५	रमनरी व १५१
रवाज व ९५१	एन में बबना श ९५
र्चन संदर्भ साथ	रसपुरत स १२७
र्रावशांत व ५९९	रसम्बनना म १२६
र्रावपुत्त क १६५	रसराज य ४५०
र्रारत्त्वयं व ११७ व १८५	रमरी इ. ५२१
र्शानिक ए ११६	रनवा स १६६
र्रालंख र ११० च २१ र्रास्तुत क ११७ क १८५	रेगरा इ.१५ रेगमाय व. ४

रतहीन	४८९ चत्रसपित
रसहीन स १२८	रस्म व ९५२
रसहीनता स १३	रस्ती क ५२१
रसहीत होता स १६२	खेंदा क ५६४
रसाम १४३, च ९ स ९६	<b>प्</b> त-सङ्ग व २९४
रसाई व ७४२	पश्याण ६८९ स २६१
रसम्बद्ध म ४५	रहर व १९
रसातक क ११९, क ११७	यहम च १९
रवाना व ७१९	पहनत च १९
रसामन म २१५, म ४७८	<b>रहमविक ज</b> २२
रसायमी म १५ म १७८, म १८	उक्ष्मान क ५२२
चर ह घर ४ च ह५१	पहरा क २३८ व २२७
रसाक्र ग २७ व ३५ क २२८ क १४	९ राह्यना वा ४१
रसामा न १४६ क १२७ क १६६	च्हांच 🔻 २२७
रसास्त्रादन करना छ १२५	यहस्य क ५५८ स ३८६
रसिक्त २६६ व ६४ व ४८	प्हारस व ६९
र्यसक्तिहारी क ३९९	खाइस कराना <b>अ ६</b> ९१
रसिया व ४८	ण्हाना <b>व</b> ६९१
रसी व ४८	प्हान च ६९
रसीका क ६ क ४८, श १२७	रहित स १५८
रखीकापन इ.५१ छ १२९	ची्काच २५५
रसूम ब ९५२, छ १७८	<b>प</b> हीम क ११२ ७ ५२२ च २२
रसुक क ५२६ क ५२४	र्थमा व ४५७
रसेन्द्र व ४५९	रीजनामा२७ जा४१
रसोई च १९८	चौड़ व १२४ ग २७१ झ ४८
रधोदमा च १९८	रोजना स ९
रसोक्सीबार य ४ ३ 🗰 ८८	रीमा स ९१
रसोद्या व ४ २, श ८८	साई व १६४ इ.८
रसोई च १९८	राक्त क १४८
रसोर्धगर च १९८	राका करश्य ख ११ छ १४५
स्तिदं बनाना स ८९	অক্যক্ষতি ৰ १५
रसोत्तम व २५७ स ४५९	राक्षेत्र क इ. ७ च १५
रसीयुमन क ११	प्रसास के १४६, के १४८ व १५२, व ४६
रतोत्मवा क १७१	राबसपति क ३९

रचीया ४	८६ रनेव
रचैया 🗷 १९६	रमवाई स २९
रम ग ९७	रवतपुति क ३८
रमङ् हा २८७	रवनि क १४३
रगङ् भाना च ९३८	रजती श्राष्ट्रण 🗷 १४३
रमहता चर्र च ५५२, च ९३८ स २६७	रवनीकर क ३ ७
रवन स २	रवानीयस्था च ४१६
रमना छ २९	रवनीयर क ३ ७ क ३४८
रमुनम्बस क ३६६	रवनीपवि क है 🐱
रचुनाय क ३६६	रवनीमुख क १३% क १४१
रानमुख्य क ३६६	रवगीस क १ ७
रकुपति क ३६६	रवस्थल व ४५९
रनुसारे क १६६	रवस्पका श ५१
रवुराज क ३६६	रवा च १५५
रदुराय क १९६	रमार्ड क १९
रपुरेशा क ३६६	रवामेर व १८४
रमुक्ट क ३६६	रकार्यरी ज १९४
रमुमीर क ३६६	रवोडंपि वा ४७१
रषक व ८१६	रकोमूर्ति क १२३
रचना क १२६ च २९४ श ७६	रजोबती श ५१
रचना करना च २९४	रज्याक क ११२
रणनाकार स १२७	रम्यु क ५२१
रचिता च १७१ य ४०५ ज ८१६	रट व ११६ व ५९९
रमा भाना म ९४७	रत्ना स २४६ वा ६ वा ८६८ श ७६
रवाताच ७६६ च ९४४ स ७७	पट मेना व ८३८
रवित क १२७ वेख १७	रण श २६२
रण्डम स ४२९	रमप्रिय क १३४ व ६२५
रच्या त १९८	रनर्वका स ३६४
रजन १२८, च १८५ च १९१ य ४४५	
म १ च ९७	रमस्य च २२२, ग २६२
रतक य रेश्य	रमसीहरा स १६४ 
रतकी य १४६	रणस्थल च २२१ रणस्थानी क १६५, स ६५८
रसवारा १८, या १४ वा १४ वा ४४६ इ.स.च २४२	रणेश क १६५
* 7 4 4s4	174 7' \$13

Y29 TH ₩ रत्नयमी च ९० रत क २८७ म ८१ च १२२ रतम्बर व ६५४ रालवर क ४०५ व एलनिकिक १३४ य ६६३ च ३६४ रतन म ४८ रतपारची ग ४ ८ रतनाकर च २६४ रानविश्रेता व ४ ८ रतनार स ३४ रालाकर च २६४ रतनारता व १६ रव क १८८, क १८९, क १९ क्तनास व ३४ रववाड ग ४५२ रतमुंहा च ४८२ रयोग म ६२२ रत होना च १२४ रयोगपानि क १६४ रतातृत्व १ ८, व १२१ रवांनी क २६५ रित क २८५ क २८७ क ३ ९ ख १८६ रपास्त्र स ३६३ साहर, माट साहप्रक प्राप्तिक प्रदेश रणी चा ३६ व्या ३६३ रति करता क २८६ रणाच २४ च २४१ चित्रहर ग ८ रविकोनिया स १६१ रव य २५ रविवड दे 'रविमॉदर' रवच्छव ग २४ रदन व २५ रतिदान क २८७ र्यवनाय क २७१ रवनच्छर व १४ र्यतनायक क २७१ द्यी च ४२१ इ. च ४७६ रविपति क २७१ रतम ११ च ३१२, च ३१४ घ २६२ चित्रवन व ८ च १७८ र्धनवास व १७७ रविमंबिर म ८ च १७८ रपट व ६९८ रविरमण क २७१ क १८७ रपटन व ६९८ र्यवनव म ४६६ रपटमा व ६९९ র্ঘার্থান্য স্বাধ্ रपट्टा व ६९८ र्घातसम्बद्धः २८७ एकुणकार होना वे भागना र्यतसमर करना क १८६ रपष्ट्र करना च ८८१ रतिसामन य ७९ रमही क १५९ रती क २८५ व २८७ व ४६७ रती य २२७ खाँपी ब ४८ रक्त-बुस्ट च ८५१ THE STRAY THE WAY THE रमी व २२७ रलकौति क ४४७ रमोर च ४५३ रलकेतुक ४४७ रम क २७१

रमञ्ज	४८८ स्रांत
रमजान ए २४९	रविक्रोचन क १३४
रमन व २२४ क २७१ क २८७ था १०	
रमण करमा क २८६	रविवार क ११५ क ११६
रममी हा ४४ हा ५८	रविर्वित च ४८७
रमनीम क १८८, च ४६३	रविस्तान क ११७ क १८५
रमगीयता व ४६७	रविह्न क १ १
रमदाना च २७२	रस्क वा २६२
रमन क २७१ क २८७	रहिम व ४५ च ९, छ २८७
रमा क १६६ क ३६७	रखखर७६ अह गर्५ व १९६
रमाकांत क १३४	म ४५९, म ४७८, इ. १४१ इ. ११
रमानिबास क १३४	च २६२ वा४ च ४५ च १४५ छ १३४
रमायन क ५८३	स ६६८
रगारमण क १३४	रत्तवर इ ५
रमेस क १३४	रसकाग २३ प २७
रमैया 🖛 ११२	रतर ह ३६, इ.१७
रम्प व ४६३	रसदोप च १९६
रम्या च ४ ६ छ १४३	रसमानु म ४५९
ररना न ६३७	रक्षना स २३ थ २७ इ १५% व ७१८
रवर्ष स ६३६	<b>च८११ स९५</b>
रस्य व ६१६	रसनाच व ४५९
र्गं च ४ ५	रसनायक क १६९
रतो अ ४५	रसपति 🗣 १ 💌
रव ६ ११२ ६ २९७	रसक्त प ६
रनता क १९	रसभव ग ९४
रवा व ८९५	रसनरी व ३५१
रवाज व १५३	रस में दूवना झ ९९
रविक्र१९७ क्४०	रसपुरन झ १२७
र्यवसात म ५९९	रत्तवृत्राता स १२९
रविद्वात क ३६५	रसराज व ४५९
रविज्ञान क वृहेश क वृद्ध	रनरी ह ५२१
र्पर्शत ह ११६	रमर्वत य १६६
र्शनित्त क ११७ च २१	रमर्थत ह १५
रिश्तिक वेश्य क वेटप	रतर्गभव य ९४

रसङ्गीन	४८९ समसपति
रसहीन स १२८	रस्म च ९५२
रसङ्गाता स १३	रस्ती इः ५२१
रसहीत होना स १३२	खुँदा क ५६४
रतान १४३ च ९ स ९६	रहन-सहस ब २९४
रसाई व ७४२	<b>यह</b> मा ज ६८९ झ २५१
रसहय म ४५	रहत व १९
रसातक क ३१९ क ३३७	<b>प</b> हम व १९
रसाना व ७१९	रहमत व १९
रसायन व २१५ व ४७८	ख्मदिक अ २२
रसायनी च १५ च १७८, च १८	२३ <b>प</b> हसाम क ५२२
भर्कमर्थण ३५१	पहल क २३८, च २२७
रसाक्ष ग २७ व १५ क २२८ क २४	९ आह्मनावा४१
रसासा व १४३ क १२७ क १३६	च्हरि च २९७
रसास्त्रादन करना स १२५	रहस्य क ५५८, स १८६
रसिकन २६६ स ६४ व ४८	रहाइस व ६९
रसिकविद्वारी क ३९९	व्हाइस कराना व ६९१
रिसमा व ४८	<b>प्</b> हामा व ६९१
रसी व ४८	च्यान व ६९
रशीका क्षेत्र वर्ष्य स्वरूप	पश्चिम २५८
रतीकापन रू ५१ छ १२९	रहिका व १५५
रसूम भ ९५२, झ १७८	यहीय क ११२, क ५२२, व २२
रसूस कं ५२३ कं ५२४	रोमा व ४५७
रतेशा च ४५९	रोचना व २७ व ४१
रसोंई च १९८	र्यक्ष १२४ व २७९ स.४८
रसोइयाँ च १९८	रोनना भ ९
रसोदगीदार म ४ ३ स ८८	रोगा भ ९१
रसोइया व ४ २, ज ८८	राई व २६४ क ८
रसोई च १९८	धक्य क १४८
रसोईंगर च १९८ रसोई बगाना झ ८९	यकाक २२३ छ ११ छ १४५
रक्षांक्ष माना सं ८९ रक्षोत्तम म २५७ म ४५९	राकावधि च १५
रसोबुभव क ३१	एकेस क १ ७ च १५ सम्बद्धाः १४४ मध्य ४ मध्य ॥ ०००
रसोब्नवा क १७१	चासस क १४६ क १४८ य १५२ व ४६ चाससपति क १९
	anana r 13

रामती	४९० छन्त
चाती क १४९	राजनीतिज्ञ सः ११४
रास इ ४२६	शासमा स २९२
राजी छ २ ७ इन्४२६	राजपटोल म २७५
रागचाट स्टा सह • इ	।२४    राजपतनी सा ३५३ म १८१ म २८१
वर १४%, वर २६२	राजपुष 🕶 २४
राय कारता य १२	যাসপুদ যা বধ্য
धायबृत क २७१	रामाभियान स १४९
रानांगी च ४२१	राजपुत्री वर १५% म २९% व ४ %
रागपन्तव प ६८	स ४ १
रावपूर्णी म ४१७ म ४२२	धाजपुरुर घ १२२
चनसवा क २८% व ७९	राजप्राचार 🕶 १७१
रानिनी स ८१ च ८२	खजब्रिय प २१३
समीस १४ व २६६	ग्रामानन च १७१
रापन क १६६	राजभोध्य म २२
राचना प १६ ज १२४	राजगंदिर च १७१
यम्मगी इ ३४९	राजगहस च १७१
राष ह ४ १	राजगहियाँ त १५१
चटन 🕸 ३४८	चत्रमार्ग च २४०
चत्र व ७ व ३४८, त १४८ त ३८	६ धारवार व २६०
राबद्वंबर हा ३५४	राजगुरु ह ३१७
राजपूर्वार स ३५५	राजभूगर व २१८
राजनुष्पार ग ३५४	राजराज र १९५
राजपुनारी स ३५५	राजसावेत्वर सं १४% स १५
राजदुष्पाह व २७६	राजरीय च ४४६
धत्रपीर श ७	राजिंद के १७६ के ४६६
सकरत् व ५	पान्नविद्याल ३३ व ३३२
प्रशासना १३१	शासमुधा न १४८
राज्यारी हा २६२	रायम व ६३
गर्भा न ६०	शासमधा च १०४
गरा है है है है है	राजनी व ३५१
राष्ट्रीयम् स १७८	राज्युत दल ४ ८३
ग्रजगीतिम ११० ग १६२ ग्रजगीतिम म १३६	श्वन्याची के हैं हैं
4142.34 at \$85	बाउर्वा ह है 3

रामा	४९१ रामराम
एका सं ३४%, ग २९२ एकिता सं ५१ व २६४ व १ २ एकी व २६४ व ३५ व ५१ व १८४ एकीकरणाव ४३ श २४८	रामा क १९६, क्र. ४ व १८ व ४३ ७ ४१ रामाकोत क १९९ रामासम्बद्ध क १९९ रामासम्बद्ध क १९९
प्रजीव प १८८ एती बोना व १७८ एती व १४९ एतीवार व १४९ एता व १४८, व ४८ व १ ४ व १ । सा १४८ एत्सरीय व ५२	यमा च १५१ न २९१ याच के १७
प्रभावित क १४१ प्रमावित क १४१ प्रमावित क ११२ प्राची क १५१ व २१४	पानहीं के १९६ पान के ११८ के १९५ के १९५ के १८६ के १६६ के ४१ के ४४४ से ५ के से १८ के ८२ पानवीत के १८२ पानवाई के १६६
पह स १७४ प्रमा क १४१ प्रमा क १४१ प्रमा क १४३	पानविधा कं ५९१ पानविधा मानव कं ५८३ पानवाग थ २४५ पानवाग व ११७ पानवाग व २१३
राजपती व ४१६ पता व २२ पतिक इ २१७ पतिकात व १३९ पति क १४३ पतिक १४३	यमवाना च २७२ यमवाच क ३८ यमकृत क ३८ यमनाभी क ३११, ३४६ यममम क ३१७ यममम क ३८
चित्रप्त क १२९ चात्रिवारी क १४८ चात्रिया व ४ ७ चात्रिताय क १ ७ चात्रिया छ २८४	पामीय व १३१ राजनुव छ १ पामरा इ २८ पामरहत्व क ५५८ रामराम व १३९

रामराम करना	Rdb	ļu
रामराम करता व १४९, व १६७	रास्ता रोक्ना व ७७४	
रामलीका स १३६	रास्ते पर भवनाक १५	
रामसर व २ ९	णहुग ५८५, च १४१	
रामसेतु च १२	राह्यन ४ ४१८	
रामा क १६३ क १६७ कर - क ६८	, यहार व ७६४	
म १८२ म १८३ स ४३	राह बाकना ज ४५१	
रामानुष क ३७	राह देखना वर ४५३	
रामाम म २७२	राष्ट्र यूक्षमा वा ६९५	
रामानक ६ ५७% क ५८३ क ५८४	राही व ६९३	
यमेस्बरम् क ५६	राष्ट्र व ५८% व ५ व १३	
ध्य व १४७ व १९४ स १५५	राष्ट्रक क ४९५	
रागव करना व ९५५	रिभाषा च १७८	
रामता क १३५	रिसर व ८०४	
राज र ४७७	रिकाकरनाव ८ ९	
चन व ५८८	रिका ही जाना 🕊 २१३	
रावण क २५६, क ३९०	रिगमा व २४६	
रामनपुरी म १२६	रिगामा व २६	
चित्रत झा २७३	रिप्ताना व ४७१	
चधन ४ १६	रिह्ती 🔻 ८५	
राधम व ४६७	च्युं छ १ छ ६४	
राशिव ६६ च ५६	रित वा १९८	
राशीस क ५७	रित कटाना च ४ १	
राष्ट्रव १४८, व १४८, व १४ व १ ७		
यप्त्रित्र स ११७	रिषुत्र २७९	
राष्ट्रीय वा ३५२	रिपुता व २७६	
यस स १३६ य २५६, च २७	रिमितिम 🛡 २५१	
रासम म ४६६, श ४६७	रिमितिम करना छ १४६	
रासकीमा च १३६	रिमप्तिम होना ७ २४६	
रास्त व ५८, व ४ ६, व ४२	रियासत । स्ट ४ ७	
रातमो व ४ ९	रियान व १५२	
रास्त्रपोर्ड व ४ ७	रिकास ४ १ क्लिक्ट = ४ ३	
चाता च २४१ चाता बन्द करना च ७८८	रिस्तेशारी स ४ व सिक्त स ४१६	
COURT ALS A SEC.	10040 41 - 14	

रिम्पतकोर	४९३ भेंगता
रिस्स्तकोर व ४१७	रकस्त छ १५५
रिस च ९३	स्ताई श ११
रिसष्ठा व ९४	सक्ततार य २८
रिसामा व ४२ व ४४ व ९६	समाती च ६६७
रिसि च ९३	इत्य स ५४६
रिसियाना च ९६	स्थना ज ४६९
रिसींद्वा व ४	समिक २९% व १ व १२३ व व
रिक्स का २३२	१३८, व १४५ स ११३
चित्राई छ २३	समिर म हे ४ के ४४ के ८२ जा ४६६
रीवना स ९	च ४७१
ਦੀਜ਼ ग ५	विष्टता इः ४५, अः ४६७
रीक्षता क २७५	क्याचर ३ इ. ३३
रीय च ८५	स ४७१
रीवर च २४१	स्य च ४३५
रीकृत १५	चतवास १७३
रीता च ८ ४	स्वन दे 'परिचिद्ध क'
रीति व १४७ स २ ५, न ४५४ व ९१	t <b>३ स्वतंक</b> रनाय १२
रीतियां च १९४ च ९५३ स ३७	स्टब्स्ट १६५ क १६८ क २ ४ <i>क</i> २१५
धैक्ना स ९	<b>स</b> ६१५ स १३ स २४३
रीक व ९३१	क्साम क ४ क ४१ क ५५८
रीत वा २६१ व २६२	विषर संदुर इन्ह
रीसनाम ४२, च ९६	स्ट व ७४४
इन्ड म ४८	बद करना व ७७४
स्का व २३२, व ६८९, व ७८१	स्ममा सा १८ सा ४२६
स्टार म ४८६	काहमा वा ५५
स्तावट म ४७८ म ७८६	इतम्या अ ४२३
रकावट कामना व्य ७८२, व्य ७८८	***
श्वम व १२२ च ४४८, व ४४९	बमाधी क्ष २५८
<b>वरिमणी % ४</b> १	दव ग ५१
क्स व ५७५ स १२८	रस्ताय ६१६
स्पदा ज १६	स्टब १५
	स्ट होना व ९६
स्य प २	स्पनाज ७७४ व ७८८, श ९३

*	४९४ सेसम
क्य १५, स २३	रेषक व २१९
<b>र्च ४</b> २२२	रेवर क १
स्याप २३	रेट व १७
स्याध १२८	रेषु व १८६ व १९६ व १८६ व १८
क्ठनाव ९६	₹ \$6
क्य थ ४६६	रेणुकाक ४४% चर
क्य क १४७ व १६ क १२ व ४२२	रेत ग १२९ च ९८ च २६२
व ४६७	क्षाच ९२ च ९९
कार वा १३३ वा १३५ वा १३६ वा ४४५	
स्मग्रिका स १५९	रेकगावी क १८१
क्यवनाक्षरी स २ ३	रेनती च २७
रूप भारत करता स १४८	रेक्तीरमण क ४१
क्मनंबरी म २३१ अ ४३३	रेशम इ २६२
स्थया च ३८	रेपाणी कपड़ा डा २३६
क्यवीनमा च १६१	रेस व ६७१
स्पराच व ४६३	रेसामा स २९
स्पवान ज ४६३	रेख़ी च १९८
रूपि स ५६	रेह व १८९
रूपीय ४३३ ज ४२२	रेहन इ धर
क्माल क २५५	रेत छ १४१
कर व ४६६	रैपर क २९३
क्त स ११२	रैयव स १७८
क्समा च ९६	रोजां य ४
स्हन ७ स ६	चेत व ७०८, ७८६
	धोक-बाम व ७७८
	रोक्नाव ७७४ व ७७५ व ७३६ व
रियामा व ७१७	७८२, च ७८८
	रीक्रनवासा व ७७६
	रोशाम ७७३
	रोताहुमा व ७३०
रेता स ५६८	रोग व ४३५ स ४३६ स ४१८ स

रोगनिर्मेय	४९५	रोगी
रोमनिर्वय 🕊 ४३९	रोव च २४%, झ १७३	
रोमरहित स ५४७	रोबक्क ज २५२, का १७४	
रोगयन च ५२	रोग गठना च २५१	
रोगार्व स ५४६	रोव ग्राक्रिय करना व २५१	
चेपहारी च ५३८	रोव शासिब होना व २९	
रोमहीन च ५४७	रोव जगना च २५	
रोमादार स ५४६	रोव जनाना ज २५१	
दोविया स ५४६	रोबदार स १७४	
रोगी च ५४६	धेव होना व २५	
रोपस कर ५ ज दश्य व दश्य	चेर्रक स १७४	
रोधन व १४८, व १५२	धीयथ करना स ११९	
रोचना व २१८	रोसक्ष्रगर्भ तथ	
रोज क १३६, क १३८, व १ ९	रोगगर्वयोक्तिक क ५ १	
रीजका च १३७	योमयानी व ५३	
रोजपार च ६५२ छ २८५	रोपधान ४९ इस्टर	
रीवपारी स २८६	रोमहर्पण 🖛 २४६	
रोजमधी व २३३ छ १३८	रोगांच व ४१ ३९९ व	
धीन-धीन छ ११८	धेमांचित होना बा ३९९	
रोबाक ५७ क ५१५	धोनेश्च ग ५२३	
धोजाना ■ १६८	रोर च ५८९	
रोजी वा ३९४ वा ६५२	येथे क १२१	
धेनीना छ १६८	रील वार द	
रोट च १४९, इ. १	रोकर ख ३१२	
चोटी कर करें	रोका व ५८६ झ २६२	
रोटी सामा स ११७	रोभी क १२१	
दोड च २४	धोबी ग ३७	
रोवक च ७७६	रोधन करना झा ११	
शोबन म ७८६	चेतामधीकी वा १११	
रोमना ज ७७४	रोजनराम क ५३६	
रोनाग १२ वा ५९	रोधनारै थ १ ६	
रोगम य ४५९	रोप प ९३, वा २५८	
रोपना च ८१४ स ११७	धेय करना च ९६	
रोपनी करना स ११७	रोपी व ९४	

रोसना ४	९६ वर्ग
रोसमा च ९६	<b>अं</b> गरसामा च २ ४
रोह ग ५०४	संगी संबाधा व ७८८
रोहक व ७११	संपूर त ४६४ स ५२४
रोह्ण च ७ ९	संगोद क १ ४ क २८१
रोहमा व ७ ९	संगोटा क २५८
रोहिमी क १९४ क १९८ क १ ७ ज	संगोदी क १ ४ क १५८
मा४६९ मा ६५ मा १६४ मा २ २ म	संगत करना व ६८६
२ ४ क २६ ज २७ ज ३१	केंदानर च ६८२
चेड्मीश क ३ ७	संठ व १६४
चेहियक २९७ न ९४ व ५१ क १२१	संवताचा १६६
रोहितास्य क ६११	संख्यारी च १६६
धोहिनी च ३१	अस्य २२४ गरमध्य व ४३१
रोही अर ७११	र्थना वा ४१६ व ४३१
रोष्ट्र म ५८५	क्याई व ४११
र्पैदनाच-८२ स.९३	संगानीमा च ५७३
रीवा च २२९	संवात ज ४६३ ज ५७४
रीत का १७६	स्रेवाएस ज ४११
रीनक छ १८७ व ४६२, व ४६७	संगोताय वा ४१२
रीय प ४४९	अभीदर क १६२
रीयस १७३	सहसार १७५ के २७६
रीन जमना च २५	स्वद स ४१७
चौरव क ११% क १२२ क १२१	कक्षकृतमा व ९१४
धीरव मोपना क ११५	सक्दा क ∀रं⊎
रोधन सः १११	कानो प १८, क ४२१
65	क्रममा वा ५१% स ५२३
	समुद्री ३ ५५५
संक्रम ७८, वर १२६	जन्ती स वे
संकताब क १८६, क १९	सद्य स ६६२, व ४८६
सका च १२६	ससम्बद्धः च १९५ सं ४४
सम भ ५११	स ११४ सद्यम् भागता कं ११
मगढ़ देना च ८८१ कराव के १९७	सद्यपति साध्य म
समझा वा ५३२ संस्कृतमा वा ५३३	स्थाप्तक देशरी का देशक का देशक का देशक सम्बद्धा
Andrea on Edg	And the last of the state of th

सम्बी १	९७ सम्बद्धाना
क २ २, क २६५ क १६७ ख १८	<b>अवक्ताणे ८२</b>
# 46 # 515 # X 4 # XC	
TYCE E S	ध्यमाच ८२
क्रमरीपति क १३४ क ३९९, स ४ ५	भ कपाताच ८६
कंदमीयान वा ४ ५ व	कव्यत्व अस्त व ११४
सस्यम क ३७ ग ६४	सन्ता क देवंश के वेश्री व देवंह
म ६४२	कच्छिक १६३
सम्बनाय ७२३	<b>कडू</b> मन क ३७ ग ६४२
कवाताच ७२५	सम्बन्ता व ३२९
क्षचेदना व ६७४	सनामुर च ३२२
क्रमन च ५६ च १२७ च ३१९	समाना च १२८ वा १२९
सगता व १२४ व ७८० छ ३२	४ कत्रासुधा ३२२
झ ४१२	नजीना व ६२२
सममम च ९६५	कवीसी अप १२६
करमानाक ४२३	करना क २०२, वर ६५१
कमा व्याप्त १२२ व ४ ९	करवावती भ ६२६
क्रमातार क १६७ क १९७	करवाबान व १२२
सगल व ४११	छन्नित व १२७
संगाना च १६५ च ७७९, च ८६४	
९ ए च ९६४ स ११ स ११७	
समाम क १९४	सटक व ५३७
क्रमा रहता व ७८१	सदकन च ४३८, इ. १२९
समाय व १४५ ॥ ४११	बटकमा वा ७५५
सनूत म ४३४	कट जाना व ५ २
समीता के ४२६	सरमाभारं य ५ २
करन व १५३ च ५६ व १२	· -
वादेर⊎ कपियाकः २६४	बस्दुः क २७८, व १२२
सर्वे व ५५६ व ५८३ व ४६३	सट्टू करना व ४७२ सट्टू होना क २७५
सपुता च ४२८, च ५१६ च ५१२	स्टेड है।या के राज्य
समुख स ९१२	सहसा-बाना ध २४६
सपुर्वां व ११७	नद्गी य २४८, स २६
समुगंता करना य ११८	लड़लड़ाला पा १७ वा ७०७

कहार्द	४९८ इनहीत होग
क्यादिय २७६ स १७१ स २६९ व	ा <b>चरा</b> शा २६२
\$7 <b>5</b>	कार्की भ ९३१
क्यूनाचर८ चर८२	समक् व ११८
कड़ाका सा १६४ वा २८१	सस्तरना च १३
सहैता च १९४ म १५५	समकार व ५९३ थ २६५
सबद् क १७६ क १७७	सक्तकारमा च ५९१
कदिया क १८९	सम्बाना व ५९१
स्त्र व १	क्रमणगाण १३
क्तमर्थन करना य १५६	सम्बद्धा व १९२
क्षवर व ७	क्कचाना व ४७२
क्वत व २९२	सक्तम ग२२४ ज ७५ च ३६६
स्तरी म २५९, म २९२	कक्ताप ४ य २७
स्वाम ६ म ७ म ९२	कवा च २२४
क्ताबीर म ६	<del>बब</del> गुहां च ४८२
কবিকাৰ ∿ুম ভ	ककाइन व ३ ४
कवियाना ग १५६ भ्रा ३२१	कताई च १६
मता क ११८, क २२१ क २३६	चकाट ग १६
कवाड़ व ३५६	ककास ग४५२ च४८ इ. १२७ च ४६७
सद्धव व ४४५	सम्बासका व्य ४६७
चपट च २८	कतानी चार्द्य करें वार्ष्
<b>छ</b> पटना <b>व</b> १५२	क्रमित सार्दर वार ६ व ४६६
क्यूची क १२२	क्रसिद कसा चार
कपेट व ६६ स १८८	क्षतिता छ १४३ च ४६७
चपन च २३१	सकीहां स 👭
स्त्राय २४	कर्मण ४६ ८८
अवाया अ≓ २५२	सम्झ ८२, भ ९१ 
सम्बद्ध ५६७	स्त्रम क ३४% व २ % इ २८ इ १४
सम्बुक्त सं १४८	FYI
कमना श १५	क्षत्रणता रू ५६
कमिनगर	समगी ४ १५८
समधी गं १९९ सर इ. १४६, इ. १४९	सम्बोग व १९२ सम्बोगता व १२७
करकपना प ॥ ७	समसीन होना थ १२४

कीची करना	५०१ सेन
भीषी करना च २८८	मृतराई च १६४
कीन <b>च</b> १२२, झ १६	सती च २८१ स १०९
सीनवा च १२७	सुनाई व ४६७
कीन होना व १२४ स ९५	स्ताम धरेश म ८
सीप देता वा ९४३	सुगुधना य ३४८
कीक्रयाय व ५ ४	सुरम क २७८, च ११२
सीछना स ११८	मुख्यक य ३४८
सीवा क ४६ क १६४ व ४६३	नुमाना च १३ स ४७२
सुंगी क २६	म् ७ २०१
सुन च ५२८ च ५३२, च ५३८	सूक्य घ २८
सुंद म ४८	सूका क Y <b>९</b> ६
कॅबिनी बाय क ४९७	भूटना च ३८४ स २ ८, स २११
कवार क ४२२	सृष्ट केना दै 'इसर'
सुक्याना व ७९२	मृतान ५३९
सुकाठ क ४२२	सृष्य व ५२८ व ५३२
मुक्ताय ७९१	मूमाजेगहा च ५३८
सन्ताना वा ७९२	सूह वा २७१ वा ५२८
भुकाये छ २८	मेंद्रा व ९२४ च ९२८
सम्बंक ४९३	केफिन व १ १२
क्ष्माई व ४ व २२५	सावची व १४
जुनु€ कर	केम्बरर वा २४१
सम्बद्धे व २७२	सेसाम २०७ सा १९ दा २ ७
. <b>मु</b> च्याच २७६ व २६८ व ३०२	
सन्द भाना स ५१३	केश्वनी वा वे ७
मदाना स १८५ म ८६७	क्षेत्रपाल व्य १४१
सुटिया के ४४६	नेकिया पा १२८, शा १७२
सटेरपद श २ ६	सेवय व ४५८
सूटेश ग ४१८	निविध के १०७ के ४ ९
तटेरित य ४१७	केटना वर ८२, वा छ <b>र्</b> ५
नद्रशाम ७१ व ≡ २	मेहामा घ ८६
सुप्रसामा व ७ २	सिक्ष्याक्ष १७५
नगराये छ २८१	नेपा प ५८ नेपान करत
समय व (७३	नेन फा३ ४

सर्व ।	१ - संत
बार्ट क ११२	सिंग क ५७४ क ५७६ ॥ ४९
सास ख १४ ख १५ ग २४७ ग २५ व	सिविस्ट च ११५
\$\$0 # Y62 # YCV # YC0 #	क्रिकोरिया खा ५३३
९५ वा १५५ वा ४९८	किसना च २८८, स २९४
कारुपंद व ११७	कियाना-पहाला च २४७
बारकम्ब म १९५	किसित व १७
सामर्थरत व १३२	<b>बिटरेक्ट क</b> १२६
साबम च १३१ च १३८	तिहाना च ८३
सामय करना च १६	किट्टी कर कर ७ कर १३ <sup>ह</sup>
कालपी च १३२, च १४	ર ૧
सामटेन क ४९२	क्रियाङ् च १५६
सासन व २५३	क्रिपटाना व १५२
कास मिर्च इट ८५	क्षिपि स २२% व २३
काक्टर व १३८, स ११३	किपिक व ४ ५
कास होता ज ९६	किपिनड करना 🗷 २९४
मासाय १२२ ग३३ त ४०४	क्रिया व ११२
कावामित होना व १६	बिप्तता व १२७
साबित्य च ४६७	क्रिप्त हीना व १२४
काकिमा क २६	क्रिया व १३१, व १३८
रासी च ३६	विद्याका च ११५
तावक १११ न ६२७	क्रियास म ७९
सावधा व ४६७	सियाश्य व ८७ व १९६
कायनदा च ४६७	सिसाट न १६
सावनी खरें वे	सिंचानयात <b>व</b> २१४
सावस्य ज २	किलोहा म ५% व ५६
सावा इ १४७	लिहान व १७७ व ३२१
कावारिम झ १४	क्रिशंक इ. ५५
साच य १५% च ३१ झ २१%	सीक् य ५६४
काना प ३३	सीय प ५५४
सानानी व ४२६	सीय छ ३३६
सारव इ १८० च ११० च ११९	भीतो व उत्त
सार् म ४६७	शोबी म ६१
नाही म ४६७	सीहर च ११५

```
वकवरर वरश्वाद४
 ì
                            वचताच ६२
       व १४१ च १२९
                            बक्रोवित स २७१
       28
 ा ग<sup>र्म</sup>त च २१९
                            वकार इ. ४.८
 P 44
                            नवन सा ६४५ वा ७२ वा वा ९५८,
     459. H 4 6
                             व ९५९
                            बबन करना व ९५६
     48
 415
                             वक्षमदार ज ५१२
                             वजन छेना व ९५६
 11 F &
                             वजनी ख ५१२
  440
                             बनह व ६५३ स ६७१
  र्त ४१६ म ४१८ ग ५१६
                             मबारत स १५४
                             वजीका का २४४
 र्ग प २३९
                             मजीर सः ३५७
 # W C44
                             वजीरी स १५४
 ₹ 6 6 €
 ाँव दे॰ 'परिचिष्ट क'
                             वयक्ष २३६ क४ ५ म४६१ म४८५
 ीया म १८२
                              # 21 T 1 C
 म ३७२
                             वट थ ६५
 प १८२
                             बदुष २४७ इन् २५
 म ४२५
                             विकास २९४
 ाक १३४ ग३ व ७% व८ व
                             बल्द व ४९ ग ४८ हा ३
 MS H ?
                             बलनाम क १८४
 ालोचन य २१८
                             नरतर छ २७
 तिल ११२
                             बदन ग २३
 रियर क १९९
                             वशान्य चर १
बढ़ का २५५
                             मतकोष्ट या ४६८
बरील श १७९
                             वय च ४५८
बंश म ४९
                              वयदाना व २२५
बधस्यम ग ४९
                              बच्या २२५ स २३३
बना छ १ छ १५५
                              मध्य गर २२८
बरतम्य वर २७७
                              बन म ११ च २६२
बरता क ४८ स २७९, व ६३५ ज ६१
                            नगपर थ ५५७
बरपूना स ६७२, ल ६७३
                              बनवारी ज ५५७
```

Re-Ja 4 9 बेन-दैन प्र 🕽 क्षोतीय ३३७ व ४७ सेना व १८६. च १९८. च ९ ९ शा २१ मोप च ८ १ च ८२१ कोपना क १७१ H 254 H 4 4 केम का ५४१ क्षीपामदा क ४६५ ब्रोफर क २७१ स्पेपन स्थ ५४१ के केना सारश्चा शहर सा४१२ क्षोकरी वा २७२ कोविया व २६ म २९२ केश वा ९१ केंद्रग क १३९, क २ ८, श ३ ४ लोगन ३७ व १३१ सेडनाइ २८ क्षोत करना ज १३ लेकान म १७७ कोमना व १३ बेहाक क २९ कोमपना व १३१ मेब्र क ४२ क शहर कोमी क १६२ कोम ग ४ केंन् क १६८ व १६३ कोमडी ए ५१५ कोक साद ३ ज १ च १ १, च ९२४ क्षोत्रसाम ४९ ग ५१५ सोस्तित क ४४७ कोशहर्षण व २४३ सोस्टांत बा ३४ मोबाबार स ३३१ कोरकी क ३३ कोल व ८१२ कोकोन्ति च २३४ बोबरी म ५१५ क्षोत्रा छ १६३ सोग व ९२४ शोलपं व ११२ क्योपाई ग २१५ कोकपवा व १११ कोह म २७ घ १४ च ४४८ म ४९ सोचन ११९ कोषन च १९ # YYY कीहा म अपरे सोटना व ७६५ क्षोज्ञान्त च ११ क्षीदा इ. ४४५ सोहार न १२९ क्षोद्यना भ ८१ कोशारित न ११ कोशना व ८८४ सोहित स ६४ स ४८४ ह १ सोड़ा इ ४७४ व ८८५ कोशियास्य क १११ सोविया क ४७४ कोड व ९४ मोब य १५९ स ५१९ भी छ १९९ सोब प १ ४ ड १७ सींग क ८८, क १२९ क १४३ मोन इ. २८ कोनाई व ४६७ लींहा संघ% सं२४७

भौंदी	५ ३ वनवारी
भौती स ३८४	नकन ११ च १७ म ६४
सी सं २८ च १४१ म १२९	मनदाण ६२
औरुना च ७२४	मनोभित का २७१
सीकिक संस्कृत च २१६	मश्चर इ. ४.८
सौरना च ६७५	नमत सादश्रभुज ७२ वर वर ९५८,
भौटानाच ८६%, झा३ ८	व १५९
क्षोह व ४५१	वजन करना थ ९५६
_	वसनदार व ५१२
व	वयन केना च ९५६
वंकिम 🔏 ६	वजनी च ५१२
वस प ५५७	समझ प्राप्त शा २७१
मचक स ४१६ स ४१८ म ५१६	मनारत स १५४
वंचनकाच २३९	वनीका वा २४४
वंबित व ८५५	वजीर चा १५७
वंदन क ७३	वजीरी सः १५४
<b>भंदतीय दे 'परिविष्ट' क</b> '	वयक २६६ क.४.५ व ४६१ व ४८५
बंदनीया म १८२	करा चारे ८
मंदी स ३७२	बट घ ६५
बंध म १८२	बहुय २४७ इन् २५
बंधु व ४२५	मणिकस २९४
चंशक १३४ गरे मण्डियट	
र४९ स १	बल्लनाम क १८४
बंगलोबन स २१८	बलर छ २७
बंगी स्व ११२	बरम व २३
भगीमर क ३९९	वसान्य ज २ १
थक का २५५ महीक स्राह्म	नक्षकोष्ट च ४६८
वरात्र ४९ वर्षात्र ४९	शव म ४५८ वयमाता च २२५
मधारमस्य च ४९	वपू व २२५ व २३३
बस्त छ १ छ १५५	मध्य स ११८
वस्तान्य स २७३	वन प ११ च २६२
बर्गा र ७८, स २७६ व ६३५ व	
बस्तुता स २७२, स २७७	वनवारी व ५५७

वनभूमि	५४ इस
मनपूमि च १	नगोन्नत च ८८८
सनमानी क १६४	वर्णन पर १८०
ननदासी च ३ ३ घ ४३७	विवास ७७७
मनस्वसी घ १	वर्क्ष ६ ५ व १९१ म ७७०
मगरपति च ६५	वर्णकृत् कारत्युक्ताभ्रद्धवास्ट
बन्द म ८ 🖝 १२१ वा ५५६	# 344
मपन स १४९	वर्णन करना व ६१६
नपन करना का ६१४	वर्षेतात्मक वीकी वा २ ६
नपुष १२	वर्णनीय व ३५८, च ६१७
मनन वा ४९९	<b>वर्णसंकर व २४९</b>
वसन करना च ५ व ८९९	विकिकार १
यत छ १ स २९	वर्णित क ४५ च ६१५
वमस्काय २७७	वर्षा व ६१७
वयस्तंत्र सः १६१	वर्षमान छ १६९, छ १७३
मसोनुद्धा शा ६४	क्टमान काक ब्रा १७३
बर म १६४ च ४७१ च ११८ क १	नर्रागान चीनीची क ४८१
कटर वास्त्र वाप्तर्थ वाप्तर	कर्तमान रहना धा २९१
मर १	वरिका प ६३
मरक था १०४ म २३८	मर्जुक साहक साध्य साध्य
मरण र ४५	<b>वर्तुसामार ज ५८४</b>
बरम च ५२४ क ४ ८	शरमें च २४१
करमात्रा चा २८	वर्शमान क ४८४ च २६४
षरीम क १३४ म ८ इट ८३ इट ८३	मर्ग≽ ४ ८, च १४
नरामी क ९	वर्माण २९२
नराटिका म ४९% च ६ ५	नर्य क १७९ य २१८ व ४२५ व ४४
मध्यस्य म ९	वर्तता व ४२७
वर्षाहरू ११४ क ५५९ क ५७८ व ५२३	सर्वे छ एक छ दर छ एवर छ रूपेर
बस्य क २८९, क १९७ क १९८, क	
406 4 45	नर्यो छ ६८ छ ७२ छ २४% छ २५१
बरवाक्य च २६४	नर्वाचातु छ ७२
वरेष्य क १६५	वर्षा होता ७ २४६
मर्गका३.∀	नहीं स ६ ९
वर्ग वा १९९ म ॥	बस्य क १५१

बस्यत	<b>५५ प</b>
बस्कस म २०	बहसत ग १५, म १०१
बान्द ग २५	बहाँ व ९८९
मस्सम व १५५	महिष्कार ज १८
बस्तजा र २२५, व १५६	बहिष्कार करना व ८५३
बस्सरी इ. ८७	महिष्कारी म १८१
मग्र म ४८, स १४९	बहिप्हत न १९३ व ७४८
वधतास २३९	बद्दिप्यूत होना ज ७४६
वस्तर्वी अ २३५	मन्दिक १११ स ४५२
विधारत क २६४	मी च ९८९
विशिष्ट के ४६७ वर ७३	मांछनीय व १४४
वाप्तिय संदर्भ	वॉस्त्रि व १४२
मध्यता स १३९	बादसंबानकर स २७६
वर्गत छ ६८ छ ८४	बारुपपुर व ६१
चसत्ररोम च ५१	मामपति च १६
बनंदनदियास २ ३	वाक्रतिया व १ १ व ११७ व १८६
बसन इ. २१८	माजिक्र व १११ व १८२
मनाग रुक्ष प १०९७ च १०४	वाशिक्र होना व्य ११
ৰণিতে গ ৩১	बारव स २३२, च १४ व ५८८
मनीका सः ३७२	वागीसक १२३ क १३ व १९, च ६१
बसुबराग १९७ च १०	वागेरवर्छ का १९०
बबुक्ष १३४ क १६५ क २ % क २१	५ वाग्यीक१३
कर्षण सद ६ च ५१	नाग्यद् अ ६१
मनुष्य सः ४.६	बामी न ६१ - व ६३५
बमुचा च ९	बाध्ययं सं १२६
त्रमुवती च ९०	वाषनाच्य च २११
बनुषेग क ४१८	बाचन्यति च १९
बनून बरना च ९ ९	नामाग १३ व २३ व २० व ६२१
बगुनी वरता २९%	वाणात च ६१३
बागु स १३ इ. १३ इ. ४१८	वार्षिक अभिन
बन्द हे प्रेट्ट ए रहे ह पर स छ	
वारमीयन वासा श्र ७९९	बारी र ४५३, व १४ व ४६५
महत्त इ. १८१	र्याणाय ध्या ६
बर्भ स २३१	वाद व ११८, स ५०६ व ४११

विकित होगा	५८ विश्ववा
विजित होना क २९२	विद्यार्थी का २४२
विवेता व २९	नियासय च २७४ च १९९
निमाका १७ वर ६५ चा १११	विश्वति <b>क</b> २५४
विजयाच १२१	विचुत्पाका श्व.२.३
निव्यप्ति च १२२	विद्याण ६ २
विज्ञान क ५३४ च २८१ च १०३	विशोह ज २७६ श १७५
विज्ञापन वा १२२	विज्ञोही वा १७६, हा १७७
विज्ञापित व १२१	विद्वाल क १७ का २३९
निजापी च १२	विशेष क २६२, ज २७६
विद्यान २९४ के व	विशेषण भ २७६
विटप घ २	विर्णसमा क १७१
निटळक का १३४	विषया य २७१, श ४८
विडाल य ५२१	विवयापन स ४९
विद्यालास च ४६८	विवास क १२३ क २९८
विदीया क २२५ -	विधानी क १३
निवस क ११६ क ११७ क ११८	विवास स १५७ वा १७
निवान क ८१ क २९५	विवास करना व ९४४
विद्वा ग ४३५	विवासक का २८७, व ८१६
नितास १८ स १८१ स १८७	विविचार्थ चार् भ च ४५ वा १५४
विवारण अ २६२	居 (444)
निवारित करना व ९३४ व ९३६	विजुक्त १३४ क १ ७
विदारीकंद व १९४	विषुर य २७४
निवीमें होता च ९३७	विजुसदगी वा ५६
विवेश म १ ५	विकास का १७२, वा ८२१
विवेह क १७९	विष्णंतरा मः १७१
निव्च १११	विष्यंसगीय क १७३
निक्रण १७२	विष्णंची पा ८२४
विश्वमान स २५७	विष्यस्त च ८२५
विक्रमानवाका २५९	विशता क ४५१
निधाक १८ क १९४ क २ २, क ५५८,	विनती वै "चिनय"
क नेहरू स्व व स्व २३% स दहर,	विनती करना श १४८
च ११४	विनम्रव ११ व ७८ व ८५
विद्यानरक २ ३ क २४३	विनम्रता व ८

विलय	۹ ۴	विमान
विनय चंट च १७६	विप्तनी श १७६	
वितम करना स २४८	विवृथ क २०७	
बिनव पिटक क ५९२	विमक्त 🖝 ६४४	¥ 666
वित्ययीक न ७८	विभक्त करना व	CCO
बिनगी भ ७८	निमस्ति च ८५	<b>€, ₹</b> ८८ <b>९</b>
विनवसर च ८३२	विभव 🐮 ३८	<b>■</b> २८८
विनय्ट च ५६८, च ८२५	निमा 👿 २८७	
विमय्द होता व ५७	विभाकर क २९।	≉ क १११
विनायक क १९२	विभाव स ६४३,	¥ 665
विनास क १७२ व ८२३	विभावक स ५६	4
विनाशक के ४४७ से १९७	विमादन अस्ट	2
विनास होना च ५७	विभावन करना	# CC+
विनाधी व ८२४	विभाजित 🕊 ६४	N € (())
विनासना व ८१९, स २१८	विनाक्ति करना	₹ ८८७
विनिमय अर् १	निमात छ ११९	
विनीत व ४२४ व ७८, व ८५	विमावरी छ १४	
निनीत होता च ८२	निमाय 🗷 १८३	
विनोवसीस व ४८	निमिन्न व ८५०	•
विनोदी व ४८	विमीयव क ३८	
विपद्मता व २८३		1 6 6 A. A. 6 6 P. A. 5 5 P.
विपक्ती स २७९, व २८४	य % म ७ व	* *
विमत्ति च ५	विमुता व ४२७	
निपरीय न ४२१	निमुद्या वे 'भू	
विपरीतवा व २८३	विमुसित होना	
विपर्यम् व ८४१ म ४		१३ क २१३ क १६८
विपर्धास्त झ ४३७	# \$4	
विपित व ११	विसृपित व ४५	
विभिनविद्वारी व ५५७	বিশতিক জ ১৩	
विपुष्ण क ४८३ विकास सम्बद्ध	विगंडित करना विगर्ध <b>स</b> १४५	
विपूषा च ९ विप्र स २८२, च ६६		-
विप्रतिक्षा १८ ज ८५६	विगता य १८	, म ६ %, ज ४१४ च ४६६
विभाव सं १७५		¥ स ४५२ <b>इ</b> २७९

मानी :	<b>ংহ মন্তু</b> নী
नामीक १३ क १९६ व २३ व २७	वागुरोका व ४७१
म ५८८, च ६२१	नायुगडळ च ३
मातक देश क देश, सं४८५	बायुवेग 🗑 २६५
बातायन य ४५२	बार क १६५ वर ६ ३ म २८
नारकस्य ग १८४ वा १४५ वा १४६	भारण व ४३५
नाय का ३२९	बारना व ७७५ स ४१
मारक ग १८९	बारमा व ७७५ स ४६
नादरायमञ्जूष रू ५९३	बारवरिता ग ३९७
नाव विनाद का २६९, का २७२, ता ३२९	भारतह क १५४ क १५५
वाद निवाद करता व २८	शारिक १३ क २३ च २५२
वारा स ४२७	वारिय म ४४८ म ४९४ म ६ ५ म
वादिम च ९१	वारिय च १२३, इ. २३ इ. २३९
माबी स ६९, ग ३६८	वारिय च २६४
गायं न ५ भ ९१	वादमी क २९६ व ४८२ ह २ ५
बानप्रस्य व ४६	बार्ताक १९४ च ६२१ छ ३८५
बानर ग ५२४	कार्तीकाप के 'बार्ज' बादकीयें
नापस माना च ६७५	भागम्बाप करना च ६२३
भाषती च ३५१	वास्तिक ग २९४
नापिता च ३ ८, च ३१२	शायिक व ४ ३ ७ २८
भाषिस करना झा १८	वार्षिकी व ४१
वापी च ३ ८, च ३१२	वासिक्य १७४
बाम क २७१ च ९७९	वास्त्रियाग १७७
मासमैब क १६५	वाक्तिक क ४६
वामन क १३४ क १५४ क १५५,	बाप्य स ११९ ♥ २६२
# 140 # 40x #400# 505	भावती सं४ ३, सं४४ सं४१६
<b>म८८, म</b> ४३६, म४३७	# R\$6 # RK6 # 665
नामधियातन च ६८	वास क देश क देश क ८२ क ८२ क २१६
मामाक १९४ ग २२५	च ११९, च १४ - च २११
गायधिन स १ ६	शासकसण्या च १५८
मासमिकग च १२५ मानसंग ६५४	भासर क १२
मायुक्त देशेंद का देशेंद्र का एश्युक्त अप्	वासी च ५५५ बासुकि क ३५८, क ३५९
नामुकोय च ७६ च ८४	वासुकी का देवें य ५५९
14111111111111	and an action of the

वामुदेव ५	७ विक्ति करना
बायुबेब क १६४ क ६९% क ५५८	विगत व ८२७ व ९४७
¥ 44	विग्तवर्ष 🐷 ३२
बास्कट क्ष २४७	विष्रह क २२ ग १२ स २६२
वास्त्रविक व ४ ५	विग्रह करना च ८५३
वास्तविकता व ¥ ५	विष्त च ७८६
बास्तुम ३३ च १४	विष्मकर्या ज ७७६
बास्तुरुमा च ६	विष्ण राख्या व ७८८
भारत क ३११ छ ३७८	विष्णतालक क १९२
वाहिनी स ३५९	विवत्तव क १७
विद्वार्थके संप्रकृत १४	विषक्ष व १३
विध्यापक क ५८ व २५७	विचलन स १७५
विक्रपित होना च १७ य २४५	विच∺नाच ७ ७
विकल क ३८२	বিৰ্ভিতৰ १२ জ १३
विकट क १९२ व २४३ व वेष८ व ४२५	, विचर्कित करना च १२३ व
<b>4</b> 446	विचक्ति होना क २८ ज १७ ज ६६५.
विकटता व ४२७	<b>₹</b> 9.9
विषटमार्गं च २४३	विचार का २४८, वा २, ज २९४ झा ४२७
विकास व २४३ था ६५८	विचारमा व १६९
विकर्षच क २८१	विचित्र य ६८, व ४१८
विकल ग २७४ च २२६	विभिन्नम च १६६
<b>विकक्ता दे</b> 'परिशिष्ट क'	विष्णीय व ८५६
विकसामा ज १८	विछोड् व ८५६
विकसना व ४१, झ ३१९	विवन क ५७३ च २२७
मिकार स्र ४३५ ल ४४१ व ३९७	विजन बुकाना स ३८
विष्टत च ५४६ व १५४	विवसक १४५ क १६८ क ४१७ व २८८
विश्वत करना व ९४३	विजय करता स ११७
विकृति सं ४३५, क्ष ४४१	विजया क १९४ क ४३१, य १२४
निकम च १३४ क ३८	वरश्यं बर २, कर्ड, कर् ४
विक्य स २९२	₩ ₹ ₹
वित्रति स २७३	विजवारतमी ७२६
विधित्त व २२६, व ३३५, व ३४	विजयी व २९ रिक्टी केल्प स्टब्स
विद्येष च १९४	विजयी होना व २९६
निकास व १४९	विजित करनाव २९१ व २९३

विजित्त होना	५८ फ़िला
विजित होना क २९२	विवासी स २४२
विजेता ज २९	विद्यालय या २७४ व १९९
क्रिमक १७ सा६५ जा १११	विद्युति छ २५४
विवस्त च १२१	विद्युग्नाका स २ ३
विजयित ज १२२	विद्याग६२
निजान क ५३४ सा २८१ वर ३	विद्रोह प २७६ स १७५
विकापन का १२२	विद्योही स १७६, स १७७
विकापित व १२१	विश्वास का १७ वा २३९
विज्ञानी च १२	बिद्वेप वा २६२ ज २७६
विट ग २९४ इन <b>३</b>	विशेषण च २७६
विटप व २	विश्वंचनाकः १७१
विटटल क ११४	विववाध २७१ स.४८
विकास ग ५२१	विवयान स ४९
विवासाध व ४६८	विवास क १२३ क २९८
निजीना क २२५	विभागी क १६
नितास के ३३६, के ३३७ के ३३८	विचान सं १५७ श १७
वितान क ८१ क २९५	विवास करना च ९४४
निर्देश म ४३५	विवासका चा २८७ वा ८१६
विश्व वट स वट१ स वटक	विविधारित सार रुपारिकारीय
विदारव स २६२	श्र रेक्ट
निवाद्धि करना च ९३४ व ९३६	विषुक्त १३४ क है थ
निवारीकंद म १९४	विषुर य २७४
विधीमं होना च ९६७	विषुधरनी स ५६
निदेस च १ ५	विष्णंत क १७२, च ८२३
निवेद्द क ३७९	विकासमा क १७१
निव्चारहर	विवर्णसनीय क १७३
বিত্র সংগ্রহ	विष्यंसी च ८२४
विधमान स २५७	विम्यस्य च ८२५
विद्यमानदा स २५९	विनता क ४५१ 
विद्याक १८, कर १९४ कर २ छ ५५	
क ५३४ क ३ क २३५ क ६१	९, विनदीकरनास २४८ विनद्म व ११ ज ७८,ज ८५
म ११४ निदायर कर ३ क २४३	विश्वस्ताय (१ ज करन २०१ विश्वस्ताय व
रामानरकर र के प्रश्न	स्वयं अधिः ज ८

विनम	4 4	विनात
विस्तय च ८ च १७६	विष्क्रवी स्न १७६	
विनय करना ध २४८	विक्यक २७	
विजय पिटक क ५९२	निमनत स ६४४ व ८८८	
विनयधील व ७८	विमक्त करना च ८८७	
वितयी च ७८	विभक्ति व ८५६, व ८८	33
विनस्बर ज ८३२	विमव चा ३८ च २८८	
विगच्ट व ५६८ व ८२५	विमाछ २८७	
विनय्ट होना भ ५७	विभाकर क २९७ क ११	*
विनायक क १९२	विमाय स ६४३, च ८८९	
विनास क १७२ च ८२६	विमासक क ५६६	
विनाशक क ४४७ स १९७	विमायम च ८८९	
विनास होना च ५७	विभावन करना व ८८७	
विनाधी व ८२४	निवानित सं ६४४ च ८८	6
विनासना च ८१%, स २१८	विमाजित करता 📽 ८८७	
विनिमय स ३	विमात क १३९	
विनीत म ४२४ म ७८, व ८५	विवासरी क १४३ छ १४	4
बिनीत होना च ८२	नियाय च १८६	
विनोदमील अ ४८	विभिन्न वा ८५५	
विनोबी व ४८	निमीयथ क १८६ व १२	<b>t</b>
विपसवा व २८३	निमुक्त ११२ क १३४ व	१६५ क २२६
निपत्नी य २७% व २८४	सभुस्थ का ४२५	
विपत्ति व ५	विभुवा व ४२७	
विपरीय व ४२१	निभुष्या वै 'मूख'	
विपरीतवा च २८३	विभूषित होना स ११६	
निपर्मम् च ८४१ श ४	विमूधि कं १६६ कः	149 # 746
विपर्मास्त स ४३७	W NC	
विधित च ११	ৰিদ্বিত ৰা ৮৩% ৰা ৮৩	
विधिनविद्यारी वा ५५७	निमंदित सं ४७३ वा ४७	A.
विपुत्र क ४८३	निर्मेडित करना स ७७	
विपूक्त च ६	विगर्धे व १४५	
वित्र ग २८२, व ६६	विसक्ष घ ४४९, च ६ ९,	जरहर सरद्
विप्रकृति चारेट चाटभ्	विमाता च १८	
विप्सव स १७५	विमानक २३४ स ४५:	) <b>Σ Ψος</b>

वि <b>नु</b> क्क	५१ विवर
विमृत च १२३	विराटकुमारी क ४२१
विमोइन क २७६	निपटता च ४२७
विमोहनाक २७४ व १३	निराम व ७६४
विमोहित क २७८	विसम केना ज ७६५
विमोहित करना क २७४ व ४७:	र निकाण २८६ व ४२१
विमोहित होना क २७५	निस्त्रता च २७६
वियत् च ३	विक्य व ४७७ व ४६५
वियुक्त व ८५५	विकपता च ४६८
वियुक्त होना क ८५४	विक्यास क १६५, क ३४७
वियोग स १८ स ८५६	विदोषत क २९७ क ३ थ
वियोगिनी ग २६९	विरोग ण tu¥
वियोगी व २६८	विरोध च २६२ व २७६ च २८६
निर्देविक १२३	स ३९४
निरस्त व १२३ च १८१	विरोधी ग २७९, ब २८४ ज २९
विरक्त करनाक २७९, च १	
म १२६ म १२६	विसंव करना छ १६ ज ४५२
विरक्त होनाक २८ च १२५	विसंसण या ४१८
विपस्ति क २८१ च १२८, च ११	४८ विकासमता वा ४१९
विचित्रेत साना व १२९	विक्रम व ८५५, व ९७७
विरमित होना व १२५	विक्रमना व्य ८५४
वियमित क १२७ सा १७	विक्रमाया ज ९ ३
निया च १२२	विकपनाम १२
निरव भ ३५१	विकाय करना थ ११
निरद माना च ३५९	विकासत चा १ ५
विरत इट १५६ वा ५ ८	विसास क २८७ ख १६४
विरस्ता अ ५१	विकास करना क २८६
निरम ज ३४२	विकासिनी म ५८
नियः व ८५६	विकासी पा ३ २
विष्ट्रतच्या व १६९	विज्ञीन पर १२२, घ ७३ ज ८
विर्मित्वी ग २६९	विकीन होता व १२४
विराम होना क २८ विरामी क ११	बिलोड़ित क १६२
विश्वमीक ११ का १८१	विसोस क २८९
विराटग २९२ च ४२५	विवरण १५ थ १५१

विवरम	५११ विसर्जन
विवरण ख व	विश्वकर्गीक ११२, क १२१ क २५२,
विवरम देता च २६२ व ६१६	क २९७
विवर्ष श ३४२	विस्तराच क १६५
निवर्त व ९२४	विस्थविद्यासम् सः २७४
निवश च १६६	विस्वसनीय व २५५
विवस्तान क २९८, व १	विस्वस्त व २५५
विवाद क २६६ क ३२६ क ६४३	विस्वाधिय के ४६६ के ५७८ च ७३
विवाद करना ज २८	विरवासकु क १३४ क २४४ क २४५
विवारी च ६६	# 5x4
विवाह क ९८ व १५१	विस्वास क २ ७ व २५३
विवाहना झ २४	विस्तात करना व २५४
विवाहित से २५	विश्वासभात व २५७
विनेक दे 'तान'	विस्थासवादी व २५६
विवेकी व १६१	विक्वास्थात्र व २५५
विवेचन खर ९, खरे	विस्तासी व २५५
विवेचना चार ९	विस्वेदवर क ११२, क १६५
विवेचना करना च २६२	विषक्ष १८३ म ५६३ म ४७८ म २६२
विवेचनारमक चैकी आ २ ६	विपवापया व ५२७ व १७५
नियद च २८	विपष्प य ५५८
विश्वाचा च २७ च ४३	विषय चा २ २
विद्यारक च ४२ ज १६१	नियमता ॥ १९४
विधित क ४१२	विषय अप २९७ सः १८ अप १७ अप २९९
विश्व व ४१४	विषय-वासना च २९९
विश्विका स ५ ८	विषयी ग १३४ च ६ २
विशेष का १९	विष <b>र्वेश स</b> ५४२
विशेषकर ♥ १९८	निया <b>न व</b> ११ ग ४३२
विधेप श्रोमा च ९१७	निपाव वा १८५ वा २२४
विमास व ७६४	बिष्ठा ग ११५
विमास करता च ७६५	विष्णुक १२२,क १३४ क २ ६,क २१५,
विष्केष च ८५६	क १११ क ५७४
विस्तंगर कररेर, करदेश करेर५	विष्णुकोक क २१८
विश्वक १३४ क १६% ग७ गः	
कर चभ्द्रभारे हैं	विधर्जन घ १९५

विसर्जन करना	<b>५</b> १२ <b>श</b> ्रीक
विसर्जन करना क ३६	व २२४ व २५ व ८६ व १४६
विसूचिका चा ५ ८	म ३६७ स ४१ - स ४१६ ह १९%
विस्तार क १६५ व ४३५ व ५७४	क्ष १, श २७३
विस्तार देना च ८७	<b>बीरतास २७५</b>
विस्तीर्ण व ४२५ व ५७३	<b>बीर एस का १८२</b>
बिस्तीर्णता च ४२७ च ५७४	भीराम म ५६८
निस्तृत च ४२५ च ४३४ च ५४३	बीर्य व १२९ व १२ छ १८ छ १ <del>८७</del>
विस्तृता च ४२७	वीर्यपात <b>श</b> ४
विस्कोटच ५१ च ५२२	बीर्यस्वी च २१९
विस्फोटक स ५१	वीर्वहीन फ ¥२
विस्मय वा १८६, स ४३८	मुंध मा ६३५
विस्मयकाची स ४३९	<b>भृत्यापन क</b> ५८
विस्मरच म ८६५	कुछ क बहुद्द व भूरूप व भूरदे
विस्मरन होगा थ ८१३	म ६५४
बिस्मृत व ८४२	<b>बुकोदर क ६१८ क ४२५</b>
बिस्मृति व ८३५	मृत्र म २
विस्मृति होना च ८४३	मृत्य वा २१ वा ५८४
विस्मित च ६ ६ झ ४४	वृ <del>शाकार व</del> ५ <i>८</i> ४
विष्ट्य न ५९८, क ४ ८ क २३९	वृत्ति स १६% म रै
विद्यम क २९७ व ५९८	वृत्तियाँ सः १९३
विह्सताज ६३ व ६३२	<b>नुनदा क</b> २२५
विद्यक्त २९७ का वे ७ का वेट्य वा वेट्य	
ग ५९८ क ४१२ छ २१९	मृद्धा य १७९, स ४९
विद्यात क १३९, क १८६	मुखानस्या श ३५
विहार वे परिधिय्य कि	वृश्चि व २८८
विहारी क १९९	मृद्धि करना थ ९१७
बीचि च २७८	वृश्चिक च ५८, व ६६
मीना कररह व ९७ वर ८	मूच क देवर म प्रदेश म प्रदेश में देश
बीगापाणिक १व	446
वीविका च २४५ केन्द्रिक १९६ ०० ०००	मृत्यान ४८३ च ६
मीमी का १३५, भा २४५ मीमान मा १५०	वृतमानुवा क ४ वृत्रक्ष व २९६, र्ग ४५२
भीमत्त्र सं १७९ कीर सं १६५ का १७९ का ३९४ त गरिश	
बीर क १६% व्ह १७% व १६४ व ११४	disc m 1.1

नुहुब 413 ध्यंत्रन वृष्णिक २२५ क १११ क १११ स १९५ बैनयंत क २३१ TYS BYES वैत्रमंती इ.४. २ नुद्दक १११ च ४२५ बैतरणी क १२२ क १२१ बृहदता व ४२७ बैंग्ररणी पार करना श्र २३३ नहवारव्यक क ५५९ **गैतरणी वार होना झ** २६१ नुहरू क २२५ वैवर्धी 🗷 १०४ बुह्मका क ४१७ वैविक क्र ४ क ५४२ न्द्रस्यतिवार छ ११५ छ १२ बैबिक संस्कृत क ५६९ का २१९ नेगळ १५८,कार कात्राज्ञ कात्राज्ञ नैपूर्व व ४८१ व ४८९ नेनवान होता अ ६७२ विद्यी क १६७ वेची ग ४२ वैषक्ष अव क्षेत्रह नेषु च ११२ व ८ वैषास १८ नेतन स १९५ वैषया श्रा ४९ मेर क ५३% क ५३८ क ५९१ नैनतेय व ६ ६ मेरम्मति क ९६ मैंगव का ६८ वेदना क ३२६ व्यक् बैमनस्य क २७६ वैदपाठी क ११ क ५४२ नैमनस्य होना व २७९ मेरेमामा क ५३९ नैयाकरम क्र २१७ वैदमभ क ९२ क ५४१ नैनस्तव क ११७ क ११८ वैद्यविहित क ५४ मैयम क ६६ व २८ नेरम्याच क १५४ क ४६१ नैवास छ ४१ नेषसमात क ५४ वैद्यासमंबन व ४६७ बेदाग क ५३५ स ६ वैसेपिक क ५१२ नेदात क ५६२ वैशेधिक सूत्र क ५६९ बेशतसूत्र क ५६३ भैस्य व २९४ भ ४८ बेबांती क ५६४ वैधास स छ नेवाच्यायी क ५४२ वैपानस क १ ९ बेदोस्त क ५४ वैष्णव क ५, ए ७ नेपुष सा ५३ मैं से जर २ नेस च १४७ व्यांमा ग ७९, वा ६३७ नेस्या सा १२४ ए १९७ व्यंग्य कतना व ६६८ नेप सं १४७ ज ४६२ <sup>श्रां</sup>मारम**क भौकी स** २ ६ वेप बरना बा १४८ व्यंत्रन सा २२६, मा १८९

व्यंत्रना	५१४ ।
म्पेजना स १९५	व्याक्षरणवेता स २१७
म्यस्त करना व ७९९	स्यापुरूष पर्द पा २२६
स्यक्ति स ४०४	म्यार्सवा थ १६
स्यस्तिमत् ध ४०५	म्या <u>र</u> ूल होना ज १८
व्यवस्थ १३ वर २२६	म्याक्ता था १
स्वत्र ह ५७३	<b>व</b> ्याच्या करना स २६१
व्यक्तिका स ४	व्याक्यांचा स २४१
व्यक्तीत व ८२७	व्यास्यान रा २४७
व्यवीत करना छ १	व्याक्यानचाता च २७९
म्यतीत होना छ २, थ ८२१	म्यायात च ७८६
स्यमान ३२६ ज ५	श्यापाठ कालगा अ ७७४
व्यक्ति अ ५२	ब्यादा प ४९४ त ४९७
व्यक्तिचार च २९९	स्याज क १९७
म्यभिषारिषी छ ६६	म्यानोरित क १९
म्यभिकारी व ३ २	म्याच स २९९, ग ३४८
स्यय स १८७	व्याविक १८५ क्षेत्र १८५ क्षेत्र म ५
म्पय करता स १८५	व्याधिवस्त स ५४६
म्ययी च ३८९	व्यापक क ११९
व्यर्थ व ४२१ इ	म्यापार <b>स</b> १८५
म्यवजान ड ४९७	व्यापारिक श २८९
म्पवसाय झ २८५	म्यापारी स २८६
<b>म्यवसामी द्य २८६</b>	व्यायाम क १७१ वा
व्यवस्था सार्थ् असार्थ्	न्यायामधाना च २१७
व्यवस्था करना स १५९	क्यास स. इत्र र च त्रकेन च त्रक च त्रक्
व्यवस्थापक सः २८७	म ५५८, व १६
भ्यवहर्ता य २९४	<b>व्यावसायिक श</b> २८९
स्यवद्वार व २९४ स <b>३ ६</b>	क्यास के करें के प्रदेश के तंबर
व्यवद्वार करता च २९५	म्यास <b>संको स</b> २.६
स्यनहारी स २८६	अपूह चा १५९. स १२. चा ९२४
म्पप्टिस ४ ४	व्योगमध्६ च ३,इन्२१९
म्पस्त व १२२, व २२६, व ३३२	चन्पा च २८७
म्मस्त ख्ना च ७८१	वन च ५२२ च ५२६
म्पाकरण क ५५% वा २१%, वा २३७	बस क ५२ क ५१

बीझ ५१'	<b>. यनुताई</b>
1.	शकक २२५ क २९८ च ४५
बीवा व ६२१	शक्यत् छ २५२
बीहानत वा ३२७	प्रमुप्त क २७
क्रीकानत होना व १२८	समारिक ३९३
वा	सन्त व ४६२
संक्रण २३३	शक्त श ४ ४
शक्ता ज २३४	सगुद्ध व १८१
संकर क ११२ क १९६ ग २४९	धर्मी क २२७
र्यका स १८५ व २२४ व २२६ व २३३	धनौपति क २२५
च २४९	छठ च १५२ व २२६ च ११ क १
र्धकाकुल व २२६	धम च १२९
धॅक्ति व २३७	धगपुष्पिका च २५३
संक्ति होना च २३४	वर्ष ६२८ व ६२९
संबन्धर क १२८ क १२८ क १२९ व	धतक क्ष १९
९८, स ६३९, ग४४% म १२ म ४९४	सतकोटि क २१६, 🕊 ६१५
धवपूर क ११९	बत्तक व १८८
र्घचपुर्णी रू १८	वातपन क ५५४
ग्राड स ४८१, ए ४८३ का २	सवपद व ५४२
संबुक्त भारतभाव व व	स्वपदी य ५७४
संमुक्त १६५ क १६८	खतपर्वां क ४५४ व ११६
भक्त व २२९, स ४	सवर्गन वे परिद्विष्ठ क
शकट ग १२, इ. ३८२	सदानंदक १२३ क १३४
यकर के १७२	चतान्ती क २९
शकरकंद व है ८	चतामु छ १३५
शक्त गर्वे अध्युष्ट के ८३ समुत्रे अध्युष्ट	स्तावर क २
सङ्घत म ५९८ म १४९ सङ्गति म ५९८, म १४९	सतावरी क २२७
सकर के देश के देशन	चतार्बुड क ६३५, क ६३७ चती छ २९
धकरपाना क १८१	धनु ग २७९
गरित के १६६ के १९४ के ३८ के ३८७	समुद्रभ क १७५
शक्तिवात स ४	धमुता व २६२, ज २७६
सन्तिशीत स ४२	यमुवा होना च २७९
शनव होमा च ६५६	भनुताई च २७६

<b>वाभुवमन</b>	486	र्धाक्य
समुदमन क ३७५	सरत्यस स ३९७	
शमृहत क ३७५	सरतुष्य च ४२५	
सनिक ३ च ५ च २१	सरर छ २७ छ १८, छ ४७	
यनिक्कर क २१ छ १२२	सरत च १४	
चनिवार छ ११५ ७ १२२	बारवत ह १४१	
श्रमै'-थर्न अ४५	शरनती स ३७ व ३८ स ५५	
भ्रम व १४ श ४२३	यरमक ५५८ व ४४% व ४५	<b>40%</b> ,
श्वप्यकाना स ४२४	य ५४९, व ६११	
सक्रवासू भ १२१	सरम च ३२१	
सका स १६	चराक्ष्य व १९७	
यक्रावाना क ५४३	धराव इ १ ५	
सफ्रासुम य ४६५	घराबहाना व २ ८	
राष्ट्री क ५२४ क ५२७	चयरत व २६९, व २७२	
भवनगढ ४ २, छ २५६	चयरती व २७१	
सवरी क ३८८	चरासन इ.४ ९	
ग्राप्य स ६४ च २३१ अ ५८८ च ६१४	चरीक न ४१९, झ ८६	
शमसोप स १९६	चरीक होता श ८७	
शब्दवेषी क १६८, क ४१७	रारीका व ५८	
धव्याचंकार स १८८	चरीर न १२, ज २६८, ज २७१	
राम स १८६ व ६ व १४	द्ययेरत्यात्र न १५४	
धमन म १५८ ज १४	गरीरपात न १५४	
चमचेरङ४६	चरीर पॉस्ना श भरे	
रामी म ७८	बरीयन्त ग १५४	
रायत इ.५.२ व ७६४	यरीरी न ५ न ६	
यमन करना ज ७६१ ज ७६५	यक्त हा १७२, व ९९	
ध्यम कराना व ७६३	शर्मभारत मा १२१	
रापनागार न १४९	शर्मवाता च १२९	
धवानु न ५१६	धर्म से गहुना ज १२८	
वरकश्या पर ६ इप्रश्र	धार्मामा व १२८	
सरह म ५१	र्यानस्थी व १२५	
धरम स १ २ स ११५	र्शावत्या व १२७	
स्त्रि रेज स्थ	धनिया करना व १२९	
सर्त्वात स का	धनिग्रा होना व १२८	

भर्मीका	५१७ साबी
शर्मीका व ३२२	स्रोताई स. १४९
सर्मीकी व ३२३	चह ग २६४
चर्चक ११२, क १६५	ग्रह्माण च ३५४
गर्ने छ १४१ छ १४३	ग्रहजा <b>री ज</b> ारू५
यसक १२३ य ५३५ म १ ३, क ४१	४ गहर्तक१२
रास्त्रम भ ३ ७	घहपुत च ६४
शक्रम म ३ ७	सहनाई च ९८, च १११
चसमय ५४४ ग ६३१ व ६६९ व ६७	चहर ४ १३५
चलावा अभरेर, अभरेर	ग्रहरपनाइ च १३९
समाद व १४	शहराती व ५६२
सस्य ग ५३४ च ५२, इ.४१४	धहरातीयन च ५६३
शस्यविद्या च ४३४ ख ५४	धहरी ज ५६१ च ५६२
चस्यग्रास्त्र <b>स</b> ४३४	बहारत स १९१
सवग १५९ छ १४३ स २१६	यहार क १४८, व १५
धनदाह व ८३	यांक्लिय क ५५८, व ५२
श्चार म ५१	श्रविष १७६ छ १६५ व ११ च ५८
धवरी क ३८८	व रेरेट व रेटर च ६ व छ १३८
शास्त्र ७ ग५१९	यांत करना व ७२
संचलका देश व ५१९	र्यातम् च १७२
ससम्बद्ध ३७	ग्रांता च ४४ च ७८, य ११४
য়মাক ক ই ৩	सांतिक ४८ छ १६३ च १४ व १३,
राधि का है ७	चरवर व≀६ ५
ঘষিকার শ ६	धारिमुक्त व ७
र्याधिकर क १९५	शाक्षियं क १९६ क २ २
चरित्रमास क १६५	शाक्ष १२६, छ १ ४ च ९३
घषिरोगर गः १६५	शांतक क प्रत्क
यस्त क ४५	साक्ष इ. २६
सस्य मा ४५१ का ४ १	याना क ५, क ९
सम्बद्धी स २७	शास्त्रमृति क ४४७
सस्परिया स ५४	साम म १८६ म ८७६
धरमाभार च १८५	यासा य २९६ म १६ व ८७६
धास्य च २२५ धस्यहीना च १	दालान्य व ५२४
anathu a t	धार्गी च २

धारिमर्द -	ige finet
सामिर्दे स २४२	शास्त्रम् मध्रारा
धारियों च २४३	# 99 <b>\$</b>
साद च २८५	शालाग ६२४ च १ च १४० च १४१
वादी सं १५१	धार्किम २१
सादी करना स २४	शासिधाम् कः १५९
शाहक न ४८३, य ११४	सामिहोन ग ४५२
भाग ज १७२	द्यालीन व ४८, व ८५, व १
धापपस्त म १७५	सारमधीक १६ क १२% म ६०६
कार देना ज १७४	ष १२५
सामित म ५६ च १७५	शायक ग¥३१ स <b>९</b> ०५
घावर क १७	कार्यव क २१६
चाम छ १४१	शासक पर १९८, से १५
धानियाना च १३१	चात्रम चा ३४८ स १४८, स १८५
चामिल स ८६	शाररभं सार्थ
धामिल होना स ८७	शासनकर्ता च १६८
धार्यक्र इ.स. १४	धासित स १५२
सायर छ ८ छ १९५ च ९७३ <b>च</b> १ 🗡	बाला कप्रभर् च १६८ स १५
साबर य १२० स १७१	शास्ति स १४८, स २२४ व
धारय य १७२	शास्त्र क ५३४ स ४२८
धारपे स १६८	धारतत क ५३६
चावरी करना छ १६९	धारवी स ६५
धारंत य ६१५	धारतीय क ५३७
चारत य ३९७ छ ७८	बारवोस्त क ५१७
चारराक्षरे वरूर वर्द अ	बाह् व ४२५
चार्रादक्ष च ४२	वाह्यर्थं स १८९
चारपीय छ २८, छ ७८	शाह्याम स ३५४
सारिका च ६२४	वाद्वारी स १५५
चारीरकंत ४३६ स १२ अ	वाही व ३५
बारीरिक रोग स ४३८	गिल्डी <b>ह</b> ¥ई
मार्हे क १४२ च ३१५	वियो च १९१
CLEACED MANY MACK AR O	विस्म म ५१
A A66	िक्स स १४५
धार्तिकिक्षीता स २ ३	रिक्रा व २८६

विकल बागा	५१९ ग्रिरोनचि
धिकरत साना व २९२	विवित्त म ६११
धिकस्तनी वा २८९	सिविवाहन क १८८
धिकस्त देना च २९१	शिक्षी क २२६ क ३११ म ४५२.
शिकायत स ४३५ व १५९, स ३४५	न ४८%, न ६ ६, न ६४४
शिकायत करना स ३४६	धिचीमूळ घ ३ ७
विदार ह १७३ म	चित्र चा २८
विकारपूरी व ३६४	विसाध्य च ६
चित्रारी ग ३४८, व ४१३	चिति 🕊 🌂
विकारी कीट है २४८	चितिकंठ क १६५ च ६ ९, म ६१५
হিৰৱ ভ ২২৭	विकास १६५ व ११ व ४४५
दिश्रक स २४१	च ७५३ स ४२
विश्वम व २३८, स २५७	विधिक करना च २९१
शिक्षणासम्ब सः २७४	धिषिक होना क २९२, व ७५१
शिक्षा के ५५५ ज २३५ च २३७ च २	१८ शिविकताच्य १६३ वर १४ वर ४४६ -
विशामीं च १४२	च ७५२
विका-दीसा करना 🕷 २४७	चिक्तिमा म ७५१
विद्या देना स २४७	বিভাগ ৭
चिसा पाना व २४६	विकास १३ च १९, ४ ९१
वितासम च १९९	धिनाष्ट्र थ ६५
धिसित व २३९	चिनी न ३१
क्षितित करना च २४७	धिया क ५.६
चिवित होता य २४६	धिरग १३ क १ १
धिकांव म ६११	विस्कृत भ ८९१
धिपंडिनी च ४ ४ च ६ ६	शिलच करना स ८७
विवंशी क १३४ क १५५ क १	
44646444	धिरपूर क १२८
तिपर म ४२, च १४९	शिरमीर क १२८
विवरणी म ४४१ क १२७	पिरवानी अ २४९
पिपान ४२, ग ४८१ व ६११ छ	
िषयी म १६९ च २४८ पिति क २२६ क २७१ क १	यिता ग ९७ च २०० १११ विरोप च ७००
स्थातक १२६ क १७१ का सर्द्राहर वृत्तव	१११ । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
विविच्यत्र क १८८	विरोत्रिक के ११८ विरोत्रिक के ११८
	identa & 446

विरोक्ष	९२ श्रीमता
विधेस्ह प ३७	क्रियफ्स म ५२
पिता व १५७ इ.८. च १४७ च १४	
₩ २५	सिवस्थीक क २१८
सिसाक्ष्य च ९८	शिवनस्क्रमा क १९४ म १९८
धिकाम प ४५१ क ८	शिवनीर्य म ४५९
सिसायतु च ४६९, क ८	धिवसूत क १९२
विवासीत क ८	विषयुत्रवाह्म ग ६ ९
विकारमञ्जूष ४५१	धिवसुम्बरी क १९४
सिकी म ५९७	विवाक १८५ क १९४ त ६, य ५१६
धिकीमुक्त य ६७७ क ४१ए	A PC A 66x A 605 2 6p
शिल्प स १२१	# <b>?</b> ¥
धिलक क १६४	धियामा गं६ ९
बिस्पकार य ४ ६ असे १२२	विवारमण रू २९
विस्पनारिका न २७७	विशास्त्र क १९
विश्वकी मं 🗡 ६	विवास क १९
विस्पराह् क २५२	विविकास १९ स १९२
विस्पिक का १६%	विविद्य सम्भाषा समित्र व रिमेश
सिल्पेग४६ स ६२१	<b>₹</b> 0₹
विलीवांचा च २१४	शिक्षिर म १७३ 👿 ६८, 🛡 ८२
चित्र में ११२ क १६५ क ५७४ क ६ ५	
मध्यम् ८६ म १७७ च ४५९	, साङ्ग्रिशक विश्वपृत्ति के सि हैं
# 10 # 1 % W 11	सियुधार 🕸 १९% प ५८२
सिवकारेग क १९४	विकाय ७६
धिमकारिणी क १९४	सियम ४२
चित्रगण क ४८	श्रिया ध ४२
धिनगीया का ५८२	क्षिस्ट स २४२, घ ११ व घ८ व १
भिनवदुर्वेसी सा २१९	विष्टताज ८ व ८७ व १९७
धिनता ग ९	सिप्टानार मा ८ मा २९७ मा ३४९
धिनदुस च ५२	विष्य स २४९
धिर पारिषद क १८	विष्यता व १४३
विषयुरी च ११३	चीकर च १६३
शिवसियाक १९४ च ४९६ च ६८,	
<b>₮</b> १ <b>०</b> २	धीयता क १५८, क १६२, व ४४४



<b>विरोद्ध</b> "	१० श्रीमत
विरोस्त् य ३७	धिकास भ ५२
किसाब १५७ इन्द्रं च २४७ च २४%	धिनश्रात्रि क २१९
च २५	शिवकोच क २१८
धिसाक्ज च ९८	धिनश्रक्तमा क १९४ म १९८
विवास में ४५१ के ८	शिवशीर्व म ४५९
सिमानतु च ४६९ इन्ट	किनपुत्त क १९२
विषायीय क ८	धिमधुतवाहन च ६ ९
विकारमञ्ज म ४५१	धिमधूनारी क १९४
धिनी न ५९७	शिया क १८६ क १९४ व ६ म ५१६
विसीमुख व ६७७ श ४१२	A AC A SIX A SCS & SP
विकास १२१	# ? ¥
चिलाक सं १३४	क्रियाचा चा६ ६
विस्पनार ग ४ ६, का १२१	विशासन्य के २९
विस्पर्वारका न २७७	श्चिमाक्य क १९
धिस्पकी य ४ ६	क्षिणका क १९
बित्यराह क १५२	क्षिपिका क रेड क रेडर
बिरियक के १६५	श्चितिर व १३१ व १३% व १४
विल्पीय ४ ६ शा ३२१	ल १७३
बिलीचाका च ११४	धिविर म १७३ म ६८, म ८२
क्षित्र कर ११२, कर १६५, क ५७४ व्य ६०५	, विधियंत 🖲 ८४
TYY T CO, T (W) T YES	शिवास रथक संध्यक्ष संध्य स
F 10 F 1 6 W 11	विश्वपार क १९६ व ५८२
विवक्तां क १९४	विशाम ७९
विवकारियाँ क १९४	विवयं में दे
चित्रतथ क ¥6	धिया व पर्
विवनीयां कं ६८२	क्षित्र सा १४२ मा ११ मा घट मा १
सिनचतुर्वेची छ २१९	शिक्ता व ८० च ८७ म १९७ १ म १४१
किक्ताग ९	शिकाबाद स ८ व ३१० स ३४१
विवर्गम ५२	विवास १४९
वित्र पारिषद क १८	विषयता वा २४व - १००० - २०४
विनपुरी व ११६	श्रीकर च २६३ . ⊶ीरू रूप १६० ज ४४३
विविधियां क १९४ व ४९६, व ६ ०	शीय छ १५६ व ४४१ शीयता छ १५८ व १६८ व ४४४
¥ ₹ ₹	dient a tion a tron

चारम	421	सोष
शूरण भ १४	श्रृंगी ऋषि क ४६२	
बूरता स २७५	क्षेत्रर ग ४२, च २४९	
भूरमा स २७३	मेबी व ८८ व ९२	
शूरबीर स १६४ स २७३	चेबीयाय व ९१	
सूर्व क ४६३	क्षेत्राक्षिका व १४८	
भूर्पणवा क १९८	चोर क १९८, व ४९४	र २५२
क्रम प्रदेश का प्रदेश का पृत्	चेरती न ४९६	
बुस बटना स ३७७	चेरवानी क २४९	
सूत्र करना च ४८२	सेप क ११२ क १३० व	ा३७ क४१
सूस्रम्य व १९	स ५६१ च ७८, छ १	(२९
शुस्त्रारी क १६५	खेपनाग 😻 ११	
शूलनाधन क ११	सेपचायी क १६४	
धूकपाचि क १६५	रीवान क ५२% क ५३	•
बूक्यम् च २६१	दीवित्य स ४४६	
सूबहरत क १६५	रीत व १३७ के ८, व	२४८, च २४%
यूका व ३९७	₹ २५	
शूबी क १६५	धैकष्ट्रमाधे क १८५	
श्वम क ११२ क ४	धीक्या क १८५ क १९	r
न्त्रंबका व १६८ क्ष ११२ क्ष ११	< प्रकारी च २५४	
क ३५% क ५४३ स १६१ <b>स</b> २६	४ वैशीयर ५ वर ६	ब ९५२, स ३७
श्व ४१५	श्रेमीपस च १७८	
म्बंबव्य स २३५	थैलेंद्र च २५५	
म्ब्रीय प्रस्ति य प्रकृति म ३८८ च १		<b>पप्रदश्कर र</b>
ऋंबवेर म ३१५	सैवाकिनी च २७१	
श्रीगार स १७६ व ६२१ म ३।	१६ सोकस १८६ स ४ <b>६</b>	
# <b>1</b>	धोक करना व २२५	
र्श्वार करना श ७७	सोकनासक व ६८	
श्रृंगार रस च १८	शोकाकुल च ५६	
ज्याक स ५१३ च ५१९	योग व ८४ स ३४४	
न्यंगी क १६% क १७४ क ४६२,		
११ ग४६५ग५८६ वरु व		
म ६७ म १४% म १६% म ४०		F የኄ ¥ \$ ጜ
a bac	व ४२८	

शुद्धचरित्रता ५	<b>१</b> २ <b>इ</b> र
शुक्रवरित्रवा स ५	शुमार करना च ५६९
श्वता व ४१५ व	मुमाकं च ८
গুত্তমন্তি ৰূ ४८	मुक् ज ८१२
धुका क १७२	सुक करना ज ८१४
सुक्रिक ९७	पुरक स ४१२, स ४१६ स ४२
बुह क ४२६	भूष्याक २६
श्रुपक्य ५१६	श्रुपमा क ४५४
श्वका व २२९	सुक्त च १७४ इ ४८, स १२८
श्चम क रेपर ग ४९१ व १८५ व ४४५	मुख्य करनाश १३३ जा १३४
म २६२ म ४७८ व ४७९	चुळ्ला क ४६ व ११०
शूमकर व ५७८	सुष्क हो जाना स १६८
शूमकरी व ७८	सू क २९७
खुमकर्म व ३११	भूकन ६१७
भूमकर्गी भ ३ % च ११३	<b>पुक्रकीट ग ५९७</b>
शुभकामना देना वा १७१	युक्ट व ५२३
धूनकारी च ४७८	युकरमु <b>क क</b> १२१
चुमवजी स ६४६	सूक्त व ४६३
शुभवितक व ६	धूक रोग क ४६१
युगर म ६६	सूचि इ ४८१
भूमाव म ७८	सूची <b>स</b> ४८१
चुननाम स २१	शूचीपत्र व १७
सुमप्रद स ४७८	भूप्रय २९६
शुम मुहुर्व व ६४९	सूत्रपत्नीय २९७
युगगपन च १७	सूरा ग २९७
भूगोगी 🛊 २८५	बील के इंडर के उड़रे के नेवड़े के ह
चुमा कर्प४ व ११४ व १८२ व २१८	च २२७ झ २५८
भूमाक्षर ध २१	सूचवा स २६
सुमाचार व २९७	भूत्रस्थान च २२७
सुमाणायो च ३ ५	र्वेत १. १६६
पुस्य च २८, म ४४९, म ४६ । ॥ ३१	धूपनवा क १९८
श्रुपता च २९	सूरक १३४ क २९७ व ४९० व ११६
सुमा म २१८, व ४६६, ४ १७२	च ५ च ७% म १९ च १५६
चुमार च ५६८	स २७३

प्तरप	५२३ सीम
सूरम व १४	मृंबी ऋषि क¥६२
पूरता म २७५	रोक्सर व अन्त, व्य २४९
धूरमा स २७३	रेबी व ८८ व ९२
भूरवीर व १६४ स २७१	श्रेणीयाच व ९१
शुप्ते क ४६६	घेफांकिका व १४८
गूर्पनका क ३९८	सेर च १९८, ग ४९४ च २५२
बुक्त सं ४८३ सं ४८४ म २५	<b>घे</b> रती ग ४ <b>९६</b>
মুদ্ধ কলা য় ই৬৬	घेरवानी क्र २४९
गुल करना च ४८२	योगक ११२, व्याहर का ३७ का ४१
स्तम र १९	च १६१ च ७८, स ४२९
चूलवारी च १६५	शेपनाय 🔻 ११
चूकताचन क ३३	शेपचाबी क १३४
धूकपाणि क १६५	वैतान क ५२९ क ५३३
सूबसनु च २६१	रीविस्य व ४४६
यूबद्दत क १६५	र्वेष व १३७ क ८ व २४८ व २४६
<b>यूका</b> न १९७	₹ 24
यूजी क १६५	र्षेट्युमारी 🖷 १८५
म्बन के ११८ के ४	र्वेषमा क १८५, क १९४
न्यूसका म ३६८ क ३३२ क ३४	९ शैसवदी च २५४
क १५८ क ५४३ स १६१ स २६२	र वैको कर ५ कर ६ <b>कर५२ छ</b> १७
स्र ४३५	बैडीपस च १७८
<b>र्श्यक्ति</b> स २३५	<b>भै</b> लेंद्र च २५५
भौग ग भेरे न भेक्रेच बेट८ च २४	९ वेदक्धकर करहे वपद्यक्षकर र
ऋंगवेर व ११५	सैवासिनी च २७१
र्श्यगर म १७% क ६२१ व ३७	६ योकसा१८६,व ४६
# R	धोक करना व २२५
र्श्यार करना स ७७	घोकगासक व ६८
मागार रख च १८	शोका≸क ज ५६
र्श्याक स ५१३ थ ५१९	धोचा व ८४ स १४४
म्योगिम १९५ क १७४ क ४९२ ।	
११ मध्येभ्य ५८% मध्य व	
<b>■ 60 ■ 73% ■ 76% ■ 30</b> 0	
च १४८	च ५१८

धोनित	न्दर वर्ष
योगित क १	स्यामता सं १२
योष स ४२४	स्याभनुकती भ ११२
धोष स २५ स २५८	वयान भेतृ ग ४७२
घोषक वा २५९	स्यामपट सः ३१८
शोष करना श्रा २६	स्यामक साथ व द्रुप व ४८ व
योषन स २५ स ३५२	स्यामकता व १२
घोषता स २६	स्यायसाय ४ व १५
योगनासम्बन्धः च २१२	स्यायमर्ग क्ष ७७ व ४८ म
कीववाना का २६१	बमामधुन्दर क ३९९, व ७८
योगनक १९५ क वश्य व ३८८ व ३	क् स्तानाक्षणं स्थान प्रकार सम्बद्ध
A. A.C.	य ६२८ य ६६७ च ४६ च ११६
घोमना म १८२, इन्द्र स ५६	म १२४ म १४६ म १०८ व १८८
सीमा क १६६ च १६३ च १८२ इ ९	क १४३ क १४६ स ४३
A REA	श्याक्र य २ ३ च ५१९
घोमित के ४९६ व १३ व ४७४	व्याक्षक म १९२, म ६२४
कोमित होना व ६४५	श्याका व १६२
घोर च ५८९	श्याची म १९४
घोर करना च ५९	माम य ५१३
बोध म ४६९	संस्था वा १५७
श्रीयम क २८३ क २५	श्रक्ता बेना वर १४६
चोवन करना स १३४	सदामान स १५७
मीवन कराना का १३३	सक्राप्ता च १५८
चोत्राम २७१	सदाम् च १५८
बोहरत व १५१	सवायाग भ १५८
यौज होना च ११६	श्रास्थव भ १५२
पीचेव ग ३४५	सबीव व्य १५४ वर्ग ४४
चीक्र व २२४	सम स १८५ म २८७
स्मधान क ३५८ च २१८	समजीबी ग ३८५
वस्त्रानपति क १६५	समण्य १८५
सम्बंध प्रमुद्द प्रमुख	समृतिबुत १२१
रेपास का से पास्क का रुख का रुख	समिक य ३८५
E #4 ■ 646 # A5 #	समित व ७५१
स्तामजीरा च २३१	शमी व १८% व ७५३ झ २८८

रनेप्यांत व ५६

रमोड क ९२

रवन ग ५१६

व्येष्यांत्रक्ष थ ५६

बनेष्या स ११२ स १२५ म १२६

थीवासी प १ ६

भीमत सा४ ५ अ

थीमन साथ ५ मा अ ३२८

भौमद्वगबर्गोना क ५८१

यीमगी क १६१ कथ । कथ०२

रवनिका ५	१९६ क्रीर
श्वनिका य ५१७	षड्जगाय रा ७३
रवपच स २९८	यहंकों क १८८
स्वसन क वेश्वे क वेश्व	यव्जिस क ५५४
रवपुर व १७% व १८९	प्रधानन क १८८
स्वयु न १९	षण्ड स ६ १
स्तरिय ज ७१३	पप्ठिछ १ १
रवान म ५१६	वच्छी क १९४ छ १ १
स्वाय य ४९० च ७१३	पांच क १६५
श्वास रोय स ४९	पाचन स ८२
रवासा च ७१६	पोइस च ६२१
वरेत क ४५३ वा २८, य ३५३ वा ४४९. वा ४९४	
व्येतकुत्रार क २३३	स
स्वेतपुर्व्य स ४६४	संस्टन १४६ च १५६ ज ५ - व ५४१
रवेतवीरक भ २२२	संकारता वा ८४६
व्येतता च २९	संक्रम क्षत्रभू साथ साथकर
स्वेतपद्म न १९७	सँकरापन व ५७२
व्येत पियक स ४९४	संकर्षण क ४१
स्तेतपुष्य म १७३ च ४१४ च ४१५	र्शकान व ५५८, व ८६१
स्नेतप्रकर वा ५३४	संक्रकित व ८६१
स्मेतवार ज ९१	संकक्षित करना व ८५८ म ८६५
मोता म २१८ म ४६६ म ६ ५ इन्१७२	र्शकरप शा ४२७
स्वेवास्ववर क १५८	शंकाय करता सं ४२८
q	संकीयं व ५७१
	संकीनंता व ५७२
पट € ६	शंकुषिश ज ३२७ में ५७१
मदक्षा साह २	र्वकुषिय करना च १२९
बटकर्गांग २८२	संकुष्टित होना च २३४
पटकोण च ४८५	संज्ञक व्य ५७१ व्य ९२४ व्य ९२६ स २६२
बटपद व ६५४	धकित च ५७१ च ९८६
मटपदी प ६७७	संकेत के परिशिष्ट क
पटगुंब क १८८	संकोशक १ ज २३१ च २३२ च १३६
सहय च ७	क्ष क्रह या बेट्स, वा ५०४

संबोध करना	५१७	चेंड्डा
र्यकोच करना व १२८ च ८६९	संप्राम क्ष २६२	
संकोचना च २३२	धपामक्षेत्र च २२२	
संकोषहीत व १२४	संप्राही व १६७	
संशिव च २१३	संग वा ३३६, च १४२, च	९२४ च ९२५
सेनामक झ ४१३	सेपट च ८४९, च ८५	
संविमा च ४६५	संघटन व ८४९, व ८५	
संस्मक 🕊 ५५७	संबद्द व ४६२ व ८५	
संस्था स ५५६	संपर्पन करना च ९३८	
संस्थान ४ २७४	संपात क ३१९	
संगण २७७ च ७८५ च ८५ च ८	९२ - संबती ग २७८	
भ ९१८	र्खंदा य २७८	
सगटन च ३३६	संचना च ८५८	
संबद्धक १८५, च २७०० वा ४२ । वा ९	९१८ संचय च ९२४	
संगति क २८७ च २७७ च ८५२	संचय करना व ८५८, व	44
संगदिक व २४ व ६८	शक्यी स ३९	
संबदिसी व २१ व ७१	संवारी स ७८	
संगम च ११६, च ११७ च २८६, च ८	८४९ श्रेषारीमाव स १८४	
संपर स २६२	संवासक वर १३% स १६	
संबरभूमि 🐿 २२२	संचालन करना हा १५९	
संयक्षाच व्य २७७	समित च ८६१	
चैगाची न २७८	संबय क १२१ क १९५	
संविती म २२५ व २७७	संबीया व ५६	
संगी ग २७८	संबाद व ८१८	
स्रीत स २ स ५६ य ६ स ७८	, , , ,	
संगीतकना य ५६	संबुध व ८७५	
ধ্যীরম থ ৭৩	संबोग व ८५७	
मंगीन ज ४९८	संयोदना च ८५८	
संगृहीत य ८६१ संगृहीत करना ८५८	संज्ञाक ३ २ व ५ झ	35
संबंध के ५८० के ८६२	मंग्रहीन घर व	
संबद्ध करना व ८५८, ज ८६६	बना छ १४१	
सप्रमा व ८५८	संद्र ग ४८१ म ४८३ सर्वेशका ४ ० म ४०	,
सपरिमी स ५१४	सद्युषंद्र सः ४ ९, वः ४० वीद्याद्व ४३७	•
	21.11 6 440	

चेंद्रती 476 संपत्तिसाकी सा४ ५ व सेंब्रो क ४१७ संबाध च १५२ संपदा क १६६ संपन्न चा४ ५ व संत क ११ संपर्क व ८४८ व ४ १ संतित च ३७८, य २४६ संवय्त व ५२ संपात व २४५, व ८५ संबंध व ३४८ संपायक च २९२ संतरी क ३७३ स १९६ सपावना च १९४ संतात क २४१ व २४६, व ४२२ AGE & RAGE & AGE संवाप स ४९१ क २८२ संपूर्व बा ८२, बा ८७९ संवाप बेना व ५५ संपूर्णतः व १ १६ संतापित व ५२ संपूर्व होना व ८२१ सरामी व ५४ र्वपोका य ५६१ संतुष्ट व ३५ समिति क १९१ संतुष्ट होना व ३७ संप्रवाय क १ संतुष्टि व १६ म ११६ संबंध य १५१ स ४ १ संबोध व ३३ च १३३ संबंधी य १९७ सतोपना व ३७ व ३८ क्षंत्रहार स २६२ संवोषित व १५ श्रवंचविष्योद न २३५ संविध्य वा १९७ वा २३ संमय व ९७१ संदूक हा ४८६ संभवत स ८ व ९७३ स्विष्ठ वे परिशिष्ट क संगार क ३७ सँगावना स १५% स २२४ स ६९१ सेविधिया स १६९ सैंमधी प २७५ सीख व २२९ संबेहपूर्ण व २३ सँभाव व १ ४ शंबोह व ९२४ संभावना 🕊 १९ संवात व २५८, इ.२.५ संमावित व ९७१ र्शमान्य च ९७१ शवियाँ स १४२ सभापन व ६२३ संम्या छ १४१ सम्बास क ६५ क १ 🛊 ६५८ संगापी व ६३५ सन्यास केना क ६७ संभाष्य छ १४ व ६३४ संन्यासिनी क १११ समोन क २८७ सन्पासी क ६४ क ६८ क ११ शंगोय करना 🖛 २८६ संपत्ति क १६३ व ३८ व ३८१ संग्रांत व २२६

संगोजुना ध	१९ तकुवाना
र्चमोहूना च ४७२	र्संपिकप्टता च ८४६
संमोहित होना क २७५	शरकेय क २८७ व्य ८४८, व्य ८५७
संयव क १६५	संसरण 🔻 २४
संयम दे परिशिष्ट क	संसर्ग क २८७ व ९१८
संयमी क १ १	संसार ज १३
संपुक्त च ८४७ च ८७५	संसारी क २१८
समुक्त करना च ८४५, च ८७४	र्ससारी होना क २१९
संयुक्त निकास क ५९५	संबृति च १ ६
संयुगम ८५ इत २६२	र्सपुष्ट व ८४७
स्योगबार्ट कटस्ट्रकटरच्या	संपृष्टि व ८४६, श्र ८६
च ८५१ च ८५७	वंस्कार क ९७ वा ६२१ वा ९४
संरक्षक म ४२९ स १९६	र्यस्कार करना व ९४४
संप्राण सं १९८	र्यस्कारक व ९४१
संरक्षम पाना श २ १	संस्कृत वा २१८ वा २१९
संचय करना च ६४७	संस्कृति च ९४
संकाप करना व ६२३	सस्या का ३३६, ज ९२५
संबद् 🕶 २६	र्धस्यान ग १५४ च १४
संबत्सर अ १६५	र्वह्य च ८६१
संबरमा क व २	धक्तन क २८७ स १ <b>२</b>
सँगरता स ७७	<b>धंह</b> रना <b>च</b> ८२२
सँविक्या क १९९	संहारक १७२ व ८२६
स्वाद का २६९	संहारक व ८२४ स २१५
समारी च ६९	संहार करना क १७१
सेंबारना व ९२४ व ९४४ स ७६ स ७	
स १५९	विद्यारणा क १७१, व ८१९
संवाहक थ ३८८	संहारतीय क १७३
सध्य व २२९, व २३३	वहिवा क न्त्रन
ससमारमक च २३	सहसी ग २२४ व ६८
समसित होना च २३२	सर्ग प ४११
संघोषक च ९४३	शक्पकामा च वे२८, ज ७३१
संयोगन व ९४	समारे छ १३९
संघोषम् करना च ९४२ संस्किप्ट च ८४७	स <b>क्ष</b> णना था २३२ वर ३०४
arme a con	सङ्कामा व २१२, व १२८

सम्बद्धर 410 सतादर सङ्गाहर व ३२१ समय करता श ७६ सङ्ग्रभी य ५८३ धनन म २२४ वा ॥ सकुषीहा व ३२२ सनवा च १४८, स ७६ सकुगतकिया च ६२७ सम्तीय २६७ संकोष थ १६ धनाम ४७३ स २२४ म सवा प २७८ धना बेना स २१५ सकी ग २७७ सनाना च ९४४ स ७७ सनुवा च ७५ समीवा च ४६३ समुनतकिया च ६२७ समीना हा ७७ बक्त व ६८ सम्बन्ध व ५८, व ५९, व ३ सक्ती व ७१ स १६९ सम्बन्धा च २९७ सस्य क ध३ वर २७५ सम्बा इ. २८२, इ. ४९९ संवदमाना व ७७१ स्टना च १५२, स ४१२ समपुतिमा भ २८४ सटाना व ९ २ संवधे व ८७९ सटीक व ४२ संयुक्त का ११६ का ११६ सददक थ १३४ समाव २१५ सट्टी च १३६ धग्मपुत्रा क १४ सङ्क च २४ समोत्र स ४ सर्गा स १६५ समन वा ५ ७ शत व २६२ स ६८ समनता व ५ ९ सवत छ १९७ सम्बर्ध ५ सत निकालना ॥ ७१ समिव गा १५७ सन्दुविया प २८४ समेज जर १ समयुक्त छ १७ छ १८ सचत करना व २ ८ बतर य ०९, व १५ मधेउ होना बार ६ शनरामा व ९६ व २५९ मच्या वा ४ ९, वा ४१३ शतर्थं ज २ २ मण्याई व ४ ७ सन्दं करना व २ ८ सम्बद्धानन्द क ११२ संपर्वता अप २ ४ नव ग १९९ गवर्ष होता अ २ ६ गपन व २ ३ शतवती य २७२ नवर गरना व ७७ गवाना २ ५५ नावन होता व ७६९ शताबर 🖫 २

सतिबद्	५३१ सपाट
स्तिवड् क १९	सब्बदि च ९५
सती क १८५ न २७२ व ६ ४	सब्यति देना श २३३
सरीत्व म ५	सब्मान च ८५१
सर्वमा क १५	संय च १४
सर्व क १७	सदा स १८७ स १९१ ज ४४३
सत्कर्म ज ३ ३	समनाग२७ ऋ४६
सत्कार व ३४२	सन छ २७ व १२९
सरकार करना च १६८	सन्द्रे च १२९
सत् रू १५	सनकाम वाह्यक वाह्य वाह्य ह
शस क १८ क २ % क ४७% ग	७ सनकना व ११८
भ ६६ च २६२ च ४ ६	सनक होना स १९२
सरवता च ४ ७	समग्री व ११५ ज १४
सरमयुग दे 'सत्तयुग'	चनत्कुमार क २५१ क ५७६
सत्यक्ती क ४६३	सनना स ९५
सावर छ १५% व ४४३	धनम व १५५
शरपवरता ज ४४४	सनातन क १२३, क १३४ छ १७४
सत्यवादी अ.४.९	ष १८२
समापार मा ११३ छ २७	सनातनतः छ १७६
शतह च ६२२	सनाव श २ ४
सदन व १४ व २६२	सनाय च १४१
श्रदय ज २२	सनीचर छ १२२
सदर प्र ३३% छ १	सनेहरू ३११ व ५७९
सस्य प ३६६	सनावर च ८८
सदा छ १९७	समद व ३७६
नश्चार करेरे संख्य १९७	क्षप्त हो जाना व्य ६ ४
राशकारीकश्यक व्यवस्	समारा व ६ ५
सामान्यकरीरी, कर्पना कर्प कर्पन	
करूर नदावहार प ४व	समियान स ४९६ व ९२७
सदायय ज २३	सरमान ज १४२ सप्तनी म २१
मदो छ १९	सार्थान १३ सार्थिक ४४३ वर्ड १३
सहस्र जा ४२२	सामा व ७६६
सदैव छ १९७	वराठ च ५७७

सपुरा 487 संबर्ध सपूत व २५१ सन्त्री साथर, मा २७४ मा १२६ इ.१ ४ सपौरय अ २१९ समाज १३ च १६६ सप्तक ३ ७ स ६ ३ समास ११६ व ७१४ सप्तक स ६ ५ समापति 📦 ३३५ श्याम बाद ४ समासव का १६६, सा १५६ सप्तपनी व ९४ सम्य स १६६, ग ४ ४ ज ३ सप्तमी छ १ २ सम्यता वा ८७ वा २९७ सप्ताइ छ ११३ समसारे सार २, छ २७ वा ४२ र सप्ताहिक छ ११४ च ६३ सफर व ६८७ समबरिया व २८ सफर करना न ६८८ समक्ता व ४२२ सफ्रये म ३९ सम करना स ३१३ सफल दे 'परिशिष्ट क' समकर्ष क १६५, क ४४७ सफल होना न ६५५ चयकासीय स (४ सक्तापा३ ४ समय व ८७९ च स्राप्त ३ ४ समस्य १८, त १३२ च ३६२ सफ़ाई व ४५ व व ५४४ समतचार क ३६३ स्टाई नरना च ५४७ व ५५२ व ८९२ वमसदारी व १६५ सफड़ स ५५१ समप्तना व ११ सपुष्ठ करना च ५५२ समसामा च २४७ च २६२ च ३८ बक्रेर स २८ घ४७२ समप्रक व ५७७ सकेंद्र समझ म ३९७ सबनस करना व ५७८ सप्टेग म ३७ समना ग १९२ व ४२४ श १९१ मकेगी स २९ समिथित ग १९८ सव व ८३ नमगी न १९७ राव बगह व ९९४ मनम्बय ज ८५१ शक्य म ६५३ मयश्यित व ८३५ मचरी क १८८ नमय स २ ९ छ १ छ १५३ समाज करह अर नवय समाना सा १६ सब्ग स १९२ नमप्ति वास्ता अ ह नदत्त देशा सर १ ३ समग्रा वर् मनेग छ १३ शनभेत्र ६८ सार बा १८३ **ल्ड्स स** ४१ गमनेता ध ३८

शमबगस्य	५६३ सम्पासी
समबयस्य ग २८	समीरक वेश्व क वृश्द, घ ७८, च ४२
समक्ती क ११७	समीरण क ११३ % ३१६
समनाम क ५८६, व ९२४	समुभ्यस स १९ च ९२४
समिष्ट च ६२९	समुराय ज ९२४ च ९२५
समस्त व ८७९	समुत्रफेन क २१, च २६६ छ २६१
समस्या ख २७	समुती नगक क ३२
समा च २४ छ १	समुस्ताय स २९९
समाई स ३८७	समुचा व ८७९
समाचारपत्र स २८९	समृह भ ९२४
समाय च ३३७	समुद्र चा ४ ५ म
समाजवाद स ३६८	समृद्धि च ४ ७
समाजवादी पार्टी स ३४६	समेटना व ८६६ ज ८६९
समामान 🕷 २६७	समेत व ८७५, व ९१८
समाबिक १९ क १९२, व २२९	सम्मत व १८४
समान क ११६ क १७ क ४१९ व ४१	२२ सम्मति च १५%, च १९४ स ३७१
समानाज ७४ सं४३१	धम्मन स १८८
समान्त स ४३३	सम्मान व १९७ व १४२
समाज करता व ८१% स २१८ स ३१	५७ सम्मान करना व १६८
समाप्त होना छ २. व ६५% व ८३	१ सम्मान देना का ६४३
ष ८२२ स ४३४ च ९३८	सम्मानित व ३४४
समान्तिक १७२, व ८ १ व ८२३	सम्मानीय क २९
समाप्य क १७३	सम्मात्व क २९ व १५४
समाम म २३१	श्रम्मिसित व ८४७ झ ८६
समाकोषक य २११	सम्मिति करना च ८४५
समाप्तीचना स २ ९	सम्मितित शीमा थ ८०
समावतान क ९८	सन्मिश्रण व ८४६
समान रौनी स २ ६	सम्मिश्रम करमा भ ८४५
समाहार थ ९२४	सम्मेलन व ८४९
चमिति व ९२५ स २६२	सम्मोहन क २०६, क २८३
समीयक गा २११	सम्पन म १४८, च ४५४
समीलमान २९	सम्राटल १४९, छ १५
समीवास २ ९	सवाना व १६१
समीरज ७६	सम्यागी स ११२

सर ७	(d.) Apr
सरम १३ म ४२ म १ १ म ४९९,	सरस्वती क ९३ क १३ <i>० व १३</i> १
भ १६२ भ ३१३	का प्रवे सा प्रवेश य रेवन म ११८
डरकेश प १ १	सरहत्र ग १९१
सरकता य ५३७ ज ६७ ज ६५% च ६९९	
सरकाना च ६७०	सराय चर् ६, चर व
सरकार स ३४८	बराह्मा व १५५
सरव इ १५८	सराहणा करना च १५९
सर भुकाता च १६७	संपद्गीय व १५८
सर्वत च २४१	सरि व ए७१
सरवार स ३३% स ३५८, स ४ ५ स	सरित च २७१
स १५	वरिता च १७१
सरदार्थं हा १५१	गरिया च २१४ च २७७
बरदी स ४७६	गरिण व ४२२
सरमाम व १४९	वरीना व ४२१
सरपंच म १६७	सरीनृप व ५५८
शरपुत्र स ११६	गरुप वा ४६२ वा ४६३
सरपा न १८७	गरी च ९३
नरगोरा य १४२ छ १ १	मरीय व १८८
साबद स ३११	नरोर स १७
सरमा च २३३	गरीपर अंश्वर अंश्वर
मापू व १९१	सर्गसम्बद्धाः स्था । अस
सरसंब देशी व ४४० स ५८, स.५६.	गर्भेग स ५३६
# \$43	वर्षकरर क्षण्यस्य स
सरमण व ६१	गरियामा स १४५
मार्गावार में ५८	मही सम्भाष्ट्र स एक स १३६
शुरुवार व ३१३ व ३१४	गर्न प्रमुद्ध प २६
BIRM top R.J. A. St. B. MARS.	गोगप्रस ११० स५५५
MANAGE CON	श्रीमी सं ५६०
Betteat & of it age it fad	कार्तिक वर्ष रहे ।
BALLES & J.E.	कर्तक देशक के देशक के देश कर्तक देशक कर्
बानगर १ ५ इत्सेच शर भ ३ ३ म ३१३	लॉडच व १५ <u>.</u> व ६
Can a th	appallantifus ag.
E11) # 143	

सर्वेत्र	५३५ सहपाठी
सर्वत्र प ९९४	सर्वकता व २३४ व २३५ व ५७१
समरा छ १ छ १९७	सर्चित व २३७
सर्वमेष यज्ञ क ८३	सर्घरित करमा व २३५
सर्वचेत्ठ व ४७५	सर्पाक्त होगा ज २६४
सर्वेस्वर क ११२ श १४७	सगस्य म २७
सर्वोत्तम व ४७५	समुर ग १८९
सतयम च ३ ७	समुराक ग १९१
म्लजन म ३ ७	क्त्वा न २९६
समज्ज ज १२२	सस्तापन स २९८
संसदनन स १४८, छ १६	सस्ती भ २९८
समबार रू २७७	सस्त्रीक ग.२३
समार्वे हे १ २ हे ५१८, इ. ५४६	मस्तेह ज ५७९
सकार म ३४	सह च २६२
यकाम व १६६	सहरारिया स २४९
महाम करना ज १६७	महकारी ग ४२८
समाह म १५५	सहबर ग २७८, व ३८३
वितित च २६२	सहस्रती व २२५, ए २७७ प ४१०
सन्य प २८	<b>तहवा</b> रियी ग २२% व २७७
सन्दाह ७	सद्वारी व १८६
লপাৰাড খন জ খহুৰ	सहय ग २१% च ५८, च ३८५
चवत् गरव	महत्रपा व ६१ च १८७
नवर्ग छ ४८	मह्यात <b>व ३८</b> ५
मबनहीं छ ४८	सह्यातना व १८७
नवर्ष व ४२२	नर्देश्या व २३१
सदरता च ४२४	गर्?र व १४६
मचा ग ५८	तर्भव संपर्ध कं प्रश
तवारं ग ५८	सहयमित्री स २२५
समाप्रदेश संध्यक्ष समारमाध्य	भरत च १४२, च ६
नवार य १६५ म ११६	सहत करना व १८३
गरान-प्रवाद स् ३६५ गरान-प्रवाद स् ३६५	गरनदीन म ७८, व १९१
संबद्धा स २९७ स १९८ स ९१६	महमयोगपा च ८
क्टब स ६६३	मर्ता व १८३ सम्बद्धाः = २०४
	र्म्सारी ≣ ३३८

तहबात 416 सहवास व रखक सहस्र वा २४९ वा ब्रुह सहेली व २७७ सहमत व १८४ सहोत्रर म २१४ व शी बहमना व २३४ सर्विक ११२ व २१६ व 🗠 सहमाना अ २३५ सांकल क १४५ ह १४१ सङ्गोग ज ९१८ सांस्य क ५६२ सङ्गोगी व ४२८ स्रोक्यसूत्र क ५७ सहरामा 🖝 २३४ र्धांस क्र १४१ पहल व ५८ र्घाटना 🖛 ९ २ GENEL AL AND AL 66 सीटा क २४% क ३९६ वर र छह्नास क २८७ व ८५२ पठि म १७५ सहवास करना क २८६ चीक् य ४८१ य ४८३ asa a 465 a 44 वरवा क १४८ क १४६ क ६ १६ चाहिया थ ४५ सिंह ग ४८१ सहस्र 🖝 ६३१ चरित्रता क ११, व १११ सहस्राध क १२५ सहाम म ४२८ म ७८९ म ७८९ चरिचना बेमा व १८ स्रोप ग ५५८ सहायक स ४२८ व ७८९ सीपिम स ५६ वहामवा व ७८५ र्वापदायिक स २ सहामता हेना व ७८७ सहाय म ककर म करत म ५ ६ समिर इस्त वा १७५ संबंधा का ४८ ज वहाय देना व ७ ३ सन्तिपम् सः १२ चहित बाटब्र वाद्य का दृश्य वीसकार कार्र सहितता व ४५२ सावा ४२१ सहित्यु व ७ व १९१ वाहंस ब १८१ बड़ी का १९४ का ४ १ कर २१६ सार्वकत क १८६ सहबाहत थ २९५ atta a tac ax a isx सहक्रिक्त ज ६१ तान्स म ४११ सहस्य च १७३ थ २७ थ २३ थ २६६ वाक्त क ९ पर १ वाका क ६५% क ६४४ सङ्ख्यतः व २ लाकार क ११५ वाकी व २६७ स्मीया व १९१ वाकेय व ६६६ सहेबना श १९१ वाधात्मार व ७३९ व ७३३ व ८४८

सामी 410 तार्म तस्य सामी ग ३७१ स १९१ सारा ज ६८. झ २९६ सारी देना स १९ स १९६ सादापम च ६१ सास व २४१ सावी ल १६२ साथ देश स १९ साव्यय व ४२४ साची ग ३७१ म १ २, श १९१ शाम भ १३८ शाश्री देना स १९ सावक ४ ६४ सापरकार य १९ कार व १६४ सामनग ७९, स्ट १७ 🛊 १७२ # # # # X सामना क ६२ व ६५४ सायु व ७६ सामना करता क ६३ सामग्र १४४ म ३२६, इ.१.४ शायनास्यक्ष क ६५ सायू व २७३ सामारण च ४१७ च ६५७ सागीन व ८४ चानुकद्गकरर करह करहरूक्र शाम छ १ सामुता क ६६, व ६१ व २९७ साबन य २६६ सामुनी क १११ धावसामान इ ४१९ वानुक ६४ क १६ सामा व ८९१ शस्य करे∀ कर ७ ज५८ साम्रेदार व ४१९, व ४२ बाम्बी व १७२ साटना ज ९ २ साम बरामा स २६७ बाज य २४१ सानगा स ९३ साठी मरके मरके मरके शानुक २९७ च ११ व ९२४ साही रू २७१ क २८० साप्ताहिक च २५१ छ ११४ श्वाकी व १६ राष्ट्र ११७ क्ष्रीर क्ष्रीर क्षर सादध ६३ मा पा५४१ सातवी धा ६ ४ साख करना च ए९ वर ५४७ वर ५५ रातकी य १६५ ማ ሳሳቢ **ማ ሳሳ**ኛ **ማ ሳ**ውፎ ም ወን सारवर्त क ३९९, क ४१० धाका क्ष २३८ सालिय क १२३ क १३४ ध १८७ साध्ये क २५५, इर २५६ सारिकों क १९४ बावित ज ८२६ शाय व ४८५, व ८५१, व ९१८ शाबित करना हा १९३ शाब देश व ७८७ शाविर च ३५. ज ११५ साबिनी य २७७ वाबून व ८२६ नाइगी व ६१ बाबूदाना च २७३ शाहर प ४६४ हामंबस्य व ४२४

धार्मत	५३८ गर
सामंत स २७३	ज ६२५ स ६६३ स ६७७ म १८८
सामंत्रबाद स ३४२	चर चरदश चत्रश संभित
सामंतवाही च ३४२	सारंगी वा ९७ वा १ ७
सामगान क ५५२	सारक ३१३ क ३१६ व १९ व १७
सामग्री क १७ क ४१९	श १२५, च ६३ च ४५१ क्र १५८
शामना झ २६२	सारमी ग ४१२
सामयिक छ १५ छ ६५	सारमाभ क ४९७
सामर्गीस४ स २७८	सारस क ३ ७ व ६४
सामर्म्यक ४ शा २७७ शा ३८	साय च ८७९
सामस्पैकान क ३९८, छ ४ अ २७८	सारिका च २७५
सामर्थ्यहीन व १९९, श ४२	सारी प ६२४ क २७१
सामर्म्महीनता च ४ १ स ६९	धार्वमीम स ३५ ग २९२, च ८८
सामनेद क ५४४ छ २३७	साखका४८३ ४७५ चर २,७२७
सामानिक स ३६६	सास्रपिरह् 🕶 १४७ स २१
सामान क ३७ क ४१९, व्य ३७५	सासन ह १ ४
सामान्य स १९ अव ४१७ अव ४२४	सासना स ४८२, व ४७
सामान्या व ३९७ 🖷 १५६	सास्त्रमियी \digamma २२
चामुद्रिक इ. १२	साका य १९२ व ६२४
शाम्य व ४२४	साळाना छ २८
साम्यवाद वा ६३९	धानी म १९४
साम्बनादी पार्टी का ३४६	साम् अ २७१
साम्राज्यबार च १४१	शानवार्गम २२
वाभाग्ययाही स ३४६	शावधान करना च २ ८, व ७७
वार्य स १४१	सावमान होता थ १ ६ व ७६६
सार्यकाल छ १४१	सावचानी या १ ४
सायत स १४९, छ ४ छ १२४	सावत क २८९, ध रेक इ.४० च वर्र
सायर च २६४	# #Y
सामल स २५१	सावी च १४ साविधी च ९३ क २ ८ क ९५५
वाया क २७५ छ २९४	
चारगण ११२ क १६५ छ १ ७ क १९५ च २२ ग ४ ग ४१५ व ४५७ व ४९३	
ग ५ % त ५५% व ५९३ <i>स</i> ५९४	
म ९ च म ६ % य दश्य य दश्	
	n and

माईस	415	सिड़ीपन
सारत कर ९,व २१२ व २४२	निहास ११०	
तार्टीमक न ४१८, ज २१४ ज २४	निहासन च १७६	
माहमी च २१४	निद्ति ग ४९६	
माराप्य अ ७८५	निही स ४०६ च १४०	८ म १९९
साहित्य स १२६ च ८५२	सिकार गं ५१३	
माहित्यकार स १२०	मिरंदर ग १९२	
माहिरियर स १२७ स १६	मिर <b>चा</b> ४ ५१९	
मातृग २९४ व ४ ४	निरही है देवेर ह	117 F 174 F
मारुवार स ४ अ २८६	146 2 146 20	(YI)
निग्रत हे ४३६	निकलर स ३५७	
निगरप है देरे	मिरना इ १०२ व ९	6
निया वर ११	विष्ट्र इ ५४	
निगार ह ३०	निपुरना य ८ ३	
नियारना ॥ ७३	निरुक्तर व ५३२	
निर्ण व ५८९	निरोहना व ८६०	
निपाश ११	निपरकृष्ट व	
नियाहा च ३७९	विकास मा ४२१	
नियी = ५८६	विस्तर व १	
निचन करना संदर्भ	निकास १४४	
निविदा बरमा छ ३१८	निका वास्तरण १४३	
मिन्द इ.व.	निक्∏ ≪ ९८	
निद्वार बालमा हा २४	तिमाम ६ १२३	
न्द्रियेस ३४ च ४३८	रियमान २४३ व	CCC
ल्बिका ५	विक्या के ने ८	
नियो द ४५ ५ इ. २४	निवस सीमा व ५१	1
स्विवस्थाय ६५,वन्नः वर्		464
निर्देश व १६३	(shed it	
[PRT # 11]	निर्दर्श ह र ६	
Freeze # 15	हुए स्थान स प्रदेश	
frent vec	lengt to the fit	
fere tel ex exe e est	न्द्रम १३ म १।	
Town what the first a fit		r
रिएस एक व हरू व हरूव	िरिक्त के देवत	

स्त्रक १७ सुबी क १७ सुठि पा ४६३ मुनगाच ६१ सुबीक च ४६३ मृतसाम व ५६८ सुदीसपन क ४६७ म्बहरा का ३७ सा ५५ सा ३३६ स्वय २५ शमका ६६ युवन क ११६ क ११७ सुत्रीक ५ ६ स्तान २६ च ६४ मुपारी इं १९२ सुवारी इ ४८२ मुपुत्र च ४२५ सुत्ही च ६ ४ पुर्व करना स ३९१ सुत्तपिटक क ५९२ मुख च ७५९ सुबता रू २६४ हा २७७ मृष्ति व ७५८ मुमनी म ३११ इ. २६४ इ. २७७ मुखेर 🕊 २८ सुषरा व ५४१ मुकेवी वा २९ सुषारापन व ५४४ नुबद्द छ १३९ सुरमन क १४ - इस् १६५, इस ८९ मुबिस्ता श ३७ मुस्ति छ ४ सुबीता स ३७ मुद्दी छ ८९ गुमव च ६८ च ४११ च १५५ सुष व ८३४ व ८४ सुभागा च १११ म ५६ मुब न एहता व ८४३ सुजारा क १९४ क १९८, क ४१९ वा शुपद्भ व ५, व ८४ गुमाच च १ मुपाक २४२, इन्दर्भ ९ चन्द् गुमापित के ४४७ म ९७ म ९२२ नुमीना स ३७ गुपार्ग ज ६१ नुम प १८१ सुपाकर का ३ ७ नुनगकर ७ म १८१ म २१ भूगार ज ९४ मुमिरम क १८ नुपारना व १४२ व १४४ हा १५१ गुनिरमा क ३९, क ४ नुषि न ८३४ व ८४ नुबनीय ७५ स २ ३ स ५६ गुपि बरना च ८३० नुमर च ३५८ नुवेद व ४१ च २४५ च १५८ च ४६१ नुषि बराता च ८३ नुषि गोता व ८४३ नुषम छ ४ गुर्चि रिमास व ८३९ नुवीयन क ४३६ मुनि स्मिगमा व ८४३ नुग्रम १४८ इ. ११ मुचि देशा च ८६३ बुरका ३ कार्युत्र सार्थ वयस्स

482

П

मुस

र्धनग 488 स्वता स ३६७ सतक व ४५९ संबंध ४४२ सूतकवृह च १५ संस म ५८२ सूचगीवा क ५८२ सुधार ग ५२३ सुवकेंगी क १२८ समाग ६१७ क ४८३ सवा क ४८ मुद्दे ह ४८१ सुविकायह च १५ सुका स ४२५ सुविका रोग बा ४९३ सुनतकार क ४४९ सुती कपड़ा इट २२३ सम क ५८५ क ११२ क ४८ सुक्तइप्टा क ४४९ सूत्रम क १६५, च ४२६, ज ५ ६ सुत्रकार म १३१ सूदमता च ४२८ सूत्र क्षेत्री चार ६ सुब खा ३९७ व २९६ व ४ ८ मुक्त सरीर न ५ सुख चाना च ५ २ T1 6 सुबत्तोर साथ अव अ ४५५ सुलनास १३२ सुषा च ५८ सुबा स १७४ के ४८, के २११ के २५३, गुवापन व ६१ प ५६८ स १२८ BAE 40 EASS EASS MCC सूबापत क ४९, स १३ भूपक ग ४ २, स ८४ स्वारोग स ५३७ भूपकार य ४ २ झ ८८ सूचक ग ५१६ य ५२१ व ६५४ च १२ शूवाचा १.६ व १६६ समय ३९ प ४६९ सूचना ज १२२ सूमपना च १९१ सुविका म ४४४ ब्रुट स ५२३ च २५६ च ४९६ झ १७३ सुचित व १२१ सुरम क १९७ व ४९६ सुचित करनाम २८ शुरजमूरी में ४१८ गुची इ ४८१ मूरताम १४७ म २३ व २८ व ४६१ सुचीमृत क ३२१ क १२१ छ ४८५ मूर्चत क २२, म १४३ सूबन वर ५२४ तुरशन च ४९६ मूजना घट ८ नुबाह ४८३ तुरत व ३१ मुत्री ग ११० ह ६७ गूरमा ॥ २०१ बुट ए १६६ गुरमान ॥ २०५ सूत्र मा २९७ श वेवेट श वे५३ व्हापट्ट जुराम च १५९ # 14 नूर्यनमा क १९८

चुर्व	484 4	<u>राधिक</u>
मूर्व क ३९० क ५५८ स ६१६ व १	शेतुवा च ५८२	
44,40	सेतु बॉप श्रमेस्वर क ५८ व १२	
नुर्यकात म ४८४ च ५९९	वैता क १९१ क २२४ स १५९ ध	3.5
मूर्यशतमीय प ५९%	# ASA	
मूर्वभीता क ५८२	सेनाप्यश स १५८	
मूर्यमंदल च ८	रोनामी क १८८, स १५८	
सूर्यपृषी व ४२७	सेनापति क १८८ स ३५८	
मुर्वरंग क १६५	वेनापवित्व झ २७२	
सूर्व्वोदव छ १३९	वेद य १४५	
सुनक व ८१६	रीम च २९१	
सूत्रन क १२६	<b>धे</b> यर <b>च</b> १२५	
सूजनहार ज ८१६	सेमा च २९	
सुद्ध क १२७	<b>छैर भ</b> र ३५	
सुष्टिक १२६	सेरवाना स १ १ स ४१९	
सृष्टि करना क १२५	चेयना झ १ २	
वृद्धिकत्तां क ११२, क १२३	रेण व १४५	
चेंक शा १३५	श्चेत्रक य २९६, य १८३	
<b>चेंक्ता स ९७</b>	सेवकाई हा २४९	
र्वेषर घ २१६	सेवती प ३९८	
सिंह क ११२	सेवना क २६ क २७ छ २४७	
सेंदुरिया य ४१८	सेवा क १६ स १९८ स १४९	
सेंच व १७१ स २ ७	सेवार य ५८२	
सेंबा नमक क २९	सेविका व २९७ व ३८४ इन्हरू४	
सेंबर्ड क १२४	सेनित न १४५	
संहर म ४७९	सेकी य १८१	
वेषेटचे व १५७	सेव्ययद्दः च १३ म १९९	
सेचन क ५६८	रोहुँ प ९७	
वेस के २८२, के ४९९	रीहुका चा ४५१ चा ४६५	
वैठ स ४ ४ स ४ ५ श व २९४		
११५ म १७८, श २८६ रेठानी य ११६	सैंडो क १४५	
सेटी न २९४	रीवन ग ४५२, व ४५९, क २९	
सेतु च २८८	र्षेत्रकृति चा ६२८, चा ६२९, चा ९६२ स्वाधिक चा २१	
<b>"%</b> . /=-	neun's # {{	

चैनायस्य	५४६ श्रेष्ट्रा
चैनापत्य झ २७२	सोनाम ४४८, भार ७ व ७६१
रीनिक सा १९५) सा १७३	ण ७६५
रीन्य का ३५९, का ३६५	सोनापाठा म १ ५
चैयां ग २२४	सोनार य १३५
सैरोमी क ४१८, म २७७ व ३८४	स्रोनारिन भ ११६
रीमानी ज ३३१	सोनेकासिका सा४२१
र्षमाद च २८४	खोपान च १५७
चौंचर नसक इट ६६	स्रोगकर्दकर्शभुक्तरभ
सौंटा 🛊 ५५५	सार्थ्य साथ ७ का वृश्य का वेरण
सींठ इ. २४	क ५१% व ५८% व १ व १६१
सींबा क ११५	सोमय करना श ६११
कोचदत क ३५४	सोमलता इ २ ७
सीवादरी क १५३	सोमगर क ११५, क ११७
धोसक्ती करना स ३६०	धोयम क ५८९
सोबनास १३४	योगाबीन च २६१
सोबा क १५४	सीर च ११
चोचाना स १३६	सोच व ४६९
सोस्या व ३१४	सोलह व ६२१
सोयमा अप २२५	सीवाच १६२
सोम म २२४ स ३४८	सोराना च ७६३
सोचकरनाच २२५	सोचसिनम वा १३८
सोचना ख २४८, ज २२५, ज ३६९	सोइन व ६२८, ग ६६७
सीटा रू ५५५	सोहबत च २७३ व ८५२
सोहा म ४६९	सोहाय क ६ %, श ४७
पीत म २७३	शोहायिन य २७
सोता व २७३	सोहारी इ.१.५ इन्११
सोरनाज ८ ८	सीरमं ज ४६७
योत च १ ५	सींग च १७२
सौनकरवा स ६७१	सौपा क्र ११५
योतजूही प ४ ५ सोतगाठा व १ ५	शीपना चा १९९, मा १९१
योगमहण्यः योगमहण्यः	गी स ६२८
सोतरा न ५१६	सीत इ.८९
***************************************	तीरुमार्गे थ ७

सीरम 440 स्तोत्र सीस्य च ४९ सीव्यथ व ४६७ सीगंद स ४२३ सीहार्वे अ १४६ च २७५ सर्वेद का २९%, ग १२, ग १६, म १६, म चौयात स २८२ सीवना क ३९, स ३९१ 448 सीत ग २३ स्कृत का २७४ मा १९९ सीतपम ग २३१ रकेस चा ३१२ भौतेका स १७ स्वाकित होना व ८११ सीतेमा बाप प १७६ स्टोप सा ३१६ सीतेकी मी व १८ स्टूक इन् ५११ सीरा व ३४१ झ २९४ स्टेट 🕊 १४८ सीरागर श २८६ स्तंम य ८४ म ५२९, म १६७ सौदामिनी छ २५४ स्तंमक म ७७६ स्त्रीमन क २८३ च ७७८ सीम म ४४६, च १४ - च १४६ च १७१ भौमायिनी गरक सा ४६ स्त्रमित व ६ ६, व ७७७ सीमाम्ब क ५५८, इ. १. ९. म. ४५९ स्त्रींगत होना च २३४ व ६ ४ E YO स्तन च ५ सीमाव्यवती व २७ इत ४६ स्तनमुख्य ५१ धीमाव्यवासी च ४६ स्तन्य क १५५ सीम्य थ ५१ स्तम्ब ६ ६ सीमनस्य व ४५ स्तरमता व ६ ५ सीमन्यदा व २९७ स्तर इ २३७ इ २७५ इ २८२ सौमित क ३७ # 4 R सीम्य म ५८४ च १५%, च १८, च ५८, स्तव के प्रेर के प्रेश के ९४ व ४६३ रतनक क ९४ स ४७६ सीम्पता व ४६७ व ६१ स्तवनक ४३, म १ वा ३५५ सीम्परधी स ४६३ स्तवन करना व ३५९ सीम्या क १९४ घ२ ७ घ४ १ श्तवनस्थां च ९८ सौर क ५७६, य ४२ स्तमनीय व ३५८ सौरगृह च १५ स्तुति के ४३ के ४५ के ९४ व १५५ सीरमण १५, अन्तः अन्तरः स्तृति करना क ४६ सीरवर्ष छ १ स्पृतिवाषक क ९५ तीयै व १५ स्तूप च १६७ सीबीर है रे छ स्तोत्र क ४५ क ९२, क ९४ व ३५५

स्तीन ५	YC F	ď
स्तीम क ९४ व ९१४	स्पैर्व व १४ व १६३	
स्थीय ४ ग २२५	स्तातक के १०८	
स्त्री प्रसंग क २८७	स्नाम स ६८	
स्मी प्रसंय करना क २८६	स्ताम करना स ६९	
स्त्रीकिय च ८	स्तात कराना श्र ७	
स्त्रैण पा ३ २	स्तानायार च १५१	
स्विगत होता व ६६५	लिलाय सं २८ इट १४ अप ९७९	
स्वसं व ४४४ च १	स्नित्वता च ५८१	
स्यमी के प्रदेश वा १	लोह क ११७ व १४५ व १४६	
स्वनिर क १२६ क १३७ श ३४	स्मेह देना व १३९	
स्तानु क १६५ क १४ व १८	स्नेहन स ६७	
स्वान के १९ के ३५७ के ५८६ व १	स्नेह्यद म २६७	
4 6A R 544	स्तेशी व २६६. च १५३	
स्यान सेना च ७५	स्तो # १२१	
स्वापत्म इत २	स्पेटित होता स्व १५१	
स्यापत्म क्षमा स ६	स्पर्वाच २६१	
स्वापना क २६	स्पर्धी व २८४	
स्वामी क २१६ व ७८ व ६७९, व ८१६	श्यक्षे व १९५/ स ४११	
स्यायीमाव 🐿 १८४	श्पर्ध करना व ४१२	
स्नागर च २४८, च ६७९	रपर्धन क ११३ क ११६ म १९५	
स्थित पहुना स २६१	स्पट करना च ८९९	
रिवर्षि च ९४८	श्यृह्णीय वर १४४	
स्मिर क १६५ क २१६ व २ व ७१ व		
२४८ म ६७६ म ८११	स्पृक्षे च १९९	
स्विपीयत व ११	PROPERTY OF THE	
स्निर्वित्तता व १४	स्कृत य ५१४ व १८२	
स्पिखा च १४	स्कुकिंग च २८१ स र ९	
स्चिर होना च ६८%	स्मृति व ४४४	
स्वृत्तक रहर कर्ष्य क व व व व व रहर	स्पूर्तियुक्त क १६४	
4 26	स्कृतिहील स १९५	
स्बूबकाय व ४९८	स्पूर्विहीनता 🕶 १९६	
स्यूबताच ५ च ५१४	क्स्प्रोटक व्य ५२२	
स्यूक होना व ८ ८	स्मर क २७१	

स्मरण	५४९ स्वादिष्टता
स्मरण क १८, क ७३ स १९ व ८३४	स्वतंत्र होनाझ २३१
स्मरण करना क ३६, च २४६ च ८३७	
च ८१८	स्वप्त स १८५ ज ५८८, ब ७६६
स्मरण दिलाना च २ ८, च ८३%	स्वभाव ज १ ज ४ २
स्मरमधनित च ८३६	स्मभावन चा १८५
स्मरनीय च ३५४	स्वयं च १
स्मसान च २२८	स्वर्तभूक ११६८ क १२३ क १३४ क
स्मार्त क 💌	140 # 501 # XC3
स्मित 🕊 १८१	स्वर क २१८, व ६४ व ६६ व २१६
स्मिति व ६३१	च २२७ च ६ ३ च ३, च ५८८
स्मृतिकर २, च १८% च २२४ च ८३४	
स्यवन क ११६ ४ १९	स्वक्यवान व ४६३
स्यात् 🛡 ८, 💗 १९५, 🖷 ९७३	स्वयं क ११२, क २३८, च ३
स्यार ग ५१३	स्वर्गवासी क २४ व ८२८,
स्याह व ३ ग ४६२	च ८२९
स्याही च १२, च १ ६	स्वर्गीय क २४ व ८२८, व ८२९
कोत व २६२, व २७१ व २७७	स्वर्ण म ४४८
स्रोतस्थिती च २७१	स्वयंकार व ३१५
स्तीपर ङ २९८	स्वयुर व १८९
स्य क १६४ क १६८ स ४ ५	स्वस्तिक प १७१ व ५४७ छ ३६
स्वकीय स ४ ५	名木
स्वकीमधा का 🔻 🖦	स्वस्थता का ५४८, वा ४९
स्वर्ण्यं स २३४	स्वीग च १३६, च १४७
स्वर्ण्यता स २१८	स्त्रीय बनाना व्य १४८
स्वक्र स होत स प्राप्त स प्रदेश स	
446	स्नानत करना में ६६६
सम्बद्ध करता <b>अ</b> २५ व्यापुत्रक व्यापुत्र	
स्वच्छताचा४१५ वाजा५४४ स्वच्छाहोताछ २१	स्वाती क ३ २, च २७ च ४२
स्वतः भ १	स्वार ध १२४
स्वतंत्र स २१४	स्वास्कृति इ. ४८
स्वर्षत्र करना स २३६	स्वावहीतिया क ४९
स्वर्तवता स २३८	स्वादिष्ट अस्थः अस्थः स्वादिष्टता अस्थः अस्थः

स्वाबीन	dda £x
स्वाधीन झ २३४	R.
स्मामीनता स २३८	हुँकारमा च ५९१
स्वाबीनपतिका स १५८	इंशारी स १६९
स्वाच्याय क ८४ च २५६	हुँगामा र्ज ५८९ व्य १७५
स्वामानिक च ३८५	होंक्रियों क ४९२
स्वामाविक चिकित्छा ख ४३२	श्रंती क्षा अनुब
स्मामानिकता च ३८७	इता भ ८२४
स्वामित्व झ १४९	हकरी सं४९ व्यवहरू
स्वामिनी ग ३८१	ह्य क ११% क १३१ क १३४ क १९४
स्वामी क ११२, क १६५, क १६	
१६५ म २२४ न ३८ - म ४५९	स्थ्यद्वाधाराष्ट्राहरू
स्वार्व व २७३	च १६२
स्नार्यता च २७३	हींगा वा ६३ वा ६६२ स १६८
स्वार्णपरवा व २७३	हॅंसमुख च ३७१
स्वानी व २७४	हेंसली क १११ क १४५
स्वासम्य च ४२८ क ५४५ छ ३७	हेंचवाहिशी क' १३
स्वाद्या होना स १ ४	हिंसाई व ६२८
स्वीकार व १७९, व १८८	<b>इ</b> ंसिया क ५२९
स्वीकार करता च १७८, च १८३, च १	८६ होती च १७२ च ६२८ च ६२९
HY S	ह्रेसी करना च २०२
स्वीकार्य व १९	हेरी संचाना ज १७१
स्वीकृत व १८८	हेंचुली क १११ क १४५
स्मीकृति व १९४	हेंबुषा क ५२९
स्वीकृति येता म १७८	हैसोस व ३७१
स्थीय शार्थ ५	इक्तकामा सं ४४१
स्वेद व १२१	हक्काना व ५२२
स्वेषण ग ५५४	इकीय सा ५३८
स्वेदमाग १५१	क्ष्मीमी <b>स</b> ४११
स्मैरश्च २३४	हमका-यक्काच ६ ३ स ४४
स्मैरचारिता स २३८	हतका-वतका होता च ६ <sup>४</sup>
सीरवारी स २३४	हमतहटी म ८३, च १५३
स्मैरता स २३८	इयता व ११६
स्वेरिनी ध ६६	ह्य क्य ७ क ५१७

<b>ह्</b> वम करना	448	हरद करना
हुबम करना च ७९३	इइसी ग ९९	
हवाम कर केना स २१८	इष्टा ग ५७६	
इबस्त क ५२४ व ३६७	इस्डीय ९९	
ह्याम ग ३११	हतकदम्बत व ३४८	
ह्यार थ ६३१	इताम छ १६५, स ४२	
हबूरी ग १८४	हराबुद्धि ज १६४	
हरवाम ग ३११	इतना च १५८, इत् २१८	
हरवामी क ४३४	इतास व २१५	
हटकना च ७७४	इवाइव स २७९	
इटनाव ६७ व १८२, व २८ व ६१	५५ हतोत्वाह च २१५	
म ७४४ म ७९१	इरवा स २१४	
हत्यार्वस्र २९३	इत्या करना य १५८, स २१८	
हटाना करिंक्ष, व १२९, व ३६१	च इत्थाकरनानाग १५७	
६० व ४४० व ७०५ व ८५३	इत्याच स २१५	
हटामा व ७४८	इषकट्टा व ५२८	
इदुवास ४	<b>इ</b> बकेर <b>व</b> १९८	
हर्ट च ११६ च ११८	<b>इ</b> पफेर <del>के</del> ना <b>थ</b> ४	
इट्टाक्ट्टा व ४९८	हमरोटिया कर कर १	
हर्टी च १६८	इविनी व ४६६	
हट व ७३ व ९७७	इथिया च ४२६	
इञ्चर्मी व ७३ व ७४	हविमाना च १९८, श २२४	
हरूवर्गी करना च ७५	हवियार क४ १	
ह्ळ्ना झ ४२८	इणियारमंद स २७	
इट्योग क ६२	श्युर्व क १	
इक्कर् च ९७५	इमेली य ६१	
इरी व ४४	हमीका क ५१५	
हड़कना व ५ २	इसीस कद २, ४४ ६ ४	
स्कृपना स २१२	हनना स २१८	
हर्मकाणा क १६१ स १८ हर्मकाहर क १६२	हननीय स २२८	
हरूमहिमा च १९४ व ४४८	इत्य देश भारतः य १५७	
हरती क १५८ क १५२ व २४४	हनुमान क ३१५ क ३८	
हरूनकी मनाना क १६१		
41.11	<b>श</b> ुन करना च ८३८	

हक्ता	५५२ शिया
हाजा ए ११३ छ १२२	हरमण १२५ च २२८ म १८४
हफ्ताबारी छ ११४	हरवस्त्र छ १
हमा च १८२ च १८३	हरवाहा म ३७७
इम व १९६	हुरच ज ४५
इमदरे था १ १	हरसमा ज ४१
इमराह व ९१८	हरसिंगार च ४१७
इमराही व ८५२	इस स ४१ इ. २ ४
इमलय १४	हराई व २८९
हमसा वा २८७	हराना ज २९१
हमनार ज ५७७	इरापन स ४२
हमवार करना व्ह ५७८	इयमय व ५६९
इमाम च १५१	हरायबौर ज ४४५
हमारा व ९९८	हरानकाश व २४९
हमेषाधार चार्रक	हरायल सा १६१ श २६३
हम्माम च १५१	हरास ज २१२ वर व २२४ व २४९
हम क २२% व ४९२	इन्त होना व ६४९ स ३१९
इनाव १५ क ६२१	हरिक १३४ क १६५ क २२५ क २९०
हमा करना व १२८	कतंत्र करहर करहर का हरह
ह्वाबार च ३१२	क ११७ क १६६ व १७ व १२९
ह्वाबाच च ३२२	बाध्यस्य वाध्यस्य वाध्यस्य वाध्यस्य
हरकत व ६८ व ७१४	शंभूर्वे या ६ ९. व ६१५ म ४४८ म
इंटक्ट करता व ७१५	३८८ च ५ च २४८
हरकाय स १६९ स १७६	हरिगीतिका च २ ३
हरवाग च ४१	श्रीरण सं१३४ क १६५ स २९७ <sup>व</sup>
हरकाता थ ४६	५ % य ६ ७
हरण वा अनुन	हरिनी च२२, व४४ व
हरव करना च ४५६	इस्तिक २९७ वा ४१ वा ४३ व ४९४
इरम क १६८	# XSE # X4 # #4
इंद्यास स ३,वई स ३,वन से ३,वई	श्रुतिस च ४५८, क ९ 🕊 १४५
<b>ए</b> ळालिकाच ११४ च २२१	हारिल <b>ध</b> ५ ५
हरना अपर ह हरफ वा २२५	क्षिती व ५ ६ व्यक्तिक कर्णा क 888
€can to A	हरियर का ४१, क २१६ हरियरी क २१६
• • • •	field a tit

هــه

हरिया <b>जी</b>	49.8	हस्तिनापुर
हरियाची च ४२	हसाहरू क १८३ म ४७८	
इरिस क ५२८	इलमा ङ १२२	
हर्ज व ४५५	हकक च ५११	
हुन करना व ४५६	हतुकई च ५१३	
हर्ता ग ४१८, ज ८२४	हस्काण ५११	
हुई स २२५	हरती इ. २७ इ. ५	
हर्स क २६	हस्का च २८७ व ५८९ झ	754
हर्ष स १८५ च ४५	इस्का करना व ५९	
ह्यंता च ४१	इस्सीय स १३४	
हर्पाता व ४१	हल्लुक च ५११	
हॉपंत व ३९	हवन क ३११	
हरित करना व ४३	ह्वन करना क ८२	
हपित होना व ४१ व ६४९	इत्तर भारतर भारत्	
इक क ५२६	हमान ११३ भ २६३	W 33%
हक्का क ३७२, व ६९, व ५१% स २९		
इतका करना व ७२१	हवाई बहाब क ३७९	
इसकान करना व ५५	हवा करना स ६८	
हककापन ज ५१३	हना कोसना व ६५१	
हसकोरमा व ५४९	<b>इनागाड़ी क</b> १८६	
इसकोर ग ३५४	हवाकात व १८२	
इसकोरित ग ३५५	हवास थ ५	
ह्वपत व १५ स १७५	इतिक १ क १५७	
इसवर क ४१	इतिस्थक ९ क ९१	
हलनाझ ४१४	इनेती च १४१ च १७१	
इब्याः स ४२३	इतरत म १३८ म ३४८	
हलक बठाना झा ४२४	इतित सा १६४ आह १८१	
इक्ष्मी क १२६	हसीन ज ४६६	
इसवाई स ४ २	इत्तक रश्य ग्राम् अन्द्रः	العرورة الع
हमबाहा य १७७	१७ च ४	
हरूनाही स १७७	हस्तगत श १४०	
हमाना व ७४१	हस्तपन करना ज १९८	
हतायुप क ४१	हरनपुष्ठ म ६२	
ह्लानतार ग १५४	हस्तिनापुर च १२२	

ह्क्ता	५५२ हिस्स्
Main 444 m 456	<b>स्</b> रम ग २२५ <b>ग २२८ व १८४</b>
शुजाबारी छ ११४	हरवस्य छ १
हम्स च १८२ च १८३	हरवाहा ग ३७७
हम ज ९९६	हरव वा ४५ व
इमदरें ज १ १	इरसमा च ४१
हमराइ च ९१८	हरसियार प ४१७
हमराही व ८५२	इत ल ४१ क २ ४
हमकप १४	हर्या व २८९
हमका व २८७	इरोना च २९१
हमबार व ५७७	हरापन वा ४२
हमवार करमा व ५७८	हरागरा व ५६९
हमाम च १५१	हरामकोर व ४४५
हमाध व ९९८	हरामशाचा च १४९
इमेघाल १ ७ १९७	इसमा वा १६८ स २६३
इम्मास च १५१	हरास व २१२ मा च २२४ च २४९
<b>ह</b> म क ४१५ स ४५२	हरा होना व ६४९ स ३१९
ह्या म १५ क ३२१	हरिक १६४ क १६५ क २२५ व २९५
ह्या करना च ३२८	कर ७ करहर करहर के स्ट्रि
ह्नाबार व ३२२	क ११७, क १६६ स १७ व १२६
इयानान च १२२	य ४५२ य ४९४ य ५२४ व ५५५
हरक्य व ६८ व ७१४	स ५९३ स ६ % स ६१% स ४४% म
इरक्य करना व ७१५	३८८, च ५ - च २४८
इत्कारा च १६८ च १७६	इरिनीविकाचर ३
इरसना च ४१	हरियान १३४ क १६५ न २९७ <sup>स</sup>
इरवामा व ४६	4 % 4 4 4
इंद्रक का अनेत	<b>इरियो ग</b> २२ व ४ ४
इस्त करना व ४५६	इस्तिक १९७ वा ४१ स ४३ व ४९४
हरन क १६८	म ४८६ म ४६ - म ४६
इत्याम म ४७१ स ४७५ स ४७६	श्रीका च ४५८, इ.९. च १४९
इट्याक्तिसंच ११४ च २२१ इटलास २१	हरित्र प ५ ५
इरक स १२५	इस्लीन ५६
€CH E Y	इरियर <b>वा</b> ४१ क २१६
*	इरियरी क ११६

इरियाकी 441 हस्तिनापुर हरियामी 🖷 ४२ हकाहरू क १८६ म ४७८ हरिस इ ५२८ हरूबा इ. १२२ हर्ष च ४५५ हरक व ५११ हर्व करना च ४५६ इसकर्ष च ५१३ हती न ४१८, च ८१४ हरकाण ५११ हर्ष च १२५ हस्यी क २७ क ९ हरों के २६ हरूबा व २८७ व ५८९ झ २६५ हर्व च १८५. च ४५ हस्का करना व ५९ हर्पनाच ४१ हस्लीय च १३४ हर्पाना व ४१ इस्कड़ च ५११ हपित व ३९ इयन क १११ हर्पित करना च ४३ हबन करना क ८२ हपित होता च ४१ व ६४९ हबस ज १३१ च १६८ इस इ ५२६ इया क ६१६ व २६३ व ३३९ हकता क रेक्ट, य ६९, य ५११ स २९६ वर ६५ हकका करना व ७२१ हवाई जहाय क ३७९ इसकान करना ज ५५ हवाकरनाशाक्ट हक्कापन च ५१६ हवा कोलना अर ६५१ हमकोरना व ५४९ हमानाही क ३८६ हस्सोर प ३५४ हवाबात व १८२ इसकोरित ग १५५ इवास व ५ हसमाध ज १५, श १७५ हविक ९ क्र.१५७ इसवर क ४१ इक्टियक ९ क ९१ हकता स ४१४ हरेडी च १४१ च १७१ हमक स ४२३ हरतत व १३८ म इ४८ इनफ पठाना ॥ ४२४ इसिन स १६४ भ १८१ हरूकी क १२६ इसीत अप ४५३ हसवाई ग ४ २ हस्तक २४४ म ४३ ग५६ ग ४४३ च हसवाहा ग ३७७ २७ च ४ हत्तवाही ग १७७ १४६ स ठम्या हताना च ७४१ हस्तपत करना च १९८ हतापुत क ४१ इस्तपुष्ठ य ६२ इसामग्रीर ग ३५४ इम्मिनापुर च १२२ n

हरितनी	<b>पृ</b> ष् <b>र हाति</b>
हस्तिनी स १५५, ग ४३६	हाय पकतृता व ७७४ ध २४
हस्ती म ४६५	हाण बराना म ८७
हम क ५ ९	हाय मसना श १४७
<b>१३</b> रना म २३४ च २४५	हान मुँह पीना स १२
इहराना च २४७	हान क्याना व ७८७
हहा क २४६	हाबी ग ४३५
हो क १९४	हाबीबाता च १८७
हांक क ५९९ हा २६५	हाचीवान य ४१
हॉकना ज ७१७	हानि व ४५५ स १ १
हाकने वाका च ६१	हानि करना च ४५६
हाक कगाना वा ६	हास्त्रीट इन् २५९
हाड़ी क्ष अपूर	हानूत क १४ <b>२</b>
इंक्लि च ७१२	हामका स ५२
हांनी भरता ज ९९	हामी गरना च १७८
हों में हो मिकामा व ६९	हार बाप्य प्रश्त साम्मद का देश कर्पि
हांसी व ३७२	व २८९ व ७५२ व ९१४
हाळ च २३८	<b>हार</b> देना ज २९१
शक्तिम च १६८ छ १५	हारना च २९२ च ७५१
इ।किनी क २ २	हारमोनियम च ११५
द्वाची (खेळ) इ. १६७	हारा व ७५४
इत्ती क १६८	हारियीक२२,व२७७
इाजत च ४२१ ई	हारिक य ६२
हाबिर स २५७	हारीत क ५७८, व ४१८, स २ ६
हाबिर च्यूना छ २६१	हानिया 🐨 ५ ३
शासियं स २५९	हार्मोनियम 🕊 ९८ 🐿 ११५
हाट व १३६ च १३८	हास क ५२६ क १७३ व ४४३
हाटक के ४४८	हाल का छ १७५ छ १७९
हाड़ ग ९९ छ ४५	<b>शक्त स</b> ५४% स १४९
दाका न ५०६	हाका अन्त ५
हासी क ४५६	श्चाम चा १६२
हाता व.६ ८ च ६८६ च ६४४	हात स १८६ म १७२ म ११८ म ९११
हाम म ५९ म १६८ म ४२८ म ७८९	
हान चोड़ना च १८७ स २४८	शिविक स. १४९

हासित करना	५५५ हिस्स
हासिक करना स ३५	हित व २७८, घ २८, घ ३ म १ २
हास्टल च २	हितकर च ३
हास्य स १७९, व ६२८	हितकारी व व
हास्यात्मक शैको ख २ ६	हित्रचितकण ३ ण ११
हाश क २४% क २४६	हितचितन व १ २
हिंगुमाना च ३७८	हिताई स ¥ <b>१</b>
हिंगुक इ. ६१	हिनुगरण गरण्य, जा३ जा१ 🖫
हिंडोस च ८३ क ३९१	हिवैपिताण १२
हिर प १८	हितैपी ग२७८, अस् अप्ट्र
हिंदनी स २२२	हिनहिनामा य ४५६
हिंदसा स २२८ स ५५६	हिनाच ४२१
हिंदी या २२२, या २२४	हिकाबत स १९८
हिंदुस्तान च १ ८	हिच्चवत करना स २ ५
हिरुस्तानी क ४ व्ह २२२ व २२४	हिपन करना च ८३८
हिंदू करे कर	हिमक ३ ७ च १५८, च १८८ च ४४७
हिंदोस्ती भ १८	छ २७ छ १५८ छ २५९ छ २६
हिनक ग ३६३ स २१५ स ४४८	द्विपंक्त छ २६१
हिसास २१४ स ४४६	हिमकर कर्ष कथ १६
रिसामु स २१५	हिमबान व २५५ व २६१
हिम स २१५ स ४४८	हिमायल च २५५
हिमक व ४९७	हिमायुक ६ ७ प १५७
दिक्सत सं४१ सं५४९	हिमाचय च २५५
दिनराया ५१२	हिम्मत च २ ९, च २१२, च २४२, छ २७.>
हिंचक व २३१	हिंग्मतबर ज २१४ व २४
हिचरनाव २३२	हिम्मनहीत व २३९
हिनकियाना च २६१	हिम्मती अप २१४ व्या २४ व्या २५२
दिचरिचाहर अ २३१	भ २७८
ट्रिक्टी स ५१२	हिस प ४९. स ११३
दिवदा अ १२	रियाव थ २ ९, अ. २१२
हिनहास व २२२	हिला क ५ ५
दियो छ १३	हिरम्यक २४७ व १२% च ४४८, च ६ ५
रिस्टरमाने स ३४४	हिरम्यमं क १२३ क १३४
रिविधा क ४२६	हिरम ए ७ ५

हिरनी 444 हिस्ती य ५ ६ श्रीसमा २६२ हिरस च १३१ हेकार थ ५९३, स २६५ द्विधावत स १६१ हेकारमा ग ४९५, व ५९१ हिरायत न १८३ हेंदार ग ५१४ हिसंब १३१ क्सव स १४८ हिन्दोरा च २७८ हरम स २४ हिननाच १७ च ६८ च ७७ च इत्तम देना श २४१ ७१६ वा ७४ वा ७७१ स ३५१ हुनमनामा स १८८ हिलाई व ७१४ हुक्सबरदार श २४२ हिलाना व ५४%, व ७१५ हुबमबरवारी स २४३ हिसोबना व ७१५ इनम स्याना स २४१ हिनोर म २७८, व ७१४ हबूरी न १८१ हुज्यतः च २६९ च ३२९ व ६४३ हिकोरना व ५४९, व ७१५ हिमोध च २७८ हुन्त्रत करना व २८ विसाद सा ५५%, बा ६४६ हुवायन क १११ हिस्टारिकल च ३२१ हरहर य ६६७ हुनर व्य के व्य २३५ व्य ३६८ व्य ३९६ हिस्टीरिया च ५३५ हिस्टोरियन ख १२ हुनरबी च ३९४ हिस्टी स ३१९ हुमसमा ज ४१ हिस्साम ६४३ व ८९ व ८९१ हुमेक क १६१ हिस्सा क्याना व ८८७ हतसमा व ४१ हिस्सा भैना स ८७ हरूसाना व ४३ हिम्मेदार य ४१९, व ४२ हबसित करना व ४३ हींय ह ९१ हलसिंत होना ज ४१ हीसमा व ४५३ इतास व २१२ की मा १२१ हुत्सह व ५८९ स १७५ होन व ४२९ व ४३९ व ९५१ हरकड़ी स १७६ होनता व ४३ व ४४१ हुल्ला म ५८९ हीनयान क ४९ हुत्सा मवाना व ५९ होय स ४९, व १३३ हसियार व १६३ शिर म ४८५ छ २५४ हैतना व १७४ हीय म ४८१ म ४८५ हकास २३४ श्रीमा स १७२ म १७३ हरूमा स १४८

हुब होना स ३९२	हैबा स ५२८
हुर क २४७	₹c ∓ ₹Y
हुसना व १३	हैस्त स ४३८
88 क २४५ क २४६ <b>छ</b> २७९ स २६५	<b>इरतमीय स</b> ं ४३९
इवस १३ ग १३३ म ३१६ म ३१४	<b>≹</b> रान च १३
हुबय क ५५% म ४९ त १ % व १३	<b>है</b> रान करना <b>व</b> ५५
स १३६	<b>(</b> बान ग ४३
<b>इस्त्रपाही ज</b> ४६३	्रेसियत स १८७
हुबसेस स २२४ व १५५	हॉकक्ताग ४४१ च ५९१ च ५९३
हृदयेस्वर स २२४ १५५	होंठ व २४
इब्देस्वधे च १५६	क्षो वाला व ६५५
ह्योतेस क १३४ क १९९, छ ५७	होटस च १९८
इन्ट स १६	होळ ग २४
हेंना स ११२	होड़ क १८१ ज २६१
हेंगाना स ६१६	होशा क ८५
हेंगी स ११२	होत्र क ५५८
हेडमास्टर व २७६	होगहार क १८९ व ४५७
Bu in a see a see	होना च ६५% च ६५% च ६८% च
हेमंत च ६८ च ८	९४७ स २६१
हेन कप्रकार वार्य वाप्रकार कारण	हामियोपैनी क ४२९
<b>७</b> २५९	होस्सा 🕸 १२
हेर स २५८	होच्या क १४३
<b>हेरना च</b> र६ अ ७२३, अ ७९६	होला क १४६
हेरफेर स ४	होली चर ३
हैरफेर करना स ४ १	होता च ५ च ८४
हैरनामा व ७९४ व ७९७	हीस उदया स ४४१
हेराना व ७२५	होरा करना व ८३७
हेपस्य च १८३	होस कराना व ८१९
हेठ म ९३	होस्र विकासाणा २८, घ८३९
हेतनाच ७४ स ४१४	होसियार व २ २ ज ३ ४ च १६१
हेममेस व २०० व ८५१	a 160
रेमाच १६६८ ग १५४	होसिवार करना च २ ८
र्सक र १११	होधियारी व २ ४ व ३६५ व ३६८

দৃষ্ঠ

हुब होना

होशियारी

होप्र-हवाप्र	५५८ वस्त्र
दीय-हवास च ५, च ८४	मिकान मुकाबिका मुधाबेहत स्ट्रुपरी
हो सकता व ६५६	समता समानता सायुक्य ।
इस्टस च २४५	वृत्र- खर,पास विस्त बनस्पति दूव हैंगे।
होहस्सा व ५९२ व ५८९	सॉब-उपर, कार केंद्र तीन, पेट !
ही व ११६	धूरमुजा पस्तव बाबी सद्दा।
द्रीकनाष ७१२	व्यवस्—पूर्णम कृत्रोग।
इतिना च २३८	सुराष्ट्र पुत्रंत सुवंति सुरक्षि सौरम।
क्षेत्र ज ३१०	वियानुना-अधाव करना नष्ट करना
श्रीरण ११	वरबाद करना निक्रत करना ।
श्रीरा क १९७	विवनाता ।
क्षेत्र व १४९ प्र ४४३	मीच-पिशा चिट्टकी चूटकी शक्ता ।
श्रीलरिक व २३७	भम-भाति बोसा मरम ।
इतिनाम व २४३	वितव्यय <del>ी शंबुध कमवर्ग</del> क्रिफारक
शुली प २ ८	शार, कृपण अस मक्तीनूस मित्रमन।
होगाण २३८	अधान
क्षेत्र व २१२	वंश्लीय-जावरबीय ईत्य परनेत्य पूजा
इतिका व २१२	प्रावेगीय भाग्य वंद्य अक्षेत्र श्रम्भाग्य ।
श्रीवकार्मव व २१४	ৰি≁—বুৰক পুলিব ≀
हरन ज ४३६	निक्सता-अङ्कसाहरः, बाहुकता विधा
परिश्रिष्ट क	चमहाहट, बेककी वेचेंगी स्वाङ्ग्यता ।
पुस्तक के मूख भाग में क्ये हुए कुछ	विहार-जानव बामोड केकि भीड़ा
बायस्यक राज्यों के पर्याप और विकोश	क्षेच्य प्रमोद सवा सीवा।
यहाँ दिये गए 🕻 🛚	माज-काम कामकिया तेरही बसर्ग
विदा मानदार, सीनित प्रामयुक्त	वरकी वर्गी सराव।
प्राणकान सजीव सप्राण ।	क्षेत्र-वृत्तित स्थाय स्थाय ।
विक-मेद ।	संवैद्य-संवेशा अवर, सनेस सनेस
तगड़ावहुरस्त पट्ठा पहुलवान वीन पुट्ट, मोटा श्रीटा स्वस्व हुटा-क्ट्टा	समानार, शबा। स्वन-भाषार, निवह, निर्यमव निमम
Acc-des !	प्रतिमन हिमार।
वै०'वस्त्रान' ।	सफ्ज-कापगाव कृतकार्ये सफ्कीमृत ।
विकमबोर' श्रामस्य'।	विकवयप्र <b>म</b> ्
कुलना-उपमा तारहम्य पटता, बरावरी	अतरकेनृहरकोत वतुरंगः। अवनदेगः १२ व २९
•	r

